॥ श्री ॥

॥ श्रीसमरादित्यकेवलीनोरास ॥

पुरवाचार्यश्रीहरिभद्रसूरीश्वरेंकोधनीरासनेंअर्थेंश्रीसमरादित्यके
वलीनुंचरीत्रभाष्यूंतेउपरथीसर्वपंमीतशीरोम
णीपं० श्रीपद्मविजयजीइंरचेलो.

भव्यजिवोनेभणवागुणवानाउपियोगसारु

दोलतचंदहकमचंदे

मुंबईमध्ये

गणपतकृष्णाजीनाछापखांनामांछपाव्यो.

संवत् १९२२.

॥ ॐ ॥ ॥ श्रीगुरुभ्योनमः ॥ दुहा ॥ स्वस्तिश्रीवरसारदा ॥ कुंदचंदसमकाय
॥ केवलमुखवीनेंकुमलकर ॥ प्रणमुंतेहनापाय ॥१॥ जगचुडामणीजगजयो॥
जगकेवलदिनराज ॥ रीषभगतीगतीराजती ॥ आदिदेवनमुंआज ॥२॥ शमन
समननेंसमणजे ॥ समणोवलिसमांन ॥ समणपदेचउअतीशया ॥ वंदुश्रीवर्द्ध
मांन ॥ ३ ॥ अत्रव्याख्या ॥ श्रमणभगवान्महावीरइहांप्राकृतेंसमणपदें ॥ च्या
रअतिशयसूचव्याछें ॥ तेइंमरोगादिकउपद्रवशमावें ॥ माटेंसमनकहिइं ॥ इ
तिअपायापगमातिशय ॥१॥ तथाअनुत्तरविमाननादेवतानासंशयटालवानें॥
द्रव्यमनप्रवर्त्तावेंछें॥ माटेंमनसहितवर्त्तें ॥ तेसमनइतिज्ञानातिशय॥२॥तथास
म्यगुरुमीपरें॥अणतिकहतांबोलेंसिद्धांतअविरोधी॥ तेसमणकहीइं॥इतिवचना
तिशय ॥ ३ ॥ तथासहमानेनवर्त्तेते ॥ मानेंकरीसहित ॥ एतलेंसुरअसुरनीपू
जारूपमानेंवर्त्तेछें ॥तेहनेंसमानकहिइंप्राकृतमाटें॥ इत्यथायइतिपूजातिशय
॥४॥ दूहा॥ परिसहसहताजेप्रभू॥ संख्यापणितसशेस ॥ केवलज्ञानदिवाकरू
नमुंअजीतादीजीनेश ॥ ४ ॥ गौतमपमुहागणहरा॥ सूरीनमुंसूजगीस ॥अनुं
क्रमेंजिणथीआवीउ ॥ श्रूतएविसवावीस ॥ ५ ॥ मुखरअलिश्रेणीमीली ॥ कु
सूमवुठिसूरकीध ॥ तिर्थप्रवर्त्तनसमयते ॥ सद्रकरोभवसीध ॥६॥ गुणदायक
श्रुतआगला ॥ वंदुगुरूगुणवंत ॥ जिणेंवचनेंकरीजाणीइं॥ तत्वातत्वमहंत ॥७॥
समरादित्यसुसाधुनुं॥ चरित्रअछेसुविचित्र॥हरीभद्रसूरेंभाषीउ॥ वचनविचा
रपवित्र ॥८॥ अल्पनिदांनउदइंअती ॥ बहुसंबंधवनाव॥ सूणतांसूखउपजा
वस्यें ॥ जेहथीभलाजमाव ॥ ९ ॥ नवखंमेंकरीनीरमलो ॥ रासरचुंसूखकार॥
सत्तरभवसोहामणा ॥ कहुंविचित्रप्रकार ॥१०॥ अपराधीनरउपरिं ॥ करिइं
नहींकांयक्रोध ॥ तिणेंएसमरादित्यतणा॥ चरीत्रसूणोभुलबोध ॥११॥ ढाल॥
॥चोपई॥ गुणअनंतआतमनाकह्या ॥ तेहमांपणिदोयमुख्यजलह्या ॥ दर्शन
नेंवलीबीजुंज्ञान ॥ तेहमांपणिज्ञानजपरधांन ॥१ ॥ यद्यपीज्ञानछेपंचप्रकार
॥ मतिश्रूतअवधीनाणअवधारि ॥ मनपर्यायतिमकेवलज्ञान॥ पणिश्रुतनाण
इहांबहुमांन ॥२॥ कालादीकजेआठआचार ॥ तेश्रुतज्ञानतणानीरधार॥ श्रू

तज्ञानेंचतनांणजणाय ॥ प्रथमलासपणिएहनोप्राय ॥३॥ आहारअशुद्धपणि
सुखउपयोग ॥ श्रूतज्ञानीलाव्यासुखजोग ॥ पणितेकेवलीकरेंआहार ॥ इमश्रुत
ज्ञानसह्यसिरदार ॥४॥ उक्तंच उघनिर्युक्तौ ॥ उहोसुत्तोवउत्तो । सूत्रनाणी
जईह्यगिएहइअसूद्धं ॥ तंकेवलीविसूंजइ ॥ अपमाणंसवेसूत्रंइहरा ॥ १ ॥
॥ चौपै ॥ ज्ञानेंसविश्रादेय गहेवाय ॥ ज्ञानेंसयलतेहेयतजाय ॥ इहसव
परसवपणिहितथाय ॥ साध्यसाधनज्ञानथीजणाय ॥ ५ ॥ मंत्रयंत्रआरा
धनकरे ॥ ज्ञानेंदेवताआपदहरे ॥ अज्ञानेंआवरयोसदैव ॥ हिताहीतनवीजा
णेंजीव ॥ ६ ॥ विणउद्यमनोदीवोएह ॥ नितउग्योसूरजछेजेह ॥ त्रिजूंलोच
नज्ञानउदार ॥ चोरिनकरेचोरकिवार ॥ ७ ॥ पापथकीदूरेंरहेसदा ॥ कु
शलपक्षमांवरतेतदा ॥ विनयनीप्रतीपत्तिसूहाय ॥ ज्ञानेजेहअसाध्यसधाय
॥ ८ ॥ श्रद्धापणिज्ञानेंथीरथाय ॥ जाण्याविणसरधानकराय ॥ तेश्रुतज्ञानआ
राधनकरो ॥ जिमसवसायरलीलातरो ॥ ९ ॥ सणवानोसवीकरोअभ्यास ॥
जोतुह्महोइज्ञानपीपाश ॥ दिवसेंएकपदपरखमांदोय ॥ जोसिषेउद्यमकरीतो
य ॥ १० ॥ यतःपुष्पमालायां ॥ जइविह्यदिवसेणपयं ॥ धरिह्यपरकेणवासि
लोगधं ॥ उझोयंमामुंचसू ॥ जईइछसिसिरिकउनाणं ॥ २ ॥ चोपै ॥ व्याकर्णछं
दकाव्यअलंकार ॥ नाटकतर्कगणीतनिरधार ॥ सम्यग्दृष्टिजिवेग्रह्यं ॥ तेस
धीज्ञाननंदीमांकह्यूं ॥ ११ ॥ एबोलेंआचारप्रदीप ॥ तिणेंतुमेंज्ञानसणोसवी
खिप्प ॥ अज्ञानीतेकरस्येकिस्यूं ॥ पुण्यपापस्यूंलहेस्येंइस्यूं ॥ १२ ॥ मास
मासनेंपारणंकरे ॥ पणिअज्ञानहैयामांधरे ॥मायावीसमेगर्भअनंत ॥ क्रिमपा
मेसवजलनोअंत ॥ १३ ॥ यतःसूगमांगे ॥ जइवियणिगिणेकीसेचरे ॥ जइ
वीयसूजियमासमंतसो ॥ जेइहमायाइमिझइ॥ आगंतागस्सायणंतसो ॥३॥
॥ चोपै ॥ सूगमांगेंएछेअधीकार ॥ दृष्टांतअगनीशरमवत्तीकार ॥ तिणेंअग
नीशर्मानीवात ॥ जोमेंसांसलज्योवीख्यात ॥ १४ ॥ चरित्रमांवलीसाष्यूंइम॥
धर्म्मकरोतुह्मेंसवीकाप्रेम ॥ धरमेंसुकुलरूपसंपदा ॥ धरमेंनासेंशवीआपदा
॥ १५ ॥ धरमेंकीरतिवाधेघणी ॥ तिणेंकरोधर्मबीजुंअवगणी ॥ जेजेंइंद्रीयम

नअसीरांम ॥ तेतेधर्मतणांसङ्कांम ॥ १६ ॥ अर्थसयणनेंवलीशरीर ॥ मर
णकालमुंकेलहीपीर ॥ धर्मएकहोयेंसूसहाय ॥ परसवदेवमनुजवलीथाय ॥
॥ १७॥ शिवसुखपांमेंतीहांथीवली धर्मकथातिणेंकहेकेवली ॥ आराधकनें
वीराधकजेह ॥ गुणदोषकारककहींतेह ॥ १८ ॥ सांसलीहोइंपरमवेराग ॥
तिणेंएसमरादीत्यनोलाग ॥ नवसवबिङ्कनोजीमसंजोग ॥ तिमसाधुंतुह्मेसू
णोसवीलोग ॥ १९ ॥ मुनीचंदरायराणीनर्मदा ॥ वेलंधरसूरनीपर्षदा ॥ तेआ
गलजिमकेवललही ॥ निजपुरवसववातजकही ॥ २० ॥ संषेपेकहेस्यूंतेचरी
सांसलोसङ्कइंहर्षजधरी ॥ समरादीत्यचरीत्ररशाल ॥ पद्मवीजयकहेपहेली
ढाल ॥ २१ ॥ सर्वगाथा ॥ ३२ ॥ डुहा ॥ संग्रहणीगाथासूणो ॥ नरसूरसवनां
नांम ॥ इमनगरीनेंआउषां ॥ आचारजकहेआंम ॥ ३३ ॥ यतःचरीत्रे ॥ गु
णसेणअग्गीसम्मा ॥ १ ॥ सिहाणंदायतहपीयाउत्ता ॥ २ ॥ सिहीजालिणीमा
इसूया ॥ ३ ॥ धणधणसिरीमायपइस्रा ॥ ४ ॥ १ ॥ जयविजयायसहोदर
॥ ५ ॥ धरणोलङीयतहपइस्रा ॥ ६ ॥ सेणवीशेणापित्तीअउत्ताजम्मंमी
सत्तमए ॥ ७ ॥ २ ॥ गुणचंदवाणमंतर ॥ ८ ॥ समराइच्चगिरीसेणिपाणोउ ॥
॥ ९ ॥ एक्कस्सतउमुरको ॥ णंतोबीअस्ससंशारो ॥ ३ ॥ णगराइंखिइपइठं ॥ १ ॥
जयपुर २ कोसं ३ सूसमनयरंच ४ कायंदी ५ मायंदी ६ चंपा ७ उत्साय
८ उज्झेणी ९ ॥ ४ ॥ गुणसेणस्सुववाउ ॥ सोहम्म १ सणंकुमार २ बंसेसू ३
सूक्का ४ णया ५ रणेसू ६ गेवीस्रा ७ णुत्तरेसूंच ॥ ८ ॥ ५ ॥ इयरस्सुववा
उ ॥ विद्यूकुमारेसूहोइनायव्वो ॥ सेशोअणंतरोउण ॥ रयणाइसूअहक्कमसो
॥ ६ ॥ सागरमेगंपंचय ॥ नवपनरसेयतहयअठारा ॥ वीसंतीसंतित्तीसं ॥ बी
अस्सठिइउणरएसू ॥ ७ ॥ डुहा ॥ श्रीहरिसिद्धसूरीसरे ॥ चौदसेंचउच्यालीस ॥ ग्रं
थआलोअणमांग्रह्या ॥ जगमांबहोतजगीश ॥ ३४ ॥ प्रथमग्रंथप्रारंसीउ ॥
क्रोधनीराशनेंकांम ॥ एहगुरूआम्नायछे ॥ समतासंगसूठाम ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
महावीदेहषेत्रसोहामणं ॥ एदेशी ॥ जंबूद्वीपसोहामणो ॥ पश्चीममहाविदेह ॥
लालरे ॥ खितिप्रतिष्टनामेंसलूं ॥ नगरअ नोपमजेंह ॥ लालरे ॥ ३६ ॥ ज०॥

गढमढमंदिरमालीत्र्प्रां ॥ मानुंसूरेंद्रवीमान ॥ लालरे॥ जिहांमहीलाजनमो
हत्ती ॥ रूपेरंससमान ॥ लालरे ॥ ३७॥ जं० ॥ वदनेंकमलकोईलश्वरें ॥ नय
णेंकुवलयपत्र ॥ ला०॥ राजहंत्र्पगतीइंकरी ॥ जीतेरमणीययत्र ॥ ला ॥ जं०
॥ ३८ ॥ जीहांवीद्यान्यसनीजना ॥ पापसीरुजसलोल ॥ ला ॥ धनबुधीधर
मेंकरी ॥ राषेयथ्थीरथोल ॥ ला ॥ जं० ॥ ३९ ॥ पुरणमंमलपरगमो ॥ जन
मननयणाणंद ॥ ला ॥ मयकलंकेहीणमो ॥ नरपतीपुरणचंद ॥ ला ॥ ४० ॥
॥ जं०॥ कुमुदीनीनामेंकांमिनी ॥ त्र्प्रंतेउरसीरदार ॥ ला॥ मदनधरेरतीवल्लहा
सोगवेसोगउदार ॥ ला ॥ जं० ॥ ४१ ॥ गुणसेनकुमरछेतेहनें ॥ गुणगणरय
णसंभार ॥ ला ॥ क्रीमाप्रियबालकपणें ॥ व्यंतरसूरपरेंसार ॥ ला ॥ जं०॥४२
त्र्प्रल्पारंसपरियही ॥ तिहांपुरोहीतएक ॥ ला ॥ धर्मसास्त्रपाठकवली ॥ जज्ञ
दत्तसुवीवेक ॥ ला ॥ जं० ॥ ४३ ॥ सोमदेवागरसेंथयो ॥ त्र्प्रगनीशर्मापुत्त ॥
॥ला ॥ मोहडुंत्रीकोणमस्तकसही ॥ पिंगलनयणतेवत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ४४ ॥
चीपमुंनाकबेत्र्प्रीगयुं ॥ बिलमातरजत्र्प्राकांन ॥ला॥ दंतदंतुत्र्प्रालनीपरे ॥ देहते
बीसत्सवान ॥ ला ॥ जं० ॥ ४५॥ लंबोदरकोटिवांकमी॥ वाकाटुंकाहाथ ॥
॥ ला ॥ एकपासूउचुंवली ॥ मानुंपापनोसाथ ॥ ला ॥ जं० ॥ ४६ ॥ थुलक
ठीनलघुजेहनी ॥ जंघनेंपोहलापाय॥ ला॥ विषमउरूकेसकावरा ॥ विषमक
टितटथाय ॥ ला॥ जं० ॥ ४७ ॥ गुणसेनकुमरकौतकथकी ॥तालकंसालमृ
दंग ॥ला ॥ नाटिकनीत्यकरावतो॥ त्र्प्रग्निशर्मासंग ॥ला ॥जं० ॥४८॥ हसतो
हस्ततालीदीइं ॥ गर्दसेंकरीत्र्प्रारोप ॥ ला ॥ बालकवृंदपरवर्यो ॥ उपजावेतस
कोप ॥ ला ॥ जं० ॥ ४९॥ फाटुंत्रुटुंसूपमुं ॥ छत्रकरेत्र्प्रीरठाय ॥ ला ॥ झिंझि
मफुटाढोलज्यूं ॥ कहेएजायमहाराय ॥ ला॥जं० ॥ ५० ॥राजपंथेंउतावलो
नितहींमावेतेह ॥ ला ॥ इमकरतोतेकदर्थना ॥ उपजावेतसदेह ॥ ला ॥ जं०
॥ ५१ ॥ इमरवमतांहवेउपनी ॥ वैराग्यसावनाचीत्त ॥ ला ॥ चिंतवेइंणिपरें
चित्तमां ॥ पुण्यकर्युंनपवीत्त ॥ ला ॥ जं० ॥ ५२ ॥ तोधीकारबहुजन
करें ॥ परपरासवनोगांम ॥ ला ॥ हासीकरतालोकनुं ॥ सहीइंसहुइंत्र्प्राम ॥

॥ ला ॥ जं० ॥ ५३ ॥ धर्मनकीधोपरसवे ॥ तिणेएपामुंविवाग ॥ ला ॥ देषीन करूंइंणेसवें ॥ तोकिमलहुंउखताग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५४ ॥ तिणेंकरीइंहवेध र्मनें ॥ जिमनवीपामुंउःख ॥ ला ॥ उर्जनजनथीविमंबणा ॥ नविलहीइंलहुंसू ख ॥ ला ॥ जं० ॥ ५५ ॥ इमचिंतवीवैराग्यथी ॥ मुंक्योनयरीसंग ॥ ला ॥ सं क्लेशाथा नकवर्जिइं ॥ इंमजांणीएकंग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५६ ॥ देशअंतेंसीमा लगें ॥ हिंमतांथयोएकमास ॥ ला ॥ तिहांतपोवनदिठुंहवे ॥ नामसूपरितोस जास ॥ ला ॥ जं० ॥ ५७ ॥ चंपकबकुलअशोकतीहां ॥ नागअनेंपुन्नाग ॥ ला ॥ मृगमृगपतीरमेंएकठा ॥ गुरूमतथावलीनाग ॥ ला ॥ जं० ॥ ५८ ॥ धू मपमलघृतहोमनो ॥ उपजेतापसंतोष ॥ ला ॥ गिरिनदिनीझरणावहे ॥ पाम्यो सूखनोपोष ॥ ला ॥ जं० ॥ ५९ ॥ विसामोइंणिइंहांकरयो ॥ देषीजागिवि शाल ॥ ला ॥ पद्मविजइंबीजीकही ॥ ढालअतिसूरशाल ॥ ला ॥ जं० ॥ ६० ॥

॥ उहा ॥ करिविसामोतिहांकणें ॥ षेदथयोजवषीण ॥ तवउठ्योउतावलो ॥ तापससूंतेलीण ॥ ६१ ॥ नयणेंलागोनीरषवा ॥ आर्जवकोमीन्नएह ॥ नामेंते ध्यांनेंरह्यो ॥ कदलीघरकस्युं गेह ॥ ६२ ॥ लेइरूद्राक्षमालाकरें ॥ जपतोबे ठोजाप ॥ वांकलुंपहेस्युंवस्त्रनुं ॥ परगटनहीआलाप ॥ ६३ ॥ जटाजुटजोगी सरो ॥ सूतिलगावीसाल ॥ कमंमलमुंक्युंकनें ॥ सोमदृष्टीसंसालि ॥ ६४ ॥ कम लपत्रउपरिंकरयूं ॥ आसनअतिहिउदार ॥ जोगपटेंआसनसज्युं ॥ वरज्यो सेषव्यापार ॥ ६५ ॥ नाशाइंजोम्यांनयन ॥ दृष्टिहरप्योदेखि ॥ रोमांचित्त थईहरषसुं ॥ प्रणम्योधरतीपेषि ॥ ६६ ॥ उत्तमांगअवनीतलें ॥ थापीथयोस नाथ ॥ मांनेधन्यनिजआतमा ॥ पारलह्योसवपाथ ॥ ६७ ॥ ढाल ॥ रागविहा गमो ॥ मुझघरिआवज्योरेनाथ ॥ एदेशी ॥ करजोमीनेंकहेइंणिपरिं ॥ प्रसूपा रपांम्योआज ॥ तुह्मदिठेउखसवीविसरयां ॥ मुझनहीअवरसूंकाज ॥ ६८ ॥ गुरुजीवीनतीमुझएह ॥ मुझकरोपावनदेह ॥ गुरु० ॥ एआंकणी ॥ इमसांस लीतापसहवे ॥ देषितेअतीबहुमांन ॥ स्वागतपूठेइमतेंहनें ॥ मुकीपोतानुंध्यां न ॥ ६९ ॥ गुरु० ॥ दिइंतापसआसनएहनें ॥ कहेवेसइणहीठाय ॥ तवबेठो

कुसनेंआसनें ॥ कहेकिहांथीआयोसाय ॥ ७० ॥ गुरु० ॥ जवकह्युंनिजवी
तकसवे ॥ तवकहेतापसइंम ॥ वत्सपुर्वकृतकर्मेंकरी ॥ सङ्कलेशपांमेंनेम ॥ ७१
॥ गुरु० ॥ तिणेंसूपेंपिम्थ्याप्राणीआ ॥ वलीदलद्रदुहव्याजेह ॥ दोसागकलंके
डसीआ ॥ होयत्राणवीयोगिनेंएह ॥ ७२ ॥ गुरु० ॥ इहसवेंपरसवेंसुखकरे ॥
एपरमसीतलठाण ॥ परसंगेंडखनवीपामीइं ॥ लोकथीनहीअपमांण ॥ ७३ ॥
॥ गुरु० ॥ डरगतिनवीजईइंवली ॥ तिणेंधन्यछेवनवास ॥ इमकहेवोल्योतेहवे ॥
स्वामीकह्युंतेषास ॥ ७४ ॥ गुरु० ॥ जोहोयमुझउपरीकृपा ॥ जोजाणोव्रतनें
जोग ॥ तोव्रतदेइअनुग्रहकरो ॥ तवबोल्यातपसीलोग ॥ ७५ ॥ गुरु० ॥ तुह्मवी
नांबीजोकूणहोइं ॥ तुझनेंघणोवेराग ॥ पणिमार्गअमचोसमझीनें ॥ तुह्मेंव्रतली
उंमहासाग ॥ ७६ ॥ गुरु० ॥ इंमकहीसमझाव्योसलो ॥ हतोजेहनिजआचार ॥
रहीकेइक दिननेंव्रतदीउं ॥ सुसतिथीनषेतरवार ॥ ७७ ॥ गुरु० ॥ कोइडख
गर्वितवैराग्यथी ॥ दिक्षादिनेंकहेइंम ॥ मास २ नेंकरुंपारणुं ॥ मुझमहाप्रती
ज्ञाप्रेम ॥ ७८ ॥ गुरु० ॥ पारणादिनेंपहेलेघरे ॥ सुसअसुसजेमलेआहार ॥
अथवामिलेनहीतोहिपणि ॥ फिरीजाउंआपणेंठार ॥ ७९ ॥ गुरु० ॥ पणि
जावुंनहीबीजेघरे ॥ सङ्कसांसलोएनेंम ॥ पालतांप्रतिज्ञावहीगयां ॥ बङ्कला
षपूरवएम ॥ ८० ॥ गुरु० ॥ इंणिअवसरिवनढुकडु ॥ एकवसंतपुरइंणनांम ॥
तसलोकगुणरागीथयो ॥ बङ्कसक्तिवंतोतांम ॥ ८१ ॥ गुरु ॥ अहोमहातपस्वीएहछ
इं ॥ आलोकनीनहीआश ॥ निजशरीरनोप्रतिबंधनही ॥ एहनुंसफलजीवी
तवास ॥ ८२ ॥ गुरु० ॥ इमबङ्कप्रशंसातेकरे ॥ हवेपुर्णचंदजेराय ॥ गुणसेन
नेंपरणावीउ ॥ वलीकीधलोमहाराय ॥ ८३ ॥ गुरु० ॥ तपोवनेंतापशनृपथ
यो ॥ रांणीसहीतशुसचित्त ॥ गुणशेनराज्यनेंपालतो ॥ त्रणिवर्गसाधेनीत्य ॥
॥ ८४ ॥ गुरु० ॥ बङ्करायसामंतपदनमें ॥ साध्यतेबङ्कलादेश ॥ दशदिशेंनिर्म
लजसवधें ॥ निजदेशनेंपरदेश ॥ ८५ ॥ गुरु० ॥ वसंतसेनानामथी ॥ पटरा
णीसूंएकदिन्न ॥ वसंतपुरआव्योवही ॥ तपोवन्ननेंआशन्न ॥ ८६ ॥ गुरु० ॥ पे
ठेमहामंगलकरी ॥ विमानछंदप्राशाद ॥ पाउसनीलीलासूचवे ॥ नाटिकगाज

नोनाद ॥ ८७ ॥ गुरु० ॥ रयणावलीउविजली ॥ धूपघटीमेघअंधार ॥ चंमर श्रेणीबगपंतीउ ॥ मुक्तावलीजलधार ॥ ८८ ॥ गुरु० ॥ पंचवरणीपदांसुकजि के ॥ लटकेतेइंद्रधनुंष ॥ सुगंधप्रथवीमहमहे ॥ देखीनलागेसूष ॥ ८ए ॥ ॥ गुरू० ॥ मोहनीदमांजेधारीआ ॥ तेणेसुपनसरीखुंथाय ॥ सज्ञनगरलोक विसर्जिआ ॥ सुखमांतेदिवशगमाय ॥ ए० ॥ गुरू० ॥ जबसूर्यउदयोतब करे ॥ गोसकृत्यतेसूपाल ॥ कहेपद्मनीजीढालए ॥ सुंणतातेमंगलमाल ॥ ए१ ॥ गुरू० ॥ डहा ॥ नरपतीरमवानीकल्यो ॥ खेलावेबज्ञखास ॥ आसअति उतावलो ॥ पामेतेहथीप्यास ॥ ए२ ॥ तेहनोखेदउतारवा ॥ बेठेसहसंबवन्न ॥ इंणसमेतापशआवीआ ॥ नरपतिनेंआसन्न ॥ ए३ ॥ नारिंगांनवरंगना ॥ आ पीदेआशीस ॥ सूपतिपणिउंलोथई ॥ साचुंनामेंसीश ॥ ए४ ॥ आपेआशन आदरे ॥ तवतापेरीषीनेह ॥ अमगुरूमोकलीआइहां ॥ डखसुखपुठनदेह ॥ ॥ ए५ ॥ कहेनरपतिकिहांकुलपती ॥ तापसबोलेतांम ॥ इंणतपोवनमांआ वीइ ॥ देखोदरीसउद्दाम ॥ ए६ ॥ कौतकनोलीधोथको ॥ तपोवनपोहोतोतेह ॥ तापसबज्ञवलीकुलपती ॥ नमीउंआणीनेह ॥ ए७ ॥ कुलपतिसूपतिनेंकहे ॥ सांसलिधर्मसनाथ ॥ विनइंसांसलीविनती ॥ साखेहवेसूनाथ ॥ ए८ ॥ ढाल ॥ श्रीरीषसाननगुंणनिलो ॥ एदेशी ॥ नरपतिकरजोमीकहे ॥ मुफउपरिंकरोसुप सायहो ॥ मुणिंद ॥ ल्योआहारमाहरेघरे ॥ सज्ञतापशनोसमुदायहो ॥ मु० ॥ आवोगुरूमुफमंदीरे ॥ एआंकणी ॥ एए ॥ कुलपतिकहेसूणसूपती ॥ आव स्युंपणिटालीएकहो ॥ मु० ॥ अगनीसर्मातेनामथी ॥ तेहनेंमासमासनीटेक हो ॥ मु० ॥ १००॥ आ० ॥ तेवातसुंणीकहेराजीउ ॥ कीधोमुफनेंउपगारहो ॥ मु० ॥ पणिकिहांतपसीवमसागीउ ॥ करूंदर्शनपामुंपारहो ॥ मु० ॥ १०१ ॥ ॥ आ० ॥ कहेकुलपतीउध्यांनेंरह्यो ॥ जिहांश्रेणीअठेसहकारहो ॥ मु० ॥ जइदिठोपदमासनरह्यो ॥ प्रशांतचित्तव्यापारहो ॥ मु० ॥ १०२ ॥ आ० ॥ बज्ञहर्षधरीपुलकितथइ ॥ प्रणमेंतेहनावरपायहो ॥ मु० ॥ तवदिइंआशीस तापसतीहां ॥ सूरवेंआव्यातुलेंइंणठायहो ॥ मु० ॥ ३ ॥ आ० ॥ तुलेंबेसो

इहांइणेंथांनिकें ॥ तवबेत्रीतेहनरिंदहो ॥ मु० ॥ कहेकिमडकरएआदरयूं ॥
तवबोल्योतेयोगिंदहो ॥ मु० ॥ ४ ॥ आ० ॥ एकदालीदुःखनेंविरुपता ॥ व
लीपरपरिसवपणिहेतुहो ॥ मु० ॥ तिमगुंणत्रोनवलीनृपसूतसलो ॥ कल्याण
मीत्रसुसचेतहो ॥ मु० ॥ ५ ॥ आ० ॥ नीजनामेंशंक्योनरपती ॥ कहेतेकहो
कारणकेमहो ॥ मु० ॥ सूपतीसूततूह्महेतुथयो ॥ तवअगनीशर्मांकहेइमहो
॥ मु० ॥ ६ ॥ आ० ॥ जेजेउत्तमनरहोयते ॥ पामेंप्रतीबोधस्वयमेवहो ॥मु०
परप्रेरयामध्यमनरलहे ॥ जघन्यलहेनसदेवहो ॥मु० ॥ ७ ॥ आ० ॥ प्रेरेजे
संसारीजीवनें ॥ धर्मेंकोइकनयेणहो ॥ मु० ॥ काढ्योतिणेंकारागारथी ॥ क
ल्याणमित्रकह्यंतेणहो ॥ मु० ॥ ८ ॥ आ० ॥ निजवितकसंसारीमनें ॥ लज्जा
अवनतकरीवयणहो ॥ मु०॥ कहेकिमप्रेरयातुह्मनेंतिणें ॥ किमतेथयोधरममां
सयणहो ॥ मु० ॥ ए ॥ आ० ॥ कहेतेअगनीशर्माहवे ॥ प्रेरणातोछेअनेक
हो ॥ मु० ॥ तिणेंकोइनिमित्तेंप्रेरीउ ॥ म्हेधरिउतेहथीविवेकहो ॥ मु० ॥ १० ॥
॥ आ० ॥ तवचिंतेचित्तमांसूपती ॥ अहोअहोएहनोपरीणांमहो ॥
॥ मु० ॥ मानेंएउपगारनें ॥ छेजेहपरासवठांमहो ॥ मु० ॥ ११ ॥ आ० ॥ न
करेएंनिंद्याकेहनी ॥ पणिम्हेतोकीधअकाजहो ॥ मु० ॥ पापकरयुतेप्रका
सीइं ॥ इमचिंतवीतमहाराजहो ॥ मु० ॥ १२ ॥ आ० ॥ महापापकारीह्यंतू
मप्रसू ॥ तुह्मनेंकीधोसंतापहो ॥ मु० ॥ ह्यंतेअगुणत्रोनजांणज्यो ॥ किधूंघोर
मेंअतीपापहो ॥ मु० ॥ १३ ॥ आ० ॥ इमनहीतपसीकहेसांसलो ॥ तुंमुझ
धरमसखायहो ॥ मु० ॥ नृपकहेगुणग्राहकतुह्मो ॥ चंद्रथीअगनीनझराय
हो ॥ मु० ॥ १४ ॥ आ० ॥ हवणांइणवातेंतोसरयूं ॥ पणिपारणंतुह्मकिवार
हो ॥ मु० ॥ तपसीकहेपांचदिवसापछे ॥ प्रथवीपतीसाषेतिवारहो ॥ मु० ॥
॥ १५ ॥ आ० ॥ माहरेघरेपारणंकीजीइं ॥ जोकीजेंमुझसूपसायहो ॥ मु० ॥
तुह्मप्रतिज्ञाविधीजीके ॥ मेंजांणीकुलपतीपासहो ॥ मु० ॥ १६ ॥ आ० ॥
तिणेंअनागतह्यंविनवुं ॥ तवबोलेतपसीवाणिहो ॥ मु० ॥ तेदिनआवेतबहाक
ह्यं ॥ विघमीतेविघननीषांणहो ॥ मु० ॥ १७ ॥ आ० ॥ जीवलोकसूपना

समो ॥ जिवचिंतवेआजनेकालहो ॥मु०॥ कामकरस्यूपणिजाणेनही ॥काल
नेतोहाथछेकालिहो ॥ मु०॥१८॥आ॥ तवनरपतीबोलेइंमफरी ॥ निर्विघनेंआ
वेतेदिन्नहो ॥ मु० ॥ पारणेंप्रसूआववुंमुझघरे ॥ आपहथीतिणेंप्रतीपन्नहो ॥
॥मु०॥१९॥आ०॥हवेराजाहरषेंप्रणमीउ॥ गयोनयरमांनीजआवासहो॥मु०
सगतिकरीकुलपतीनीघणी ॥ गयापांचदिवशपणितासहो॥ मु० ॥२०॥आ॥
कहीचोथीढालइंणिपरि ॥ सहुधरमनाअरथीजीवहो॥मु०॥कहेपद्मविजयस
मझीकरो ॥ तोपामोसूखअतीवहो ॥ मु० ॥ २१ ॥ आ०॥ दूहा ॥ पारणंक
रवापोहचीउ ॥ गुणसेनरायनेंगेह ॥सिरवेदनअतीसयथइ॥ जालिमनृपनेंजे
ह ॥ २२ ॥ आकुलव्याकुलसहुथया ॥ आव्यावैद्यअसेस ॥ वैदकसा
स्त्रवदेघणां ॥ पणिगईनपीडालेस ॥ २३ ॥ रयणवीचीत्तचुरणकरी ॥ लेपल
गायालख ॥ बुद्धीवंतबलीआवहु ॥ विबुहांमतिविलख॥ २४ ॥ होमहवनपु
रोहीतकरे ॥ सांतीकरमसंसाल ॥ अंतेउरआंसूंझरे ॥ म्लांनथइफूलमाल ॥
॥ २५ ॥ कमलायुंमुखकमलते ॥ कंन्याकंडककील ॥ चित्रकर्मपरीचयत
ज्यो ॥ लगीननाटिकलील ॥ २६ ॥ पमीहारागतप्रांणजीम ॥ कंचुइकतजे
कांम ॥ सूपकारसूखनवीकरे ॥ सामंतसोकविश्राम ॥ २७ ॥ तापसदेखीते
हवुं ॥ वलीउंचीत्तविचार ॥ पाछुंनवीकोइपूछिउ ॥ पोहतोतपोवनपार ॥२८॥
॥ ढाल ॥ जोगीसरचेलानीदेसी ॥ किमआव्यापाछाफिरिरे ॥ तापसपुछेवातरे
जोगीसर ॥ खीणशरीरतुमारफुरेलाल ॥ अगनीशरमाबोलीउरे॥सांसलोकहुंअ
वदातरे ॥ जो ॥ रायतणेंघरिहुंगयोहोलाल ॥ २९ ॥ रायसरीरेंशातानहीरे ॥
लोककरेउदवेगरे ॥ जो० ॥ देखिनसक्योहुंसहीहोलाल ॥ तुरततिहाथीपाछो
वल्योरे ॥ सहुकहेधरीविवेगरे ॥ जो० ॥ साचुंशातानतेहनेंरेलाल ॥ ३० ॥
अन्यथासक्तीवंतोघणोंरे ॥ किमनहोवेसावधांनरे ॥ जो० ॥ गुणतुमचाजा
णेंघणांरेलाल ॥ कुलपतीआगलवहुकस्यारे ॥ इंणतुमचागुणग्यानरे ॥जो०॥
अगनीशर्मातवबोलीउरेलाल ॥ ३१ ॥ नहीप्रयोजनआहारनुंरे ॥ पणिएहनें
याउशातरे ॥ जो० ॥ इमकरीमाशकस्योवलीरेलाल ॥ कोइकसावीसावथीरे

शातार्थईन्नृपगातेरे ॥ जो० ॥ पुछेतपस्वीवातमीरेलाल ॥ ३२ ॥ पारणदीवन्ना
तेआजछेरे ॥ आव्याकेनहीतेहरे ॥ जो० ॥ आदरदिधोकेनहीरेलाल ॥ तवप
रीजनबोल्योतदारे ॥ आवीनेंगयाजेहरे ॥ नरेसर ॥ सज्जनेंवीकल्पजांणीकरी
रेलाल ॥ ३३ ॥ रायकहेधीगमुझनेरे ॥ चुक्योलाभअपाररे ॥ जो० ॥ अनर
थथयोपिम्नामुनीरेलाल ॥ बिजेदिनविहाणेंगयोरे ॥ लाजतोरायअपाररे ॥
॥ जो० ॥ कुलपतीपायजइनम्योरेलाल ॥ ३४ ॥ आशीसदेइबेशामीउरे ॥ पु
छेवातशरीररे ॥ जो० ॥ नीचुंजोइनृपबोलीउरेलाल ॥ निसासोनाषेवलीरे ॥
कुलपतीकहेयाउधीररे ॥ नरे० ॥ कहोउदवेगकारणतुह्मेरेलाल ॥ ३५ ॥ नृप
कहेकहेवाइनहीरे ॥ कुलपतीकहेकहोतोहिरे ॥न० ॥ तवनरपतीकहेइणीपरें
रेलाल ॥ निर्दयीचरीत्रकहेताथकारे ॥ चित्तनचालेमोहिरे ॥ जो० ॥ पणितुम
आणाथीकहुंरेलाल ॥ ३६ ॥ मातपीतानेंसारीषारे ॥ कुलपतीकहेअमलोगरे ॥
॥ न० ॥ तिहांलज्जाकरवीकीसीरेलाल ॥ दुःखकहेतोवीचारीइरे ॥ टालणनो
उपयोगरे ॥ न० ॥ तवनरपतीकहेवातमीरेलाल ॥ ३७ ॥ मुझनिमित्तेतापश्च
थयोरे ॥ मेंअवीचारीतकीधरे ॥ जो० ॥ वलिहिमणांपणिइमबन्यूंरेलाल ॥ बि
जोमासथयोएहनेंरे ॥ म्हेंअपजसबहुलीधरे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीइंणिपरि
सणेंरेलाल ॥ ३८ ॥ तुंतोधरमकारणथयोरे ॥ पहेलानेंवलीआजरे ॥ न० ॥
कहेतेंस्यूंहीणंकस्युरेलाल ॥ नरपतीकहेनिमंत्रणारे ॥ किधीआहारनेंकाजरे
॥ जो० ॥ मस्तकथइमुझवेदनारेलाल ॥ ३९ ॥ पारणुंमेंनकरावीउंरे ॥ उल
टोकरयोअंतरायरे ॥जो० ॥ धर्ममांविघनकारीथयोरेलाल ॥ कुलपतीकहेवच
सांभलोरे ॥ तुझअपराधनकायरे ॥ न० ॥ रोगीकृत्याकृत्यनवीलहेरेलाल ॥
॥ ४० ॥ अंतरायतुह्मेंनवीकर्योरे ॥ उलटोकिधोसहायरे ॥ न० ॥ खेदनक
रोमनमांतुम्हेरेलाल ॥ आहारनलीधोमुझघररे ॥ तेहनोखेदमुझथायरे ॥जो०
नृपतिइंणिपरिवीनवेरेलाल ॥ ४१ ॥ माहरोखेदतेकीमटलेरे ॥ लिधावीणगुरू
आहाररे ॥ जो० ॥ तवकुलपतीकहेरायनेंरेलाल ॥ मासखमणनुंपारणुंरे ॥
आवस्येएहनेंजीवाररे ॥ न० ॥ तवतुझघरिकरस्येहवेरेलाल ॥ ४२ ॥ अग

नीशर्मावोलावीउरे ॥ कहीनरेंद्रनीवातरे ॥ जो० अपरीधएहनोमचिंतवेरेला
ल ॥ एहनोखेदनिवारवारे ॥ वलीकरवासूखशातरे॥ जो०॥ पारणुंएहनेंघरे
करोरेलाल ॥ ४३ ॥ एहसत्कीनउवेषीईरे ॥ माहरूंवचनपणिमानरे ॥ जो०॥
तवतेतापसवोलीउरेलाल ॥ स्वामीखेदएस्येकरेरे ॥ मुफ्तुफवचनप्रमांणरे
॥ जो० ॥ मुफउपगारकरयोईणरेलाल ॥ ४४ ॥ राजावद्धमानेंकरीरे ॥ प्रण
मीपोहतोगेहरे ॥ जो० ॥ इमकरतांवलीआवीउरे॥ पारणाकेरोदिन्नरे ॥जो०॥
इणअवसरचरआवीआरेलाल ॥ साषेनृपनेंवचन्नरे ॥ न ॥ मानसंगनृपआ
वीउरेलाल ॥ ४५ ॥ रातिवासोदेशमारीआरे ॥ आपणासैन्यनालोकरे॥ न० ॥
हवजिमजाणोतिमकरोरेलाल ॥ तवराजारिसेंचढ्योरे ॥ आंणीमनमांशोक
रे ॥ न० ॥ कोपानलपणिदिपतोरेलाल ॥ ४६ ॥ निर्दईधरणीपगामतोरे॥ अम
रषेवलनांवयणरे ॥ न० ॥ तुरवजमावेप्रयांणनारेलाल ॥ गयबलहयबल
सजकरेरे ॥ करीविकरालतेनयणरे ॥ न० ॥ रहवरसमसन्नरूद्धआरेलाल ॥
॥ ४७ ॥ चामरछत्रधरावतोरे ॥ वाजंतेवरतुररे ॥ न० ॥ बंदिबिरूदवोलीजते
रेलाल ॥ मंगलकलशचलावीउरे ॥ अगनीशर्मातपसूरिरे ॥ जो० ॥ पारणा
नेंइणअवशरेरेलाल ॥ ४८ ॥ आविनेंदेख्योतिहांरे ॥ सद्धजनसद्धशंघामरे
॥ जो० ॥ देखीनेंपाछोवल्योरेलाल ॥ कोईईउलख्योनहीरे ॥ आव्योतेनीज
ठांमरे ॥ जो० ॥ ज्योतिषीईणअवसरेत्तणेरेलाल ॥ ४९ ॥ लगनआवेलाछेत
लुरे ॥ किजेतुरतप्रयांणरे ॥ रा० ॥ राजाकहेतववातमीरेलाल ॥ अगनीशरमा
आव्यानहीरे ॥ मानीछेमुफवाणिरे ॥जो० ॥आव्यापछीजईइसद्धरेलाल ॥५०॥
तवएकनरबोल्योतीहांरे ॥ आवीगयाइणवाररे ॥ रा० ॥हजीअहस्येपुरमांस
हीरेलाल ॥ तवराजाविलषोथइरे ॥ चाल्योतेहनील्हाररे ॥ रा० ॥ दि
ठोनीकलतांथकांरेलाल ॥ ५१ ॥ उतरीरथथीपाईपमेरे ॥ विनतीकरेमहारा
यरे ॥ जो० ॥ करीयपशायपाछावलोरेलाल॥ माहरेजावुंघणफईहतुरे ॥ पणि
नवीगयोऋषीरायरे ॥ जो० ॥ वाटतूम्हारीजोवतारेलाल ॥ ५२ ॥ तुम्हेअण
जाण्यापाछावल्यारे ॥ तिणेंचालोमुफगेहरे ॥ जो० ॥ अगनीशर्मातवबोली

उरेलाल ॥ तुंजांणेंसवीवारतारे ॥ म्हारेप्रतिज्ञाजेहरे ॥ रा० ॥ सत्यसधातप
सीहोईरेलाल ॥ ५३ ॥ लासालासमत्रेवमेरे ॥ हवेंबोलेनररायरे ॥ जो० ॥
म्हाराप्रमादचरीत्रथीरेलाल ॥ लाजुंवुस्वामीघणोरे ॥ तेमुखथीनकहेवाय
रे ॥ जो० ॥ तुम्हतपत्रारीरपीमाथकीरेलाल ॥ ५४ ॥ मुमप्रतीपिमाउपजे
रे ॥ उपजेहिईत्रांतापरे ॥ जो० ॥ बोलीनसकुंवयणथीरेलाल ॥ हैईडःखमाई
नहीरे ॥ म्हेंकिधूंमहापापरे ॥ जो० ॥ डःखउपसममुजचिंतवोरेलाल ॥५५॥
तवतापसमनचिंतवेरे ॥ रायबज्ञखेदायरे ॥ रा० ॥ गुरुसगतोएअतिघणोरे
लाल ॥ पारणंनकरूंएहनेंघरेरे॥ तोडःखएहनुंनजायरे ॥ रा० ॥ इमचिंतीत
पीउकहेरेलाल ॥ ५६ ॥ करस्यूंतुमघरिपारणरे ॥ निरविघनेंदीनतेहरे ॥रा०
तवराजाहरष्योघणरेलाल ॥ नृपकहेविमलनांणीतुम्होरे ॥ प्रणमेत्रांणीनेहरे
॥ जो० ॥ प्रसूमुजनेंनिस्तारीउरेलाल ॥ ५७॥ समरादित्यनारासमारे ॥ एक
हीपांचमीढालरे ॥ रा० ॥ बिडंजनमनराजीथयारेलाल ॥ पद्मवीजयकहे
सांसलोरे ॥ आगलेंवातरसालरे ॥ रा० ॥ गुणपक्षपातीराजाघणोरेलाल
॥ ५८ ॥ डहा ॥ तपसीनेंकहेसूपती ॥ तुम्हेंजाउतपोवन्न ॥ कुलपतीपासेंकिम
हीके ॥ नहिआवणनुंमन्न ॥ ५९ ॥ मुखदेषावीमाहरूं ॥ नसकुंनाथनीदान ॥
इमकहीराजाघरिगयो ॥ तपसीगयोतेरांन ॥ ६० ॥ कुलपतिनेंसघलुंकह्यूं ॥
कुलपतीकहेवरकांम ॥ कीधूंइमपरसंत्रीउ ॥मासत्रीजोकरयोतांम ॥६१ ॥ व
धतेपरिणामेंवली ॥ तपपूरोतसथाय ॥ रायतणेंघरिपारणें ॥ पुत्रजनमप्रगटा
य ॥ ६२ ॥ प्रतिहारीमुखेंपांमीउ ॥ अवलपूत्रअवतार ॥ आपेआसूषणअं
गना ॥ पुर्णकरीप्रतीहार ॥ ६३ ॥ गुणशेनरायनेंआंगणें ॥ उछवअतिहिउदा
र ॥ मांम्योतेमहामोदथी ॥ परीघलपुन्यप्रकार ॥ ६४ ॥ ढाल॥ इमरआंबा
आंबलीरे ॥ एदेशी ॥ रायजकमफरमावीउरे ॥ मुंकोकारागार ॥ उदघोषणा
करीदीजीईरे ॥ दांनअनेकप्रकार ॥ ६५ ॥ सविकजनसाविसावतेहोय ॥ सा
वीनटालेकोय ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जितशत्रुमुखरायनेरे ॥ कहेवरावो
एवात ॥ नयरमांसज्जसंसलाविईरे ॥ जिणेंबहुमहोछवथात ॥ सवी० ॥ ६६॥

जेकभ्रूंतेसवेकरयुंरे॥नाचेपगेंपगेंपात्र ॥ वरचिवरधरीरमणीउरे॥ गावेतेवाली गात्र ॥ सवी० ॥ ६७ ॥ दानेंसंतोषीतबोलतारे ॥ वंदिजय२सब्द ॥ तालवि णामादलतणारे ॥ सांभलीइंबहुनद्द ॥ ६८ ॥ सवि० ॥ वधामणांआवेघणां रे ॥ राजसवनसंकीर्न्न ॥ इंणअवसरतापसतिहांरे ॥ ऊठ प्रतिज्ञातिन्ना॥सवि० ॥ ६९ ॥ पारणानिमित्ततेआवीउरे ॥ राजकुलेतेंआय ॥ सहुनेहर्षप्रमोदमां रे ॥ नवीकोयनेंचित्तसाय ॥ सवि० ॥ ७० ॥ आपुअवलूंजोईनेरे ॥ वलि उतेततकाल ॥ असुसकरमउदइंकरीरे ॥ चिंतवेआलपंपाल ॥ सवि० ॥ ७१॥ आर्त्तध्यानवसिचिंतवेरे ॥ अहो२एहराजान॥ मुभउपरिबालसावथीरे ॥ वे रसावअसमान ॥ ७२ ॥ सवि० ॥ जूउमायाकरेकेतलीरे ॥ गुढाचारचरी त ॥ सहुआरवेंकरेविनतीरे ॥ आचरेअतिविपरित॥ सवि० ॥ ७३ ॥ इमचि तवतोनिकल्योरे ॥ पूरवाहिरतेजाम ॥ दोषअज्ञानेंआकरेरे ॥ क्रोधतणेवली धाम ॥ सवी ॥ ७४ ॥ वासितजैनमारगेंनहीरे ॥ धरमसरधागइतास॥ परलो कनीवासनातजिरे ॥ आविअमेंत्रीजात्रा ॥ सवि० ॥ ७५ ॥ सूखेंकलकली देहभीरे ॥ आकर्पोवलीसूख ॥ द्वेपजाग्योनृपउपरेंरे ॥ सुध्निरहीतिलतुष ॥ सवी० ॥ ७६ ॥ तपनुंफलजोमाहरूंरे ॥ तोएहनोवधकार ॥ करेनियाणं एहवुरे ॥ सवसवडखदातार ॥ सवी० ॥ ७७ ॥ शत्रूनेंडखदिधूनहीरे ॥ वा ल्हानेंसूखनविदिध ॥ मातविमंवीतनरेरे ॥ जन्मलहिस्यूंकिध ॥ सवि० ॥ ७८ ॥ इंमनियाणंतिणेंकरयुंरे ॥ आलोयुंनहीतेगए ॥ क्रोधानलवलतोकरे रे ॥ कोभिवीकल्पअजाए ॥ सवी० ॥ ७९ ॥ पोहतोतपोवनतेहवेरे ॥ कुल पतिमुंक्याडुर ॥ परीहरीशेषतापसवलीरे ॥ दिव्रांतोमहाक्रूर ॥ सवी० ॥ ॥८० ॥ जईसहकारश्रेणिरसोरे ॥ चिंतवेवलिइंमचित्त ॥ अहोराजामुभउप रिरे ॥प्रत्यनीकसलीरीत ॥ सवी० ॥ ८१ ॥ हासीजोग्यमुभनेकरयोरे ॥ ताप ससर्वमकार ॥ जाणीप्रतिज्ञामाहरीरे ॥ किधोमायाप्रकार ॥ सवि० ॥ ८२ ॥ करियनिमंत्रणाइंणिपरेरे ॥ नवीआप्योमुभआहार ॥ इणवेलाखलनाकरीरे ॥ स्योएहनेंअहंकार ॥ सवि ॥ ८३ ॥ तपसीनेंकिमएकरेरे॥ शत्रुमीत्रसमजा

स ॥ अथवानतज्योमुलथीरे ॥ अहारतोपांम्योविषास ॥ सवि० ॥ ८४ ॥ ते
माटेहवेमुक्रसस्यूरे ॥ जावजिवलगेंआहार ॥ नकरुंइंमव्रतआदस्यूरे ॥ गं
मीसर्वव्यापार ॥ सवि० ॥ ८५ ॥ दिगेतापसेंइंणसमेरे ॥ जाण्युंध्यांनअसु
ध ॥ पुढेकिमनवीपांमीआरे ॥ कुसूमविलेपणसुद्ध ॥ सवि० ॥ ८६ ॥ गुण
ञोनरायतणेंघरेरे ॥ स्यूंनगयाप्रसूआज ॥ पारणंकिमनवीनीपनुंरे ॥ तेसाधोम
हाराज ॥ सवि० ॥ ८७ ॥ अगनीशर्मातवबोलीउरे ॥ ञ्गयोनृपनेंगेह ॥ शत्रु
बालपणाथकीरे ॥ आजलगीहजीएह ॥ सवि० ॥ ८८ ॥ मीठेवचनेंबोलतोरे॥
करतोवीनयअपार॥वेरनटल्युंमुक्रउपरिरे॥जाण्युंमेंनिरधार॥सवि०॥८९॥
पणिएमायावीषरोरे ॥ किधुंमाहारुंहास्य ॥ किधोपरासवइंणपरेंरे ॥ एहअ
नार्यविलास ॥ सवि० ॥ ९० ॥ सहसाउठवमांमीउरे ॥ जांणीपारणदिन्न ॥
आदरदीगेनकेहनोरे ॥ वलिउविलषीतमन्न ॥ सवि० ॥ ९१ ॥ कहेतापसन
वीसंसवेरे ॥ एहनरिंद्रगुणवंत ॥ अथवाविचित्रपरिणांमछेरे॥ स्यूंनकषाइंअंत
॥ सवि०॥९२॥ जिनवरमतवाञीतवीनारे ॥ उत्तमतानवीहोय॥ तिणेंजिनम
तअंगीकरोरे ॥ ज्ञानश्रद्धासङ्कोय ॥९३॥सवि०॥ छठीढालइंणिपरिरे॥ साषी
कर्मनिदान ॥ पद्मविजयकहेसांसलोरे ॥ दुःखदाईअज्ञान ॥ सवि० ॥ ९४॥
॥ दुहा ॥ कुलपतिपासेंजइकह्यूं ॥ अगनीसरमाआज ॥ पारणविणपाछाव
ल्या ॥ महातपसीमहाराज ॥ ९५ ॥ कुलपतिआव्यातिहांकनें ॥ तपसीइंपू
ज्यानाम ॥ वळपारणंनवीकस्युं ॥ किधूंदुःकरकांम ॥ ९६ ॥ राइंस्यूंएआच
स्यूं ॥ असरिसजनआचार ॥ अगनीसरमाइमकहे ॥ रायप्रमादप्रकार ॥
॥ ९७ ॥ आहारतज्योनहीआदरे ॥ पाम्योआपदपेषि॥ जावजिवहवेवरजी
उ ॥ आसादेहउवेखि ॥ ९८ ॥ विनतिहवेंकुंविनवुं ॥ कहेस्योहवेनकांय ॥
तवकुलपतिकहेतेहनें ॥ एहमांहाणिनकाय ॥ ९९ ॥ कालजतांवारजकी
सी ॥तपसीबोलेतथ्थ॥पणिनररायनेंउपरि॥क्रोधनकरोएकथ्थ॥१००॥यतः॥
सव्वोपूव्वकयाणं ॥ कम्माणंपावएफलविवागं॥अवराहेसूगुणेसूअ॥ निमीत्तमी
त्तपरोहोइ ॥ १ ॥ दुहा ॥ इंमसिखामणदेइनइं ॥ सेवाकाजसकास ॥ तापस

मुंकीकुलपति ॥ पोहतोआसनपास ॥ १ ॥ ढाल ॥ नानोकेनानोनाहलोरे ॥
॥ एदेशी ॥ पारणवेलाअतिक्रमीरे ॥ सांभल्युंरायनेंतांम ॥ लागीवेदनारे ॥ अ
होम्हारीअधन्यतोरे ॥ उत्सवमांथयुआंम ॥ २ ॥ लागी० ॥ आजपिणपा
रणुंनवीथयुंरे ॥ हैहैप्रगट्युंपाप ॥ ला० ॥ पुछेपासनामनुंजनेंरे ॥ आव्यान
आव्यानीछाप ॥ ३ ॥ ला० ॥ षोलिकरीनरतेकहेरे ॥ आविगयानीजछोर ॥
॥ ला० जनमउछवधामधूममांरे ॥ चाल्युंनएहनुंजोर ॥ ४ ॥ ला० ॥ रायक
हेम्हेपापीइंरे ॥ तपसीनेंकर्योअंतराय ॥ ला० ॥ उदयआपदसणीमुझथयोरे ॥
एदूःखमेंनखमाय ॥ ५ ॥ ला० ॥ अल्पपुण्यघरिनवीहोइंरे ॥ वृष्टिसलीवसू
धार ॥ ला० ॥ हुतोतिहांनवीजइसकुंरे ॥ मुखनदेखावुंलगार ॥ ला० ॥ ६ ॥
सोमदेवपुरोहीतनेरे ॥ साथेइंणिपरिवांण ॥ ला० ॥ अणजांण्योथइतूंतिहांरे ॥
जइनेंजोतिणठांण ॥ ला० ॥ ७ ॥ तेहनीषबरकरोतूम्हेंरे ॥ स्योकिधोव्यवसा
य ॥ ला० ॥ जोइकहेमुझनीपनुंरे तवतेगयोतिणठाय ॥ ला० ॥ ८ ॥ बहुता
पसथीपरिवर्योरे ॥ माससंथारेबइठ ॥ ला० ॥ अमरषसर्योनृपनीकथारे ॥
करतोतेंणेंदीठ ॥ ९ ॥ ला० ॥ गिरिनदीपासेंतेहनेरे ॥ विनइंकरीप्रणमंत ॥ ला०
नामदेइखेआरीउरे ॥ दिइंआशीसमहंत ॥ १० ॥ ला० ॥ पूछेपुरोहीततेहनेंरे ॥
किमप्रभूषीणशरीर ॥ ला० ॥ तापसकहेसूणिडबलारे ॥ तपसीहोइंधीर ॥ ला०
॥ ११ ॥ पुरोहीतकहेसाचुप्रभूरे ॥ होयतपस्वीनीरीह ॥ ला० ॥ धनधान्यादिक
सहुतज्यांरे ॥ पणिनहीधर्मनीदेह ॥ १२ ॥ ला० ॥ आहारमात्रलेवोघटेरे ॥
धरमसधाइंजेण ॥ ला० ॥ इंणनगरीमांउत्तमवसेरे ॥ आहारदीइंहरषेण ॥ ला० ॥
॥ १३ ॥ तृणमणीपथरकनकमांरे ॥ सत्रुमीत्रसमभाव ॥ ला० ॥ मोक्षमारग
तूह्मेआदर्योरे ॥ भवजलपोतस्वभाव ॥ ला० ॥ १४ ॥ तुह्मनेंआहारकमीक
सीरे ॥ तापसबोल्योतांम ॥ ला० ॥ वातकहीसाचीतुह्मेंरे ॥ पणिनरपतिदुःख
ठाम ॥ ला० ॥ १५ ॥ धरमीराजासांभल्योरे ॥ तुम्हेकीमभाषोइंम ॥ ला० ॥
तपसीबोल्योत्रटकीनेंरे ॥ एहवाधरमीनकेम ॥ ला० ॥ १६ ॥ जीतिदेशनें
आवीउरे ॥ तपसीमारणकाज ॥ ला० ॥ सोमदेवचिंतेतदारे ॥ क्रोधचढ्योअ

तिआज ॥ ला० १७ ॥ बेठोसंथारेदेखीइरे ॥ रायतणेंनिरवेद ॥ ला० ॥ हो
स्येंअणसणआदस्युंरे ॥ पामीअतिशयखेद ॥ ला० ॥ १८ ॥ पुछ्योबोलेवा
कहुंरे ॥ तिणेंनहीपुछणलाग ॥ ला० ॥ प्रणमीउठ्योतिहांथकीरे ॥ वातनोकाढ
वाताग ॥ ला० ॥ १९ ॥ फूलकरेनदीउतरेरे ॥ तापसएकतिवार ॥ ला० ॥ ते
हनेंपूछेइणीपरेरे ॥ कहोएकीस्योविचार ॥ ला० ॥ २० ॥ आसूंसरीतेंबोलीउ
र ॥ जेथइवातविस्तार ॥ ला० ॥ सांभलीनीजथानिकगयोरे ॥ सोमदेवतिणवार
॥ २१ ॥ संभलावेसवीरायनेंरे ॥ सूपतिअधीकखेदाय ॥ ला० ॥ चिंतवेजइ
परसन्नकरूंरे ॥ एतपसीरीषीराय ॥ ला० ॥ २२ ॥ धरमनोअरथीराजवीरे ॥
बालतपस्वीतेह ॥ ला० ॥ सातमीढालसोहामणीरे ॥ पद्मकहेससनेह ॥ ला० ॥
॥ २३ ॥ दुहा ॥ नृपअंतउरलेइनें ॥ परिजनसाथेंप्रधान ॥ पयचारीतपोवनप्रतें ॥
तपसीमेलनतांम ॥ २४ ॥ पोहतोतेपरीवारथी ॥ जाण्युतापसजांम ॥ कस्यूं
अगनीशर्माकन्हे ॥ आव्योसूपतीआम ॥ २५ ॥ क्रोधानलबलतोकहे ॥ ते
मोकुलपतीशात ॥ तवआव्याकहेतेहनें ॥ विनयनीमुंकीवात ॥ २६ ॥ सो
सोकुलपतीकुंसण ॥ सूणज्योसाचीवात ॥ एहअधमराजाइहां ॥ तरूअंणी
आयात ॥ २७ ॥ मुखनदेखावेमुझनें ॥ करीइंएहवुकांम ॥ जिमपाछोएजा
यतिम ॥ रुंधुथाइंरांम ॥ २८ ॥ ढाल ॥ रामचंदकेबाग ॥ एदेशी ॥ कुलपति
चिंतेएम ॥ एहकषाइंहस्योरी ॥ दृष्टीइंनहोइंराय ॥ तोवरकांमकस्योरी ॥
॥ २९ ॥ सनमुखचाल्योजांम ॥ कुलपतिरायतणेंरी ॥ तवपरीवारस्युराय ॥
दीठेखेदघणेंरी ॥ ३० ॥ विनइंप्रणमीपाय ॥ आशीसशीसलहेरी ॥ लह्योआ
णंदजबराय ॥ कुलपतीतामकहेरी ॥ ३१ ॥ आवोचंपकश्रेणि ॥ बेशीइंति
हांसूमनांरी ॥ इमकहीतिहांलेईजाय ॥ आशनेंकुशतरणांरी ॥ ३२ ॥
विमलशीलापटगमि ॥ कुलपतिबेठाजीस्येरी ॥ नरपतीबेठोसूमि ॥ आणाल
हियनिस्येरी ॥ ३३ ॥ कुलपतिपुछेएम ॥ किमपयचारीतुमेरी ॥ आव्याएवनिसूमि ॥
अचरिजपामूंअमेरी ॥ ३४ ॥ वलीशाथेंपरीवार ॥ तवबोल्योसूपतिरी ॥ पूरूषअध
मनीवात ॥ कहेविनहीजुगतीरी ॥ ३५ ॥ धरममांहिअंतराय ॥ तपसीनेंहलें

करयोरी ॥ पापसराणोचोर ॥ हवेकिमसवउतरयोरी ॥ ३६ ॥ अगनीशर्मा ॥
स्वामि ॥ किहांछेतेहककहोरी ॥ देखाडोनमुंआज ॥ पातिकसर्वदहोरी ॥ ३७॥
कुलपतिबोलेतांम ॥ मतसंतापकरोरी ॥ तुह्ममाटेनवीकीध ॥ अणसणएहष
रोरी ॥३८॥ अमचोएहआचार ॥ अणसणेंदेहतजेरी ॥ चरमवयेंअमलोक ॥
तिणेंअणसणएसजेरी ॥ ३९ ॥ तवबोलेनरराय ॥ स्युंबऊतुह्मनेंकऊंरी ॥ द
रिशणतेहनुंस्वामि ॥ एकवारऊंलऊंरी ॥ ४० ॥ कुलपतिकहेसूणिराय ॥ एघ
णिवातनहिरी मकरोतसअंतराय ॥ ध्यांनमांबेगसहीरी ॥ ४१ ॥ वलीअव
सरलहीकोय ॥ दरिशणनाशकरोरी ॥ सांसलीबोलेराय ॥ जेतुह्मेंआंणिधरो
री ॥ ४२ ॥ वलिआविसऊंस्वामि ॥ उठ्योइमकहीरी ॥ आंमणदूमणोतेह ॥
अवशरएहलहीरी ॥ ४३ ॥ प्रणमीकुलपतीपाय ॥ चाल्योनयरसणीरी ॥ त
वएकतापसआय ॥ वयतसबालपणीरी ॥ ४४ ॥ धरतोपश्चाताप ॥ वातते
शर्वकहेरी ॥ अगनीशर्माअसीभाय ॥ तवपरमार्थलहेरी ॥ ४५ ॥ हवेआव्ये
स्युंहोय ॥ कुलपतीकष्टकरेरी ॥ तिणेंनवीघटतुंमुज ॥ रहेवुंइणनयरेरी ॥
॥ ४६ ॥ वलीतपसीनीवांणि ॥ श्रवणेंसूणवीपमेरी ॥ जिमतिमबोलेतेह ॥ एप
णिवातनमेरी ॥ ४७ ॥ पुछेलगननोदिन्न ॥ निजआवासजइरी ॥ जोसीसुस
अभ्यास ॥ कहेतुंसूणिनरवइरी ॥ ४८ ॥ कालिमुऊर्त्ततेखास ॥ खितिपश्रस
णीरी ॥ साषीसर्वनइवात ॥ कालिप्रयांणतणीरी ॥ ४९ ॥ सेनाकरीचतुरंग ॥
चाल्याप्रयाणकरीरी ॥ महिनेंपोहताछेटि ॥ आव्यातिणनयरीरी ॥ ५० ॥
सिणगारीसवीसहेर ॥ पोहतानिजसुवनेंरी ॥ उछवमहोछवकीध ॥ नहिविकल्प
मनेंरी ॥ ५१ ॥ सवंतोसह्आवाश ॥ माहिकेलिकरेरी ॥ दिनदूखीजनजेह
॥ तेसऊनेंउधरेरी ॥ ५२ ॥ समरादित्यनोरास ॥ आठमीढालकहीरी ॥ पद्मक
हेसूरशाल ॥ आगलवातवहीरी ॥ ५३ ॥ दुहा ॥ इणअवशरउद्यानमां ॥ मा
संकल्पमर्याद ॥ मुनीवरविहारेंम्हालता ॥ पालंताअप्रमाद ॥ ५४ ॥ शिष्यस
मुहेंश्रमणनें ॥ सूंदरसर्वसरीर ॥ चौनांणीचारित्रीउ ॥ घोरीपरिसहधीरा॥५५॥
वयजोवनआव्यावंती ॥ गुणरयणागरजेह ॥ कुलगरखंतीतणंकह्युं ॥ निल

यधर्मनोतेह ॥ ५६ ॥ विजयसेनमुनीवरतिहां ॥ सूपतिकुलसंसूत ॥ कुसल
पक्कमानुंढगकस्यो ॥ आचारयअदसूत ॥ ५७॥ अशोकदत्तसेठनुंअजव॥
दिसेचैत्यउद्दाम ॥मागीअवग्रहमुनीवरू॥ उतस्यातिहांआराम ॥५८॥ ढाल॥
तोरणथीरथफेरीउरेहां ॥ एदेशी ॥ जिहांसहकारसोहामणारेहां ॥ डर्लसविव
रजणाय ॥ सविजनसांसलो ॥ नीतीवंतानरपतिजिस्यारेहां ॥ तेहवासदलस
ठाय ॥ सवि० ॥ ५९ ॥ रूषनेवाविकांठेरह्यारेहां॥ सोलेअधोमुखतेह॥सवि०
परस्त्रीदेखणनेंयथारेहां ॥ उत्तमपूरुषसनेंह ॥ सवि० ॥ ६० ॥ विषय
प्रसक्तपापंमीआरेहां ॥ सोलिवनसोहेतेम ॥ स० ॥ वृक्षअशोकशोसेजथारे
हां॥कुसूंलवस्त्रवरजेम॥स०॥६१॥जिवलोकमनोरथपरेंरेहां ॥ बहुविधपाद
पहोय ॥स०॥ हिमगिरीशिषरपरेंग्राहीरेहां॥ जिनवरचैत्यतेजोय ॥स०॥६२॥
चरणकरणनीसित्तरीरेहां ॥ पालेसंजमसार ॥स० ॥ इंणअवसररराजाहवेरेहां॥
पुछेवातउदार ॥स०॥६३॥ कौतूकदिठुंतोकहोरेहां ॥ तवनामेंकल्यांण ॥स०॥
एकअठेठूंजेकहुंरेहां ॥ रायसूणोवरजांण ॥ स० ॥ ६४ ॥ अशोकवनउद्या
नमांरेहां ॥ पाउधारयाऋषीराय ॥ स० ॥ जोवनेंफीत्योमारनेंरेहां ॥ सोवन
वरणीकाय ॥ स० ॥ ६५॥ जोपिणसंगसहुतज्योरेहां ॥ सहुनेकरेउपगार ॥
॥ स० ॥ धर्ममुरतीधरीआवीउरेहां ॥ विजयशेनगणधार॥ स० ॥ ६६ ॥ गं
धारदेशनोअधीपतीरेहां ॥ समरसेनराजांन ॥ स० ॥ तेहनोनरतुउजांणीइरे
हां ॥ लक्ष्मिसेनसूतजाण ॥ स० ॥६७॥ मेंवांध्याहरषेकरीरेहां ॥ तवबोलेनर
राय ॥ स० ॥ताहरोसवसफलोथयोरेहां ॥ तुक्तपुण्यजणाय॥ ६८ ॥ स० ॥
हुंपणिकालेवांदस्यूरेहां ॥ ईमहरषेगईरात ॥ स० ॥ आडंबरथीवंदिआरेहां॥
साधूसवेपरसात ॥ स० ६९॥ देखीदेखीहरषतोरेहां ॥ पुलकीतथाईतन्न ॥
॥ स० ॥ आणंदवाहजलपूरीआरेहां ॥ नयनविकश्वरमन्न ॥ ७० ॥ स० ॥
वलि२प्रणम्योप्रेमस्पूरेहां॥ मांनेधन्यअवतार ॥स०॥ धर्मलाभदिघोगुरेरेंहां॥
शाश्वतसूखदातार ॥ स० ॥ ७१ ॥ चिंतासीशीवधूतणीरेहां॥ तिणेंदूर्बलथयुं
तन्न ॥ स० ॥ अढारसहससिलसारथीरेहां ॥ नविषेदायुंमन्न॥ ७२ ॥स०॥

एहवामुनीवरप्रणमीउंरेहां ॥ बेगेगुरूनेंपाय ॥ स० ॥ रुपचरीत्रदेखीकरी
रेहां ॥ मनमांविस्मीतथाय ॥ ७३ ॥ स० ॥ पुछेराज्यछोमीकरीरेहां ॥ किमली
धोव्रतसार ॥ स० ॥ स्योवैराग्यतेउपनोरेहां ॥ किमछांम्योसंसार ॥ स० ॥ ७४ ॥
मुनीवरकहेसूणिनरपतिरेहां ॥ स्यूंपूछेवेराग ॥ स० ॥ जेसंसारमांदेखीईरेहां ॥
तेवैराग्यमहासाग ॥ स० ॥ ७५ ॥ छामि २ निरवेदछेरेहां ॥ चिहुंगतिमासंसा
लि ॥ स० ॥ जनममरणनहीकेहनेरेहां ॥ सघलानेथिरकाल ॥ स० ॥ ७६ ॥
लषमीअथीरनवीसूखदिईरेहां ॥ आव्योसूंकरीपून्य ॥ स० ॥ जावुंकिणठामें
वलीरेहां ॥ एज्ञानेंपिणसुंन्य ॥ स० ॥ ७७ ॥ वलीमानवनोसवसलोरेहां ॥
रयणचिंतामणीतुल ॥ स० ॥ मासअणीजलजेहवुंरेहां ॥ जिवीतहारेंयुल ॥
॥ स० ॥ ७८ ॥ कुपितसूजंगमसारिषारेहां ॥ कामसोगसंसार ॥ स० ॥
गजकर्णवीजचंचलयथारेहां ॥ ऋद्धिशारदजलधार ॥ स० ॥ ७ए ॥ तपचा
रीत्रनआदरयेरेहां ॥ तेनरदूरगतीजाय ॥ स० ॥ पामेवीपाकबीहामणरेहां ॥
नारकतिरीगतीथाय ॥ स० ॥ ८० ॥ बहुदूखेंकरीवलीरह्योरेहां ॥ रोगसोगवि
प्रयोग ॥ स० ॥ सवनाटिकनाटिकसमुरेहां ॥ रिझीकरेमुंढलोग ॥ स० ॥ ८१ ॥
मोक्षसाधनतिणेंसाधीईरेहां ॥ एडःखकटालणहार ॥ स० ॥ एमुक्तनिमीत्तवैरा
ग्यनुरेहां ॥ सामान्येंसंसार ॥ स० ॥ ८२ ॥ वलिअविशेषसूणिमाहरूंरेहां ॥
जेहचारीत्रनिमीत्त ॥ स० ॥ नवमीढालेपदमकहेरेहां ॥ मुनीवरचरीत्रपवित्र
॥ स० ॥ ८३ ॥ डुहा ॥ जंबुद्विपईणविजयमां ॥ देशगंधारउदाम ॥ निवसूगंधारनयरी
इ ॥ तिणपुरिइमुक्तनांम ॥ ८४ ॥ मित्रएकतीहांमाहरे ॥ सोमवसूसुतसार ॥ वि
सावसूघणंवालहो ॥ पुरोहीतप्राणआधार ॥ ८५ ॥ एकदिनतेआतंकथी ॥
दैवेंदीधोदंम ॥ मरणलह्योमुक्तदेखतां ॥ डःखतेदिधप्रचंम ॥ ८६ ॥ ढाल ॥ कांक
रीआमुनीवरधन २ तुह्मअवतार ॥ एदेशी ॥ इणअवसरतिहांआवियाजी ॥
विंचरतामुनीवरच्यार ॥ चोमासूंरहेवासणीजी ॥ करताउग्रविहार ॥ ८७ ॥
सवीसावधरीनेंवंदोएअणगार ॥ आंकणी ॥ गंधारपर्वतनीगुफाजी ॥ तिहां
आवीनेंठाय ॥ मुनीमुक्तनेंवाहलाघणाजी ॥ चरपुरसेंकसुंआय ॥ ८८ ॥

॥ सवि० ॥ झंपणिशीघ्रगयोतीहांजी ॥ दिठाकरतांसझाय ॥ वंद्यामेंहरषेंक रीजी ॥ आणंदअंगनमाय ॥ ८९ ॥ सवी० ॥ घरमलाखदिघोतिणेंजी ॥ पु ढीम्हेसूखशात ॥ वंदिनेझंघरिंगयोजी ॥ नितकहूंएअवदात ॥ ९० ॥ स वी०॥ मासषमणनेपारणंजी॥करेच्यारेमुनीराय॥ नितवधतेपरिणांमथीजी ॥ मुझतिहांसमकीतथाय ॥ ९१ ॥ सवी० ॥ च्यारमासतेवहिगयाजी ॥ रय णीइंचितव्युंइंम ॥ कालेमहातपसीजस्येजी ॥ तवकरस्यूंकहोकेम ॥ ९२ ॥ ॥ स० ॥ वंदननिमित्तेंचालीउंजी ॥ च्यारघमीलेइराति ॥ थोमीसूमीगयोजेत लेजी ॥ आव्योसूरलीतववात ॥ ९३ ॥ अजुआलूंगगनेंथयुजी ॥ गाज्योगीरी गंधार ॥ प्रचलीतिहांवसूधराजी ॥ जयजयरवविस्तार ॥ ९४ ॥ सवी० ॥ अधीकहर्षतवमुझथयोजी ॥ आगलिजाउंजांम ॥ पृथविसमकरीनेंतिहांजी काढ्यातृणादिकतांम ॥ ९५ ॥ सवी० ॥ गंधोदकवरसेतिहांजी ॥ पुष्प वृष्टीवलीथाय ॥ थोके २ देवताजि ॥ आविस्तवनाकराय ॥ ९६ ॥ सवी० ॥ मानवसवसलेंपांमीयाजी ॥ षयकरच्यारागनेंदोस॥कर्मसेन्यजीत्यूंतुम्हेंजी ॥ सवशायरकस्योसोस ॥ ९७ ॥ सवी० ॥ इंमसांसलीमेंचितव्यूंजी ॥ गुरुल साकेवलज्ञांन ॥ जन्ममरणडःखकापीयांजी ॥ पाम्याशाश्वतथान ॥ ९८ ॥ ॥ सवी० ॥ रयणसिंहासनसूररचेंजी ॥ बेठाशांतस्वरूप ॥ मुर्त्तिवंतगुणगण तणांजि ॥ मुंघोसवसयकुपं ॥ ९९ ॥ सवी० ॥ मेंकीघोदेखीकरिजी ॥ नि श्चयनहीसंदेह ॥ रोमांचितथइप्रणमीउंजी ॥ हर्षनमाइदेह ॥ १०० ॥ स० ॥ केवलीइंतीहांदेशनाजी ॥ दिघीकरीवीस्तार ॥ निज २ संदेहपुछताजी ॥ सू रनरनावहुवार ॥ १ ॥ सवी० ॥ मेंपणिमनमांचितव्यूंजी ॥ पुछुंमुझसंदेह ॥ विसावसकिहांउपनोजी ॥ बालेजेमुझदेह ॥ २ ॥ सवी० ॥ पुछ्युंइमम्हेंचि तवीजी ॥ स्वामीथयोकेइकाल ॥ माहरोमीत्रमुझदेखतांजी ॥ ततषिणथयोवी शाल ॥ ३॥ सवी० ॥ किहांजइनेंतेउपनोजी ॥ हिवणांअनुंसवेंकांय ॥ जि नमतजाणझंखरोजी ॥ पणिमुझडःखकिमथाय ॥ ४ ॥ सवी० ॥ केवलीक हेतुम्हेसांसलोजी ॥ एहनासवविकराल ॥ घर्मकरयाविणप्रांणीयाजी ॥ कि

मलहेसूंरवअसराल ॥ ५ ॥ सवी० ॥ समरादित्यनाराअमांजी ॥ साखीएदश
मीढाल ॥ पद्मवीजयकहेसांसलोजी ॥ केवलीवचनरसाल ॥ ६ ॥ सवी० ॥
॥ दुहा ॥ रजकएककईणनयरमां ॥ ऊसदिन्नईणनांम ॥ स्वानीमधूपेंगावसें ॥
तेहनेंगरसेंतांम ॥७॥ उपनोस्वानपणेंइहां ॥ रज्जुईबांध्योरढ ॥ सूष्योतरस्योरा
सतो ॥ निकटेंकरतोनढ ॥ ८ ॥ रासतीपाठुंप्रहारथी ॥ सयपांमेंअतिसीत ॥
हवणांअनुंसवेएहवुं ॥ पणितुऊपुरवप्रीति ॥ ९ ॥ पुष्करअरधकुसूमपुरें ॥
सरतषेत्रमांसाव ॥ कुसूमआरतुंतिहांकिणें ॥ सेठसवेसीरदाव ॥ १० ॥ श्री
कांताएस्त्रीहती ॥ नमीउतेहसनेह ॥ पोतानाजेपुरुषते ॥ तेमणमुकेतेह ॥
॥ ११ ॥ ढाल ॥ दासअरदाससीपरिकरेजी ॥ एदेशी ॥ तेहचाकरउसदिन्न
घरेंजी ॥ जइनेमुंकावीउस्वान ॥ आहारनेंपानदिधूंवलीजी ॥ लेइआव्यानि
जथांन ॥ १२ ॥ जुउजुउकर्मविचित्रताजी ॥ एआंकणी ॥ कृमिकुलेंव्या
पीतदेहमीजी ॥ बळरेचांदांपमथ्यांतास ॥ षिणतनुरूधीरअंगेंऊरेजी ॥ गति
अतीमंदछेजास ॥ १३ ॥ जुउ० ॥ नजरेआवेतेदंतावलीजी ॥ काढतोजी
सवीकराल ॥ देषीसंवेगमुऊउपनोजी ॥ अहो २ सवचक्रवाल ॥ १४ ॥ जु० ॥
स्वानपिणपुंछहलावतोजी ॥ वाहजलसरीयतेनयण ॥ देषीमुऊनेंतेउन्हाइउ
जी ॥ नविकहेवाइंतेवयण ॥ १५ ॥ जुउ ॥ ज्ञानीनेंपुछ्युंतवतेकहेजी ॥ पूर
वसवनोएप्रेम ॥ वातविशेषजाणेंनहीजी ॥ पणिएसामान्यथीइम ॥ १६ ॥
जुउ० ॥ एहस्वसावसंसारनोजी ॥ आवेजेकीधोअत्यास ॥ कोईककाल
अनासोगथीजी ॥ पोहचेपुरवतणीवास ॥ १७ ॥ जुउ० ॥ पुछ्युंम्हेंस्वामीकुं
णकर्मथीजी ॥ पामीउएहविवाग ॥ जातिमदथीकेवलीकहेजी ॥ पुछीउंतू
म्हेथरीलाग ॥ १८ ॥ जुउ० ॥ कुंणअसीमांनइणेंकरयुंजी ॥ बोलीआतवगुणवंत ॥
अनंतरसवेंगणीकातणांजी ॥ वंदरमवानीकसंत ॥ १९ ॥ जुउ० ॥ तरुणज
नवंदस्युंपरिवरीजी ॥ अनुंसवेवशंतनीक्रीम ॥ इंणसमेरजकनीचच्चरीजी ॥
निकलीथईतसपीम ॥ २० ॥ जुउ ॥ जातिकुलबलगरवेंकरीजी ॥ किमजा
इंनिचअमपास ॥ दोषअज्ञानथीचिंतवेजी ॥ किधीकदर्थनातास ॥ २१ ॥

॥ जु० ॥ उसदिन्नमुख्यतेहमांअठेजी ॥ जकमीबांध्योदृढबंध ॥ वंदिषाएं मोकलावीउंजी ॥ इमकस्योबहुलतिएधंद्द ॥ २२ ॥ जुउ ॥ मानपरिणामना वसथकीजी ॥ बांधीउअसुत्ततिहांआय॥ नयरलोकेंउसदिन्ननेंजी ॥ ठोमा व्योकरीसूपसाय ॥ २३ ॥ जु० ॥ वेश्यातेकर्मथीकुतरोजी ॥ उपनोइंएत वएह ॥ सांसलिमेंतिहांचितव्यूंजी ॥ अहोसंशारदूखगेह ॥ २४ ॥ जु० ॥ म्हेंकरजोमीनेंपुठीउंजी ॥ कबएहकर्मनोअंत॥ सव्यअसव्यकेकिमप्रसूजी॥ साषिइंमुऊसगवंत ॥ २५ ॥ जु० ॥ पामीउबीजकेएनहीजी ॥ तवकहे गुरूगुणवंत ॥ सांसलोतेहविस्तारथीजी ॥ जिमएहकर्मनोअंत॥२६॥ जुउ ॥ उसदिन्नघरिएकरासलीजी ॥तेहनीकुषेंएस्वान ॥ उपजस्येएगर्द्दसपणेजी ॥ सारवहतोअप्रमाण ॥ २७ ॥ जु० ॥ क्लेशषमतोबहुतिहांकणेंजी ॥ का लकरीनेंतसगेह ॥ माईदिन्नचंमालसारयाजी॥ अएहिगाकुषेंरह्योएह ॥ २८॥ ॥ जु० ॥ तेहनपुंसकनीपनोजी ॥ रुपदौसाग्यवेषाय ॥ सिहेंमारयोवलीते हनीजी ॥ कुषेंचंमालणीथाय ॥ २९ ॥ जु० ॥ नागमसीउबालकालमांजी ॥ मरीवलीउसदिन्नधांम॥ दत्तिआदासीकुषेंथयोजी ॥ जातीअंधनपुंशकताम ॥ ॥ ३० ॥ जु० ॥ वामणोनेंसहुपरिलवेजी ॥ इएसमेंनयरनोदाह ॥ तेहमांम रिवलीतेहनीजी ॥ कुषेंस्त्रीलवतणोलाह ॥ ३१ ॥ जु० ॥ राजमार्गेहय्योहा थीइंजी ॥ तिऐंकरेय्योतीहांथकीकाल॥ हवेतेहरजकनीसारजाजी ॥ कालंज णीनांमेंनीहाल ॥ ३२ ॥ जु० ॥ तारूकुषेंथईपुत्रीकाजी ॥ पांमीहवेजोवन वेद ॥ उसरक्तीतनांमेरजकनेंजी ॥ दरीद्रनेदिधीमहाषेद ॥ ३३ ॥ गर्सवंतीथ ईअनुंक्रमेंजी ॥ प्रसवनीवेदनातास ॥ पंचत्वपामीनीजमातनीजी ॥ कुषेंउ पनोसूतषास ॥ ३४ ॥ जु० ॥ तेहवेबालककालमांजी॥ गंधारसरितानेंतीर ॥ रमतोगयोतिहांकिऐंजी ॥ जेहमांउंमाबहुनीर ॥ ३५ ॥ जु० ॥ उसदिन्नस त्रुएकतिएसमेजी ॥ आवीउनांमचिलात ॥ कोटेशिलाबांधीषेपवीजी ॥नदी अमांकरस्येघात ॥ ३६ ॥ जु० ॥ जातिमदथीइंएिबांधीउंजी ॥ कर्मनोए अवसान ॥ सव्यनेंसिद्धीगामीषरोजी॥ पएनलह्योबिजतांन ॥ ३७॥ जु० ॥

बांधतांकर्मदीसेनहीजी ॥ सोगवतांमहाडख्क ॥ ढालश्ग्यारमीश्मकहीजी ॥ पद्मकहेधर्म्मथीसूख्क ॥ ३८ ॥जु०॥
॥ डुहा ॥ आचारयकहेपुछीउं ॥ म्हेकेवलीनेंतांम ॥ जलमरणेंजास्येकही ॥ कबसमकीतकिणठांम ॥ ३९ ॥ केवलीकहेसूणितिहांथकी ॥ पांमीसु लपरीणांम ॥ सुरवरव्यंतरथायस्ये ॥ आगमकालेंश्राम ॥ ४० ॥ तिणेंसव मांतिरथपती ॥ आणंदश्णअसीधान ॥ पासेंसमकीतपांमीउं ॥ सुरतरूसीद्धी समान ॥४१॥ चउगश्भमणसमीकरी ॥ सांसलिसवसंख्यात ॥श्णगंधारहज णवश् ॥ थास्येप्रथवीनाथ ॥ ४२ ॥ विद्याधरवैरागीआ ॥ अमरतेजअणगा र ॥ तेहनेंपासेंव्रतलेश् ॥ पालस्येप्रीतिअपार ॥ ४३ ॥ केवलज्ञानलहीकरी ॥ पांमस्येसवनोपार ॥ सांसलीनेंऊंसमन्नीउं ॥ रागगयोसंसार ॥ ४४ ॥ एवै राग्येंआदस्युं ॥ पुछिमातपीताय ॥ चारित्रचोखेंचित्तस्युं ॥ इंद्रदत्तगुरुपाय॥ ॥ ४५ ॥ विजयसेनगुरुवर्णव्यो ॥ वारुनीजवैराग ॥ साचुंकहेगुणशेनसूणी सलातुह्मेमहासाग ॥ ४६ ॥ पणितुह्मेसाधुंपुरवें ॥ मोक्षनुंशाधनमुक्ष ॥ मो क्षनुंसाधनकहोमुनें ॥ जेहहोइअवीरूक्ष ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ हंसलानी ॥ एदे शी ॥ मोरासाहिवहो ॥ श्रीशीतलननाथके ॥ एदेशी ॥ सूरिसाषेहो ॥ सांस लिनरनाहके ॥ मोक्षथानिकशाश्वतकऊं ॥ जरामरणनेंहो ॥ नहीजनमनेंरोग के ॥ शोकादिकउपद्रवसऊ ॥ ४८ ॥ नाणदरिशणहो ॥ छेजाससरूपके॥ चौद राज्यशिरजेरह्या ॥ हवेशांसलिहो ॥ कऊंनासउपायके॥ नाणदर्शनचरणजक ह्यां ॥ ४९ ॥ विऊंसेंदेहो ॥ साधूश्रावकधर्म्मके ॥ वारप्रकारगृहीतणो॥ पांच अणुव्रतहो ॥ त्रणगुंणव्रतसारके ॥ च्यारशिक्षाव्रतश्मगणो ॥ ५० ॥ मुनीरा जनोहो ॥ दशविधजतिधर्मके॥ दोयनुंमुलदर्शनसणो ॥ जेडर्लसहो ॥ प्राणीव सकर्मके ॥ तेहकर्मआठजसुंणो ॥ ५१ ॥ ज्ञानावरणनेंहो ॥ वलीदर्शनावर णके ॥ वेदनीमोहआयुवली ॥ नामगोत्रनेंहो॥ अंतरायएआठके ॥ एहनाहे तुकहेकेवली ॥ ५२ ॥ मीछअन्नाणहो ॥ अविरतिनेंप्रमादके ॥ वलिकंखाय जोगजांणीइं ॥ छिदूविहाहो ॥ उक्कोसजहन्नके ॥ एकपरीणामेंतेआंणीइं ॥

॥५३॥ तिव्रपरिणामेंहो ॥ उत्कष्टबंधायके ॥ आदित्रणनेंअंतरायनी ॥ त्रिश
सागरहोकोमाकोमीजांणके ॥ तेत्रीशसागरआयनी ॥ ५४ ॥ सीत्तेरनीहोमो
हनीकोमाकोमिके ॥ विशकोमाकोमीशेसनी॥मध्यमनाहो॥होयवज्ञपरकार
के ॥ थितीपरिणांमविशेसनी ॥ ५५ ॥ आठ २ नीहो ॥ नामगोत्रमुहूर्त्तके
वेदनीयनीवारते ॥ शेषनीसीन्नहो ॥ मुहूर्त्तजहन्नके ॥ थितिबांधेएकवारतें
॥५६॥ घंसनानेंहो ॥ घोलनापरकारके ॥यथाप्रवृत्तकरणेकरी ॥ वज्ञपयकरे
हो ॥ आयुविनसगकर्मके ॥ कोमाकोमीएकजधरी ॥ ५७ ॥ इत्यादिकहो
विधिगंठिभेदके ॥ रागद्वेषनीआकरी ॥ पामेसमकितहो ॥ करीअनीवृत्तिक
रणके ॥ छोमवेमोहनीचाकरी ॥ ५८ ॥ यतः ॥ जागंठितापढमं ॥ गंठिसमइ
छउसवेवीय ॥ अनीअदिकरणंपुण ॥समत्तपुरेस्कमेजिवे ॥१॥ समसंवेदहो॥
निरवेदअनुंकंपके ॥ इत्यादिविस्तारवज्ञ ॥ त्रणकरणनोहो ॥ कह्योवज्ञअधी
कारके॥कर्मपयमीथीजाणोसज्ञ ॥ ५९ ॥ अपराधीहो ॥ उपरिपणिक्रोध
के ॥ नकरेजांणीवीपाकनें ॥ चक्रीशक्रनांहो ॥ सूखतेडुखरूपके ॥ जाणें
तुल्यकिंपाकनें ॥ ६० ॥ शिवसुखविणहो ॥ नविइछेअन्यके ॥ अनुंकंपाउ
खीनीकरे ॥ द्रव्यतावथीहो ॥ होयसुसपरिणामके ॥ शंकादिकउपणहरे
॥ ६१ ॥ वलीजाणेहो ॥ सत्यनेंनीश्शंकके ॥ जेजिनवरसाषीगया ॥ थोमा
कालमांहो ॥ एहवाजेजीवके ॥अव्याबाधसूखीथया॥ ६२ ॥ तेहसमकिती
हो ॥ अनुंक्रमेंदेश.विरतिके ॥ तवथुलव्रतअंगीकरे ॥ बारव्रतनेंहो ॥ तेहना
अतीचारके ॥ वधबंधादीकनविधरे ॥ ६३ ॥ व्रतसंगाहो ॥ कोमयोगमेथायके
तेहसवीदेशवीरतीगणो ॥ तेहवातोहो ॥ बज्ञशास्त्रमकारिके ॥ इहाथाइग्रंथ
जंघणो ॥ ६४ ॥ हलुउंयइहो ॥ अनुंक्रमेंजीवके ॥ संख्यसागरषयजवक
रे ॥ तबसंजमहो ॥ कोइउपसमश्रेणीके ॥.कोईषपकश्रेणीकरे॥६५॥यतः॥
तणियंचसमत्तंमिउलद्धे ॥ पलीअपुहुत्तेणसावउहोज्जा ॥ चरणोवसमष
याणं ॥ सागरसंखंतराहुंती ॥ ६६ ॥ पूर्वढाल ॥ पूरीषपकनीहो ॥ थाइजव
श्रेणिके ॥ घातिषइकेवललहे ॥ अघातीहो ॥ करीकर्मनोघातके ॥ साद्दिअ

नंतसूखमांरहे ॥ ६७ ॥ इमसांसलीहोगुंणशेनराजानके ॥ शुसपरिणांमश्र
नलेंदहें ॥ कर्म्मइंधणांहो ॥ वालीसमकीत्तके ॥ देशवीरतीसावेंलहे ॥ ६८ ॥
करजोमीहो ॥ कहेकुंमसूधन्यके ॥ जिणेंतुम्हवयणांसांसल्यां ॥ रागविषनुंहो ॥
जेटालणहारके ॥ पापपंकजलसममल्यां ॥ ६९ ॥ ढालबारमीहो ॥ समरा
दित्यराशके ॥ साषीएहसोहामणी ॥ पद्मवीजयेंहो ॥ समकीतदेशविरतिके ॥
पामवाजीमहोयसूरमणी ॥ ७० ॥ दुहा ॥ करजोमीनरपतिकहे ॥ विजयशे
ननेंवांणि ॥ गृहस्थधर्म्मगुणशेननें ॥ उच्चरावोप्रसूश्रांणि ॥ ७१ ॥ श्रणुंव्रत
तसउचराविया ॥ साचांसमकीतमुल ॥ बहुविधीतासबतावीउं ॥ नरपतिनें
श्रनुंकुल ॥ ७२ ॥ प्रणमीगुरूपरिवारस्यूं ॥ गयोतेश्रापणगेह ॥ सोजनकरी
वलीसावस्यूं ॥ पोहतोगुरूपायतेह ॥ ७३ ॥ वलिसेवाकरीश्रावीउ ॥ उत्तय
कालनितएम ॥ सांसलेगुरुवांणीसदा ॥ मासगयोइंमप्रेम ॥ ७४ ॥ समकोध
र्म्मसारीपठें ॥ विजयशेनकरेविहार ॥ धर्म्मकरेधरणिपती ॥ पुरेपुण्यप्रका
र ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ मुनीमनसरोवरहंशलो ॥ एदेशी ॥ एकदिनेंहवेतेहनरप
ती ॥ बेठोजुइंतमासोरे ॥ देषेतिहांसंबनरतणुं ॥ पामेंश्रतिश्रविषासोरे ॥
॥ ७६ ॥ श्रथीरसंसारइंणिपरिं ॥ एश्रांकणी ॥ च्यारजणेंतेउपामीउं ॥ बंधू
जनपरिवाररे ॥ करेश्राक्रंदश्रतिघणो ॥ पणिनवीकरेकोईसाररे ॥ ७७ ॥ श्रथी ॥
संवेगसावीतजीवनें ॥ उपजेसहुइंद्रजालरे ॥ मृतकमिमिमवाजतूं ॥ जागवे
बालगोपालरे ॥ ७८ ॥ श्रथी० ॥ देषीनेंनरपतिचिंतवें ॥ धर्मध्यानजसचि
त्तोरे ॥ श्रम्हपणिइंणपरिंहोयस्यें ॥ एसंशारविचित्तोरे ॥ ७९ ॥ श्रथि० ॥
मरणधर्मासहुप्राणिश्रा ॥ हाहासवगयोश्रालेंरे ॥ नरपतीसूरपतीसहुजना ॥
नविदिशेकोइकालेंरे ॥ ८० ॥ श्रथी० ॥ धन्यतेसेठसेनापती ॥ चिंतामणीस
मजाणीरे ॥ घरछंमीव्रतश्रादरे ॥ धन २ तासकमाणीरे ॥ ८१ ॥ श्रथी० ॥
दिक्कालेईव्रतपालता ॥ शुद्धमांनलिइंश्राहाररे ॥ दोषबेंतालीशटालता ॥ धनते
हनोश्रवताररे ॥ ८२ ॥ श्रथी० ॥ संजोजनादिकदोषजे ॥ पांचकह्याजिन
राजेंरे ॥ दोसनलगावेतेहमां ॥ जगमांसहुसिरगाजेरे ॥ ८३ ॥ श्रथी० ॥ पां

चसूमतीसूमतारहे ॥ वलिग्नणिगुपतिनेंधारेरे ॥ अणसणपरमुखतपकरे ॥ नि
तपरमादनेवारेरे ॥ ८४ ॥ अथी० ॥ पंचमहाव्रतलावना ॥ जेसाषीपणविश्रा
रे॥ इर्यासूमतीमुखतेसवे ॥ पालेजेगतरिग्नरे ॥ ८५ ॥ अथी० ॥ मात्रादिकप
मीमावहे ॥ अएहाणनेंवलीलोचरे ॥ लालग्रलालेंजेसमरहे ॥ तेहमांहरषन
शोचरे ॥ ८६ ॥ अथी० ॥ निप्रतिकर्मशरीरजे ॥ समत्रणमणीसत्रुमीत्ररे॥ धा
रेग्रसीयहनवनवा ॥ द्रव्यादिकजेविचित्ररे ॥ ८७ ॥ अथी० ॥ अढारसह
ससीलांगना ॥ धोरीसमरसफीलेरे ॥ उपमानहीजसजगतमां ॥ इमनितकर्म
नेंपीलेरे ॥ ८८ ॥ अथी० ॥ गामनगरपूरपाटणें ॥ नवकल्पीकरेविहाररे ॥
पृथिवीनेंजेपावनकरे ॥ टालेविषयविकाररे ॥ ८९ ॥ अथी० ॥ मीथ्यातक
चरामाषूचीग्रा ॥ तेहनेंदेईउपदेशरे ॥ रविपरेंकादवशोषवी ॥ आपेगुंणसूवी
शेशरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ संलेषणातपग्रादरी ॥ अणसणकरेमुनीरायरे ॥ पाद
पोपगमनादिकें ॥ ढांमेजेनीजकायरे ॥ ९१ ॥ अ०॥धन २ तेजगनरवरा ॥
धन २ तेहनिमायरे ॥ धन २ वंशादिपावीउ ॥ जेएहवारिषीरायरे ॥ ९२ ॥
अ० ॥ इंपिणईणिविधिइंकरी ॥ देहतणोकरुत्यागरे ॥ मुफगुरुकल्पपादपस
मो ॥ विजयसेनमहासागरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥ सयललोकमांसूरजसमो ॥
शास्वतसूखनोदातारेरे ॥ लरकोतवेंपणिदोहिलो ॥ उतारेसवपाररे ॥९४॥अ०
निरुपमचितामणीसमो ॥ धर्मनोशारथीजेहरे ॥ आदरुंसंजमशुसपरिं ॥ ढां
मीराज्यनेंगेहरे ॥ ९५ ॥अ० ॥ सूबुधीप्रमुखमंत्रीस्वरा ॥ तेमावीइमसाषेरे ॥
निजग्रसीप्रायजेउपनो ॥ तेसघलोकहीदाषेरे ॥ ९६ ॥ अ० ॥ तेपणिराय
संगेकरी ॥ जाणेंजीनवचसाररे ॥ हर्षधरीनेंबोलीग्रा ॥ धनतूमग्नोग्रवताररे
॥९७॥ अ० ॥ अहो २ तुह्मविचारनें ॥ मोटापुरीससरीसोरे ॥ पवनाहत
जलचंदलो ॥ जिवितचपलनरीसोरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥ तिणेंकरीकृत्यतेएह
छे ॥ सूखदायकएहजांणोरे ॥ एहमांनप्रतिबंधकिजीइं॥ जेहकरेतेग्रजाणो
रे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ बलतिग्रागथीनीकले ॥ तेहनेंकहोकुंणवारेरे ॥ कोपीक
दापीवारेजिके ॥ तेसत्रुपणंधारेरे ॥ १०० ॥ अ० ॥ तिणेंग्रमेबङराजीथ

या ॥ अममांबुधीघणेरीरे ॥ पणिअम्हेमरणवारीसकुं ॥ एहवीनहीकोसलेरी
रे ॥४०१॥ अ० ॥ हरषलह्योसूणिनरपति ॥ साषीतेरमोढालरे ॥ पद्मविजय
कहेत्रांसलो ॥ आगलिवातरञ्चालरे ॥ २ ॥ अ० ॥ डुहा ॥ रायकहेमंत्रीप्र
तें ॥ मुझनेंकुणकहेआम ॥ हितूडतूमढालीनही ॥ माहरीराषीमाम ॥ ३ ॥ इ
मअतिशयआदरकरी ॥ देवरावेमहादाण ॥ सक्तिकरेजिनसूवनमां ॥ जिन
पमीमाजिनजांण ॥ ४ ॥ अगाइमहोछवआदरें ॥ लेहिनेंसंतोष ॥ पुत्रचंद्र
सेनथापीउ ॥ प्रजानेंकरवापोष ॥ ५ ॥ विजयसेनजिहांविचरता ॥ कालि
जवुंतहकीक ॥ प्रवर्ज्यासावेंपमिवजी ॥ गयोघरमेंठीक ॥ ६ ॥ जोइएकां
तवरजायगा ॥ पमीमातेहपवन्न ॥ सर्वराईसुसमाधिथी ॥ घरमीएहजधन्न ॥
॥ ७ ॥ ढाल ॥ आसनराजोगी ॥ एदेशी ॥ हवेअगनीशर्मातेतपसी ॥ तपकर
तांपमयोतेलपसीरे ॥ क्रोधानलबलीउ ॥ बहुलखपुरवतपपरजलीउ ॥ पणि
सघलोधूलिमांमलीउरे ॥ ८ ॥ क्रो० ॥ सुरमणीदलीद्रघरेनवीछाजे ॥ मातंगघ
रिगजकिमराजेरे ॥ क्रो० ॥ मरूधरणीकल्पवक्षनहोय ॥ किमरांकघरिराज्य
तेजोयरे ॥ क्रो० ॥ ए ॥ अंधघरेकीमपदमणीनारी ॥ किहांथीलीलघरि
चित्रसारीरे ॥ क्रो० ॥ अगनीकुंमेंकीहांकमलनोवासो ॥ नागचित्तमांउपस
मषासोरे ॥ १० ॥ क्रो० ॥ अज्ञानीघरितपजेएहवो ॥ किमछाजेचिंतामणी
जेहवोरे ॥ क्रो० ॥ तपनुंअजीरणक्रोधतेसाष्यो ॥ ज्ञाननुंअहंकारतेदाष्यो
रे ॥ ११ ॥ क्रो० ॥ किरीयाअजीरणपारकीनिंदा ॥ आहारनुंवमनकरं
दारे ॥ क्रो० ॥ जोमुझतपफलहोयतोसार ॥ याज्योलव २ मारणहाररे ॥
॥ १२ ॥ क्रो० ॥ करीयनियाणंनेतपफलहारयो ॥ नरलोकुलपतिजोवास्यो
रे ॥ क्रो० ॥ वेच्योहाथीनेंकीमीमांगी ॥ उलटीदूखशुलीजागीरे ॥१३॥क्रो०॥
अणपमीकमतोतेहनीयाण ॥ जैनवाशनाविणंअन्नाणरे ॥ क्रो० ॥ कालकं
रीविद्युतकुमार ॥ आयुदोढपल्योपमधारिरे ॥ १४ ॥ क्रो० ॥ दिधोतिणेंउप
योगस्यूंदिधूं ॥ स्यूंहोमहवनवलीकीधूंरे ॥ क्रो० ॥ देवतणीरीधीजिणथीपां
म्यो ॥ मुझपुन्यपुरवनोजाग्योरे ॥ १५ ॥ क्रो० ॥ विसंगज्ञानेंपुरवसवदि

गे ॥ तवगुणसेनलागोअनिगेरे ॥ को० ॥गुंणसेननरपतीउपरिकोप्यो ॥ को
धनेंअज्ञानेंलोप्योरे ॥ १६ ॥ को० ॥ पमीमारस्योमुनीवरपरेंराय ॥ आविदे
षीनेंकोधसरायरे ॥ को० ॥ नरकअगनिसमीवलतिधार ॥ धूलीवृष्टीकरेति
वाररे ॥ १७॥ को० ॥ तेवेलूथीदाफतोअंग ॥ करीसमतास्यूंअतीरंगरे ॥
समतारससरीउ ॥ चित्तसंगुरूसत्वेसंपत्तो ॥ जिनप्रणीतधरममांरत्तोरे ॥१८॥
॥ समता० ॥ शरीरमानसडुकजिहांलहीई ॥ संसारेसूलसदूःखकही
ईरे ॥ स० ॥ डुकरधर्मतणीपमीवत्ती ॥ जेहथीसुखलहीईफत्तीरे ॥ १९ ॥
॥ स० ॥ सवसायरसमतांसवलखें ॥ दूरलसधर्मरयणजेरखेंरे ॥ स० ॥ जा
सप्रसावेंपालतांराज्य ॥ नविलहिइंदूखसमाजरे ॥ २० ॥ स० ॥ सवअना
दिमांधर्ममेंलहीउ ॥ अनाचर्णदोषेंकरीरहिउरे ॥ स० ॥ एहजसफलथयुंसफ
जगमां ॥ विजयसेनआचार्यनीवगमांरे ॥ २१ ॥ स० ॥ पणिमुफहृदयमा
हिंघणंसाले ॥ दूःखदिधूंपूरवकालेंरे ॥ स० ॥ अगनीशर्मानेंवलीअंतें ॥ करी
तपमांकदर्थनासंतेंरे ॥ २२ ॥ स० ॥ आदर्योमैत्रीसावम्हेतेहस्यूं ॥ सफजि
वथीविसेषेंएहस्यूंरे ॥ स० ॥ सूसपरिणांमवधारोकरतां ॥ तिणेंपापिइंरजस्यूं
सरतांरे ॥ २३ ॥ स० ॥ आउंपुरेंकीधोविनीपात ॥ पणिनथयोधर्मव्याघात
रे ॥ स० ॥ चंद्राननविमांनमांजाया ॥सौधर्मेंसागरएकआयरे ॥२४॥स० ॥ उ
तपतीदेवतणीइंहांकहिइं ॥ जिमसूत्रसिधांतेलहिइंरे ॥ स० ॥ तेविधीसंषेपेसुणो
सयणां ॥ जिनवरसाषितजेवयणांरे ॥ २५ ॥ स० ॥ चौदमीढालेंचतूरपुरूषें ॥
सज्योदृढपरिणामजहरषेंरे ॥ स० ॥ पद्मविजयकहेगुणसेनराजा ॥ जाणो
समरादित्यजीउताजारे ॥ २६ ॥ स० ॥
॥ दुहा ॥ संषेपेंकरीसूरतणी ॥ वातकहुंविस्तार ॥ श्रुतसायरथीसमफज्यो ॥
अधीकोजेअधीकार ॥ २७ ॥ ढाल ॥ पुण्यप्रशंसीइं ॥ एदेशी ॥ इंद्रधनुषजी
मविजलीरे ॥ जिमगगनेंघनवात ॥ तिमक्षणमांहिसूरतणोरे ॥ सय्यामांउ
तपातोरे ॥ पुण्यप्रसंसीइं ॥ २८ ॥ सय्याइंतेहउपजेरे ॥ मुंकिइहसवदेह ॥ दि
व्यतेअंतरमुहूर्त्तमांरे ॥ सूरसवसकतिएहरे ॥ २९ ॥ पु० ॥ गीतगाइंदेवांगनारे ॥

कुसूमवुठीकरेतेह ॥ विणानादविनोदथीरे ॥ नाटिककरतिजेहरे ॥३०॥पु०॥
सीहनादसूरवरकरेरे ॥ हरषेंदेखीरेतास ॥ सूरलवझ्रलपामीआरे ॥ जांणीहो
यउल्लासरे ॥ ३१ ॥ पु० ॥ अनुंलवतोपंचविषयनेंरे ॥ हरष्योउठेरेदेव ॥ देव
दूष्यजेवस्त्रछेरे ॥ तेमुंकेततषेवरे ॥ ३२ ॥ पु० ॥ परिकरप्रेमपमाम्हतोरे ॥ दि
व्यरूपधरजेह ॥ पुरोसारदससिपरेंरे ॥ सझ्जय २ तेकरेहरे ॥ ३३ ॥ पु० ॥
देवदेवांगनासझ्नमेरे ॥ जय २ सब्दकरंत ॥ थुंणतांसूरसूरीदेखीनेंरे ॥ इम
चित्तमाहिंधरंतरे ॥ ३४ ॥ पु० ॥ स्यूंहोम्यूंस्यूंदियलुरे ॥ पाम्योएफलजास ॥
दिइंउपयोगअवधीतणोरे ॥ परलवजांणीतेषासरे ॥ ३५ ॥ पु० ॥ पुछेसामा
नीकसूरप्रतेंरे ॥ कहोकुण्कुकरणीजेह ॥ जिनप्रतिमादाढातणीरे ॥ पुजाकरोक
हेतेहरे ॥ ३६ ॥ पु० ॥ वांचिपुस्तकरलनारे ॥ लेईधरमव्यवसाय ॥ सूरवर
वंदेपरिवर्योरे ॥ सिद्धायतनेंजायरे ॥ ३७ ॥ पु० ॥ पुजाकरेजीनराजनीरे ॥
फूलपगरवरधूप ॥ काव्यशक्रस्तवथीस्तविरे ॥ लक्तिदिखावेअनूपरे ॥ ३८ ॥
॥ पु० ॥ दाढतणीपुजाकरेरे ॥ टालेआशातनात्यांहि ॥ सूर्यालसूरवरनीपरि
रे ॥ रायपसेणीमांहिरे ॥ ३९ ॥ पु० ॥ विजयदेवअधीकारछेरे ॥ जिवाभिग
मेंप्रसीद्ध ॥ जंबुद्विपपन्नत्तीइंरे ॥ बझ्सूरेपुजाकिधरे ॥ ४० ॥ पु० ॥ नंदिस
रमेरूतणीरे ॥ प्रतिमानमीआरेहोय ॥ इहांनमीतेहअशाश्वतिरे ॥ चारणमुनी
वरदोयरे ॥ ४१ ॥ पु० ॥ लगवतीविशमाशतकमारे ॥ लाष्योएअधीकार ॥
तिमदशमेदाढातणीरे ॥ आशातनपणिवारीरे ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमबझ्सूरअ
धीकारछेरे ॥ तिमभानवनारेसार ॥ तिणेंजिनपूजमानेंनहीरे ॥ अहेलेतसअव
तारेरे ॥ ४३ ॥ पु० ॥ हवेजेजागिमनोहरूरे ॥ देखावेसूरतास ॥ देवांगनांहा
वलावनेंरे ॥ करतिकरेविलासरे ॥ ४४ ॥ पु० ॥ पंचविषयसूखलोगवेरे ॥
तेवरदिव्यविमान ॥ वलितिरथजात्राकरेरे ॥ वंदेप्रलूविहरमानरे ॥४५॥पु०॥
समकीतदृष्टीसूरतणीरे ॥ साषीकरणीरेएह ॥ चंद्राननविमानमारे ॥ सूखलो
गवेसूरतेहरे ॥ ४६ ॥ पु० ॥ सूरसुंदरीसाथेंलजारे ॥ पूरणसागरएक ॥ संपूर
णसूखलोगवेरे ॥ धारेअतिहिविवेकरे ॥ ४७ ॥ पु० ॥ इणीपरेप्रथमजलवकह्यो

रे ॥ सूरसवसहीतरञाल ॥ श्रीसमरादित्यराञनीरे ॥ पनरमीएढालरे ॥४८॥
॥ पु० ॥ श्रीविजयसिंहसूरिंदनारे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ कपूरविजयतस
पाटवीरे ॥ षिमाविजयतसषासरे ॥ ४ए ॥ पु० ॥ ताससीञजिनविजयजी
रे ॥ उत्तमविजयतससीञ ॥ लीबमीनगरआरंत्नीउरे ॥ राञएविसवाविसरे ॥
॥ ५० ॥ पु० ॥ संवतजाणिअढारसैरे ॥ वलीउंगणच्यालीञ ॥ मांम्योआशो
वदित्रिजदिनेरे ॥ पद्मविजयसुजगीसरे ॥ ५१ ॥ पु० ॥ कातिशुदिआठिमदि
नेरे ॥ संपूरणथयोषंम ॥ संघअखंमपणेंसूण्योरे ॥ पांमीपुण्यप्रचंमरे ॥ ५२ ॥ पु० ॥
॥ इतिश्रीसंविग्नपक्षीयपंमितप्रवरश्रीमडुत्तमविजयशिष्यपं० पद्मविजयविर
चित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेगुणसेनाग्निसर्मासीधानयोप्रथमसवः
समाप्तः ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ सोलसमाजिनसमरिइं ॥ शांतिनाथसुखकार ॥ परसवजिणेंपारेव
मो ॥ उगार्योउपकार ॥ १ ॥ गुणसेनअगनीसर्मांगया ॥ सिहाएंदहवेशार ॥ पि
तापुत्रप्रेमेंकरी ॥ वर्णवस्यूंविस्तार ॥ २ ॥ सांसलज्योश्रोतासवे ॥ आलसअं
गउनार ॥ तेरकाठीआमाहिते ॥ प्रथमआलसपरकार ॥ ३ ॥ विकथावर्जोति
मवली ॥ नकरोविकथाजेण ॥ वितथातेविकथावदे ॥ स्वपरनसांसलेतेण ॥ ४ ॥
तिमनिद्रानकरोतुम्हे ॥ निद्राथीश्रतनाञ ॥ सूतानुंश्रतपणिसूइं ॥ श्रीसिद्धां
तेसास ॥ ५ ॥ तिऐंनिद्राविकथातजो ॥ आलसनकरोअंग ॥ सांसलताजेस
मझस्ये ॥ तेलहेज्ञानतरंग ॥ ६ ॥ ढाल ॥ ललनांनीदेशी ॥ जंबुधीपसोहाम
णो ॥ तेहमांषेतरसान ॥ ललनां ॥ सरतनेंहिमवंतजांणीइं ॥ वलिहरिवर्षवि
ख्यात ॥ ल० ७ ॥ जं० ॥ महाविदेहरम्यगतथा ॥ ठुंएैरण्यवतधारि ॥ ल०
ऐरवतषेतरसातमुं ॥ मेरूविदेहमझार ॥ ल० ॥ ८ ॥ जं० ॥ महाविदेहदोय
सेदथी ॥ पुरवपछिमजांण ॥ ल० ॥ पछिममहाविदेहमां ॥ जयपुरनगरवखा
णि ॥ ल० ॥ ए ॥ जं० ॥ सूरपुरीसमनगरीतिहां ॥ आरामनेंउद्यांन ॥ ल० ॥
गुणजेहलानगणीसकुं ॥ सूतलतिलकसमांन ॥ ल० ॥ १० ॥ जं० ॥ रूपाली
रमणीजीहां ॥ महिलागुणअसमांन ॥ ल० ॥ परद्रव्यलेवानरजीहां ॥ संको

चेनीजपाणि ॥ ल० ॥ ११ ॥ जं० ॥ परछिद्रजोवानेंआंधला ॥ परस्त्रीउपरि
क्लीव ॥ ल० ॥ परअपवादनेंबोलवा ॥ जांणेमुंकअतीव ॥ ल० ॥ १२ ॥
जं० ॥ परउपगारपरायणां ॥ एहवाजनसमवाय ॥ ल० ॥ पुरूषदत्ततिहां
राजीउ ॥ प्रजालोकसूखदाय ॥ल०॥१३॥ जं० ॥ राणीश्रीकंतातेहनें ॥ सोग
वेसोगरसाल ॥ ल० ॥ इणेंअवशरतेंदेवता ॥ चविउआउनेंकाल॥ ल० ॥१४॥
जं० ॥ श्रीकंताउरेंअवतरयो ॥दिठुंसूपनतेराति ॥ ल० ॥ सीहकिसोरसोहा
मणो ॥ वदनेंउदरआयात ॥ ल० ॥ १५ जं० ॥ निर्धूमअगनीजालासमो ॥
केशरानोआटोप ॥ ल० ॥ फटीकहंससमउजलो ॥ पिंगनेत्रविणकोप ॥ल०
॥ १६ ॥ जं० ॥ मध्यसागजसपातलो ॥ पिङलवरूस्थलजाश ॥ ल० ॥ दि
र्घकुंमलीतपुंछुं ॥ कटितटकठिनविशाल ॥ ल० ॥१७॥ जं० ॥ इंमहरिसू
पनेंदेखीनें॥जागीकहेसरतार ॥ल० ॥ पुत्रपराक्रमीहोयस्ये ॥ संपदहोस्येअ
पार ॥ ल० ॥ १८ ॥ जं० ॥ सांभलीहर्षतेपांमती ॥ सूखमांकाढेकाल॥ल०॥
गर्भप्रसावेंदोहला ॥ उपजेपुण्यविशाल ॥ ल० १९ ॥ जं० ॥ असयदांनस
ङसत्वनें ॥ मुनीनेंउपष्टंसदान ॥ ल० ॥ दिनअनाथकृपणप्रतिं ॥ संपदादेउं
अमांन ॥ ल० ॥ २० ॥ जं० ॥ जिनवरसघलेदेहरे ॥ पुजाकरुंबङसक्ति
॥ ल० ॥ ॥ वातसूणावीकंतनें ॥ तेपूरेनिजसक्ति ॥ ल० ॥ २१ ॥ जं० ॥ ते
देखीपरजासवे ॥ हरषघणोपामंत ॥ ल० ॥ धरमकारजकरतांथकां ॥ नव
महीनावोलंत ॥ ल० ॥ २२ ॥ जं० ॥ शुभलगनेंसूतजनमीउ ॥ करपदको
मलकाय ॥ ल० ॥ सयलप्रजामनसूखथयो ॥ मातनेंहरषनमाय ॥ ल० ॥
॥ २३ ॥ जं० ॥ शुभंकरादासीहवे ॥ नृपनेंवधाईखाय ॥ ल० ॥ पुत्रजनम
थीहरषीउ ॥ हवेदिइंदानतेराय॥ ल०॥ २४ ॥जं० ॥ बंधनमोचनादिकतिहां॥
उछववलीनरिंद ॥ ल० ॥ नगरमार्गसणगारीआं ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ल० ॥
॥ २५ ॥ जं० ॥ सणगारीहाटसेरीउ ॥ मंगलतूरवाजंत ॥ल० ॥कुंकुमजलेपं
थसीचिआ ॥ कुसूमसर्वत्रधरंत ॥ ल० ॥ २६ ॥ जं० ॥ इंममहोछवकर
तांथकां ॥ माशयथोतवनांम ॥ ल० ॥ सिहकुमारसोहामणं ॥ थापेतसअ

सीराम ॥ ल० ॥ २७ ॥ जं० ॥ पुण्येंप्रणयीलोकने ॥नयणमनेंआणंद ॥ल०
देतोजोबनपामीउ ॥ सकलकलागुणवृंद ॥ ल० ॥ २८ ॥ जं० ॥ एसमरादि
त्यराश्मां ॥ बिजेखंमेंढाल ॥ ल० ॥ पहेलीपदमेंकहीसली ॥ सूणतांमंगलमा
ल ॥ ल० ॥२९ ॥ जं० ॥ डुहा ॥ आव्योवसंततेअन्यदा ॥ रतिदेखावीनारि॥
मदनसिलिमुखमुंकतो ॥ विधेलोकतिवार ॥ १ ॥ ३० ॥ कोइलकोलाहलक
रे ॥ जय २ सब्दनेंकाज ॥ विरहअनलधुमजवमो ॥भ्रमरआम्रमानुंभ्राज ॥
॥ ३१ ॥ मित्रेपरिवर्योमोदस्यूं ॥ क्रिमाकरणसंकेत ॥ क्रिमासुंदरकाननें ॥
आव्योअचरीजदेत ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ कोईलोपरवतधूंधलोरेलो ॥ एदेशी ॥ इं
णअवसरदिठीतीहांरेलो ॥ कंन्याकुसूमावलीनामरे ॥ रंगीली ॥ बनदेवीसी
वीराजतीरेलो ॥ कांमक्रिमानोधामरे ॥ छबीली ॥ ३३ ॥ पुन्यतणांफलपेष
ज्योरेलो ॥ एआंकणी॥ कुसूमगर्भितवंणीसलीरेलो॥ कोमलकरकजपानरे ॥
॥ रं० ॥ अधरप्रवालारंगज्यूंरेलो ॥ चंपकसमतनुंवानरे ॥ छ० ॥ ३४ ॥ पु०
लक्ष्मीकंतनरपतीतणीरेलो ॥ पुत्रीपावनअंगरे ॥ रं० ॥ सखिजनस्युंतेपरिव
रीरेलो ॥ क्रिमावसंतनीचंगरे ॥ छ० ॥ ३५ ॥ पू० ॥ माउलपुत्रीतेहछेरेलो ॥ ते
हसूंउपनोरागरे ॥ रं० ॥सवअनंतअन्यासथीरेलो ॥ पंचबाणथयोलागरे ॥ छ० ॥
॥ ३६ ॥ पु० ॥ तेणिइंदिठेतेहनेंरेलो ॥ सामनचिंतेइंमरे ॥ रं० ॥ मकरध्वजइं
हाआवीउरेलो ॥ क्रिमाकरणकेकांमरे ॥ छ० ॥ ३७ ॥ पु० ॥ चिंतवीपंगउ
सारतीरेलो ॥ चेटिप्रियंकरातामरे ॥ रं० ॥ उसरोनहीनृपपुत्रथीरेलो ॥ एसिहकुमर
छेनामरे ॥ छ० ॥ ३८ ॥ पु० ॥ तुम्हफरईकुषेंउपनोरेलो ॥ आव्याप्रथमथीआ
परे ॥ रं० ॥ उसरतांमापणनहीरेलो ॥ करस्येएहवीछापरे ॥ छ ॥ ३९ ॥ पू० ॥
तिणेंएहनेंतूलेकारोरेलो ॥ कंन्याउचितउपचाररे ॥ रं० ॥ साकहेतुंकहेतिमकं
रुरेलो ॥ तवतेकहेसूविचाररे ॥ छ० ॥ ४० ॥ पु० ॥ आशनदेईआदरकरोरे
लो ॥ फूलआसरणतंबोलरे ॥ रं० ॥ कुमरीकहेनंकरीसकूंरेलो ॥ रंगलागोमुझ
चोलरे ॥ छ० ॥ ४१ ॥ पु० ॥ तेहवेकुमरतेआविउरेलो ॥ आप्युंआशनसाररे ॥ रं ॥
रतिवीरहीतपंचबाणनेंरेलो ॥ स्वागतछेरेकुमाररे ॥ छ ॥ ४२ ॥ पु० ॥ इमपु

ठप्रियंकरारेलो ॥ तवतेबोलेकुमाररे ॥ रं० रतिविरहीतदिनएतलारेलो ॥ पणि
नहिसंप्रतिवाररे ॥ ठ० ॥ ४३ ॥ पु० ॥ इमकहिबेठोतेत्र्पासनेंरेलो ॥ फूलत्र्पा
सरणवलिपानरे ॥ रं ॥ दिधूतेलिधूंतिणेंरेलो ॥ मनमांधरीबहुमांनरें ॥ ठ० ॥
॥ ४४ ॥ पू० ॥ इंणत्र्पवसरत्र्पाव्योतिहांरेलो ॥ कंन्यानोरखवालरे ॥ रं० ॥
करतांदिठविनोदनेंरेलो ॥ मनचिंतेतिणेंकालरे ॥ ठ ॥ ४५ ॥ पू० ॥ रतिनेंकं
दर्पमल्योषरोरेलो ॥ जोसहेस्येकिरताररे ॥ रं० ॥ त्र्पावितिहांत्र्पादरकरेरेलो ॥
कुमरनेंत्र्पतिसत्काररे ॥ठ० ॥४६॥ पू०॥ वच्छजननीतूझइमकहेरेलो॥ खेदथ
स्येतुझदेहरे ॥ रं० ॥ बहुवेलाथइत्र्पावीइंरेलो ॥ मुक्तावलीकहेएहरे ॥ठ० ॥
॥ ४७ ॥ पु० ॥ उठिइंमसाषीहवेरेलो ॥ मातनीत्र्पाणप्रमाणरे ॥ रं० ॥ चिंतव
तिकुमरप्रतिरेलो ॥ मुकेतेहउझाणरे ॥ ठ० ॥ ४८ ॥ पु० ॥ दिषेनीत्र्पासाना
षतीरेलो ॥ पहोतीनीजत्र्पावासरे ॥ रं ॥ जइपल्यंकेंबेठीतीहांरेलो ॥ संसारेगु
णतासरे ॥ ठ० ॥ ४९ ॥ पु ॥ सषीउनेंविसर्जतीरेलो ॥ मदनसेदाणीतेहरे ॥
॥ रं० ॥ चित्रकरमनकरेहवेरेलो ॥ सूकसारीकास्यूंननेहरे ॥ठ०॥५०॥पु०॥
त्र्पंगरागनकरेकिमेंरेलो ॥ त्र्पाहारनोनहीत्र्पसीलाषरे ॥ रं० ॥ सवनसयणको
इनवीगमेरेलो ॥ नविकलहंसस्यूंसाखरे ॥ ठ० ॥ ५१ ॥ पु० ॥ वाव्यमांमझ
ननविकरेरेलो ॥ नविसारेकांयविणरे ॥ रं० ॥ कंदूकक्रिडापरिहरिरेलो ॥ सू
खणनधरेषीणरे ॥ ठ० ॥ ५२ ॥ पु० ॥जुथभ्रष्टजिमहरणलीरेलो ॥ खणमां
नयणमीलायरे ॥ रं० ॥ रूणनीत्र्पासानांषतीरेलो॥ रूणमाचेष्टाजायरे ॥ठ०॥
॥५३॥पु०॥ इंणत्र्पवसरधावीपूत्रीकारेलो ॥ निजजननीलहीत्र्पाणिरे ॥ रं० ॥
मदनलेखात्र्पावितिहांरेलो ॥ तालवंतलेइपाणिरे॥ ठ० ॥ ५४ ॥ पु० ॥ विम्यां
कपूरस्यूंपाननारेलो ॥ परिश्रमक्रिडानोजांणिरे ॥ रं॥ नेउरपाइंरणझणेरेलो॥
हरषतेधरतीत्र्पमानरे॥ ठ० ॥ ५५ ॥ पु० ॥ चिंतातरदिठीतिणेंरेलो ॥ सत्र्पा
गतसुन्यसावरे ॥ रं० ॥ विगरबोलतीदेषिनेंरेलो ॥ पुछेतवसदसावरे ॥ ठ० ॥
॥ ५६ ॥ पु० ॥ किमउदवेगकरीरहीरेलो ॥ स्यूंनवीनीतपरिवाररे ॥ रं० ॥
केदेवगुरुनवीपूजीत्र्पारेलो ॥ केगुरुजनत्र्पपकाररे ॥ ठ० ॥ ५७ ॥ पु० ॥

केअरथीनसंतोषीआरेलो ॥ केसखिउनोनरागरे ॥ रं० ॥ केसमीहीतनवीनी पनूरेलो ॥ कहोतूम्हेंकहेवालागरे ॥ उ० ॥ ५८ ॥ पु० ॥ अलकसमारीहा स्यूंरेलो ॥ बोलीकुसूमावलीवांणरे ॥ रं०॥ कुसूमवीणतांउपनोरेलो ॥ षेदघणो दूखषांणिरे ॥ उ० ॥ ५९ ॥पु०॥ तिणेंआलसअरतीघणीरेलो ॥ अन्यनकार णकोयरे ॥ रं० ॥ मदनलेषातवबोलतीरेलो ॥ सांसलजोसहुकोयरे ॥ उ० ॥ ॥ ६० ॥ पु० ॥ बिजेखंमेंइमकहीरेलो ॥ बिजीढालरसालरे ॥ रं० ॥ पद्मकहे स्रोतासूणोरेलो ॥ सूणतांमंगलमालरे ॥ उ० ॥ ६१ ॥ दूहा ॥ मदनलेखाकहे माननी ॥ ल्योकरमुझतंबोल ॥ विस्रामणकरूंतूझवपु ॥ तवबोलेतेबोल ॥ ॥ ६२ ॥ इणअवसरमुझअवरस्युं ॥ कांमनहीसुणिकांय ॥ कदलीघरजईइं करो ॥ चाल्यातिहांउलसाय ॥ ६३ ॥ कुसूमावलीघरिकेलीनें ॥ सूतिकुमरसं सारि ॥ कपुरविमुंकरदिउं ॥ मदनलेषासूकुमारि ॥ ६४ ॥ कथाकहेकौतूकक री ॥ विजणेंविजतीवाय ॥ अन्यऊंकारोसांसली ॥ चितवेंतेचितलाय ॥६५॥ अठेविकारचितएहनें ॥ तेणेंपुठुंऊंवात॥इमचितिपूछ्युंइंणि॥ सूणिबहिनीसूख सात ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ वाभीफूलीअतीसलीमनसमरारे ॥ एदेशी ॥ मदनलेखा कहेइणिपरिं ॥ सूणबेहनीरे ॥ वनांतक्रीडागयांआज ॥ तूम्हेंसुणोबहिनीरे ॥ अचरिजकांईदिठुंतिहां ॥ सू० ॥ तवबोलीधरीलाज ॥ तूम्हे ॥ ६७ ॥ क्रिमां सूंदरउद्यानमां ॥ सू० ॥ रतिविरहीतपंचबाण ॥ तू० ॥ रोहिणीविरहितचंद्र मा ॥ सू० ॥ मानूंदिठेंतिणेंठांण ॥ तू० ॥ ६८ ॥ सचिविरहितजिमहरीहो ई ॥ सू० ॥ मदिराविनुंकामपाल ॥ तू० ॥ सोवनवरणशरिरठे ॥ सू० ॥ पाय अंगुलीसुकमाल ॥ तू० ॥ ६९ ॥ गुढशीरापिंमीहति ॥ सू० ॥ मणहरमोरसी जंघ ॥ तू ॥ गुढजानुंसूंदरअती ॥ सू० ॥ पणिपरनारीउलंघ ॥ तू ॥ ७० ॥ संगतउरूजुगसोलता ॥ सू० ॥ विपुलकटितटसाग ॥ तु० ॥ मध्यसागअति पातलो ॥ सू० ॥ हृदयविशालविसाग ॥ तू० ॥ ७१ ॥ वर्तूललांबिबाहमी ॥ ॥ सू० ॥ पुंहचातेअतिपुष्ट ॥ तु० ॥ सुसरेषाइंशोसता ॥ सू० ॥ जानुप्रमाणक रतट ॥ तु० ॥७२॥ कांयकरातानखसला ॥ सू० ॥ अधरप्रवालिरंग ॥ तू०॥

समश्रेणीदंततेउज्जला ॥ सू० ॥ नासावंसउत्तंग ॥ तू० ॥ ७३ ॥ दिर्घविशा लमांहिरक्तता ॥ सू० ॥ अष्टमीचंदज्युंसाल ॥ तू० ॥ श्रवणसूसंगतजेहना ॥ ॥ सू० ॥ पहेरीमुक्ताफलमाल ॥ तू० ॥ ७४ ॥ कसिणकुटिलकुंतलसला ॥ सू० ॥ चंदनचर्च्योंअंग ॥ तु० ॥ निरमलवस्त्रसूक्ष्मघणां ॥ सु० ॥ चुन्नारयणउत्तमां ग ॥ तू० ॥ ७५ ॥ स्यूंकहिइंघणंतेहनुं ॥ सु० ॥ जाणीइंरूपनुंरूप ॥ तू० ॥ लावण्यनुंलावण्यमानुं ॥ सू० ॥ तरूणनुंतरूणअनुप ॥ तू० ॥ ७६ ॥ मनो रथनोमनोरथजाणं ॥ सू० ॥ नृपसूतसिंहकुमार ॥ तू० ॥ मदनलेखासूणि चिंतवे ॥ सू० ॥ रागएजुगतेंठार ॥ तू० ॥ ७७ ॥ अथवाकमलाकरविना ॥ सू० ॥ लषमीनकरेवास ॥ तू० ॥ कुसूमायुधनेंरतिविना ॥ सू० ॥ नहिकोइंयोग्यते षास ॥ तु० ॥ ७८ ॥ सुबुद्धिरायस्यूंमंत्रतो ॥ सू० ॥ सांभल्योआजविचार ॥ ॥ तु० ॥ कुसूमावलिकहेतेकहो ॥ सु० ॥ मदनलेखाकहेअार ॥ तु० ॥ ७९ ॥ देविपेसणनेंक्रंगई ॥ सू० ॥ तिहांसांभलीएवात ॥ तू० ॥ सुबुद्धीकहेरायनें ॥ ॥ सू० ॥ पुरुषदत्तनृपख्यात ॥ तु० ॥ ८० ॥ काजेसिंहकुमारनें ॥ सू० ॥ कुसूमावलिदिउंअम्ह ॥ तू० ॥ बह्न २ आयहथीकह्युं ॥ सू० ॥ मुझनेंतेकह्युं तूम्ह ॥ तू० ॥ ८१ ॥ वलिइंममुझनेंसाषिउं ॥ सू० ॥ एवरवधूअांजोग ॥ तू० ॥ अन्यअन्यनेंयोग्यछे ॥ सू० ॥ एहप्रसंससेलोग ॥ तू० ॥ ८२ ॥ अलिकको पकरीलाजती ॥ सू० कुसूमावलिकहेतांम ॥ तू० ॥ हर्षधरीमनमांकहे ॥ सू० ॥ स्यूंअसंबधकहेअांम ॥ तू० ॥ ८३ ॥ मदनलेखाकहेजुठस्यूं ॥ सू० ॥ हंसी हंसनेंलाग ॥ तू० ॥ जुत्तवातछेनृपकहे ॥ सू० ॥ सूणिमंत्रिमाहासाग ॥ तू० ॥ ८४ ॥ इंणअवसरिआवितिहां ॥ सू० ॥ कुसमावलिनइंपास ॥ तू० ॥ पल्ल वियादासीलली ॥ सू० ॥ उद्यानपालितेषास ॥ तु० ॥ ८५ ॥ रायेंकह्युंतुममा नर्ने ॥ सू० ॥ मातकहावेतूझ ॥ तू० ॥ सवनउद्यानशोभाकरो ॥ सू० ॥ ए अांणाछेमुझ ॥ तू० ॥ ८६ ॥ राजकुमरसिंहनामजे ॥ सू० ॥ आवसेरम वाअांज ॥ तू० ॥ कुसूमावलितेहसांभली ॥ सू० ॥ कहेधन्यदिनथयोआज ॥ तू० ॥ ८७ ॥ बिजेखंमेइंमकही ॥ सू० ॥ त्रिजीढालरसाल ॥ तू० ॥ पद्म

विजयकहेसांभलो ॥ सू० ॥ आगलप्रीतीविशाल ॥ तू० ॥८८॥ डुहा ॥ सां
भलीसाच्युंसत्यते ॥ उठिसज्युंउद्यान ॥ तेम्पयोकुमरनिमंत्रीनें ॥ माई मेल्युंतां
न ॥ ८९ ॥ सोजनविधीकरयोभलो ॥ भवनउद्यानगयोसाय ॥ द्राक्षामंमप
देखीउं ॥ सारिकाईसुखसूणाय ॥ ९०॥ रक्तअशोकेंरीमीउं ॥ भवनदिर्घिका
सालि ॥ नलिनीवनखंमनिपनुं ॥ लवेकोकिलअंवमालि ॥ ९१ ॥ भ्रमरतमें
त्तणकारस्युं ॥ माधविलतामंमाए ॥ नागवल्लिनानिवहने ॥ पुगीआलिंगेपाणि॥
॥ ९२ ॥ कुसूमगुच्छपरिमलकरे ॥ मोह्युंदेखीमन्न ॥ महाविलतामाहिंरह्यो ॥
राजेपुरुपरतन ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ रायकहेराणीप्रतें ॥ त्तरिदीर्घनीआसा ॥ एदे
शी ॥ कुसूमावलिनेंमदनलेखा ॥ कहेइंणीपरेंवात ॥ पूर्वसंबंधथयोजीके ॥
हवेपरगटथात ॥ ९४ ॥ सांभलोवहिनीमाहरी ॥ एकवातसनुंरी ॥ एआंक
णी ॥ फुलतंबोलतेआपिइं ॥ पुछेवातसरीर ॥ आपकलादेखाविइं ॥ रागका
ननिर ॥ ९५ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीकहेजिमगमे ॥ तिमतुम्हेकरोआपें ॥ म
यणलेखाचित्रपटिका ॥ तवलावीआपे ॥ ९६ ॥ सां० ॥ सामानसर्वदेईकहे
एकहंसीआलेखो ॥ हंशीविरहिणीहंशनें ॥ जोवाउत्तुकपेषो ॥ ९७ ॥सा०॥
कुसूमावलीइंचितरी ॥ तेहंशलीतेहवी ॥ मदनलेखाइंउपदि ॥ लिखीउपरिंएह
वी ॥ ९८ ॥ सा० ॥ हंसलीनीअवस्थातणो ॥ तेहमांसावसमांइ ॥ मदनलेखा
हवेलेईने ॥ गईकुंअरपायें ॥ ९९ ॥ सां० ॥ कुसूमावलीनीप्रीयसखि ॥
जाणीआदरकीध ॥ प्रणमीजेलावीहती ॥ तेकूमरनेंदिध ॥ १००॥ भाषेंईणि
परेंकुमरनें ॥ तुम्हेचित्तनारागी ॥ राजकुमरीइंजेमोकल्यूं ॥ निजचित्तसोसां
गी ॥ १ ॥ सा० ॥ प्रियंगुमंजरीएवली ॥ वलीनागरवेली ॥ कक्कोलफलतंबो
लए ॥ मोकलिआंकेलि ॥ २ ॥ सा० ॥ इष्टनेंदिजेंएसङ ॥ तिणेंमोकल्यातु
म ॥ हंसीसूखलहोतुम्हथी ॥ एहसाच्युगुझ ॥ ३ ॥ सा० ॥ कांनेप्रीयंगुमं
जरी ॥ मुखेंलीधतंबोल ॥ राजहंसीजोईहरषीउं ॥ वांच्योउपदीवोल॥४॥सा०
मदनविकारथीवोलतो ॥ वांणीमधूरखलाती ॥ चित्रकौसलघणंरुअडुं ॥ वा
तजाणीइंराती ॥ ५ ॥ सा० ॥ पणिउपदिनुंकामस्यूं ॥ पुनरुक्तजणावे ॥ मद

नलेखाकहेम्हेंलखी ॥ देखीउपदिसावें ॥ ६ ॥ सां० ॥ कहेकुंअरहमूंकरयुं॥ सखिसावजणाव्यो ॥ नागरवेलतेकातरे ॥ हंसरूपसोहाव्यो ॥ ७ ॥ सां० ॥ हंसलीसरीषोहंसते ॥ वलिश्लोकतेलखीउ ॥ आप्योतेहनेंहाथमां ॥ वलिइणि परित्तषीउ ॥ ८ ॥ सां० ॥ कहेज्योकुसूमावलीलणी ॥ हमूंकिघूंविनाण॥ फिरी २ एहवुंकहावज्यो ॥ निजसखिस्यूंजाण ॥ ए ॥ सां० ॥ मुक्तावलीवली दानमां ॥ आप्युंकुमरेंतास ॥ एसंतोषपुसीतणूं ॥ लक्षणसूविलास ॥ १० ॥ ॥ सां० ॥ मदनलेखाहवेनिकली ॥ करीनेंपरिणांम ॥ कुसूमावलीपासेंगई ॥ कहिवाततेतांम ॥ ११ ॥ सां० ॥ सांभलीरोमांचित्तथइ ॥ हवेनित २ इंम ॥ मदनवसेंनव २ करे ॥ बहुचेष्टाप्रेम ॥ १२ ॥ सां० ॥ एसविवातचरित्रमां॥ छेबहुविस्तार ॥ थोडादिनगयाजेतले ॥ तवथायप्रकार ॥ १३ ॥ सां० ॥ श्रीयं करादात्रीहवे ॥ कुसूमावलीपासें ॥ तुम्हतातेंसीहकुमरनें॥ तूलआप्यांइमसासे ॥१४॥सां०॥ बहुप्रमोदलह्यांअनुंक्रमे ॥ परणाव्यारायें ॥ तेहविस्तारकह्यो नही ॥ बहुविस्तारथायें ॥ १५ ॥ सां० ॥ तेहचरीत्रथीजाणज्यो ॥ हवेफेरा फरतां ॥ दानआप्युंजेकुमरनें ॥ सज्जनजरेंकरतां ॥ १६ ॥ सां० ॥ पहेलेफेरेवधूपिता ॥ सोवनलाखसार ॥ विगरघम्युंदिधूंवलि॥ बिजेघम्युंसार॥१७॥ ॥ सां० ॥ कुंमलकंदोरोवली ॥ बाजुबंधनेंहार ॥ सार २ भूषणजीके ॥ देवे मनोहार ॥ १८ ॥ सां० ॥ त्रीजेथालिवाम्हीका ॥ साजनबहुसांति ॥ चोथेंम हर्ष्येचिवरदिइं ॥ मनमाधणीषांति ॥ १९ ॥ सां० ॥ पुरुषदत्तपणिराजीइं॥ निजसंपदसाहू ॥ बहुमुलांबहुनेंदिआ ॥ भूषणघणंचारु ॥ २० ॥ सां० ॥ बहुउछवमोछवकरी ॥ इमपरण्यांबेहु ॥ चरित्रकारजेवर्णवे ॥ तेकहिइंकेहु॥ ॥ २१ ॥ सां० ॥ इंमबिजेषंडेकहि ॥ चोथीवरढाल ॥ पद्मविजयकहेपुण्यथी ॥ होयमंगलमाल ॥ २२ ॥ सां० ॥ दुहा ॥ पंचविषयसुखपुन्यथी ॥ सो गवेस्रीसरतार ॥ वधतेरागविशेषथी ॥ दंपतीवलीदातार ॥ २३ ॥ लाषअनेक वरसलगें ॥ क्रिडाकरतांकाल ॥ सुखमांनवीजांणेंसही ॥ तेहगयोतिणताल ॥ ॥ २४ ॥ अस्वखेलावबाअन्यदा॥सीहकुमरगयासार ॥ नागदेवउद्यानमां॥

परिवरयोनीजपरिवार ॥ २५ ॥ ढाल ॥ मालिकेरेवागमां ॥ दोयनारिंगपके
रेलो ॥ अहोदोय० ॥ एदेशी ॥ इंणअवसरिदिगतिहां ॥ एकवरअणगाररे
लो ॥ अहोएक ॥ धरमघोषनांमेंसला ॥ बङमुनीपरिवाररेलो ॥ अहोव
ङ० ॥ २६ ॥ प्रासूकजायगेंउतरया ॥ रूपगुणअसमानरेलो ॥ अहोरूप० ॥
योवनवयमांवरतता ॥ शत्रुमित्रसमानरेलो ॥ अहोशत्रु० ॥ २७ ॥ खंतीम
द्दवअल्लवमुत्ती ॥ तवसंजमठाणेरेलो ॥ अहोतव० ॥ सत्यसौचआंकिंचन
वली ॥ ब्रह्मचर्यनिधानेंरेलो ॥ अहोब्रह्म० ॥ २८ ॥ द्वादशांगीधरवाचना ॥
सूत्रअर्थनीदेतारेलो ॥ अहोसूत्र० ॥ निर्जराअर्थिउद्यमी ॥ निजशिष्यनेंक
हेतारेलो ॥ अहोनीज० ॥२९॥ आचारयपदनाधणी॥ देषीनेंविचारेंरेलो ॥ अ
होदेषी० ॥ सकलसंगत्यागीमुनी ॥ एसभजलतारेरेलो ॥ अहोए० ॥ ३० ॥
धन्यएएहनीमावमी ॥ तज्योसारोसंसाररेलो ॥ अहोत० ॥ बङमांनेंकरीचिं
तवे ॥ करेपरउपगाररेलो ॥ अहो० ॥ ३१ ॥ एहनेंसंगेंजईहवे ॥ पूछुंएहवा
तरेलो ॥ अहोपू० ॥ मनोत्सवललितसमयअछे॥ किमजोगआयातरेलो ॥ अ
होकिम० ॥ ३२ ॥ दूरथीउतरेअश्वथी ॥ जईमुनीवरपासेंरेलो॥अहोजई०॥
वंदेमुनीवरविनयस्यूं ॥ धरीहर्षउल्लासेरेलो ॥ अहोधरी० ॥ ३३ ॥ असीनं
योधर्मलासथी ॥ वंद्याशेषमुणिंदरेलो ॥ अहोवं० ॥ वेठेगुरुचरणेंजई ॥ लहे
परमआणंदरेलो ॥अहोल०॥३४॥पुछेधरमघोषमुनी॥ गुरूजीमुझसासोरेलो॥
॥ अहोगु० ॥ संपदाकुलधरस्वामीजी ॥ निर्वेदअस्यासोरेलो ॥ अहो० ३५॥
एहअकालेंआदरयुं ॥ संजमस्यूंविचारीरेलो ॥ अहोसं० ॥ तवगुरूबोलेशां
सलो ॥ श्रावकइंणवारीरेलो ॥ अहोश्रा० ॥ ३६ ॥ कालसंजमनोएहछे ॥ न
थीतासअकालरेलो ॥ अहोन० ॥ मृत्युपरासवेंसर्वदा ॥ जुउतेहसंसालीरेलो॥
अहोजु० ॥ ३७ ॥ सूरअसूरासङनेंहरे ॥ वळमनोरथसेलरेलो ॥ अहोव०॥
करेविजोगवाल्हातणो ॥ इमकरेजगकेलीरेलो ॥ अहोइ० ॥ ३८ ॥ वलिश्रा
वकतूंसांसलें ॥ रूमोजांणीधर्मरेलो ॥ अहोरू० ॥ चरमवइंतेआदरे ॥ लहेवा
शुलशर्मरेलो ॥ अहोल० ॥ ३९ ॥ रुमुंतेआगेंथीकीजीइं ॥ तेहमांसीहांणीरे

लो ॥ अहोते० ॥ कुमरकहेषरूएकह्युं ॥ एहवातविल्लाणरेलो ॥ अहोए० ॥
॥ ४० ॥ तोपिणवगरनीमित्तए ॥ नचारीत्रलेवायरेलो ॥ अहोन० ॥ गुरूकहे
एहसंशारते ॥ निर्वेदनोवायरेलो ॥ आहोनी० ॥ ४१ ॥ स्यूंशंसारमासार
छेई ॥ तेचित्तविचारोरेलो ॥ आहो० ॥ वलिअविशेषेंशांसलो ॥ माहरोअधि·
काररेलो ॥ अहोमा० ॥४२॥ अवधीज्ञानीइंसाषीउ ॥ निजचरीत्ररशालरेलो ॥
अहोनी० ॥ तेमुफहेतूवैराग्यनुं ॥ सांसलीभूपालरेलो ॥ अहोसां० ॥ ४३ ॥
कुमरकहेप्रसूदाषीइ ॥ अवधीमुनीचरीतरेलो ॥ अहोअ० ॥ गुरूकहेसांसलि
नरपति ॥ कहुंतेहपवीत्तरेलो ॥ अहोक०॥ ४४ ॥ विजेखंमेंपांचमी ॥ कहि
उत्तमढालरेलो ॥ अहोक० ॥ पद्मविजयकहेसांसलो॥ घणुंवातरशालरेलो॥
अहो०॥ ४५॥ दुहा॥ इणहिजविजयमाराजपुर॥ हुंतेहनोरहेनार॥ सवस्वरूपमें
सावी उं ॥ नसहुंरतिनीरधार ॥४६॥ विरक्तरहुंवैरागीउ ॥ आव्यातवअणगार॥
साधूबहुशिरोमणी ॥ विचरताकरेविहार ॥ ४७ ॥ अमरगुप्तआचार्यनें ॥ उ
पनुंअवधीज्ञान ॥ घोमादिनतेहनेंथया ॥ धरताधरमनुंध्यांन ॥ ४८ ॥ वात
लोकमांविस्तरी ॥ अहोतपस्वीएह ॥ आश्रवकरस्याअलगाइणें ॥ ग्यानतणो
तेगेह ॥४ए॥ धरमदेशनालधीआ ॥ जांणेंभूपतिजांम ॥ नगरलोकस्यूंनरपती
आवेवंदनआंम ॥५०॥ ढाल॥ गैबसागररीपालउसीदोयनागरी ॥ म्हारालाल
॥ एदेशी ॥ अरिमर्द्दननरपतिनेंधर्मलासदिउ ॥ म्हारालाल ॥ नरपतिनगरलो
कसहुचित्तआणंदिउ ॥ मा० ॥ गुरूवचसुणवानोहर्षघणोमनमांधरे ॥ मा०
पुछेसूरकविहार मुंनीनेंशुलपरें ॥ मा० ॥ ५१ ॥ फरिपुछेनृपजाणनाणतुम
अतिघणुं ॥ मा० ॥ त्रणकालमाहकहउहिनाणतेतुमतणुं ॥ मा० ॥ करिउ
पगारकहोगुरूसमकीतकबलह्या ॥ मा० ॥ शाश्वतसूखतरूबिजपरिणांमते
हनाकह्या ॥ मा० ॥ ५२ ॥ देशविरतिपाम्याइंणिलवकेपरलवें ॥ मा० ॥ सा
धूपणुंपणिकबलह्यां॥किमलह्यांसवनवें ॥मा० ॥ चंपावासपुरीएहविजयमां
मुनीकहे ॥ मा० ॥ सुधणुंनामगाथापतिअतितकालेरहे ॥ मा० ॥ ५३ ॥ ध
णसिरीनामेंघरणीतेहनीहुंसूता ॥ मा० ॥ तेहनयरनीवासीनंदसथवाहुंता ॥

॥ मा० ॥ तेहनोसूतरूद्रदेवआपीमुजतेहनें ॥ मा० ॥ जौवनवयअनुरूपवि
षयसूखगेहनें ॥ मा० ॥ ५४ ॥ इंणेअवसरतिहांविहारअनुक्रमेंआवियां ॥
॥ मा० ॥ तपसंजमथीआतमसलिपरिसाविआं ॥ मा० ॥ रूपथकीमानुंशा
सनदेवतादेखीइं ॥ मा० ॥ श्रतरतनेंकरीशोलीतगुरुणीपेषीइं ॥ मा०॥ ५५ ॥
वालचंद्रानामेंचंद्रातपशीतलघणां ॥ मा० ॥ दिठांशमसूखपुंजमानुंतेहनुंतणां
॥ मा० ॥ सासरेथीपीहरजातांमुजइंमथयुं ॥ मा० ॥ तेदेखीमुजमोदथीतनुं
पुलकितसयुं ॥ मा० ॥ ५६ ॥ लोयणथयांविकश्वरपापनाशीगयां ॥मा ०॥
उलस्युंअंगधरमचित्तउलस्युंधन्यथयां ॥ मा० ॥ करकजजोमीविनयथकी
पाइंपमी ॥ मा० ॥ दिधोतेणीइंधर्मलाभमानुंशफलीघमी ॥ मा० ॥ ५७ ॥ भ
क्तिप्रीतिथीतेहनोआलयपुछिउ ॥ मा० ॥ तेसाझ्णीइंवताव्योतिहांचित्तमुं
उ ॥ मा० ॥ उचितविधेझुंएहनीसेवानीतकरूं ॥ मा० ॥जाणंजिमतिमझंस
वसायरनिस्तरूं ॥ मा० ॥ ५८ ॥ तेभगवतिइंधर्मकह्योजीनसाषीउ ॥ मा० ॥
शिवसूखफलदकल्पचिंतामणीपरेंदाषीउ ॥ मा० ॥ कर्मनोक्षयउपसमथयोस
मकीतपामीउ ॥ मा० ॥ साव्योजिनधरमसवचारकचित्तवांमीउ ॥ मा० ॥
॥ ५९ ॥ हवेमुजपतिकर्मदोषथीद्वेषकरेघणो ॥ मा० ॥ कहेतूंधर्मएठांमीवी
षयविघ्नकारणो ॥ मा० ॥ मेंकह्युंविषयसूखेंसर्युंदारूणफलकह्यां ॥ मा० ॥
तेकहेदृष्टमुंकीअदृष्टकूंणेंलह्यां ॥ मा० ॥ ६० ॥ मेंकह्युंपसूसाधारणविषय
मांसूंलह्युं ॥ मा० ॥ प्रत्यक्षसूखफलधर्मअदृष्टतेकिमकह्युं ॥ मा० ॥ इंमक
ह्याथीअधीकद्वेषमुजस्यूंकरे॥मा०॥सोगतज्योमुजसाथिविवाहविजोमनधरे॥
॥ मा० ॥ ६१ ॥ नागदेवधूआनागसिरीकंन्यासली ॥ मा० ॥ परिणितसततातेंन
दिधीमुजपीयासथकली ॥ मा० ॥ रूद्रदेवमनचिंतवेजिवतांएहनें ॥ मा० ॥
नविदिइंवालीकाकोईकरूस्युंतेहनें ॥ मा० ॥ ६२ ॥ मायाचरीत्रकरीमारूंए
हनेंहवे ॥ मा० ॥ इंमचिंतिघटमाहिंआशीविषसंक्रमे ॥ मा० ॥ घरएक
षुणेंठोमीसणेंरयणीसमे ॥ मा० ॥ एनवघटमांथीकुसूममालजावोतुम्हे ॥
॥ मा० ॥ ६३ ॥ झंअणजाणतीतेहलेवागईजेतले ॥ मा० ॥ हाथघाल्योतिहां

नागमस्योमुंकतेतले ॥ मा० ॥ संभ्रमथीतेनांषीदीउआवीनेंइमकहे ॥ मा० ॥
करम्यानागतेसांसलीरुद्रदेवलवे ॥ मा० ॥ ६४ ॥ नियमीथीआंकुलव्याकु
लथईकोलाहलकरे ॥ मा० ॥ मुऊनेंविषनावेगअतिदूखमांधरे ॥ मा० ॥ प
रवशथईनेंऊतोतिहांधरणीढली ॥ मा० ॥ परमअवांच्यअवस्थापामीचेतना
वली ॥ मा० ॥ ६५ ॥ समकितनापरंसावथीकालकरीतिहां ॥ मा० ॥ सोहमेंलीलाव
तंसविमानअछेजीहां ॥ मा० ॥ पल्योपमस्थीतिदेवपणेंऊंउपनो ॥ मा० ॥ अ
प्सरापरिवृत्तदिव्यसोगमुऊनीपनो ॥ मा० ॥ ६६ ॥ रुद्रदेवपरण्योहवेनागद
त्तधूआ ॥ मा० ॥ सोगवीविषयनेंकालकरीनंरगेंऊआ ॥ मा० ॥ रतनप्रसा
इंकमषमानरगावासमां ॥ मा० ॥ पल्योपमनेंआउषेउरकआवासमां ॥ मा० ॥
॥ ६७ ॥ देवलोकमांथीचविऊंथयोगजवरू ॥ मा० ॥ एहजविजयमांसूंस
माररणसूंदरू ॥ मा० ॥ सूंसमारतिहांपरवतमांहिक्रीमाकरू ॥ मा० ॥ न
रगमाथीरुद्रदेवआव्योअनंतरू ॥ मा० ॥ ६८ ॥ तेहजनगरमांथयोसूंसो
हामणो ॥ मा० ॥ बालअवस्थागयेंयजोजनमनकामणो ॥ मा० ॥ नलवनमां
विचरंतोगजवरतिणसमें ॥ मा० ॥ बऊकरणीस्यूंआविउतेसुकजिहांरमे ॥
॥ मा० ॥ ६९ ॥ मुऊनेंरमतोदेषीनेंद्वेषतेआविउ ॥ मा० ॥ पुरवसवअस्या
सथीवेरस्युंसावीउ ॥ मा० ॥ चिंतवेएकरीएहवुंसुखकिमसोगवे ॥ मा० ॥
वंचावुंएंसुखथंकीतोदुःखजोगवे ॥ मा० ॥ ७० ॥ षोलेउपायघणापणितेहनें
नवीजमे ॥ मा० ॥ लीलारतीविद्याधरएहवेआविचमे ॥ मा० ॥ मृगांकसेन
विद्याधरनीसगनीहरी ॥ मा० ॥ चंद्रलेखाइणिंनामेतेहनोसयधरी ॥ मा० ॥
॥ ७१ ॥ गिरीनिकुंजमारहिसऊइमशूकनेंकहे ॥ मा० ॥ एकविद्याधरआव
स्येतेजिमनविलहे ॥ मा० ॥ तिमकरज्येमुऊनेंनविदाषजेतूंषरो ॥ मा० ॥ कहे
जेआविनेंमुंऊतेहगइंपरो ॥ मा० ॥ ७२ ॥ ऊंपोणितुऊउपगारकरिसइंणअव
शरे ॥ मा० ॥ तेंसलूंकामकरयुंमुऊजांणीसइंणीपरें ॥ मा० ॥ उगिढालएविजारवं
भमाहिकही ॥ मा० ॥ पद्मविजयकहेसांसलोआगलिगहगही ॥ मा० ॥ ७३ ॥
॥ दुहा ॥ इमकहिविद्याधरगयो ॥ महानिकुंजमझारि ॥ उतरिनइंअधअवनी

इ॥ रह्योतेसूखञ्आधार॥ ७४॥ नारंगपादपैंनीमनमां॥ सूकरहेछेसूसमाधी॥
विद्याधरहूवेञ्आविउं॥ म्रगांकसेनअसमाधी॥ ७५॥ जोयुंचिऊंदिशजेतले
॥ नविदिठुंतसनांम॥ गयोइंणिञ्अवसरिंगयवरू॥ ञ्आव्योहयणीसूंञ्आम॥
॥ ७६॥ मुऊदेषीचिंत्युंमनें॥ ञ्अवसरछेएञ्आज॥ समीहितमाहरुंसाधवा॥
करूंमायाइंकाज॥ ७७॥ सुमीस्यूंसमऊणसवे॥ करीञ्आव्योमुऊकान॥
सुमीनेंकहेसांसलें॥ ज्ञानीइंसाष्युंज्ञान॥ ७८॥ ढाल॥ मोराञ्आतमरामकूण
दिनसेंत्रुंजजास्यूं॥ एदेशी॥ सुसमारएपर्वतमांढइं॥ सर्वकामीतइंणनांमें
जंपापातकरेतिहांजईनें॥ जेवांछेतेपांमे॥ मोरीशांसलिवात॥ ञ्अवञ्आरएह
छेरूमो॥ ७९॥ एञ्आंकणी॥ तवपुछेसूमीसूणोस्वामी॥ तेहवतावोठांम॥
शुककहेशीतलएतरूवरथी॥ जईइंपासेंवाम॥ ८०॥ मो०॥ तिणेंकारणसू
णिञ्आपणथईइं॥ विद्याधरमनधारी॥ तिरयंचनासवथीहूवेसरिउं॥ चालोतूमें
शुसनारी॥ ८१॥ मो०॥ जश्नेंऊंपापाततेंकरीइं॥ सूमीइंवातसकारी॥ इंमकरीऊं
पापाततेकीधो॥ गजवरेंपणिचितधारी॥ ८२॥ मो०॥ जईनेंकम्रुंलीलारतिख
गनें॥ ञ्आविगयोतुऊवयरी॥ तवलीलारतीनीकल्योतीहांथी॥ चंद्रलेखालेई
खयरी॥ ८३॥ मो०॥ ञ्आकाशेंजातोतेदिठो॥ मनमाधास्युंसाचुं॥ जुउंसूमो
सूमीलक्षांनरसव॥ एतिरथनहीकाचु॥ ८४॥ मो०॥ एतिरयंचनाविद्याधरथया
॥ जोतांवारनलागी॥ तेकारणएतिरथसाथे॥ म्हारीपणिलयलागी॥ ८५॥
मो०॥ देवतणीप्रणिधीकरीमनमां॥ ञ्अमेंपणिइंहांपमीइं॥ एतिरजंचनोसव
छांमीनें॥ देवतणीगतिचढिइं॥ ८६॥ मो०॥ इंमचितीनेंतिहांञ्अम्हेपमीञ्आ
॥ शुकयुगतिहाथीचाल्यो॥ कपटेंकरीनेंञ्अमेछेतरीञ्आ॥ पणिनविनयणेंसा
ल्यो॥ ८७॥ मो०॥ चुरणथयांञ्अमेंञ्अंगउपांगें॥ पाम्याबहुतिहांक्लेश॥
पणिञ्अकामनीजराइंषपीञ्आ॥ कर्मघणांसूविशेस॥ ८८॥ मो०॥ कुसूम
शेखरनामेंवंतरपूरे॥ पल्योपमउणंदेशें॥ एहवोवंतरसूरहाथीथयो॥ ञ्अध्य
वशायविशेशें॥ ८९॥ मो०॥ उदारसोगसोगवुंतिहांऊंपणि॥ सूमोपणिति
हांमरीनें॥ सोहिनसुखजांमेरत्नप्रसाथें॥ उपनोनीयमीकरिनें॥ ९०॥ मो०॥

पल्योपमदेउत्रेतंणीथीती ॥ हवेङ्कंव्यंतरदेव ॥ एहवीदेहेंअन्यविजयमां ॥ च
क्रबालपुरहेव ॥ ए१॥ मो०॥ अप्रतिहतचक्रसार्थवाहनें ॥ सूमंगलानामेंनार
तेहनीकुंषेंपुत्रङ्कङ्कउ ॥ विनईगुणसंभार ॥ ए२ ॥ मो० ॥ चक्रदेवमुक्तअंती
धाठविउं ॥ पाम्योबालकसाव ॥ उदवत्त्योंनारकशुकएहवे ॥ आयुक्कंतिहां
ताव ॥ ए३ ॥ मो० ॥ तेहनयरमांएकपुरोहीत ॥ सोमसर्मातसनारी ॥ नंदि
वर्द्धनामेतेहनीकुषेंाउपनोसूतअवतारी ॥ए४ ॥मो०॥ कालक्रमेंजज्ञदेवठर्व्युं
असीधा ॥ कुमरसावतेपाम्यो ॥ महारेतेहनेंप्रीतीवनीतव ॥ ङ्कउअतिविश्रामो
॥ ए५ ॥ मो० ॥ पणिघणीप्रीतीम्हारेसदसावें ॥ एहतोकपटेंराखे ॥ पुरवना
अल्यासकरमना ॥ दोषएनजरेंदाषें ॥ ए६ ॥ मो० ॥ सरलघणोङ्कंपणिएवां
को ॥ म्हारीसंपदादेखी ॥ मत्सरधरेवलीवंचेठलथी ॥ ग्निद्रतणोवलिपेखी ॥
॥ ए७ ॥ मो० ॥ यतः ॥ खलःसत्क्रीयमाणोपि ॥ ददातिकंलहंसतां ॥ डग्धे
धौतोपीकिंयाति ॥ वायसःकलहंसतां ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ नजम्युंग्निद्रवि
चारेतिवारे ॥ इंमएठलीनवीसकीइं ॥ तिणेंइहांएहउपायतेकिजे ॥ जिमइंणि
इंहांनवीटकिइं ॥ ए८ ॥ मो० ॥ चंदनसारथवाहनाघरथी ॥ लावुंद्रव्यङ्कंमुं
उी ॥ मुंकवाअपुंएहनाघरमां ॥ राषस्येएपणिङ्कंसी ॥ एए ॥ मो० ॥ सूप
तिनेसंससाविसजईनें ॥ राजादंमतेदेस्ये ॥ मारस्येकूटस्येनेंवलीएहनुं ॥ घरप
णिलूंटिलेस्ये ॥ २०० ॥ मो० ॥ जिमचिंतव्युंतिमकामजकिधूं ॥ लाविद्रव्य
मुक्सासें ॥ मित्रसूणोएद्रव्यमुक्राषो ॥ गोपवज्योमुक्अासें ॥२०१॥ मो०॥
कुवेलाइंलाव्योतिणेंशंक्यो ॥ द्रव्यनरापुंजांम ॥ तोपणिदाक्षिण्यताघणीआं
णी ॥ द्रव्यगोपव्युंठांम ॥ २ ॥ मो० ॥ सज्जनतेहजसज्जनहोवे ॥ खलतेडुर्ज
नथाय ॥ काकनेकालासघलेदेषो ॥ शुकनीलाशुखदाय ॥ ३ ॥ २ मो० ॥
विजेखंमेसातमीढालें ॥ पद्मविजयएहदाष्यो ॥ कस्तुरीनेंहींगपटंतर ॥ सवि
जनेंचितमांराष्यो ॥ ४ ॥ मो० ॥ डुहा ॥ नयरमांजनरवनिकल्यो ॥ सेठचंद
नसत्थवाह ॥ घरमुंस्युंतेहनुंघणुं ॥ हरीउंद्रव्यअथाह ॥ ५ ॥ सांसलीमुक्चिं
तशंकीउं ॥ गयोजज्ञदेवगेह ॥ पुछ्युमेंपरपंचिनें ॥ एकिमइंणिपरेंएह ॥ ६ ॥

जन्नदेवबोल्योजटो ॥ स्योमुक्रमांसदेह ॥ नातसयेंघरिताहरे॥आणिमुक्यूंए
ह ॥ ७॥ परनोद्रव्यआपुंनही ॥ आंकागईतवसाल ॥ नृपनेंवातसूणावतो ॥
चंदनचतुरवाचाल ॥ ८ ॥ मुक्रघरकोईमुंसीगयो ॥ सणेंतदासूपाल ॥ स्यूस्यूं
गयुतेसासीईं ॥ कहेसेठततकाल ॥ ए ॥ द्रव्यलिखाव्योदफतरें ॥ हवेकुकम
करेहाल ॥ मम्हेरोवजमावीईं ॥ सघलेंकरोसंसाल ॥ १० ॥ ढाल ॥ देसीहाम्ना
नी ॥ मम्हेरोफेरखेतांमरे ॥ सांसलज्योलोका ॥ मिलीयोकेंथोका ॥ दंम्हरोकेरो
का ॥ देठेनृपअन्याईनेंरे ॥ ११ ॥ चंदनसठवाहेगेहथी ॥ गयोद्रव्यघणेरो ॥
कोईलह्योतसकेरो ॥ जेहहोयसलेरो ॥ नेरोरेआविकहोमुक्रपतिरे ॥ १२ ॥
आव्योहोयव्यापारमां ॥ जोद्रव्यनोदेश ॥ अथवातेअशेस ॥ कहोतेहनरेश
॥ केवालहोरेरषेबापमारे ॥ १३ ॥ चंमहासनएरायठे ॥ जोनहीकोइसाषे ॥
दंमतेहनेंदाषे ॥ नहिराखेसराखे ॥ धनलेईसरीरनेंदंमस्येरे ॥ १४ ॥ दंम्हरो
फेरीरसा ॥ पछेंदिनगयापंच ॥ मुकीखलखंच ॥ जइकहेपरपंच ॥ जन्नदे
वनरपतिसणीरे ॥ १५ ॥ रेनरपतितुम्हसाषवुं ॥ तेजुगतूंनांहि ॥ मित्रनुंछिद्र
आंहि ॥ रायदरबारमांहि ॥ किमनवीकडंतुम्हहितसणीरे ॥ १६ ॥ आलो
कनेंपरलोकनो ॥ विरूधआचार ॥ सेवेनिरधार ॥ डखनोदातार ॥ निजआ
तमनोपणिजिकोरे ॥ १७ ॥ तेहभीत्रनेंस्युंकरू ॥ किमरायजवेषुं ॥ अन्या
यकुंदेषुं ॥ नजरेंकरीपेषुं ॥ तिणेंतुमनेंएजणाविइरे ॥ १८ ॥ रायकहेकहो
वातरे ॥ जेतुम्हमनसाई ॥ षरीवातजेंकाई ॥ मक्रठपणेंआशान्याईनेंअन्याइ
नसाषज्योरे ॥ १९ ॥ जन्नदेवकहेशांसलो ॥ मेंसूणीजेंकानें ॥ तूमनेंकडंसा
नें ॥ चक्रदेवजोमानें ॥ ठानेंस्यूंएहनुंघरजोईइरे ॥ २० ॥ पासेंनापरिजनपास
रे ॥ मेंसांसल्यूंइम ॥ चक्रदेवप्रेम ॥ चंदनघरनेंम ॥ षेमेरेगोपव्यूंनिजघरेरे ॥
॥ २१ ॥ हवेमनमानेंतिमकरो ॥ तूमेमोहटाराय ॥ माफिमपणथाय ॥ माहरू
स्यूंजाय ॥ सायठेमाहरोएमोटिकोरे ॥ २२ ॥ नृपकहेनविसंसवायरे ॥ एह
नीइमवात ॥ उत्तमकुलजात ॥ विरूधअवदात ॥ थातनएहथीएहवुंरे॥२३॥
जन्नदेवकहेसांसलो ॥ तुल्लेकयुंतेसाचुं ॥ पणिस्युंकुंराचुं ॥ लोसेंहोयेकाचुं ॥

जाचुंहोईरेसनजेहनुंरे ॥ २४ ॥ एहमांकुलनोस्योवांकरे ॥ सूरसीहोयफुल ॥ कीटकप्रतीकूल ॥ तेमेंलेंघूलि ॥ ठगणमांहिंरेवीठीउपजेरे ॥ २५ ॥ एहनुं घरिजोवरावीइं ॥ कोईकरीपरकार ॥ सुणीवातविचार ॥ वातजुगतीधार ॥ चंमत्रासनहवेराजीउरे ॥ २६ ॥ कारणिआनेमीकहे ॥ हवेइंणीपरिराजा ॥ महाजनसझंसाजा ॥ जेहोयअतिभाजा ॥ काजारेन्यायकरेजिकेरे ॥ २७॥ चंदनसत्थवाहगेहनो ॥ संमारीलीजें ॥ सझमिलीअगमीजइं ॥ चक्रदेवघरिकीजें ॥ नाठिजेलखमीतेहनीषोजनारे ॥ २८ ॥ कारणिआतवंचितवें ॥ स्योरा घनोबोल ॥ नकरेंकांयतोल ॥ एराजेंअमोल ॥ चोलमजिठरंगधर्मनोरे ॥ २९॥ अथवाआंपणेंकांयरे ॥ आणानाकरता ॥ इमचितमांधरता ॥ कांयआंसूफरता ॥ करतारेसेलासझनेंतिहांगयारे ॥ ३० ॥ पोहोरदिवचारसोपाठिलो ॥ तवसझइंआव्या ॥ मुझमनसोहाव्या ॥ बेठांसझसाया ॥ मायारेमुझउपरिघणीरे ॥ ३१ ॥ विजेरवंमएहरे ॥ कहेआठमीढाल ॥ गुरूउत्तमबाल ॥ घणंवातरसाल ॥ मालामंगलनीपामोसझजनारे ॥ ३२ ॥ डहा ॥ महाजनकारणिआमिली ॥ मुझनेंपुठेइंम ॥ सारथवाहसूतसांसलो ॥ पुठुंनियमेंप्रेम ॥ ३३॥ कोइ व्यवहारकरतांथकां ॥ किमहिकलाव्योकोय ॥ तोअमनेंसाषोतूम्हे ॥ हमणां वातजेहोय ॥ ३४ ॥ सझनेंकझुंनिशंकथी ॥ नविकांईजाणंनेंम ॥ तवकारणीआतेहनें ॥ जलपेसांसलोजेम ॥ ३५॥ कोपनकरज्योकोमनें ॥ आणानरपतिइंम ॥ तुमघरजोवुंतनपरें ॥ कहोतिणेंकरीइंकेम ॥ ३६॥ झंबोल्योहमणांनही ॥ कोपनोअवसरकाय ॥ प्रजापरिक्षापरगमो ॥ नरपतिहोवेंन्याय ॥ ३७॥ ढाल ॥ लालननीदेशी ॥ नगरनाटस्पुरूषलेइसाथें ॥ रायपुरूषेंजोयुंनिजहाथें ॥ लालन जोयुंनिजहाथें ॥ द्रव्यदिठुंतिहांबझपरकार ॥ मुंक्युंप्रयत्नकरीनेंअपार ॥ ॥ ला० क० ॥ ३८ ॥ सांमचंदननामांकितसार ॥ हिरण्यकेरांमुखउदार ला० ॥ मू० ॥ बाहिरलावीसझनेंदेखाड्यूं ॥ चंदनसंमारीपुरठाव्युं ॥ ला० री० ॥ ॥ ३९ ॥ जोईनेंडखीआनीपरेंबोल्यो ॥ संसबेंठेएहवुंचित्तमोल्यो ॥ ला० ए० ॥ पणिसंसयमुझचित्तमांआवे ॥ तवकारणीआकहेइंणदावें ॥ ला० क० ॥ ४० ॥

पत्रवांचोजेलिख्योछेत्र्प्राप ॥ तेहमांछेकेनहीअत्र्प्रालाप ॥ ला० न० ॥दिठुंरेलि
खीउंपत्रमांजेह ॥ सज्जइंथरहरथादेखीनेंतेह ॥ ला० दे० ॥ ४१ ॥ कारणि
आकहेसांसलिसाइ॥एक्रछितुक्रघरिकिहांथीत्र्प्राई ॥ ला० कि० ॥ मेंमनचिंत
व्यूंमीत्रनुंनाम ॥ किमसाधुंसज्जमांइणगाम ॥ ला० स ॥ ४२ ॥ चोरकदाचित
एहनेंसाषे ॥ तोमुझसज्जनताकिमदाषे ॥ ला० ता० ॥ परप्राणकिमहणनेंनीज
उगारी ॥ इंबोल्योतिहांइमविचारी ॥ ला० इ० ॥ ४३ ॥ एसविसाजनमा
हराघरनां ॥ तवकहेनामकेमछेपरनां ॥ ला० के० ॥ मेंकथ्युंखबरिनथीमुझ
कांय ॥ फेरफारथयोहोस्येतेभाय ॥ ला० हो० ॥ ४४ ॥ कारणीत्र्प्राकहेसीसं
ख्याछे ॥ हिरण्यनीपणिकहोजेहलीख्याछे ॥ ला० जे० ॥ मेंकथ्युंनवीमुझसांस
रेतेह ॥ पोतानीमेलेंजुउतेएह ॥ ला० जु० ॥ ४५ ॥ कारणीइंवंचाव्योपत्त ॥
दिनारसहसतेदसतिहांउत्त ॥ ला० द० ॥ पत्रनेंवस्तुबेसमोवमेंमिलीआं ॥
नागरकारणिआमनचलीआ ॥ ला० आ० ॥ ४६ ॥ विस्मयपाम्याएकिम
होय ॥ चक्रदेवनेंकिमइमजोय ॥ ला० कि० ॥ पश्चीमसुरयजोकदिउगे ॥ प
रद्रव्यहरणनकरेकोईजुगे ॥ ला० क० ॥ ४७ ॥ फरिपुछेकहोपरगटवात ॥
स्योएवाततणोत्र्प्रवदात ॥ ला० त० ॥ फिर २ पुछुंएरायनीआंणि ॥ मेंकथ्युंते
हजउतरदाण ॥ ला० उ० ॥ ४८ ॥ धिगुहोदैवनेंइमविचारी ॥ फरिपुछेकांइ
कहोनिरधारी ॥ ला० क० ॥ तोहिनतेहनेंमेंकांईसारयूं ॥ कोप्योकोटवालइं
मविमास्यूं ॥ ला० इं० ॥ ४९ ॥ लेईचालोहवेसूपनेंपासें ॥ इंमकरीचाल्यारा
यसकासें ॥ ला० रा० ॥ वातसूणावीरायनेंतेह ॥ रायकह्युंमुझसांसलिएह ॥
ला० सां० ॥ ५० ॥ उत्तयलोकनीवाततेजाणो ॥ एहवुंकांमनथाइंतूमठाणो ॥
॥ ला० ॥ था० ॥ एहवुंत्र्प्रसाधूत्र्प्रसंसवकिमछे ॥ कहोपरमारथनिपनोजिम
छे ॥ ला० ॥ नी० ॥ ५१॥ आपिमांआंसूनेंकांयनबोल्यो ॥ पुरवपरिचिंतवी
नवीमोल्यो ॥ ला० ॥ चिं० ॥ मुझउपरिशंकान्टपआवी ॥ पणमुझतातनो
आदरलावी ॥ ला० ॥आ० ॥ ५२ ॥ मुझनवीकांईहिणंसाण्युं ॥ कदर्थनान
करीबहराण्युं ॥ ला० ॥ क० ॥ देशनिकालकरयोमुझराइं ॥ नयरथीकाढ्यो

मुझतिणगाय ॥ ला० ॥ मु० ॥ ५३ ॥ नगरदेवतावननेंपासें ॥ मुक्योमुझनें रायनेंदासें ॥ ला० ॥ रा० ॥ रायपुरुषगयानिज २ ठाम ॥ तवमुझचिताउ पनीआम ॥ ला० ॥ उ० ॥ ५४ एवमापरासवसाजनमुझनें ॥ जिववुंनघटे जिवमातुझनें ॥ ला० ॥ जि० ॥ वमनोवक्ष्तेदेउलपासें ॥ मरवांचाल्योगलेदे इफांसो ॥ ला० ॥ ग० ॥ ५५ ॥ इंणअवसरजुइवनदेवी ॥ अवधीज्ञानेंकरी वाततेएहवी ॥ ला० ॥ वा०॥ उपनीमुझउपरिअनुंकंपा ॥ चिंतवेचित्तमांयइं अजंपा ॥ ला० थ० ॥ ५६ ॥ एहअघटतूंमोहटुंथावे ॥ रायनीमातनादिल मांआवे ॥ ला० ॥ दि० ॥ रायनेंवातजथारथलाषी ॥ जेहअनीतीतसघलिदा षी ॥ ला० ॥ स० ॥ ५७ ॥ नगरनेंवाहिरअमुंकउद्यान ॥ चक्रदेवमरवानइं ध्यांन ॥ ला० ॥ म० ॥ दिइंगलेफासोतेजइंनेंनिवारो ॥ देईसनमांननेंनयरेपे सारो ॥ ला० ॥ न० ॥ ५८ ॥ क्रोधनेंहदोयरसअनुंसवतो ॥ रायकहेउःख थीटलवलतो ॥ ला० ॥ दू० ॥ रेजज्ञदेवमहोडराचार ॥ आणादेइगयोनयरनें बार ॥ ला० न० ॥ ५९ ॥ ठेठेसार्थेपोहतोराय ॥ डरथीदेखीआव्योपलाय॥ ॥ ला० ॥ आ० ॥ गलफांसोदेखीकरेसोर ॥ मासाहसकरीतूंइणठोर ॥ ला०॥ ॥ तूं०॥६०॥ आविदूरकस्योमुझपाश॥ हाथपकमीबेसास्योपाश ॥ला०॥लूप तीवजअादरकरेतास ॥ देखीपामेचित्तउल्लास ॥ ला० ॥ चि० ॥ ६१ ॥ नव मीढालएविजेखंम ॥ जसकिरतीसज्जननीअखंम ॥ला० ॥ ज० ॥ पद्मविज यकहेचढतोरंग ॥ सज्जनहोयजीमकनकतरंग ॥ ला० ॥ क० ॥ ६२ ॥ ॥ उहा ॥ पुछ्युंमेंतुझपरपरें ॥ तुझनेंएसविवात ॥ लूपतीकहेनवीसाषीउं ॥ तेंएहनोअवदात ॥ ६३ ॥ सार्थवाहसूतसत्यतूं ॥ जाण्युंसघलूंकाज ॥ देविइं मातनादिलमां ॥ अविआण्युंआज ॥ ६४ ॥ जज्ञदेवजुठोकह्यो ॥ साचोतूं तूझसाषि ॥ म्हेंचित्यूंमातुंथयुं ॥ लूपनीसांसलीसाषि ॥ ६५ ॥ क्षितिपतिक हेतूंम्हषांमीइं ॥ षमवुंकरीमनषांति ॥ परमारथनपीठणीउ ॥ षमधम्योक्रो धेंध्वांत ॥ ६६ ॥ करीकदर्थनाआकरी ॥ नांण्योकष्टअयाए ॥ म्हेंशांसली चित्यूंमनें ॥ अहोअनरथअचान ॥ ६७ ॥ व्यसनजज्ञदेवआवित ॥ एहथ

योअनरद्ध ॥ कहेनृपनेंकाढोषरी ॥ जज्ञदेवनीजहरद्ध ॥ ६८ ॥ प्रजातणातूं
म्हेपालहूं ॥ किमतुमदोसंकहाय ॥ मूलशुद्धीकाढिअमे ॥ एसज्ञनदुःखदाया ॥
॥ ६९ ॥ ढाल ॥ मनोहरमोकलोनेमोसालो ॥ एदेशि ॥ चक्रदेवकहेसूणोरा
य ॥ एहथीअकार्यनथाय ॥ जज्ञदेवमित्रअम्हसाय ॥ तिणेंबुरीनकराय ॥
॥ ७० ॥ सजनइमजांणीइसलीरीती ॥ धूरछेहलगेंधरेप्रीती ॥ स० ॥ एआं
कणी ॥ नहोयेहोयतोथोडोकाल ॥ घणोरहेतोनीष्फलसाल ॥ इमसज्जनको
घसंसाल ॥ दूरजननोनेहनिहाल ॥ ७१ ॥ स० ॥ रायकहेअमसाष्युंमाय ॥
लगवतितेअलिकनथाय ॥ कहिवाततेसघलीराय ॥ जज्ञदेवजेपुर्वेंकहाय ॥
॥ ७२ ॥ स० ॥ मेंचितव्यूंएहसीवात ॥ किमजज्ञदेवमुझभ्रात ॥ करेएहवुंकां
मविख्यात ॥ नविसंसवएहवोथात ॥ ७३ ॥ स० ॥ एहवेरायपूरूषेंआंण्यो ॥ ज
ज्ञदेववांधीनेंतांण्यो ॥ राइंक्रमकरयोतिणेंठाणो ॥ जिसछेदनकरोसबजाण्यो
॥ ७४ ॥ स० ॥ वलिआंण्योदोयजपाडो ॥ एहनाघरनोल्योकाडो ॥ जष्टिमुष्टिप्रहा
रेतेताडो ॥ एहनेंदेशथीवलीनीरधाडो ॥ ७५ ॥ स० ॥ तवजंनृपपाइपडीउ ॥ रायनी
उलगमांअडीउ ॥ एदोषतेमुझआफडीउ ॥ इमजंनृपस्यूंघणंसीडीउ ॥ ७६ ॥ स०
जज्ञदेवनेंमुंकोस्वामी ॥ बिजिवस्तुनोजंनहिकांमी ॥ जज्ञदेवेंजोआपदापामी
तोमुझमांआवस्येखांमी ॥ ७७ ॥ स० ॥ रायकहेनहिजुगतीवात ॥ एहदु
ष्टछेसातेधात ॥ एतोकरेविश्वावासनोघात ॥ एहनेंराष्येस्युंथात ॥ ७८ ॥ स०
कांयमांगतूंबिजुंआपुं ॥ शिरदारकरीतूझथापूं ॥ पणजज्ञदेवनेंनापुं ॥ बि
जांताहरांदुःखकापुं ॥ ७९ ॥ स० ॥ मेंकह्युंजोमुझबजमांन ॥ द्योएहनेजी
वीतदांन ॥ नृपकहेस्यूंकरुइणठांण ॥ एहनुंखमीउंसज्जतोफान ॥ ८० ॥
॥ स० ॥ मेंकह्युंकीधोशुपशाय ॥ पडीउनरपतिनेंपाय ॥ जज्ञदेवमुकाव्योसा
थ ॥ नरपतीआदरबजदाय ॥ ८१ ॥ स० ॥ बजऋद्धिमुझवोलाव्यो ॥ सज्ज
नचित्तमांघणंसाव्यो ॥ राहनोजलराहेआव्यो ॥ इंमलोकवचनेंसोहाव्यो ॥
॥ ८२ स० ॥ जंज्ञदेवजघन्यताजुउ ॥ एजिवतोजांणिइंमुउ ॥ चक्रदेवकिणिपरि
ऋउ ॥ गंसीरज्यूंउंडोकूउ ॥ ८३ ॥ स० ॥ सवैउ ॥ बहिरेगीतनजंसूण्यो ॥

समरचंपेनऊंदिठो ॥ सोलकलासंपूर्ण ॥ चंदअंधलेनदिठो ॥ करहिऐंपांगुले॥
कठिनकोबाणनताण्यो॥ जुवतीकंठविलग्ग॥ मुग्धरससेदनजांण्यो॥ कुणही
पुतकपुतरस ॥ गितनादचित्तनविधास्यो॥ कविगथकहेरेठ कुरे॥ तोगुणवंता
हिगुणगस्यो ॥ १ ॥ ढालपुर्वली ॥ मुझनेंउपनोनीरवेद ॥ एहवामीत्रनेंइंमषे
द ॥ कर्मपरिणतीनाबऊभेद ॥ संशारअशारतावेद ॥ ८४ ॥ स० ॥ परचित्त
नोपारनलहिइं॥जोमीत्ततेह्णोहीकहीइं॥कुणदेषीचित्तगहगहिइं॥ एहनेत्यागेंसू
खमांरहिइं ॥ ८५ ॥ स० ॥ यतः ॥ वरंनराज्यंनकुराजराज्यं ॥ वरंनमीत्रं
नकुमीत्रमीत्रं ॥ वरंनदानंऊदारदारा ॥ वरंनशीष्योनकुशीष्यशिष्य ॥ १ ॥
ढालपुर्वनी ॥ इंणिअवशरमुनीवरआया ॥ अग्नीसूतीगणधरराया ॥ संजम
जोगेंअतिहिसोहाया ॥ उद्यानमाहितेठाया ॥ ८६ ॥ स० ॥ म्हेंबाहिरगया
थकादिठा ॥ मुझमनमांलागामीठा ॥ म्हारादूरगयासवरिठा ॥ प्रणम्याधरीरा
गउकीठा ॥ ८७ ॥ स० ॥ धर्मलाभदिधोगुरूराय ॥ बेठोगुरूकेरेपाय ॥ पुछ्यो
मेंधर्मउपाय ॥ जेहथीसवीदूखमांजाय ॥ ८८ ॥ स० ॥ कह्योखंतिप्रमुखमु
नीधर्म ॥ शांभलीउपनोघणुंशर्म॥ दिधां मुझविवरतेकर्म ॥ तजिउंमीथ्यामत
सर्म ॥ ८ए ॥ स० ॥ थयोदेशविरतीपरिणांम ॥ वधतेसंवेगउद्दांम ॥ वैराग्य
तणोथयोधाम॥करेआतममांआराम॥ ए० ॥ स० ॥बिजेखंडेंदशमीढाल॥साषी
अतिहिसुरशाल॥कहेउत्तमविजयनोबाल ॥सूणतांहोयमंगलमाल॥ए १॥स०॥
॥ डुहा ॥ पुन्यउदयमुझपाधरो॥ कर्मतेगल्यांकठोर॥ वियउल्लासघणोवध्यो॥
चंदज्यूंदेखीचकोर ॥ ए२ ॥ बंधस्थितित्रुटीबऊ ॥ व्रतपरिणामविशेष॥ भग
वंतनेसाष्यूंतदा ॥ अनुंग्रहकिधअशेस ॥ ए३ ॥ विरम्योचित्तसववासथी ॥
करोआणाकरूंतेह ॥ श्रुतज्ञानीतेसांभली ॥ एहवुंबोल्याएह॥ ए४ ॥ साधूप
णंतुम्हेंसंयहो ॥ जोग्यजिवतूंजांणि ॥ पुरवपुरसेंपम्रीवज्युं ॥ संजमसुखनी
खांणि ॥ ए५ ॥ गुरूवयणांसुणीज्ञानथी ॥ चारित्रशोषेचित्त ॥ आदरिउंअ
तिआदरे ॥ पाल्युंतेहपवीत्त ॥ ए६ ॥ आराध्युंआयुलगें॥ कालमासेंकरीका
ल ॥ देहतजीदेवलोकमां॥बाध्योपुन्यविशाल॥ ए७ ॥ नवसागरनिर्झरथयो॥

पंचमकल्पतेपाम ॥ बिजोबीजीनरगमां ॥ जन्नदेवगयोजांम ॥९८॥ तामन
रगपालेतिहां ॥ दिघुंमहातसदूरक ॥ चक्रदेवलहेचतूरनर ॥ सुरसवमांमहासु
रक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ जीहोजाण्यूंअवधीप्रजुंजीनें ॥ एदेशी ॥ जिहोएहजम
हाविदेहमां ॥ लालाविजयगंधीलावईसार ॥ जिहोरयणपूरेंएकसेठीउ ॥ ला
लानामतेहनुंरयणसार ॥ २०० ॥ सविकजन ॥ मकरोमायालिगार ॥ जिहो
जासवीपाकअपार ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ जिहोश्रीमतितेहनीसारया॥ला
लाउदरेउपनोऊंतास ॥ जिहोदेवलोकमांथीचवी ॥ लालामानवसवलस्रोषास॥
॥ १ ॥ सवि० ॥ जिहोजन्नदेवहवेनरगथी ॥ लालाथयोआहेमीरेस्थांन ॥ जि
होपापकरीतीहांहीजगयो ॥ लालात्रणिसागरआयुमान ॥ २ ॥ सवि० ॥ जी
होतिहांथीनिकलीनेंवली ॥ लालासमीउतिरीगतीमांहि ॥ जिहोअनुंक्रमेंरतन
पुरेंहवे ॥ लालाकऊंजिहांउपजेत्यांहि ॥ ३ ॥ स० ॥ जिहोतातनीघरदासी
जीका ॥ लालानर्मदातसअसीधांन ॥ जिहोतेहनापुत्रपणेंथयो ॥ लालाकर्म
नीगतीअसमांन ॥४॥ स० ॥ जिहोजनमलह्याअमेंअवसरें॥ लालानामठव्यां
अमतात ॥ जिहोचंद्रसारमाहरूंवली॥ लालाअणहगएहनुंविख्यात॥५॥स०॥
जिहोजोवनपांम्याअनुंक्रमे ॥ लालापरणाव्योवलीताय ॥ जिहोबिषयआश
कअम्हेरऊं ॥ लालाकालगयोनजणाय ॥ ६ ॥ स० ॥ जिहोपूरवसवअल्या
सथी ॥ लालामुकउपरिपरिणांम ॥ जिहोवंचनानोनगयोकिमे ॥ लालाएहनो
नीघमीकाम ॥ ७ ॥ स० ॥ जिहोइंणिअवसरितीहांआवीआ ॥ लालाविज
यवर्द्धनसूरीराय ॥ जिहोमासकल्पविहारीगुरू ॥ लालाप्रणम्यामेंतसपाय ॥
॥ ८ ॥ स० ॥ जिहोश्रावकधर्मअंगीकरयो॥ लालाएकदिनऊंगयोगाम॥जिहो
अमचोरायगयोवली ॥ लालामुलकगिरीनेंकांम ॥ ९ ॥ स० ॥ जिहोइंणअ
वसरतिहांआवीउ ॥ लालासबरसेनापतीनाम ॥ जिहोविंध्यकेतुआवीकरी
॥ लालाहतविहतकरयुंगांम ॥ १० ॥ स० ॥ जिहोकेईकलोकनेंलेईगयो ॥
लालाअमेसांसल्युंतेणिवार॥जिहोआविजोयुंनयरमां ॥ लालादिठुंमशाणआ
गार ॥ ११ ॥ स० ॥ जीहोघरमाणसखोलावीआं ॥ लालानजमीमाहरीरेना

री.॥ जिहोचंद्रकांतामुझअपहरी ॥ लालाउपनुंदुःखअपार ॥ १२ ॥ स० ॥
जिहोचिंताथईमुझचित्तमां ॥ लालाअहोनवीदिठवियोग ॥ जिहोकिमजिवी
तधरतिहस्ये ॥ लालानपस्विनीअबलालोग ॥ १३ ॥ स० ॥ जिहोदेवशर्मा
विप्रइणिसमें ॥ लालागरढेंसाथ्युंइंम ॥ जिहोकल्पनामकरिएवातमां ॥ लाला
सांसलिकर्तुंतुझप्रेम ॥ १४ ॥ स० ॥ जिहोपुर्वेश्रीथलनगरनें ॥ लालाइणीप
रेसबरेरेकीध ॥ जिहोवीलअखंमीत्तआपीउं ॥ लालापुनरपीलोकप्रशीद्ध ॥
॥ १५ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यलेई२आपीआ ॥ लालासकुमारणसत्तिणेंतांम ॥ जि
होसांसलीकेईकदिनरह्यो ॥ लालापोहतासबरनिजगाम ॥ १६ ॥ स० ॥ जि
होअणहगसाथेंलेइनें ॥ लालाद्रव्यलीउंसारसार ॥ जिहोस्निग्धस्निग्धसातुंघ
णं ॥ लालापंथेकरवाआहार ॥ १७ ॥ स० ॥ जीहोचंद्रकांतामुकाववा ॥
लालाचाल्योधरीअतिराग ॥ जिहोइणअवशरिंमुझनारिते ॥ लालानासणनो
धरेलाग ॥ १८ ॥ स० ॥ जिहोमनींचतेमुझशीलनी ॥ लालाकरस्येखंमणाए
ह ॥ जिहोमुझविजोगकायरघणी ॥ लालादुःखतणीमानुंरेह ॥ १९ ॥ स० ॥
जिहोसाथतेशबरपल्लितणो ॥ लालाशून्यगामनेंआशन्न ॥ जिहोपासेंजिरण
कूपनें ॥ लालाउतरीउचासन्न ॥ २० ॥ स० ॥ जिहोपाछलीरातिपरोम्नीई ॥
लालामंकोदिथअयांण ॥ जिहोकामव्यग्रसकुचालवा ॥ लालाउम्यासघलां
ठांण ॥२१॥ स० ॥ जिहोजिवितआशानवीधरी ॥ लालापमीतेजीरणकूप ॥
जिहोजलमेंपमीतिणेंउगरी ॥ लालादिठेतिहांप्रतिकूल ॥ २२ ॥ स० ॥ जिहो
बेठितेप्रतिकूपमां ॥ लालाकष्टेंधरतिप्रांण ॥ जिहोइणअवशरेंआव्याहम्हें ॥
लालाचालतातिणहिजठाण ॥ २३ ॥ स० ॥ जिहोअणहगपूर्वअत्यासथी ॥
लालाद्रव्यदेषीपरिणांम ॥ जिहोमुझउपरिकरेवंचवा ॥ लालाकरेविकल्पबहु
ताम ॥ २४ ॥ स० ॥ जिहोसातुंद्रव्यपरस्परें ॥ लालाउलटपालटलेय ॥ जि
होतेदिनसातुंमुझकरें ॥ लालाद्रव्यएहनेंकरदेय ॥ २५ ॥ स० ॥ जिहोतेथा
निकआव्याजिस्ये ॥ लालाअर्कअस्तंगतथाय ॥ जिहोसांझपमीतवचिंतवें ॥
लालाअणहगधरीमनमाय ॥ २६ ॥ स० ॥ जिहोद्रव्यतेमाहासाहामां ॥

लालावलीएडेएकांत ॥ जिह्वोपातालपरिउंमोवली ॥ लालाकूपकएनीभांत ॥
॥ २७ ॥ स० ॥ जिह्वोढांकेशवीअपराधनें ॥ लालाएहवोडेअंधकार ॥ जि
ह्वोनाषुंकुआमांएहने ॥ लालावलूंपाडेइंएवार ॥ २८ ॥ स० ॥ जिह्वोश्मचि
तीअएहगकहे ॥ लालातरस्योतुंतिऐंसालि ॥ जिह्वोकूपमांजलडेकेनही ॥ ला
लातवम्हेजोयुनिहालि ॥ २९ ॥ स० ॥ जिह्वोनांष्योहमसेलीमुंनें ॥ लालाप
मीउंउदकमझारि ॥ जिह्वोनीकलीप्रतिकूपेंगयो ॥ लालातवफरसीम्हेनारी ॥
॥ ३० ॥ स० जिह्वोसयकायरस्त्रीसावथी ॥ लालाथइसयभांततेजोर॥ जिह्वो
नमोअरीहंताणंकहे ॥ लालासब्दउंलष्योतिऐंठोर ॥ ३१ ॥ स० ॥ जिह्वोहर
ष्योअंऋदयेंघणुं ॥ लालामुखथीम्हेंकहिवांणि॥जिह्वोजिनशासनमांरक्तनें॥
लालाअसयरइंएगए ॥ ३२ ॥ स० ॥ जिह्वोसब्दथिउंलष्योमुझनें ॥ ला
लारोवालागीतांम ॥ जिह्वोतवआसासनामेंकरी ॥ लालास्येडखधरेहवेआंम
॥ ३३ ॥ स० ॥ जिह्वोविजेखंमेंईएीपरें ॥ लालाएअग्यारमीढाल ॥ जिह्वोप
द्मविजयकहेधर्मथी ॥ लालाडखथाइंविशराल॥३४ ॥ स० ॥ डहा ॥ पुछ्युंमेंप्रे
मेकरी ॥ किमतुंकुपमझारि ॥ तिमहिजपुछ्यूंतेणीइं ॥ वातअन्योन्यविचार
॥ ३५ ॥ नारिकहेनरतूंकस्युं ॥ अएहगेंएहअकाज ॥ म्हेंकह्युंएहवुंमतक
हो॥एउपगारीआज ॥ ३६॥ तुझसंजोगकस्योतिऐं ॥ किमकहोषोटूंकांम ॥
अलपनिद्राइंइंणिपरिं ॥ रातिगईआराम ॥ ३७ ॥ एहवेसूरजउगीउं ॥ षावा
आप्युंखांति ॥ नारिपणिमुझनेहथी ॥ सषिउंनहिकोईसांतिं ॥ ३८ ॥ तवम्हें
पणिआयहेंतदा ॥ आरोग्योवरआहार ॥ तिऐंपिणवावरिउंतदा ॥ धरतांधर्म
वीचार ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ देशीपिछीआनी ॥ एकदिनएकपरदेशीउ ॥ एदेशी॥
हवेम्हेंमनमांहिचिंतव्युं ॥ अहोकिमथास्येउद्धाररे ॥ संवत्रायरनीपरिकूपथी
॥ नविसूझेकोईविचाररे ॥४० ॥ सविपुण्यतणांफलपेषज्यो ॥ एआंकणी ॥
इमचिंतवतांकेईदिनगया ॥ पाथेयथयुंहवेषीएरे ॥ तवतुटिआशाजिविवात
णी ॥ आहारविनांहोयदिएरे ॥ ४१ ॥ सवी० ॥ यतः॥ स्वस्यफर्स्यंचकाव्ये
न ॥ काव्यंगीतेनहियते ॥ गीतंस्त्रीविलासेन ॥ स्त्रिविलासोबुसूक्षया ॥ १ ॥

हवेशंएिअवशारि ॥ कूमरएोंकरीकाल ॥ त्रिजीनरगेतूरतते ॥ उपनोडरकअस
राल ॥ ५७ ॥ आउषुंसातअयरतएफं ॥ दशवेदनदिइंजोर ॥ परुगअन्योन्य
नेषेत्रतिम ॥ कर्मसोगवेकठोर ॥ ५८ ॥ जंवुद्वीपजंवुतरु ॥ शोसीतसारहवा
स ॥ रथविरपुरअतिराजतूं ॥ ॥ सूरपुरीपरेंसुरववास ॥ ५९ ॥ नंदिवर्द्धननाम
थी ॥ गाथापतिनेंगेंह ॥ सूरसुंदरीसोहामणी ॥ दिपेअद्भुतदेह ॥ ६० ॥ पुत्र
पणेंऊंभगटिउ ॥ अएहगनोअवतार ॥ नरगमांहिंथीनिकली ॥ पाम्योपापप्र
कार ॥ ६१ ॥ विंध्यगिरीपर्वतवनें ॥ सत्वतणोसंहार ॥ करतोसिंहपराक्रमी ॥
उपनोतिरीअवतार ॥ ६२ ॥ वालूभसाइंगयोवली ॥ सागरआयुसात ॥ तिहां
थीवऊसवतिरीतणां ॥ सहिउडुखसंघात ॥ ६३ ॥ तेहजनयरमांतिएंसमें ॥
सोमनांमसञवाह ॥ नंदिमतिनारीनवल ॥उपनोकुंपिउरगाह ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
देशीरसीआनी ॥ धरमजिनेंसरगाउंरगस्यूं ॥ एदेशी ॥ अनुंक्रमेंजनमयया
अम्हविऊतणा॥ थाप्यानामउदार ॥ कुंअरजी ॥ माहरुंअनंगदेवसोहामणफं ॥
धनदेवएहनुंरेशार ॥ ६५ ॥ कुं० ॥ पापस्थानकआगमूंतूम्हेपरीहरो ॥ एआं
कणी ॥ वालथकीअमप्रीतीथईघणी ॥ पणिमाहरेसदसाव ॥ कू० ॥ एहतो
कपटथकीचालेघणो ॥ कुमरसावलसातताव ॥ कु० ॥ ६६ ॥ पा० ॥ देवनो
नगुरूपासेंपांमीउ ॥ वितरागनोरेधर्म ॥ कु० ॥ वलियौवनपाम्योऊंजाग
तो ॥ कहूंव्यवहारनाकर्म ॥ कू० ॥ ६७ ॥ पा० ॥ वापदादानुंधनघरमांघ
एफं ॥ पणिअसीमांनअत्यंत ॥ कु० ॥ पुर्वपुरुषअर्जितनहीकांमनुं ॥ अरजुं
निजकरतंत ॥ कु० ॥ ६८ ॥ पा० द्रव्यकमावणरयएद्वीपेंगया॥अरज्यांरत्न
एअनेक ॥ कू० ॥ अनुंक्रमेनीजदेशेंजावासणी ॥ विऊजणेंचितव्युंठेक ॥
॥ कु० ॥ ६९ ॥ पा० ॥ पुरवकृतकर्मेंकरीचितवें ॥ धनदेवपंथेरेइंम ॥ कु०
ठगीइंकोईउपाइंएहनें॥तोद्रव्यआवेएनेमा॥कु०॥७०॥पा०॥केईकविकलपमि
थ्याकलपीआ॥पणिकोईनाव्योरेदाया॥कु०॥मारयाविणनवीएहठगीसकुं॥इम
सिद्धांतकराय ॥ कु० ॥ ७१ ॥ पा० ॥ चिंतवेसोजनमांविषआपीइं ॥ आ
व्याशक्तीमतीगाम ॥ कू० ॥ चौटेधनदेवगयोकपटेकरी ॥ अवशरेंसोजनका

म ॥ कु० ॥ ७२ ॥ पा० ॥ सोजनकरयुंतेथारतिएंसमें ॥ एकलाप्रुमांरेफेर ॥
॥ कु० ॥ विजोलाप्रुसूझलेईहवे ॥ चित्तमांआवेनमहेर ॥ कू० ॥७३॥पा० ॥
पंथेचित्तविकल्पकरेघणा ॥ एहवेथयोविपर्यास ॥ कू ॥ विषलाफुंलीधोपोते
तदा ॥ मुफ्रआप्योजेहषास ॥ कू० ॥ ७४ ॥ पा० ॥ यतः ॥ लंघनैःपचतें
रोगाः ॥ फलंकालेनपच्यते ॥ कुंभिंत्रैःपच्यतेराजा ॥ पापिपापेनपच्यते ॥ १ ॥
॥ ढाल ॥ लाप्रुषाधोनेफेरतेपरणम्युं ॥ उपनोमुफ्रमनषेद ॥ कू० ॥ एस्युंवा
तबनीकिमनीपनुं ॥ नविजाणंतसभेद ॥ ७५ ॥ कू ॥ पा० ॥ एहवेकर्मवि
चित्रताकारणें ॥ विषपणिउपमअत्यंत ॥ कू० ॥ मरणलह्योमुफ्रचिंताउपनी ॥ मि
त्रनोकिणेंकरयोअंत ॥ कू० ॥ ७६ ॥ पा० ॥ नवीकोईषबरपमीएहवातनी ॥
आव्योनीजपूरताम ॥ कू० ॥ संसलाव्युंतसमाणसनेंसवे ॥ आप्योअधीक
तसदाम ॥ कू० ॥ ७७ ॥ पा० ॥ सेपरह्युंतेपुण्यमांवावस्युं ॥ मुफ्रतेदिनथी
वैराग ॥ कू० ॥ विषयप्रसंगनकिधोतेपठी ॥ नितनवलोकरह्युंत्याग ॥ कू० ॥
॥ ७८ ॥ पा० ॥ देवत्रोनसूरीएकदिनआविआ ॥ दिक्षातेहनेरेपास ॥ कू० ॥
आदरीविधीपुर्वकपालीसली ॥ अणसणकिधुंरेषास ॥ कू० ॥ ७९ ॥ पा० ॥
प्राणतकल्पेंउपनोऊंतिहां ॥ उगणीससागरआय ॥ कू० ॥ विषमरणेंधनदेव
मरीकरी ॥ उपनोनारकठाय ॥ कू० ॥ ८० ॥ पा० ॥ पंकप्रसाईसागर
नवतणं ॥ आउषूअतिउखदाय ॥ कू० ॥ एणेंअवसरेंजंबूद्वीपमां ॥ ऐ
रवतषेत्रसूठाय ॥ कू० ॥ ८१ ॥ पा० ॥ हथीणाउरनयरेंअतिज्ञोसतो ॥
॥ सेठहरीनंदीनाम ॥ कू० ॥ लषमीमतीतसनारीनिकूषिमां ॥ उपनोसूतगु
णधाम ॥ कू० ॥ ८२ ॥ पा० ॥ धनदेवनरगमांहिंथीनीकली ॥ तेथ
योफणीधरनाग ॥ कू० ॥ हिंस्याकरीकेईजीवसंतापीआ ॥ थयोदावानलदा
ग ॥ कू० ॥ ८३ ॥ पा० ॥ मरिनेंपंकप्रसाईफरीगयो ॥ दशसागरकांयऊण
॥ कू० ॥ तिहांथीनीकलीतिरीसवबऊसम्यो ॥ उखनलहेकर्मेंकूण ॥ कू० ॥
॥ ८४ ॥ पा० ॥ तेहजहथिणापुरमांहिवसो ॥ इंद्रनागवम्सेठ ॥ कू० ॥ सायां
नंदिमतितसकूषिमां ॥ पुत्रपणेंऊउनेठ ॥ कू० ८५ ॥ पा० समइंजनम्याविऊ

नीजनीजघरे ॥ थाप्यांनामविशेष ॥ कू० ॥ विरदेववरथाप्युंमाहरूं ॥ द्रोण
कईतरनुंदेष ॥ कू० ॥ ८६॥पा० ॥ पाम्याकुमरपणंहवेअनुंक्रमें ॥विजेपंमे
रेढाल ॥कू०॥ तेरमीपद्मविजयेंसोहामणी॥सुणतांमंगलमाल॥कू०॥८७॥पा०॥
॥दूहा॥सूंप्याअमनेंसीषवा॥ परगटपंमीतपास॥प्रितिथईपूरवपरि॥अम्हेंविकुंक
स्योअभ्यास ॥ ८८ ॥ मानसंगगुरुमुफमल्या॥ तेहनीपासेंतांम॥जिनवरजी
इंजेकह्यो ॥ धर्मलह्योगुंणधांम ॥ ८९ ॥ द्रव्यथकीद्रोणकथयो ॥ मुफवंचवा
नीमित्त ॥ धर्मरागकुंधारीनें ॥ तिहांथीअधिकीप्रीति ॥ ९० ॥ थिरतरप्रीतीघ
णीथई ॥ दिधोएहनेंद्रव्य ॥ निंद्यव्यापारकरस्योनही ॥ साप्युंइंणिपरेंसव्य ॥
॥ ९१ ॥ सईआरेसूप्यूंसवे ॥ करेव्यापारकलंठ ॥ अरज्योद्रव्यउतावलो ॥
गरथघणोकरेगंठि ॥ ९२ ॥ ढाल ॥ जीरेमारेजाग्योकूअरजांम ॥ एदेशी ॥
जिरेमारेपाम्योद्रव्यविशेष॥तवचिंतेचितइंणिपरें॥जिरेजी॥ जिरेमारेपुरवकृत
जेकर्म ॥ तासअभ्यासमनेंघरे॥जी ॥ ९३ ॥ जीरे ॥ सागलेस्येविरदेव॥ वेंह
चिणद्रव्यनेंमाहरोजीरेजी॥ जिरे ॥ मेंमुखथीनकह्याय॥ नविआपुंसागताहरो
जिरेजी ॥ ९४ ॥ जीरे ॥ वंचुकोयेउपाय ॥ जिमनवीजाणेंएमनेंजीरेजी ॥
जीरे ॥ माहराव्यापारनीवात ॥ म्हेंनवीसाषीकोईकनेंजीरेजी ॥ ९५॥ जीरे॥
उलवुंसघलोलास ॥ अथवाकोईमांनेंनहीजीरेजी ॥ जीरे ॥ तेकारणकरूंघा
त ॥ विजोउपायइंहांनहीजीरेजी ॥ ९६ ॥ जीरे ॥ पछेंकहिसकुंजेह ॥ तेश
वीवातवरेपछेजीरेजी ॥ जीरे॥इंमधारीनेंउपाय॥ करवामांड्योमनवछेंजीरेजी
॥ ९७ ॥ जीरे ॥ मोहटोएकप्राशाद ॥ उपरिसागकरेईस्योजीरेजी ॥ जीरे ॥
रमणीकअतिसुविशाल ॥ देषवानेंजोवाजीस्योजिरेजी ॥ ९८ ॥ जीरे ॥ कि
लकअनीयमीत ॥ निर्जुयकसविखलसलेंजिरेजी ॥ जीरे ॥ जोवातेंकुंघेर ॥
चढस्येजोवाहलफलेजिरेजी ॥ ९९ ॥ जीरे ॥ पडस्येएप्राशाद ॥ तवएजम
नृपघरिंजस्येजीरेजी ॥ जीरे ॥ मुफनहीकांयअपवाद ॥ कारयपणिसघलूं
थस्येजिरेजी ॥ १०० ॥ जीरे ॥ तेम्यमुफनेंघेर ॥ जमीआविकुंसाथेंवली
जिरेजी ॥ जीरे ॥ तेमीगयोप्राशाद ॥ आरोह्याअम्हेंविकुंमलि ॥ जिरेजी ॥

॥४०१॥ जीरे ॥ देषाप्रवालपठप ॥ करतांमतीतेहनीचलीजिरेजी ॥ जीरे ॥ चढीउंआगेंआप ॥ अजिअनङ्गचढिउंवलीजिरेजी ॥ २ ॥ जीरे ॥ निर्जुथक आरोह ॥ किधोतवइंणिपरेंथयुंजिरेजी ॥ जीरे ॥ हाहारवथयोतांम ॥ सघलूं तेहपमीगयुंजिरेजी ॥ ३ ॥ जीरे ॥ उसरीउङ्कंतङ्ख ॥ जोउंतोद्रोणकमरीगयो जिरेजी ॥ जीरे ॥ उपनोमुफनिरवेद ॥ धिगूमुफसवअहीलेंगयोजिरेजी ॥ ॥४॥ जीरे ॥ धिगूसंशारअशार ॥ मरवुंसङ्गनेंइंणिपरेजीरेजी ॥ जीरे॥ मृतका रयकरस्यांतास ॥ पणिचित्तमुफनरमेघरेजीरेजी ॥ ५ ॥ जीरे ॥ मानसंगगुरू पास ॥ श्रमणपणंमेंआदस्युंजीरेजी ॥ जीरे ॥ पालीचारीत्रसुद्ध ॥ अणसण वलीअंगीकस्युंजीरेजी ॥ ६ ॥ जीरे ॥ हेठिमउवरीमनाम ॥ ग्रैवेयकत्रीजेग योजिरेजी ॥ जीरे ॥ पणविसशागरआय ॥ कांयकउंणमाहरोथयोजिरेजी ॥ ७ ॥ जीरे ॥ द्रोणकहवेकेरीकाल ॥ रौद्रध्यांनेंमरीउपनोजिरेजी ॥ जीरे ॥ बारसागरनेंआय ॥ धूमप्रसाइंनीपनोजीरेजी ॥ ८ ॥ जीरे ॥ एहजजंबुद्विप ॥ एहजविजयेंपुरसलूंजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूंदरचंपावास ॥ सूरपुरसंमचित्तअ ढकलूंजिरेजी ॥९॥ जिरे ॥ माणिसद्रतिहांसेठ ॥ हारिणीसार्यागुणवतीजिरेजी ॥ जीरे ॥ सूरसवथीचवितास ॥ कूखेंउपनोशुसमतिजिरेजी ॥ १० ॥ जीरे॥ उचितसमइंथयोजन्म ॥ नामपुरणसद्रथापीउंजिरेजी ॥ जीरे ॥ घोषउचरता आदि ॥ अमरएहवुंउह्लापीउंजिरेजी ॥ ११ ॥ जिरे ॥ अमरगुप्तथयुंनाम ॥ विजूंअतिसोहामणंजिरेजी ॥ जीरे ॥ श्रावकघरपरसाव ॥ बालथीजैनधर मीघणंजिरेजी ॥ १२ ॥ जीरे ॥ बिजेषंमेंढाल ॥ चौदमीसाषीसोहामणीजि रेजी ॥ जीरे ॥ पद्मविजयकहेएम ॥ सांसलोवातद्रोणकतणीजिरेजी॥ १३ ॥ ॥ दुहा ॥ नारकसवथीनीकली ॥ ठेहलेशायरमत्स ॥ पापकरीपोढुंतिहां ॥ बिजिवारबिसत्स ॥ १४ ॥ पांचमीनरगेंपापथी ॥ अयरबारनुंआय ॥ तिहाथी नीकलीतीरीतणा ॥ सवबङ्कलगेसमाय ॥ १५ ॥ एहजनयरमांइंणेंसमें ॥ नं दावर्त्तइंणिनाम ॥ सेठघणंसोहामणो ॥ रीद्धीतणोविसरांम ॥ १६ ॥ श्रीनंदा सोहांमणी ॥ नारीरूपनीधांन ॥ कुषितेहनीकुंअरी ॥ उपनीअपसरवांन ॥

॥ १७ ॥ जनमथयोतसजेतले॥ नंदाथाप्युंनाम॥ आवियौवनअनुंक्रमें॥आ
पीमुजनेंआम ॥ १८ ॥ पांणिग्रहणेंपरणीआ ॥ आमाउपरिस्नेह ॥ मुजनेंउ
पनोमुलथी ॥ आणंरागअछेह ॥ १९ ॥ ढाल ॥ नीद्रमीवेरणहूईरही ॥ एदे
शी ॥ पंचविषयसूखसोगवुं ॥ तेहसाथेंहोगयोकेईकालके ॥ पुरवकर्मदोषें
करी ॥ नारीगुथेंहोमनआलजंजालके ॥ २० ॥ कर्मतणीगतिसांसलो॥ एआं
कणी ॥ घरसारसूप्युंसवीएहनें ॥ पणिनगयोहोमायापरीणामके ॥ कपटेंवा
तसवेकरे ॥ ऊंजाणहोएसत्यनुंधांमके ॥ २१ ॥ क० ॥ परिजनसयणआवी
कहे ॥ तुजनारीहोकपटीसीरदारके ॥ पणऊंकांयमांनुंनही ॥ सरलसावेंहोव
लीरागनेंधारिके ॥ २२ ॥ क० ॥ एकदिनमायाइंकह्युं ॥ गयांकुंम्मलहोजुग
जेघरसारके ॥ पोतेंउलवीईमकह्युं ॥ आकुलव्याकुलहोवलीथाइंअसारकें
॥ २३ ॥ क०॥ खेदमकरतुंसुंदरी ॥ गयोअंगनोहोमलताहरोआजके॥ कुंम्म
लजुगलकरूंनवां ॥ पछेंआवस्येहोद्रव्यस्येमुजकाजके ॥ २४ ॥ क० ॥ इ
मकहिनवीनकरावीयां ॥ वेलाएकदिनहोअत्यंगनजाणके ॥ नामांकितनि
जमुद्रिका ॥ आपीनारीनेंहोराखवानिजपाणिके ॥ २५ ॥ क० ॥ निजआ
सरणकरंमीइं ॥ मुंकितिणेंहोमुद्रावऊमोलके ॥ न्हाणसोयणकरीइंणसमें ॥
अंगरागनेंहोवलीलीधतंबोलके ॥ २६ ॥ क०॥ संकारहितकरंमीउ ॥ ऊघाडी
होमुंद्रामेंलीधके॥ कुंम्मलयुगलदीठुंतिहां॥गयुंपुर्वेंहोजससारनकीधके ॥२७॥
॥क० ॥ चितामुजनेंउपनी॥जम्यांकुंम्मलहोदिठोछेनारिके ॥ आविनंदाइंणस
में ॥ दिठीमुंद्राहोमुजहाथेंउदारके ॥ २८ ॥ क० ॥ विलषीथईनीजचित्तथी॥
म्हेंजांण्योहोएहनोतवसावके ॥ निकल्योऊंघरमांहिथी॥ चित्तचिंतव्युंहोह
मणांएहदावके ॥ २९ ॥ क० ॥ नारिविचारेचित्तमां ॥ मुजलघुताहोथईइंण
ठांमके ॥ कूंम्मलजुगलदिठांशणिं ॥ हवेकरवुंहोएहकिणीपरेंकांमके ॥ ३० ॥
॥क०॥ एपिणनाशीनेंगयो ॥ हवेसयणमांहोज्यांनवीकरेंवातके॥लघुतासय
णमांनविहोई ॥ आगलथीहोमारूंकरीघातके ॥३१॥क० ॥ कांमणयोगकरूं
जिणे ॥ मेरवहेलोहोवहेलूथायकांमके ॥ द्रव्यसंजोगवऊकरयो ॥ तिणेएक

लीहोकूमकपटनीधांमके ॥ ३२ ॥ क० ॥ एकांतप्रदेशेंदाटवा ॥ जाइंजेतले होतेतलेतिहांनागके ॥ करम्योकर्मवत्रोंकरी ॥ जिहांजाइंहोतिहांकर्मनोलाग के ॥ ३३ ॥ क० ॥ वरसलगेंअन्ननवीमल्या ॥ जिनरूषसजिहोकरयांकर्म नजायके ॥ गोपेंषीलाठेकीआ ॥ जिनविरनेंहोअतिहेंडखदायके ॥ ३४ ॥ ॥ क० ॥ षटमहीनालगेंनवीमल्यो ॥ आहारढंढणाहोकिधोअंतरायके ॥ पं चसत्तीरीद्रुपदी ॥ शीतानेंहोकलंकतेआयके ॥ ३५ ॥ क० ॥ कलावतिकर कापीआ ॥ षंधकनीहोउतारीषालके ॥ तिमएहनेंनागेंमसी ॥ बीबानीहोपमे सांतिनेंप्यालके ॥ ३६ ॥ क० ॥ यतः॥ कृतकर्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीश तैरपी ॥ अवश्यमेवभोक्तव्यं ॥ कृतकर्मशुभाशुभं ॥ १ ॥पुर्वढाल॥ रूद्रदेवपुरो हितेंकयुं ॥ तुमनारीनेंहोकरम्योठेसापके॥ रूपणिगयोउतावलो ॥ इमजाणं होकिमआव्यूंपापके ॥ ३७ ॥ क० ॥ थईअचेतदिठीतदा ॥ स्यांममंमलहो थयांतासशरिरको॥आंसुप्रातकरतोथको ॥ नखमाइंहोमेंतेहनीपीरके ॥ ३८॥ ॥ क० ॥ धिगूसंशारअसारनें ॥ जिमसूपनुंहोमायाइंद्रजालके ॥ गद २ वां णीइम्हेंकयुं ॥ तुमनेंकिमहोथयुंइमअकालके ॥ ३९ ॥ क० ॥ सितुमनेंपि माअठे ॥ इमपुछ्यूंहोपणिनदिइंबोलके॥ तवमुमषेदघणोथयो॥गइजिवीतहो आशादरबोलके ॥ ४० ॥ क० ॥ गारूमीतेम्यातिणसमे ॥ करीषेदनेंहोकहे इणीपरेंतेहके ॥ कालेंमसीएनारिनें ॥ नहीचारोहोनरमात्रनोएहके ॥ ४१ ॥ ॥ क० ॥ इमकहीगारूमीघरिगया ॥ नविमंत्रनीहोकांयचालिशक्तिते॥ का लकरीपरसवगई ॥ सज्जविलषेहोकरेआक्रंदभक्तिके ॥ ४२ ॥ क० ॥ मृतका रजकरीतेहनां ॥ तेहनीभित्तेंहोवधतेपरिणामके ॥ क्लेशकारणसंगठांमीउं ॥ संशारतेहोजाणीदुःखठामके ॥ ४३ ॥ क० ॥ लिधीदिक्षाम्हेंगुरूकनें ॥ ठठि नरगेंहोपोहोतितेहनारिके ॥ एकविससागरआउषे ॥ एहमाहरूहोचरीत्रअव धारिके ॥ ४४ ॥ क० ॥ रायनयरजनशांभली ॥ गुरूसाषोहोहवेआगलिवा तके ॥ निपजस्येस्यूंएहनें ॥ तुमचोपणिहोसाषोअवदातके ॥ ४५ ॥ क० ॥ अमरगुप्तगुरूबोलिआ ॥ एहनेतोहोठेअनंतसंशारके ॥ मुगतिजस्येअंतेसही॥

ऊंतोइंणसवहोपामीससवपारके ॥ ४६ ॥ क० ॥ एसवमुनीनाशांसली ॥
तेऊपासेंहोमेंलीधीदीषके ॥ बऊजनेंनगरमांआदरी ॥ मुक्सार्थेहोधरीगुरू
नीशीषके ॥ ४७ ॥ क० ॥ एमुक्हेतूविशेषळे ॥ वैराग्यनुंहोसूणिसीहकु
मारके ॥ बिजेखंमेपनरमी ॥ ढालसाषीहोपदमेंमनोहारके ॥ ४८ ॥ क० ॥
॥ ड्हा ॥ सींहकुमारतेसांसली ॥ कहेरूकुंकस्युंकांम ॥ हवेसाषेगुरूहित
करी ॥ गुरूतुम्हेगुणगणधांम ॥ ४९ ॥ कतिगतिरूपगुरूकह्यो ॥ एसं
शारअपार ॥ सूखडखमननेंशरीरनां ॥ स्यांस्यांहोयसंसार ॥ ५० ॥
सवअटवीसमतांथकां ॥ धर्मकीउआधार ॥ गुरूकहेसूणसंसारए ॥ चि
ऊंगतीरूपविचार ॥ ५१ ॥ नरकतिरिसूरनरगती ॥ संशारेनहीसूख ॥ जरा
मरणनेंजनमथी ॥ डखीआनेंनितडख ॥ ५२ ॥ रागद्वेषरोगेंकरी ॥ वेदनवी
षयविषाद ॥ सुखतोनहीतससूपनमां ॥ पामेंडखप्रमाद ॥ ५३ ॥ तेउपरिदृ
ष्टांततूं ॥ सांसलचतूरसूजांण ॥ मधूबिंदूमानवतणो ॥ विरेंकिधवषांण ॥
॥ ५४ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ एकविशानी ॥ त्रुटकनी ॥ एकनरकोईरेदारिद्रड
खसंतापीउ॥ मुंकीदेशनेंरेपरदेशेंगयोपापीउ ॥ गामआगररेपाटणबऊसमतां
हवे ॥ सूलोपंथथीरेएकअटवीमांएहवे ॥ ५५ ॥ त्रुटक॥ शालतालतमालनि
वह ॥ कुटजन्यग्रोधखेरए ॥ सल्लकीअर्जुनबकुलअंकोल ॥ अंबजंबुकेरए ॥
वंजूलतिलककलंवरायण ॥ तिणीसधवनेंपलासए ॥ जिहांसीहचित्ताफालदे
ता ॥ जिववासीआसए ॥ ५६ ॥ वाघजंबुकरे रोक्सरसबऊसयकरे ॥ व
नसिंसोरेजुधकरेतेपरपरे ॥ जलचरजिवरेपाणीउग्रालेवेगस्यूं ॥ तेहनरनेंरेचिं
तानमायउदवेगस्यूं ॥ ५७ ॥ त्रु०॥ सूख्योतरष्योखमेंवेदन ॥ स्वापदनासूणी
शादए ॥ उत्रस्तलोचनस्वेदगलतो ॥ करेबऊविषवादए ॥ दिर्घपंथेंथाकपां
म्यो ॥ विषममार्गेखलायए ॥ इंणिसमेंगजवरएकदिठो ॥ पुंठेंआवेंधायए ॥
॥ ५८ ॥ महाडरदंतरे ॥ पंथीलोकनेंमारतो ॥ गाजतोवलिरेसूंमथकीफूं
कारतो ॥ सूंमादंमरेउंचोकरीनेंचालतो ॥ चालतोनगेरेदिसेमेघज्यूंम्हालतो ॥
॥ ५९ ॥ त्रु० ॥ तिमजएकराक्सीदेषे ॥ महाडष्टकरालए ॥ महाकायविक

रालवयणें ॥ निसितकरकरवालए ॥ सिमअट्टहासमुंके॥ वरणअतीतसस्या
मए ॥ देखीबीहनोमरणलयथी ॥ जुइंदशा दिशागमए ॥६०॥ पुरवदिशेदेखे
वमनएकतामरे ॥ उदयाचलरेशीखरपरेंअसिरामरे ॥ सिद्धगांधर्वरेमारगरोक्या
तासरे ॥ मनचिंतेंरेकिमहिकजाउंएपासरे ॥ ६१ ॥ त्रु० ॥ उगरूंतोएहसय
थी ॥ चढुंवमनउपरिंजई ॥ इंमचिंतविनेंशीघ्रचाल्यो ॥ पदसेदायेंकूअसूई ॥
पोहतोवमननेंपासतवते॥देखीमनमांचिंतवें॥गगनगोचरथीनलंघाइं॥किमक
रूएहनेंहवे ॥ ६२ ॥ आरोहीरेनशकेहवइंतेकोईपरें ॥ गजदेषीरेतेहनुंतनब
ऊथरहरे ॥ ईमकरतारेदिठोजीरणएककरे ॥ कुपकतिहांरेउमातेंअतिठेकरे ॥
॥६३॥त्रु०॥ जीववानीरूणेकआशा॥धरीमरणनोसयमनें॥निरालंबनआलंमु
क्यो ॥ नविआधारकोतिहांकनें॥सीतिउग्योसरनोथंसो॥वलगोतेहनेउल्लसी॥
पमणालीयातेंहेठिफणिधर ॥ च्यारकोप्याधसमसी ॥ ६४ ॥ च्यारकांठेरेते
हरहेकोपाकुला ॥ फणाटोपेंरेकरमवानेंथयाव्याकुला ॥ एकअजगररेदिग्ग
जसमदिशेखरो ॥ आंषरातीरेकष्णकायमुखमोकरो ॥ ६५ ॥ त्रु० ॥ चिंते
मनमांएहथंसो॥ तिहांलगेंजीवितवळं॥ उंचेमुखेंजबजोईउंतब ॥ दिठूतेसूए
ज्योकळं ॥ एकधवलनेंएककष्णएवे ॥ उंदरामोहटाहवे ॥ दाढतिषीमूलछेदे॥
हस्तीपणिजूउतेहवे ॥ ६६ ॥ नवीपोहचेरेतेनरनेंहवेहाथीउ ॥ धंधोलेरेको
पेंवमनउन्माथीउ ॥ तिणेंहाल्योरेमधपुडोएकउपरिं ॥ मधूसमरीरेउमीतेचिहुंदि
शिसंचरे ॥ ६७ ॥ त्रू० ॥ समरिसमुहेंताशगात्रें ॥ दिइंचटकाअतिघणा ॥
मधूजालपमीउकुपमांतिणें ॥ गणगणाटनीनहीमणा ॥ एकबिंदूमधूनोति
हांपमीउ ॥ सीसउपरितासए ॥ आलोटतोतेकिमकेंआव्यो ॥ तासमुखआवा
सए ॥ ६८ ॥ रूणेइछेरेवलीएकबिंदूआवतो ॥ पणिनगणेरेजेडःखएवमांपाव
तो ॥ करिमुंसारेअजगरनेंवलीसापरे ॥ कुउसमरीरेएवमांनगणेसंतापरे ॥
॥ ६९ ॥ त्रु० ॥ मधूबिंदूरसआस्वादगिरधर ॥ हरषपामेंबहुतदा ॥ सूणोउप
संहारएहनो ॥ मोहघुमजाइंकदा ॥ पुरूषतेएजिवजाणो ॥ च्यारगतीअटवि
कही ॥ वनवारणतेकीनासजाणो ॥ जराराषसणीलही ॥७०॥ वमवृक्षतेरेमो

कल्पपुरवजांणीइं ॥ मृत्युगजवररेसयजेहथानीकनांणीइं ॥ विषयातूररेनर आरोहीनवीशक्या ॥ पापथानिकरेपरियहमांहिजेठक्या ॥ ७१ ॥ त्रु० ॥ सर्प्पच्यारकषायसमक्षो ॥ कुउनरसवजांणीइं ॥ जेमनुंजनेंएनागकरम्या ॥ घोरडुखविषषांणइं ॥ कार्याकार्यनलहेतेनर ॥ जीवीतसरथंसोगणो ॥ दोयप षजेवक्रुलअर्जून ॥ तेहउंदरसमसणो ॥ ७२ ॥ करमेंसमरीउरेव्याधीविविधव हुसत्तरें ॥ खणमातररेसूखनवीलहेकोईवत्तरे ॥ घोरअजगररेनरगतेअतिडु खदायरे ॥ विषेंमोहीतरेनरकेंगयांडुःखथायरे ॥ ७३ ॥ त्रु० ॥ मधूबिंडुसम एसोगजांणो ॥ तूछनेंदारुणकहे ॥ एहव्यसनमांकहोकोणप्रांणी ॥ सोगवबा नेंउमहे ॥ तिणेंकारणेंकरोधर्ममांनव ॥ सवतेकूआंबिडुसमो ॥ चंचलविजली समसमागम ॥ सद्गननाजाणोतुमो ॥ ७४ ॥ संध्यारागरेसरीषुंजोवनजांणी इं ॥ करोआदररेधर्मसदासूखखाणीइं ॥ विजेखंभेरेसोलमीढालसोहामणी ॥ मानवसवरेंजांणज्योजिमचिंतामणी ॥ ७५ ॥ त्रु० ॥ चिंतामणीसमधर्मकी जें ॥ एहउपनयसांसली ॥ कहेपद्मएदृष्टांतसाप्यो ॥ विजोपागंतरवली ॥ ग्रंथांतरथीतेहजांणो ॥ इहांचरित्रप्रकारए ॥ सिंहपुछेहवेगुरुनें ॥ धर्मवा तउदारए ॥ ७६ ॥ डुहा ॥ सीहकुमरकहेसांसलो ॥ कतिविधधर्मकहाय ॥ धरमीकहेदशविधधरम ॥ मुनीनोएनीरमाय ॥ ७७ ॥ यतः ॥ खंतिमद्दव अज्जव ॥मुत्तितवसंजमेयबोधवे ॥ सच्चंसोयंआगिचणंच ॥ वंसंचजइध म्मो ॥१॥ डुहा॥ सम्यगूवस्तुस्वसावनो॥ अंतरकरीआलोच॥क्रोधतणोअणुद यकरे ॥ करेउदइंसंकोच ॥ ७८ ॥ मद्दवपणइंममांननो ॥ अनुंदयवीफल अपार ॥ अज्जवमायाअणउदय ॥ उदयेविफलअवीकार ॥ ७९ ॥ मुत्तिते लोसतणो मुणो ॥ अनुंदयउदयअसाव ॥ उदयलह्याथीकरेअफल ॥ प्रसूनेंव चनप्रसाव ॥ ८० ॥ तपतेडुविधपरेंतपे ॥ बाह्यअत्यंतरबाह्य ॥ षटविधनें अंतरंगषट ॥ जेहमांकोईनसाह्य ॥ ८१ ॥ यतः ॥ अणसणमुणोयरीया ॥ वित्तिसंखेवणउरसच्चाउ ॥ कायकिलेसोसंलिणयाय ॥ बज्झोतवोहोई ॥ १ ॥ पायछित्तंविणउ ॥ वेयावच्चंतहेवसज्झाउ ॥ झाणंउस्सग्गोविय ॥ अत्यंतरउ

तवोहोई ॥ २ ॥ डहा ॥ सत्तरलेदसंजमसूणो ॥ सत्यतेनी रवधत्तास ॥ सौच
ते नीरलेपीसदा ॥ आठमोपुरेआश ॥ ८२ ॥ आकिंचनतेइंणीपरें ॥ धरमोप
गरणधार ॥ परिग्रहनेंराषेपरो ॥ बंत्ततेषटनेंवार ॥८३॥ ढाल ॥ देशीचंद्रागला
नी ॥ एजतीधर्मनेंसांत्तलीरे ॥ बोलेसिंहकूमार ॥ ओलनधर्मएसाधुनोरे ॥ सा
ध्योतुह्मेअणगार ॥८४॥ साध्योतूम्हेतेम्हेंनवीथाय ॥ इंतोसमर्थनहिमुनीराय ॥
मुझनेयोग्यहोइंजेकांय ॥ तेसाषोमुझकरीसूपसाय ॥ ८५ ॥ जिमोहनजी
जीरे ॥ एआंकणि ॥ धर्मघोषमुनीबोलीआरे ॥ श्रावकथाउमहात्ताग ॥ सीहक
हेतेकेहवोरे ॥ श्रावकधर्मनोत्ताग ॥ ८६ ॥ श्रावकधर्मकह्योमुनीराय ॥ द्रव्य
त्तावथीअंगीकराय ॥ मानेंकृत्यकृत्यआतमराय ॥ मुनीवरसेवकरेसूखदाय ॥
॥ ८७ ॥ जीमो० वंदनाविनयथकीकरीरे ॥ पोहतानयरीमांहिं ॥ कुसूमा
वलीनेजईकहेरे ॥ तेपणिधरेउछाह ॥ ८८ ॥ तेपणिधरीउछाहनेंपामें ॥ कर्म
क्षयोपसमेंमिथ्यातवामें ॥ समकितअणुव्रतलहेगुणधांम ॥ नित२गुरुसेवा
सूखकांम ॥ ८९ ॥ जीमो० ॥ मासकल्पइंमवहीगयोरे ॥ गुरुजीइंकिधवि
हार ॥ जैनधर्मेंदृढतेथयोरे ॥ तत्वातत्वविचार ॥ ९० ॥ तत्वातत्वविचारतेथा
य ॥ एकदिनपुरुषदत्ततेराय ॥ अभीततेजगुरुजिनेंपाय ॥ धर्म्मदेशनासुणि
सुखदाय ॥ ९१ ॥ जीमो० ॥ सिंहकूमरराज्येंठविरे ॥ आपथयोमुनीत्तूप ॥
रांणीश्रीकांतासहवलीरे ॥ लहेशिवमार्गअनुप ॥ ९२ ॥ लहीशिवमार्गअनुं
पतेपाले ॥ सिंहरायनिजकूलअजुआलें ॥ करमअन्यायअरीनेंटालें ॥ त्रणवर्ग
पालेनीजकालें ॥ ९३ ॥ जीमो० ॥ सहूलोकनेंआणंदकरेरे ॥ सामंतमंमल
आणि ॥ शिरवहेचंपकमालज्युंरे ॥ करेउपगारसूजाण ॥ ९४ ॥ करेउपगार
सूजाणवैरागी ॥ राजऋषीकहेवाइंत्यागी ॥ काढेंकालएरीतिसोत्तागी ॥ चा
रित्रधर्म्मतणोबहुरागी ॥ ९५ ॥ जीमो० ॥ अगनी शरमातापसोरे ॥ विद्युत
कुमरजेदेव ॥ तिहांथीचविनेंबहुत्तम्योरे ॥ तिरीगतिनीकरेसेव ॥ ९६ ॥ ति
रीगतिनीकरीसेवनेंआव्यो ॥ अनंतरत्तवेबालतपसीसोहाव्यो ॥ तिहांथीमरी
कर्मवासनाताव्यो ॥ कुसूमावलीनेंकुषिठाव्यो ॥ ९७ ॥ जीमो० ॥ दिगेसू

-पनमांतेणीइरे ॥ उदरमांपेशतोनाग ॥ बाहिरंनिकलीरायनेरें ॥ करम्योतेल
हीलाग ॥ ए८ ॥ करम्योतिणेंतेपमीउरूप ॥ सिहासनथीएहसरूप ॥ देखी
सूपनुंएहवीरूप ॥ जागीअमंगलजांणीअनुप ॥ एए ॥ जीमो ॥ नविसंसला
व्यूंरायनेंरे ॥ गर्भतेवधतोजाय ॥ तेहतणापरसावथीरे ॥ नविवछमानेंरा
य ॥५०० ॥ स्नेहधरेबहुराजातास ॥ परिजनकहेराणीनेंउल्लास ॥ इमनघटेतू
मकरवुंखास ॥ तवरांणीतेहनेंकहेसास ॥ ५०१ ॥ जीमो० ॥ स्यूंकहूंतवपरी
जनकहेरे ॥ सूपनेंआदरदिजें ॥ तवजाएस्यूंईमरांणीइरे ॥ गर्भनोदोषकही
जें ॥ २ ॥ गर्भनादोषवीनानवीहोय ॥ अन्यथारायस्यूंरीशनकोय ॥ दोहद
उपनोएकदीनजोय ॥ हवेसांसलोतेसाधुजोय ॥ ३ ॥ जीमो० ॥ रायनां
आंतरमांसखुंरे ॥ रांणीविचारेतांम ॥ गर्भसंएपापकारीघणोरे ॥ एहनुं
नहीमुझकांम ॥ ४ ॥ कांमनहीमुझचिंतेनारी ॥ सत्तास्नेहतेचीत्तविचारी ॥
नारीस्वसावकायरनिरधार ॥ पाम्ंगर्भजंएइणीवार ॥ ५ ॥ जी० ॥ तासउपा
यबहुकरयारे ॥ पणितेनिकाचितकर्म ॥ कोइप्रकारेपम्योनहीरे ॥ वैरसावना
मर्म ॥ ६ ॥ पाम्वाकारणउंसमपिधां ॥ तिणेंदूरबलतसअंगजकीधां ॥ दोहला
नांपणिकार्यनसीधां ॥ कर्मकरयांतेगाठेंलीधां ॥ ७ ॥ जीमो० ॥ मुबलीदे
षीपुछतोरे ॥ रायरांणीनेंइंम ॥ स्युंतुझनेनवीसंपजेरे ॥ अथवणोमुझप्रेम ॥८॥
अथवाकोईंआणाखंमी ॥ दीसेंतूंजिमदैवेदंमी ॥ पाणीरहीतजीममाछलीषंमी ॥
अथवाकुमुदिनीउदकेंठमी ॥ ए ॥ जिमो० ॥ रायरागेंरांणीकहेरे ॥ मुझमन
मांइमआवे ॥ मरणलहुंइणअवसरिरे ॥ तोमुझनेंसूखथावे ॥ १० ॥ स्यूंनीमि
त्तपुछेतसतांम ॥ देविकहेमुझदैवछेवांम ॥ इंमकहीआंसूरेंमेंतिणठांम ॥ राजा
पुछेनंवीपुछणकांम ॥ ११ ॥ जिमो० ॥ वातकथाबीजीकरीरे ॥ आक्षेप्युंमन
तास ॥ तेमीपरिजननेंकहेरे ॥ वातसूणोउल्लास ॥ १२ ॥ वातकहेहवेराजासा
री ॥ ढालसत्तरमीएमनोहारी ॥ विजेखंमेंमनमांधारी ॥ पद्मविजयकहेसूणो
सूखकारी ॥ १३ ॥ जीमो० ॥ दुहा ॥ देवीकीमएदूबली ॥ उवेखीकीमएह ॥
बहुलपक्षनोचंदवल ॥ सरिषीदीसेकेह ॥ १४ ॥ सारसूतसवीवीश्वमां ॥ रांणी

रयणसरूप ॥ प्राणधरंतेननिपजे ॥ एहवुंस्यूंछेअनुंप ॥ १५ ॥ मदनलेषातत्र
मांननी ॥ बोलीएहवाबोल ॥राजनकहोछेतेषरुं।तोपिणस्त्रीस्येतोल ॥ १६ ॥
अविवेकीपणंअंगमां ॥ पणिसांभलिएकसूप ॥ कहिसकिइंएहवीकथा॥ रा
जननहीसरूप ॥ १७ ॥ अन्यउपायनहीएहमां ॥ तिणेंकहुंसांभलितूक ॥
संभलाव्युंइमकहीसचे ॥ गर्भसंदोहदनुगुफ ॥ १८ ॥ ढाल ॥ सुणिबहेनीरेपी
उडोपरदेशी ॥ एदेशी ॥ नूपतिचिंतेरागविलूधो ॥ जुउराणीस्यूंकहेछेरे ॥ पु
त्रजनमपणिनविवछमांनें ॥ रागएइमवहेछेरे ॥ १९ ॥ नूप० ॥ जोदो
हदनवीपुरूएहनो ॥ थाइंगर्भविनाशरे ॥ विसरज्योराणीनोपरिकर ॥ चिंतेउ
पायेंहवइंताशरे ॥ २० ॥ नूप० ॥ मतिआगरमहामंत्रीतेम्यो ॥ संभलाव्यो
वृत्तांतरे ॥ करीयविचारनूपनें साथे ॥ सांभलोकहुंअवदातरे ॥ २१॥ नूप ॥
बुसूक्तितरहीउदरेंबांधो ॥ अंत्रकर्त्तुंमकरीवेसोरे ॥ कोइप्रकारेंलक्षणकरीसूं
दर ॥ पणिकोईनेंमतकहेस्योरे ॥ २२ ॥ नूप० ॥ रांणीदेषतांकापीदेस्यूं ॥ प
छेमनमान्युंकरेस्यूंरे ॥ वातसूणीनरपतिबहुहरष्यो ॥ इमप्रतिज्ञातरेस्यूंरे ॥
॥ २३ ॥ नूप० ॥ रांणीनेंकहेतूम्हसूखकरस्यूं ॥ राणीगरसअनुसावेंरे ॥ अं
गीकारकरिअणघटती ॥ करेउपायशुसदावेंरे ॥ २४ ॥ नूप० ॥ दोहदसंपु
रणथयोएहनो ॥ तवविषादबहुपांमीरे ॥ मंत्रीइंरायदेषाड्योअनुंक्रमें ॥ हवे
नहीहर्षनीषांमीरे ॥ २५॥ नूप० ॥ मंत्रीकहेजबजनमतेथाइं ॥ तबमतकहे
ज्योरायरे ॥ मुफकहेज्योजयोग्यकरीशते ॥ सांभलीअंगीकरायरे ॥ २६ ॥
॥ नूप० ॥ अनुंक्रमेंजनमथयोनेसूतनो ॥ मतिआगरनेंदिधोरे ॥ मतिशागर
कहेगरभथकीपणि ॥ रायनेंदूखबहुकीधोरे ॥ २७ ॥ नूप० ॥ तिणेंएगर्भेनां
हीप्रयोजन ॥ रांणिचित्तपणिवशीउरे ॥ रायनेंमतएवातप्रकासो ॥ इंमकही
लेईनीकसीउरे ॥ २८ ॥ नूप० ॥ रायनेंकहेम्रतबालकआव्यो ॥ इंमकहि
दाशीमाथेरे ॥ देईअशोकवाडीमांजातां ॥ दिठीपृथवीनाथेरे ॥ २९ ॥ नूप० ॥
कहेदाशीनेंस्यूंएमाथे ॥ संभ्रमथीकहेदाशीरे ॥ कांयनथीइंमकहेतांरोयो ॥
राइंजोयुंचकासीरे ॥ ३० ॥ नूप० ॥ बालकदेषीउबकोदिधो ॥ फटसुंमीइं

मनकीजेरे ॥ तूंहृदयस्त्रीकायरसावें ॥ सघलीवातकहीजेरे ॥ ३१ ॥ सूप० ॥
लिधोरायेंबालककऊपी ॥ चिंतवेंआपुंनएहनेंरे ॥ एहनेंहाथेंपुरणथायें ॥ आपुं
पालेतेहनेंरे ॥ ३२ ॥ सूप० ॥ अन्यथाविनेंपालवाआप्यो ॥ कहेएहनेंकां
यथास्येंरे ॥ तोमुझहाथेंविनासलहेस्यो ॥ लोकमांसलपणजास्येंरे ॥ ३३ ॥
सूप० ॥ बहुनिभंगाकरीरांणीनें ॥ तिमजमंत्रीनेंजांणोरे ॥ देवीमंत्रीअनुरो
धेगानो ॥ पुत्रउछवकरेराणोरे ॥ ३४ ॥ सूप० ॥ आणंदनांमठव्यूंतेबालक ॥ मो
हटोजवतेथायरे ॥ कलाकलापग्रह्योतिणेंबहुलो ॥ मनमांहर्षनमायरे ॥ ३५ ॥
सूप० ॥ पुरवकर्मदोषेंनृपउपरिं ॥ चित्तविषमबहुराषेरे ॥ नरपतिइंजुवराजक
स्योवली ॥ राजकूलीनीआषेरे ॥ ३६ ॥ सूप० ॥ इंणअवसरएकअटवीवा
सी ॥ डुर्मतीनामसामंतोरे ॥ डुर्गबलेंनविगणेलेषामां ॥ जांणेसिंहसूकंतोरे ॥
॥ ३७ ॥ सूप० ॥ सैन्यमुंक्योतेरायनेउपरि ॥ तेपणितेहथीहास्यारे ॥ कोप
करीहवेंसीहंनरेश्वर ॥ बहुबलथीपरीवास्यारे ॥ ३८ ॥ सूप० ॥ करियप्रयां
णनेंचाल्योसनमुख ॥ जबथयांत्रण्यप्रयाणोरे ॥ इंणिअवसरिंसिंधूनदीकां
ठें ॥ वहेतेप्रयांणतेगणोरे ॥ ३९ ॥ सूप० ॥ समरादित्यनारासमांसाषी ॥ बिजे
खंमेढालरे ॥ एहअधीकउल्लासेंअढारमी ॥ पद्मविजयसूरआलरे ॥ ४० ॥
॥ सूप० ॥ डुहा ॥ नदिकांठेंतिहांनीरषीउं ॥ अचरीजएकउदार ॥ गजशिरबुं
ठगेलस्यूं ॥ मनुषवंदमनोहार ॥ ४१ ॥ अहोकष्टअहोकष्टए ॥ बोलेइंमबहु
लोय ॥ राजापोहोतोरिऊस्यूं ॥ जईनइंतिहांइंमजोय ॥ ४२ ॥ जीरणनाग
दिठोयदा ॥ कृष्णदेहमहाकाय ॥ मंडुकपाआतेमोटिको ॥ लीधोवदनलपाय
॥ ४३ ॥ पोहलेवदनेंपेषीइं ॥ डुखथीधूजेदेह ॥ मोहटेकूररेमुखमां ॥ नाग
ग्रस्योनसंदेह ॥ ४४ ॥ अजगरदिग्गजकरसमो ॥ नयनरक्तनहीसोम ॥ ग्र
स्योकूररवलीअजगरें ॥ राजिथयोरोमरोम ॥ ४५ ॥ अजगरजिम २ आहार
तो ॥ तिम२ नागनेंतेह ॥ मंडुकरोतोअहीमुखें ॥ जातोदेषेजेह ॥ ४६ ॥ अ
चरीजदेषीएहवुं ॥ सयंपांम्योभूपाल ॥ देषिएदृष्टांतनें ॥ चिंतेचित्तविचाल
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ वाहलोम्हारोवायछेवांसलीरे ॥ एदेशी ॥ नरपतिमनमांहिं

चिंतवेरे ॥ एसंसारअसार ॥ मत्सगलागलथईरह्यूरे ॥ कोहनोकुंणआधार ॥
॥ ४८ ॥ वाल्होमारोसावेछेसावनारे ॥ एआंकणी ॥ मूढहैयामांआणंदलहेरे॥
सत्पुरूस्यांनिरवेद ॥ देखीनेंपामेईमचिंतवीरे ॥ रायथयोबहुखेद ॥ ४९ ॥
॥ वा० ॥ रायविचारेंकरवुंकिस्यूंरे ॥ अजगरेंबहुपस्योएह ॥ क्रूरेसूजंगम
बहुगल्योरे ॥ नागेंमंमुकदेह ॥ ५० ॥ वा० ॥ कंठगतप्राणथयासहूरे ॥ प
णिनमुकेकोय ॥ अधीकअधीकगलवाकरेरे ॥ एहविषमगतीजोय ॥ ५१ ॥
॥ वा०॥एकविनाशीनेंछोमवुंरे ॥ पणिनवीजीवेंकोय ॥ नविउपायएवातमांरे॥
साविसावतेहोय ॥ ५२ ॥ वा० ॥ हवेजोवुंतेजुगतूंनहीरे ॥ गजवरप्रेरुयोतां
म ॥ कटकसंयुतआवासीउरे ॥ करेउचिंतनीजकाम ॥ ५३ ॥ वा० ॥ राति
गईअरथीजस्येरे ॥ तवजाग्योनरराय ॥ दिठोवृत्तांततेसांभल्योरे ॥ अजगर
मुखचित्तलाय ॥ ५४ ॥ वा० विरसविपाकछेजेहनारे ॥ फलकिंपाकसमा
न ॥ विषयआपातमात्रमीठमारे ॥ मुरखकरेबहुमान ॥ ५५ ॥ वा० ॥ वरे
जेपंमीत्तएहनेरे ॥ वलिएविषयनेंकाज ॥ लोककरेबहुपापनेरे ॥ करताबहो
तअकाज ॥ ५६ ॥ वा० शाश्वतधर्मछांमीकरीरे ॥ थईसूरवंशठकजीव ॥ जि
वितअरथीखायझेरनेंरे ॥ तिमकरेपापसदैव ॥ ५७ ॥ वा० ॥ डुखतेपापनुं
फलअछेरे ॥ डुखीआमकरोपाप॥ सुखीआपणिकरोधर्मनेंरे॥ धर्मनुंफललही
आप ॥ ५८ ॥ वा० ॥ मंमुकसमतुछलोकछेरे ॥ सर्पसरीखाजेह ॥ तेहभक्षी
जाईतेहनेंरे ॥ तेहनेंक्रूररसमतेह ॥ ५९ ॥ वा० ॥ क्रूररनेंपणअजगरसमारे॥
अजगरसमपणिआप॥ नहिनिजवशजिणकारणेरे ॥ जमदेवेसंताप ॥ ६० ॥
॥ वा० ॥ एहअनर्थसघ्यालोकमांरे ॥ जेकरेविषयप्रसंग ॥ तेमाहमोहविला
सछेरे ॥ तिणेंस्योकरीईरंग ॥ ६१ ॥ वा० डुखअनेकतरुबिजछेरे ॥ राज्यअ
नर्थनीखांणि ॥ पातालपरेंपुराईनहीरे ॥ एहवीजीनवरवाणि ॥ ६२ ॥ वा०॥
विवरसूलसजिरणघरपरेंरे ॥ खलसंगतीपरेंजास ॥ विरसावसाणतेंपेखीईरे ॥
राज्यथीनरकमांवास ॥ ६३ ॥ वा० ॥ वेश्याहृदयपरेंबालहीरे ॥ द्रव्यअने
कप्रकार ॥ सूजगबहुवलमीकपरेंरे ॥ डुखदायकडुखकार ॥ ६४ ॥ वा० ॥

जिवलोकपरिजांणीईरे ॥ कामनंपुराथाय ॥ सर्पकरंमकनीपरेंरे ॥ जतनेंपा
ह्यूंजाय ॥ ६५ ॥ वा० ॥ असीलाषावळुजनकरेंरे ॥ वेश्याजीवनरीती ॥ न
वीवीसवासकोइनोहोईरे ॥ होयघणीजोप्रीती ॥ ६६ ॥ वा० ॥ परसवनुंतो
साधननहीरे ॥ तिणेंतजीराज्यअत्रंग ॥ धीरपुरुषेंसेवीतआदरुंरे ॥ दिक्षामनध
रीरंग ॥ ६७ ॥ वा० ॥ ईहसवपरसवसुखकरूरे ॥ अमणपणंजगसार ॥ कि
मकरूंप्रस्तुतकांमनेरे ॥ लघुताहोयइंणिवार ॥ ६८ ॥ वा० ॥ अथवाएहलघु
ताकिसीरे ॥ एकजनमनोस्योसार ॥ सव २ नांदूःखउपसमेंरे ॥ लेउंसंजम
सार ॥ ६९ ॥ वा० ॥ ईमकरतांरजनीगईरे ॥ बिजेखंमेंढाल ॥ उगणीसमी
पदमेंकहीरे ॥ थयोउद्योतवीशाल ॥ ७० ॥ वा० ॥ डुहा ॥ बेठोआसनबांधी
नइं ॥ करीद्रव्यआवश्यककाज ॥ मंत्रीमंमलसङ्गमणमीउ ॥ जबउदयोदिन
राज ॥ ७१ ॥ विजयाप्रतिहारीवरा ॥ प्रणमीनरपतीपाय ॥ वेगेंइं
णीपरेंविनवे ॥ मानेंज्योमहाराय ॥ ७२ ॥ सूणिचंमसासणघणं ॥ कस्युंप्र
यांणमुळकाज ॥ सीहरायईमसंकीउ ॥ आव्योदूरमतीआज ॥ ७३ ॥ आ
णातूमचीअतिक्रमी ॥ तसथयोपश्चाताप ॥ कंथेतेपरसुकरी ॥ पंरवस्योकेई
नरआप ॥ ७४ ॥ दरिशणइछेदूरमती ॥ उसोआंगणआय ॥ करोळुकमएहनें
कीस्यो ॥ ईमसूणीह्वेमहाराय ॥ ७५ ॥ मतिसागरजेमंत्रवी ॥ सनमुखजो
युंतास ॥ अंगीतआकारउलषी ॥ मंत्रिकहेविमासि ॥ ७६ ॥ सरणांगतवत्स
लसवे ॥ सूपतिहोयईमसाल ॥ दोषनएहमांदेखीईं ॥ तेमोइहांइणताल ॥ ७७ ॥
आणाकरीतवआवीउ ॥ अवनीपतिनेंईम ॥ कहेकूहाम्ननेंकोटिए ॥ तूम्हमन
होयकरोतेम ॥ ७८ ॥ कहिनेंचरणकमलनम्यो ॥ दानअसयतवदिध ॥ करी
आदरसतकारीउ ॥ करवुंतेसवीकीध ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ घरिआवोजीआंबोमोह
रीउ ॥ एदेशी ॥ निजनयरेंवलीआविउ ॥ सीहनरपतिजयपुरमांहि ॥ निज
आशयमंत्रीमंमलप्रतें ॥ साप्योअतिअंगउछाह ॥ ८० ॥ गतिकर्मतणीविचित्रछे
॥ एआंकणी ॥ कहेमंत्रिमंमलसूणिसाहिबा ॥ तुम्हकृत्यनेंएहजसार ॥ तूम्ह
वंसथयाजेराजवी ॥ तेइमहिजपाम्याापार ॥ ८१ ॥ गति० ॥ सङ्गजिवनेंएक

खुंघटो।तोतूम्हचीकेहीवात॥जिनवयणसावितमतितूम्हतणी॥तूमचोउत्तम
अवदात॥८२॥गति०॥सफलोमानवसवतुम्हतणो॥वनदवसरीषाएसो
ग॥जिम २ इंधणषेपीइं॥तिम २ वधतोजाइरोग॥८३॥गति॥किंपा
कनाफलसमजेहना॥पंथेंसाध्याढइंविपाक॥वलिमृत्युंअकालेंआविअछे॥
जेहनोसूरअसूरमांलाग॥८४॥गति०॥इमसांभलीहर्षवध्योघणो॥नृपें
दिधोअतिवहुमान॥कुंअरअसीषेकनेंकारणें॥राइंजोसीतेम्याजांण॥८५॥
॥गति०॥कहेकहोअसीषेकदिवशहवइं॥तवलगनजोइकहेइम॥आज
थीपांचमेदिहाम्हले॥किजेंअसीषेकतेप्रेम॥८६॥गति०॥मंगलमेल्यांत
सकारणें॥मढजुगलप्रमुखवहुभेद॥नरपतिमनमांइमचिंतवे॥आंणीचित्त
मांनीरवेद॥८७॥गति०॥राज्यनोअभिषेककरीभलो॥राज्यथापीआणं
दकुमार॥पछेजास्यूंदीक्षाकारणें॥जिहांधर्मघोषअणगार॥८८॥गति०॥
इमचिंतवीलगनलगेंरहें॥इणअवसरितेहकूमार॥नृपनोअसीप्रायअजांण
तो॥पुरवकृतकर्मविकार॥८ए॥गति०॥डुर्मतीस्यूंइमउरावीउं॥आपणेंहण
वोएराय॥वलीआंभलीअसीषेकवारता॥तवचिंताइणिपरेथाय॥ए०॥गति०॥
मीथ्यात्तीनिवेश्रेंचिंतवे॥डुष्टचित्तेंविपरीतवात॥जुउएअसीषेकनामिसथ
की॥करस्येमुझनेंइमघात॥ए१॥गति०॥इमढलीउंजाउंकिमें॥अथ
वाहोएसाचिवात॥पणिएहनुंआप्युंलेवुंनही॥एहमांस्योजसअमथात॥
॥ए२॥गति०॥जोरायनेंमारीलीजीइं॥वलथीतोजसवहुथाय॥इंणिअवसरिराय
बोलाविउ॥तूम्हेआवोतूम्हकरुंराय॥ए३॥गति०॥पणिइढेनहीतेआववुं॥
तवआथेलेइप्रतिहार॥नृपचाल्योकूमरसवनजिहां॥उंसोजइसहसाकार॥
॥ए४॥गति०॥तवआणंदमनमांचिंतवे॥आढेसूंदरप्रस्ताव॥इरषाइंकरी
नेंबोलिउ॥मारि २ तणोआराव॥ए५॥गति०॥लेईतरवारनइंमारीउ॥
जेपासेंहतोप्रतिहार॥पछेंआव्योनरपतिउपरि॥किधोवलीगाढप्रहार॥ए६॥
॥गति०॥तिहांकोलाहलवहुउछल्यो॥नृपसैन्येकरयोसंक्षोभ॥आणंदकू
मरनेंवीटीउ॥मांड्योसंग्रामअथोभ॥ए७॥गति०॥निजदेहद्रोहसपर्येक

री ॥ तापेनिजसैन्यनेंइम ॥ मुकव्यापदनथयुंदेखज्यो ॥ हवेएहनेंमारोकेंमा ॥ ५८ ॥ गति० ॥ करोराज्यात्तीपेकतेएहनें ॥ एजांणज्योतूमचोराय ॥ इणें अवरोरकूमरेंकमकरयो ॥ दूरमतिनेंतिहांबोलाय ॥ ५९ ॥ गति ॥ बांधो नीवमबंधनेंकरी ॥ तवआव्योरायनेंपास ॥ कूलपुत्रपापीनेंवांधीउ ॥ नृपए काकीकस्योपास ॥६०॥ गति० ॥ विसवासीपुरुषनेंसूंपीउ ॥ पुरलोकनी भंगीताम ॥ ठविसर्वव्यवस्याराज्यनी ॥ पोतेथयोरायंनेंगंम ॥ ६१ ॥ गति० ॥ इंमसमरादित्यनारासमां ॥ पदमेंवरविश्रमीढाल ॥ कहिविजेखंमेए सांत्तली ॥ मकरोकोईकर्म्मजंजाल ॥ २ ॥ गति० ॥ ॥ ॥

॥ दुहा ॥ सामंतमंमलवशकरी ॥ रायनेंचारकमांहि ॥ नाख्यातेचारकहवे ॥ वर्णवस्यूंदुःखज्यांहि ॥ ३ ॥ असुचिमयतांआकरी ॥ दापेजिमदूरगंध ॥ सिरीसर्पफूटिसीतीमां ॥ देखामेंबहुधंध ॥ ४ ॥ मांषीमशामछरघणा ॥ सिए सीएनासणकार ॥ रजउकेरीमुसाकरे ॥ अधीकोजिहांअंधकार ॥ ५ ॥ सीर परकांचलीसरपनी ॥ लटकेलंबायमान ॥ लूतातंतूजालाघणी ॥ सिमंतनरय समान ॥ ६ ॥ विषमकालनुंवासघर ॥ सयलदूःखनोसखाय ॥ अधरमनी लीलाअवनि ॥ कुलघरदुःखकहाय ॥ ७ ॥ ढाल० ॥ जीवजिवनप्रभूकिहां गयारे ॥ एदेशी ॥ करमतणीगतिसांसलोरे ॥ करज्योविचारीकर्मरे ॥ एकप पेंवयरेंलहेरे ॥ दुःखतोअन्यनोसर्मरे ॥ ८ ॥ कर्म० ॥ रांणीइणिपरेंसांसलीरे ॥ चारकमुंक्यारायरे ॥ आक्रंदत्तैरवमुंकतीरे ॥ म्लांनथईजसकायरे ॥ ९ ॥ कर्म० ॥ मोहटामुक्ताफलसारीखांरे ॥ आसूंझरेतिणीवाररे ॥ हारउपमपांमें तदारे ॥ रोकेंचोकीदाररे ॥१०॥ कर्म० ॥ मणीवलयेंकरीरणझणेंरे ॥ एहवेक रेंकरीजेहरे ॥ दुखःआवेंशबलेंकरीरे ॥ ठेलीकाढ्यातेहरे ॥ ११ ॥ कर्म० ॥ कुंटेंहृदयत्रोमेंकेशनेंरे ॥ मुखमासासनमायरे ॥ नयनकेचोंकरीढांकीआरे ॥ एपेपतीअवस्यादेषायरे ॥ १२ ॥ कर्म० ॥ कुसूमावलीपरमुखसझरे ॥ पोह तूंअंतेउरतझरे ॥ सोहनिगमेंपूरयोनरपतिरे ॥ दिगेचारकजझरें ॥ १३ ॥ कर्म० ॥ अनुचितसेव्युंबहुअमेरे ॥ मानुंदेषावतिइंमरे ॥ हारपमणमानुंदूखथी

रे ॥ अधीकंकूटेघरीप्रेमरे ॥ १४ ॥ कर्म० ॥ नरपतीदेषीएहवुंरे ॥ रंकपु
रुषनीपासरे ॥ कहेवरावेएस्यूंकरोरे ॥ निःफलएहप्रयासरे ॥ १५ ॥ कर्म०॥
जेहथीअधर्मपरंपरारे ॥ तेकिमकरीइंशोकरे ॥ लषमीचंचलज्युंविजलीरे ॥
मानेथीरमुंढलोकरे ॥ १६ ॥ कर्म० ॥ सूपनसमासंगमकह्यारे ॥ नवीसमझे
एहजिवरे ॥ भेहमारागविलासनारे ॥ एहवाएमसदेवरे ॥ १७॥ कर्म० ॥ अ
विवेकीजनआचरेरे ॥ तिमकरीइंनविलापरे ॥ सूखदुखसहुइंअनुंसवेरे॥ के
वलकिधांआपरे ॥ १८ ॥ कर्म० ॥ जिवलोकमांसारजेरे ॥ श्रीजीनवयण
रसालरे ॥ लवआयरतरीइंजिणेंरे ॥ पांमीइंसूखविशालरे ॥ १९ ॥ कर्म० ॥
तेपांम्याभेलाग्यथीरे ॥ आदरोतेहजसाररे ॥ एहटालीबीजोनहीरे ॥ दुःखभे
भावणहाररे ॥ २० ॥ कर्म० ॥ सूपतिइंमजेकह्युंरे ॥ सांसल्यूंसहुइंतेहरे ॥
एहएमजइंममानतारे ॥ नहिअन्यथाकांइंएहरे ॥ २१ ॥ कर्म० ॥ सूपति
नीआंणालहीरे ॥ ॥ आणंदनीवलीइंमरे ॥ बलातकारेंआणालहीरे॥ धारीधर्म
स्यूंप्रेमरे ॥ २२ ॥ कर्म० ॥ गंधर्वदत्ताविद्याधरीरे ॥ आर्यांश्रमणीशुद्धरे ॥
पासेंप्रवर्ज्याआदरेरे ॥ तत्वजाणअतिबुद्धरे ॥ २३ ॥ कर्म० ॥ धन्य
एराणीएहनीरे ॥ धन्यएरायसूजाणरे ॥ जाण्यूंपणिएहनुंषरूंरे ॥ एहनुंजत
त्वविन्नाणरे ॥ २४ ॥ कर्म० ॥ विजेखंमेनीरमलीरे ॥ एकविसमीएढालरे ॥
समरादित्यचरीत्रनीरे ॥ पद्मकहेसूरशालरे ॥ २५ ॥ कर्म० ॥ दुहा ॥ इंण
अवशरिआणंदअती ॥ कदर्थनाकरेनीत्य ॥ उपशमनृपअतिआदरे ॥ क्रो
धनकरेकूमीत्त ॥ २६ ॥ मनचित्तेनहीमाहरुं ॥ आयुअधीकएवार ॥ अण
सणईहवेआदरूं ॥ पामुंजिमसवपार ॥ २७ ॥ इंमकरीअणसणआदर्युं ॥
आणंदअवनीपाल ॥ सांसलीअणसणसीहनुं ॥ कोप्योकपूतकराल ॥ २८ ॥
ढाल ॥ हारेम्हारेजोवनीयानो लटकोदिहाभाच्यारजो॥ एदेशी ॥हारेम्हारे ॥
देवसरमनामेंकोइपुरुषमहंतजो ॥ तेहनेंरेइमवातसीखावेजइंकहोरेलो ॥ हा
रे० ॥ लोजनकरिकेनहीतरमारीसहाथिजो ॥ इंमसांसलीनेंगयोनृपपासेंदू
खथसोरेलो ॥ २९ ॥ हारे०॥ जइनेंदिगेरायवेभेशुसगयजो ॥ बोलेरेइंमवा

णीसूजांणसोहामणीरेलो ॥ हांरे० ॥ देववसेंप्रांणीनेंसूखदुखथायजो ॥
एहदेवसकुअवगुणयाहीशिरोमणीरेलो ॥ ३० ॥ हांरे ॥ विनयथयकीपणिन
वीआराधवायोग्यजो ॥ इणिनअवशरपणनवीउवखेएकदारेलो ॥ हांरे ॥ के
वलजननेंअनरथकेरोठाणजो ॥ मत्तहस्तीपरेंस्वेछचारीएसदारेलो ॥ ३१ ॥
हांरे० ॥ गंगाप्रवाहपरेंऋजुवक्रसदायजो ॥ अंधकारपरेंकरेंनिपातसकुतणोरे
लो ॥ हांरे० ॥ विषयंथीपरेंसरवस्वादप्रतीकुलजो ॥ अनुंकूलएतोजाणोअस
मीहीततणोरेलो ॥ ३२ ॥ हांरे० ॥ यद्यपीइंमछेतोपणपुरूषाकारजो ॥ नविछो
ड्यीजेंसतपुरुषेकुणमातथीरेलो ॥ हांरे ॥ पुर्वेउपार्जितकर्मपरिणामतेदैवजो
तेपुरुषाकारेजीताइंजातिथीरेलो ॥ ३३ ॥ हांरे ॥ तेकारणअवलंबोपूरुषाका
रजो ॥ आहारग्रहणकरीइंजिमधरीइंदेहनेंरेलो ॥ हांरे ॥ जिवताप्राणीआपद
आंणीअंतजो ॥ पांमेंरेसंपदजाइंआपदतेहनेंरेलो ॥ ३४ ॥ हांरे० ॥ रा
जाबोलेसाजांवयणरसालजो ॥ देवशर्मासुतकर्मासांसलिमाहरीरेलो ॥ हां ॥
वातसुजातनमुंक्योपुरुषाकारजो ॥ देशकालसंसालीवातमेंआचरीरेलो ॥ ३५ ॥
॥ हां ॥ लीधीदीक्षातावथीशिक्षाधारिजो ॥ संपदअभिलाषानहीसाषासीक
होरेलो ॥ हां ॥ उचितकालसंसालीमेंअणसणकीधजो ॥ आहारग्रहणनविक
रीइंकोईपरेंलहोरेलो ॥ ३६ ॥ हां ॥ तवतेबोल्योचित्तनविमोल्योतुमजो ॥ आ
हारलेवामांपणितुमसुततेकोपस्येंरेलो ॥ हां ॥ राजाकहेंएलहेंअकारणकोप
जो ॥ एहकोपीसुसलोपीस्युंआरोपस्येंरेलो ॥ ३७ ॥ हां ॥ सच्चपइन्नाकीन्हा
तेनविजायजो ॥ तवतेकहेंतुमेसुतवृत्तांतजांणोसवेरेलो ॥ हां ॥ तुह्मसरीरनें
पीरकरेंरषेंएहजो ॥ हवणांवयणकटुकटुकमुखथीतेचवेरेलो ॥ ३८ ॥ हां ॥
चिंतवेकेतवेंइणअवसरनृपपुत्रजो ॥ किमनविआव्योसाव्योमनमांसूपतीरेलो
॥ हां ॥ अमरपत्तरीउंदरीउंक्रोधकषायजो ॥ खमगलेइआव्योसाव्योनिजरू
पथीरेलो ॥ ३९ ॥ हां० ॥ आहारग्रहणकरनहीतरछेडंसीसजो ॥ इणेकरवाल
करालउपमजमजीहनीरेलो ॥ हां ॥ रायकहेंकुंणबीहकलंहेंछेएहजो ॥ का
यामायाप्राहुणीकोइकदीहनीरेलो ॥ हां ॥ ४० ॥ मरणशरणतोअवस्यकरे

एजीवजो ॥ जाणेंजेहअशाखतनांणेंतेषेदनेरेलो ॥ हां ॥ गर्भसमयथीस
मय२मरेंनित्यजो ॥ जीवंतोकिमकहीइंएपणवेदनेंरेलो ॥ ४१ ॥ हां ॥ परलो
कनोबक्षलोकतणेंएसाथजो ॥ चालंतांवरम्हालंतांकोईआगलेंरेलो ॥ हां ॥ पो
हतोवहेलोकहोतोस्योत्सयतत्वजो ॥ आयुअनित्यव्यतीतथइंसागरगलेंरेलो ॥
॥ ४२॥ हां० ॥ सूनाहाटेंवाटेंआव्योजीवजो ॥ तेहनेंजीवनआशासीइंमजा
णीइंरेलो ॥ हां॥ जन्ममरणमांनहीकोशरणविचारजो॥ व्रतआदरताधरताचि
त्तजिनवाणीइंरेलो॥ ४३ ॥ हां ॥ जरामरणनेंरोगशमणजिनवयणजो॥ एह
रसायणअमयसुसायणसारछेरेलो ॥ हां ॥ पीधुंकीधुंकामतिणेंनहीसीतिजो॥
जन्ममरणनीजाणंतिणेमुक्तपारछेरेलो ॥ ४४ ॥ हां ॥ शोध्योआतमपापमें
लसविधोयजो ॥ स्वजनकुटंबनिगमतेत्यागीलोहनीरेलो ॥ हां ॥ मरणकाल
विकरालकरेंस्युंतासजो ॥ जेहमनुष्येंपयमीजीतिमोहनीरेलो ॥ ४५ ॥ हां ॥
एहकलेवरघरमांपणिनपीपासजो ॥ तपधनजेहनेंतेहनेंसरीरसंलेषीउंरेलो ॥
॥ हां ॥ सुविहितविहितमरणविधिपूर्वकजेणजो ॥ तेहनुंरेवरमरणतेउत्सवदे
षीउंरेलो ॥ ४६ ॥ हां ॥ तपपाथेयथकीसुंजिणेंसाथेंगुरूजो ॥ मरणसमाधिनि
रबाधेंमागेंमुणीरेलो ॥ हां ॥ जेमरणेंकरीस्वर्गकेंहोयअपवर्गजो ॥ तेहवुंमर
णतोउत्सवसूतमागेगुणीरेलो ॥ ४७ ॥ हां ॥ इंणिपरेंनरपतिशुभमतिबोलेंबो
लजो ॥ बीजेंषंमेंढालएबावीशमीकहीरेलो ॥ हां ॥ धीरजरायनुंवीरजअति
शयदेषिजो ॥ पद्मविजयकहेंइंमराषोदृढतासहीरेलो ॥ ४८ ॥दूहा ॥ कालो
सर्पकतांतछे॥रोगव्यसनविषराशि॥ दीर्घदाढितेंदेषीइं॥ पुंठिनमुंकेंपास॥४९॥
जालमस्युंजुरूनविहोइं ॥ नासीसकाइंनांहि ॥ सुरअसुरानहीआशिरो ॥ जरा
रोगनहीजांहि ॥५०॥ ढाल ॥ करकंडूनेंकरुंवंदनाकुंवारीलाल ॥ एदेशी ॥
रोगशोगमानवघणा॥ कुंवारीलाल॥ व्याधिजरानेंवियोगरे ॥कुं ॥ तेहनोस्यो
आसरोकुंइं ॥ कुं ॥ तिणेंएधर्मसंयोगरे ॥कुं॥५१॥ जिनवयणेंइंमदृढरहो ॥कुं॥
एआंकणी ॥ पणिएकनिमेषजेजीवीइं ॥कुं॥ तेजमरायप्रमादरे ॥कुं॥ कायर
सेवितमतदिउ ॥कुं॥ मुक्तअपयशनोवादरे ॥कुं॥५२॥ जि ॥ मृत्युदाढेजेआंवी

३ ॥ ॐ ॥ होइंजोइंदनरिंदरे ॥ ॐ ॥ पणतेनीकलीनविसकें ॥ ॐ ॥ इंणिपरें
यमनृपफंदरे ॥ ॐ ॥ ५३ ॥ जि० ॥ मृतमारणमात्रेंकरी ॥ ॐ ॥ लागेंनिजकु
ललाजरें ॥ ॐ ॥ एतुऊचित्तामुऊघणी ॥ ॐ ॥ नहीमुऊजीवितकाजरे ॥ ॐ
॥ ५४ ॥ जि० ॥ आहारत्यागनिजवयणथी ॥ ॐ ॥ तेकिमलेउंआजरे ॥ ॐ ॥
मरणरूडुंनहीजीववुं ॥ ॐ ॥ व्रतसंमीसुंणिराजरे ॥ॐ॥ ५५॥ जि॥ यतः॥ वरम
ग्गिमिपवेसो ॥ वरंविशुद्धेणकम्मुणामरणं ॥ मागहियवयसंगो ॥ माजीयंख
लियसीलस्स ॥१॥ पूर्वढाल॥इंणिपरेंवयणतेसांभली ॥ॐ॥ कोपानलेज्वल्योते
हरे ॥ ॐ ॥ नयनकस्यांअतिरातमां ॥ॐ॥ खड्गप्रहारकरेहरे ॥ ॐ ॥५६॥जि॥
मातुंकीघुंमुरषें ॥ ॐ ॥ कीधोशिरपरघायरे ॥ ॐ ॥ नमोजिणाणंकहेमुदा ॥
॥ ॐ ॥ तत्वज्ञानीतेहरायरे ॥ ॐ ॥५७॥ जि ॥ कर्मकरयांजेजेनरें ॥ ॐ ॥ ते
तेसोगवेंआपरे ॥ ॐ ॥ सोगवतांसयस्युंकरे ॥ ॐ॥ करतांनवीहेंपापरे ॥ ॐ ॥
॥५८॥जि॥ परतोनिमित्तमल्योतनें ॥ॐ॥ नहीएहनोअपराधरे ॥ ॐ ॥ गुणअ
पराधपोतेंकस्या ॥ ॐ ॥ आवेंतेहअगाधरे ॥ॐ॥ ५९॥जि ॥ यतः ॥ सवोपुव
कयाणं ॥ कम्माणपावएफलविवागं ॥ अवराहेसुगुणेसुअ ॥ निमित्तमित्तंप
रोहोई ॥ १ ॥ अप्पाअरिहोअणवठियस्स ॥ अप्पाजसोसीलमउनरस्स ॥
अप्पाडरप्पाअणवठियस्स ॥ अप्पाजीअप्पासरणंगइय ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥
इंमचित्तवतांरायनें ॥ॐ॥ कीधोवीजोघायरे ॥ॐ॥ पापीइंपापकरयुंघणुं ॥ॐ॥
कलुषितअध्यवसायरे ॥ ॐ ॥ ६० ॥ जि ॥ मरणलहीतेमहातमा ॥ ॐ ॥ अ
ध्यवसायसुसजासरे ॥ ॐ ॥ सनतकुमारमांउपना ॥ ॐ ॥ कांतिद्युतिवरषा
सरे ॥ ॐ ॥ ६१ ॥ जि ॥ पांचसागरनेंआउषे ॥ ॐ ॥ लीलारामविमानरे ॥
॥ ॐ ॥ सुखसागरमांझीलतां ॥ ॐ ॥ काढेकालअमानरे ॥ ॐ ॥ ६२ ॥जि॥
आणंदराज्यपालीकरी ॥ ॐ ॥ मरीनेंनारकीथायरो॥ॐ॥ एकसागरनेंआउषें॥
ॐ ॥ रतनप्रसानेंगायरे ॥ ॐ ॥ ६३ ॥ जि ॥ सीहआणंदपूराथया ॥ ॐ ॥
बापबेटासंबंधरे ॥ ॐ ॥ खंमबीजोपूरणथयो ॥ ॐ ॥ ढालबेवीशप्रबंधरे ॥
ॐ ॥ ६४ ॥ जि ॥ पटधरसीहसूरीसना ॥ ॐ ॥ सोसागीशिरदाररे ॥ ॐ ॥

सत्यविजयगुरुसंजमी ॥ ॐ ॥ कपूरविजयव्रतधाररे ॥ ॐ ॥ ६५ ॥ जि ॥ तासअंतेवासीसला ॥ ॐ ॥ षिमाविजयजसनामरे ॥ ॐ ॥ गीतारथगुणंआगला ॥ ॐ ॥ जिनविजयतसठामरे ॥ ॐ ॥ ६६ ॥ जि ॥ तेहनाशीषसोहामणा ॥ ॐ ॥ ग्यानीगुणसंभाररे ॥ ॐ ॥ उत्तमविजयएनामथी ॥ ॐ ॥ उत्तमचरित्रविचाररे ॥ ॐ ॥ ६७ ॥ जि ॥ अढारउगणच्यालमां ॥ ॐ ॥ संवत्सरगुरुवाररे ॥ ॐ ॥ उत्सवमहोत्सवअतिघणा ॥ ॐ ॥ तिणेंवरसेतपकाररे ॥ ॐ ॥ ६८ ॥ जि ॥ पोससुकलतेरसदिनें ॥ ॐ ॥ लींबडीनगरमझाररे ॥ ॐ ॥ बीजोषंडपूरणथयो ॥ ॐ ॥ संघआपहसुखकाररे ॥ ॐ ॥ ६९ ॥ जि ॥ तेगुरुउत्तमविजयनी ॥ ॐ ॥ सानिधलहीसुरसालरे ॥ ॐ ॥ पद्मविजयकह्योप्रेमस्यूं ॥ ॐ ॥ सुणतां मंगलमालरे ॥ ॐ ॥ ७० ॥ जि ॥ ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंडितप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणिशिष्यपं० श्रीपद्मविजयगणिविरचित्ते॥ श्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतबंधेसीहनृपाणंदकुमारयोः संगतयोःद्वितीयोनरभवःसमाप्तःद्वितीयषंडेसर्वगाथा ॥ ६६९ ॥ उक्तगाथा ॥ ११ ॥ ॥ अथत्रतियखंडः ॥

॥ दुहा ॥ शांतिजिनेसरसोलमा ॥ दानअभयदातार ॥ महीव्रतउपमलवगण्या ॥ वंडुवारंवार ॥ १ ॥ अहि२पतिकीधोअधिक ॥ अवलपुरूषआदेय ॥ कमठहठीहठकाढीउ ॥ वंडुश्रीवामेय ॥ २ ॥ वामासंगथीवेगला ॥ वामेतरगुणवंत ॥ गुरु२गुणगणआगला ॥ महिमावंतमहांत ॥ ३ ॥ बीजोभवईमबोलीउ ॥ बापबेटासंबंध ॥ मावडीसुतमत्सरमनें ॥ धारेंअतिशयधंध ॥ ४ ॥ तेहसीखीजालणीतणो ॥ कहूंहवेअधिकार ॥ त्रीजेंखंडेंतेसुणो ॥ आणीहर्ष अपार ॥ ५ ॥ ढाल ॥ देशीआंठेलालनी ॥ जंबूद्वीपअनूंप ॥ विसेंसीत्तेरएकउंण ॥ आंठेलाल ॥ पाढतेहमांषटकुलगिरिजी ॥ १ ॥ वृत्तवैताढ्यतेच्यार ॥ चोत्रीसदीर्घसार ॥ आ ॥ दोचित्रविचित्रदोजमगठेजी ॥ २ ॥ गजदंत्तावरच्यार ॥ सोलक्षावखार ॥ आ ॥ दोसयकंचनगिरिवलीजी ॥ ३ ॥ मेरुपर्वतएक ॥ विचमांतसुविवेक ॥ आ ॥ तेहथीपछिमदिशिंजईजी ॥ ४ ॥ नगरीनामेंकोशा ॥ जेहनोसबलोजोस ॥ आ ॥ लोकवहुवासेंवसेंजी ॥ ५ ॥ व्यां

थिवेंदननहीरोस ॥ नहीपरचक्रनोसोस ॥ आ ॥ सुरपुरिसमओतामलीजी ॥
॥ ६ ॥ नारिनोसरलस्वसाव ॥ थिरस्नेहीगतपाव ॥ आ ॥ राजधानीपंचबाण
नीजी ॥ ७ ॥ लोकबोलेंसत्यवाच ॥ नहीकोईहोइंजिमकाच ॥ आ ॥ राजा
अजितसेनतिहांकिणेंजी ॥ ८ ॥ संग्रामेंजयवाद ॥ पाम्योतेअविवाद ॥आ॥
सूपघणापाएनमेंजी ॥ ए ॥ तेहनेंब्राह्मणएक ॥ तेपरधानविवेक ॥ आ ॥
इंद्रशर्मानामेंथयोजी ॥ १० ॥ शुसंकरातसनारि ॥ तेहनीकूषिमझारि ॥आ॥
आणंदनारकीउपनोजी ॥ ११ ॥ क्षयकरीसागरआय ॥ वलीसंसारसमाय ॥
॥ आ ॥ उणांच्यारसागरपढीजी ॥ १२ ॥ पुत्रीपणेंतेआय ॥ जालिनीनामते
गाय ॥ आ ॥ आवीयौवनवयतदाजी ॥ १३ ॥ तेसुपनोप्रधान ॥ बुद्धिसागर
असिधान ॥ आ ॥ तेहनोब्रह्मदत्तसुतसलोजी ॥ १४ ॥ तेहनेंदीधीतेह ॥ सु
खसोगवेंससनेह ॥ आ ॥ कालगयोवहीकेतलोजी ॥ १५ ॥ इणिंअवसरेंसि
हदेव ॥ जालिनीकूषेहेव ॥ आ ॥ उपनोकर्मशकतिघणीजी ॥ १६ ॥ देखें
सुपनेंताम ॥ कनककलसअसिराम ॥ आ ॥ पूरणमुखमांपेंसतोजी ॥ १७ ॥
मातनेंनविसंतोष ॥ नीकलीउनिजज्योष ॥ आ ॥ लागोतेपणिकिमहीकेंजी ॥
॥ १८ ॥ जागीसुपनुंदेष ॥ नविकस्रोपतिनेंरेष ॥ आ ॥ शुसअशुससंकीर्ण
थीजी ॥ १९ ॥ गर्जतेवधतोजाय ॥ देहमनपीमाथाय ॥ आ ॥ जाणेंपाकुं
एगर्सनेंजी ॥ २० ॥ करेंउपायअनेक ॥ कर्मविपाकअतिरेक ॥ आ ॥ गर्स
कुशलषेमेंरह्योजी ॥ २१ ॥ जाणीब्रह्मदत्तेंवात ॥ परीजननेंसमजात ॥आ॥
जालवज्योतुमेगर्सनेंजी ॥ २२ ॥ प्रसवसमयजिमएह ॥ मारीननांखेजेह ॥
॥ आ ॥ सावचेतरहेंज्योसज्जजी ॥ २३ ॥ जवएजनमतेथाय ॥ कहेंज्योमु
झनेंआय ॥ आ ॥ जिमनविजाणेंब्राह्मणीजी ॥ २४ ॥ उपनोदोहदतास ॥
जिनपूजुंसुविलास ॥ आ ॥ तपसीनीसगतिकरुंजी ॥ २५ ॥ प्राणीनेंदेउंदान ॥
धर्मसांसलीइंकान ॥ आ ॥ तेसरतारेपूरीयाजी ॥ २६ ॥ गर्सप्रसावेंइम ॥ उ
त्तमवस्तुनोंप्रेम ॥ आ ॥ जन्मसमयजण्योपुत्रनेंजी ॥ २७ ॥ चिंतवेंतेहनी
माय ॥ मिलीउंएसमुदाय ॥ आ ॥ किममारीसकीइंइहांजी ॥ २८ ॥ जाणी

तसअसिभाय ॥ बंधूजीवासरवीथाय ॥ आ ॥ सार्षेइमतसवयणमांजी ॥
॥ २९ ॥ एहगर्सेंउपाप ॥ दिइंतुमनेंसंताप ॥ आ ॥ एहगर्सनेंपरठवोजी ॥
॥ ३० ॥ अंतरसरीउकरवाय ॥ बोलीसुसंकरामाय ॥ आ ॥ लाजतीकहेंजा
णोतुमेजी ॥ ३१ ॥ लीधोबालकतेह ॥ कयूंब्रह्मदत्तनेंएह ॥ आ ॥ गंनोपा
लेतेहनेंजी ॥ ३२ ॥ लोकमांकाढीवात ॥ बालकमृतआयात ॥ आ ॥ इंमक
रतांकेइदिनगयाजी ॥ ३३ ॥ थापेंतेहनुंनाम ॥ सिखिकुमारअसिराम ॥ आ॥
वधतोकलाग्रहतोथकोजी ॥३४॥ समरादित्यनोरास ॥ त्रीजेंरवंमेउल्लास ॥आ॥
॥ ढालप्रथमपदमेंकहीजी ॥३५ ॥ डुहा ॥ जाण्योविचारनिजजननीनो ॥ वा
स्योअतिवैराग ॥ जननीइंपणिजाणिउं ॥ एहसंबंधअसाग ॥ ३६ ॥ क्रोधथ
कीतेकलकली ॥ सार्षेपतिनेंसाष ॥ जोतुम्रएहस्युंकाजछें ॥ तोहवेंमुझमतराष
॥३७॥ सयलकामतज्यांसामटां ॥ पाणीनकरेपान ॥ सिखिकुमरएहवउंसुंणी ॥
उद्वेगकरेंअमान ॥३८॥ घरथीनीकलीउंघणुं ॥ चिंतेंचातुरचित्त ॥ मातापणमा
ठुंकरे ॥ अघआव्यूंअपवित्त ॥३९॥ इंणिंव्यतिकरथीडरवीउ ॥ तातअतिषेदात ॥
जुगतुंनविरहेंवुंजरा ॥ इंमचिंतीअवदात ॥ ४० ॥ नीकलीउंपूछ्याविना ॥ अ
शोकवनउद्यान ॥ पोहतोतवतिहांपेषीया ॥ मुनीवरजीमहिराण ॥४१॥ ढाल ॥
मोहनगाराहोराजिरूम्हारासांसलिसूगुणासुमा ॥ एदेशी ॥ बहुशिष्येंकरीपरि
वर्याजी ॥ गुणमणिरयणसंभार ॥ एकअसंजमटालताजी ॥ दोयध्यानपरिहा
रकें ॥४२॥ मुनिवरवारुहोराजिवंदो ॥ तुमेसव२पापनिकंदो ॥ एआंकणी ॥ त्रि
णिदंमथीविरमीयाजी ॥ नकरेंच्यारकरवाय ॥ पांचइंद्रीनिग्रहकरेंजी ॥ पाले
जेषटकायके ॥४३॥ मु ॥ मुंकाणासयसातथीजी ॥ टाल्याअमदगण ॥ नव
ब्रह्मचर्यगुप्तिथरेजी ॥ टालेंपापनियाणकें ॥ ४४ ॥ मु ॥ दशविधसंयमपाल
ताजी ॥ अंगअग्यारनाजाण ॥ बारेंसेंदेतपकरेंजी ॥ इंमगुणरयणनीषाणिकें
॥४५॥ मु ॥ विजयसिंहनामेंगणीजी ॥ देखीलह्योआणंद ॥ चिंतवेंधनएमुनीवरु
जी ॥ सेवेंधर्मअमंदकें ॥ ४६ ॥ मु ॥ अथिरसंसारसनेहछेजी ॥ किमकीधोए
त्याग ॥ पूछुंकारणएहनेंजी ॥ किमउपनोवैराग्यकें ॥ ४७ ॥ मु ॥ जईप्रणम्या

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीइंदीठधर्मलाह ॥ वेंगेमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
धरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतूमेपामीयाजी ॥ इणिपरेंसवउद्वेग ॥ सर्वां
गेंसुंदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥ ४ ए॥ मु ॥ तनुसुंदरतासूचवेंजी ॥
विलवतणोप्रागसार ॥ विभवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारके ॥
॥ ५ ०॥ मु ॥ सजनवर्गछांमीकरीजी ॥ थयानिर्ममनिसंग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुंजी ॥ सुंणवानोमुफरंगकें ॥ ५ १ ॥ मु ॥ गुरुसाषेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी
ठुंतेंसार ॥ हाम्चांमशोणितसस्युंजी ॥ अशुचितणोलंमारकें ॥ ५ २ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुंमूलछेजी ॥ तेहमांस्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसंबंधकें ॥ ५ ३ ॥ मु ॥ सयणविचिंरस्रोटलवलेंजी ॥ रोगलस्रोज
बआप ॥ वींहचीनलीइरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसंतापकें ॥ ५ ४ ॥मु॥ मरीजाय
बलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुफरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोग्रामकें ॥ ५ ५ ॥ मु ॥ बांधेंकर्मतेएकलोजी ॥ सोगवेंतसफलएक ॥ कुंण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५ ६ ॥ मु ॥ वैरीथायेंमा
बमीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिममुंफा
यकें ॥ ५ ७ ॥मु॥ इंहांदृष्टांततेंमाहरोजी ॥ सांसलथईसावधान ॥ इंणहिजविज
यमांनीपनोजी ॥ लछिनिलयपूरजांणिकें ॥ ५ ८ ॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ ढुंतसपुत्रवखाणकें ॥
॥ ५ ए ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाइंवर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
र्वतउपरेजी ॥ क्रीमाकरवामन्नकें ॥ ६ ० ॥ मु ॥ तिहांदीठेइकथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशाल॥स्निग्धपत्रसंचयमल्योजी ॥ दिइंकौतुकतेसालिकें॥६ १॥
॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठेप्रथवीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमांहिकें ॥ ६ २ ॥ मु ॥ एवमोटुंरूपएवमेथकेंजी ॥ उतरीउंएपाद ॥
धरतीमांपेंठेवलीजी॥ कारणकोईअविवादकें ॥६ ३ ॥ मु ॥ त्रीजेंखंमेइंणीपरें
जी॥बेठेकरेंविचार॥बीजीढालपदमकहेंजी॥पुंण्येंजयजयकारकें ॥ ६ ४॥मु॥
॥ दुहा ॥ इणेंअवसरमुफउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ वायरासुरसिवाईया ॥

आवेंअतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीनें ॥ सावजप्रमुखसनेह ॥ षटऋतुकुसुमफूल्यांपरां ॥ भमरगुंजंतसमेह ॥६६॥ लषमीपरवतलहकीउं ॥ देतो अतिआणंद ॥ तापविनासूरजतपें ॥ पाम्योपरमाणंद ॥६७॥ ऊंचितुंअहोएहस्युं ॥ सुवनअठेरासूत ॥ इंणेंअवसरतिहांआवीउं ॥देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥ रविमंमलपरेंराजतुं ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमवृष्टिवहुकीजतें ॥ रयणमंमिततिणेंठोर ॥६९॥ पश्चिमदिशथीपरवस्युं ॥ देवसमूहेंदीठ ॥ धर्मचक्रधर्मधोरिनुं ॥ आव्युंअतिइकीठ ॥७०॥ स्वेतांबरबहुसाधुजी ॥ पाउधास्यापरिवार ॥ आव्याहवेंइंणेंअवसरें ॥ प्रसुजीपरमकृपाल ॥७१॥ ढाल॥ करेलणांघमघेरे ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेंआकाशमां ॥ छत्रचलेंआकाश ॥ देवडंडलीवलीवाजती ॥ गाजीरह्योआकाश ॥७२॥ लविकजनहरषोरे॥ जगतमांजोतांदेव नहीएहसरिषोरे ॥एआंकणी॥ गगनेंचामरचालतां ॥ सिंहासनपायपीठ॥ कनककमलउपरिठवें ॥ पादकमलमेंदीठ ॥७३॥ ल० ॥ अजितदेवतिर्थंकरु ॥ सुरनरवहुगुणगाय॥धूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधास्यातिणेंठाय ॥७४॥ ल० ॥ लवसायरतरीयाजिकें ॥ परियातास्याजेण ॥ सरियांकारिजआपणां ॥ दीठाजबनयणेण ॥७५॥ ल० ॥ हरषथयोमुझनेंघणो ॥ नाठेरोगमिथ्यात ॥ समकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंधात ॥७६॥ ल० ॥ चिंतुंचित्तमांएहवुं ॥ धन्यथयोंहुंआज ॥ जगचिंतामणिसारिषा॥ दीठाश्रीजिनराय ॥७७॥ ल० ॥ रजतकनकरयणांतणा॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणां ॥ कोसीसांसुप्रकार ॥७८॥ ल० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ वृक्षअशोकवारसगुणो ॥ द्वादशछत्रउदार ॥ ७९॥ ल० ॥ दिव्यवैडूर्यसिंहासणें ॥ चामरचोवीसजोमि ॥ धर्मध्वजमंमितवली ॥ सहसजोयणनहीजोमि ॥८०॥ ॥ ल० ॥ समवसरणवेंठाप्रसू ॥ अजितदेवलगवान ॥ धर्मकथाप्रारंलता ॥ लवजलनावसमान ॥ ८१ ॥ल०॥ बेंपासेंदोयदेवता॥ वेंझंवजावेंसार ॥ प्रसुवाणीनेंपूरता ॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ ल० ॥ बीजांपणिवाजांसवें ॥ देशनारागप्रमाण ॥ उतरेंईमअतिशयप्रसु ॥ स्यांस्यांकरुंवषाण ॥८३॥ल०॥

मुनिराजीयाजी ॥ मुनीईदीउधर्मलाह ॥ बेंठेमुनिचरणेहवेजी ॥ सांसलवा
धरेंचाहकें ॥ ४८ ॥ मु ॥ पूछेंकिमतूमेपामीयाजी ॥ इंणिपरेंसवउद्वेग ॥ सर्वां
गेंसुंदरतुमेजी ॥ लावण्यअतिहिविवेगकें ॥ ४ ए॥ मु ॥ तनुसुंदरतासूचवेंजी ॥
विसवतणोभागसार ॥ विसवविस्तरवलीसूचवेजी ॥ स्वजनकुटंबविस्तारके ॥
॥ ५ ०॥ मु ॥ सजनवर्गछांमीकरीजी ॥ थयानिर्ममनिसंग ॥ कहोकारणगुरुते
हनुंजी ॥ सुंणवानोमुफरंगकें ॥ ५१ ॥ मु ॥ गुरुत्ताषेएशरीरमांजी ॥ स्युंदी
ठुतेंसार ॥ हामचांमशोणितसस्युंजी ॥ असुचितणोसंभारकें ॥ ५२ ॥ मु ॥
अर्थअनर्थनुंमूलछेजी ॥ तेहमांस्योप्रतिबंध ॥ स्योप्रतिबंधसुपनसमोजी ॥
सयणतणोसंबंधकें ॥ ५३ ॥ मु ॥ सयणविचिंरलोटलवलेंजी ॥ रोगलहोज
बआप ॥ वांहिचीनलीइंरोगनेंजी ॥ सयणकरेंसंतापकें ॥ ५४ ॥मु॥ मरीजाय
वलीएकलोजी ॥ सयणजोईरहेताम ॥ रोवेंनयणआंसुफरेंजी ॥ सयणकुटंब
नोभ्रामकें ॥ ५५ ॥ मु ॥ बांधेंकर्मतेएकलोजी ॥ सोंगवेंतसफलएक ॥ कुंण
स्वजनपरजनकहोजी ॥ चितवेंधरीयविवेककें ॥ ५६ ॥ मु ॥ वैरीथायेंमा
वमीजी ॥ पुत्रतेवैरीथाय ॥ अनवस्थितएसावमांजी ॥ सयणमांकिमसुंफा
यकें ॥ ५७ ॥मु॥ इंहांदृष्टांततेंमाहरोजी ॥ सांसलथ्यईसावधान ॥ इंणहिजविज
यमांनीपनोजी ॥ खडिनिलयपूरजांणिकें ॥ ५८ ॥ मु ॥ सारथवाहनामेंतिहां
जी ॥ सागरदत्तसुजांण ॥ श्रीमतितेहनीसारयाजी ॥ ऊंतसपुत्रवखाणकें ॥
॥ ५ए ॥ मु० ॥ कुमरअवस्थाईवर्त्ततोजी॥ गयोतेनगरआसन्न ॥ लक्ष्मीप
वंतउपरेजी ॥ क्रीमाकरवामन्नकें ॥ ६० ॥ मु ॥ तिहांदीठेइकथानकेंजी ॥
नालीएरीसुविशाल॥स्निग्धपत्रसंचयमस्योजी ॥ दिइंकौतुकतेसालिकें॥६१॥
॥ मु ॥ एकपादतेनीकलीजी ॥ पेंठेभ्रथवीमांहि॥ कौतुकथीजोतोथकोजी॥
चिंतेंतेमनमांहिकें ॥ ६२ ॥ मु ॥ एवमोवक्षएवमेथकेंजी ॥ उतरीउएपाद ॥
धरतीमांपेंठेवलीजी॥ कारणकोईअविवादकें ॥६३ ॥ मु ॥ त्रीजेंखंभेंइंणीपरें
जी॥बेठेकरेंविचार॥बीजीढालपद्मकहेंजी॥पुंण्येंजयजयकारकें ॥ ६४॥मु॥
॥ दुहा ॥ इणेंअवसरमुफउपनो ॥ मनमांअतिप्रमोद ॥ वायरासुरसिवाईया ॥

आवेंअतिआमोद ॥६५॥ सहजवैरविसारीनें ॥ सावजप्रमुखसनेह ॥ षटऋ
तुकुसुमफूल्यांषरां ॥ भमरगुंजंतसमेह ॥६६॥ लषमीपरवतलहकीउ ॥ देतो
अतिआणंद ॥ तापविनासूरजतपैं ॥ पाम्योपरमाणंद ॥६७॥ ऊंचितुंअहोएह
स्युं ॥ सुवनअठेरासूत ॥ ईऐंअवसरतिहांआवीउ ॥ देवसमुहेदित ॥ ६८ ॥
रविमंमलपरेंराजतुं ॥ जय २ रवथीजोर ॥ कुसुमवृष्टिबहुकीजतें ॥ रयणमं
मिततिऐंठेर ॥६९॥ पश्चिमदिशथीपरवर्युं ॥ देवसमूहेंदीठ ॥ धर्मचक्रधर्म
घोरिनुं ॥ आव्युंअतिइकीठ ॥७०॥ स्वेतांबरबहुसाधुजी ॥ पाउधार्यापरि
वार ॥ आव्याहवेंईऐंअवसरें ॥ प्रसुजीपरमकृपाल ॥७१॥ ढाल॥ करेलणांघ
मघेरे ॥ एदेशी ॥ चक्रचलेंआकाशमां ॥ छत्रचलेंआकाश ॥ देवडंडसीवली
वाजती ॥ गाजीरह्योआकाश ॥७२॥ सविकजनहरषोरे॥ जगतमांजोतांदेव
नहीएहसरिषोरे ॥एआंकणी॥ गगनेंचामरचालतां ॥ सिंहासनपायपीठ॥ क
नककमलउपरिठवें ॥ पादकमलमेंदीठ ॥७३॥ स० ॥ अजितदेवतिर्थंकरु ॥
सुरनरबहुगुणगाय॥धूपघटीमहकेंवली ॥ पाउधार्यातिऐंठाय ॥७४॥ स० ॥
सवसायरतरीयाजिकें ॥ परियातार्याजेण ॥ सरियांकारिजआपणां ॥ दीठा
जबनयणेण ॥७५॥ स० ॥ हरषथयोमुझनेंघणो ॥ नाठेरोगमिथ्यात ॥ स
मकितअमृतपामीयो ॥ हरष्योसातेंधात ॥७६॥ स० ॥ चिंतुंचित्तमांएहवुं ॥
धन्यथयोहुंआज ॥ जगचिंतामणिसारिषा॥ दीठाश्रीजिनराय ॥७७॥ स० ॥
रजतकनकरयणांतणा॥ देवरचेंप्राकार ॥ कनकरयणमणिमयतणां॥ कोसी
सांसुप्रकार ॥७८॥ स० ॥ केतुपताकासोहती ॥ तोरणविचित्रप्रकार ॥ वृक्ष
अशोकबारसगुणो ॥ द्वादशछत्रउदार ॥ ७९॥ स० ॥ दिव्यवैडूर्यसिंहासणें ॥
चामरचोवीसजोमि ॥ धर्मध्वजमंमितवली ॥ सहसजोयणनहीजोमि ॥८०॥
॥ स० ॥ समवसरणबेंठाप्रसू ॥ अजितदेवसगवान ॥ धर्मकथाप्रारंसता ॥
सवजलनावसमान ॥ ८१ ॥स०॥ बेंपासेंदोयदेवता॥ वेणंवजावेंसार ॥ प्रसु
वाणीनेंपूरता ॥ दिव्यध्वनीपरकार ॥ ८२ ॥ स० ॥ बीजांपणिवाजांसवें ॥
देशनारागप्रमाण ॥ उतरेंईमअतिशयप्रसु ॥ स्यांस्यांकरुंवषाण ॥८३॥स०॥

देशनामांहवेंसाषीउं ॥ एहअथिरसंसार ॥ मुजनेंपणितेपरिणम्यो ॥ उपनोहर्षअपार ॥ ८४ ॥स०॥ पूज्यूंमेंप्रणमीकरी ॥ साषोकरुणावंत ॥ एकअचरिजमुजमोटकुं ॥ किमहोस्यंभगवंत ॥ ८५ ॥ स० ॥ पादनालीएरीकेरमो ॥ किमउत्तरीयोएह ॥ एहनेहेउलद्व्यछे ॥ केंनहीमुजसंदेह ॥ ८६ ॥ स० ॥ छेतोस्येंपरिमाणछें ॥ कोणेंघाल्युंएह ॥ तेहनोकिस्योविपाकछें ॥ परभवेंभोगवेंजेह ॥ ८७ ॥ स० ॥ परमेश्वरसाषेंहवें ॥ उतरीउएहपाय ॥ लोभदोषथी जांणज्यो ॥ द्रव्यअछेंइंणठाय ॥ ८८ ॥ स०॥ सोनइयासातलाषछें ॥ तुम्हेनें पादनोजीव ॥ बिहुंजणेंमलीदाटीउं ॥ तासविपाकअतीव ॥ ८९ ॥ स० ॥धरमसाधकविपाकछें ॥ इंमबोल्याजवस्वामि ॥ तबमेंफरीनेंपूछिउं ॥ विनयेंकरीपरिणाम ॥ ९० ॥ स०॥ किमम्हेंनेंनालीएरीइं ॥ दाट्युंधनएइंम ॥ विपाकमांअंतरपड्यो ॥ एहथईगयुंकेम ॥९१॥ स० ॥ प्रभुजीकहेंविस्तारथी ॥एहविपाकनिवात॥ देखीतुंहोयथोभलुं॥पणिबहुउदयेंआयात ॥९२॥स० ॥समरादित्यनारासमां॥त्रीजेंखंमेंएह॥ढालत्रीजीपदमेंकही॥मधुरसिताथीजेह ॥९३॥ ॥स०॥उहा॥ एहविजयमांअमरपुर॥ अमरदेवअभिधान॥गाथापतिभगुणभरी ॥ सुंदरीस्त्रीसुभवान ॥९४॥ दोयपुत्रतुमेदीपता ॥ आदिगुणचंदएक ॥ बालचंदबीजोवलि ॥ कहीनजाइंटेक ॥९५॥ यौवनपाम्याजेतलें ॥ भरीक्रियांणांसाय ॥ इंणहिजदेशेंआवीया ॥ वेगेकरीव्यवसाय ॥९६॥ आव्योलाभमनईछीउं ॥ इंणेंअवसरइकराय॥विजयवर्मनामेंवली॥ आवेरणकरणाय॥९७॥ तेनगरिनोअधिपति ॥ सुरतेजनिजसाथ ॥ सार २ निजसाथिल्यें ॥ इंणपरवतकरीआथ ॥९८॥ चढीउनरपतिचूंपस्युं॥ परबलनोभयपामि॥ तुमेपणिबिहुंपोतातणो ॥ छोम्यालेइदाम ॥९९॥ इंणेंथानकआवीकरी॥ बिहुंजणेंकरीविचार॥द्रव्यभूमिमांदाटीउं॥सुपरिकीधिसार॥१००॥सर्वगाथा॥१०५॥ढाल॥ अरणिकमुनिवरचाल्यागोचरी॥एदेशी॥कोइकदिनहवेगुंणचंदचिंतवें॥लोभदोषथीइंमजी ॥ लागएलेसेंरेलाइंमाहरो ॥ मरणलहेंकरुंतेमजी ॥६॥ गतिपरिणांमेंरेमतिइंमउपजें ॥एअांकणी॥ केंरप्रयोगेरेमारयोभ्रातनें ॥ स्वारथियासवि

लोकजी ॥ लोभदोषथीरेनगण्योभाईनें ॥ करवोमोहतेफोकजी ॥ ७ ॥ ग० ॥
शुद्धस्वभावेरेतुमेतिहांथीमरी ॥ व्यंतरमांथयादेवजी ॥ नागतेकरम्योरेगुणचं
दनेंतिहां ॥ मरणलह्योततखेवजी ॥ ८ ॥ ग० ॥ द्रव्यनलोगव्युंरेकर्मबंधाइउं॥
रतनप्रभाइंजायजी ॥ तुमेपणिदेशेउणंपल्यनुं ॥ चवीयालोगवीआयजी ॥
॥ ए ॥ ग० ॥ इंणहिजविजयेरेढंकणापुरवरें ॥ हरिनंदीसज्ञवाहोजी ॥ वसुम
तीभार्याकूखेंउपनो ॥ मातनेंहर्षअथाहोजी ॥१०॥ ग० ॥ देवदत्ततुम्नामते
थापीउं ॥ हवेंनारकगुणचंदोजी ॥ कालथीउपनोनिहाणनेंढूकम्यो ॥ ना
गकषायनोवंदोजी ॥११॥ ग० ॥ द्रव्यपरिग्रहकरीबेंगेतिहां ॥ तवतिहांउस
वथाइंजी ॥ लषमीपर्वतवासिदेवीनो ॥ तुंपणितेणेंसमेंजायजी ॥१२॥ ग० ॥
देवतापूजीरेदीनअनाथनें ॥ दीधुंकरुणाइंदानजी ॥ करीरसोईनीसामग्रीसवे॥
करीलोजनवलीपानोजी ॥१३॥ ग० ॥ पूरवलवनास्नेहथीजोयवा ॥ रमणी
कपर्वततेहोजी ॥ समतो२रेआव्योतिहांकिणें ॥दीठेनागेंतेहोजी॥१४॥ग०॥
लोलेंजाण्युंरेद्रव्यएलेईजस्यें ॥ करम्योचरणनेंदेशजी ॥ विषअतिउयेरेपसि
उधरणीइं ॥ नहीकोईसंज्ञाविशेषोजी ॥१५॥ग०॥ ताहरेलोकेरेमार्योनागने॥
उपनोइंणहिजगमोजी॥सीहपणेंतेरेपूर्वअल्यासथी॥ द्रव्यपरिग्रहतामोजी॥
॥ १६ ॥ ग० ॥ तुंपिणकालकरीएहविजयमां ॥ कयंगलापुरीसारोजी ॥ सि
वदेवनामेरेकुलपुत्रकवसें ॥ यशोधरातसनारिजी ॥ १७ ॥ ग० ॥ तेहनीकू
खेरेइंद्रदेवथयो ॥ पाम्योयोवनवेदोजी ॥ कालगयोकेरहवेंतुम्नृपति ॥ वीर
देवनामेंनरेशोजी ॥१८॥ग०॥ लब्धिनिलयनोरेस्वामीजाणीइं॥ मानसंगनामेंरा
योजी ॥ मोकलीउतुम्नेनरपतिकन्हें ॥ केईपुरिससमुदायोजी ॥ १९ ॥ग०॥
अनुक्रमेंआव्योरेइंणहीजथानकें ॥ नीवपादपनेंहेठिजी ॥ जबतुंबेंठेरेतवद
रीमुखरह्यो ॥ सिंहतेसावजजेठजीरे ॥ २० ॥ ग० ॥ लोलथीसंज्ञारेधरीनें
मारीउं ॥ एंहअनादीअल्यासोजीरे ॥ तुम्हेपणिमार्योरेसिंहनेंदोयमरी॥ उप
नाएहजवासोजीरे ॥ २१ ॥ ग० ॥ श्रीपुलकपाटणमांहिवसें ॥ जक्षदासचं
द्रलोजीरे ॥ माईजक्षकाजसनारीचंद्रलिनी ॥ तसकुखेंथयाबालोजीरे ॥ २२ ॥

॥ ग० ॥ अनुंक्रमेंजनम्यारेनामतेथापीआं ॥ कालसेनताहरूंथायजीरे ॥ चं
मसेननालीएरीजीवनुं ॥ अनुंक्रमेंजीवनपायजीरे ॥ २३ ॥ ग० ॥ एकदिन
लठीरेपरवर्ततेगया ॥ आहेमानेंकांमजीरे ॥ कोलतेमारयोरेआव्याइंणदेशें ॥
ज्वलनेंपचाव्योतामोजीरे ॥ २४ ॥ ग० ॥ सरूणकरवारेवेगतेविङ्ग ॥ तवए
कलेईकटारोजीरे ॥ अनरथदंमेंरेधरतीषोदतो ॥ चंमसेनतेतिवारोजीरे ॥२५॥
॥ ग० ॥ द्रव्यकलशानीकनारितेदेखतो ॥ गोपनलागोतेहजीरे ॥ तेंपणिदिठो
रेपणितूकमारीउ ॥ द्रव्यलोसएअठेहोजीरे ॥ २६ ॥ गति० ॥ कालकरीनेंरे
त्रिजीनरगमां ॥ पांचसागरनेंआयजीरे ॥ तुंतिहांउपनोरेएहतोइंहारसो ॥ मुं
केनद्रव्यनोगायजीरे ॥ २७ ॥ ग० ॥ इंमतिहांरहेतारेकेईवरसगयां ॥ पणि
द्रव्यनोनहिंसोगजीरे ॥ वयरीचंमालेरेआवीमारीउ ॥ सर्वअथीरसंजोगजीरे ॥
॥ २८ ॥ ग० ॥ अष्टादशसागरनेंआउषे ॥ ठठीनरगेजायजीरे ॥ तुंहवेनिक
लीरेश्रीमतीगांममां ॥ पुन्येंनरभवपायजीरे ॥ २९ ॥ ग० ॥ श्रीसमरादित्य
रासमांएकही ॥ त्रिजेंखंमेंढालजीरे ॥ पद्मविजयकहेचोथीसांभलो ॥ आग
लवातरशालजी ॥ ३० ॥ ग० ॥ दुहा ॥ सालिसद्रतीहांसेठीउ ॥ नंदणीनामें
नारि ॥ सूततेहनोसोहामणो ॥ जनमतेथयोतिवार ॥ ३१ ॥ बालसुंदरनामें
वली ॥ जोवनपांम्योजाम ॥ सीलदेवसोहामणा ॥ मिलीआमुनीवरताम ॥
॥ ३२ ॥ सांभलीतेहनीदेशना ॥ तथासव्यपणलास ॥ पकथयुंतिणेंपांमीउ ॥
सरधाधर्मसुवास ॥ ३३ ॥ श्रावकिव्रतपणसेविआं ॥ अणसणविधीआराधि
॥ उपनोलांतकअमरते ॥ अलगीगईउपाधि ॥ ३४ ॥ तेरसागरउंणांतके ॥
पुरणआयुपालि ॥ उपजेतेकहुंआगलें ॥ सांभलज्योसंभालि ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
देशीसाहेलानी ॥ साहेलांहें ॥ इंणहिजविजयमझार ॥ हथीणाउरनयरेंवसे
होलाल ॥ सा० ॥ सूहस्तिइंणनाम ॥ नयरसेठसङ्गनवसेंहोलाल ॥ ३६ ॥
॥ सा० ॥ कांतिमतीतसनारि ॥ तेहनीकूषिउपनोहोलाल ॥ सा० ॥ ठठीनरग
थीआय ॥ विजोसाईहवेनीपनोहोलाल ॥ ३७ ॥ सा० ॥ तुझपीतानेंगेह ॥ सो
भिलादासीसोहामणीहोलाल ॥ सा० ॥ तेहनीकूषिपुत्र ॥ जनम्यातवङ्गंसिजघ

णीहोलाल ॥२८॥ सा० ॥ ताहरूसमुद्रदत्तनाम ॥ दाशनुंमंगलथापीउंहोलाल ॥ सा०॥ अनुक्रमेंथयाकूमार ॥ अंगेंजौवनव्यापीउंहोलाल ॥ २९ ॥ सा० ॥ इंणिअवशरिअणगार ॥अनंगदेवसूरीमल्याहोलाल ॥सा०॥ तेहनीपासेंधम्मी॥ पांम्योदूखसवनांगल्यांहोलाल ॥ ४० ॥ सा० ॥ पांम्योदेशविरती ॥ श्राव कगुणथयोघणोहोलाल ॥ सा० ॥ लछीनिलयपुरगाम ॥ घरतिहांछेश्रावकत णोहोलाल ॥ ४१ ॥ सा० ॥ नामेंअचलसछवाह ॥ जिनमतीनामतेहनीधूआ होलाल ॥ सा० ॥ परण्योतूंतेनारि ॥ मंगलउछववहूआहोलाल ॥ ४२ ॥ ॥ सा० ॥ एकदिनमंगलसाथ ॥ जिनमतीतेंन्हवानेंगयाहोलाल ॥ सा० ॥ आ व्याइणहीजठांम ॥ भयाणांकेईकथयांहोलाल ॥ ४३ ॥ सा० ॥ किधोतिहां विश्रांम ॥ पत्रलताबहुलिमलीहोलाल ॥ सा० ॥ दिठोतवतिहांपोश्राल ॥ दे षीलषमीअटकलीहोलाल ॥ ४४ ॥ सा० ॥ मंगलनेंबोलावि ॥ लाष्युंकौतक थीतूमेंहोलाल ॥ सा० ॥ कांयकद्रव्यइंणिठांमि ॥ होस्येनिश्चयकहुंअमेहो लाल ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मंगलबोल्योतांम ॥ जोउंइणथानकजईहोलाल ॥सा० ॥ तेंकह्युंमकरिएकाम ॥ वातकौतिकथीएसईहोलाल ॥ ४६ ॥ सा० ॥ पिणि नहिमुझमनलोभ ॥ तवमंगलकहेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ कौतुकअधिकतेथा य ॥ तिणेंजोउंवचतांहरेहोलाल ॥ ४७ ॥ सा० ॥ अणगमतूंतूझतोहि ॥ ति हणकाष्टथीषोदिउंहोलाल ॥ सा० ॥ तुरतदिठेकुंभकंठ ॥ मंगलेंनिश्चयवेदि उंहोलाल ॥ ४८ ॥ सा० ॥ महानीधानएएथि ॥ लेईसकुंएहनेंठगीहोलाल ॥ ॥ सा० ॥ इंणिअवशरेंतेंदिठ ॥ दृष्टिकलसकंठेलगीहोलाल ॥ ४९ ॥ सा० ॥ मंगलनेंकह्युंइंम ॥ चालिनगरमांजाईइंहोलाल ॥सा०॥ द्रव्यनीनकरतूंकेमि॥ अरथथीअनरथपाईइंहोलाल ॥ ५० ॥ सा० ॥ पूरीषाफतिणठामि ॥ हरषि तपरेंथईचालीउंहोलाल ॥ सा० ॥ तेंकह्युंकोईनेंएवात ॥ कहेस्योनहीजेसाली उंहोलाल ॥५१॥सा०॥ अधिकरणथाइंएह ॥ कर्मबंधाइंतेहनुंहोलाल ॥सा०॥ मंगलचिंतवेतांम॥चित्तचल्युंजुउएहनुंहोलाल॥५२॥सा०॥मुझविणलेस्येएहा॥ नहितोइंम किमसाषिइंहोलाल ॥ सा० ॥ चिंतविबोल्योइंम ॥ कोयनेंनहीअ

मेदाषीईंहोलाल ॥ ५३ ॥ सा० ॥ ईमकहीचिंतवेमुक्त ॥ किमठगसेएहजाण
तांहोलाल ॥ सा० ॥ जाण्योयहनमेकेम ॥ तासउपायमनआंणतांहोलाल ॥
॥ ५४ ॥ सा० ॥ नलिईजबएदाम ॥ पहेलांथीहएंएहनेंहोलाल ॥ सा० ॥
पोहतानयरसमीप ॥ आरामेंतेंकसूतेहनेंहोलाल ॥ ५५ ॥ सा० ॥ सांसलमं
गलवात ॥ जाउसासरेमाहरेहोलाल ॥ सा० ॥ लावोखबरतसगेह ॥ पछेंजई
ईवचताहरेहोलाल ॥ ५६ ॥ सा० ॥ चाल्योमंगलतांम ॥ अवलूंचित्तमांधार
तोहोलाल ॥सा० ॥ सुज्ञानमननहींकांय ॥ खलमनवेरवधारतोहोलाल ॥५७
॥ सा० ॥ परिग्रहपापनुंमुल ॥ पांचमुंथानीकपापनुंहोलाल ॥ सा० ॥ डुरग
तिमांलेइजाय ॥ पणखोवरावेआपनुंहोलाल ॥ ५८ ॥ सा० ॥ त्यागकरेतस
जेह ॥ धन२तेहनीमातनेंहोलाल ॥ सा० ॥ पुछेविजयसिंहतांम ॥ आगलिह
वईजगतातनेंहोलाल ॥ ५९ ॥ सा० ॥ पांचमीत्रीजेखंम ॥ ढालरशालइहां
कहीहोलाल ॥ सा० ॥ उत्तमगुरुसूपसाय ॥ पद्मविजयईणिपरिलहीहोलाल
॥ ६० ॥ डुहा ॥ चाल्योमंगलचिंतवे ॥ अहोएकपटअत्यास ॥ महस्येसूखें
रहीनगरमां ॥ वेचिमुक्तविसवास ॥ ६१ ॥ तिणेंकारणकरूंतेहवुं ॥ रहेननय
रमांगरि ॥ पाछांवलतांऊपछे ॥ मारिसरणहमक्तारि ॥ ६२ ॥ कालक्षेपकरी
केतलो ॥ पेसीनयरप्राकार ॥ मायाचरित्रेंमुंकीउ ॥ आव्योहर्षउतारि ॥ ६३॥
निसासोधूरिनांषीनें ॥ बोल्योएहवाबोल ॥ आचरीउअवलूंअति ॥ नारिजात
नीटोल ॥६४ ॥ वासेंकोईनरस्यूंवसी ॥ तिणेंसज्जडखीउंतेह ॥ वलीआपणपूं
आववुं ॥ सांसलीउंससनेह ॥ ६५ ॥ लाज्यांतिणेंलज्जालूआं ॥ अधीक२आ
लोच ॥ तिणेंनघटेजावुंतिहां ॥ करोइहांथीसंकोच ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ आधा
आमपधारोपुज्यअमघरिवोहरणवेला ॥ एदेशी ॥ ईमसांसलीतूंमनषेदाणो ॥
चित्तमांचिंतवेएहवुं ॥ श्रावककुलमांउपनीश्रावीका ॥ कामकेरजउकेहवुं
॥६७॥ जिनमतसुद्धजजांणीहोलाल ॥ नकरेकांमएएहवुं ॥ एआंकणी ॥ जिं
नमतसारजाण्युंजुवतीई ॥ इहपरलोकविरुध ॥ किमआचरणकरेविपरीतह ॥
जसवरसमकीतशुद्ध ॥ ६८ ॥ जिन० ॥ अथवाडःकरमोहीजिवनें ॥ कांय

नहींइंमजाणुं ॥ तिणेंहवेघरवासेमुकणेहतूं ॥ हवेप्रवज्याठाणुं ॥ ६ए ॥ ॥ जीन० ॥ स्नेहबंधनाएहजछेमा ॥ तिणेंघरिंपणिनवीजईइं ॥ अनंगदेवगुरु पासेंजईनें ॥ श्रमणधरमआदरीइं ॥ ७० ॥ जीन० ॥ मंगलघरिजाउंसूखेंइ हांथी ॥ क्लेशस्यानेंदेउंएहनें ॥ इंमविचारीमंगलनेंकहे॥ ऊंनहीडखदेउंकेहनें ॥ ७१ ॥ जीन० ॥ तवमंगलहवेचित्तविचारे ॥ मुफस्यूंएकरेमाया ॥ पणि मायाइंऊंनवंचाउं ॥ ईमचितीकहेसाया ॥ ७२ ॥ जीन० ॥ तुंमनेंनवीमुकुंअ थविचमां ॥ जिहांलगेंघेरनजाउं ॥ तवतेंकह्यूंजोतुफआग्रहछे ॥ तोचालोघरे आउं ॥ ७३ ॥ जीन० ॥ तिहांजईपुठीसकोईसाधूनें ॥ अनंगदेवगुरुकेरी ॥ वातचितिचाल्याइंमविऊंजण ॥ मंगलजुइंहवेहेरी ॥ ७४ ॥ जीन० ॥ केइक दिनइंमवहीगयावाटे ॥ आव्याअटवीमांहि ॥ सून्यथानकदेषीमध्यान्हें ॥ चिंतेचित्तउग्राहि ॥ ७५ ॥ जीन० ॥ महासाहसधरीकूडकूदयथी ॥ लोसदो षचित्तधारी ॥ मंगललेईछुरीपुठेथी ॥ क्रूरचित्तथीमारी ॥ ७६ ॥ जीन० ॥ मंगलनामेंपणिअपमंगल ॥ सावथकीएदीठो ॥ जिममंगलपहतिमवलीलछा॥ शीतलिकाकहेजीसे ॥ ७७ ॥ जीन० ॥ टाढादिधाकणनीवृद्धि ॥ आंषिआ विवलीसापे ॥ तिमएमंगलनाममात्रथी ॥ स्यूंकिजेंगुणपाषें ॥ ७८ ॥ जीन ॥ इंणअवश्रतिहांविहारकरंता ॥ अनंगदेवगुरुआव्या ॥ दिठेअयगांमीमुनी राजें ॥ समतासंगसोहाव्या ॥ ७ए ॥ जीन० ॥ मंगलछुरीकामुंकीनाठो ॥ तेंम नमांहिविचास्युं॥चोरमाहरेस्युंपुठेंआव्या ॥ इमकरीपुंठेधास्युं ॥८०॥जीन०॥ तवनासंतोमंगलदिठो ॥ चोरनदिठोकोई ॥ मनचिंतेंतूंस्यूंएअचरिज ॥ छुरीदी ठीतवजोई ॥ ८१ ॥ जीन० ॥ रुधीरेंखरडीलिधीकरमां ॥ देषीचिंतेंएम ॥ चो रनथीकोइएमहारणमां ॥ नासेमंगलकेम ॥ ८२ ॥ जीन० ॥ छुरीपणिउलषी पोताकेरी ॥ तवतेंनीश्चेंजाण्युं ॥ कांममंगलीइंकीधूंतोपणि ॥ कारणनवीअ पीठाण्युं ॥ ८३ ॥ जीन० ॥ तिणेंबोलावुंमंगलीआनें ॥ कहेस्येवातजेहोई ॥ इंमकरीमंगलनेंबोलाव्यो ॥ प्रेमेतवअतीशोई ॥ ८४ ॥ जी० ॥ तवसघलोवि कल्पतेंवामीउं ॥ कामतेंकिधुंइंणें ॥ जिनमतिनीपणिवातकहीते ॥ नवीदीठी

म्हेंनयणें ॥ ८५ ॥ जीन० ॥ जिणेंजिनवयणांसूधांजाण्यां ॥ मोहटांकुल
मांआई ॥ उत्तयलोकनुंविरूधकरेते॥किमसंसवीइंसाई ॥८६ ॥ जीन० ॥ इ
मकरतांमुनीवरपणिपासें ॥ आवितलप्योंतुरू ॥ तेंवंघाधर्म्मलाभदितनिणें ॥
पुछ्युंताहरूंगुरू ॥ ८७ ॥ जीन० ॥ इणिथानीकतूंआअवस्थाइं ॥ किहांथी
आव्योकेंहनें ॥ तवतेंमुखथीसघलोभाष्यो ॥ आसातनाकरीतेहनें ॥ ८८ ॥
जीन० ॥ अनंगदेवपणिगुरुजीआव्या ॥ आसातनाकरीसूधी ॥ असरणस
रणगुरूतेसाचा ॥ आपेधर्मनीबुद्धी ॥ ८९ ॥ जीन० ॥ गुरुसाथेंहवेतिहांथी
चाल्यो ॥ थांणेसरपुरठाणे॥मासकलपगुरुरह्यातिहांतारे ॥ अहारपणिरूडाणे
॥ ९० ॥ जी० ॥ जिनमतिनीपणिवातलहीनें ॥ तवचिंत्यूंतेंचित्तें ॥ अहोअ
कारमंगलनोदेखो ॥ अहो २ मोहविचित्तें ॥ ९१ ॥ जीन० ॥ जोपणिसील
अखंमीतनारी ॥ तोपणिहवेंइणिवारीउं ॥ उत्तयलोकआधनहवेकरस्यूं ॥ मं
गलेंरुंकरीउं ॥ ९२ ॥ जीनी० ॥ जिनमतीपणिजिनसारलधुंठें ॥ परिणामें
मुरूसरषी ॥ माहरोव्यतीकरसांभलीएपणि ॥ दिक्षालेस्येहरषी ॥ ९३ ॥ जी
न० ॥ इंमकरीमेंतेहनेंतारी ॥ भवसायरथीनारी ॥ बहुडखकरीउंएसंसारह ॥
दिक्षासीवसूखकारी ॥ ९४ ॥ जीन० ॥ विणदिक्षाइंजोघरिजाउं॥ विघनच
रणमांआवे ॥ इंमचितीअनंगदेवपासें ॥ दिक्षालीधीभावें ॥ ९५ ॥ जीन० ॥
त्रिजेखंडेंछठीढालें ॥ कहेआचारजशिखिनें ॥ तिर्थंकरकहेआचारजनें ॥ सूं
णिहवेजेयथुंरूपीने ॥ ९६ ॥ जीन० ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥
॥ डुहा ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ जिनमतिइंहवेजांम ॥ वातसूणीकोईवयण
थी ॥ तरुणीचिंतेताम ॥ ९७ ॥ अहो२करूंएहनें ॥ किधूंमोहटुंकांम ॥
जौवनेंकांमनेंजितीइं ॥ मामनराषेकाम ॥ ९८ ॥ खेदगमिखमीउंघ
णुं ॥ मुंक्योमाहरोमोह ॥ मंगलीउंमागेंमल्यो ॥ दिधोस्वामीछेह ॥ ९९ ॥
संबेगेंचितेंइस्युं ॥ आर्यपुत्रेंइणवार ॥ कारयकीधूंकामनुं ॥ सयलसंसा
रअसार ॥ १०० ॥ क्लेशायासबहूकसो ॥ डुलहिमानवदेह ॥ संयोगहो
यविजोगस्युं ॥ सहिततिणेंस्योसनेह ॥ १ ॥ विषयविपाकवारुनही ॥ तिणें

करूंआतमहित ॥ उत्तयलोकआराधीइं ॥ चतुराचितेचित्त ॥ २ ॥ ढाल ॥ दे शीहमीरीयानी ॥ संस्तवजीनवरविनती ॥ एदेशी ॥ माततातनेंपुछिनें॥ आज्ञा पामीतासससनेही ॥ आवीखोलती २ ॥ सूंदरीनाहरीपास ॥स०॥ ३ ॥ जिनव चनेंमनदृढकरो ॥ एम्आंकणी ॥ मोक्षमारगमांचालतो ॥ देखीसाथेंइंमा॥स०॥ आर्यपुत्ररुकुंकस्युं ॥ मुफनेंनारीनेम ॥ स० ॥ ४ ॥ जी० ॥ छेदिमोहनीवेल डी ॥ उत्तमपुरूषनोपंथ ॥ स० ॥ आदरीउंआदरकरी ॥ सावथीथयानीपंथ ॥ स० ॥ ५ ॥ जी० ॥ सवसायरथीआतमा ॥ उतास्योतेंपारि ॥ स० ॥ इंम मसंज्ञाकरीघणी ॥ आतमकीधोउधार ॥ स० ॥ ६ ॥ जी० ॥ दिक्षाइंणीपरें आदरी ॥ अनंगदेवगुरूपास ॥ स० ॥ कालगयोहवेकेतलो ॥ चारीत्रनेंअ ल्यास ॥स०॥ ७॥ जी०॥ चारीत्रपालीतूंहवे ॥ कालकर्मेंकरीकाल ॥स०॥ प चविसश्रागरआउषेसूरऊउंसूखरसाल ॥ स० ॥ ८ ॥ जी० ॥ ग्रैवेयकेंतेउप नो ॥ हवेमंगलगयोतउ ॥ स० ॥ तिहांजईतेहनेंजालवे ॥ ढांकेशीलालेईह उ ॥ स० ॥ ए ॥ जी० ॥ तेधननेंममतेंकरी ॥ नविमुंकेतेहठाण ॥ स० ॥ मांसआहारक्लेसेंकरी ॥ पाम्योतिहांयमठांण ॥ स० ॥ १० ॥ जी० ॥ मरीछ ठीनरगेंगयो ॥ बाविससागरआय ॥ स० ॥ महादुखसहीतिहांथीवली ॥ आउपुरूंजबथाय ॥ स० ॥ ११ ॥ जी० ॥ एहजविजयमांउपनो ॥ रथव र्धनपुरगाम ॥ स० ॥ वेश्लिकचंम्रालनेंघरे ॥ छगलपणेंथयोताम ॥ स० ॥१२॥ ॥ जी० ॥ एकदिनरथवर्धनथकी ॥ बकछगलस्युंतेह ॥ स० ॥ लेईजातांज यथलपुरें ॥ द्रव्यथानिकआव्योएह ॥ स० ॥ १३ ॥ जी० ॥ पुरवअल्यासें करी ॥ जातिसमरणपामी ॥ स० ॥ वेश्लिगघेंचेंपणिनवी ॥ मुंकेतेहजठामि॥ स० ॥ १४ ॥ जी० ॥ हांकेपणिपाछोवले ॥ फिरीफरीआवेठाय ॥ स० ॥ चंम्रालेंक्रोधेंहण्यो ॥ पुरणकीधूंआय ॥ स० ॥ १५ ॥ जी० ॥ उंदरपणेंतेउ पनो ॥ उंघसंज्ञाइंएण ॥ स० ॥ तेहद्रव्यपरीग्रहकस्यो ॥ पाल्यूंकर्मवसेण ॥ ॥ स० ॥ १६ ॥ जी० ॥ एकजुवटिउएकदिनें ॥ सोमचंद्रजसनाम ॥ स०॥ संमतो २ आवीउ ॥ सालीपादपनेंगाम ॥ स० ॥ १७ ॥ जी० ॥ बेठोपासेंनी

धाननें ॥ लोहअन्नाणनेंदोस ॥ स० ॥ मुंसोसमेंअमरषसस्यो ॥ उपनोतेहनें
रोस ॥ स० ॥ १८ ॥ जी० ॥ मारयोतेमरीउपनो ॥ एहनीनारिनेंकुषि॥स०॥
डरगिलानामछेतेहनुं ॥ कुषिमांरहेबऊसूष ॥ स० ॥ १ए ॥ जी० ॥ कानना
कगयांजेहनां ॥ तेणीइंजनम्योपुत्त ॥ स० ॥ अनुंक्रमेंनामतेथापीउं ॥ रुद्र
चंमतेयुत्त ॥ स० ॥ २० ॥ जी० ॥ पाम्योजौवनअनुंक्रमें ॥ बऊजिवनेउ
खदाय ॥ स० ॥ विषयंकनीपरेंवाधीउ ॥ सेवेअकार्यसदाय ॥ स० ॥२१ ॥
जी० ॥ चोरीकरतांएकदा ॥ षात्रमुखेग्रहेवाय ॥ स० ॥ समरसासूररायनो
तदा ॥ मारवाऊकमतेथाय ॥ स० ॥ २२ ॥ जी० ॥ सूलिइंदिधोतिहांकिणें॥
कोटवालेंकरीसोर ॥ स० ॥ मरिबीजीनरगेंगयो ॥ वंश्रामाउखघोर ॥ स० ॥
॥ २३ ॥ जी० ॥ त्रणसागरकांयहीणमां ॥ आयुपालीकरीकाल ॥ स० ॥ इ
णविजइंहवेउपनो ॥ लछीनिलइंसूरसाल ॥ स० ॥२४ ॥ जी० ॥ इंणिपरिंत्रि
जारवंमंमां ॥ सांसलोसातमीढाल ॥ स० ॥ पद्मविजयसाषीइसी॥ लोसथीब
ऊजंजाल ॥ स० ॥ २५ ॥ जी० ॥ डहा ॥ लछीनीलयमांहेंवसे ॥ अशो
कदत्तअसीधांन ॥ सेठघरेसोहामणी ॥ सूहंकराअुसवांन ॥ २६ ॥
तेहनीकूषेंतेहवे ॥ उपनोनारकआय ॥ पुत्रीपणेंतसथापीउं ॥ असीधा
सिरियाताय ॥ २७ ॥ जौवनपामीजेतले ॥ दिधीसागरदेव ॥ समुंद्रद
त्तसूतसूगुंणनें ॥ विवाहवर्त्योहेव ॥ २८ ॥ सोगसलीपरिंसोगवी ॥ सत्तों
स्युंसलीसांति ॥ ग्रैवेयकसूरगरसमां ॥ आव्योआयुअंति ॥ २ए ॥ पुत्रपणेंते
उपनो ॥ सागरदत्तश्रीकार ॥ नामठव्युंनिरतूंतदा ॥ यौवनपाम्योज्यार ॥३०॥
धर्माचारयधारीआ ॥ देवशरम्मदयाल ॥ श्रावकव्रतपालेसषर ॥ प्रांणीनोप्र
तिपाल ॥ ३१ ॥ इसरखंधश्रावकअवल ॥ तेहंनीपुत्रीतांम ॥ नंदिनीनांमेंप
रणीउं ॥ कमनीयसोगवेकांम ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ सूणमेरीसजनीरजनीनजा
इरे ॥ एदेशी ॥ सोगसोगवतांसूतएकआयोरे ॥ सूतनोमोहछवकरवातायोरे॥
सगांसंबंधीलेईपरीवाररे॥ उजाणीकरवासूखकाररे ॥ ३३ ॥ सांसलयोसंऊ
करमनीवातोरे॥ कर्मथीबलीउकोईनथातोरे॥ तेहनीधाननीपासेंआव्योरे ॥ पु

त्रफोलीकाकरवासाव्योरे ॥ ३४ ॥ षोदेखामितेकारणजांणीरे ॥ द्रव्यकलस
नोकंठपीगणीरे ॥ पाछिषामलसीपरिपुरीरे ॥ बिजीषोदीषामिसनुरीरे ॥ ३५॥
सोजनकरिहवेगयोनिजघेररे ॥ तवतेंचितवीतेंइणिपेररे ॥ पुत्रुंमातनेंकेनवी
पुत्रुरे ॥ जोनवीपुत्रुंतोमानस्येउत्रुरे ॥ ३६ ॥ इंमजाणिनेंकहीसवीवातरे ॥ क
रवुंएहनुंकस्यूंकहोमातरे ॥ तवतेबोलीमुझदेखामोरे ॥ मुझदेप्याविणंतुल्लेम
तकाढोरे ॥ ३७ ॥ जोईनेंजुगताजुगतुंकहेस्यूंरे ॥ तेंपणिदाब्योजईनीजकर
स्यूंरे ॥ अन्नाणदोषेतेएंइंमधास्युंरे ॥ कोईउपायकरीपुत्रनेंमाहूंरे ॥ ३८ ॥
इमविचारीकह्युंसूणिपूत्तरे ॥ हमणांकाढवुंछेनहीजुत्तरे ॥ काढतांजांणेंजोनर
रायरे ॥ तोउलटुंघरमांथीजायरे ॥ ३९ ॥ अवसरेंलेस्युंआपणजाईरे ॥ उता
वलमतकरोतूम्हेसाईरे ॥ तवतूंबोल्योइंमप्रमांणरे ॥ इंमकरीपोहतोतेनीजठां
णरे ॥ ४० ॥ केईदीनकाढ्यातेंपछीसूखमांरे ॥ तूझमाताइंकाढ्यादुःखमांरे ॥
लोसदोसपुर्वसवअल्यासरे ॥ तूझमारणनोंचित्ततेतासरे ॥ ४१ ॥ तेहडखेंनी
त २ रहेबलतीरे ॥ मनमांइंमउपायचिंतवतिरे ॥ पोसहउपवासपारणंजि
हारेरे ॥ सोजनमांविषदेस्यूंतिहारेरे ॥ ४२ ॥ तेंउपवासथीहोयलघुशरीररे ॥
शिघ्रहोइंविषनीतिहांपिररे ॥ दिधूंविषपोतानीमायरे ॥ जेहनुंशरणतेमारवा
धायरे ॥ ४३ ॥ विषप्रयोगेंतूंलेवाणोरे ॥ नंदिणीनारीजाणेंतिणेंठाणोरे ॥ को
लाहलकस्योतिणेंआवीरे ॥ मापिणरुइंकपदइंसावीरे ॥ ४४ ॥ लोकमल्याजो
वासझकोयरे ॥ सिद्धपुत्रएकतेहमांहोयरे ॥ श्रावकश्रद्धावंतप्रमांणरे ॥ मंत्र
यंत्रनातेहसूजाणरे ॥ ४५ ॥ सिद्धपुत्रतेकहीइंतेहरे॥ मनमांचितवेएहवुंजेह
रे ॥ जिवाझुंमंत्रनीशक्तिरे ॥ साधरमीकनीकरूंइंमसत्कीरे ॥ ४६ ॥ मंत्रनी
शक्तिजीव्योजेहरे ॥ चिंताउपनीतूझनेंएहरे॥ मनुजजिवीतमांवजअपायरे॥
घरिवासेंरह्याहवेस्यूंथायरे ॥ ४७ ॥ वलिकोईकदिनइंमबनीजायरे॥ व्रतपच्च
स्वांणविनालवजायरे ॥ तेकारणहवेलेउंदिक्षारे ॥ पालुंपामीगुरूनीशीक्षारे॥
॥ ४८ ॥ देवशर्मागुरुपासेंलीधीरे ॥ उचितविधिदिक्षाहवेसूधीरे ॥ निरतीचा
रतेचारीत्रपालीरे ॥ उपनोग्रैवेयकेंदुःखगालीरे ॥ ४९ ॥ श्रीशय्यागरनेंआउषे

जाणोरे ॥ ग्रैवेयकसूरथयोसपराणोरे ॥ तुझमाताइंकरथोकांमसूनोरे ॥ पिउ बांध्योधनउपरिहूनोरे॥ ५० ॥ पुत्रनावधनोजेपरिणामरे॥द्रव्यलोसपणिअ तिउद्दामरे॥द्रव्यनसोगव्युंबाध्युंपापरे ॥ धूमप्रसाइंपहोतीआपरे॥ ५१ ॥ पन्न रसागरतेहनुंआयरे ॥ तिहांथीमरीतिर्यंचमांजायरे ॥ तिरयंचमांहिनानासव करियारे ॥ तिहांबहुसोगव्यांडःखनादरीयारे ॥ ५२ ॥ पूरवसवअत्यासनो दोशरे ॥ नालीएरीएहलोलविशेशरे ॥ तूंचवीसागरदत्तसेठघेररे॥ सिरिमतीकू षिपुत्रइंणिपेररे ॥ ५३ ॥ इंणसवमांतुम्हबिहुंइंणीरीतरे ॥ तिर्थंकरकहेमुझ जेअतीतरे ॥ कातसूणीमुझथयोवैरागरे॥ शिखिकूमरसूणितुंमहासागरे॥५४॥ नरपतिइंसूणीआणादीधीरे ॥ काढिलषमीतेहवहेंचीदिधीरे ॥ दिनअनाथनेंक रीउपगाररे ॥ विजयधर्मगणधरअणगाररे ॥ ५५ ॥ तेहुनीपासेंदिक्षालीधीरे॥ माहरीवातहतितेकीधीरे ॥ विचरंतोआव्योहुंआंहिरे ॥ तिणेंजगमांकोयको यनुंनांहीरे ॥ ५६ ॥ शिखिकूमरकहेसगवनशाचुंरे ॥ जिणेतुम्हेंजाण्युंसघ लुंकाचुंरे ॥ पणिदिक्षालेवीप्रसूदोहेलीरे ॥ वातोकरवीसहुनेंसोहिलीरे ॥ ५७॥ त्रिजेखंमेंआठमीढालरे ॥ मुनिगुणगातांमंगलमालरे ॥ श्रीगुरुउत्तमविजयनो शीसरे ॥ पद्मविजयकहेविशवाविसरे ॥ ५८ ॥ दुहा ॥ सिखिकुमारकहेसू णो ॥ साषोधर्मनासेद ॥ दानादिकजेदाषीआ ॥ सेदनाबहुप्रसेद ॥ ५९ ॥ च्यारसेदसांसलचतूर ॥ दानशीलतपदाषि ॥ सावनाचोथीसाविइं ॥ सर्वज्ञके रीशाष ॥ ६० ॥ त्रणिसेददानजतणा ॥ पहेलूंज्ञानप्रधांन ॥ असयधर्मउपग्र हअधीक ॥ नांणसूणोहवइंदांन ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ कर्मनछूटेरेप्राणीया ॥ एदे शी ॥ ज्ञाननुंदानदेतांथकां ॥ जाणेबंधनेंमोष ॥ सिवसूखसंपदविजठे ॥ उप जेअतिअसंतोष ॥ ६२ ॥ धर्मएसेवोरेसवीजनां ॥ एआंकणी ॥ जेदानेंलहे पुण्यनें ॥ जाणेंपापअशेस ॥ जांणीपुंण्यनेंआदरे॥पापमेंटालेविसेस॥ ६३॥ ॥ धर्म ॥ यतः ॥ शूत्वाजाणईकल्लाणं॥ सोच्चाजाणईपावगं ॥ उसयंपीजाण ईसोच्चा ॥ जंछेयंतंसमायरे ॥ १ ॥ पुर्वढाल ॥ पुण्यकरंतोरेप्राणीउ ॥ पामे नरसूरसूरक ॥ पापथीदूरेंथातांथकां ॥ तिरीनारकटलेदूरक ॥ ६४ ॥ धर्म०॥

जिनवरसाषीतनाणनुं ॥ दिधूंदांनविशाल ॥ इहपरलोकनांसूखघणां ॥ दिधां तिणेसूरशाल ॥ ६५ ॥ धर्म० ॥ रागद्वेषमोहटालीनें ॥ पामेंकेवलनांण ॥ अ नुंक्रमेंसिद्धीवरेतिको ॥ जेदिइंनाणनुंदांण ॥ ६६ ॥ धर्म० ॥ दाणनाणइंणिप रेंकह्यु ॥ संषेपेंकरीइंम ॥ दाताग्राहकएदोयनें ॥ एकांतिहितप्रेम ॥ ६७ ॥ धर्म० ॥ प्रथवीपांणीअगनीवली ॥ वायुवनसपतिकाय ॥ बितिचउपंचंदिजीवनें ॥ ह णतांहितनवीथाय ॥ ६८ ॥ धर्म० ॥ मनतनुंवचनेंएजीवनें ॥ हणवोनांही लगार ॥ दानअभयएहजांणीइं ॥ सेव्युंमुनीजनेंसार ॥ ६९ ॥ धर्म० ॥ अ तिदुखीयापणिजिववूं ॥ ईछेसर्वसदाय ॥ तिणेंकारणमुनीराजीया ॥ राखेछेष टकाय ॥ ७० ॥ धर्म० ॥ यतः ॥ सव्वेवीजीवाईछंती ॥ जिवीउंनमरिज्जीउं ॥ तमापाणवहंघोरं ॥ निग्गंथावज्जयंतिणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ नरपतिपणि मरवापम्यो ॥ आपेजिववाराज्य ॥ राज्यथकीपणिजिववुं ॥ अधीकुंकहे जीनराज ॥ ७१ ॥ धर्म० ॥ जेसहुजिवनेंइष्टछे ॥ देवुंतेहजसार ॥ इंद्रकिट कदोयजीववुं ॥ सरिखुंइछेउदार ॥ ७२ ॥ धर्म० ॥ आयुदिरघपांमीइं ॥ रूप सूरूपनीरोग ॥ परसवपणितेप्रसंसीइं ॥ अभयदानीजेलोग ॥ ७३ ॥ धर्म ॥ यतः ॥ आयुर्दिर्घतरंवपुर्वरतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वित्तंभूरितरंबलंबहुतरंस्वामि त्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यंविगतांतरांत्रिजगतीश्लाघ्यत्वमल्पेतरं ॥ संसारांबुनि धिकरोतीसूतरंचेतःकृपार्द्रांतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अभयदांनइंणिपरिकह्युं ॥ सांभलश्रावकतूंकाणि ॥ धर्मउपग्रहदानजे ॥ साधुंतेहविन्नांण ॥ ७४ ॥ध०॥ अशनपांनषादिमवली ॥ स्वादिमनेंवस्त्रपात्र ॥ उषधभेषजजोग्यते ॥ दिजें मुनीवरपात्र ॥ ७५ ॥ धर्म० ॥ सज्झायध्यानमांमहाजे ॥ जेवहेसंजमसार ॥ कर्मेंहलकातेमुनीतरे ॥ उतारेपरपार ॥ ७६ ॥ धर्म० ॥ कर्मेंगुरुपोतेबुडतो ॥ किमतारेपरतेह ॥ तिणेंचउकारणशुद्धजे ॥ दिजीइंधरीशासनेह ॥ ७७ ॥ धर्म० ॥ दायकग्राहकशुद्धजे ॥ कालसावेंकरीशुद्ध ॥ दायकशुद्धसाधुंहवे ॥ सांभली याउविबुध ॥ ७८ ॥ धर्म० ॥ दाताज्ञानीहोइंसलो ॥ नहिअभ्रमदअहंकार ॥ सरधाआदरअतिघणो ॥ रोमांचित्तनेंउदार ॥ ७९ ॥ धर्म० ॥ न्याइंआव्यो

जेद्रव्यते ॥ प्रासूकनेंशुद्धमांन ॥ अविरोधीजेहलोकमां ॥ करतोनिर्जराध्यां
न ॥ ८० ॥ धर्म० ॥ इहलोकनेंपरलोकनी ॥ नथरेकांयआसंस ॥ शुसषेत्रें
विजनीपरे ॥ बहुफलपांमेंअसंस ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ नरसूरशिवसूखसंपदा॥
आपेएहजदांन ॥ जेहवेशरधाविनादिइं ॥ जसकिरतिमनआंनि ॥ ८२ ॥
धर्म० ॥ अतिमांनेंअथवादिइं ॥ एहदिइंछेजोईम ॥ छंकिमउंछेतुंएहथी ॥
नविआपुंकह्योकेम ॥ ८३ ॥ धर्म० ॥ सरधाजलविनुंविजते ॥ नफलेतासल
गार ॥ दानबहुपणिदूखिउं ॥ कलूषीतचित्तअपार ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ प्राण
नोवधकरीजेदीइं ॥ धर्मनीसरधामनराषि ॥ चंदनबालीअंगारनो ॥ करेव्या
पारनिजसाषि ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ लोकविरुधजेआपतो ॥ धर्मवीरुधवलीजे
ह ॥ पोतेग्राहकबिहुंजणा ॥ पामेंसंसारेतेह ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ ग्राहकशुद्धह
वेसाषीइं ॥ धारेमहाव्रतसार ॥ गुरुनीसुश्रुषाजेकरे ॥ जोगसमाधीमांसार ॥
॥ ८७ ॥ धर्म०॥खंत्तिमद्दवअद्धवा॥ लोहनोकिधोरेत्याग॥ त्रणगुपतिगुपतो
रहे ॥ सझायध्याननोलाग ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ पंचेंद्रीयनोनीग्रहकरे ॥ पाले
साधूनोमग्ग ॥ चरणकरणनीरेसित्तरी ॥ परसावेंसूत्रलग्ग ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥
इहसवनेंवलीपरसवें ॥ होइंअप्रतीबंध ॥ मेरूपरिंजेचलेनही ॥ उपसर्गवायुनें
धंध ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ एहवाजेमुनीराजनें ॥ रागेंदिजेंजेदांन ॥ ग्राहकशुद्ध
तेजांणीइं ॥ सेदएबिजोअमान ॥ ९१॥ध०॥नवमीत्रिजाएखंमनी॥ढालकहि
सूपवित्र ॥ उत्तमपद्मविजयेंसली ॥ समरादित्यचरीत्र ॥ ९२ ॥ धर्म ॥
॥ डहा,, सीलरहीतजेसाधुनें ॥ दिइंकुपात्रेंदांन ॥ अशुसफलपांमेअधीक ॥
सर्पनेंजीमविषपांन ॥ ९३ ॥ रुधीरषरड्युंरुधिरथी ॥ वस्त्रधूइंविणनिर॥ ति
मकुपात्रेंआपतां॥तांजेंकिमतससीर ॥ ९४ ॥ थोडुंपणिसूपात्रथी ॥ पामेसू
खतरपूर ॥ तरणांगौअहारेंतूरत ॥ डधज्युंदिइंअवीदूरि ॥ ९५ ॥ पात्रविशे
षेंआपीउं ॥ एकजदांनअमांन ॥ एकजजलगाविउग ॥ जथापीइंफलजा
न ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ आदरजिवषीमागुणआदरि ॥ एदेशी ॥ कालशुद्धहवेदां
नकहिजें ॥ तपसीनेंदिइंकालेंजी ॥ देहनेंउपगारीजीमहोवे ॥ तोफलतसब

ऊआलेजी ॥ ए७ ॥ सेवोरेसवीआंधर्मएवारु ॥ एआंकणी ॥ जिमकालेजो करसणकीजें ॥ तोबऊफलतसथाइंजी ॥ इमकालेंजोदांनदिइंतो ॥ फलबऊ लीइंआमायोजी ॥ ए८ ॥ सेवो० ॥ तपपारणनेंउत्तरवारण ॥ वलिकीधो होयलोचजी ॥ थाकाविहारथकीवलीग्लानजे ॥ कारणनोआलोचजी ॥ ॥ एए ॥ सेवो० ॥ ज्ञानाभ्यासकरेबालसाधु ॥ एहवाकालविचारीजी ॥ आ हारघृतादिकबऊआपीजें ॥ तोंहोइंतससूखकारीजी ॥१००॥ सेवो० ॥ का लविनाजोबिजवाविजें ॥ तोहोइंबिजनीहाणिजी ॥ दायकग्राहकनेंइमजा णो ॥ कालतेंगुणषाणीजी ॥ १०१ ॥ सेवो० ॥ सावगुरुतेदांनकहिज इं ॥ श्रद्धापूर्वकआपेजी ॥ रोमांचित्तथईमानेकृतज्ञता ॥ तेंसावगुरुपणथा पेजी ॥ २ ॥ सेवो० ॥ आर्त्तवचेंनवीदांनदेईजें ॥ कलूषितचित्तनवीकीजें जी ॥ आसंसानवीकांईकरीइं ॥ सावगुरुएलीजेंजी ॥ ३ ॥ सेवो० ॥ यतः अनादरोविलंबश्च ॥ वैमुख्यमप्रियंवचः॥पश्चात्तापश्चपंचामी॥ सद्दानंदूषय त्यहो ॥ १ ॥ अत्यादरोऽविलंबश्चौ ॥ दार्यंचप्रियव.क्यता ॥ सन्मुखत्वंचपं चामी ॥ सद्दानंसूषयत्यपी ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ मोक्षनेंअरथेंदानजेदिजें ॥ तेहनोएविधीजाणोजी ॥ अनुकंपाजेदानजसाध्युं ॥ तेहनोनिषेधचित्तमा णोजी ॥ ४ ॥ सेवो० ॥ द्रव्यहांणहोइंदांनदेयंता ॥ इममनमांमतआंणोजी॥ कूपआरामगवादिकदेषो ॥ देतांसंपदठाणेजी ॥ ५ ॥ सेवो० ॥ घरकुइसम कृपणनीलषमी ॥ नगरवाविव्यवहारीजी ॥ अधीकारीनीसरोवरसरिषी ॥ नृपनीनदीअनुंहारीजी ॥ ६ ॥ सेवो० ॥ दानभोगनेंनाशएत्रणिगती ॥ द्रव्य तणीजगसाषिजी ॥ नविदिधीनवीभोगवीजिणें ॥ तसत्रीजीगतिदाषीजी ॥ ॥ ७ ॥ सेवो० ॥ यतः ॥ मोरकहंजंदाणं ॥ पइएसोविहीमुणेयव्वो ॥ अणुकं पादाणंपुण ॥ जिणेहिंनकहिंविपमीसिद्धं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ दानधरमसंषेपें भाष्यो ॥ शीलसूणोसवीप्राणीजी ॥प्राणीवधादीकपंचमहाव्रत ॥ पालवाबऊ हितआणीजी ॥ ८ ॥ सेवो० ॥ क्रोधादिकनोनीग्रहकरवो ॥ अर्जवमद्दवषं तिजी ॥ श्रद्धासंवेगसंतोषफरसन ॥निरीहचित्तवलीमैत्तीजी ॥ ए ॥ सेवो० ॥

एहसीलमइधर्मआराधी॥मानवसदगतिपामेजी ॥ बारणांडरगतिनांतेदेवे ॥ र
मेतआतमरामेंजी ॥ १० ॥ सेवो० ॥ वलीअविशेषजेब्रह्मचर्यपाले ॥ तेपण
शीलकहीजेंजी ॥ तेपणिआलवपरलवकेरां ॥ सूषशास्वतवलीलीजेंजी ॥
॥ ११ ॥ सेवो० ॥ यतः ॥ व्याघ्रव्यालजलानलादिविपदस्तेषांव्रजंतिक्षयं ॥
कल्याणनिसमुल्लसंतिविबुधाःसान्निध्यमध्यासते ॥ कीर्तिस्फूर्त्तिमिपर्त्तिया
त्युपचयंधर्मप्रणश्यत्यघं ॥ स्वर्निर्वाणसूखांनिसंनिदधतेयेशीलमाबिभ्रते ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ शीलसंषेपकह्युंहवेसाष्युं ॥ तपनामेंहवेत्रीजोजी ॥ तेहदू
सेंदेंबाह्यप्रथमतिहां ॥ अभ्यंतरतपबिजोजी ॥ १२ ॥ सेवो० ॥ बाह्यतणां
षटभेदप्रकास्या ॥ अणसणपेंहेलोभेदोजी ॥ अणोदरीव्रतीसंषेपण ॥ रसत्या
गेंनवीषेदोजी ॥ १३ ॥ सेवो० ॥ कायक्लेशनेसंलीनताए ॥ षटविधबाह्यक
हायजी ॥ अभ्यंतरप्रायछीत्तनेंविनयो ॥ वैयावच्चसज्झायजी ॥ १४ ॥ से० ॥
ध्याननेंउत्सर्गएषटलहीइं॥अभ्यंतरनिरमायजी ॥ विसेंषेंबहुविधतपएहनां॥
भेदपंचासकहायजी ॥ १५ ॥ सेवो० ॥ वलिअविशेषेंतपबहुभेदें ॥ साष्य
आगममांहिजी ॥ वर्द्धमानश्रेणीतपनांमें ॥ प्रतरतपउगांहिजी ॥ १६ ॥ से
वो० ॥ कनकावलीरतनावलीजांणों ॥ मुगतावलीमनोहारजी ॥ लघुसिंहनें
वडोसिंहनिक्रीडित ॥ जवमध्यवज्रमध्यसारजी ॥ १७ ॥ सेवो० ॥ प्रतिमा
भद्रमाहाभद्रकहिइं ॥ सर्वतोभद्रमनआणिजी ॥ पंचकल्याणकतपवलीथानि
क ॥ सिद्धचक्रगुणषाणिजी ॥ १८ ॥ सेवो० ॥ सतसत्तमीआअठअठमी
आ ॥ नवनवमीआहोयजी ॥ दशमीएकारसीवलीबारसी ॥ भिक्षुप्रतीमाजो
यजी ॥ १९ ॥ सेवो० ॥ इंद्रियजयनेसंशारतारण ॥ कषायजयतपनाम
जी ॥ जोगजयनेंवलीकरमसूदण ॥ पंचमीतपगुणधामजी ॥ २० ॥ सेवो०
दर्शनज्ञानचरणआराधन ॥ दशपच्चखाणनीउलीजी ॥ समवसरणनेंनंदिश्व
रतप ॥ करीइंशकतीनेंतोलीजी ॥ २१ ॥ सेवो० ॥ अक्षयनीधीपुंडरीकरो
हिणीतप ॥ अंबिकातपसूविचारोजी॥ सर्वसूखसंपत्तीअसोधा ॥ परमभूषणं
तपसारोजी ॥ २२ ॥ सेवो० ॥ श्रुतदेवतातपसर्वांगसुंदर ॥ अडखदेषीश्री

कारंजी ॥ सोलाग्यकल्पटक्षएनामें ॥ एकादशीमनधारोजी ॥ २३ ॥
सेवो० ॥ चंद्रायणतपश्राठिमचौदसिाश्रविलवर्द्धमांनमोहटोजी॥ अशोकद्र
क्षनेंमुकुटसप्तमी ॥ माणीक्यप्रस्तानहीषोटोजी ॥२४॥ सेवो० ॥ श्रखंमदश
मीवलीअमृततप ॥ तपवलीएकादशांगजी ॥ दवदंतीतपदीक्षानोतप ॥ नि
र्वाणतपवलीचंगजी ॥ २५ ॥ सेवो० ॥ गौतमपमघोनेंस्वर्गदंमो ॥ पद्मोतर
तपज्ञानजी ॥ जिनपुजानेंहारजतपवली ॥ उणोदरीअलीधानजी ॥ २६ ॥
॥ सेवो० ॥ धर्मचक्रबालतपवलीसाष्यो॥ क्रमचक्रवालहोयजी ॥ बत्रिशवी
जयनोतपघणुंसुंदर ॥ मेरुमंदरजोयजी ॥ २७ ॥ सेवो० ॥ सूरायणनेंवली
पम्भक्ततप॥घनतपकमलउदारजी ॥ अष्टापदपावमीआंनांमे॥ वर्गतपस्यावि
चारजी ॥ २८ ॥ सेवो० ॥ गुंणरत्नसंवछरजांणो ॥ सप्तोत्तरअवधारजी ॥
अलीपहृतपनोपारनलहीइं ॥ तेहअनेकप्रकारजी ॥ २९ ॥ सेवो० ॥ द्रव्य
क्षेत्रनेंकालसावथी ॥ साष्यायंथमझारिजी ॥ तपावलीथीविधीसहुजाणो ॥
इहांथाइंविस्तारजी ॥ ३० ॥ सेवो० ॥ इमतपधर्मसंषेपेसाष्यो ॥ आराधील
वीप्राणीजी ॥ इहलवपरलवसूखलहीनें॥ परणेसिववधूराणीजी॥३१॥सेवो०
त्रिजेखंमेढालएदशमी ॥ पद्मविजयकहेइमजी ॥ सांसलीनेश्रोताजनधरमें॥
करज्योअवीहमप्रेमजी॥ ३२ ॥ सेवो० ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥
॥ दूहा ॥ सावधरमचोथोसलो ॥ सम्यगदर्शनसाच ॥नाणचारित्रनीसावना॥
मतसावनविनुंमाच ॥ ३३ ॥ वैराग्यसावनातिमवली ॥ तिर्थसक्तिततकाल ॥
साधुजननीशेवना ॥ कंदर्पजयविकराल ॥ ३४ ॥ अतिचारजोआवीओ ॥
निंदागरहानाद ॥ मोक्षनासूखमांमाचतो ॥ आयतनेंआल्हाद ॥ ३५ ॥ एह
धर्मअरिहंतनें ॥ साष्योचोथोसाव ॥ सवलयसावठलंजणो॥ बलीउंएहबना
व ॥ ३६ ॥ च्यारप्रकारेंसूणिचतूर ॥ सेवीधर्मसूबुध ॥ जिवअनंताजिहांग
या ॥ साश्वतसुखसूविशुद्ध ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ सोनानीझारीहे ॥ एदेशी ॥ इं
णिपरेंसांसलीहे ॥ साहिबाजीमारा ॥ जिनवरधर्म ॥ सिखिकूमरनेंतांम ॥ बो
धथयोजिनधर्मनोजी ॥ बोलेइंणिपरिंहे ॥ सा०॥ साष्युंसत्य ॥ एहमांनहीसं

देह ॥ कूंणकहेसेदमर्मनोजी ॥ ३८ ॥ पणिएकसांसलोहे ॥ सा० ॥ धर्मश्र शेत्र ॥ नवीकरीसकीइंकोय ॥ दानविनाधरमांरहीजी ॥ तिणकारणहे ॥ सा० ॥ चारीत्रधर्न्म ॥ जोग्यहोइंतेकोण ॥ साषोसगवनमुक्तसहीजी ॥ ३९ ॥ गुरुजीबोलेहे ॥ सा० ॥ सांसलिजोग्य ॥ उपनोआरयदेश ॥ कुलनेंजातिवी शेषिउजी ॥ हलूकरमाहे ॥ सा० ॥ निरमलबुधि ॥ जाणेंसंसारस्वरुप ॥ वर णवुंएहवोपेषीउजी ॥ ४० ॥ जनमतेमरणनीमित्त ॥ सा० ॥ चपलतेद्रव्य ॥ संजोगश्रंतेविजोग ॥ मानवसवदूर्लसघणोजी ॥ विषयतेडरकनुंहेतू ॥ सा० ॥ मरवुंसहुनेंनीत्य ॥ दारुणतासविपाक ॥ कोईआधारनतेहतणोजि ॥ ४१ ॥ इंमजाणीनेंविरक्त ॥ सा० ॥ थोमोकखाय ॥ थोमीकरतोहास ॥ जाणकरश्रागुणनो वलीजी ॥ नहिकौतकीनेंविनीत ॥ सा० ॥ बहुजनमान्य ॥ दोषकारीनवीहोय ॥ सरधाकरेकहुंकेवलीजी ॥ ४२ ॥ वलीथीरसरधावंत ॥ सा० ॥ एहवोजो ग्य ॥ जेउपसंपन्नहोय ॥ तवकूंअरइंणिपरेंसणेंजी ॥ रुमोसाध्योहे ॥ सा० ॥ साधूनेंयोग्य ॥ पणिउपसंपन्नश्राज ॥ श्राव्योचरणेंतुम्हतणेंजी ॥ ४३ ॥ वि जयसिंहगुरुहे ॥ सा० ॥ करेविचार ॥ एहमहासाग्यवंत ॥ श्रण्णकरेजुउकेह वांजी ॥ ठेश्रतीशांतिस्वरुप ॥ सा० ॥ लखिइंतेण ॥ महाकुलेंउपनोएह ॥ व चनबोलेतेजेहवांजी ॥ ४४ ॥ एहनेंकहिइंहें ॥ सा० ॥ एहवांवयण ॥ जि णेंउपसंग्रहथाय ॥ इंमचिंतीहवेगुरुकहेजी ॥ सूणितुंश्रावकहे ॥ सा० ॥ तुंगु णवंत ॥ एसंसारश्रशार ॥ तेहमांकुंणइंणिपरिलहेजी ॥ ४५ ॥ दुःकरजा णोहे ॥ सा० ॥ लेवुंजेह ॥ श्रमणपणुंजगिसार ॥ शत्रुमीत्रसमजाणवाजी ॥ नवीहणवोकोईजीव ॥ सा० ॥ कहेवुंशाच ॥ दंतशोधनमात्रकांय ॥ पचख वुंश्रदत्तश्राणवाजी ॥ ४६ ॥ त्रिविधेंपचखवुंहे ॥ सा० ॥ श्रब्रह्मचर्य ॥ उपगर णवस्त्रनेंपात्र ॥ उपरिपणमुरछानहीजी ॥ रात्रीसोजननोत्याग ॥ सा० ॥ लेवो आहार ॥ बेंतालीशदोषशुद्ध ॥ आगममांसांष्योसहिजी ॥ ४७ ॥ संजोज नादिकहे ॥ सा० ॥ टालवापंच ॥ मितकालेंलेवोश्राहार ॥ सुमती गुपतीवरपाल वीजी ॥ ईर्यामुखपंचविस ॥ सा० ॥ साववीहोय ॥ बाह्यश्रभ्यंतरसेद ॥ तप

करवोक्रोधजालवीजी ॥ ४८ ॥ प्रतिमावहेवीहे ॥ सा० ॥ मुनीनीअनेक ॥
विचीत्रअसीग्रहजेह ॥ द्रव्यादिकजेसाषीआजी ॥ सूंइंसूवुंहे ॥ सा० ॥ केश
नोलोच ॥ कायकिलेशअनेक ॥ करतांअमरसचाषीआजी ॥ ४९ ॥ निःप्र
तिकर्मोहे ॥ सा० ॥ जाससरीर ॥ वहेवीगुरुनीआंणि ॥ सर्वकालप्रसूआणि
थीजी ॥ परिसहजितवावाविश ॥ सा० ॥ उपसर्गजेह ॥ दिव्यादिकबहुले
ह ॥ जयकरवोगुणषाणिथीजी ॥ ५० ॥ लाधेंअलाधेंहे ॥ सा० ॥ समचित
राषि ॥ अढारसिलांगसहस ॥ सारतेवहेवोनीतपमेजी ॥ तिणेंतरवोएसमुद्र ॥
॥ सा० ॥ चरमकहेवाय ॥ बांहिकरिनेंतेह ॥ तोलवोमेरुनीजकरवमेंजी ॥ ५१ ॥
लषवोकोलीउंहे ॥ सा० ॥ स्वादरहीत ॥ वेलूतणोजेअशार ॥ खडगधारापरें
चालवुंजी ॥ पीवीअगनिनीझाल ॥ सा० ॥ गंगप्रवाह ॥ चालवुंशाहमेपुर ॥
निजआतमसूरवेंमालवुंजी ॥ ५२ ॥ कोथलोपवननोहे ॥ सा० ॥ तरवोहा
थि ॥ चतूरंगबलसंघाति ॥ जितवुंएकलेप्राणीइंजी ॥ साधवोराधावेध ॥ सा० ॥
जयनीपताक ॥ ग्रहेवीअग्रहीपुर्व ॥ डःकरमुनीपणंजांणीइंजी ॥ ५३ ॥
इमसांभलीहे ॥ सा० ॥ हरष्योकूमार ॥ करजोमीकहेइंम ॥ गुरूसलूंसाधूप
णंकहुंजी ॥ डःकरकह्युंतिमतेह ॥ सा० ॥ पणिनहीमुझ ॥ जाण्युंसंसारनुं
गुझ ॥ जाणंहवेएहकबलहुंजी ॥ ५४ ॥ गुरूतवसाषेहे ॥ सा० ॥ साचुंएहा ॥
जाणेशंसारस्वरूप ॥ पणिवहुलवसावनाथकीजी ॥ मुझावेबहुजीव ॥ सा० ॥
याइंमुंढ ॥ तिणेंनविचारेस्वरुप ॥ नगणेंअनागतबुधीथकीजी ॥ ५५ ॥ कुल
नवीदेषेहे ॥ सा० ॥ नकरेधर्म ॥ नविमानेउपदेश ॥ मुरषनगणेगुरुप्रतिजी ॥
नकरेअपजसविहक ॥ सा० ॥ आचरेतेह ॥ आलोकनेंपरलोक ॥ क्लेशानुंसा
जनजिणगतीजी ॥ ५६ ॥ तिणकारणसूणिहे ॥ सा० ॥ हणवोमोह ॥ कुम
रकहेप्रसूसाच ॥ पणिएउपायहणवातणोजी ॥ कारयसाधेंतेह ॥ सा० ॥ कार
णसेवा ॥ जेकरेप्रगटेतास ॥ साध्यतणोपुरणपणोजी ॥ ५७ ॥ तेतूम्हप्रासेंहे ॥ सा० ॥
तूलपसाय ॥ पामुंभवजलपार ॥ जिमआयरनिरजामकेंजी ॥ अलपपुन्यहो
इंजास ॥ सा० ॥ कूशलनबुद्धी ॥ गुणवंतागुरुलास ॥ नहोइंनवीपामीशकेंजी ॥

॥ ५८ ॥ तिणेंमुझउपरिहे ॥ सा० ॥ करोउपगार ॥ गुरुबोलेतववाणी ॥ अम
स्थीतिएआगमतणीजी ॥ संसलावीसवीमग्ग ॥ सा० ॥ केताकदिन्न ॥ सिख
वीइंआवश्यक ॥ पढीदीषीजेंनीष्यसणीजी ॥ ५९ ॥ बोलेकूमरजीहे ॥
॥ सा० ॥ कस्योउपगार ॥ दिक्षापिणलेईमुझ ॥ पालवीआगमस्थीतीसलीजी
तिणेंइमजहोस्वामी ॥ सा० ॥ इमकहुंजांम ॥ बहुपरीजनस्युंताहिं ॥ कुमर
पिताआव्योसांसलीजी ॥ ६० ॥ हाथणीइंबेठेहे ॥ सा० ॥ तेब्रह्मदत्त ॥ उत
रीप्रणमेपाय ॥ धर्मलाभगुरुइंदिउजी ॥ त्रिजेखंमेढाल ॥ सा० ॥ थइअगीआ
र ॥ पद्मविजयकहेइम ॥ बेठेचित्तसूणवाकिउजी ॥ ६१ ॥ दुहा ॥ कुमरता
तनेंइमकहे ॥ कांमकरोमुझएक ॥ तातकहेजेकहोतुम्हे ॥ करीइंतुह्मसूविवे
क ॥ ६२ ॥ एसंसारस्वरुपइम ॥ मानवभवमुसकह्म ॥ संगअनीत्यचपलासि
री ॥ एहमांनहीअवह्म ॥ ६३ ॥ जौवनजाइंजोपसूं ॥ अनंगकरेअकल्यांण ॥
मृत्युतोमुंकेनही ॥ जाणोछोतुम्हेजांण ॥ ६४ ॥ द्योआणालेउंदिषमी ॥ सफल
करुंसंसार ॥ सूतस्नेहेंगदगदस्वरें ॥ पुत्रनेंकहेप्रकार ॥ ६५ ॥ बालकतूंबोले
किस्युं ॥ कालनदिक्षाकोय ॥ कुंअरकहेनवीकालछे ॥ जमनोइंणिपरिजोय ॥
॥ ६६ ॥ बोल्योएकवंसदत्तना ॥ परिवारमांपुरुष ॥ पिंगकनामेंपापपुन्य ॥ न
विछेजुउनिरष ॥ ६७ ॥ बहुचर्चातिबोलीउ ॥ पणिगुरुबेठांपाय ॥ नवीबोलवुं
एज्ञानथी ॥ कुमरनबोल्याकाय ॥ ६८ ॥ समझाव्योशूलजुक्तिथी ॥ तेकहे
तांविस्तार ॥ ग्रंथवधेतिणेंनवीकह्यो ॥ परगटएहप्रकार ॥ ६९ ॥ समझ्योश्रा
वकव्रतग्रहे ॥ साथेंब्रह्मदत्तगुरु ॥ दिक्षानीअनुमतिदीइं ॥ वंसदत्तप्रतीबुद्ध ॥
॥ ७० ॥ ढाल ॥ तटजमुंनानोरेअतिरलिआमणोरे ॥ एदेशी ॥ पुत्रनीसाथेंरे
आव्यानयरमांरे ॥ घोषणापुरवकदान ॥ देतोकरतोजीनवरचैत्यमांरे ॥ अठा
इमहोछवज्ञान ॥ ७१ ॥ धन २ एहनेंरेजाण्युंएहणेषरुंरे ॥ एआंकणी ॥ शु
भतिथीकरणेंरेमुहूर्त्तजोगेंभलेरे ॥ शिबिकारुढतिवार ॥ महाहर्षेंकरीबहुपरि
वारस्यूंरे ॥ देतोदानअवार ॥ ७२ ॥ धन ॥ मंगलतूरवजावतेनिकल्योरे ॥ बि
रुदावलीरेबोलाय ॥ लोकप्रशंसादेषीबहुकरेरे ॥ पोहताग्रुरुनेंरेपाय ॥ ७३ ॥

धन ॥ सीबिकाथीउत्तरीगुरुवंदियारे ॥ गुरुइंदिक्षारेदिध ॥ साधूवेषलीधोहर
षेंकरीरे ॥ आतमकारजकिध ॥ ७४ ॥ धन ॥ केईकदिनरहीमासकलपथइं
रे ॥ गुरूसाथेंकरेविहार ॥ लाषअनेकवरसइंमवहिगयारे ॥ पालतांनिरतीचा.
र ॥ ७५ ॥ धन० ॥ इंणअवसरिजेजालिणीमावमीरे ॥ थयोतसपश्चारेताप ॥
कामहीएकंकरयुंजिणेंमारयोनहींरे ॥ गयोमुक्तदेईसंताप ॥ ७६ ॥ धन० ॥ ते
णिकारणकांयमोकलुंसेटएकरे ॥ संदेसोमीठीवात ॥ जोकांईकरतांफिरीआवे
इहांरे ॥ पछेंकरस्युंसुखेंघात ॥७७॥ धन० ॥ जिमचिंत्यूंतिमकिधुंतिणीइंरे ॥
मोकल्युंकंबलरल ॥ संदेशोबहुसीषवीमोकल्योरे ॥ सोमदेवकरीघणंजतन ॥
॥ ७८ ॥ धन० ॥ देशवीख्यातप्रवृत्तिआचार्यनीरे ॥ पुछीपोहतोतेगाम ॥ सि
खिकूमारसाधूनेंसणावतारे ॥ देखिवंद्यातेठाम ॥ ७९ ॥ धन ॥ धर्मलाभदेईपू
छेउलषीरे ॥ किहांथीआववुंतूल ॥ तिणेंपणिव्यतीकरसघलोसासीउरे ॥ जा
लिणीमोकल्याअल ॥ ८० ॥ धन० ॥ पश्चातापेंदाधीदेहमीरे ॥ तूम्हप्रवृत्ति
निमीत्त ॥ रिषीकहेपश्चातापस्योएहुनोरे ॥ तवतेबोल्योसूचित्त ॥ ८१ ॥ धन० ॥
तूम्हेदीक्षालीधीतेकारणेंरे ॥ सूणिचीतेंमुनीराय ॥ स्नेहकायरपरमार्थदेखेन
हीरे ॥ जुउइंमकिमकरेमाय ॥ ८२ ॥ धन० ॥ प्रत्युपकारनकरीसकीइंकिमें
रे ॥ मातपितानोरेकोय ॥ इंमचिंतिकहेसोमदेवनेंसूणोरे ॥ मुक्तसवनिरवेदहो.
य ॥ ८३ ॥ धन० ॥ तिणेंदिक्षालीधीइंमजांणजोरे ॥ पणिनहीमायनिरवेद ॥
तवतेकहेषरुंपणितूममातनेंरे ॥ उपजेछेअतिखेद ॥ ८४ ॥ धा ॥ कहेवराव्युंछेइंणिप
रेंसांभलोरे ॥ तूछहृदयहोयनारि ॥ चपलस्वभावनेंअविवेकजघणोरे ॥ कामक
रुअवीचार ॥ ८५ ॥ धन० ॥ होयकदाप्रहस्त्रीमांअतिघणोरे ॥ पछेंहोइंपश्चा
ताप ॥ पुरुषतोमहागंभीरहोइंघणारे ॥ कोयनेंनकरेसंताप ॥ ८६ ॥ धन० ॥
माहरोभावजाण्याविणस्यूंकरयूंरे ॥ आदरयोपरलोकमग्ग ॥ पणएकवारवंदा
ववाआवजोरे ॥ नहीतरकिमहोयसग्ग ॥ ८७ ॥ धन ॥ कंबलरललेज्योमुक्त
हितकरीरे ॥ बोल्याशिखीअणगार ॥ उत्तरम्हेतूक्तसयलोसाषीउरे ॥ अनेगुरु
आधीनविहार ॥ ८८ ॥ धन० ॥ हुम्हारेआधीननहीकदारे ॥ पालवीश्रीगुरु

आंण ॥ मुनिनेंकंबलरत्नघटेनहीरे ॥ वलीगुरुकहेतेप्रमांण ॥ ८ए ॥ धन० ॥
तवकोईमुनिंइंगुरुदेखावीआरे ॥ जईकह्योसकलवत्तांत ॥ कुमरतणावळमान
थीवोहरीउंरे ॥ कंबलरत्नतेषांति ॥ ए० ॥ धन० ॥ वर्त्तमानयोगेंवलीआव
स्येंरे ॥ मांम्युंलणवाजेसूत्त ॥ तेसंपुरणथास्येजबसहिरे ॥ तवएआवस्येपुत्त ॥
॥ ए१ ॥ धन ॥ एसांलवीनेंघणंराजीथयोरे ॥ त्रिंजेखंमेंएढाल ॥ समरादित्य
नारासमांबारमीरें ॥ कहिपदमेंसूरआल ॥ ए२ ॥ धन ॥ङहासोरठी ॥ सोमदे
वगुरुपास ॥ कालकेतोईकरहीकरी ॥ आव्योनीजआवास ॥ तपसंजममुनीव
रतपे ॥ ए३ ॥ङहा ॥ अन्यदिनेंगुरुआवीआ ॥ नयरकोसआशन्न ॥ कोईकनर
नामुखथकी ॥ सांलखेगुरुचासन्न ॥ ए४ ॥ परलोकेंपोहतोपिता ॥ सिखिकूमरनो
साच ॥ मुनीसाथेंकेईमोकले ॥ सिखिकूमारसुलवाच ॥ ए५ ॥ पोहताकोस
नयरपंडे ॥ उतरीआउद्यान ॥ वातलोकमांविस्तरी ॥ सांलल्योआवधांन ॥ ए६ ॥
सिखिकुमरसाधूजीके ॥ आव्याअहोअणगार ॥ रायनगरजनपरिवस्या ॥
वंद्यावारोवार ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ हवेनहीआवुंमहीवेचवारेलो ॥ एदेशी ॥ वंद
नाकरीगुरुरायनेंरेलो ॥ बेठासूणवाधर्म ॥ मारावाल्हाजीहो ॥ गुरुपणिआपे
पणीकथारेलो ॥ कहेतांदिइंशिवशर्म ॥ ए८ ॥ म्हा० ॥ एहवागुरुरेफिरीन
हिमीलेरेलो ॥ एआंकणी ॥ आवरज्यासवीलोकनेंरेलो ॥ गयासङनिज२गेह
॥ म्हा० ॥ हवेविजेदिनमुनीवरुरेलो ॥ सिखीकूमरसशनेह ॥ एए ॥ म्हा० ॥
एह० ॥ गयानीजमातपासेंहवेरेलो ॥ विधवारुपनेंतास ॥ म्हा० ॥ब्रह्मदत्तजेह्म
रीगयारेलो ॥ अतिडखलडखवास ॥ ४०० ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ तिणेंनिज
मातनउंलषीरेलो ॥ तिणेंउंलष्योमुनीराय ॥ म्हा० ॥ मायास्वसावेंरोतीथकी
रेलो ॥ अश्रूपातबळथाय ॥ ४०१ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ आसासनामुनीवर
करेरेलो ॥ देशनादेवेतांम ॥ म्हा० ॥ मातजीखेदनकीजीईरेलो ॥ एसंसारड
खधांम ॥ २ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ इन्द्र्येंसयणेंपराक्रमेरेलो ॥ बलचतुरंगेजो
य ॥ म्हा० ॥ देवअसूरपमुहामिलेरेलो ॥ मरणनजीतेकोय ॥ म्हा० ॥
॥ ३ ॥ एह० ॥ मरणहरीजगमांसमेरेलो ॥ आपदाशतनखजाल ॥ म्हा० ॥

व्याधीज्वरदृढदांतेंरेलो ॥ बहुजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इम जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यछांमीव्रतसारनेंरेलो पणिनविआदरेक्लिव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥ मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमअम्रतवरपीजीईरेलो ॥ जगतमांसारनीथां न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि ॥ ॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुक्तनेंगमेंरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७ ॥ ॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेषिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुक्तजोग ॥ मा० ॥ तवअ णगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवासवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमांहिं ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥ संभलावेउछाह ॥ मा० ॥ ९ ॥ एह ॥ दिधांअणुंव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइंक रयाअंगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाभवारेलो ॥ कूमकपटसंभार ॥मा० ॥१०॥ एह० ॥ यतः ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोभता ॥ अशौचं निर्दयत्वंच ॥ स्त्रीणांदोषाःस्वभावजाः ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोअकूरे लो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इमचिंतीअंगीकरयारेलो ॥ देखीइंभक्तीआ वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउठिआरेलो ॥ तवविनवेमुनी माय ॥ मा० ॥ आजसोजनतूम्हेंइहांकरोरेलो ॥ तवबोल्यारीषीराय ॥ मा० ॥ ॥१२॥एह०॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो ॥साध्योउेअणाचार॥मा०॥मधूकरवृ त्तिछांमीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा लिणीबोलीतिहांरेलो ॥ तूम्हेंजाणोवछएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकग यारेलो ॥ इमप्रतीदिनअसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचिंतचिंतवेजा लिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजम्योमुक्तनेंरेलो ॥ क रिइंहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥ सहूईकरयाउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइननिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअ भ्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचिंतवेरेलो ॥ मारुंनहिंजो कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पक्कसंधीथयोकाल ॥मा० ॥१७॥

आंण ॥ मुनिनेंकंबलरत्नघटेनहीरे ॥ वलीगुरुकहेतेप्रमांण ॥ ८ए ॥ धन० ॥
तवकोईमुनिंईगुरुदेखावीआरे ॥ जईकह्योसकलवृत्तांत ॥ कुमरतणाबहुमान
थीवोहरीउरे ॥ कंबलरत्नतेषांति ॥ ए० ॥ धन० ॥ वर्त्तमानयोगेंवलीआव
स्येरे ॥ मांम्युंसणवाजेसूत्त ॥ तेसंपुरणथास्येजवसहिरे ॥ तवएआवस्येपुत्त ॥
॥ ए१ ॥ धन ॥ एसांभलीनेंघणंराजीथयोरे ॥ त्रिजेखंमेंएढाल ॥ समरादित्य
नारासमांवारमीरे ॥ कहिपदमेंसूरचाल ॥ ए२ ॥ धन ॥ऊहासोरठी ॥ सोमदे
वगुरुपास ॥ कालकेतोईकरहीकरी ॥ आव्योनीजआवास ॥ तपसंजममुनीव
रतपे ॥ ए३ ॥ ऊहा ॥ अन्यदिनेंगुरुआवीआ ॥ नयरकोसआसन्न ॥ कोईकनर
नामुखथकी ॥ सांभलेगुरुचासन्न ॥ ए४ ॥ परलोकेंपोहतोपिता ॥ सिखिकूमरनो
साच ॥ मुनीसाथेंकेईमोकले ॥ सिखिकूमारश्रुतवाच ॥ ए५ ॥ पोहताकोस
नयरपछें ॥ उतरीआउद्यान ॥ वातलोकमांविस्तरी ॥ सांभलज्योसावधांन ॥ ए६ ॥
सिखिकुमरसाधूजीके ॥ आव्याअहोअणगार ॥ रायनगरजनपरिवर्‌या ॥
वंद्यावारोवार ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ हवेनहीआवुंमहीवेचवारेलो ॥ एदेशी ॥ वंद
नाकरीगुरुरायनेंरेलो ॥ बेठासूणवाधर्म ॥ मारावाल्हाजीहो ॥ गुरुपणिआषे
पणीकथारेलो ॥ कहेतांदिईशिवशर्म ॥ ए८ ॥ म्हा० ॥ एहवागुरुरेफिरीन
हिमीलेरेलो ॥ एआंकणी ॥ आवरज्यासवीलोकनेंरेलो ॥ गयासहुनिज२गेह
॥म्हा० ॥ हवेबिजेदिनमुनीवरुरेलो ॥ सिखीकूमरसश्नेह ॥ एए ॥ म्हा० ॥
एह० ॥गयानीजमातपासेंहवेरेलो ॥ विधवारुपतेतास ॥ म्हा० ॥ब्रह्मदत्तजेहम
रीगयारेलो ॥ अतिऊरवलऊखवास ॥१००॥ म्हा० ॥ एह० ॥ तिणेंनिज
मातनउंलषीरेलो ॥ तिणेंउलष्योमुनीराय ॥ म्हा० ॥ मायास्वसावेंरोतीथकी
रेलो ॥ अश्रुपातबहुथाय ॥ १०१ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ आसासनामुनीवर
करेरेलो ॥ देशनादेवेतांम ॥ म्हा० ॥ मातजीखेदनकीजीईरेलो ॥ एसंसारऊ
खधांम ॥ २ ॥ म्हा० ॥ एह० ॥ ध्रुव्येंसयणेंपराक्रमेंरेलो ॥ बलचतुरंगेजो
य ॥ म्हा० ॥ देवअसूरपमुहामिलेरेलो ॥ मरणनजीतेकोय ॥ म्हा० ॥
॥ ३ ॥ एह० ॥ मरणहरीजगमांसमेंरेलो ॥ आपदाशतनरवजाल ॥ म्हा० ॥

व्याधीज्वरदृढदांतडेरेलो ॥ बळूजननेंकरेकाल ॥ ४ ॥ मा० ॥ एह० ॥ इंम
जाणीनेंआदरेरेलो ॥ धरमनाअरथीजीव ॥ मा० ॥ राज्यछंमीव्रतसारनेंरेलो
पणिनविआदरेक्लिव ॥ ५ ॥ मा० ॥ एह० ॥ तिणेंमातातूम्हनवीघटेरेलो ॥
मोहरूपविषपांन ॥ मा० ॥ धरमअमृतवरपीजीइंरेलो ॥ जगतमांसारनीधां
न ॥ ६ ॥ मा० ॥ एह० ॥ मायावंतिमानिनीरेलो ॥ जालिणीकहेकरजोमि॥
॥ मा० ॥ पुत्रएधर्ममुक्तनेंगमेंरेलो ॥ नहिजेहनीजगजोमि ॥ मा० ॥ ७॥
॥ एह० ॥ म्हारीअवस्थादेषिनेंरेलो ॥ व्रतआपोमुक्तजोग ॥ मा० ॥ तवअ
णगारआलोचीनेंरेलो ॥ काढवासवनोरोग ॥ मा० ॥ ८ ॥ एह० ॥ सर्वविर
तिनीजोग्यतारेलो ॥ नविदीठीतेहमांहिं ॥ मा० ॥ देशविरतीविस्तारथीरेलो ॥
संसलावेउछाह ॥ मा० ॥ ए ॥ एह ॥ दिधांअणुव्रतमातनेंरेलो ॥ तिणीइंक
स्यांअंगीकार ॥ मा० ॥ तसविसवासपमाडवारेलो ॥ कूडकपटसंभार ॥मा०
॥१०॥ एह० ॥ यतः ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोसता ॥ अशौचं
निर्दयत्वंच ॥ स्त्रीणांदोषाःस्वभावजाः ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनेंमारीतोअकूरे
लो ॥ जोपामेंवीसवास ॥ मा० ॥ इंमचितीअंगीकस्यांरेलो ॥ देखीइंसक्तीआ
वास ॥ मा० ॥ ११ ॥ एह० ॥ हवेमुनीवरजबउछिआरेलो ॥ तवविनवेमुनी
माय ॥ मा० ॥ आजसोजनतूह्मेंइहांकरोरेलो ॥ तवबोल्यारीषीराय ॥ मा०॥
॥१२॥एह०॥ मातजीअमनेंघटेनहीरेलो॥साध्योडेअणाचार॥मा०॥मधूकरवृ
त्तिछंमीनेंरेलो ॥ मुनीवरनविकरेआहार ॥ मा० ॥ १३ ॥ एह० ॥ तवजा
लिणीवोलीतिहांरेलो ॥ तूह्मेजाणोवछएह ॥ मा० ॥ मुनीवरनिजथानिकग
यारेलो ॥ इंमप्रतीदिनशसनेह ॥ मा० ॥ १४ ॥ एह० ॥ हवेचिंतचिंतवेजा
लिणीरेलो ॥ मारवाएहनेंउपाय ॥ मा० ॥ सूक्ष्मनवीजम्योमुक्तनेंरेलो ॥ क
रिइंहवेकहोकांय ॥ मा० ॥ १५ ॥ एह० ॥ चउदसिदिनहवेआविउरेलो ॥
संक्रइंकरयांउपवास ॥ मा० ॥ गोचरीकोइननिकल्यारेलो ॥ करताध्यांनअ
भ्यास ॥ मा० ॥ १६ ॥ एह० ॥ जालिणीजाणीचितवेरेलो ॥ मारुंनहिजो
कालि ॥ मा० ॥ तोहवेएहजास्येसहीरेलो॥पक्षसंधीथयोकाल ॥मा० ॥१७॥

॥ एह० ॥ बिजोउपायइंहांनहीरेलो ॥ कालिकरुकंत्र्प्रार ॥ मा० ॥ तालपुट
विषजुतलाडुउरेलो ॥ आपुकालिसवारि ॥ मा० ॥ १८ ॥ एह० ॥ मुनीवर
संजमम्हालतारेलो ॥ नलहेदूरजनवात ॥ मा० ॥ परमांतिपेसेंनहीरेलो ॥ ध
रमेंरंगाणीघात ॥ मा० ॥ १९ ॥ एह० ॥ त्रीजेरवंमेतेरमीरेलो ॥ पद्मविजय
कहिढाल ॥ मा० ॥ मुनीगुणगातांमोदस्यूंरेलो ॥ पामेंमंगलमाल ॥ मा० ॥
॥ २० ॥ एह ॥ डहा ॥ इंमकरतांजोनवीलीइं ॥ आयहथीदिउंआहार ॥ हा
थेंआपुहर्षजिम ॥ तेमोदिकतइयार ॥ २१ ॥ मारुंइंणिपरिमोदस्यूं ॥ करस्युं
तेसघलुंकांम ॥ सोजनलेईस्तलीसांतिस्यूं ॥ जालिनीचालीजांम ॥ २२ ॥ तां
मप्रसातथयोतिहां ॥ पोहतीउपवनपास ॥ दिठिमुनीइंदृष्टिथी ॥ लएंतेएहवी
सास ॥ २३ ॥ माताकिमआव्यांतुम्हे ॥ एकाकिएवार ॥ अणघटतोकांईआ
हारनें ॥ लेईआव्यांझेल्हार ॥ २४ ॥ जटिणीबोलीजालिनी ॥ सांसलोसाचि
वात ॥ पोतेपुण्यउपायवा ॥ सोजनलावीसांति ॥ २५ ॥ ढाल ॥ चित्रोमारा
जारे ॥ एदेशी ॥ सांसलोतूमेमातरे ॥ अणाचारएरव्यातरे ॥ निपजातएआ
हारअह्मारेकारणेंरे ॥ २६ ॥ साहमोवलीआयोरे ॥ तिणेंअम्हनसोहायोरे ॥
संसलायोसघलोविधीमुनीरायनोरे ॥ २७ ॥ तवबोलीतेहरे ॥ देषाडेसनेहरे ॥
वछएहपरिमुक्यातानवीहोईरे ॥ २८ ॥ जोनलीउआहाररे ॥ म्हारोधीगअ
वताररे ॥ तुम्हविहारतेअमपुरेनिष्फलमनङवेरे ॥ २९ ॥ तिणेंअवत्र्यएकरवु
रे ॥ बिजुंवयणनधरवुंरे ॥ मरवुंअन्यथामुकताहरानेहथीरे ॥ ३० ॥ पगेंप
डीइमसाषीरे ॥ सङमुनीवरसाषीरे ॥ मांषीजिममधउपरतिमउठेनविकिमेरे
॥ ३१ ॥ मुनीसरलस्वसावेंरे ॥ चित्तेइमतावेरे ॥ जुउंसदसावमातानोकेहवो
रे ॥ ३२ ॥ धर्मसरधाकेहविरे ॥ पुत्रस्नेहीनएहवीरे ॥ रवेजेहवीएथायजल
विणपोयणीरे ॥ ३३ ॥ बोलेमुनीरायरे ॥ सांसलोतुम्हेमायरे ॥ नविथायए
आहारदोषीलोअमथकीरे ॥ ३४ ॥ गुरुलाघवदोसरे ॥ चितवीगतरोसरे ॥
शुसपोसकारणकहेमातनेइंणीपरिरे ॥ ३५ ॥ तुमआग्रहेंएहरे ॥ लेस्यूंगत
नेहरे ॥ मुनीमाटेरेहआरंसनकिजीइरे ॥ ३६ ॥ जालिनीतवजंपेरे ॥ कुंणतू

म्हनेंलूंपेरे ॥ हमणांतोसंपेंआहारकरोसह्नरे ॥ ३७ ॥ बोलेमुनीतुम्हेआपोरे
सह्नरूषीनेंथापोरे ॥ करिजापोनेंह्नपिणलेस्यूंआहारनेंरे ॥ ३८ ॥ जालीनी
कहेवारुरे ॥ मातवाछल्यवारुरे ॥ कस्युंकामदिदारुराषीमुझजीवतीरे ॥ ३९॥
मुझहार्थेकिजेंरे ॥ पारणंमानीजेंरे ॥ सवनुंफललीजेंमानीमुझकह्युंरे ॥४०॥
सिखिकूमरनेंवयणेंरे ॥ बेठासह्नमुनीजयणेंरे ॥ सायणेंसोजनकंशारतेपीर
स्योरे ॥ ४१ ॥ सह्नईकिधोआहाररे ॥ हवेशीखीअणगाररे ॥ साजनेकंशार
सेसतेपीरस्योरे ॥ ४२ ॥ तालपुटविषघाल्योरे ॥ तेलाफुडआल्योरे ॥ सोजन
मांचाल्योतेपणिअनुंक्रमेंरे ॥ ४३ ॥ विषवेगेंघारयोरे ॥ सिखीकुमरेंविचा
र्योरे ॥ किमएमुझधार्योचित्तमांशीणपरेंरे ॥ ४४ ॥ मुनीवरसह्नजोयारे ॥
सावधांनपलोयारे ॥ अंगीतआकारगोपायाएहवेरे ॥ ४५ ॥ थईवेलाजामरे
गईवाचातामरे ॥ मनचिंतेआमहवेनवीजीववुंरे ॥ ४६ ॥ पम्याधरणीपीठरे
मुंनीईंतवदीठरे ॥ देषीतवरीठआकुलव्याकूलथयारे ॥४७॥ जालिणीपणिइम
रे ॥ मुंनीचिंतेकेंमरे ॥ जननीथईप्रेममुंकीकरेएहवुंरे ॥ ४८ ॥ जांणीफेरवि
शेसरे ॥ अणशाणउद्देशरे ॥ करेलेशानखेदतेसिषिमुनीकोयस्यूंरे ॥ ४९ ॥ म
नचिंतेएहरे ॥ थईवातएकेहरे ॥ संशारसनेहधिगहोईमकहेरे ॥ ५० ॥ चिं
त्युंहतुंईमरे ॥ मातनेंजईनेंमरे ॥ धरीप्रेमनेंधर्मपमामस्यूंसलीपरेंरे ॥ ५१ ॥
क्लेशथीमुकावुंरे ॥ सलीधर्मेमांठावुंरे ॥ ईममनलावुंपणिहवेस्यूंकरुंरे ॥५२॥
अपजसबह्नथास्येंरे ॥ शंकासह्नलासेंरे ॥ पणिइमनविमासेमाताएकिमकरेंरे
॥ ५३ ॥ वातपूर्वलीजाणेंरे ॥ लोककहेअन्याणेंरे ॥ धिगमुझइणठांणेजननी
डुखदिउंरे ॥ ५४ ॥ संशारएरीतीरे ॥ नविकरीईअनीतीरे ॥ पणिअप्रितेंअप
जसविस्तरेंरे ॥ ५५ ॥ केईककरेदोसरे ॥ पणिजसनोपोशरे ॥ एहमांनही
रोसकरयांसह्नसोगवेरे ॥ ५६ ॥ करयांकर्मतेआव्यांरे ॥ एकारणसाव्यांरे ॥
मुझडुखथीघाव्यांमाताकिणेंपरेंरे ॥ ५७ ॥ अथवास्योशोकरे ॥ शिवब्रिज
तरोकरे ॥ धरमजेंठकनोतेहपमाफीउरे ॥ ५८ ॥ तिणेंचितानकिजेरे ॥ नव
पदआमरीजेरे॥ लिजेंईमलाहोनरसवकेरफोरे॥ ५९॥ शुसतावनायुत्तरे ॥ नव

कारसंजुत्तरे ॥ निजआतमगुत्तकरीकरीकालनेंरे ॥ ६० ॥ ब्रह्मलोकमांजा
योरे ॥ नवसागरआयोरे ॥ देवपायोलबीसमागमविमानमांरें ॥ ६१॥ जाली
णिपणभुइशेअनुंकरमेंकुइरे ॥ अंधारीकुईसमसर्करानरगमांरे ॥ ६२ ॥ त्रणि
सागरआयोरे ॥ एतोमहाडखपायोरे ॥ मुनीरायनेंहिंस्यानुंफलएहवुंरे ॥ ६३॥
त्रिजोभवइमरे ॥ सूरभवस्यूंप्रेमरे ॥ नरभवसूखपेंमेंसमरादित्यनोरे ॥ ६४ ॥
खंमत्रीजेसाषीरे ॥ ढालचौदमीदाषीरे ॥ इहांसाखवीतेसमरादित्यचरीत्रछेरे ॥
॥ ६५ ॥ माहसूदिदिनत्रीजेरे ॥ संपूरणकिजेरे ॥ गामलिबमीमांहिंवदिजेंहे
जस्यूंरे ॥ ६६ ॥ गुरुषीमाविजयोरे ॥ जिनविजयोसूजयोरे ॥ तससीस्याय
योउत्तमवीजयमनोहरूरे ॥ ६७ ॥ सिद्धांतअभ्यासीरे ॥ तसअंतेवासिरे ॥
वचनविलासीपद्मविजयकहेरे ॥ ६८ ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीत्तप्रवर
श्रीमदूत्तमविजयगणि ॥ शिष्यपं० ॥ पद्मविजयग० विरचितेश्रीसमरादी
त्यचरीत्रेप्राकृतबंधेसिखिकुमारजालीण्योसंगतयोतृतियोनरभवः समाप्तः
सर्वगाथातृतियखंमे ॥ ४६८ ॥ उक्तगाथा ॥ ८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ श्रीसीमंधरसाहिबा ॥ विचरंतावीतराग ॥ समवसरणमांसोभता ॥
सबलूंजससोभाग ॥ १ ॥ श्रीगुरुनेंवलीशारदा ॥ प्रणमुंप्रेमेंपाय ॥ समरादि
त्यनारासमां ॥ चोथोखंमचितलाय ॥ २ ॥ धनकुमारनेंधनसिरी ॥ दंपतीया
इंहोय ॥ सज्ञानसूणज्योतेसवे ॥ हवेतेंकिणीपरेंहोय ॥ ३ ॥ सूणस्येंतेमुणस्ये
सखर ॥ समरादित्यनोस्वाद ॥ जासप्रमादेंजायस्यें ॥ लहेस्येनतेआल्हाद॥४॥
वरजोविकथावेगस्यूं ॥ सज्जनेंटलेसंताप ॥ विकथाथीवारुवमो ॥ उंघ्योनसूणें
आप ॥ ५ ॥ ढाल ॥ प्रथमगोवालातणेंभवेंजी ॥ एदेशी ॥ जंबुद्वीपनाभरत
मांजी ॥ सुशर्मनयरउदार ॥ नित्यउत्सवआणंदमांजी ॥ देवलोकअनुंहार ॥
॥ ६ ॥ सवीकजनसूणीइंचरीत्ररशाल ॥ पापनियाणाटालि ॥ स० ॥ जेहथी
होयजंजाल ॥ सवि० ॥ एआंकणी ॥ नित्यनाटिकतेनयरमांजी ॥ गुणिज
नगुणगवराय ॥ रुपवेसरतीआगलिजी ॥ नारीतणोसमुदाय ॥ ७ ॥ स० ॥
परउपगारपरायणोजी ॥ महाजननिवशेअपार ॥ अरीगजस्युंकेशरीसमो

जी ॥ सूधणंसूसरतार ॥ ८ ॥ स० ॥ नगरश्रेठतेनयरमांजी ॥ राज्यमानगु
णवंत ॥ दिनअनाथजनवछलूजी ॥ वेसमणनामकहंत ॥ ए ॥ स० ॥ पणिवे
श्रमणविसवेंकरीजी॥हलकोऊउनिदांन॥ त्रणवरगनीतयाचवेजी॥ सारथवाह
सूजांण ॥ १० ॥ स० ॥ कुलरुपविसवेंसारीषीजी ॥ सिरियानामेंनारि ॥ पं
चविषयसूखसोगवेजी ॥ स्नेहेंस्त्रीसरतार ॥ ११ ॥ स० ॥ लषमीनुंलेषुंनही
जी ॥ पणिसंताननकोय ॥ आयउपायघणाकरेजी ॥ पणिनवीकारयहोय ॥
॥ १२ ॥ स० ॥ इणअवसरतेनयरमांजी ॥ जक्षनांमेंधनदेव ॥ सानिधकर
तोलोकनीजी ॥ इणिपणिकीधीसेव ॥ १३॥स० ॥ पुजाकरीइमसाषीउजी ॥
जोमुझतुझअनुसाव ॥ पुत्रहोस्येंतोनयरस्यूंजी॥पुजाकरुंशूससाव ॥ १४ ॥
॥ स० नामतूम्हारुंथापस्यूंजी ॥ सूतनुंउंनिरधार ॥ मध्यमवइंतेवर्त्ततांजी ॥
दंपतिइंणिसमेसार ॥ १५ ॥ स० ॥ ब्रह्मलोकथीदेवताजी ॥ चविलीधोअवता
र ॥ जिवसिरिविकूमारनोजी ॥ सिरियाकूषिमझारि ॥ १६ ॥ स० ॥ सूपनें
गजवरपेषतीजी ॥ उज्वलउंचिरेकाय ॥ मदझरतोमोहेघणंजी ॥ मधूकरनें
समुदाय ॥ १७ ॥ स० ॥ सूंढादंडचपलघणोजी ॥ रक्ततालूचउदंत ॥ कनक
सांकलेंसोहतीजी ॥ घंटाजुगलमहंत ॥ १८ ॥ स० ॥ लोचनजेहनांघुमतां
जी ॥ रक्तचमरेंसोहेवयण ॥ कुंसस्यलेंअंकूसरहीजी ॥ प्रातसमेनेंरयणि ॥
॥ १९ ॥ स० ॥ वदनेंउदरमांपेसतोजी ॥ देखीजागीजाम ॥ संसलावेसरतार
नेंजी ॥ सूणीहरष्योतेतांम ॥ २० ॥ स० ॥ सयणसयलगणनायकोजी ॥ पु
त्रतेहोस्येरतन्न ॥ हरषेंसूणीआदरघणेंजी ॥ करतीगर्सजतन्न ॥ २१ ॥ स०॥
शुसमुझरतेंअनुंक्रमेंहवेजी ॥ जनम्योतेहकूमार ॥ दासीइंदिधवधामणीजी॥
सारथवाहनेंसार ॥ २२ ॥ स० ॥ संतोषीदासीप्रतेंजी ॥ देवरावेमहादाण ॥
जनममहोछवतेकूमारनोजी ॥ करतोसेठसूजाण ॥ २३ ॥ स० ॥ एकमासइं
मवहीगयोजी ॥ हवेसऊनयरसंघाथ ॥ बऊआंमंबरस्यूंगयोजी ॥ बालकले
इनिजहाथ ॥ २४ ॥ स० ॥ धनदेवजक्षनेंदेहरेजी ॥ उछवकरीयअपार ॥
पायनमामीथापीउंजी ॥ नामतेधनकुमार ॥ २५ ॥स०॥ कुमरसावअनुंक्रमें

लह्योजी ॥ चोथेषंभेरेइंम ॥ प्रथमढालपदमेंकहीजी ॥ सांभलज्योधरीप्रेम ॥
॥ २६ ॥ स० ॥ दुहा ॥ नारकीमांथीनीकली ॥ जाश्णिनोहवेजीव ॥ संसर
तांसंशारमां ॥ अनुंभवेंदूखअतिव ॥ २७ ॥ अनंतरभवेंअज्ञानथी ॥ आदरी
कष्टअत्यंत ॥ वसेतेनयरेंवांणीउ ॥ पुर्णभद्रपूंन्यवंत ॥ २८ ॥ गोमतीनामेंगे
हनी ॥ तसकुखेंअवतार ॥ पुत्रीपणेंतेप्रगटिउ ॥ जनमीतेहजीवार ॥ २९ ॥
धणसीरीनामतेदीधलूं ॥ जोवनपामीजाम ॥ दिठीधनकुमरेंतदा ॥ रतिरूपें
अतीरांम ॥ ३० ॥ पुर्वमैत्रीनागुणपणें ॥ अभिलाषाइंम ॥ दृष्टीवीकारेंदेष
तो ॥ पुरणआणीप्रेम ॥ ३१ ॥ पुरवनामत्सरपणें ॥ धणसिरिजुइंतेधन्न ॥ सो
मदेवपुरोहीतसूतें ॥ तेहकुमरनुंतन्न ॥ ३२ ॥ सावलभ्योतिणेंभलीपरें ॥ वेश्य
मणेंजाणीवत्त ॥ पुरणभद्रनेप्राथिउ ॥ धणसीरीधणनीमित्त॥ ३३ ॥ जाण्युंप
रस्परविफुंजणें ॥ वरत्योतिहांविवाह ॥ हरष्योधननिजहैयफ्ले ॥ वाध्योध
णसिरीबाह ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ मुनीवरआर्यसूहस्ती ॥ एदेशी ॥ इंणिअवसर
एकदासरे ॥ घरदाशीजण्यो ॥ नंदनांमेंसोहामणोए ॥ ३५ ॥ अगनीशर्माभ
वतेहरे ॥ मित्रतापसहतो ॥ गुरुवैयावचकारणोए ॥ ३६ ॥ धणसिरीस्यूंलग
वाभिरे ॥ थईतेनंदनें ॥ स्त्रीसंगेसूखअनुंभवेए ॥ ३७ ॥ भोगविटंबणाप्रायरे ॥
भोगवतांथकां ॥ शारदसमयएकदिनहवेए ॥ ३८ ॥ रमवानेंउद्यानरे ॥ धन्न
कूमरगया ॥ साथेंवहुपरीवारस्यूंए ॥ ३९ ॥ समृद्धदत्तइंणनांमेरे ॥ सारथवा
हसूत ॥ दिठोदांनदेतांथकांए ॥ ४० ॥ निजकरअरजितऋद्धिरे ॥ जेपरदेश
थी ॥ लावीनेंसफलीकरेए ॥ ४१ ॥ चिंतेधणधन्नएहरे ॥ परउपगारीउ ॥ इं
णीपरेंलषमीवावरेए ॥ ४२ ॥ आमणदूमणोइंमरे ॥ नंददेषीकहे ॥ स्येदूम
णास्वामिजीए ॥ ४३ ॥ साध्योनीजअसीप्रायरे ॥ नंदकहेतदा ॥ सिउणीमठे
तूम्हघरेए ॥ ४४ ॥ तूम्हघरिद्रव्यअनंतरे ॥ दानआपोतूम्हे ॥ एहथकीसूवी
सेषथीए ॥ ४५ ॥ धनकहेएसीवातरे ॥ पुर्वपुरुषरव्या ॥ तेदेतांकिमसोभीइं
ए ॥ ४६ ॥ करीकमाईहाथरे ॥ जेदिइंदाननें ॥ तसकिरतीवाधेघणीए ॥४७॥
तिणेंविनवोतूम्हेतायरे ॥ परदेशेंजवा ॥ करूंकमाईहाथस्यूंए ॥ ४८ ॥ काल

उचीत्तकरेजेहरे ॥ जिवबुंतेहवुं ॥ सफलूंताष्युंसाम्रमांए ॥ ४ए ॥ त्रणवर्ग
नुंमुलरे ॥ अर्थउपार्जस्यूं ॥ तातनेंकहोकिरपाकरोए ॥ ५० ॥ नंदेंविनव्योसे
ठरे ॥ सेठकहेतूम्हो ॥ लाषोवळनेंईणिपरेंए ॥ ५१ ॥ सेठसञ्चथीअर्थरे ॥ ब
ऋताहरेघरे ॥ मनश्छितयोवावरोए ॥ ५२ ॥ नंदकहेसूणोतातरे ॥ एहकह्युंष
रू ॥ पणिएहनीईमरूचिनहीए ॥ ५३ ॥ सेठकहेजिमसूखरे ॥ उपजेतिमक
रो ॥ नंदेंकह्युंसवीधनग्रतेंए ॥ ५४ ॥ आणापामीतायरे ॥ हरष्योधनहवे ॥
करेसामग्रीतेहनीए ॥ ५५ ॥ किरियाणांबऋलीघरे ॥ उदघोषणाहवे ॥ नगर
मांहितेकरावतोए ॥ ५६ ॥ सारथवाहसूतधन्नरे ॥ तामलिप्तिजस्यें ॥ जावुं
होइंतोसाथळेए ॥ ५७ ॥ जेहनेंजोईइंतासरे ॥ देस्येरिऊस्यूं ॥ वस्त्रअन्नउंषध
सऋइंए ॥ ५८॥ सांसलीसूंम्त्योलोकरे ॥ तामलिप्तीजवा॥ धनसिरीचितहरषी
घणुंए ॥ ५ए ॥ जास्येधनपरदेशरे॥ तबरुकुंथस्ये ॥ स्वेठाईंअमेवीचरस्यूंए॥
॥ ६० ॥ गमनदिवसआशन्नरे ॥ आव्योतवसूएयुं ॥ नंदपणसाथेंजायस्येंए॥
॥ ६१ ॥ सूणोस्वामीपरदेशरे ॥ तूम्हेंतोजायस्यो ॥ मायाकरीधनवतीकहेए॥
॥ ६२॥ सिगतीथास्येमुऊरे॥ऊंहवेस्यूंकरूं॥ तवधनकूमरतेबोलीआए ॥६३ ॥
सासूसुसराशेवरे ॥ तूम्हेकरज्योइहां ॥ ऊंपणिवेहेलोआवस्यूंए ॥ ६४ ॥ मा
याजलसरीनयणरे ॥ बोलीधनसीरी ॥ गुरुजनमुऊहृदयेंवसेए ॥ ६५ ॥ प
णिमुऊमुंकीजाउरे ॥ जोतुम्हेस्वामीजी ॥ तोऊंप्रांणअवश्यतजुंए ॥ ६६॥ न
हिमुऊजीवनकांमरे ॥ तुम्हविजोगथी ॥ ईमकहीउच्चस्वरेंरूइंए ॥ ६७॥ आ
वीजननीतांमरे ॥ धनकूमारनी ॥ आदरथीउसाथयाए ॥ ६८ ॥ धनसिरीग
ईनीजठामरे ॥ शिषामणदिइं ॥ सावधऋनोजाणीउए ॥ ६ए ॥ देशांतरहोय
दिर्घरे ॥ संगमदोहिला ॥ सूलसविजोगतेनीपजेए ॥ ७० ॥ क्लेशघणोहोइंपु
त्तरे ॥ अर्थउपार्जतां ॥ मुलविषादनुंएहठेए॥ ७१ ॥सकलगुंणेसंपूर्णरे ॥ तूंठे
यद्यपी ॥ तोपिणतूऊनेंसाषीइंए ॥ ७२ ॥ षिमातेकरज्योनित्यरे॥ खबरकहा
वज्यो ॥ वाटजोउंठुंताहरीए ॥ ७३ ॥ मातप्रमाणतुऊआंणिरे ॥ धनकूमरक
हे ॥ आशीसदेज्योरूअमीए ॥ ७४ ॥ धनसिरीपीहरपाशरे ॥ मागीआगना

धनसाथेंमोकलाववाए ॥ ७५ ॥ धनसिरीहरषीतामरे ॥ सामग्रीकरी ॥ साथ
रीथेंसरपुरीउंए ॥७६॥ बीजीचोथेषंमेरे ॥ ढालपदमेंकही॥ उत्तमविजयकृपा
यकीए ॥ ७७ ॥ डुहा ॥ साथसूंफयोहवेसामटो ॥ पहोतोनीत्यप्रयाण ॥ ताम
लिप्तिनगरेंतूरत ॥ मासदोयपरिमांण ॥ ७८ ॥ नरपतीमलीउंनेहस्युं ॥ राइंक
र्योसतकार ॥ वेचीसरवेवस्तुते ॥ पाम्योनईऊीतपार ॥ ७९ ॥ चिंतेतवतेचि
त्तमां ॥ लक्षोनइछितलाह ॥ जाउंघरिकिमजाणीनें ॥ अर्णवचढुंअथाह ॥
॥ ८० ॥ लषमीथीसहुलोकमां ॥ आदरलहेअपार ॥ तेवीएजीवनतूछे ॥ चि
त्तइंमकरेविचार ॥ ८१ ॥ नंदनेंघनश्रीनारिस्यूं ॥ इंणपरिंकरीआलाप ॥ ना
हवावेलाजांणीनें ॥ उछेजबहवेआप ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ पुन्यप्रगटथयो ॥ एदे
शी ॥ इंणअवसरएकआवीउंरे ॥ सूरीजन ॥ लयकायरयसकाय ॥ पुण्यप्र
गटथयो ॥ दोयहाथनोपहिरिउंरे ॥ सू० ॥ जिरणचिवरपाय ॥ ८३ ॥ पु० ॥
हाथघस्येंथयाउजलारे ॥ सू० ॥ मस्तकेंकमलाणीमाल ॥ पु० ॥ नषथीसरी
रविलूरीउंरे ॥ सू० ॥ अधरतंबोलेंलाल ॥ ८४ ॥ पु० ॥ जुवटिइंघणेंप्रेरीउंरे॥
॥ सू० आव्योजुवटिउंएक ॥ पु० ॥ शरणेंआव्योताहरेरे ॥ सू० ॥ राषितूध
रीयविवेक ॥ ८५ ॥ पु० ॥ एहजुआरीडखदिइंरे ॥ सू० ॥ धनकहेसांभल
वात ॥ पु० ॥ तूफउपद्रवस्येकारणेंरे ॥ सू० ॥ कहेताहरोअवदात ॥ ८६ ॥
॥ पु० ॥ तेकहेनवीबोलीसकूंरे ॥ सू०॥ माहरूनीचचरीत ॥ पु०॥ धनकहेषे
दनकीजीइंरे ॥सू०॥ नवीहोइंसमदशानीत्य ॥८७॥ पु० ॥ सहुकहोतूहवात
मीरे ॥ सू० ॥ तवजलभरीयांनयण ॥ पु० ॥ गद२वयणेंबोलीउंरे ॥ सू० ॥
सांभलिरेतूंसयण ॥ ८८ ॥ पु० ॥ वांणीउंनीजकुलफंसणोरे ॥ सू० ॥ सेवुंलो
कविरूध ॥ पु० ॥ पंमितजनवर्जनिदिउंरे ॥ सू० ॥ नीत्यरहुंचित्तमीकुध ॥
॥ ८९ ॥ पु० ॥ महेसरदत्तमाहरूरे ॥ सू० ॥ नामकुसुमपुरवास ॥ पु० ॥
दोशनीधानजेजुवटुंरे ॥ शू० ॥ वर्जितपुण्यविलास ॥ ९० ॥ पु० ॥ तिणेंए
अवस्थापामीउंरे ॥ सू० ॥ धनचिंतेअहोएह ॥ पु० ॥ आवेलापणिजाणतो
रे ॥ शू० ॥ निजअपराधअछेह ॥ ९१ ॥ पु० ॥ मोहटोपुरुषकोईएहछेरे ॥

॥ सू० ॥ चिंतवीबोलेंतांम ॥ पु० ॥ कहोस्यूंकरीइंतुह्मनेंरे ॥ सू० ॥ तवनवी बोलेजाम ॥ ९२ ॥ पु० ॥ चिंतवेधनकांईहारीउरे ॥ सू० ॥ मांगीसकेनही तेण ॥ पु० ॥ इंमजांणीकहेनंदनेंरे ॥ सू० ॥ पुछेजईएहकोण ॥ ९३॥ पु०॥ बाहिरजुवटिआएफीरेरे ॥ सू० ॥ स्योएहनोअपराध ॥ पु० ॥ नंदेनीकलोपु छीउरे ॥ सू० ॥ स्योअपराधअगाध ॥ ९४ ॥ पु० ॥ सोलसोनइआहारिउरे॥ ॥ सू० ॥ वचनेंअह्मस्यूंएह ॥ पु० ॥ रोक्योपणिछिद्रपामिनेंरे ॥ सू० ॥ आ विपेछेईहांजेह ॥ ९५ ॥ पु० ॥ नंदेंकह्युंधनकुमरनेंरे ॥ सू० ॥ तवबोल्याते कूमार ॥पु०॥ सोलसूवन्नआपोएहनेंरे ॥ सू० ॥ तवआप्यातिणीवार ॥९६॥ ॥ पु० ॥ गयाजुआरीतेसह्मरे ॥ सू० ॥ कुंअरसाषेतास ॥ पु० ॥ मुंकोविषाद उछेतूम्हेरे ॥ सू० ॥ उद्यमकरोसूवीलास ॥ ९७ ॥ पु० ॥ षेदकरेनारीबह्मरे॥ सू० ॥ किमकरेपुरुषप्रधांन ॥ पु० ॥ उछेस्नानकरोतूह्मेरे ॥ सू० ॥ नवला ज्योअसमांन ॥ ९८ ॥ पु० ॥ नाह्योधनसाथेंहवेरे ॥ सू० ॥ खोमजुगलदि उताग्रा ॥ पु० सोजनकरीहवेउठीआरे ॥ सू० ॥ साषेवचनविलास ॥ ९९ ॥ ॥ पु० ॥ एकवणीककूलउपनोरे ॥ सू० ॥ वलिग्रह्मनसिरदार ॥ पु० ॥द्रव्य साधारणजांणिइंरे ॥ सू० ॥ एहअथीरनिरधार ॥ १०० ॥ पु० ॥ एहमांथी कांईलीजीइंरे॥ सू० ॥ करोव्यवग्रायउपाय ॥ पु० ॥ बुधनिदितकिमकिजी इंरे ॥ सू० ॥ जेहथीथायअपाय ॥ १ ॥ पु० ॥ इहसवपरसवदूखदिइंरे ॥ ॥ सू० ॥ तुह्मपणिनगमेएह ॥ पु० ॥ तेहजुहारीपणछंगमीइंरे ॥ सू० ॥ सुणी चिंतेहवेतेह ॥ २ ॥ पु० ॥ ह्मअधन्यएपीतासमोरे ॥ सू० ॥ करतोपरउपगार ॥ पु० ॥ बोल्योकरीपरणामनेंरे ॥सू०॥धन्यमाहरोअवतार ॥ ३॥पु०॥ तुमद रिसणदिठुंजिणेरे ॥ सू० ॥ मानीतूमचीसीष ॥ पु० ॥ पामीसूरतरुपरगडोरे॥ ॥ सू० ॥ कुंणमागेंनरसीष ॥ ४ ॥ पु० ॥ करूंहवेमुज्झकुलसारिषुंरे ॥ सू० ॥ मुंक्योअलछेआज ॥ पु० ॥ तुमप्रसावेंसफलकरूंरे ॥ सू० ॥ तूम्हउपदेशम हाराज ॥ ५ ॥ पु० ॥ तुम्हनेंमिलस्यूंप्रवग्नरेरे ॥ सू० ॥ सह्मनइंमजणाय ॥ ॥ पु० ॥ ढालत्रीजीचोथारवंडनीरे ॥ सू० ॥ पद्मविजयगवराय ॥६ ॥ पु०॥

॥ दुहा ॥ महेश्वरदत्तचिंतेमनें ॥ लषमीविणनहीलाज ॥ कीरतीपणिनवीको करे ॥ सजननहीसमाज ॥ ७ ॥ परउपगारनसंपजे ॥ तरीइंसायरतेण ॥ अ थवाजमजोरोअ्रती ॥ षेरुकरेषणेण ॥ ८ ॥ धर्मकरुंतिणेंधसमसी ॥ उत्तय लोकसुखथाय ॥ सारथवाहसूतहरषस्ये ॥ सांसलीएसूखदाय ॥ ए ॥ इंम चिंतीनेंआदरे ॥ कापालीकव्रतकार ॥ जोगीश्वरनामेंजिके ॥ तिणीपासेंव्रत सार ॥१०॥ ढाल ॥ देशीनारायणानी ॥ नंदनेंधनसिरीआगलेंरे ॥ साषेंनीज असीप्रायरे ॥ साजनीआ ॥ तवतेकहेसूणोसाहेबारे ॥ नविकरीइंअंतरायरे॥ ॥११॥ सा० ॥ कर्मकर्यांछुटेनहीरे ॥ तुममनश्छितकीजीइंरे ॥ अम्हेतूम्ह आणाकाररे ॥सा० ॥ तवसवीसांभ्मयस्यांहवेंरे ॥ परतिरगांमीश्वाररें ॥ सा० ॥ ॥१२॥ क० ॥जिहाजगवेषीनेंसस्युंरे ॥ तवनंदनेंकहेनारिरे ॥ सा० ॥ मारी इंआपणएहनेंरे ॥ जईइंबिजेठाररे ॥ सा० १३ ॥ क० ॥ पापिणीनीसूणीवा तमीरे ॥ बोल्योसज्जननंदरे ॥ सा० ॥ अहोएहवुंमतसाषजेरे ॥ एहतोसूरत रूकंदरे ॥ सा ॥ १४ ॥ क० ॥ एहतेस्वामीआपणोरे ॥ तूम्हउपरिबहुरागरे॥ सा० ॥ मायावीनहीएकदारे ॥ एमोहटोवमसागरे ॥ सा० ॥ १५ ॥ क० ॥ सूपनेंपणिमतचिंतवोरे ॥ एहनीविरूइवातरे ॥ सा० ॥ तवचिंतेतेसूंषणीरे ॥ एहतोनकरेघातरे ॥ सा० ॥ १६ ॥ क० ॥ कोयउपायकरीमारस्यूंरे ॥ एह नेंहुनिजहाथरे ॥ सा० ॥ नागदत्तापरीव्राजीकारे ॥ मेलकर्योतेसाथिरे ॥ ॥ सा० ॥ १७ ॥क०॥ दुःखपामीकालांतरेंरे ॥ मरणलहेएउपायरे ॥ सा० ॥ कामणयोगसिखितीहारे ॥ हिणाअध्यवशायरे॥ सा०॥ १८ ॥क० ॥ जि हाजतयारकर्युंहवइंरे ॥ सांभ्मसर्यांतिअपाररे ॥ सा० ॥ रूमेलगनेंकरीनीक ल्यारे ॥ आव्याजलधीकनारिरे ॥ सा० ॥ १९ ॥ क० ॥ शायरनीपुजाकरी रे ॥ दिधांदानअनेकरे ॥ सा० ॥ यानपात्रपुजाकरीरे ॥ बेठाघरीयविवेकरे॥ ॥ सा० ॥ २० ॥ क० ॥ नांगरहवइंउपम्मावीआंरें ॥ पुर्योसढपवणेणरे ॥ ॥ सा० ॥ चाल्युंवाहणवेगस्यूंरे ॥ वरणव्युंजाइंकेण ॥ सा० ॥ २१ ॥ क०॥ नक्रचक्रकछसघणारे ॥ मगरनेंपाठीनपीठरे ॥ सा० ॥ जलचरतीहांबहुजा

तिनारे ॥ सऊइंनयणेंदिठरे ॥ सा० ॥ २२ ॥ क० ॥ कामणकिधुंइंणिसमेरे
सापिणिपापणीनारिरे ॥ सा० ॥ थोमादिनमाहिंयस्योरे ॥ रोगतणेंतेवीकाररे ॥
॥ सा० ॥ २३ ॥ क० ॥ कांयउपायकस्योनहीरे ॥ व्याध्योअतीघणव्याधी
रे ॥ सा० ॥ हाथसूकाजीमदोरमीरे ॥ जलोदरवधीउंअगाधरे ॥ सा० ॥२४॥
॥ क० ॥ वदनसूजीयधुंतुंबमूंरे ॥ जंघाउगलीजायरे ॥ सा० ॥ करपदफाटा
तेहनारे ॥ सोजनरुचीनवीथायरे ॥ सा० ॥ २५ ॥ क० ॥ तरषानीपीमाघणी
रे ॥ पेटमांनटकेनीररे ॥ सा० ॥ खेदकरीधनचिंतवेरे ॥ एहअकालेंपीररे ॥
॥ सा० ॥ २६ ॥ क० ॥ अथवापापविलाशनोरे ॥ कालतणोनहींनीमरे ॥
॥ सा० ॥ स्यूंकरीइंइणअवशररे ॥ कोईमिलेनहकीमरे ॥ सा० ॥ २७ ॥ क०
परिजनदूहवाइंघणोरे ॥ धनसिरीकरेउदवेगरे ॥सा० ॥ मुखकमलायुंनंदनुंरे
करूंमंपाअतिवेगरे ॥ सा० ॥ २८ ॥ क० ॥ इमकरतांसऊडखधररे ॥ वली
कायरनुंएकामरे ॥ सा० ॥ षेदनकरवोआपदारे ॥ तिणेवलीचिंतेआमरे ॥
॥ सा० ॥ २९ ॥ क० ॥ एहउचीत्तठेमाहररे ॥ आव्युंएपरकूलरे ॥ सा० ॥
द्रव्यघणोकरूनंदनेंरे ॥ एहिवणांअनुंकुलरे ॥ सा० ॥ ३० ॥ क० ॥ विधी
विलासविचित्रठेरे ॥ निपजस्येकिस्यूंकालीरे ॥ सा० ॥ नंदतेमुझसाईसमो
रे ॥ सूपुंसऊइंसंसालिरे ॥ सा० ॥ ३१ ॥ क० ॥ धनसिरीसुपुंएहनेंरे ॥ पो
चामस्येंमुझगेहरे ॥ सा०॥ चिंतवीनंदबोलावीउरे ॥ घणसिरीपणिससनेहरे ॥
॥सा०॥३२ ॥क०॥ नंदसूणोमुझवातमीरे ॥ म्हारीअवस्थाएहरे ॥ सा०॥ ई
ठितकूलपणिढूकमुंरे ॥ जिवितविजलीरेहरे ॥ सा० ॥ ३३ ॥ क० ॥ अलस
रिषाजेरोगीआरे॥ तेहनेंतोसूविसेसरे ॥सा०॥ द्रव्यनायकतुम्हेआजथीरे॥जो
ग्यनहीकोईसेशरे ॥ सा० ॥ ३४ ॥ क० ॥ एहआयरपारिउतरीरे ॥ कर
ज्योरोगउपायरे ॥ सा० ॥ जोजास्येतोरुअमुंरे ॥ जोकदीरोगनजायरे ॥
॥ सा० ॥ ३५ ॥ क० ॥ तोमुझसाईनाम्हेहथीरे ॥ पोहचावज्योसऊगमिरे ॥
॥ सा० ॥ घनसिरिएपतीवठलारे ॥ तातनेसूंपज्योतामरे ॥ सा०॥३६ ॥क०॥
सूंदरीसूणोएनंदनेंरे ॥ टालीपापविकाररे ॥ सा० ॥ मुझपरिंजाणज्येएहनुंरे॥

वयणनलोपज्येसाररे ॥ सा० ॥ ३७ ॥ क० तेहसूणीबहुडुखधरेरे ॥ रोयोमुं कीपोकरे ॥ सा० ॥ ३८ ॥ धणसिरीपणिकपटेंरुइरे ॥ धनकहेनकरोशोक रे ॥ सा० ॥ ३९ ॥ क० ॥ नहीअवसरएविषादनोरे ॥ अवसरउचितविचार रे ॥ सा० ॥ क्लीवपणुंकीमआदरोरे ॥ आदरोपुरुषाकाररे ॥ सा० ॥ ४० ॥ ॥ क० ॥ राजधानीरमणीरीदेरे ॥ करतोजेनीतशोकरे ॥ सा० ॥ तेहतजोतू म्हेंसूंदरीरे ॥ हवेविलवोमतफोकरे ॥ सा० ॥ ४१ ॥ क० ॥ पुरुषनारीतेहज षरीरे ॥ जांणेंकालअकालरे ॥ सा० ॥ उद्यमेंआपदलंघीइरे ॥ पांमीइऋद्धीवी शालरे ॥ सा० ॥ ४२ ॥ क० ॥ धनशीखाअंगीकरीरे ॥ मांन्युंनंदएहरे ॥ ॥ सा० ॥ महाकष्टाहथीपेंगयारे ॥ कुसलेषेंमेंतेहरे ॥ सा० ॥ ४३ ॥ क० ॥ चोथीचोथाखंडमांरे ॥ साषीउत्तमढालरे ॥ सा० ॥ समरादीत्यनारासमांरे ॥ पद्मकहेसूरशालरे ॥ सा० ॥ ४४ ॥ क० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ दुहा ॥ नंदलेइहवेसेठणं ॥ आव्योनरपतीपाय ॥ राइंबहुआदरदिउ ॥ आ प्योरहेवाठाय ॥ ४५ ॥ सांझउतारथांसलीपरें ॥ वैद्यबोलाव्यावार ॥ औषधसे षजआदरें ॥ किधाकोडीप्रकार ॥ ४६ ॥ व्याधीगयोनहीवेगलो ॥ तवचिंते तिहानंद ॥ निजदेशेंपोहतावीना ॥ किमजाइडुखकंद ॥ ४७ ॥ कालक्षेपक रवोनही ॥ इमचिंतवतोएह ॥ सांझवेचीप्रतीसांभले ॥ जानपात्रसजेजेह ॥ ४८ ॥ सूपतीनेंमीलीउतलो ॥ तेपणिकरेसतकार ॥ निजदेशेंजावातणी ॥ तूरततेथ यातयार ॥ ४९ ॥ ढाल ॥ नदिजमुंनांकेतीरउडेदोयपंषीआरे ॥ उडे० ॥ एदे शी ॥ वेगवाहणमांहिकेजलकौतूकजुइरेके ॥ जल० ॥ धननेंजीवतोदेषीके धनसीरीमनरूइरेके ॥ धन० ॥ मरणलह्योनहीएहकेचित्तइमचिंतवेरेके ॥ चि त० ॥ पोहताजबनिजदेशकेतबपछेंकिमहुवेरेके ॥ त० ॥ ५० ॥ जीवतोसा लसमानकेएमुझनीतदहइरेके ॥ एमु० ॥ नाषुंसायरमांहिकेतोमनसूखलहेरे के ॥ तो० ॥ उठेशौचनीमित्तकेरयणीइएजदारेके ॥ रय० ॥ अंधकारमांए हकेनाषुंऊंडतदारेके ॥ नांषुं० ॥ ५१ ॥ वाहणचपलस्वभावकेकिहांइवहीजस्येरेके ॥ किहां० ॥ एपिणमाहरेनंदकेथीरसावेथस्येरेके ॥ थिर० ॥ चितवीए

हउपायकेतिमनीपजावीउरेके ॥ तिम० ॥ रातिप्रहररहीसेषकेतवएहता
वीउरेके ॥ तव० ॥ ५२ ॥ कालथोमोरहीतामकेबुंबारवकरयोरेके ॥ बुंबा०॥
नंदउठीकहेइमकेस्वामीनीथरहस्योरेके ॥ स्वा० ॥ आमतीऋदयसडककेअ
तीआयरोवतीरेके ॥ अ० ॥ हाआर्यपुत्रसणंतीकेधरणीइंसोवतीरेके ॥ धर०॥
॥ ५३ ॥ नंदआंकालहीजामकेधनआय्याजुइरेके ॥ धन० ॥ तबनवीदीठातेह
केपुठतोबऊरुइरेके ॥ पुठ०॥ कहेधणसीरीपरमादेंकेंपमीआशायरेरेकें ॥प०॥
पमवामाम्युंनंदेकेंऋदयथीकायरेरेके ॥ ऋद० ॥ ५४ ॥ परिजनसर्वमिली
धरीराष्योबऊपरेरेके ॥ रा० ॥ वाहणरषाव्युंतिणसमेषोलितेबऊकरीरेके ॥ षो
लि० ॥ प्रातसमेउपमावीआंनांगरडकधरीरेके ॥ नांग० ॥ सऊननंदआमांन
केंकोईनुंनहीचरीरेके ॥ कोई० ॥ ५५ ॥ डुर्जनधनसीरीजोमिकेजगमांनवी
जमेरेके ॥ जग० ॥ चित्तथीहर्षउमाहकेबाहिरइमरमेरेके ॥ बा० ॥ हवेधन
कूमरतेजेहकेपमोआजेतलेरेके ॥ पमो० ॥ फलकलहेएकतेहकेपुण्यथीते
तलेरेके ॥ पु० ॥ ५६ ॥ सातरातीरहित्यांहिकेंकांठेनीकल्योरेके ॥ कांठे० ॥
लवणनीरसेवनथीकेपेटमांषलसल्योरेके ॥ पेट० ॥ कांमणनीकल्यांतामके
पुण्यउदयथयोरेके ॥ पु० ॥ जनमथयोफिरीमुऊकेइंणिपरिमनतयोरेके ॥
॥ इणी ॥ ५७ ॥ तिमिरपादपनेंपासकेबेठोचिंतवेरेके ॥ बेठो० ॥ अहोएहमा
यावऊलकेस्यूंकस्युंकैतवेरेके ॥ स्यूंक० ॥ अहोनीरदयपणंनारिकेवयरके
हेवुंवहेरेके ॥ वय० ॥ अहोमुखिमीठीएहकेकुलषंपणलहेरेके ॥कुल०॥५८॥
॥ यतः० ॥ अनृतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ अशौचंनिर्दयत्वंच ॥
स्त्रीणांदोषाःस्वभावजाः ॥१॥ जलमज्झेमछिपयं ॥ आगासेपषीआणपयपंती॥
महिलाहिययाणमग्गो ॥ तिन्निविविरलापयासंती ॥ २॥ यतःसवैउ ॥ कबऊं
विनीतामऊवाचवदे ॥ कबऊंतिनसूंकटुवाचकहे ॥ कबऊंमनरंगविरंगधरे ॥
कबऊजवीरागीनऊईरहे ॥ कबऊंइंकबोलसहेनसलो ॥ कबऊंकटुबोलअनेक
सहे ॥ मुनीधन्नकहेजगदिशविना ॥ त्रियकीकरनीकहोकोनलहे॥१॥ कबऊं
जषुसीबिषुसीमनमें॥बऊसांतीकपटकरेतरुनी॥ कबऊजदयारउदारचितें॥ क

बडंलडंचित्तहोईलरनो ॥ कबडंसबजानअजानहोवे ॥ कबडंदगनीरझरेझ
रनी ॥ मुनीधन्नकहेजगदीशावीना ॥ कहोकोनलहेत्रीयकीकरनी ॥ २ ॥ का
लपूर्वनी ॥ कीधोएव्यवशायकेकहोकारणकस्येरेके ॥ कहो० ॥ अथवावि
वेकरहीतकेकारणस्यूंहस्येरेके ॥ कार० ॥ दोसनीवासनीमीत्तकेएसाहसत
णंरेके ॥ एसा०॥ कपटनीउतपत्तीएहकेषेत्रमृषासणंरेके ॥ षेत्र० ॥ ५९ ॥
उन्मारगनुंद्वारकेआपदगेहछेरेके ॥ आप० ॥ नरकसोपाननेस्वर्गनीअर्गलाए
हछेरेके ।अर्ग०।अहवाएहवीचारकेकरणसमयनहीरेके।कर०॥ हमणांउद्य
मसाधकेकरेमाहरूंसहीरेके ॥माह०॥६० ॥ वस्तुअतीतनीचिंतकेमुझनेंनवी
घटेरेके ॥ मुझ० ॥ उठ्योईमअवधारिकेचाल्योशायरतटेरेके ॥ चाल्यो ॥
इणिअवशरिशावडिकेनयरीनोधणीरेके ॥ नय० ॥सिंहलद्वीपेंजायकेदीकरी
तेहतणीरेके ॥ दिक० ॥ ६१ ॥ वाहणसागुंतासकेदाशीतेहनीरेके ॥ दासी ॥
मरणलहीतेचेटीकेकांतिघणदेहनीरेके ॥ कां० ॥ काठेंकाढीकल्लोलेकेंदीठीति
णसमेंरेके ॥ दीठी० ॥ रयणावलीतसडेहमेंकेदिठंमनगमेंरेके॥दीठं०॥६२॥
तिलोकशारानामकेहारतणंलहूंरेके ॥ हार० ॥ लेवीघटेनहीमुझकेईममन
अटकलूंरेके ॥ ईम० ॥ पणिईणिव्यवशायकेकरीनेंआपस्यूंरेके ॥ करी० ॥
वारंवारउद्देशेकेशूलपरिवयापस्यूंरेके ॥ शूल०॥ ६३॥ लीधीरयणावलीतेहके
चाल्योतबमल्योरेके ॥ चा० ॥ महेसरदत्तकपालिकेकूमरनेंअटकल्योरेके ॥
कूम० ॥ सायरकांठेंमंत्रकेशाधनतेकरेरेके ॥ साध० ॥ रेसडवाहसूततूझ
केआववुंईणिपरेरेके ॥ आ० ॥ ६४ ॥ एहअवस्थातूझकेदेषीडःखदिईरेके॥
॥ दे० ॥ घरडिन्नवीकडंईमकेकुमरचिंतेहईरेके ॥ कु० ॥ कहेमुझसागुंजी
हाजकेसयणविजोगीउरेके ॥ सय० ॥ तिणेंईअवस्थाईमकेवलीतनुंरोगीउरे
के ॥ वली० ॥ ६५ ॥ कहेकापालीकतामकेएविधीवक्रछेरेके ॥ ए० ॥ चंच
ललषमीअनीत्यकेशंसारचक्रछेरेके ॥ सं० ॥ कलपवृक्षसमतूझकेआपदएह
वीरेके ॥ आ० ॥ तोपामरजनअन्यकेवाततेकेहवीरेके ॥ वा० ॥ ६६ ॥
पणिसूणिवातएमुझकेरूदयकठीनकरोरेके ॥ रू० ॥ ईणसमेसयणकेदूष्टनो

आवेपदंतरोरेके ॥ आ० ॥ साम्यतणीइमषबरकेनिःसंशयपभरेके ॥ निःसं ॥
अगरसुगंधनीषबरकेअनलेजबचढेरेके ॥ अन० ॥ ६७ ॥ इमएहआपद
जाणोकेबऊउपगारणीरेके ॥ बऊ० ॥ पणिहवेथोमोकालकेतूकसहचारणीरे
के ॥ तूक० ॥ लक्षणताहरांदेषिकेजाणिइंइणिपरेरेके ॥ जाणी० ॥ साधारण
तुकउरककेमुकसंपदपरेरेके ॥ मुक०॥६८॥ तजीउधणकणसंगकेस्युंतुकउ
पगररेके ॥ स्युं० ॥ पठितसीद्धदेउंमंत्रकेतूकनेंहीतकरुरेके ॥ तूक० ॥ तक्ष
कजातीनासर्पकेतसपणिविषहरेरेके ॥ तस०॥ एपिणहोयकेमंत्रबऊनेंसुषक
रेरेके ॥ बऊ० ॥ ६९ ॥ चिंतेधनकुमारकेमुनीउपगारीओरेके ॥ मुनी० ॥
करीमुकनेंशूलदृष्टिकेमुकनेंतारीउरेके ॥ मुक० ॥ कहोकेमलेउंमंत्रकेविण
कांयउपगरेरेके ॥ वि० ॥ धनकहेमंत्रनादेवकेगृहीनेंउरककरेरेके ॥ गृ० ॥
॥ ७० ॥ तवकापालीकबोलेकेनहीमंत्रआकरोरेके ॥ नही० ॥ धनकहेनही
मुककामकेमुककिरपाकरोरेके ॥ मुक० ॥ पांचमीचोथेखंमेकेढालएमनध
रोरेके ॥ढाल०॥ पद्मकहेउपगारकेइणिपरेंसऊकरोरेके ॥ इंणि०॥७१ ॥दुहा॥
महेसरदत्तमनथकी ॥ चिंतेइमविचार ॥ इणेमुकनेंनवीउलष्यो ॥ नलिइंतिणें
निरधार ॥ ७२॥ इमकहीप्रगटकह्युंइणिं ॥ सूणिसऊवाहसूजांण ॥ जुवटीउंमु
कजाणजे ॥ पुरवएपंहीचाण ॥ ७३ ॥ अवरविकल्पनआदरो ॥ मंत्रएल्यो
महाराज ॥ नहितरपीमामुकघणी ॥ उपजस्येसूणिआज ॥ ७४ ॥ सघलुंते
संसारीनें ॥ चितमांकरेविचार ॥ एहनेंपीमाउपजे ॥ तिणेंएलेउंतयार ॥ ७५॥
कुमरकहेकिरपाकरो ॥ तवदिधोतिणेंमंत ॥ लिधोतवलाजेंकरी ॥ गयातपव
नएगंत ॥ ७६ ॥ खाधांफणसादिकखरां ॥ एकदिनरह्याउगाह ॥ प्रणमीबऊ
लेप्रेमस्यूं ॥ चाल्योनिजघरिचाह ॥ ७७ ॥ रतनावलीराषेगुपत ॥ जाइआ
गलजांम ॥ सावत्रीनेंपरिसरें ॥ मारगपोहोतोताम ॥ ७८ ॥ ढाल ॥ लालसूरं
गारेप्राणीआ ॥ एदेशी ॥ विचारधवलतीहांराजीउ ॥ फाम्योतासतंत्ररे॥ चो
रेंचोरीकरतांथकां ॥ पकम्लोकतिवाररे ॥ जोगीजंगमजाररें ॥ कमीकापमी
नीरधाररे ॥ ल्यावेमंत्रीनेंद्वाररे ॥ ७९ ॥ कर्मनछूटेरेआतमा ॥ मंत्रितेहनीपरी

व्याकरी ॥ मुंकीदीइंततकालरे ॥ धनतेसांभलीवाततनें ॥ वलीउतिणहीजतालरे ॥
चोकीपुरसइंनीहालरे ॥ जातांपकड्योसंसालरे ॥ उपनीमनमांतेफालरे ॥८०॥
॥ कर्म० ॥ कहेसदकिहांथीआव्यातुम्हे ॥ तवबोल्योतेहइमरे ॥ सूसमनयर
थीआवीउ ॥ कहेकिहांजावानोप्रेमरे ॥ आगेंगयाऊंताजेमरे ॥ पाछाजास्यूं
घरितेमरे ॥ मुझपकड्यातुम्हेकेमरे ॥ ८१ ॥ कर्म० ॥ रायविचारधवलघरे ॥
चोरीचोरेंतेंकीधरे ॥ तिणेंअमजोवानेंमुंकीआ॥ बिजांकामनिषेधरे ॥ अमनें
आणाएदिधरे ॥ तुम्हेतोपुण्यथीइद्धरे॥ पणिपकड्याइंणिविधरे॥८२॥कर्म०॥
मंत्रीपासेंचालोतुम्हे ॥ कोपनकरस्योनिजचित्तरे ॥ धनकहेदोषनम्हेंकर्यो॥
ऊंस्येआवुंकहोमीत्तरे ॥ तवतेकहेकऊंहितरे॥अम्हेआणाकारीनितरे ॥ अव
श्यजवानीछेरितीरे॥८३॥कर्म०॥विणइछापणिचालीउ॥दिठेमंत्रीइंतेहरे॥पुछे
कीहांथीआव्यातुम्हे॥ पुरवनीपरेंएहरे॥वातकहीसवीजेहरे ॥ मंत्रीकहेतूझदे
हरे॥संवलपासेंछेकेहरे ॥८४॥क०॥तवतेहलोभअज्ञानथी॥बोल्याविगरवीचार
रे॥मुझपासेंतोकांईनथी॥ मंत्रिसाषेतिवाररे॥कहेजेहोयजेनिरधाररे॥ धनकहे
नहीफेरफाररे ॥ जुठनोइहांनहीचाररे ॥ ८५॥क० ॥ मंत्रिसरकहेजाउसूखें॥
तवजातांघरबारिरे ॥ घोटकशालानेंघोम्हले ॥ ताएयुंवस्त्रजेशाररे॥फाटुंतेहजी
वाररे ॥ मालापमीअतिवाररे ॥ समरीषीश्रेणिधारिरे ॥ ८६ ॥ क०॥ दीठेमं
त्रीइंतेतले ॥ लिघोरयणावलीहाररे॥उलषीमनमांरेंचितवे॥ राजघूआथयोमा
ररे ॥ पुछेहारअधीकाररे॥ तवलज्जामनधारिरे॥बोलेधन्नकूमाररे॥८७॥क०॥
महाकम्माहथीपेंगयो ॥ जिहाजेंबइशीनेंजछरे ॥ लीधीरयणावलीमुलथी ॥ पा
छांवलतांमुझतछरे ॥ जिहाजसागुंगयोअछरे ॥ एकरयणावलीहछरे ॥ निक
ल्योआव्योऊंइछरे ॥ ८८ ॥ क० ॥ तुम्हेक्यारेलीधीमूलथी ॥ तवबोल्योधन
वाणिरे ॥ एकवरसमुझनेंथयुं ॥ मंत्रीचिंतेमूजाणरे॥ लिधीआपणेंगुणषाणि
रे ॥ मासत्रणिथयाताणरे ॥ दिधीकूमरीनेंपाणिरे ॥ ८९ ॥ क० ॥ बेमासग
यांथयातेहनें ॥ एतोबोलेंछेइंमरे ॥ वातकहोएहकिममले ॥ बोलेजुठुंएनेमरे॥
कुमरीमारीएणेएमरे॥कहुंनृपनेंथयुंजेमरे॥नृपक्रोधेंथयोसैमरे ॥ ९० ॥क०॥

रयणावलीजोईसूपती॥तेम्ह्योसंमारीजांमरे॥ तिणेंकह्युंएहतेआपणी॥चिंतेसूपत्त्वामरे ॥ मारीकुमरीनेंठामरे ॥ नहीतोएकीमआमरे ॥ क्रोधघणोथयोतामरे ॥ पणिन्याईअसीरामरे ॥ ९१ ॥ क० ॥ वारें २ पुठावीउं ॥ पणिनवीकहेफेर फाररे ॥ तेहनोतेहउत्तरदिइं॥ चढिउक्रोधअपाररे ॥ इकमकरयोवधत्यारे॥ झिझिमवाजेअसाररे ॥ चोपमीकामिसठाररे ॥ ९२ ॥ कर्म०॥ लोकजणावण कारणें ॥ साथेंराषीतेमालरे ॥ वधथानिकलेईजायतां ॥ हाटिसेरीसूवीचालरे॥ मालतेमांसनीहालरे ॥ लावकपंषीतिणतालरे॥हारलेईचाल्योततकालरे ॥९३॥ ॥ कर्म० ॥निजमालामांमालाधरी ॥ हवेधनकुमरमत्राणरे ॥ लाव्यातिहांवध कारणें ॥बोलाव्योतिहांपाणरे॥चंमालपामेसमसाणरे॥राजपुरुषेंजमराणरे ॥ सूं पीवलीआतेठाणरे ॥९४॥ कर्म०॥ थोमीसूमीतेलेईगयो ॥ जोयुंतासनीहालरे॥ एहवुंरुपनेंआकृती ॥ दिसेपुंण्यवीशालरे ॥ करेनअकारजबालरे ॥ किममा रूंअकालरे ॥ इंणिपरेंचिंतेचंमालरे ॥ ९५ ॥ कर्म० ॥ अथवाआणाकारीअ छे ॥ इमविचारेस्यूंथायरे ॥कहेसाईवेसितूंसमीपरे ॥ हवेतूंकआवीउंआयरे॥ सांसलिवाततूंसायरे ॥ मुझश्रावकमीत्रथायरे ॥ तासंसंगतीसूखदायरे ॥ ॥ ९६ ॥ क० ॥ क्रूरदृष्टीनहीमाहरी ॥ पणिचाकरथयारायरे॥तिणेंअम्हेवि नव्योरायनें ॥ मारीइंजेहनेंजायरे॥शुसपरिणामीजोथायरे॥ तोसदगतीमाहि जायरे ॥ तिणेंमारस्यूंपमझायरे ॥ ९७ ॥ क० ॥ एकमुझउत्तपमखीकरी॥ प ठेंकरस्यूंतुम्हआणरे ॥ राइपत्रायअम्हनेंकरयो ॥ तिणेंतुंबोलिसूजाणरे ॥ क हेतेकरीइंविन्नाणरे ॥ धनचिंतेअहोपाणरे ॥ किणीपरेंबोलेठेवाणिरे ॥ ९८ ॥ क०॥चोथेपंमेठठीकही ॥ इंणिपरेंउत्तमढालरे ॥ पद्मविजयेंसोहामणी॥ उत्त मविजयनोबालरे ॥ उत्तमजननोएढालरे ॥ सांसलोवातरसालरे ॥ सूणतांमं गलमालरे ॥ ९९ ॥ क० ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥

॥ दुहा ॥ चिंतेधनइंमचित्तमां ॥ परउपगारीपाण ॥ अनुंकंपाजुउआकरी ॥ संगतीफलअसमाण ॥ २०० ॥ सज्जनसंगतिसेवीइं ॥ कूमतीमोहकरेडर ॥ नि तीवीवेकनवनवहोइं ॥ पुण्यतणोहोयपुर ॥ १ ॥ श्रावकनीसंगेसरव ॥

किमएकर्मचंमाल ॥ जातिचंमालएजाणीइं ॥ केहवुंदरीसअकाल ॥ २ ॥
निश्वासोहवेनांषीने ॥ बोलेइंणीपरेंबोल ॥ रायआसनकरितूंसुखें ॥ करवुंनही
कांईतोल ॥ ३ ॥ धीरजदेखीधनतणुं ॥ परषीपुरुषप्रस्ताव ॥ निरअपरा
धीनरअछे ॥ पणिमारणप्रस्ताव ॥४॥ चतुरचंमालगदगदचवे॥ आंसूमेंसरीआं
षि ॥ इष्टदेवसंभारीइं ॥ षेदतेडारिनाषि ॥ ५ ॥ धरजेध्यांनतुंधरमनुं ॥ सनमु
खकरजेसग्ग ॥ धनचिंतेधिगमाहरो ॥ जनमगयोइणिजग्ग ॥६॥ जमजीहा
सरिषीजुउ ॥ काढीइंणिकरवाल ॥ वाहीनिजकरइसीवली ॥ वचनकहेविक
राल ॥ ७ ॥ ढाल ॥ नणदलबिंदलीयै ॥ एदेशी ॥ सूणज्योसज्जलोकावांणी ॥
रायकुमरीवंचीइंणिप्राणीहो ॥ सूणज्योसज्जलोका ॥ तिलोकसाररयणमाला
अपहरीईणिथईजजमालाहो ॥ ८ ॥ सूणज्योसज्जलोका ॥ तिणेएहतेमारयोजा
इं ॥ इमजेकरस्येतसथायहो ॥ सू० ॥ वाहिइंमकहीकरवाल ॥ करुणाशून्य
सावविशालहो ॥ ९ ॥ सू० ॥ नवीलागोतेहप्रहार ॥ पम्योप्रथवीउपरित्यार
हो ॥ सू० ॥ करवालत्रुटिततकाल ॥ धनकूमरकहेसूरसालहो ॥ १० ॥ सू०
करिआणितुंसूपतीकेरी ॥ तूंचाकरस्यूंकज्जंफेरीहो ॥ सु० ॥ नकरीसकुंतूंमप
रघाय ॥ चंमालकहेसूणिसायहो ॥११॥ सू० ॥ कांयककरुंतूझउपगार ॥
तूंमुखथीसाषिप्रकारहो ॥ सू० ॥ इंणअवसररायनोपुत्र ॥ सूमंगलराषेघरसू
त्रहो ॥ १२ ॥ सू० ॥ गयोतेहउद्यानमझारि ॥ अहिडसीउंझेरअपारहो॥सू०
व्याप्यूंतेसघलेअंग ॥ थयोकाष्टपरेंतसरंगहो ॥ १३ ॥ सू० ॥ आण्योतेनरप
तीपासें ॥ गारुडीबोलाव्याउल्लासेंहो ॥ सू० ॥ आव्यातेदेषीतास ॥ गारुडीथ
यासर्वनिरासहो ॥ १४ ॥ सू० ॥ मंत्रउषधकीधांतेणें ॥ पणिगुणनथयोकां
यइणेंहो ॥ सू० ॥ राजालहीषेदवीचारे ॥ अचिंत्यशकतीनीरधारेंहो ॥ १५॥
॥ सू० ॥ सिद्धगारुडमंत्रकोहोय॥ आवीजीवाडेकोयहो॥ सू०॥ इंणिपरेंडंडी
मवजडावे ॥ कोईआवीकुमरजीवावेहो ॥ १६ ॥ सू० ॥ तेजेमांगेतेदिजें ॥
त्रिकचोकचाचरेवदीजेंहो ॥ सू० ॥ एकडंडीमफिरतोआयो ॥ जिहांधनव
धकेरोठायोहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ सूणज्योसद्ध्तेधनकुमारे ॥ कोईराजकुमरउ

गोरहो ॥ सू० ॥ तेहनेंमांगेतेआपे ॥ वलीप्राणजीवनतसथापेहो ॥ १८ ॥
॥ सू० ॥ कहेधनचंद्रालनेंइंम ॥ तुझआमहछेअतिप्रेमहो ॥ सू० ॥ तोएमुझ
किजेंकांम ॥ रायसूतसूमंगलनामहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ करम्योजेएहनेंसापा
जईजीवाडुंअंआपहो ॥ सू० ॥ पछेंमारज्योइंमसुंणीहरष्यो ॥ चंद्रालचित्तेंम
नसरिषोहो ॥ २० ॥ सू० ॥ जेनरपतीसूतजीवाडे ॥ तसनृपतीकीमदूःखप
माडेहो ॥ सू० ॥ सूपतीगुणनोपक्षपाती ॥ दाक्षीण्यसायरनहीघातीहो ॥सू०॥
॥ २१ ॥ एजिव्योहवेअथवाएह ॥ किमइंणिपरेंमरणलहेहहो ॥ सु० ॥ ते
पडहवादकनेंतेंम्यो ॥ कह्योसर्ववृत्तांतरहीनेंडोहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ तेकहेए
हसाचुंकेम ॥ तवधनबोल्याधरीप्रेमहो ॥ सू० ॥ छेमंत्रतोजालीमजोर ॥ पछे
साग्यफलेइंणेंठोरहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ एहमांनवीआपणंचाले ॥ पणिजोतुंए
मंत्रजोहालेहो ॥ सू० ॥ इमसांभलीसहुइंविचारे ॥ अहोगीरुउनिरहंकारेहो॥
॥ २४ ॥ सू० ॥ एनिश्चयकुमरजीवावे ॥ नरपतीपासेंलेईआवेहो ॥ सू० ॥
सूपनेंसवीवातसूणावे ॥ नृपदेषीइंणीपरेंसावेंहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ परद्रव्यलीइं
कीमएह ॥ आकृतीसौभाग्यनोगेहहो ॥ सू० ॥ करस्यूंपछेंवातविचार ॥ वि
षमागतीविषनीधारिहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ रोवंतोनरपतीबोले ॥ सहमस्तकतूम
चेंषोलेंहो ॥ सू० ॥ कहेधनमुंकोविषवाद ॥ जुउमंत्रशकतीअवीवादहो ॥
॥२७॥सू०॥ संसारेमंत्रसूजाण ॥ चिंतामणीमंत्रसमाणहो ॥सू०॥ निद्रामांथी
जीमजागे ॥ तिमबेठोथयोनृपसागेहो ॥२८॥सू० ॥ जसवादथयोठामि २ ॥
नृपपांम्योअतिविसरामहो ॥ सू० ॥ खंडचोथेएसातमीढाल ॥ कहीपद्म
विजयसूरशालहो ॥ २९ ॥सू० ॥ दुहा ॥ राइंकंदोरोदिउ ॥ अंतेउरेंआसरण
॥ वरसेंतिहांवारुपरें ॥ कोईकूंडलदीइंकर्ण ॥ ३० ॥ धरणीपतीनेंधनकहे
एस्यूंइंणिवार ॥ रायकहेवलीकहेअपर ॥ करीइंस्योउपंकार ॥ ३१ ॥ कहे
चंद्रालतेकिजीइं ॥ धनबोलेईमधन्न ॥ चिंतेरायअहोचरी ॥ अहोगुरुताएअ
गन्य ॥ ३२ ॥ कहोअकार्यएकीमकरें ॥ एहनेपुछूंआम॥ पुछिसअथवाझंप
छे ॥ करीएहनुंकांम ॥ ३३ ॥ पुछेकहेपडीहारनें ॥ कहोखपताहरेकांय ॥

पमीहोरेजईपुठीतं ॥ रेतूरुतूठेराय ॥ ३४ ॥ जिवाम्ब्योन्नपसूतजिऐं ॥ तुठो
अथवातेह ॥ खंगीलतूंखांतिकरी ॥ मागिवुगाठेमेह ॥ ३५ ॥ ढाल ॥ वारी
मोरासाहिबा ॥ एदेशी ॥ खंगिलचिंतेखांतिस्यूंहोराजि ॥ महापुरुषकोइएह॥
वारीमोरासाहिबा ॥ कामथयुंनररायनुंहोराजि॥ दिसेछेनिःसंदेह॥३६॥ वा०
पुछेकीमएजीविन्नाहोराजि ॥ तवबोलेप्रतिहार ॥वा० ॥ एहमांस्योत्नंदेहछेहो
राजि ॥ कांयकमांगउदार ॥ ३७ ॥ वा० ॥ बोल्योखंगीलहरषतोहोराज ॥
जोमुरुतूठेराय ॥ वा० ॥ तोएपापन्नाजीवीकाहोराज ॥ उत्तयलोकदूखंदा
य ॥ ३८ ॥ वा० ॥ तेहनीवारोमाहरीहोराज ॥ बोल्योतवप्रतिहार ॥ वा० ॥
स्युंमांग्युंएतेश्हांहोराज ॥ मागितूंद्रव्यविचार ॥ वा० ॥ ३९ ॥ खंगिलकहे
एउपरेंहोराज ॥ नहीकोईजगमांसार ॥ वा० ॥ सांभलीजईकह्युंरायनेहोराज
राईकिधविचार ॥ वा० ॥ ४० ॥ अहोविवेकअलोसताहोराज ॥ धनकहे
जातीचंमाल ॥ वा० ॥ कर्मचंमालनएहछेहोराज ॥ कहेतेकरोसूपाल ॥४१॥
॥ वा० ॥ रायकहेएनिपनुंहोराज ॥ पणिएहनेंनिजहाथ ॥ वा० ॥ लाषसोव
नआपोतुम्हेंहोराज ॥ तूम्हेअमचाथयानाथ ॥ ४२ ॥ वा० ॥ सहसचंमा
लकुटंबजिकेहोराज ॥ विंकवासीवलीजेह ॥ वा० ॥ पाटणपठीमबाहिरेंहो
राज ॥ अयगामिकरोतेह ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सज्जईतेनीपजावीउंहोराज ॥ राय
नेंवचनेंथाया॥वा०॥कांमममनेंदेवताकरेहोराज॥सेठतेधनखरचाया॥४४॥वा०॥
खंगीलहरष्योचित्तथीहोराज॥उगरयाधनकुमार॥वा०॥तेहवोधनेंहरष्योनही
होराज॥ सज्जनएहआचार॥ ४५॥वा० ॥रायकहेधननेंहवेहोराज॥देषीतूम्ह
चरीत्त॥वा०॥जाएयोजनमसलेकुलेंहोराज॥पणिसाषोसुपवीत्त॥४६॥वा०॥
किहांनावासीनांमस्यूंहोराज॥साषोउलषुंआज॥वा०॥ तवधनचित्तमांचितवे
होराज ॥ आणीअतीघणीलाज ॥ ४७ ॥ वा० ॥ म्हेंरयणावलीपारकीहोरा
ज ॥ लीधीतेसांसरीतांम ॥ वा० ॥ निश्वासोनांषीघणोहोराज ॥ चिंतेउत्तम
कूलआम ॥ ४८ ॥ वा० ॥ धनकहेस्यूंपुछेतूम्हेहोराज ॥ माहराकुलनीवात
॥ वा० ॥ महाअकार्यम्हेंकस्युंहोराज ॥ तेहनोस्योअवदात ॥वा०॥४९॥अ

अवाकुलनोदोषस्योहोराज ॥ कमलेंतेलषमीनीवास ॥ वा० ॥ तिहांपणिकीमो
वपजेहोराज ॥ पालकहरीकुलषास ॥ ५० ॥ वा० ॥ जातीमात्रेंऊंवाणीउंहो
राज ॥ पणिवाणिकनआचार ॥ वा० ॥ सूसमनयरवासीवलीहोराज ॥ नाम
तेधनकुमार ॥ ५१ ॥ वा० ॥ रायचिंतेधनऊंथयोहोराज ॥ एहवारतननोना
श ॥ वा० ॥ नकस्योम्हेंतिणेंकारणेंहोराज ॥ हवेकहेसूपतितास ॥ ५२ ॥
॥ वा० ॥ किस्यूंअकारयआचर्युंहोराज ॥ तेपरमारयसाषि ॥ वा० ॥ किम
रयणावलीपामीआहोराज ॥ ईणअवसरिसऊसाषि ॥ ५३ ॥ वा० ॥ उद्या
नपालीकानामथीहोराज ॥ मनोरमाअसीराम ॥ वा० ॥ अरजकहेतूमचीधूआ
होराज ॥ आवीवीनयवतीनांम ॥ ५४ ॥ वा० ॥ वातसूणीहरष्योघणहोरा
ज ॥ सेनालेईचतुरंग ॥ वा० ॥ पेशारामोहछवकरेहोराज ॥ वाध्योअतीउछ
रंग ॥ ५५ ॥ वा० ॥ घरिलावीनेंपुछीउंहोराज ॥ रयणावलीअवदात ॥
साकहेजीहाजमांचालतांहोराज ॥ प्रचंडवायरावात ॥ ५६ ॥ वा० ॥
दासीकरेम्हेंआपीउंहोराज ॥ रयणावलीतवहार ॥ वा० ॥ तिणीइंबां
ध्योछेमलेहोराज ॥ सायरमध्यमझारि ॥ ५७ ॥ वा० ॥ फुटुंजिहाजति
णेंसमेहोराज ॥ गुऊहृदयजिमनारि ॥ वा० ॥ दैवयोगेंएकपाटिउंहोराज ॥
पाम्युंजीवद्दातार ॥ ५८ ॥ वा० ॥ अनुंक्रमेंआवीऊंइंहांहोराज ॥ तवचिंते
नूपाल ॥ वा० ॥ उछवउपरेंआवीउंहोराज ॥ उछवएसूरसाल ॥ ५९ ॥ वा० ॥
पुत्रपुत्रीजीव्यांजुउंहोराज ॥ कूंअरगयोअपराध ॥ वा० ॥ पुण्यवसेंआवीमि
लेहोराज ॥ पामेसूखअगाध ॥ ६० ॥ वा० ॥ चोथेखंडेएकहीहोराज ॥ अ
चरीजआठमीढाल ॥ वा० ॥ श्रीगुरुउत्तमनोकहेहोराज ॥ पद्मतेवातरसाल
॥ ६१ ॥ वा० ॥ दूहा० ॥ रायकहेधणकूमरनें ॥ षरिकहोएखांति ॥ लिषी
किहांरयणावली ॥ साषोतेसलीसांति ॥ ६२ ॥ सायरतिरेंम्हेंसही ॥ धनकहे
म्हेंलीध ॥ नृपकहेशबदिउंकनें ॥ कुंअरेंहातवकीध ॥ ६३ ॥ तेहजकारणआ
तमा ॥ कऊंअकार्यकरनार ॥ पारकोद्रव्यमेंअपहरयो ॥ शोचकरूंसंसार ॥
॥ ६४ ॥ नपलेएहगृहस्थनें ॥ मनथीमुंकोषेद ॥ हवेस्यूंकरीइंतुम्हनें ॥ साषोते

हनोसेद ॥ ६५ ॥ मनवंछीतदिधुंमनें ॥ करयुंचंमालनुंकाम ॥ नृपकहेथोमाए
हने ॥ दिधाछेअमेंदाम ॥ ६६ ॥ कामविचारीएकरे ॥ एहनोबऊउपगार ॥
मांगितूंकांयकमुऊकनें ॥ तवबोल्योतेकुमार ॥ ६७ ॥ तुमदरीशणपाम्योती
के ॥ अधीकुंकांयनअन्य ॥ राजातवनीजआसरण ॥ आपतवऊअगन्य ॥
॥ ६८ ॥ हवेजेविस्वासीऊइं ॥ तेहपुरुषसंघात ॥ नयरसूसमस्तणीनरपत्ती ॥
पेसवीआप्रख्यात ॥ ६९ ॥ ढाल ॥ तुम्हेपिलांपीतांबरपहेरोजीमुखनेमरकं
लमे ॥ एदेशी ॥ हवेकेईकदिवसेंपोहोत्ताजी॥कर्मविटंबणा॥ गिरीथलपाटणस
महोताजी ॥ कर्म० ॥ तिहांचंमसेननररायजी ॥ क० ॥ तेहनासंमारमांथी
चोरीथायजी ॥ क० ॥ ७० ॥ षोलेकोटवालतेचोरजी ॥ क० ॥ त्रिकचोक
एकांतवलीगोरजी ॥ क० ॥ कमीकापमीजोगीसन्यासीजी ॥ क० ॥ परि
ष्याकरीदीइंस्याबासीजी ॥ क० ॥ ७१ ॥ रायपुरुषेंपकम्याएहजी ॥ क०॥
कहेकोपनकरस्योरेहजी ॥ क० ॥ चोरीथश्रायसंमारजी ॥ क० ॥ तिणेंप
कम्याछइंनीरधारजी ॥ क० ॥ ७२ ॥ तेकहेस्योकोपनोलागजी ॥ क० ॥
कहोतिहांजईइंदाषेमागजी ॥ क० ॥ पंचातिथाइंतिहांलावेजी ॥ क० ॥ चो
वटिआपुछेसावेंजी ॥ क० ॥७३॥ किहांथीआव्यातुम्हेसाईजी ॥ क० ॥ आ
व्यासावछीथीआंईजी ॥ क० ॥ पंचातीकहेकिहांजावोजी ॥ क० ॥ कहेसू
समनयरअमगवोजी ॥ ७४ ॥ क० ॥ पंचोलीकहेस्यूंकांमजी ॥ क० तव
तेनरबोल्याआमजी ॥ क० ॥ एकुमरनेंमुकवाकाजजी ॥ क० ॥ अमनरप
तीमोकल्यासाजजी ॥ क० ॥ ७५ ॥ कारणिआपुछेतासजी ॥ क० ॥ द्रव्य
कांयअछेतूम्हपासजी ॥ क० ॥ तवतेकहेछेअम्हपासेंजी ॥ क० ॥ कारणी
आकहेसूवीलासेंजी ॥ क० ॥ ७६ ॥ अम्नदेषामोहोयजेहजी ॥ क० ॥ त
वदेषाछेहोयतेहजी ॥ क० ॥ अम्नराजाइंतूसीनेंदीधांजी ॥ क० ॥ तवकार
णीइंकरलीधांजी॥ क० ७७॥ संमारीइंउलष्यांतेहजी ॥ क०॥ अम्हरायआतू
षणएहजी ॥ क० ॥ गयांकालबऊथयोएहनेंजी ॥ क० ॥ कोसनांथईतव
सऊकेहनेंजी ॥ क० ॥ ७८ ॥ कारणिआफिरि २ पुछेजी ॥ क० ॥ षरीवा

तकहोएस्यूंछेजी ॥ क० ॥ तेकहेषोटुंनवीकहीइंजी ॥ क० ॥ एहमांस्योज
सत्रम्हेलहीइंजी ॥ क० ॥ ७९ ॥ तवकारणिग्रानीजरायजी ॥ क० ॥ संत
लावेनृपदूखयायजी ॥ क० ॥ जुत्तसावद्धीनररायजी ॥ क० ॥ एचो
रनाथांगुथायजी ॥ क० ॥ ८० ॥ घाल्यासक्कबंदीषानेंजी ॥ क० ॥ सघलूंज
मस्येएव्यानेजी ॥ क० ॥ तिहांदूखपामेंरहेतेहजी ॥ क० ॥ इंणिसमेएकसू
णोथईजेहजी ॥ क० ॥ ८१ ॥ एकपरीव्राजकवेषधारीजी ॥ क० ॥ तसप
कमेंनृपग्राणाकारीजी ॥ क० ॥ चोस्युंतेद्रव्यवलीपासजी ॥ क० ॥ राति
समइंलाव्यातासजी ॥ ८२ ॥ क० ॥ लिंगधारीमंत्रीसरदेषीजी ॥ क० ॥ म
नचिंतेसर्वउवेषीजी ॥ क० ॥ चोरीकरेजोलिंगधारीजी ॥ क० ॥ स्यूंनकरेग्र
कार्यग्रवधारीजी ॥ क० ॥ ८३ ॥ तेकारणमारणग्राणाजी ॥ क० ॥ करता
रायपुरुषनेंराणाजी ॥ क० ॥ भिसगेरूविभूतिलगाईजी ॥ क० ॥ कणयरमाला
पहेराईजी ॥ क० ॥ ८४ ॥ त्रुटूंसूपमुंछत्रनेंगमजी ॥ क० ॥ रासलवेसाड्यो
वामजी ॥ क० ॥ भिंभिमवाजेग्रतीविरसोजी ॥ क० ॥ लोकसांसलीग्रावेस
रसोजी ॥ क० ॥ ८५ ॥ दक्षीणदिशनयरनेंबाहिरेंजी ॥ क० ॥ लाव्यानही
कोईएहनीवाहरेंजी ॥ क० ॥ तवनांषीदीर्घनीसासजी ॥ क० ॥ जोईग्रामुं
ग्रवलूंपासजी ॥ क० ॥ ८६ ॥ लोकनामुखसाहमुंजोईजी ॥ क० ॥ कहेमु
नीवचग्रलीकनहोईजी ॥ क० ॥ हमणांपणिजेहनुंद्रव्यजी ॥ क० ॥ तेहनुं
छंग्रापुंसर्वजी ॥ क० ॥ ८७ ॥ रखुंग्रथवीमांस्येलेषेजी ॥ क० ॥ नृपनरस
नमुखतेहदेषेजी ॥ क० ॥ म्हेंनयरतेमुस्युंएहजी ॥ क० ॥ बिजेपुरुषेंनही
रेहजी ॥ क० ॥ ८८ ॥ ग्रारामगिरिनदीतीरजी ॥ क० ॥ प्रमुखेंदाट्युंथईधी
रजी ॥ क० ॥ तेलेईसक्कसक्कनुंग्रापोजी ॥ क० ॥ पछेमारवामुझनेंथापोजी॥
॥ क० ॥ ८९ ॥ कहीतेहमंत्रीनेंवातजी ॥ क० ॥ मंत्रिपणतिहांग्रायातजी
॥ क० ॥ जेजेकह्युंतेतेथानजी ॥ क० ॥ जोईनीकल्युंतेप्रमाणजी ॥ क० ॥
॥ ९० ॥ सक्कहरष्याद्रव्यतेपामीजी ॥ क० ॥ चोथेंषंडेंग्रसीरामीजी ॥ क०॥
ढालनवमीपदमेंसाषीजी ॥ क० ॥ गुरुउत्तमविजयछेशाषीजी ॥ क०॥ ९१॥

॥ दुहा ॥ दीगेसरवेद्रव्यते ॥ विंणऋासएंनरदेंव ॥ चितामंत्रीचित्तथई ॥ ऋते
विपरीतएहेव ॥ ए२ ॥ कीमऋासरणबिजाकनें ॥ सबलोएसंदेह ॥ परिव्रा
जकनेंपायपमी ॥ तूरतजपुछेतेंह ॥ ए३ ॥ वेसस्वसावविरूधकिम ॥ विस्मय
कारीवात ॥ परिव्राजकबोल्योपछें ॥ वेगेंनीजऋवदात ॥ए४॥ विषयीनेंकहो
स्युंविरूध ॥ मंत्रीबोलेताम ॥ नहोईज्ञानीजेनरा ॥ करेतेंएहवांकांम ॥ ए५॥
पणितूम्मसरिषापुरुषनें ॥ नंघटेएहनीदान ॥ ऋवीतथमुऋनेंऋाषीइं ॥ महेर
करीमहेरवांन ॥ ए६ ॥ सावधांनथईनेंसुणो ॥ परीव्राजककहेप्रेम ॥ ऋाष्यो
ऋवधिज्ञानीइं ॥ मुलथकीतेनेम ॥ ए७ ॥ ढाल ॥ लालरंगावोवरनांमोलीऋां॥
एदेशी ॥ इणइंसरतेंपुंमरदेशमां ॥ पुंमरवरधनपुरनयरीनामेंरे ॥ सोमदेवनांमें
ब्राह्मणवशे ॥ ऋग्नीवेशायणगोत्रऋसीरामरे ॥ ए८ ॥ कर्स्याकर्मनबुंढेप्रा
णीऋा ॥ एऋांकणी ॥ तसपुत्रनारायणनामऋ ॥ हिशाईसरगतेसाषुरे ॥ ए
कचोरनेंमारवालेईजतां ॥ मारोचोरएऋंमुखिदाषुरे ॥ एए ॥ क० ॥ एकसा
धूईंतेवर्चसांसत्यूं ॥ ताजुंउपनुंऋवधीज्ञांनरे ॥ तेढकमेथीसूणीबोलीऋा ॥ ऋ
होकष्टजेजीवनेंऋज्ञानरे ॥१००॥ क० ॥ सूंणीचितामुऋनेंउपनी ॥ ऋहोशां
तस्वरूपीएहरे ॥ मुऋउद्देशीईंमसाषीउं ॥ जईपुछूंकारणतेहरे ॥ १ ॥ क०॥
म्हेंपायपमीनेंपुछीउं ॥ सगवन्नकहोस्यूंऋन्नाणरे ॥ तवमुनीकहेऋालजेदे
यवुं ॥ वलीविरुद्धउपदेशदाणरे ॥ २ ॥ क० ॥ म्हेंपुछ्युंऋालकिस्यूंकहो॥
वलीवीरुधस्योउपदेशरे ॥ मुनीकहेएकर्मवीपाकथी ॥ लह्योनरऋापदसुवी
शेषरे ॥ ३ ॥ क० ॥ एनिरऋपराधीपुरुषनें ॥ तुम्हेंचोरकहीनेंदाष्युंरे॥
एऋछतुंऋालपीमाकरे ॥ एहवुंबोलवुंनवीसाष्युंरे ॥ ४ ॥ क० ॥ ऋछतुंऋाल
तोनवीदीजाइं ॥ पणिचोरनेंचोरनकहीइरे ॥ वलिजीवघातेस्वर्गबोलतां ॥ वि
रुधउपदेशपणिलहिईरे ॥ ५ ॥ क० ॥ सघलेदर्शनमांसाषीउं ॥ जिवघातन
कीजेंप्राणीरे ॥ सुखसोसाग्यवलीऋारोगता ॥ जनमांतरेंहोईसुखषांणीरे ॥६॥
॥ क० ॥ यंतः ॥ सवेविजीवाइछंती ॥ जिवीउंनमरीज्जिउं ॥ तम्मापाणवहंघो
रं ॥ निग्गंथावज्जयंतिणं ॥ १ ॥ ऋायुदीर्घतरंवपुर्वरतरंगोत्रंगरीयस्तरं ॥ वि

त्तंसूरितरंबलंबज्ञतरंस्वामीत्वमुच्चैस्तरं ॥ आरोग्यंविगतांतरंत्रिजगतीश्लाघ्यं त्वमंत्स्येतरं ॥ संसारांबुनिधिकरोतिसुतरंचेतःकृपार्द्रांतरं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ जनमांतरेआलजेदिधलूं ॥ तेहनुंफलछेहजीशेसरे ॥ तेसोगववुंथोमाकालमां॥ आवस्येछदइंसुविशेसरे ॥ ७ ॥ क० ॥ तवपुछ्युंम्हेंप्रसूकेहवुं ॥ जनमांतरे दीधूंआलरे ॥ केहवुंतसफलमेंसोगव्यूं ॥ मुनीवरबोल्याकिरपालरे ॥ ८ ॥ ॥ क० ॥ इंणसरतेंउत्तरापंथमां ॥ पाटणनगरजनकनांमरे ॥ आसाढनामेंवा मवतिहां ॥ रहुआसारयाअसीरामरे ॥ ए ॥ क० ॥ पांचमेंसर्वेतेहनोसुतह तो ॥ चंद्रदेवताहरुंअसीधानरे ॥ शास्त्रसांसल्यांवेदपढावीउ ॥ तुमनेंउपनो अतीमानरे ॥ १० ॥ क० ॥ विरसेनराजातेनयरनो ॥ तिणेंआजीवीकाघणी आपीरे ॥ नितनृपनीपासेंबेसीरहे ॥ मनगमतीवातआलापीरे ॥ ११ ॥ क० ॥ इमकरतांएकदिनतिणपुरे ॥ विनीतसेठनीधूआरे ॥ तसनामतेवीरमतीअछे ॥ तेहनासीलआचारतेजआरे ॥ १२ ॥ क० ॥ अविवेकबहुलहोयनारीनें ॥ व लीदूर्जयमोहवषाण्योरे ॥ जौवनतेविकारनुंघरअछे ॥ तिणेंनीजकुलपणिन पिछाण्योरे ॥ १३ ॥ क० ॥ असीलाषयोग्यविषयकस्या ॥ नवीचारयोअना गतकालरे ॥ सीहलनांमेंमालीसमागमें ॥ रमतांबहुकाढतीकालरे ॥ १४ ॥ क० ॥ विरमतीनोपुज्यएकजांणीइं ॥ पालेंनीतनीजआचाररे ॥ परिव्राजकनामजो गातमा ॥ निःसंगपणुंवलीधारेरे ॥ १५ ॥ क० ॥ थाणेआगयोएकदिनहवे॥ लोकवादथयोइंमचावोरे ॥ जोगातमास्यूंविरमतिवली ॥ तेसांसल्योएहआ रावोरे ॥ १६ ॥ क० ॥ तेंपणिनीश्चयकरीराषीउं ॥ एकदिनराजकुलेंथइवा तेरे ॥ सहुलोककहेएकिमहस्ये ॥ तेंकह्युंएषरुंअवदातरे ॥ १७ ॥ क० ॥ ए हवातहुंजाणुंखुंषरी ॥ एहमांनहीकांयसंदेहरे ॥ निजकूलआचारलोपीकह्युं॥ तबरायकहेसुणीएहरे ॥ १८ ॥ क० ॥ निजनारिनोत्यागकरयोइणि ॥ तव उत्तरतेंइंमदिधोरे ॥ तेकारणपरस्त्रीखोलतां ॥ पापंमपणोतिणेंलीधोरे ॥ १९ ॥ ॥ क० ॥ एहमांकांयधरमनजाणज्यो ॥ इंमसूणीकेईपाम्याअधर्मरे ॥ सहु परीव्राजकेंपणिसांसली ॥ काढ्योटोलेथीलहीमर्मरे ॥ २० ॥ क० ॥ बहुपा

ल्योविटंबणालोकमां ॥ तुझकर्मनिविमबंधाएंरे ॥ इमजांणीत्र्प्रालनदिजीइं ॥
जेहथीलहेनरकनुंगाएंरे ॥ २१ ॥ क० ॥ दशमीएचोथारवंमनी ॥ लाषीइंम
ढालरसालरे ॥ कहेपद्मविजयसुंणतांहोशं॥ श्रोताघरिमंगलमालरे॥२२॥क०॥
॥ दुहा ॥ त्र्प्राउषयेहवेउपनो ॥ त्र्प्रारंभकरीत्र्प्रनेक ॥ मायाबहुलकरमवरुों ॥
धरमत्र्प्राराध्योनएक ॥ २३ ॥ कोल्लागसन्नीवेशेकह्यो ॥ एलगनोत्र्प्रवतार ॥
कालगयोतसकेतलो ॥ त्र्प्राव्यांकर्मत्र्प्रपार ॥ २४ ॥ जिससमीवेदनजमी ॥
त्र्प्रायुनोथयोत्र्प्रंत ॥ मरीसीत्र्प्रालतेकर्मथी ॥ उपनोकर्मत्र्प्रनंत ॥ २५ ॥ इंण
हीजगामनीत्र्प्रटवीइं ॥ फिरतांतूंफलखाय ॥ तेहथीजीवसमीतथा ॥ खेंखेंक
रेनरववाय ॥ २६ ॥ त्र्प्रनुंक्रमेंमरणतेत्र्प्रावीउ ॥ तेहजकर्मतहत्ति ॥ साकेतपु
रस्वामीतणी ॥ विलासिणीवरगत्ती ॥ २७ ॥ मदनलतानीकुषिमां ॥ पुत्रपणें
प्रगटाय ॥ जोवनपांम्योजेतले ॥ नृपवल्लभनीरमाय ॥ २८ ॥ ढालरागमारु
णी ॥ श्रीसीमंधरसाहिबत्र्प्रागेंविनतीरे ॥ एदेशी ॥ एकदिनमदिरापीधीकर्म
दोषेंकरीरे॥मदिरामत्तथयोतेह॥त्र्प्राईरे॥त्र्प्राईरे॥नृपमाईत्र्प्राक्रोसतोरे॥२ए॥
वातसूणीनृपपुत्रेंतसवार्योघणंरे ॥ तेहनेपणित्र्प्राक्रोस॥करतोरे२॥वरतोनृप
नेंक्रोधमांरे ॥ ३० ॥ कोपकरीनेंजीसछेदावीनृपवरेंरे ॥ मदउतर्योतवतूझ॥
वातेरे ॥ वातेरे ॥ निजत्र्प्रवदातेंलाजीउरे ॥३१॥ त्र्प्रणसणकीधुंमासएकनुंतेंत
दारे ॥ उपनोमाहणत्र्प्रत्र ॥ तिहांथीरे २॥ किहांथीकर्मछूटेकर्यारे ॥ ३२ ॥
वचनमुंनीनांसांसलीसंवेगउपनोरे॥ वलीपुछ्युंम्हेंतास॥त्र्प्रेषरे २ ॥ कहोवित्र्प्रो
षस्यूत्र्प्रावस्येरे॥३३॥ज्ञानीगुरुतवबोल्याकुरुणात्र्प्राणिनेंरे॥ महाविटंबणाथाय
॥लोकरे॥लोकरे॥थोकथोकतुझदेषस्येरे॥३४॥मुनीवयणेंहुंविहनोदीक्षात्र्प्रादरी
रे॥ गुरुमरणांतिमुझ ॥ त्र्प्रापीरे २॥ थापीवेवीयालत्रीरे ॥३५॥ गगनगामीनीता
लुग्घाम्णीनामथीरे ॥ गुरुकहेसासलिवात ॥ धर्मेरे २ ॥ करमहोयतोफोरवे
रे ॥ ३६ ॥ विषयत्र्प्रसारनिमीत्तेंएमतफोरवेरे ॥ वलिसुणिविजुंएह ॥ मीठुं
रे २ ॥ जुठुंकदियनबोलजेरे ॥ ३७ ॥ हासीमांपणिजुठूंजोबोलायतोरे ॥ क
रज्येतुंएरीती ॥ पाणीरे २ ॥ नासीप्रमाणजाणीतोहारे ॥ ३८ ॥ उंचीबांहिन

यणअनीमेषतिहांकरीरे ॥ एकसहसआठवार ॥ जपजेरे २॥खपजेपातीक आपणरे ॥३९॥ हवेएकदिनडंजुतुंबोल्योपापथीरे॥ इहपरलोकविरुध॥ कि धूरे २॥ सीधूंअवलूंमाहरेरे ॥४०॥ कालिसंध्याइंवसतीपासआराममारे॥बकु लवृक्षनेंहेठ ॥ बेठोरे २ ॥ हेठोतीहांजुठुंलव्योरे ॥ ४१ ॥ मंत्रिकहेस्युंबोल्या जुठुंतेकहोरे ॥ तवबोल्योतीहांआय ॥ तरुणीरे २ ॥ मनहरणीटोलेमलीरे ॥ ॥ ४२ ॥ जलअवगाहनकरीनेंछुटेकेशथीरे ॥ देवदर्शननेंकाज ॥ आवीरे २॥ मनसावीमुक्तनेंकहेरे ॥ ४३ ॥ हेसगवंनजोवनवयतूमचीदेषीइंरे ॥ सारविष यसंचार ॥ लोकेरे २ ॥ थोकेंसडसेव्याषरारे ॥ ४४ ॥ हरीहरब्रह्मासेवीतकि मठांम्यांतुम्हेरे ॥ डुकरव्रतकरोकेम ॥ स्वामीरे २ ॥ कामीवयणकह्यांघणां रे ॥ ४५ ॥ हासीगर्सितवयणसूणीनेंम्हेंतदारे ॥ हास्यतणोनहीसील ॥ तोहि रे २ ॥ मोहिडंइमबोलीउरे ॥ ४६ ॥ दिरघनीश्वासोनाषीम्हेंसाषीउरे ॥ तेह कालनेंजोग्य ॥ साषुरे २ ॥ दाषुंअलीकजाणीकरीरे ॥ ४७॥ मनमाहरु महीलावीरहेसंतापीउरे ॥ मांम्योतपम्हेंइंम ॥ साषीरे २ ॥ गुरुदाषीविधीनवी करीरे ॥ ४८ ॥ मध्यरातिडंचोरीकरवानीसरयोरे॥ सूतापुरनालोक ॥ ज्यारेरे २॥त्यारेंडंपकमाईउरे ॥ ४९ ॥ सागरसेठनाघरथीएडव्यलिधलोरे ॥ जाण्यो नरसंचार ॥सणतोरे२॥गणतोपणिनिःफलथईरे ॥ ५० ॥तवनासंतांपकम्योतू म्हदर्शनरेरे॥ वातकहीरह्योमौन ॥ तेहनेंरे२॥नेहआणीमंत्रीसणेरे॥ ५१॥चो थेषंडढालअग्यारमीएकहीरे॥सूणतांमंगलमाल॥ थायरे२॥इंणिपरेंगायपदम मुनीरे ॥५२॥ डुहा॥ सूणोएकदिननोसंहरयो ॥ अलंकारनरराय ॥ दिशेनही कहोकिणदिशा॥ अमनेंअचरीजथाय॥५३॥परिव्राजककहेआपीउ॥सावछी सीरदार॥ मंत्रिकहेस्यानिमीत्तथी॥तवकहेतासवीचार॥ ५४ ॥सावछीनगरी वसे ॥जीवथीअधिकोजाणी॥मित्रगंधर्वदत्तनांमथी॥माहरोतेमनआणि॥५५॥ इंद्रदत्तसेठनीधूआ॥ कंन्यानामकहंत॥वासवदत्तावेगस्यूं॥ तातअन्यनेंदित ॥५६॥पगरणमांम्युंपरणवा॥तवमाहरोतीहांमीत्त॥कन्याविणकरीइंकिस्यूं॥ चिंतवतोइंमचित्त ॥५७॥ मरवुंअंतेएवीना॥ अपहरुंचिंतीइंम ॥ अपहरीपर

एयोआपथी ॥ नरपतीजाणीनेम ॥ ५८ ॥ रुसीकन्याअपहरी ॥ करेएहवुंक होकेम ॥ इमचिंतीअवनीपती ॥ नयरथीकाढेनेम ॥ ५९ ॥ जिवीकनांमेंमी त्रजे ॥ तेहनेंसाथेंताम ॥ आव्योमुक्तपासेंअधीक ॥ हगाधरतोआम ॥ ६० ॥
॥ ढाल ॥ घणराढोला ॥ एदेशी ॥ म्हेंपुछ्युंतेमीत्रनेंरे ॥ आव्यातूम्हेस्येंहेत ॥ मननामान्या ॥ वातसवेधुरथीकहीरे ॥ सांसलीतेसंकेत ॥ ६१ ॥ मन० ॥ आवे २ रेमीत्तासलेआव्या ॥ तुम्हआव्येसवीसूखथाय ॥ मन० ॥ एआंकणी ॥ तेहनाडःखनेंकापवारे ॥ दिधोनृपअलंकार ॥ म० ॥ जिविकनेंतिहांमोक ल्योरे ॥ विनव्योनृपसूखकार ॥ म० ॥ ६२ ॥ देषीतेअलंकारनेंरे ॥ नृपतीप रत्नानथाय ॥ म० ॥ मोकलेमहर्द्धिकपुरुषनेंरे ॥ हेतधरीनरराय ॥ म० ॥ ६३ ॥ उछवमोछवलावीआरे ॥ गंधर्वदत्तपुरमांहि ॥ म० ॥ मातपीतावलीसयणनेंरे ॥ मिलियाधरीउछाह ॥ ६४ ॥ म० ॥ वासवदत्तानेंमल्यारे ॥ लागांडखविछोह ॥ म० ॥ मंत्रिकहेरुडुंकर्युरे ॥ एतूम्हगुणसंदोह ॥ म० ॥ ६५ ॥ मंत्रिकहे मीत्रवछलूरे ॥ तूम्हसमपुरुषजेहोय ॥ म० ॥ चिंतेपुर्वपुरुषजीकेरे ॥ तेअपरा धीनकोय ॥ म० ॥ ६६ ॥ मुंक्यासहुधनप्रमुखनेंरे ॥ परीव्राजकनेंइम ॥ ॥ म० ॥ कहेमंत्रीतूम्हेपालवुरे ॥ आपविवेकसमनेंम ॥ म० ॥ ६७ ॥ परिव्रा जकनेंविसर्जिउरे ॥ हवेधनकुमरेंताम ॥ म० ॥ विसर्ज्यासावहीइरे ॥ आपत्रा ह्यानीजगाम ॥ म० ॥ ६८ ॥ वयरामनयरआव्यायदारे ॥ कापमीमोलीया ताम ॥ म० ॥ तेहमांपोतेचालीआरे ॥ सायरतिरनेंठाम ॥ म० ॥ ६९ ॥ जुथ घणंगजराजनुंरे ॥ उम्युंतेमारणधाय ॥ म० ॥ कापमीसहुदिशोदिशगयारे ॥ धनपुंठेगजथाय ॥ म० ॥ ७० ॥ प्रक्रमव्योधनपाम्योधरारे ॥ मार्योनहीदै वयोग ॥ म० ॥ उगल्योआकासमारे ॥ उपनोमनमांसोग ॥ म० ॥ ७१ ॥ दंतुसलेकम्पुंहवेरे ॥ इणिअवसरिवनएक ॥ म० ॥ तसशाषापकर्ताथकारे ॥ आलंब्योधरीटेक ॥ म० ॥ ७२ ॥ इणअवसरिनिजहाथिणीरे ॥ अन्यमतंग जआया ॥ म० ॥ मीमाकरीतिणेरोवतीरे ॥ सांसलिगयोतिहांधाय ॥ म० ॥ ७३ ॥ वनविषरेचढ्योधनहवडरे ॥ देषेतिहांएकतीर्थ ॥ म० ॥ लावकमुंकीरयणावे

लीरे ॥ देषीगईतसपीद ॥ म० ॥ ७४ ॥ उलषीनेंलीधीतिणेंरे ॥ मनचिंतेइंमध
न्न ॥ म० ॥ आपुंजईनृपनेंमुदारे ॥ सावळीगुसमन्न ॥ म० ॥ ७५ ॥ पछेजा
स्यूंनिजथानिकेंरे ॥ उतस्योतिहांथीतेह ॥ म० ॥ चाल्योसावळीसणीरे ॥ इं
णिअवसरजुउएह ॥ म० ॥ ७६ ॥ चाकरनरगयाजेहतारें ॥ तिणेंकह्योअव
दात ॥ म० ॥ रायकोप्योतेउपरिरे ॥ अधविचमेहलीआयात ॥ म० ॥७७॥
तेहनोदंमतूलएकस्योरे ॥ धनकुमरलेईसाथ ॥ म० ॥ पेसज्योमाहरानयरमां
रे ॥ सांत्तलीतेगयोत्राथ ॥ म० ॥ ७८ ॥ षोलेंधन्नकुमारनेंरे ॥ प्रियमेलकइं
णिनांम ॥ म० ॥ सारथवाहसूतनीरषीउरे ॥ मिलीआसऊतिणेंठांम ॥ म० ॥
॥ ७९ ॥ वातकहीसाथेंययारे ॥ मिलीआहवेसूपाल ॥ म० ॥ राजाहरप्योहि
यमलेरे ॥ कह्योवृत्तांतरसाल ॥ म० ॥ ८० ॥ देषामीरयणावलीरे ॥ विस्मी
तमननरराय ॥ म० ॥ कर्मपरीणामविचित्रतारे ॥ चिंतवीकरेसूपसाय ॥ म०
॥ ८१ ॥ एआपीम्हेंतुम्हनेंरे ॥ मकरीसप्रार्थनासंग ॥ म० ॥ अथवाराज्यए
ताहरुंरे ॥ तूम्हगुणनिरमलगंग ॥ म० ॥ ८२ ॥ सायकरीहवेमोटिकोरे ॥ आ
प्यांरयणमणीसार ॥ म० ॥ आतूषणवलीबऊदीआंरे ॥ वाणीगवेसउदार
॥ ८३ ॥ म० ॥ सूसमनयरेंमोकल्यारे ॥ मिलीआमायनेंताय ॥ म० ॥ साह
मोपुरजननिकल्योरे ॥ मातपीतापम्योपाय ॥ म० ॥ ८४ ॥ पेसारामहोछव
कस्योरे ॥ दिधांवलीमहादांन ॥ म० ॥ सर्वचैत्येंपूजाकरीरे ॥ आव्यानीजघ
रठांन ॥ म० ॥ ८५ ॥ चोथेखंमेबारमीरे ॥ समरादित्यनेरास ॥ म० ॥ सूंदर
पद्मविजयकहीरे ॥ सूणतांसुखसूविलास ॥ म० ॥ ८६ ॥ ऊहा ॥ ए
कांतेंइणअवसरें ॥ पुछेमातपीताय ॥ कहोतुम्हतरुणीकिहांगई ॥ तवसाषेसू
णोताय ॥ ८७ ॥ सर्ववातसूंपीजदा ॥ मातपिताकहेताम ॥ अनुंचितएतुमस्यूं
अछे ॥ इणस्यूंनहीअम्हकांम ॥ ८८ ॥ कल्पवृक्षेंकौअचिकिहां ॥ तिणेंमुं
कोसंताप ॥ कहेधनकुमरएकेहवो ॥ इंणअवसरआलाप ॥ ८९ ॥ मातपि
तामहीमाकरे ॥ धनदेवजक्षनीधन्न ॥ मानंतानीजआतमा ॥ स्नेहीमिलीसज
न्न ॥ ९० ॥ नयरबाहीरतेयक्षनी ॥ पुजाकरीप्रमांण ॥ मित्रस्यूंगयाप्रमोद

स्यूं ॥ नामसिद्धन्नवंधान ॥ए १॥ढाल॥ हरणीजवचरेलालनां ॥ एदेशी ॥ तिहां अशोकतरुतले ॥लालनां॥ ललाहो॥ बहुमुनीनेंपरिवार॥ एगुरुवारुरेलालनां॥ अगारसहससीलांगना ॥ ला० ॥ ल० ॥ थोरीतेअणगार॥ एगुरु० ॥ ए२ ॥ कोशलदेशनोनरपती ॥ ला० ॥ ल० ॥ विनयंधरनरराय ॥ एगु० ॥ तेहना सूतजशोधरगुणी ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरममचित्तसदाय ॥ एगु० ॥ ए३ ॥ पंचसूमतेंसूमतारहे ॥ ला० ॥ ल० ॥ गुप्तइंद्रीनिर्ग्रंथ ॥ एगु० ॥ गुप्तब्रह्मचारीअकिंचनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधंताशिवपंथ ॥ एगु० ॥ ए४ ॥ श्रमणसीहदेषीकरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ हैयमेहरषनमाय ॥ एगु० ॥ धरमेंमनतस उल्लस्यूं ॥ ला० ॥ ल० ॥ चिंतवेइमनिरमाय ॥ एगु० ॥ ए५ ॥ अहो २ रुप अहोचरी ॥ ला० ल० ॥ अहोलावण्यविलास ॥ एगु० ॥ अहोसौम्यताअहोउपमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोजौवनसूप्रकाश ॥ एगु० ॥ ए६ ॥ अनंगविजयअहोएहनो ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोअहोनिरहंकार ॥ एगु० ॥ अहोदेषवाजोग्यएहछे ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोसेववाजोग्यसार ॥ एगु० ॥ए७॥ पासेंजईकरीवंदना ॥ ला० ॥ ल० ॥ आचारयमुनीराय ॥ एगु० ॥ धर्मलाभमुनीवरदिउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ बेठगुरुनेंपाय ॥ एगु० ॥ ए८ ॥ करकजजोडीपुछतो ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमउपनोनिरवेद ॥ एगु० ॥ रुपमनोभवसारीषुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ किमजीत्यातुम्हेवेद ॥ एगु० ॥ एए ॥ किमदिक्षाअसूआदरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ एगु० ॥ एसंशारअशारमां ॥ ला० ॥ ल० ॥ निरवेदस्योपुछाय ॥ एगु० ॥ १०० ॥ धनकहेगुरुजी साचलुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ एहतोसहूनेंसमान ॥ एगु० ॥ पुछुंविसेषकारणतिणें ॥ ला० ॥ ल० ॥ साषोएसगवान ॥ एगु० ॥ १ ॥ मुनीकहेमाहरुंचरीत्रजे ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ तेनीरवेदनुंहेत ॥ एगु० ॥ धनकहेप्रसूअनुंमहकरो ॥ ला० ॥ ॥ ल० ॥ कहेवेएसंकेत ॥ एगु० ॥ २ ॥ तवजशोधरमुनीचिंतवे ॥ ला० ॥ ॥ल०॥ दिसेसौम्यआकार ॥ एगु० ॥ पामेंवैराग्यकदापीजो ॥ ला० ॥ ल० ॥ साधुंनोजअधीकार ॥ एगु० ॥ ३ ॥ सूरिकहेतूंसांभले ॥ ला० ॥ ल० ॥ एक

मनांसावधांन ॥ एगु० ॥ इहांहीजविशालापुरी ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमरदत्त राजान ॥४॥ एगु० ॥ सूरेंद्रदत्तनांमेंकुंहतो ॥ला०॥ल०॥ मातजशोधराजाणि ॥ एगु० ॥ नयणावलीमुक्तसारया ॥ ला० ॥ल०॥ नवमेंसवैंसुप्रमाण॥एगु०॥ ॥ ५ ॥ तातेंचारीत्रआदर्युं ॥ ला०॥ ल० ॥ राज्यसारमुक्थापि ॥ एगु० ॥ कुपणिसमकीतपांमीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ अंतरआतमव्यापि ॥ एगु० ॥ ६ ॥ नयणावलीस्यूंमोहीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पालूंराज्यमहंत ॥ एगु० ॥ पलितढ लेंदूतआवीउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ धर्मरायनोतंत ॥ एगु० ॥ ७ ॥ नयणावलीनी दाशीइं ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारसीआंइणनांम ॥ एगु० ॥ दाषव्योदेषीचितवें ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ पुदगलनोपरीणांम ॥ एगु० ॥ ८ ॥ अहो २ चपलतालोक नी ॥ ला० ॥ ल० ॥ मनुष्यपणुंएअसार ॥ ए० ॥ अहो २ मोहपरासवें ॥ ॥ ला० ॥ ल० ॥ सारनकांयसंसार ॥ एगु० ॥ ९॥ आउनीरउलेचता ॥ला०॥ ॥ ल० ॥ रातिदिवसघडिमाल ॥ एगु० ॥ चंद्रमासूरजबलदिआ ॥ ला०॥ ल० फेरवेंअरहटकाल ॥ १० ॥ एगु०॥ तिणेंहवइंपरमादेंग्रस्युं ॥ ला० ॥ ल० ॥ लेउंचारीत्रउदार ॥ एगु० ॥ नयणांवलीनिजनारीनें ॥ ला० ॥ ल० ॥ संसला व्योएविचार ॥ एगु० ॥११॥ नयणांवलीकहेंसांसलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ जेतू म्हनेंमनसाय ॥ एगु० ॥ पणतुमसाथेंआदरुं ॥ ला० ॥ ल० ॥ अमणपणुंसू खदाय ॥ एगु० ॥१२॥ मेंचिंत्युंजुउकेतलो ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुझउपरिअनु राग ॥ एगु० ॥ अहोविवेकएहनोजुउ ॥ ला० ॥ ल० ॥ चित्तअनूजाइअ याग ॥ एगु० ॥ १३ ॥ संविसागीसूखदुखमां ॥ ला० ॥ ल० ॥ अहोएकप लीएह ॥ एगु० ॥ अहोउदेमुझचालती ॥ ला० ॥ ल० ॥ मुझउपरिघणनेह ॥ ॥ एगु० ॥ १४ ॥ चोथेखंमेंतेरमी ॥ ला० ॥ ल० ॥ साषीपदमेंढाल ॥ एगु० गुरुकहेंआगलिसांसलो ॥ ला०॥ ल० ॥ माहरीवातरसाल ॥ एगु० ॥ १५॥ ॥ दुहा ॥ अर्कअनुंक्रमेंआथम्यो ॥ म्हेंचिंत्युंमनमांहिं ॥ एवमीआपदएहनें॥ अमसमस्योउगाह ॥ १६ ॥ सोममंमलहवेसंचर्यो ॥ दिपकसुवनउद्योत ॥ वासंसूवनवेगेंसज्यूं ॥ जिहांमणीरयणनीज्योति ॥ १७॥ कस्तुरीकर्दमकरी॥

सितिलगाईसार ॥ प्रवरतलाईपाथरी ॥ सय्याकरयोसिणगार ॥ १८ ॥ कुसु
मदामवरलटकती ॥ धूमघटायईधूप ॥ मयणपूजीनेंमाननी ॥ चित्तथीकरी
अतीचुंप ॥ १९ ॥ वाससूवनमांवेगथी ॥ आव्योअवनीपाल ॥ पल्यंकेवेठो
प्रगट ॥ काढ्योकांयककाल ॥ २० ॥ राणीनोपरीवारजे ॥ निकलीगयोनी
जथान ॥ राणीसूतीरंगस्यूं ॥ नरपतीमनअुसध्यांन ॥२१ ॥ मनमांइणीपरेंमा
नतो ॥ सर्वठांमवुंसेल ॥ पणिराणीपरीणामथी ॥ ठंमाइंकीमठयल ॥ २२ ॥
॥ ढाल ॥ एहनीगतीएहजजाणें ॥ रषेकोईसंदेहआणेरे ॥ एदेशी ॥ तुम्हेजो
ज्योनारीचरीत्ररे ॥ जेहनांछेचरीत्रविचीत्ररे ॥ एआंकणी ॥ सूतोनरपतीजा
णीनें ॥ उठीनयणावलीरांणीरे ॥ मुंकीढोलीउंतरीहेठी ॥ सूपतीचमक्योजा
णीरे ॥ २३ ॥ तुमे० ॥ संकासहीतद्वारउघाडी ॥ निकलीरमझमकरतीरे ॥
म्हेंचित्युंमुझवीरहनीकायर ॥ रषेजइनेंमरतीरे ॥ २४ ॥ तुमे० ॥ नीकल
वानीआवेलानही ॥ लेइकरकरवालरे ॥ इमचिंतीनीकलीउंपुठें ॥ गइजीहांप्रा
सादपालरे ॥२५॥ तुमे० ॥ तेकुब्जकउठाव्योकरथी ॥ तवम्हेंचित्युंइमरे ॥ ए
हनेंसंसलावीनेंमरस्यें ॥ नहीतोउठावेकेमरे ॥ २६ ॥ तुमे० ॥ घुमतेनयनेंकु
बजउठ्यो ॥ पुछेकिमइणिवेलारे ॥ आवीआजतदामेंचित्यूं ॥ आजकह्युंकिम
हेलारे ॥ २७ ॥ तुमे० ॥ अथवाआजउचीतनहीवेला ॥ तिणेंकारणइमबोले
रे ॥ पणिसांसलूंएहनोहवेउत्तर ॥ स्योमनमांथीखोलेरे ॥ २८ ॥ तुमे० ॥
राणीकहेनृपथातवीषमछे ॥ मोडासूतारायरे ॥ तिणेंएतलीवेलाथईमुझनें ॥
जाणज्योएअंतरायरे ॥ २६ ॥ तुमे० ॥ एतलेकुबजेंदेवीस्यूंरे ॥ आलिंगना
दिकदिधांरे॥चुंबननेंविषयसीतकारादिक॥सझपरिं२कीधांरे ॥ २९ ॥ तुमे०॥
क्रोधानलसंधूकणमाहरुं ॥ विषयसेवनइणेंमाड्युंरे ॥ अविवेकपवनथकी
मुझलागो ॥ खड्गतेम्यांनथीकाढ्युंरे ॥ ३१ ॥ तूमे० ॥ वलिमुझचिताइम
थई ॥ जिणेंजित्यावह्रराजानरे ॥ तोकुसीलणीदेवीकुबजए ॥ छेसारमेयसमा
नरे ॥ ३२ ॥ तूमे० ॥ अहोअहोनारीचरीत्रनें ॥ जुउमुझकिणीपरेंसाधेरे ॥
आचरणाकेहवीछेएहनी ॥ एवछुंकपटतेदाखेरे ॥ ३३ ॥ तूमे० ॥ यतः ॥ अ

न्यंमनुष्यंहृदयेनीधाय ॥ अन्यंनरंदृष्टीसिराह्वयंती ॥ अन्यस्यदत्वावचनाव
कास ॥ मन्येनसार्द्धरमयंतीरामा ॥ १ ॥ जलमज्ञेमछीपयं ॥ आगासेपंषीआ
णपयपंती ॥ महिलाहियाणमग्गो ॥ तिन्निवीवीरलापयंपंती ॥ २ ॥ डुहो ॥
स्त्रीशाहिंसवीवंकमी ॥ केणपतीजेतास ॥ माथेघमोचढायकरी ॥ पछेदिइंगल
पास ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बालकालथीसोगवीनें ॥ सूतपणिएहनोकालिरे ॥ रा
ज्यबेसारवोमाहरे ॥ तिणेंहलकाईसूपालरे ॥ ३४ ॥ तूमे० ॥ अविवेकबहुल
नारीहोइं ॥ एहमांअचरीजकांयनांहीरे ॥ आदरवुंचारीत्रनें ॥ अंतरायथाइं
तेमांहीरे ॥ ३५ ॥ तूमे० ॥ भाइंजोतांसरीतापरे ॥ कांयनीचगामीहोइंनारीरे ॥
एहनुंवचनमानेंजेकोई ॥ तेहनामुखउपरिथ्वारीरे ॥ ३६ ॥ तूमे० ॥ यतः ॥
॥ सवइउ ॥ कामीनीकीवातमानेंताकेमोरेधूरज्यूं ॥ कपटनीपटबोलेहियाकी
नबातषोले ॥ मनथेंउगायकरकहेसबकुरज्यूं ॥ जैसोहीपतंगरंगतेसोहीत्रिया
कोसंगबिहुंरतबारनांहीजैसोनदीपुरज्यूं ॥ कहेकवीमुनीचंदसुणोहोसजन्न
जन्ना॥कामिनीकीवातमानेंताकेमोरेधूरज्यूं॥१॥ पूर्वढाल॥ अविवेकबहुलना
रीतणुंएछे ॥ वलीकुमरतणीहलकाईरे ॥ विघनवलीचारीत्रमांहोस्ये ॥ नरप
तीइंमचित्तमांलाईरे ॥ ३७ ॥ तू० ॥ मारवुंनघटेमुझनेंएइंम ॥ वाल्योनीज
परीणामरे ॥ म्यानकरीकरवालनेंआव्यो ॥ नीजसज्झाइंतवठामरे ॥ ३८ ॥ तू०
उतरयुंचित्तराणीथकी ॥ वलीवाध्योधर्मव्यापाररे ॥ सज्झाइंबेठोचिंतवे ॥ अ
होनारीशिरेंधिकाररे ॥ ३९ ॥ तू० ॥ सूमिबीनाविषवेलमी ॥ अगनीविहुणी
चूल्हेलरे ॥ सोजनविनविसूचिका ॥ अहोएतोनवोकोइखेलरे ॥ ४० ॥ तू० ॥ स
चेतनामुरछाकही ॥ वलिविणउपसर्गेंमारीरे ॥ रासमीवीणएपासलो ॥ विणहेतू
मरणडवारीरे ॥ ४१ ॥ तू० ॥ बेमीविनागुमीकहीछे ॥ एनारीसंसाररे ॥ अ
थवाचितासीकरुं ॥ एछेसंसारअसाररे ॥ ४२ ॥ तू० ॥ जाणिअसारएकार
णें ॥ गंमूढुंएपरीवाररे ॥ इंमकांयशुभपरीणांमथी ॥ रह्नकरतोइंमविचाररे
॥ ४३ ॥ तू० ॥ आवीराणीइंणसमे ॥ इंसूतोएहवुंजांणीरे ॥ राणीपणिसू
तिषरी ॥ मनमांकांयभांतिनआणीरे ॥ ४४ ॥ तू० ॥ आलिंगनमुझनेंकरयुं ॥

म्हेंपणिनवीदाष्योविकाररे ॥ पूर्वपरिवरत्योतदा ॥ इमकरतांथयोसवाररे ॥
॥४५॥ तू०॥ रयणीअनर्थनीषांणीगई ॥ करेकरणीनिजपरसांनिरे ॥ बेठाआ
स्थानीकामंनपें ॥ मिलीराजकचेरीविख्यातरे ॥ ४६॥ तू०॥ चोथेखंमेचौदमी
॥कहीपद्मविजयईमढालरे॥ श्रोताजनसूणज्योसबो॥वलीआगलवातरशालरो॥
४७॥तू०॥दुहा ॥ मंत्रीमंम्लसेलुंमल्यूं ॥ वारुकरेवीचार॥ विमलमतीमुखनेंव
ली॥पभणेंनिजपरकार॥४८॥ पभणेंमंत्रीईणिपरे॥ अवसरनहींमहाराय ॥ गु
णधरकूमरप्रगुणनही ॥ राज्यभारनेंगाय ॥ ४९ ॥ परजानेंजेपालवी ॥ तेपि
णधर्मकहंत ॥ कहेनरपतीअह्मकुलतणी ॥ एहवीस्थितिआवंत ॥ ५० ॥दूत
धरमनोदेषीनें ॥ रहेवुंनहीघरमांहि ॥ मंत्रीकहेतुम्हमनरुचि ॥ आदरीइंउ
छांहि ॥ ५१ ॥ अनुंक्रमेंदिवसगयोवही ॥ रातिपमीतवराय ॥ वाससूवनमां
मनविगर ॥ सूतोचित्तसूखदाय ॥ ५२ ॥ सेजरमतांकवणगुंण ॥ जासनम
न्नइमन्न॥ प्रितीविहुणोप्रेमरस ॥ जाणेंअलूणंधन्न ॥ ५३॥ नयणेंआवीनीद
मी ॥ जामिनीपाछिलेजाम ॥ आव्युंसूपनुंएहवो॥साषुतेअसीराम ॥५४॥ढाल॥
देशीसहिआणीनी ॥ देषेसूपनुंइम ॥ उज्वलघरनेंमाथेहोवलीबेठोसिंहासनउप
रें ॥ आवीयओथरामाय ॥ प्रतिकुलसाषीपाम्योहोगयोसातमीभूमीनेंपरीस
रें ॥ ५५ ॥ आविपुठेमाय ॥ आलोटतीआलोटतीहोवलिऊंउठीमेरुचम्यो ॥
इणसमेजाग्योजामा॥नवम्हेंमनमांचिंत्युंहोएसूपनोविषमआवीअमयो ॥५६॥
पणिपरीणामेंचार ॥ स्युंनिपजस्येएहथी होतेहनीषबरपमेंनही ॥ पणसाधन
परलोक ॥ करवामाम्युंरुमुंहोवलीजेथानारथाउसही ॥५७॥ धरमध्यानथीइं
मा॥रातगइहवेबेठोहोआस्थानेंजईनेंमुदा॥जोमीकचेरीतांमा॥आवियओदामाता
होविनइंउठयोऊंतदा ॥ ५८ ॥ मुझपुठेसूषसात॥म्हेंकिधोपरणामहोपीठीका
इंबेआरीआं ॥ एहथयुंसलूंकांम ॥ कहेस्यूंनीजअभिप्रायहोमाताजिणेंइ
हांआवीआं॥५९॥नकऊंसंजमवात॥ स्नेहेमुझनेंमाताहोसंजमलेवानवीदीओ॥
सूपनजणावेवात ॥ अंबाथीअंतरायहोआंचांकामाहरेहिइं ॥ ६० ॥ वचन
नमातठेलाय ॥ डःप्रतिकारतेसाध्याहोमातपीताठाणांगमां॥ विरम्यूंचित्तवली

मुक्त ॥ तिणेंरहेवायनइंहांहोवलतीचयनीआगमां ॥ ६१ ॥ तिणेंकहुंएहवी वात ॥ जिणेंमुक्तआणाआपेहोसूपनकहुंतेरीतस्यूं ॥ बोल्योइंमवीचारी ॥ मातासूपनुंलाधुंहोसांसलज्योपरतितस्यूं ॥ ६२ ॥ कुमरनेंथापीराज्य ॥ म स्तकमुखमुंमावीहोसयलसंगत्यागिययो ॥ श्रमणथइशुभसंग ॥ घरऊपर जवबेठोहोतिहांथीवलीपमीगयो ॥ ६३ ॥ रातिनेंपाछीलेपोहर ॥ देषीनेंहुंजा ग्योहोतेसांसलीनेखलसली ॥ थुथुकारकरंत ॥ मातापगस्यूंचांपेहोपृथवी मंम्लवलीवली ॥ ६४ ॥ अपमंगलथाउदूरि ॥ चिरंजीवोतूह्मेपुत्ताहोनिरवि घनेंमहीपालज्यो ॥ सूपननेंघातिनीमित्त ॥ सापेमोसीमुक्तनेंहोपुत्रवचनमु क्तपालजो ॥ ६५ ॥ सूपनशास्त्रनीजांण ॥केहेइंमआपोसूतनेंहोराज्यतुह्मेघर मांरहो ॥ स्योतुम्हेसाधूवेष ॥ इत्वरकालनीदिक्षाहो ॥ घरमांबेठातूम्हेयहो॥ ॥ ६६ ॥ म्हेंकस्युंवचनप्रमांण ॥ तववलीवोलीपमीआहोतासउपायहवेंसांस लो ॥ जलथलखहचरजीव ॥ हणीकुलदेवीपुजोहोविघनसवेडरिटलो ॥ ॥ ६७॥ शांतिकरमकरोइंम ॥ वेदमांसाषीविधियीहोम्हेंकसुंढांकीकाननें ॥ मातासीकहोवात ॥ शांतीकरमहिंसाइंहोकरतांलेवाप्राणनें ॥ ६८ ॥ धरमअ हिंसामुल ॥ साप्योछेसहुसास्त्रेंहोतेहनेंबाधाकोमकरो ॥ मनथीहणीइंजीव ॥ तोपणिलवमांसमीइंहोसवशायरथाइडस्तरो ॥ ६९॥ जेकरेपरनेंडरक ॥ पांमे पोतेनेहवुंहोअफलकर्मजाइंनही ॥ शांतिकरमपणितास ॥ परनेंपापनचिंतेहो इहपरसवसूखीउसही ॥ ७० ॥ यतः ॥ तेणेजहासंधीमुहेगहीए ॥ सकम्मु णाकिच्चइपावकारी ॥ एवंपयापेच्चइहंचलोए ॥ कमाणकम्माणनमुखअत्थी ॥ १ ॥ कृतकर्म्मक्षयोनास्ती ॥ कल्पकोटीसतैरपी ॥ अवस्यमेवभोक्तव्यं ॥ कृतकर्मशुभाशुभं ॥ २ ॥ पूर्वढाल ॥ निजपरआतमजीव ॥ जेसरीखाकरी जाणेंहोतेणेमोक्षमारगनेंसाधीइं ॥ माताबोलीताम ॥ पुण्यपापपरीणामेंहो होइंवेदतेइंमआराधीइं॥ ७१ ॥ यतः ॥ जस्सनलिप्पईबुद्धी ॥ हंतुणइंमंजगं निरवंसेसं ॥ पावेणसोनलिप्पइ ॥ पंकयस्सोसोवसलिलेण ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अथवाजोहोइंपाप ॥ तोपणिकीजेंतनुनेंहोनिरोगतानेंकारणें ॥ कारणेंकरी

ईपाप ॥ तोपिणदोषनलागेहोवलीहोइविघननीवारणे ॥ ७२ ॥ तवम्हेंकह्युं
हे मात ॥ किहांथीपरीणामरुमोहो ॥ अकारजकरवुंछेजीहां ॥ हालाहलवी
षषाय ॥ तेनरकिहांथीजीवेहोजोअमृतबुधीकरेतिहां ॥ ७३ ॥ पापनही
जगअन्य ॥ हिंसाउपरितेसाध्युंहोजिणेंसहुइंजीववुंईछता ॥ तिणेंजेवेदवचन्न ॥
तेपणिषोटुंजाणोहोवलीजेहथीदोषनभीछता ॥ ७४ ॥ यतः ॥ नधम्मकज्जा
परमत्थिकज्जं ॥ नपाणहिंसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमत्थीबंधो ॥ नबोही
लासापरमत्थिलासो ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ वलीनीरोगीथाय ॥ रुपआउषूंपामेहो
जेअभयदानदातासदा ॥ सोभागीसीरदार ॥ परभवपणिजोजावेहोपणदुःख
नपामेतेकदा ॥ ७५ ॥ यतः ॥ दीहाउत्तसूरुवो ॥ निरोगोहोइअभयदाणेण ॥
जम्मंतरेवीजीवो ॥ सयलजणसलाहणिजोय ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंव्रत
पालवुंश्रेय ॥ देहआरोग्यनेंकाजेंहोवलीपापकरीदेहस्यूंकरुं ॥ तिणेंमुको
विषवाद ॥ घोरपापजिणेंहोयहोतेंहिंसामांचित्तनहीधरुं ॥ ७६ ॥ चोथेखं
डेढाल ॥ पनरमीएसाषीहोपणिमोसीनीइंममतीषसी ॥ धनधनएनरराय ॥
जिवहिंआनवीकीधीहोइंमपद्मविजयमुनिइंईसी ॥ ७७ ॥ दूहा ॥ मायक
हेसुणिमाहरुं ॥ वचनकरेकिमव्यर्थ ॥ मातवचनजिहांमांनवुं ॥ नहितीहां
शास्त्रनोअर्थ ॥ ७८ ॥ इमकहीनेंमुझपाइंपडी ॥ तवम्हेंचित्यूंइंम ॥ ईतछेवाघ
नेइतनई ॥ कष्टथयुंकरुंकेम ॥ ७९ ॥ एकदिशाअंबावयण ॥ अन्यदिशां
वयसंग ॥ गुरुविपाकव्रतसंगथे ॥ सूणिउंछेगुरुसंग ॥ ८० ॥ ईमचिंतवतो
अंबनें ॥ कहेसूणोइकवात ॥ जोतुम्हवाहलोजीवथी ॥ तोमुकोएघात ॥
॥ ८१ ॥ जेहथीदूरगतिजाईइं ॥ तेकीमकरीइंमात ॥ अथवाहुंमुझआत्मनो
घणंतोकरस्यूंघात ॥ ८२ ॥ पछेमुझमांसेंपूजज्यो ॥ कुलदेवीनेंकाज ॥ इम
कहीखग्गतेकाढीउं ॥ लाव्योनहीमनलाज ॥ ८३ ॥ आस्थानमंडपमांथ
यो ॥ कोलाहलतिणेकाल ॥ ॥ हाहाकारसहुइंकहे ॥ कांमनकरोवीकराल ॥
॥ ८४ ॥ ढाल ॥ तुंगीआगिरीशिषरसोहे ॥ एदेशी ॥ उठीअंबाकहेमकरो ॥ सा
हसएवमुंइंमरे ॥ करझालीकहेअहोतूंझनें ॥ मातउपरिंप्रेमरे ॥ ८५ ॥ अहो

तावीसावबलीउ ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ तुभमुईम्हईजीववुंकिम ॥ तेकारणसूणिपुत्त
रे ॥ भकारांतरेमातमारी ॥ एहतूभनेंजुत्तरे ॥ ८६ ॥ अहो० ॥ बोल्योकुर्क
टईणित्र्प्रवशरें ॥ शब्दसूण्योतसमातरे ॥ मातकहेसुणिपुत्रश्रुतीमां ॥ साषी
उविष्यातरे ॥ ८७ ॥ अहो० ॥ एहएहनोकल्पसाष्यो ॥ जोएत्र्प्रवशरजा
सरे ॥ शब्दसूणीईतेहनोत्र्प्रथ ॥ करीइंवधवलीतासरे ॥ ८८ ॥ अहो० ॥ ते
हकारणएहकुर्क्कट ॥ मारितूंशुसकाजरे ॥ तवकह्युंमेंमातसूणज्यो ॥ नकरूं
एहत्र्प्रकाजरे ॥ ८९ ॥ अ० ॥ जिवहिंसाकरूंनांहि ॥ तूम्हत्र्प्राणाजोहो
यरे ॥ तोमरुंएहनीश्चय ॥ अवरनहएंकोयरे ॥ ९० ॥ अ० ॥ मातक
हेतूंकहेजोइम ॥ तोसुणिमाहरीवाणिरे ॥ पिंठमयकुर्कटबनावी ॥ मारितूंनि
जपाणिरे ॥ ९१ ॥ अ० ॥ एतलूंमुभवचनमांने ॥ इमकहीतरवाररे ॥ फूंटीलेईने
पमीपाए ॥ मुभबीजीवाररे ॥ ९२ ॥ अ० ॥ ईमसूणीमुभमातनेहें ॥ नाण
नेत्रविलीनरे ॥ मातनुम्हेंवचनमान्यूं ॥ मतीथईमुभदिनरे ॥ ९३ ॥ अ० ॥
ज्ञानवङ्पणित्र्प्रात्मत्र्प्ररथें ॥ कांयनावेकाजरे ॥ दूरदेषेनयनपिणनिज ॥ रुप
देषेंनभाजरे ॥ ९४ ॥ अ० ॥ लेप्पकारनेंङकमकिधो ॥ कूकमानोतामरे ॥
तेहपीठनोकरीकुर्कट ॥ लावीउतिणगामरे ॥ ९५ ॥ अ० ॥ मातकुलदेवी
समीपें ॥ लेईमुभनेंजायरे ॥ कूकमोत्र्प्रागलितेथापी ॥ कहेमुभनेंमायरे ॥
॥ ९६ ॥ अ० ॥ म्यानथीएखमगकाढो ॥ तवकरयुंम्हेंतेमरे ॥ माताकहेकूल
देवीनेंहवें ॥ धरीमुभस्यूंप्रेमरे ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सूपनमातुंपूत्रेंदिठुं ॥ तसनी
वारणथायरे ॥ एहकूकमोपुत्रमारे ॥ कूसलकरज्योमायरे ॥ ९८ ॥ अ० ॥
इमकहीमुभसानकीधी ॥ एहकुर्क्कटमारिरे ॥ मारीउम्हेंकूकमोजव ॥ पुजा
कीधीतीवाररे ॥ ९९ ॥ अ० ॥ सिद्धकर्मोसूपकारनें ॥ कहेदेवनीसेषरे ॥ रा
धितूंएमासलेई ॥ हरषीईजेहदेषीरे ॥ ५०० ॥ अहो ॥ म्हेंकह्युंरेमातएस्यूं ॥
मासषाधेयायरे ॥ दाणध्यानतपनियममंत्रह ॥ उषधवीलइंजायरे ॥ १ ॥
अ० ॥ फेरषाधूंरुत्र्प्रमुंजे ॥ मारेएकजवाररे ॥ मांसलवसवनरकघाले ॥
डःखदोसाग्यत्र्प्रपाररे ॥ २ ॥ अ० ॥ वैद्यउषधेंमासत्र्प्रापे ॥ तेपणिएहनी

व्हाररे ॥ बिसळदूरगंधइंद्रीमलथी ॥ उपनुंएअशाररे ॥ ३ ॥ अ० ॥ मां
सवर्जेंसांसलोगुण ॥ चोरशकुनपीशाचरे ॥ सूतपहनेंअगनीएसवी ॥ तृण
समाहोयसाचरे ॥ ४ ॥ अ० ॥ सूखेंजीवेसदगतीहोय ॥ एजिनशासननि
तीरे ॥ सूणोपरदरसनेंसाष्युं ॥ तेहसघलीरीतीरे ॥ ५ ॥ अ० ॥ विषपरेजे
माशवर्जें ॥ स्वर्गलोकेंजायरे ॥ मुनीविशिष्टकहेंइणिपरिं ॥ महासारतगायरे ॥
॥ ६ ॥ अ० ॥ यतः ॥ जावज्जीवंचयोमांसं ॥ विषवत्परिवर्जयेत् ॥ विशी
ष्टोसगवान्नाह ॥ स्वर्गलोकस्यसंस्थिति ॥ १ ॥ यावंतिपशुरोमाणि ॥ पशुगा
त्रेषुसारतः ॥ तावद्वर्षसहस्राणि ॥ पच्यंतेनरकेनरा. ॥ २ ॥ आकाशगामिनो
विप्राः ॥ पतंतीमांससक्षणात्॥ विप्राणांपतितंदृष्ट्वा ॥ त्याज्यंमांशंविवेकिसीः॥
॥ ३ ॥ शुक्रशोणितसंसूतं ॥ मासंयोस्वादतेनरः ॥ तेजनःकुरुतेशौचं ॥ हसं
तितेनदेवता ॥४ ॥ किंजापहोमनीयमैः ॥ तिर्थस्नानैश्वसारतः ॥ यदिस्वादंती
मांसानी ॥ सर्वमैतत्निरर्थकं ॥ ५ ॥ तिलसर्षपमात्रंतू ॥ योमांसंसक्षतेनर ॥
सयातीनरकंघोरं ॥ यावच्चंद्रदिवाकरौ ॥ ६ ॥ इत्यादिमहासारते ॥ पूर्वढाल ॥
अंबाबोलीपुत्रनकरो ॥ एहमांकांयविचाररे ॥ वचनमाहरुंसर्वमांन्यूं ॥ करो
एहनोआहाररे ॥ ७ ॥ अ० ॥ सत्यमांसनएहकल्पित ॥ तेहमांस्योदोषरे ॥
इमकहेमेंवचनमांन्यूं ॥ किधोपापनोपोषरे ॥ ८ ॥ अ० ॥ जेहसाष्यूंतेहकी
धूं ॥ अशुत्तकर्मबंधायरे ॥ सानुबंधीबंधतिणेंसमें ॥ पच्योततषिणरायरे॥ए॥
॥ अ० ॥ बिजेदिनहवेकुंअरथाप्यो ॥ राजअसीषेककिधरे ॥ प्रवर्ज्याहवें
ग्रहणहेतें ॥ उद्यमसबलोलीधरे ॥१०॥ अ० ॥ खंमचोथेसोलमीए ॥ पन्नवि
जइढालरे ॥ साषीसमरादित्यकेरा ॥ रासमांसूरसालरे ॥ ११ ॥ अ० ॥ ४ ॥
॥ डहा ॥ नृपनेंकहेनयणावली ॥ आर्यपुत्रसूणोएक ॥ पुत्रराज्यसूखपेखी
नें ॥ करस्यूंकालिविवेक ॥१२॥ मेंचिंत्यूंमनमांहिएम ॥ वातएकेमविरुध ॥
रातिनेंहमणांकेरमी ॥ अहो २ चरीत्रअशुध ॥ १३ ॥ अथवाइमपणिदेषीइं
जिवतोमुंकेजाणि॥मुअासाथेंकोईकमरइं ॥ नारिचरीत्रपीछाण ॥ १४॥ निच
गतिनारीहोइं ॥ विषहरगतीपरेंवंक ॥ मुंढनजाणेमाहिलो ॥ सेदनेंसजेनिःशं

क ॥ १५ ॥ एहविचारइंणिअवसरे ॥ करवोनघटेकोय ॥ इंमचिंतवतोबोली
उ ॥ इंमहीजकरवुंहोय ॥ १६ ॥ ढाल ॥ रागखंभाती ॥ हवइंश्रीपालकुमार ॥
एदेशी ॥ चितेराणीइंम ॥ एहभूपतिदिखालीइंजी ॥ ऊंनवीजाउंसाथि ॥ तोलो
केंनिदिजीइंजी ॥ १७ ॥ मरणलहेंजोराय ॥ तोपछेंमुझचितानहीजी ॥ नम
रुंजोरायनेंपीठ ॥ तोपिणमिसकाढुंअहिंजी ॥ १८ ॥ पालवुंबालनुंराज्य ॥ व
लीमंत्रीमुखनाकहेजी ॥ एहवांजेहनीमित्त ॥ तेहकलंकसवेदहइंजी ॥ १९ ॥
मारणकरुंअउपाय ॥ विषभोजनमांआपीइंजी ॥ बेठोभोजनकांम ॥ तवस
वीआहारतेथापीइंजी ॥ २० ॥ नासामुखनेंढांकि ॥ आहारकरावबाआवीआंजी ॥
चतुरपुरुषसूजांण ॥ राणिपणितेमावीआंजी ॥ २१ ॥ भोजनअंतेजांम ॥
उठेरायचलूकरीजी ॥ वंचीसहुनीदृष्टि ॥ तंबोलमांतवविषधरीजी ॥ २२ ॥
भषीउंतेतंबोल ॥ वासभूवनमांहिगयोजी ॥ आववामांम्युंघेन ॥ विषविकार
सबलोथयोजी ॥ २३ ॥ जमथईजीभअत्यंत ॥ लोचनमीचाणानदाजी ॥ न
खथयासामलवान ॥ मुखकमलाणमुझजदाजी ॥ २४ ॥ दुखअनुंभवतोता
म ॥ पमीउंसिंहासनथकीजी ॥ खेदलहेपमीहार ॥ जोवेमुझसाहमुंचकीजी
॥ २५ ॥ हाहास्यूंथयुंएह ॥ इंमकहीढुकमोआवीउंजी ॥ स्यूंथयुंरेमहाराया ॥
तवमुझउत्तरनावीउंजी ॥ २६ ॥ जांण्योएझेरवीकार ॥ बुंबारवतिणेंकर्योजी
धाउरेलोकोधाउ ॥ रायसिंहासनथीपड्योजी ॥ २७ ॥ तेमोवैद्यसूजाण ॥ वि.
षविकारउतारवाजी ॥ चितेराणीताम ॥ रायनेंपुरोमारवाजी ॥ २८ ॥ जोआ
वेंइहांवैद्य ॥ तोजीवामेंनृपभणीजी ॥ इंमचिंतवतीतेह ॥ हाहाकारमुखेंभ
णीजी ॥ २९ ॥ ताणीघुंघटपुर ॥ मुझउपरिआवीपमीजी ॥ करतीबहुआकं
द ॥ आसूंधारानवीअमीजी ॥ ३० ॥ गलूंदाब्युंतिणिवार ॥ मर्मपीमाइंमरीग
योजी ॥ आव्युंआरतध्यांन ॥ भवसघलोअहिलेंथयोजी ॥ ३१ ॥ सिलिद्र
नांमेंपाढ ॥ दक्षीणदिशिमोरमीतणीजी ॥ कुंषिउपनोमोर ॥ एकदिनमोरमी
नेंहणीजी ॥ ३२ ॥ लेईव्याधजुवान ॥ दियोगामतलारनेजी ॥ नवीआवीमु
झपांख ॥ वेदनासहुतेकारणेंजी ॥ ३३ ॥ खमतोभूखअपार ॥ किमारवाउं

नितप्रतेंजी ॥ तिणेंपापेंमुक्रदेह ॥ पामीवीस्तारकालजजतेजी ॥ ३४ ॥ पिऊ तणोथयोसार ॥ नाटिकमुक्रनेंसीषव्यूंजी ॥ रुमोजांणीतेह ॥ रायसणीजई दाषव्यूंजी ॥ ३५ ॥ गुंणधरजेमुक्रपुत्र ॥ सेठिजाणीनेंराषीतंजी ॥ पुरवसवनी माय ॥ जिणेंप्रांणीवधदाषीतंजी ॥ ३६ ॥ तेमुक्रमरणनेंदिन्न ॥ आर्त्तध्यांन वशातेमरीजी ॥ करहाटदेशेंगांम ॥ धान्यपुरकनामेंपुरीजी ॥ ३७ ॥ कु तरीगरसेंआय ॥ उपनीतेकूतरापणेंजी ॥ जनमथयोजबतास ॥ मोटोथयोते तिहांकिणेंजी ॥ ३८ ॥ जाणेंमननीवात ॥ मोकल्योगुणधरनृपसणीजी ॥ सार्थेंआव्यादोय ॥ आस्थानसत्तासूपजतणीजी ॥ ३९ ॥ नयरीविशालाईते ह ॥ रायनेंप्रीतीघणीथइजी ॥ प्रसंस्याअल्लदोय ॥ राष्याथीशातासइजी ॥ ॥ ४० ॥ चोथेरवंमेढाल ॥ सत्तरमीसोहामणीजी ॥ पद्मविजयकहेएह ॥ स वीजनमनसूरवकांमणीजी ॥ ४१ ॥ दुहा ॥ अकालमृत्युंनामेंअछे ॥ स्वाना घीपसीरदार ॥ स्वानतेतेहनेंसुपीउ ॥ आंणीहर्षअपार ॥ ४२ ॥ तिलकंठनर रायनो ॥ पालकपंषीजाती ॥ मुक्रनेंआप्योमोदस्यूं ॥ साष्युंवलीईणिसांति ॥ ॥ ४३ ॥ प्रजापालणवलीपारधी ॥ अतीवल्लसमुक्रएह ॥ स्वाननेंजतनेंसाच वे ॥ जिवघातकरेतेह ॥ ४४ ॥ वचनप्रमाणकरीवल्यो ॥ केतोहिकगयोका ल ॥ पालंताअम्हप्रेमस्युं ॥ वातसूणोवीकराल ॥ ४५ ॥ ढाल ॥ देशी ॥ कूंम षमानी ॥ एकदिनप्राशादउपरें ॥ इंद्रनिलजिहांगोष ॥ जुउगतीकर्मनी ॥ न यणावलीचित्रशालिमां ॥ करतिकूबजस्यूंजोष ॥ ४६ ॥ जु० ॥ गोषथीमो रेमाननी ॥ देषीउपनुंज्ञान ॥ जु० ॥ जातीसमरणजेहनें ॥ आव्यूंआरतध्यां न ॥ ४७ ॥ जु० ॥ क्रोधवसेंतिहांकलकल्यो ॥ चंचुनखेंकरेचोट ॥ जु० ॥ लोहलाठीलेईकूबजनी ॥ मुक्रउपरिकरेदोट ॥ ४८ ॥ जु० ॥ राणीप्रहारेंवि ह्वलथयो ॥ पमीउंमार्गसोपान ॥ जु० ॥ कुवटुंखेलेराजीउ ॥ लुठंतोगयोतिणें यान ॥ ४९ ॥ जु० ॥ राणीनाअनुंचरआवीआ ॥ महो २ कहेतावाणि ॥ जु० ॥ तेहकोलाहलसांसली ॥ आव्योजननीस्वान ॥ ५० ॥ जु० ॥ पकम्यो मुक्रनेंकूतरे ॥ देषीतेहसूपाल ॥ जु० ॥ हाहारवकरतांहण्यो ॥ तेहस्वान

विकराल ॥ ५१ ॥ जु० ॥ तेहप्रहारथीलोहीवम्यो॥ मुंक्योमुझनेंताम॥ जु०॥
धरणीपिठपड्याबिहुं ॥ शोकलह्योसूस्वामि ॥ ५२ ॥ जु० ॥ मरणसमयअ
म्हबिहुंतणो ॥ जाणिबोलेराय ॥ जु० ॥ आर्थिकानेंजिमताततनो ॥ शोकहो
येतिमथाय ॥ ५३ ॥ जु० ॥ कृष्णागुरुचंदनवली ॥ काष्टलविगनांआ
णि ॥ जु० ॥ दहनदिउंदीउंदांननें ॥ सर्गपमाडवाजाणि ॥ ५४ ॥
जु० ॥ सांभलीमोरतेंचिंतवइं ॥ अहोइंणितातनेंकाज ॥ जु० ॥ दा
नादिकदीधांघणां ॥ पणिमुझवेलाएआज ॥ ५५॥ जु० ॥ कीडाषाउंसूषें
मरुं ॥ वलीखानेंमुझखध ॥ जु० ॥ कर्मगुरुताइंकरी ॥ तिरजंचनीगतील
ध ॥ ५६ ॥ जु० ॥ प्राणगयाइंणिअवशरें ॥ हवेउतपतीनोठाम ॥ जु०॥सूवे
लगनपढीमदिरों ॥ दुःप्रवेशवननाम ॥५७॥ जु० ॥ कंटकवरूबहुलजीहां ॥
तिहांएककपईजीव॥ जु० ॥ तेहनीकुषेंउपनो ॥ डुखलहेतोसदैव ॥ ५८ ॥
जु० ॥ माकांणीबापकुंटलो ॥ डुखसहेतांमुझजोय ॥ जु० ॥ कालप्रसववि
नाजनमीउ ॥ करमनेंशरमनहोय ॥ ५९ ॥ जु० ॥ सूषथकीनासीगयुं ॥ ज
ननीथणमांदूध ॥ जु० ॥ हुंसूषेंषाउंगोषरुं ॥ अनुंकर्मेंथयोदध ॥ ६० ॥
॥ जु० ॥ इंणिअवशरमायकुतरो ॥ मुउआरतध्यांन ॥ जु० ॥ तिणहीजवन
मांउपनो ॥ नागतेवीषनुंथान ॥ ६१ ॥ जु० ॥ विद्रुममणीपरिलोयणां ॥ अं
धकारनीराशि ॥ जु० ॥ चपलजीसदोयलपलपे ॥ दिशंतोकालपास ॥ ६२ ॥
॥ जु० ॥ दईरनुंसरूणकरे ॥ तवमेंविगरविचारि ॥ जु० ॥ पकड्योपुठथी
नागनें ॥ तसपणिकोपअपारि ॥ ६३ ॥ जु० ॥ डसीउंमुझवदनेंतदा ॥ माहो
मांहिधरीषार ॥ जु० ॥ षाइंइंबिहुंपरस्परे ॥ इंणिअवसरतिणिवार ॥ ६४ ॥
॥ जु० ॥ आविरीठमुझनेंग्रह्यो ॥ षावामांड्योताम ॥ जु० ॥ त्रटत्रटत्रोमेशि
रातिहां ॥ चटचटफाडेचांम ॥ ६५ ॥ जु० ॥ घटघटशोणीतपीवतो ॥ कड
२ मरडेहाड ॥ जु० ॥ तिमषातां २ थकां ॥ पोहतीतासरुहाडि ॥६६॥ जु०॥
तेसबृथीमानुंबीहतो ॥ नाठोकलेवरछाड ॥ जु० ॥ जीवपंषीउडीगयो ॥ ते
हथानिकनेंगांडि ॥ ६७ ॥ जु०॥ तेहविशालानयरीइं ॥ डुष्टोदकानदीनाम ॥

॥ जु० ॥ मोटाद्रहमांमाछली ॥ कुखेंउपनोतांम ॥ ६८ ॥ जु० ॥ रोहीतमछ
नीजातिमां ॥ हवेजेकालोसाप ॥ जु० ॥ एहनदिमांउपनो ॥ सुसमारनिज
पाप ॥ ६ए ॥ जु० ॥ चोथेखंमेअढारमी ॥ ढालकहीमनोहार ॥ जु० ॥ पद्म
विजयकहेसांभलो ॥ सूणतांजय २ कार ॥ ७० ॥ जु० ॥ ॥ १ ॥
॥ दुहा ॥ मछअनेंसूसमारते ॥ अनुंक्रमेमिलिआदोय ॥ पकड्योमुछनेपुंठ
थी ॥ सुसमारेघरीसोय ॥ ७१ ॥ इंणिअवसरिआवीतीहां ॥ स्नानकरणसंके
त ॥ चेमीनामचिलाईका ॥ देषीकंपादेत ॥ ७२ ॥ मुछनेमुंकीतिणसमें ॥ प
कड्योदासीपाय ॥ नदीमांहेंनासीगयो ॥ छंतोकरतोहाय ॥ ७३ ॥ वुंवारवक
रेबापडी ॥ पकडीराषीपाणि ॥ माछीआव्यामोकला ॥ जवरउतस्याजाण ॥
॥ ७४ ॥ मुकावीतमानिनी ॥ मास्योतेसूसमार ॥ कालकेतोईकअतीक्रमें ॥
आगलिसूणोअधीकार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ म्हारीसहीरेसमाणी ॥ एदेशी ॥ इं
कदिनमांछीइंनांषीजाल॥पकड्योमुछततकालरे ॥ जुउकर्मकमाणी॥ महाम
छजाणीनेंसेटणंकिधूं ॥ तेतोगुणधरराजाइंलिधूंरे ॥ ७६ ॥ जु० ॥ नयणांव
लीनेंपासेंलायो ॥ सूपतीमनहरषतेपायोरे ॥ जु० ॥ कहेनिजमातनेंपुछनोदे
स्या॥ रंधावोतातउद्देसरे॥७७॥जु०॥ वलीअज्ञापणिमनमांधारो ॥ ब्राह्मणनेंए
अवधारोरे ॥ जु० ॥ आपणमाटेउपद्योसाग ॥ पकतलीनेंरंधावज्योलागरे ॥
॥ ७८ ॥ जु० ॥ एसांभल्यूंवलीनयणेंदीठुं ॥ उपनुंजातीसमरणमीठुंरे ॥जु०॥
इमसांभलीपुंछखंमतेमाहरो ॥ आप्योब्राह्मणनेंकरीप्यारोरे ॥ ७ए ॥ जु० ॥
सेषसरीरतेछोलीकरीनें ॥ माहिंत्रिगडुंहीगसरीनेंरे ॥ जु० ॥ सीच्योहलधरनें
वलीनीर ॥ उपजावीअतीमुछपीररे ॥ ८० ॥ जु० ॥ मांपणसरीतावडीमांत
लीउ ॥ सवीजाणंज्ञानेंखलसलीउरे ॥ जु० ॥ पणिधर्मध्यांनतोआव्यूंनांही॥
महातिव्रवेदनामाहीरे ॥ ८१ ॥ जु० ॥ इंमदृढकर्मनीगमवंधाणो ॥ नारकस
मवेदनटाणोरे ॥ जु०॥ तोहीसरीरथीजीवनजाय ॥ इणिसमेंसूसमारजेमायरे॥
॥ ८२ ॥ जु० ॥ चंडालपाडेतेवकरीजाई ॥ विज्ञालानयरीमांआईरे ॥ जु० ॥
तेहनीकुषेअजउडउ ॥ पाम्योयौवनआगलिजुउरे ॥ ८३ ॥ जु० ॥ मैथुनअ

रथेंमातसोगवतां ॥ दिठेजुथपतीजोगवतांरे ॥ जु० ॥ क्रोधइंमर्मदेशेंमुक्रमा
स्यो ॥ निजवीरजमांअवतास्योरे ॥ ८४ ॥ जु० ॥ यतः ॥ कम्ममलविनझी
एणं ॥ तह्नमरंतेएमंदसगोएं ॥ अप्पाङअप्पएवीय ॥ जणीउजएणीएगन्स्सं
मी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ ढुकमोमसवकालजवआयो ॥ गयोआहेमेनररायोरे ॥
॥ जु० ॥ आहेमेंथीवलीउराय ॥ तिहांषेत्रमांबकरीदेखायरे ॥ ८५ ॥ जु० ॥
गर्त्तथीहलके२चाले ॥ रायखालीआव्यातेसालेरे ॥ जु० ॥ बाएनाष्युंबकरीनें
वागुं ॥ हरष्योनृपलक्कनेलागुंरे ॥ ८६ ॥ जु० ॥ गर्त्तजाएीनेंपेटविदास्युं ॥
तिहाम्हेंतोजीवीतधास्युंरे ॥ जु० ॥ सुप्योअजापालनेंतिहांराइं ॥ तेपएिबी
जीनुंथएपाइंरे ॥ ८८ ॥ जु० ॥ पारधीफलकाजेकुलदेवी ॥ पुजेमहीषतएी
बलदेवीरे ॥ जु० ॥ पनरपाझसोजनकाजे ॥ मराव्यागुएधरराजेरे ॥ ८७ ॥
जु०॥ब्राह्मएअरथेंमांसरंधाव्यो ॥ मुक्रनेंबारएेंबंधाव्योरे ॥ जु० ॥ मेषपवीत्र
मुखेोकेहवाय ॥ काकशुनकबोट्यूंनखवायरे ॥ ८ए ॥ जु० ॥ तिएेंमुक्रनेंसु
घाझीजिमीआ ॥ विप्रेंआचमनतेकरीआरे ॥ जु० ॥ अंतेउरलेइराजाआव्यो॥
देषीमुक्रमनमांसाव्योरे ॥ ए० ॥ जु० ॥ जातीसमरएउपनुंज्ञान ॥ थयुंसर्व
वृत्तांतविज्ञानरे ॥ जु० ॥ ब्राह्मएबेठाहारोहार ॥ प्रएम्याम्हेंचित्तउदाररे ॥
॥ ए१ ॥ जु० ॥ विप्रकहेएताततनीपांति ॥ एआर्थिकानीवलीषांतिरे ॥ जु०॥
एकुलदेवीनीपंकतीजांएी ॥ तवम्हेंचित्युंमनआएिरे ॥ ए२ ॥ जु० ॥ एमु
क्रपुत्रकरेमुक्रअर्थे ॥ पएिसवीजाइंव्यर्थेरे ॥ जु० ॥ सोजनेंबेठेसङपरी
वार ॥ नवीदिठीनयएावलीनारिरे ॥ ए३ ॥ जु० ॥ इंएिसमेदासीपरस्पर
साखे ॥ कहोमांसदुर्गंधतादाषइरे ॥ जु० ॥ महिषतोताजाहएीआसूपें ॥ तव
एकबोलीकरीचूपेरे ॥ ए४ ॥ जु० ॥ प्रेममंजुषासूएितूंवात ॥ मांसनोनवीगं
धआयातरे ॥ जु० ॥ नयएावलीइंमह्नजेषाधो ॥ अजिरएेंथयोकोढतेबाधोरे
॥ जु० ॥ ए५ ॥ त्रासससरीरनीदूर्गंधलावे ॥ वायरोजेफरसीनेंआवेरे ॥ जु०॥
एककहेसूएिसूंदरीबीजुं ॥ ताहरीवातसांसलीषीजुंरे ॥ जु० ॥ ए६ ॥ रायनें
फेरदेइनेंमास्यो ॥ तेपापव्याजेवधास्योरे ॥ जु० ॥ एककहेएमकरोवात ॥ष

टकर्णमंत्रसेदातरे ॥ ९७ ॥ जु० ॥ उगेअन्यठेकाणेंजईइं ॥ ठवकोकोईनोन
वीलहीईरे ॥ जु० ॥ तेउठिचालीअन्यगांम ॥ तवम्हेंजोयुंगांमगांमरे ॥ जु०॥
॥ ९८ ॥ एकणपासेंवेठीदीठी ॥ नयणांवलीडखकउकीठीरे ॥ जु० ॥ मल्लीका
सहसगमेदूखदेती ॥ कर्मउदयथतांवारकेतीरे॥ ९९ ॥ जु०॥चोथेखंमेढालए
साषी ॥ सलीउंगणीसमीचित्तराषीरे ॥ जु० ॥ पद्मविजयकहेकर्मकमाई ॥
कोईनकरज्योसाईरे ॥ १००॥ जु० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥दुहा॥ मेषपणेंचिंत्युंमनें ॥केहवाकर्मवीपाक॥उदइंआव्याएहनें ॥राणीरुइंवरा
क ॥ १ ॥ नयणवयणथणजेहनां ॥ जितेंजुवतीजगत्त ॥ कमलचंदनेंकुंभ
नी ॥ उपमअधीकीवत्त ॥ २ ॥ तपसीपणिमुनीवरतणां ॥ चित्ततणीए
चोर ॥ हवेकामीजनहैयमलूं ॥ कणिएनसिजेंकोर ॥ ३ ॥ इंमचिंतवुंइंणि
अवसरें ॥ रायकहेसूपकार ॥ महिषनुंनरुचेमांसए ॥ आणोअन्यउदार ॥
॥ ४ ॥ आणारायनीआकरी ॥ सूपकारसंभाल ॥ कालक्षेपनासयथ
की ॥ तेमुक्यनेंततकाल ॥ ५ ॥ एकपासूठेघ्युंइंणि ॥ समर्थुसूपतीकाम ॥ नि
पजावीनररायनें ॥ मोकलीउंधरीमांम ॥६॥ तातनेंपुन्यसणीतीहां ॥ विप्रनेंदि
इंविशेष ॥ कांयकनयणावलीकनें ॥ षाइंआपजेशेष ॥ ७ ॥ ढाल ॥ राग
मारु ॥ सागरीआतूंममगर्वकरे ॥ एदेशी ॥ इंणिअवसरेंमुक्यमातजेबकरी ॥
मारीगुणधरराय ॥ तेहकलिंगदेशेंथयोपाम्यो ॥ अनुंक्रमेंमोहटोथायरे ॥ ८ ॥
सूणोसवीकोमतकर्मकरो ॥ इमकिमसवजलधीतरोरे ॥ एआंकणी ॥ सार
वहीआव्योतिणेंनयरी॥नदीउतरेजेते ॥ सूपतूरंगआव्योजलपीवा ॥ मार्यो
तसनेतेरे ॥ ९ ॥ सू॥ रायनेंषबरकरीतेपुरषें ॥ रायकहेलावो ॥ तवलाव्या
तेपुरुषमहीषनें ॥ कोपथयोचावोरे ॥ १० ॥ सू॥ रायकहेसूपकारनेंइंणिप
रि ॥ एहदूष्टपाम्यो ॥ एहनेंजीवतांसमर्थुकरज्यो ॥ दूखदेवणगाम्योरे ॥११॥
सू०॥ तिणेंपणिसयलदीशालोहकीला ॥ ठेकीबांध्योतास॥ एंकंकम्याहज
हेसरीमुंकी ॥ कर्मतणोनहीनास ॥१२॥ सू॥ तिगफुंहींगलवणमांहिमुंकी ॥
चोकफेरकरीआग ॥ खईरकाष्टहोमेंहवइंअगनी ॥ बलतीनहींकोयमाग॥

॥१३॥ सू० ॥ कंठहोठताळूअतीसूकें ॥ तरषापणितेहवी ॥ उष्णक्षारजलें पीतांवेदन ॥ पामेंनरकजेहवीरे ॥ १४ ॥ सू॥ देहमांहितवआगितेउठी ॥ मांसनीकल्युंबीअपास ॥ रायकहेंहवेमहिषनुंसमथुं ॥ लावोहमारीपासरे ॥ ॥ १५ ॥ सू॥ जिणें२दिशतेमाशजपाकूं ॥ छेदीतेतेअंश ॥ सूपकारमोकलें नरपतीनें ॥ तोहिजायनहींहंशरे ॥ १६ ॥ सू॥ घीरेमीवलीलूणवाटीनें ॥ घा ल्युंदूखदेवा ॥ पीरसनारोरायनोआव्यो ॥ विजुंमांसलेवारे ॥ १७ ॥ सू॥ सूपकारेंतससाहमुंनीरष्यूं ॥ तवतेणेंमरषाधो ॥ रोमकंप्यांगलीउंतसगाढो ॥ हाडबंधबांधोरे ॥ १८ ॥ सू॥ समकालेंम्हेंसेसमेकिधो ॥ कालमरीनेदोय ॥ विशालापुरीइंचंडालपाडे ॥ कुकडीउदरेंजोयरे ॥ १९ ॥ सू० ॥ मार्जारइंअम मातापकडी ॥ उकरडेलेइजाय ॥ खातांअंडयुगलतिहांपडीउं ॥ गयोमार्जा रतेगायरे ॥ २० ॥ सू॥ अह्मउपरितिहांसूपडुंढांक्यूं ॥ चंडालिणीआवी ॥ तेहनीबाडयकीअमेजीव्यां ॥ एपणिजुउलावीरे ॥ २१ ॥ सू॥ इंडांफो डीअम्हेनिकल्याबाहिर ॥ चंडालसूतपाले ॥ पिछसारचंद्रचंद्रीकासदृस ॥ झ्उतरुणकालेरे ॥ २२ ॥ सू॥ अरथीचणोठीसरिषीचुला ॥ दिठांकोटवालें ॥ रायखेलणजोग्यजांणीग्रहियां ॥ नृपनेंदेषालेरे ॥ २३ ॥ सू ॥ राजाहरष लहीनेसूंप्यां ॥ कोटवालनेंसाषे ॥ जिहां२जाउंतिहां२एहने ॥ लावजेमुझ साथेंरे ॥ २४ ॥ सू० ॥ तहतकरेकालदंडकोटवालह ॥ हवइंएकदिनराजा ॥ अंतेउरस्यूंरमवाचाल्यो ॥ क्रिडावसंतताजारे ॥ २५ ॥ सू ॥ कुसूमाकरउ द्यानेंपोहतो ॥ तवकोटवालअमलेय ॥ राजाकेलिघरेकरेक्रीडा ॥ राणिस्युं बह्रुलेयरे ॥ २६ ॥ सू॥ अह्मनेंकोटवाललेईआव्यो ॥ अशोकतरूपंती ॥ तिहांससीप्रसआचारजदिठा ॥ मुनीवरबहुउपांतिरे ॥ २७ ॥ सू॥ विसमी ढालेंएचोथेखंडे ॥ समरादित्यरासें ॥ पद्मविजयकहेमुनीवरमिलीया ॥ स घलूंसूखथास्येरे ॥ २८ ॥ सू ॥ दुहा ॥ अलीकवंदनाइंणिकरी ॥ धर्मलास दिइंसाध ॥ तपसिरीदेषीतेहनी ॥ सूणितसवयणसमाधि ॥ २९ ॥ उपसम कांयकआंणीनें ॥ पुछेधर्मप्रपंच ॥ साधुकहेसाधारणो ॥ सर्वनोएकजसं

त्र ॥ ३० ॥ श्रीठेतत्वनप्राणीत्र्या ॥ मुढगणेमनसेय ॥ तेहधर्मसूणतांथकां ॥
ऊपजेनहीकोइषेय ॥ ३१ ॥ ढाल ॥ वातमकाढोहोव्रततणी ॥ एदेशी ॥ त्रि
विधेंहिंसावर्जवी ॥ अलिकनसाषत्रीवाणीरे ॥ विगरदिधुंकल्पेंनही ॥ एक
तृणसलीअप्रमाणरे ॥ ३२ ॥ सांसलोश्रीगुरुदेशना ॥ सावधरीसवीजीवरे ॥
त्रिविधेंअब्रह्मवर्जवुं ॥ अब्रह्मेंहोयकलीवरे ॥ ३३॥सा॥ नवविधपरीग्रहवर्ज
वो ॥ रात्रीभोजनटालीरे ॥ दोषबेंतालीसवर्जवा ॥ आहारतणासंभालिरे ॥
॥ ३४ ॥ सां ॥ दंभवासीकबोल्योतदा ॥ एहतोमुनीवरधर्म्मरे ॥ पणिकहोसा
गारीतणो ॥ मुनिकहेतेहनोमर्मरे ॥ ३५ ॥ सा ॥ श्रावकनांव्रतबारजे ॥ सं
भलावेमुनीरायरे ॥ सांभलीकहेमुनीवरषरुं ॥ पणिएम्हेंनकरायरे ॥ ३६ ॥
सा ॥ वेदसांपसूवधसाषीउ ॥ कुलकरमागतजेहरे ॥ पुरवपूरुषेंआचर्यो ॥
कांमीनसकूंतेहरे ॥ ३७ ॥ सां ॥ सूरीकहेजोनवीतजे ॥ तोएकुर्कटजोमिरे ॥
दुखपांम्यातिमपामस्यो ॥ लहेस्योअनर्थनीकोमिरे ॥ ३८ ॥ सा ॥ कोट
वालकहेकिमप्रसू पाम्याअनर्थसंभाररे ॥ तवमुनीवरधुरथीकहे ॥ अमचूं
चरीत्रउदाररे ॥ ३९ ॥ सा ॥ जिमपीठकुर्कटनेंहण्यो ॥ जिमदूखपाम्योअ
त्यंतरे ॥ श्रुतज्ञानीगुरुइतिहां ॥ संभलाव्योविरतंतरे ॥ ४० ॥ सां ॥ यतः ॥
सिहीसाणसप्पपसवा ॥ मिणोहरएअईअमेशाय ॥ महीसयकुककमपरकी ॥
जायासंशारजलहिंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ बुझ्योदंभवासिकतिहां ॥ सांभली
श्रीगुरुवाणिरे ॥ कहेगुरुजीमाहरेसरयुं ॥ हिंसाअनर्थनीखाणिरे ॥ ४१ ॥
सा ॥ व्रतआपोश्रावकतणां ॥ तवगुरुजिनउपदेश्योरे ॥ पंचनमस्कारआपी
उ ॥ तेहनोमर्मप्रकास्योरे ॥ ४२ ॥ सा ॥ प्राणातीपातप्रमुखवली ॥ उचरा
व्यांव्रतबाररे ॥ हवेनिजचरीत्रतेसांभली ॥ कुर्कटहर्षअपाररे ॥४३ ॥ सा ॥
जातीसमरणपामीआ ॥ उपनोबहुसंतोषरे ॥ सूवनगुरुनाधर्मनी ॥ पाम्याबो
धिनोपोषरे ॥ ४४ ॥ सा ॥ भानुबंधीकर्मनीगयां ॥ हरषनमायोअंगेरे ॥ ति
णेंकूकमुकुबोलीआ ॥ राचतानाचतारंगेरे ॥ ४५ ॥ सा० ॥ इंणिअवसरनर
पतीतिहां ॥ राणीजयावलीसंगरे ॥ भोगभोगवतांसांभल्यो ॥ कुर्कटशब्द

सूचंगरे ॥ ४६ ॥ सा ॥ धनुषेंतिरंचढावीउं ॥ राणिनेंकहेइमरे ॥ देषितुंश्व्धवेधीपणुं ॥ कुर्कटमारूंएभ्रेमरे ॥ ४७ ॥ सा ॥ षेंचीबाणनेंमुंकीउं ॥ मास्याभ्रमनेंतेणरे ॥ राणीजयावलीसोगवी ॥ ततषिणजेसूपेणरे ॥ ४८ ॥ सा० ॥ तसकुषेंअमेउपना ॥ बोधीतणेंपरस्तावेरे ॥ गर्त्तप्रस्तावेंदोहलो ॥ उपनोतेसूणेसावेरे ॥ ४९ ॥ सा० ॥ अस्तयदांनदेउंजीवनें ॥ एहवाऊअापरीणांमरे ॥ अस्तयदांनदीधूंघणुं ॥ जंनमथयोअर्मतामरे ॥ ५० ॥ सा० ॥ दोहदपरिमाणेंठवे ॥ नामहमारोतातरे ॥ ऊसुतअस्तयरुचीठव्यो ॥ बिजीअस्तयमतीजातरे ॥ ॥ ५१ ॥ सा० ॥ हवेनरपतीमनचिंतवे ॥ पुत्रठवुंजुवराजरे ॥ पुत्रीनोवलीवीवाहकरूं ॥ एदोयउठवकाजरे ॥ ५२ ॥ सा० ॥ इंणिअवसरेंनृपनीकस्यो आहेडेपुरबाहररे ॥ पोहतोवीश्रालाउद्यानमां ॥ साथेंनीजपरीवाररे ॥ ५३ ॥ ॥ सा० ॥ वायुकुसूमसूरसीतीहां ॥ जांणीजोयुंउद्यानरे ॥ तिलकवृक्षनेंढुकडा ॥ दिगमुनीगतध्यानरे॥५४॥सा०॥सूदत्तनांमेंमुनीवरु॥ देषीकोप्योसूपरे॥ पारधीमांअसूकनथया ॥ पमीउंचिताकूपरे ॥ ५५ ॥ सा० ॥ करीउपद्रवएइनेंहवे ॥ मानुंसूकुनिदानरे ॥ हूंहूंकारकरीमुंकीआ ॥ मुनीउपरिमाहास्वानरे ॥ ५६ ॥ सा० ॥ वेगेंजालिमजमसमा ॥ आव्यामुनीवरपासरे ॥ जाजुल्यमानअगनीपरे ॥ मुनीवरदेहप्रकासरे ॥ ५७ ॥ सा० ॥ तपतेजतेनसक्यासही ॥ उषधीगंधजीमनागरे ॥ निरविषतिमनिःप्रसाथया ॥ तेहशुंनकरेरागरे ॥ ५८ ॥ सा० ॥ तपपरस्तावेंप्रदक्षिणा ॥ देईस्वाननोवृंदरे ॥ मस्तकधरतीइंषोसीनें ॥ प्रणमेंतेहमुणिंदरे ॥ ५९ ॥ सा० ॥ श्रीसमरादीत्यरासमां ॥ चोथेषंडढालरे ॥ एकवीसमीपदमेंकही ॥ सूणतांमंगलमालरे ॥ ६० ॥ सा० ॥ उहा ॥ देषीअचरीजदूरथी ॥ उपनुंचित्तमांइम ॥ स्वानपुरुषएसमऊणा ॥ नहीनरेस्वानऊंनेम ॥ ६१ ॥ तपचरणेंमुनीततपरा ॥ अकूत्यालचिंत्यूंआज ॥ इंणिसमेपुरीथीआवीउं ॥ केईजनवंदनकाज ॥ ६२ ॥ जिनधरमेंसावीतजिके ॥ अरहदत्तइंणनाम ॥ सेठपुत्रसोहामणो ॥ आव्योवंदनआंम ॥ ६३ ॥ मेदनीपतीनोमीत्रते ॥ दिठोनृपअवदात ॥ मुनीउपसर्गतेमोढिको ॥ परलोकनोकरे

पात ॥ ६४ ॥ प्रणमीसूपसणीकहे ॥ करयुंएहस्यूंकांम ॥ कहेनरपतीनरकु
तस्या ॥ सरीखुंकिधूंस्यांम ॥ ६५ ॥ अरहदत्तकहेइंणिपरें ॥ पुरुषसिंहपरधां
न ॥ अश्वथीहेठाउतरो ॥ वंदोएसगवांन ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ हाररोहीरोम्हारो
साहिबो ॥ एदेशी ॥ देशकलिंगनोअधीपती ॥ साहिवाम्हारा ॥ अमरदत्तरा
जानहो ॥ पुत्रसूदत्तनांमेंतेहना ॥ सा० ॥ नरपतीनिरमलवानहो ॥ ६७ ॥
संवेगलीनोम्हारो ॥ समतास्यूंलीनोम्हारो ॥ मुनिमांनगीनोम्हारोसाहिबो ॥
साहिवाम्हारा ॥ वंदोमुनीवरपायहो ॥ एआंकणी ॥ प्रथमजोवनमांहिंवरत
ता॥सा०॥ एकदिनआव्योतलारहो ॥ चोरसाथेंएकल्यावीउं ॥ सा० ॥ विनवे
नृपनेंतिवारहो ॥६८॥ सं० स० मु०॥ परघरपेंसीनेंइणें ॥ सा० ॥ लीघोद्रव्य
अपारहो ॥ मारयोमहर्डिकनेंवली ॥ सा० ॥ यहीउंनिसरतीवारहो ॥ ६९ ॥
॥ सं० स० मु० ॥ हवेजीमकहोतिमकीजीइं ॥ सा०॥ सांसलीतेनररायहो॥
धरमवाखसणनारनें ॥ सा० ॥ तेमीसूणावेप्रकारहो ॥ ७०॥ सं० स०मु०॥
स्योदंडएहनेंदिजीइं ॥ सा० ॥ तवनरबोल्योतेहहो ॥ घातकरयोचोरीकरी ॥
॥ सा० ॥ किधूंकर्मअठेहहो ॥ ७१ ॥ सं० स० मु० ॥ त्रिकचोकचाचरेंफे
रवो ॥ सा० ॥ सङ्घजननेंसंसलाविहो ॥ नेत्रउपाडोएहनां ॥ सा० ॥ काननें
नाककपाविहो ॥ ७२ ॥ सं० स० मु० ॥ हाथनेंपगवलीछेदीइं ॥ सा० ॥ इं
णिपरेंजीवनोनाशहो ॥ करवोइंमरीषीवयणछे ॥ सा० ॥ सांसलीवयणविन्या
सहो ॥ ७३ ॥ सं० स० मु० ॥ चिंतवेअहो २ नृपकुलें ॥ सा० ॥ करवांए
हवांपापहो ॥ तिणेएराज्यसूरवेंसरयुं ॥ सा० ॥ जेहथीबहुसंतापहो ॥ ७४ ॥
॥ सं० स० मु० ॥ आणंदनांमसाणेजनें ॥ सा० ॥ सूंपीराज्यनोसारहो ॥ सू
धर्मगुरुपासेंथया ॥ सा० ॥ गेहतजीअणगारहो ॥ ७५ ॥ सं० स० मु० ॥
मुनीवंदनकरीनीसरो ॥ सा० ॥ सांसलिश्रावकवाणिहो ॥ मुनीवंद्याजबतिणें
समें ॥ सा० ॥ थयुंमुनीपुरणझाणहो ॥ ७६ ॥ सं० स० मु० ॥ धर्मलासदे
ईसाषीउं ॥ सा० ॥ बेसतूंनीरवद्यठाणहो ॥ पश्चात्तापनृपउपनो ॥ सा० ॥
जाणीअकज्ञअप्पाणहो ॥ ७७ ॥ सं० स० मु० ॥ रायबेसीमनेंचितवें॥

सा० ॥ मेंकस्योमुनीवरघातहो ॥ प्रायछीतमुझनेंनही ॥ सा० ॥ विणनीजम
त्तकपातहो ॥ ७८ ॥ सं० स० मु० आत्मअकार्यकलंकथी ॥ सां० ॥ दूषी
त्तएकमुझत्तहो ॥ थारीनसकुंतिणेंहवे ॥ सा० ॥ निपजावुंएहजुत्तहो ॥ ७९ ॥
सं० स० मु० ॥ इंणिसमेमुनीनेंउपनुं ॥ सा० ॥ मणपज्जववरनांणहो ॥ जा
णीआशयत्तूपनो ॥ सा० ॥ मुनीवरकहेइंमवांणिहो ॥ ८० ॥ सं०स०मु० ॥
एतुझप्रायछितनही ॥ सा० ॥ जेतेंकल्पनाकीधहो ॥ आत्मघातपणिवारीउं ॥
सां० ॥ तेपणिसमयप्रसिधहो ॥ ८१ ॥ सं० स० मु० ॥ यतः ॥ सावीयजी
णवयणाणं ॥ ममत्तरहियाणतछिङ्कविशेसो ॥ अप्पाणंमीपरंमीय ॥ तोवज्जे
पीडमुसउंवी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कलंकदूरथीतनिजआतमा ॥ सा० ॥ जेचि
त्तचितवेतासहो ॥ जैनक्रियाजलेंधोयतां ॥ सा० ॥ निरमलथाइंषासहो ॥ ८२ ॥
सं० स० मु० ॥ सवअनुबंधवधेघणो ॥ सा० ॥ करतांआतमघातहो ॥ सव
कोझिपाम्योनही ॥ सा० ॥ जिनवरवयणवीख्यातहो ॥ ८३ ॥ सं०स०मु० ॥
तिणेंजिनआणिअंगीकरो ॥ सा० ॥ सांसलीचितवेरायहो ॥ अहोमनवातजा
णेमुनी ॥ सां० ॥ मुझमनअचरीजथायहो ॥ ८४ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायछी
तमुझपापनुं ॥ सा० ॥ निश्चयलहेस्यूंएपासहो ॥ आणंदजलसरीनयणमां ॥
सा० ॥ चरणेंपडेन्टपतासहो ॥ ८५ ॥ सं० स० मु० ॥ प्रायछितप्रसूत्तापीउं ॥
सा० ॥ मुझकहेसूणिमहारायहो ॥ एकमीथ्यातअज्ञानजे ॥ सा० ॥ तासअ
त्तावजोथायहो ॥ ८६ ॥ सं० स० मु० ॥ चितववुंविपरीतजे ॥ सा० ॥ ते
मिथ्यापरीणामहो ॥ तेंपणिविपरीतचितव्युं ॥ सा० ॥ मुनीअपशकुननोगाम
हो ॥ ८७ ॥ सं० स० मु० ॥ करीअकदर्थनावारीइं ॥ सा० एअपशकुननि
दानहो ॥ तूझमनइंणिपरेंउपजे ॥ सा० ॥ नवीकरेएकदीध्यानहो ॥ ८८ ॥
॥ सं० स० मुं० ॥ तुंमुंमुंमीतवली ॥ सा० ॥ तिषथीजीवेजेहहो ॥ वली
पाषंडवीरुधए ॥ सा० ॥ पावंननकरेतेहहो ॥ ८९ ॥ सं० स० मु० ॥ मध्य
स्थत्तावकरीसूणो ॥ सा० ॥ उत्तरएहरसालहो ॥ चोथेखंडेबाविसमी ॥ सा० ॥
पद्मविजयकहीढालहो ॥ ९० ॥ सं० सं० मु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥दुहा॥ पलकएकहोयपवीत्रता ॥ मनमांहोयअतीमान ॥ करेआरथनाकाम
नी॥शुचिकुंएहवीसान ॥ ए१ ॥ जीवविराधनाजलतणी ॥ नहीकोइधर्मनो
नान ॥ सदगतीजोस्नानेंहोइ ॥ मछदेमकबहुमान ॥ ए२ ॥ जननदिक्षाइजोथ
थी ॥ विप्रेंपणिवमरीती ॥ अस्नानव्रतसलूंआदर्यूं ॥ नविजाणेंएनीती ॥
॥ ए३॥ढाल॥ चोपईनीदेशी॥ सूणितूंस्नाननीवातजकरुं ॥ पांचशौचपुराण
मांलरुं ॥ सत्यसौचतपशौचजवली ॥त्रिजुंइंद्रीयनिग्रहमलि ॥ ए४ ॥ चोथुं
सर्वजीवनीदया ॥ जलनुंशौचपांचमुंकहीगया ॥ वलीआरंसेवरतेजेह ॥ मै
थुनसेवेरहेतोगेह ॥ ए५ ॥ शौचपणंतेब्राह्मणतणी ॥ नकशुंजुधीष्टरमेंपाप
गणी ॥ ल्योमाटीनासारहजार ॥ शतकूंसावलिलीजेंवारि ॥ ए६ ॥ तिरथशा
तगमेकरेसनान ॥ पणिजोदूष्टाचारनीदान ॥ तेहपवीत्रब्राह्मणनहीकदा ॥
पापप्रमादेंवरतेसदा ॥ ए७ ॥ जिममदिरानुंसाजनहोय ॥ सहसवारजोधो
वेतोय ॥ पवित्रनथाइंतिणिपरिजांणि ॥ दूष्टअंतरगतचीत्तनुन्हाण ॥ ए८ ॥
आत्मनदीसंजमजलसरी ॥ सत्यप्रवाहशीलतटकरी ॥ दयानदीपांमवकरो
स्नान ॥ जलथीशुद्धनआत्मनीदान ॥ एए ॥ इत्यादिकशीवशास्त्रेंघणा ॥
साघ्यासेदतेस्नानजतणा ॥ सर्वसास्त्रमांप्रांणीदया ॥ न्हातांनरहेतेहनीमया
॥ ७०० ॥ वलीदातणनोकह्योविचार ॥ श्राद्धतथाउपवासमझारि ॥ दंत
काष्टसंजोगनीवारि ॥ संजोगेंसातकूलसंहार ॥ १ ॥ महाभारतमांवातएक
ही ॥ वलीमार्कंमपुराणेंलही ॥ संक्रांतीदिनपमवेप्रतीपदा ॥ नोमीबारसिव
लीवरजीसदा ॥ २ ॥ तेकारणदातणनोदोस ॥ मकरोकरीइमनसंतोस ॥ वली
अषंमव्रतनीयमनाधार ॥ विषयकषायजीत्याअणगार ॥ ३ ॥ सझायध्यांन
मांरातानीत्य ॥ एहवामुनीवरनीत्यपवीत्त ॥ वलिसिरतूंमसुंमनजेकर्युं ॥ प्र
थमव्रतराखणनेंधर्युं ॥ ४ ॥ पाषंमपणिएमंगलकरे ॥ जोचित्तमांमुनी
मंगलधरे ॥ सझनेंशास्त्रेंसीक्षाकही ॥ मंगलजोपालेव्रतवही ॥ ५ ॥ अन्यलि
गथीभ्रष्टजेथया ॥ जैनलिंगेजेमोक्षेंगया ॥ जैनलिंगथीभ्रष्टजोथाय ॥ तोत
सबअलेपकहेवाय ॥ ६॥ स्वेतांबरकेहवास्येवेष ॥ किमअवतारकरेस्यूंवीसे

ष ॥ कहोमहादेवमनेंएतुम्हें ॥ जिमनिःसंदेहजाणंअम्हे ॥ ७ ॥ दंमकंबल
महेशुद्धआहारा॥अजारोमप्रमार्जनधारा॥तुंबिफलसाजनहोयकरे॥ सिक्षासोज
नकोपनधरे ॥८॥ स्वेतवस्त्रराषेंकरेदया ॥ मुक्तिजैनपरममांगाया ॥ पापनीकं
दननेंअवतार ॥ जुग २ किधाम्हेंअणगार ॥ ए ॥ एहप्रसासपुराणेंकथा ॥सां
सलीबोलोममुखथीवृथा॥सूरनेंपणिएअमणनुंरुप॥ मंगलरुपकह्यांसूंणिसूप ॥
॥१०॥ यतः ॥ प्रसासपूराणें॥अन्यलिंगपरीभ्रष्टो॥जैनलिंगेनसिध्यति॥जैनलिं
गपरीभ्रष्टो ॥ वज्रलेपोसवीष्यती ॥१ ॥ कीदृशाःस्वेतांबराः॥ तेकीदृशाःकिमा
कारा: ॥ कर्म्मकूर्वंतीकीदृशं ॥ अवतारःकथंतेषां ॥ महादेवनीगद्यतां ॥ २ ॥
दंमकंबलसंयुक्तं ॥ अजारोमप्रमार्जनं ॥ गृह्णंतीशुद्धमाहारं ॥ शास्त्रंदृष्ट्वा
चरंतीच ॥ ३ ॥ तुंबिफलकरासीक्षा ॥ सोजनंस्वेतवाससाः ॥ नकुर्वंतीकदा
कोपं॥ दयाकुर्वंतीजंतूषु ॥ ४ ॥ मुक्तिजैनधर्माय ॥ पापनीष्कंदनायच ॥
अवतारःकृतमेषां ॥ मयादेवीयुगेयुगे ॥ ५ ॥ पूर्वढाल ॥ महासारतमांसा
ध्युंइम ॥ जसकुलजतीनथाइंप्रेम ॥ अवगतीआतसपुरवजथाय ॥ तेनरमो
क्षेंकीमेनजाय ॥ ११ ॥ शिवशासनमांजैनप्रमांण ॥ केतासाधूंतासवषांण॥
सांसलीनृपनुंगयुंमीथ्यात॥कहेतुम्हज्ञानअहोसाक्षात ॥१२॥ इमकरतोमुनी
चरणेंनमें ॥ गुरुजीकोपनकरस्योतूम्हें ॥ म्हेंअज्ञानपणेंकर्युंकर्म ॥ तेषम
ज्योप्रसूतूमचोधर्म ॥ १३ ॥ मुनीकहेमुनीसमतापरधान ॥ उठिमकरिसंभ्रम
कोइगण ॥ सर्वजीवनुंखमीइंअमे ॥ तिणेंअमकोपनचित्तमांगमे ॥ १४ ॥
आक्रोशतर्जनाघातनाकरे ॥ धर्मभ्रंशवलीक्षदइंधरे ॥ अधिम२वीरहतेलाव॥
लासतेहोइंशुद्धस्वसाव ॥ १५ ॥ वलीमुनीसावेंकर्मवीवाग ॥ सूपतीहरख्यो
धर्मतेराग ॥ एकुनाज्ञानथीगंनुंनही ॥ पुछूंतातनेंआर्यिकाकही ॥ १६ ॥
इंमचितीनेंपुछ्यूंजदा ॥ मुनीकरेंसाध्युंसघलूंतदा ॥ पीठकूर्कटवधमांमीकरी ॥
जयावलीसूतनेंदीकरी ॥ १७ ॥ तिहांलगेंसांसलीरायविचार ॥ चितवेअहो
संसारअपार ॥ अहोसवनाटिककिणिपरेंलहे ॥ ज्ञानीगुरुविणकहोकुणकहे॥
॥ १८ ॥ इंमचोथेखंमेंएकही ॥ ढालत्रेवीसमीपदमेंसही ॥ समरादित्यनरप

तीनोरास ॥ सांसलोआगलवातविलास ॥ १९ ॥ दूहा ॥ अहोसंसारअसार
ता ॥ अवलाअथीरसनेह ॥ अहोगुरुतामोहरायनी ॥ अकंज्ञविवागअछेह ॥
॥ २० ॥ कुर्कटपंछनोवधकस्यो ॥ देवतादिधूंदाण ॥ तेहविपाकइंमतातनें ॥
परणम्योकाढेंप्राण ॥ २१ ॥ मेंतोजीवमास्याघणा ॥ आलेंघरीअन्नाण ॥
नरकविनामुक्तनेंनही ॥ होस्येहीएकंठाण ॥ २२ ॥ पुछुंअथवामुनीप्रतिं ॥
मुनीलहीमननीवात ॥ कहेनृपनेंचिताकीसी ॥ वलीसांसलिअवदात ॥ २३ ॥
जैनधरमजोपमीवजे ॥ पापनोपश्चाताप ॥ त्रिविधेंआरंभनेंतजी ॥ आदरे
चारीत्रआप ॥ २४ ॥ ढाल ॥ देशीफतमलनी ॥ नरपती ॥ चारीत्रलेईआप ॥
जीवसवेमैत्रीकरे ॥ न० ॥ राषीमध्यस्थभाव ॥ वैराग्यभावनाआदरे ॥ २५ ॥
न० ॥ पालीनीरतीचार ॥ पुरवदूःकृतषेपवे ॥ न ॥ कारणविणनवकर्म ॥
अशुभनबांधेंतेहवे ॥ २६ ॥ न ॥ षयकरीकर्मनीजाल ॥ पुण्यपरंपरासा
धतो ॥ न ॥ आराधकथईतेह ॥ शुभगुणठाणेंवाधतो ॥ २७ ॥ न ॥ श्रेणी
क्षपकचढीजीव ॥ घातीकरमनोषयकरी ॥ न ॥ पामीकेवलज्ञान ॥ शाश्व
तशिवलछीवरी ॥ २८ ॥ न ॥ जिहांनहीरोगनेंशोग ॥ जनमजरामरवुंनही ॥
न ॥ अव्याबाधअरुप ॥ अशरीरीपदवीलही ॥ २९ ॥ न ॥ बोल्योतेभूपा
ल ॥ तातआयिंकाइंणिपरिं ॥ नं ॥ पाम्याकर्मविपाक ॥ एहवेअलपडःकृत
करें ॥ ३० ॥ गणपतीम्हेकस्यांकर्मअघोर ॥ सीगतीहोस्येमाहरी ॥ ग ॥
लोगव्याविणकिमजाय ॥ एहमांकुंणतूफवाहरी ॥ ३१ ॥ ग ॥ सदगतीपा
मुंकेम ॥ तवगुरुकहेसूणिभूपती ॥ न ॥ एकचरणपरिणाम ॥ काढेकर्मनीसं
तती ॥ ३२ ॥ न० ॥ पातीकविषपरीणाम ॥ अमृतसमचारीत्रकह्युं ॥ न० ॥
कर्मगिरीपवीरुप ॥ चिंतामणीदूर्विधलह्युं ॥ ३३ ॥ न० ॥ शिवसूखफलसूर
रूष ॥ चरणपरीणामकह्योसही ॥ न० ॥ विषलवषाइंकोय ॥ तासउपायकरेन
ही ॥ ३४ ॥ न० ॥ पामेंआपदतेह ॥ कृत्याकृत्यमुंफीरहे ॥ न० ॥ नरसूख
सघलांगमी ॥ जिवितषयततषिणदहे ॥ ३५ ॥ न० ॥ तिमएजिवप्रमाद ॥ व
सथीपापकरमकरी ॥ न० ॥ नवीकरेतसप्रतिकार ॥ जनममरणकरेसवफरी

॥ ३६ ॥ न० ॥ जोकरेतासउपाय ॥ अमृतसमसकांतिकरी ॥ न० ॥ कालकूटविषहोय ॥ तोपणितसलीइंसंहरी ॥३७॥न०॥विखलवनोस्योसार॥तिमस्तवसावअनादीमां ॥न०॥ सेवीपापअघोर॥प्रतिपक्षसेंवेआल्हादमां ॥३८॥न०॥ बहुलवसंचितपाप ॥ क्षयकरचारीअआदरी ॥ न० ॥ एकलवनोस्योसार ॥ गुरुवचसूणीहरषेंकरी ॥ ३९ ॥ न० ॥ पुठेचरणपरीणाम ॥ स्यूंकहीइंतवगुरुकहे ॥ न० ॥ सम्यगज्ञानथीतीव्र ॥ रुचिथीपापनीदतिलहे ॥ ४० ॥ न० ॥ तूम्हवरीसणेंथयोधन्य ॥ आजमहानिधीम्हेंलह्यो ॥ न० ॥ आणिकरूंतूम्हएह ॥ जोतूम्हेंश्रमणयेोग्यकह्यो ॥ ४१ ॥ न० ॥ भृत्यनेंकहेनरनाथ ॥ जईकहोमंत्रीप्रमुखसणी ॥ न० ॥ असयरुचीठवोराज्य ॥ आणिकरोएअमतणी ॥ ४२ ॥ न० ॥ मतकरज्योमुझखेद ॥ जैननीदीक्षाग्रहूं ॥ न० ॥ अंगीकरीतेभृत्य ॥ जईसंतलाव्यूंतिणेंषहूं ॥ ४३ ॥ न० ॥ सांसलीऊंपणितेह ॥ असयमंत्रीसाथेंमही ॥ न० ॥ अंतेउरसवीषाद ॥ पोहताॠपपासेंवही ॥ ॥ ४४ ॥ न० ॥ दिठेमुनीनेंपास ॥ संवेगरससावितमती ॥ न० ॥ बेठेधरतीहेठि ॥ छत्रचामरछंडयाजती ॥ ४५ ॥ न० ॥ होयनहोयएराज ॥ जय २ शब्दथीप्रणमती ॥ न० ॥ सीहपंजरगतरीतो ॥ किमबेठाकरेविनती ॥ ४६ ॥ ॥ न० ॥ गतदाढाजिमसर्प्प ॥ राज्यभ्रष्टनरनीपरें ॥ न० ॥ बेठासोकमझारि ॥ तवसूपतिइंमउचरे ॥ ४७ ॥ न० ॥ मुनीसाध्योसंबंध ॥ वातकहीतेसांसली ॥ ॥ न० ॥ इहापोथयोताम ॥ अमचीमतीबहुखलसली ॥ ४८ ॥ न० ॥ जातीसमरणज्ञान ॥ उपनुंअमविहुंनेंतदा ॥ न० ॥ मुर्छागतथयांदोय ॥ अमेधरतीढलीआंयदा ॥ ४९ ॥ न० ॥ अंतेउरपरीवारातेहदेषीनेंरुदनकरे ॥ न० ॥ एवलीबिजुंदूख ॥ माननीनयणआंसूझरे ॥५०॥ न० ॥ मुर्छालहीअम्हमाय ॥ अनुंकमेंचेतनपामीआं ॥ न० ॥ मातआश्वासनाकीध ॥ रायनेंचरणेंनांमीआं ॥ ५१ ॥ न० ॥ कहेसंसारअसार ॥ देषीअममनउलगुं ॥ न० ॥ श्रमणपणंतूमसाथि ॥ लिजीइंइमअम्हेंउलगुं ॥ ५२ ॥न० ॥ रायकहेजिमसूख ॥ एहमांप्रतीबंधमतकरो ॥न०॥ साएजनेंदिउराज्य ॥ विजयधरमअसीधाधरो

॥ ५३ ॥ न० ॥ जिनवरचैत्यमकारि ॥ अगईमहोछवकरी ॥ न० ॥ लेईअ मनेंसाथ॥वलिपरधांनअंतेउरी ॥ ५४ ॥ न० ॥ लिइंदिक्षागुरुपास ॥ चोथेखं मेंमनधरी॥न०॥चोविसमीवरढाल ॥ पद्मविजयकहीसूखकरी॥५५॥ ड्हा॥ म्हेंकह्युंगुरुनेंपायनमी ॥ नयणावलीनेंनाथ ॥ संसलावोसूरुदेशना ॥ पारल हेसवपाथ ॥५६ ॥ जोग्यनहीजीनधर्मनें ॥ किधूंघणंअकाज ॥ त्रिजीनरगें ततषिणें ॥ जास्येकहेगुरुराज ॥ ५७ ॥ रूषीअनुसयतवबङ्ककरे ॥ कहेगुरु मतकरोइंम ॥ चारीत्रतूम्हेचोषुंकरो ॥ मान्युंगुरुवचप्रेम ॥ ५८॥ अनुंक्रमेंच रणआराधीनें ॥ कालकरीततकाल ॥ उपनादेवलोकआठमे ॥ सूखसोगवेवि शाल ॥५९ ॥ ढाल ॥ देशीएकवीशानी ॥त्रूटकनी ॥कोसलदेशेंरे ॥ साकेतन यरीइंनरपती ॥ विनयंधररेतेहनीराणीलछीमती ॥ तेहनोसुतरेनामजसोधरहुं थयो ॥ पाडलीपुरेरेजीवअसयमतीआवीयो ॥ ६०॥ त्रूटक ॥ आवीउईशान सेननृपनी ॥ राणीवीजयानामए ॥ विनयमतीतसनांमथाप्युं ॥ कलासीष्यां तामए ॥ स्वयंबरातेआवीवरवा॥बङ्कआडंबरथकी ॥ नयरबाहीरआवासआ प्या ॥ म्हेंपणिसांसलीतेवकी ॥ ६१ ॥ मनहरष्योरेतातेंलगनजोवाडीउं ॥ अ नुंक्रमेरेवरघोडेमुडचाडीउं ॥ वाजंतेरेवङ्कविधतूरमंगलतणां ॥ नाचंतेरेपात्रप गेंपगेंअतीघणां ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥ अतिघणांमंगलबिरुदबोले ॥ साटचारणलो कए ॥ माताप्रमुखसवीनारीगावे ॥ धवलमंगलथोकए ॥ आडंबरबङ्ककरी चाल्यो ॥ राजवंदेपरिवर्यो ॥ धवलगजशीरउपरिहुं ॥ मस्तकधलीछत्रजध र्यो ॥ ६३ ॥ नरनारिइंरेप्रशादतलरह्यादेषीइं ॥ अनुंक्रमेंरेराजमार्गमांविशे षीइं ॥ इंणिअवसरिरेदाहीणलोचनफूरकीउं ॥हरषेंकरीरेचित्तमांम्हेंआलोकी उं॥६४ ॥ त्रु० ॥ आलोचिउंकांयहरषथास्ये ॥ एहथीपणिअसीनवो ॥ इंणि अवशरिदिगफिरता ॥ गोचरीइंसाहवो ॥ कल्यांणसेठनेंसवनआंगण ॥ पूर्व अल्यासेंकरी॥ उपनुंमुनीराजदेषी ॥ जातीसमरणचितधरी ॥६५॥ मुरछावशें रेपडतांगजसीरथीझल्यो ॥ नामेंरामसव्वरेपुरुषेंपासेंबेठंकल्यो ॥ तूरादिकरे बंदकर्यांतिणेंअवसरें॥ षेदलहीनृपरेआवीचित्तेइंणिपरें ॥६६॥ त्रु० ॥ इंणिप

रिपुगफलादीमदथी ॥ होस्येतिणेंसीचावीउ ॥ चंदनपाणीप्रमुखथीतव ॥ तासचे
तनआवीउ ॥ तातपुछेपुत्रस्यूंए ॥ कह्युंम्हेंतवइंमए ॥ संसारविलसीततातएछे
तातकहेतेकेमए ॥ ६७ ॥ एहवचननोरेअवसरनहीतवम्हेंकह्युं ॥ वातमो
हटीरेसंखेपेंकिमजाइंकह्युं ॥ सहुतेमोरेबेसोएकांतेंससाकरी ॥ सहुतेम्यारेबे
गसूणवाचित्तधरी ॥ ६८॥ त्रु०॥ चित्तधरीपुछेवातस्यूंछे ॥ तिणसमेम्हेंसाषी
उं ॥ संसारनिर्गुणमोहमुकीत ॥ प्राणिइंमजीनदाषीउं ॥ चित्तचिंतवेआलोच
अवला ॥ प्रवर्त्तेंअहीनेसदा ॥ अनागतनवीकालपेषे ॥ वर्त्तमांनजुइंतदा ॥
॥६९॥ साधारणरेजनमजरारोगसोगमा ॥ एकमरणनेरेवलीवाहलानावीजोग
मा ॥ प्रमादनीरेचेष्टाथेमीवहुदूखदीइं ॥ सूरअसूरनेंरेनरतिरीनेंजाणोहिइं ॥
॥ ७० ॥ त्रु० ॥ पीठमयकुर्कटहण्योतिणें ॥ जुउपरीणम्योकेतलो ॥ इंमक
हीसूरेंद्रदत्तनासवथी ॥ साप्योसोंगव्योजेतलो ॥ ७१ ॥ सहुसांसलीरेकहे
अकारयकर्मना ॥ लहेसंवेगरे सूणीअविपाकविहामणा ॥ माततातनेंरेपरी
जनसहुवेरागीआ ॥ देषीसाधुंरेसांसलोचीतलयलागीआ ॥ सवथीमुक्तरेचि
त्तविरक्तथयुंघणं ॥ आपोआणारेसफलकरुंनरभवपणं ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ मो
हवशतवतातबोले ॥ पुत्रतुज्मकुणनाकहे ॥ ताहरोभवसफलछेतिणें ॥ एहक
न्याकिमजरहे ॥ परणीनेंएप्रजापालो ॥ पुण्यबांधोइंणिपरें ॥ म्हेंकह्युंधुरथी
ताततूम्हनें ॥ पाणीग्रहणतेकूंणकरे ॥ ७३॥ तातसासेंरेपरणवामांस्योदोषछे॥
म्हेंसाध्युंरेपाणीग्रहणसूषसोषछे ॥ उषधवीनुंरेव्याधीमोहनुंगेहछे॥ शुक्लध्यान
नोरेवयरीनविधृतीरेहछे ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ विक्षेपनोएमीत्रसाध्यो ॥ शांतिनो
प्रतीपक्षए ॥ मदभवनडखउदयकारण ॥ पापआवासलक्षए ॥ नरभवसाध
ननेंहोयसमरथ ॥ तोहिपणिसीदायए ॥ सिहपंजरमांपमयोतीम ॥मोक्षकिमें
नसधायए ॥ ७५ ॥ रयणकंचनरेथालमांहिविष्टाभरी ॥ कुणनांषेरेतिमएन
रभवलहीकरी ॥ कुणसेवेरेविषयवचनजीननांलही ॥ तिणेंदिजेरेआणातात
जीमुक्तवही ॥ ७६ ॥ त्रु० ॥ नयनमांतवनीरआंणी ॥ कहेतातअम्हनेंहए ॥
पीमेअतीसयतेहकारण ॥ रहोअमचेगेहए ॥ म्हेंकह्युंस्नेहनकीजीइंएह ॥

निमीत्तमुख्यसंसारए ॥ दिपपरेंकूणउपजेवीएसें ॥ तासकुइंसवपारए ॥७७॥ बोलेसूपतीरेंईसानसेनन्टपनीधुआ ॥ षेदकरस्येरेतवम्हेंकस्युंआणीमया ॥ कहेवरावोरेतेहनेंएहविचारए ॥ जोबुकेरेसांसलीमुकअधीकारए ॥ ७८ ॥ अु० अधीकारसांसलीकहेराजा ॥ एहवातकहीषरी॥पचवीसमीएढालसाषी ॥ खंमचोथेसूखकरी ॥ विबुधउत्तमवीजयकेरो ॥ सीसपद्मवीजयकहे ॥ रासस मरादित्यकेरे ॥ सूणतजयलछीलहे ॥ ७९ ॥ दूहा ॥ पुरोहीतनेंनरपतीकहे ॥ शंषवर्द्धनसूणिवात ॥ जिमनिपनीतिमजईतूम्हें ॥ संसलावोसूखसात ॥८०॥ कुमरीपासेंजइकरी ॥ आव्योलूपतीपाय ॥ कहेसीधाएकुमरना ॥ मनोरथ सूणोमहाराय ॥ ८१ ॥ जईसाष्युंम्हेंजतनथी ॥ कांयककहेन्टपकांम ॥ आसनथीतेउतरी ॥ अंजलीकरीकहेआम ॥ ८२ ॥ अवनीपतीआणाकरूं ॥ मेंसाष्युंतवइंम ॥ इहांकूमरनेंआवतां ॥ राजमारगमांप्रेम ॥ ८३ ॥ साधूदर्शन थीसषर ॥ जातीसमरणजाम ॥ उपनाथीनवसवअवल ॥ ततषीणसाष्याताम ॥ ८४ ॥ संसलाव्यासरवेअम्हे ॥ जसोधरामुखजाम ॥ नयणावलीसूतनीवधू ॥ इणअवसरथयुंआम ॥ ८५ ॥ ढाल ॥ सांसरीआगुणगावामुकनेंहीरनोरे ॥ एदेशी ॥ इमसांसलतांमुछांपामीन्टपधूआरे ॥ कांयऊउ २ आकूलसवीपरिवाररे ॥ चंदनसीचेचेतनपामीतवपछेरे ॥ कांयपुछ्योर म्हेंतसएअधीकाररे ॥ ८६ ॥ सांसलज्योअहोकर्मवीपाकविचित्रतारे ॥ कांयसाष्युंइंणिपरेंराजकुमरीइंतांमरे ॥ मेसाष्युंकिमतेहविचित्रता तवकहेरे ॥ तेहजशोधरामाहरुंजाणजेनामरे ॥ ८७ ॥ सा० ॥ सवमांसमतां कर्मनाटिकस्युंनवीहोयेरे ॥ तवम्हेंसाष्युंसांसलोकुमरीवातरे ॥ एहचरीत्रेंराजकुमरमनउलसुंरे ॥ कांयदिखाईछेजिनवरसाषीष्यातरे ॥ ८८ ॥ सां० ॥ रायकहेवरावेंकहोहवेअम्हेंकरीइंकिस्यूंरे ॥ तवसाबोलीकहोजईनेंमहारायरे ॥ एहसंसारसरुपदेषीकहोकूंणनेंरे ॥ नविवैराग्यकरेजिणेंशिवसुखथायरे ॥ ८९ ॥ तिणेसंसारतणाप्रतीबंधथकीसस्युरे ॥ किजेंजेमनउपजेकुमरनेंसावरे ॥ मुकनेंआणाबोजिमइंदिखायकरे ॥ सूणीराजासंवेगलहोलव

नावरे ॥ ए० ॥ सां० ॥ कहेकुमरनेंपुत्रमात्रनहीमाहरोरे ॥ धर्मपमाम्यों
तिणेंगुरुमाहरोहोयरे ॥ तिणेंसंसारमांरहेवुंसरीखुंमाहरेरे ॥ दिक्षालेस्यूंअम्हे
पणिदंपतीदोयरे ॥ ए१ ॥ सा० ॥ म्हेंसाध्युंतवतातजीतुम्हइंमजघटेरे ॥
नविकीजेंकांयएहवातेंप्रतिबंधरे ॥ तवनिहांदिवराव्युंमहादानवलीकरेरे ॥ स
घलेदेहरेजिनपुजासंबंधरे ॥ए२॥सा०॥ कुलकभातामुक्रजसवर्द्धननामथीरे॥
तेहनेंथाप्योराज्यनोसारविशेषरे ॥मायपीतापरधानलोकवलीकेईस्युंरे ॥ विन
यवतीस्युंलिधोसाधूवेषरे ॥ ए३॥सा० ॥ इंद्रभूतीआचारयपासेंपुन्यथीरे॥ लि
धोसंजमसद्भइंशुभपरिणामरे ॥ एनिर्वेदकारणमुक्रचरीत्रकह्युंसवेरे ॥ सांभल
रेतुंधन्नकूमरअसीरामरे ॥ ए४ ॥ सां० ॥ धनकहेरुकुंनिर्वेदकारणदाषीउरे ॥
साधोमुक्रनेंकरवानेजेजोग्यरे॥ गुरुकहेचरणसामग्रीजगमांदोहिलोरे ॥ पांमी
नेंकुणहारेमुरखलोगरे ॥ ए५ ॥ सां० ॥ विस्तारेंसूणीइछलसवातचरीत्रनीरे ॥
हरष्योरधन्नकूमरकहेप्रेमरे॥लेउंचारीत्रगुरुजीतूम्हआणाथकीरे ॥ मायता
यनेंसमझावुंजइंमरे ॥ए६ ॥ सा०॥ गुरुकहेजीमसूखउपजेतिमकीजेंतूम्हे
रे॥ आव्योमातपीतानेंपासेंधन्नरे ॥ परमसंवेगेंवातकहीमुनीवरतणीरे ॥ प्रति
बुज्यामायतायकरेव्रतमन्नरे ॥ए७॥ सा०॥ योग्यपुत्रजेगेहसारसूपुंहवइंरे ॥
इमकरीधनकुमरनेंसाषेनेहरे ॥ मणीमोतीमुखसारद्रव्यतूम्हेंआदरोरे ॥ अ
म्हेप्रवज्यालेस्यूंशिवसूखगेहरे ॥ ए८ ॥ सा० ॥ धनकहेसारपणेंस्यूंदिठुं
द्रव्यमांरे ॥ जनमजरानेंमरणनराषेकोयरे ॥ अरथीमनोरथपुरापणिनक
रीसकूंरे ॥ अथवापुन्यगइंपणिसंचीतजायरे ॥ एए ॥ सा० ॥ परलोकेप
णिनहोइंसखाइकोइंनेंरे ॥ तातकहेतेंएतोसाध्युंसाचरे ॥ धनकहेआणाआ
पोसाथेंव्रतग्रहूंरे ॥ तानकहेएसाचुंपणिसूणिवाचरे॥८००॥ सा० ॥ जौवनें
इंद्रीयदमवाकंदरपडर्दमोरे ॥ धनकहेअवीवेकतेजौवनजाणिरे ॥ नहीतरु
णनइंपरढोजीवअनादीनोरे ॥ गरढापणिवद्भविषयपीपासवषाणिरे ॥ १ ॥
सा० ॥ यतः ॥ गलीतंअंगंपलीतंमुडं ॥ दशनविहीनंजातंतूडं ॥ दंडोयाती
गृहित्वादंडं ॥ तदपीनमुंचत्याशापिंडं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ निदानगणेंनविचा

रेपरमार्थनेरे ॥ द्रव्यसंजोगेकेइकरेवलीगामरे ॥ पारदमर्द्दनसेवीअंगकठीन करेरे ॥ हिंमेंटेकथकीवलीराषीमामरे ॥ २ ॥ सा० ॥ वृद्धसावथीवीहतो जनमकालांतरेरे ॥ दाषेपणिनवीदेषेआयुषीणरे ॥ केईपरलोकनाअरथीजो वनवयछतेरे ॥ विजचपलपरेंजीवीतजांणेंहीणरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ घरीवि वेकआहारविषयगंभीकरीरे ॥ हरिणपरेंवलीमरणथीवीहतातेंहरे ॥ चारीत्र धर्मसेवेजेपरलोकसाधवारे ॥ जौवनवंधतणुंनहीहेतूएहरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इंद्रीयदमीआंआतमदमीउंमुलथीरे ॥ तेहथीसूरनरसूखवलीमोक्षनांसूरक रे ॥ इंमजांणीकूंणइंद्रीयनदमेंमुरखोरे ॥ अशुसंकल्पमुलतेअनंगछेदू रकरे ॥ ५ ॥ सा० ॥ जिनवयणेंसावीत्तसंकल्पकरेनहीरे ॥ समताधरतोरहे नित्तगुरुनेंपायरे ॥ निरवेदीसावनथीकंदरपस्युंकरेरे ॥ सारकिस्युंएपुद्गल नोसमुदायरे ॥ ६ ॥ सा० ॥ शब्दादीकशुसथईनेंअशुसहोयेंवलीरे ॥ अशुस होईतेपरीणमेशुसपरीणामरे ॥ एजमआतमचेतननेंसंबंधकीस्योरे ॥ द्रव्यां तरसंजोगेसूखनोनगाभरे ॥ ७ ॥ सा० ॥ अन्यसंजोगेआत्मिकसूखनहोइं कदारे ॥ तिणेंमुक्तनगमेविषयप्रमादनोसंगरे ॥ तातप्रसावेंविघनजस्येसवी माहरारे ॥ मान्युंतानेंकूमरवचनमनरंगेरे ॥ ८ ॥ सा० ॥ करीअठाईमहो छवदिईदाननेंरे ॥ मातपीतानेंबीजोपरीजनसंगरे ॥ तेहजशोधरगुरुनेंपासें आदरेरे ॥ धनकुमारअधीकमनदीक्षारंगरे ॥ ए ॥ सा० ॥ चोथेषंमेढालक हीछवीसमीरे ॥ श्रीगुरूउत्तमविजयपशाइंएहरे ॥ पद्मविजयेंश्रीसमरादी त्यनारासमांरे ॥ सूणतांमगलमालाश्रोतागेहरे ॥ १०॥ सा० ॥ दुहा ॥ धनकुम रेंदीक्षाधरी ॥ किधोक्रियाकलाप ॥ सूत्रअत्यासकरीसवे ॥ जपतोमौ नथीजाप ॥ ११ ॥ एकविहारअंगीकरे ॥ सावनासावेसर्व ॥ गामेएकनि शागमें ॥ नगरेंपंचनीगर्व ॥ १२ ॥ कोसंबीपुरेअनुंक्रमें ॥ आव्यातेऋषिराय नंदनेंहवेधनसीरीतणो ॥ कहुंसंबंधकथाय ॥ १३ ॥ सघलेषोव्यासमुद्रमां जम्यानहितेजाम ॥ उलंघ्याअर्णवहवे ॥ तरूणीवयणेंताम ॥ १४ ॥ कंचन नेंवलीकांमीनी ॥ देषीचुक्योनंद ॥ कोसंबीआवीकरी ॥ मनसूखधरीरहोमें

द ॥ १५ ॥ समुद्रदत्ततेसेठीउं ॥ नामठवेनीजनंद ॥ गोचरीफिरतानगरमां ॥ मातंगजेममुणंद ॥ १६ ॥ ढाल ॥ कंततमाकूपरीहरो ॥ एदेशी ॥ फिरता आव्यागोचरी ॥ नंदतणेंघरिबार ॥ मेरेलाल ॥ धनसीरीइंतवउलष्या ॥ उप नोतससोकअपार ॥ मुनीराज ॥ १७ ॥ नारीकुकर्म्मज्योज्योतुम्हे ॥ डर्षे सींच्योलीवमो ॥ नवीमीठेथायलगार ॥ मे० ॥ किमनवीएहमुउहजी ॥ क हेमुक्तअवतारधीकार ॥ मे ॥ १८ ॥ ना० ॥ किममुक्तनजरेंएचम्यो ॥ हवेकरीइं एहउपाय ॥ मे० ॥ जिमजीवेनहीमुलगो ॥ इणिअवसरितेऋषिराय ॥ मे ॥ ॥ १९ ॥ ना० ॥ जाचनासमयअतीक्रम्यो ॥ जाणिनेंवलीआतेह ॥ मे० ॥ देषलही धनसिरीघणुं ॥ उलषीमुक्तचिंतेएह ॥ मे० ॥ २० ॥ ना० ॥ श्रीअगयोकीमएकहो ॥ बोलावीदासीताम ॥ मे० ॥ जईजुउकिहांजइएरहे ॥ होयतिममुक्तनेंकहेठाम ॥ मे० ॥ २१ ॥ ना० ॥ दासीआणिअंगीकरी ॥ चालीमुनीवरनेंमाग ॥ मे० ॥ मुनी वरआहारमल्योनही ॥ पणिअवसरनोनहीलाग ॥ मे० ॥ २२ ॥ ना० ॥ पुरदेवीउद्यानमां ॥ पोहतातवचोथोजाम ॥ मे० ॥ लागोतिणेंविचरयानही ॥ काउसग्गरह्यातिणेंठाम ॥ मे० ॥ २३ ॥ ना० ॥ जईधणसीरीनेंतकह्युं ॥ धणसिरीकहेनंदनेंइम ॥ मे० ॥ म्हेंपुरदेविनेंमानिउं ॥ तूमरोगहतोतवप्रेम ॥ मे० ॥ २४ ॥ ना० ॥ करिउपवासवदिआठमें ॥ तुम्हआयतनेकरुंवास ॥ मे० ॥ आठमगईपरमादथी ॥ सूपनेंतवप्रेरीषास ॥ मे० ॥ २५ ॥ ना० ॥ विहाणेंतुम्हेजातारह्या ॥ तिणेंसाषीनसकीवात ॥ मे० ॥ किधोछेउपवासम्हें ॥ तिणेंजाउंतिहांसाक्षात ॥ मे० ॥ २६ ॥ ना० ॥ पु जापोआणीदिउ ॥ नंदेपणिआणीदीध ॥ मे० ॥ तवचाकरदूगसाथिले ॥ दासीपणसाथेंलिध ॥ मे० ॥ २७ ॥ ना० ॥ तिहांजईदीठामुनीवरू ॥ इण अवसरआव्योएक ॥ मे ॥ काष्टतणीलरीगाम्हली ॥ कठिआरोधरतविवेक ॥ मे ॥ २८ ॥ ना० ॥ सागोअक्षतिहांकिणें ॥ आथमवालागोसूर ॥ मे० ॥ कठी आरोमनचिंतवें ॥ मुक्तनेंथयुंअतीहिअसूर ॥ मे ॥ २९ ॥ ना० ॥ काष्टपंहेनही कोइहां ॥ तिहांमुंकीवषततेलीध ॥ मे० ॥ निजघरिपोहतोवेगस्यूं ॥ धनसिं

रीचितेसलूंकिध ॥ मे ॥ ३० ॥ ना० ॥ एहजकाष्टेवालस्यूं ॥ चिंतवीगईचंमी
कापाय ॥ मे ॥ पुजाकरीचाकरतणी ॥ सोजनआपेमनसाय ॥ मे० ॥३१॥
ना०॥ सूतासऊंअनुंकमें ॥ एकाकिणीनीकलीनारि ॥ मे० ॥ मुनीपासेतेका
ष्टनो ॥ षम्केंतिहांअतीसंसार ॥ मे ॥ ३२ ॥ ना० ॥ ध्यानमांमुनीवरनवी
लहे ॥ अज्ञानेंप्रजालीआगि ॥ मे० ॥ ज्वालाफरसेंमुनितनुं ॥ चिंतेंमुनिवरमा
हालाग ॥मे०॥३३॥ना०॥अनुकंपाइंमुनीवरु॥वलताकाउसग्गअदग्ग ॥मे०॥
अहोएजीवनेंऊपयो ॥ कारणदूरगतीनेंमग्ग ॥ मे० ॥ ३४ ॥ ना० ॥ धन
जेनरमुगतेंगया ॥ नहोइंकर्मबंधनुंहेत ॥ मे० ॥ मुऊहेत्वीनरगमां ॥ एपो
होचस्येंडखसंकेत ॥ मे० ॥ ३५ ॥ ना० ॥ कारणेंकारयनीपजें ॥ इंम
साषेश्रीजगनाथ ॥ मे० ॥ नवीसोचुंमुऊजीवनें ॥ शोचुंएजीवअनाथ ॥
मे० ॥ ३६ ॥ ना० ॥ बाहिरमतीजीनवयणथी ॥ पमीडूखसायरएह ॥
मे०॥ मोहिक्लिष्टप्राणीतणी ॥ अथवानहीदूखएरेह ॥ मे०॥३७॥ना०॥ धिगू
संसारअशारनें ॥ इमसावतोशुत्तपरीणाम ॥ मे० ॥ पापणिइंमारयोऋषी ॥
एहनेंकिहांसदगतीठांम ॥ मे० ॥ ३८ ॥ ना० ॥ पन्नरसागरआउषे ॥ उ
पनाऋषीशुक्रविमान ॥ मे० ॥ सातमेदेवलोकेंसही ॥ सूखसोगवेंतेअसमा
न ॥ मे० ॥ ३९ ॥ ना० ॥ चोथेखंमेएकही ॥ वरसत्तावीसमीढाल ॥ मे० ॥
पद्मविजयसोहामणी ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ मे० ॥ ४० ॥ ना० ॥
॥ डहा ॥ चंमीकादेहरेचपलथी ॥ दासीइपेसतांदिठ ॥ धनसीरिनेंपुठेधसी ॥
स्वामीनीकहोविसीठ॥ ४१ ॥ किहांजईआव्यातिकहो ॥ मानिनीकहेमध्य
राति ॥ परदषणापुठेंकरो ॥ सगवतीनेंसलिसाति ॥ ४२ ॥ इंणिअवसरअवलो
कीउं ॥ अगनीनोउद्योत ॥ स्युएइंमसोचीकरी ॥ सतीयांकसहोत ॥ ४३ ॥
विहाणेंदेवीपुजीहवे॥ चालीकरीअतीचुप॥ पंचत्वलह्योपंथेरीषी॥ आलोक्यो
तेअनुप ॥ ४४ ॥ चाकरनेंचेटीकहे ॥ अहोएकुपअपराध ॥ एहस्युंजाणी
इंआपणें ॥ सीऊ्योकिणीपरेंसाध ॥ ४५ ॥ चेटीमनमांचिंतवें ॥ मोकलीका
लेंमुऊ॥जोवावलीमध्यजामिनी ॥ गईतेहनुंएगुऊ ॥ ४६ ॥ अजुआलुंआलो

कीउं ॥ तिणवेलाततकाल ॥ अहोमुझएहअनर्थमां ॥ कारणकरीवीकराल ॥
॥ ४७ ॥ ढाल ॥ जगतगुरुहीरजीरे ॥ एदेशी ॥ गामलानोधणीआवीउरे ॥ व्य
तिकरदीठोतेह ॥ फरीयादीगयोरायनेंरे ॥ अहोमुझपापअछेह ॥ ४८ ॥ रीषी
किणेंमारीउरे ॥ मुझकाष्ठथीवलीउजेह ॥ माहराधीगजन्मनेंरें ॥ एआंकणी॥
मुझमाठीगतीहोयस्येंरे ॥ सुणिकोप्योराजान ॥ हुकमकरयोकोटवालनेंरे ॥
ऋषिघातककरोजाण ॥ ४९ ॥ रीषी० ॥ चंम्पीकादेहरेचालीउरे ॥ कोपधरी
कोटवाल ॥ पुछेपुजारीप्रतेंरे ॥ रातिरह्यूंकुणकालि ॥ ५० ॥ रीषी० ॥ चोर
लांठकोईनवीरह्योरे ॥ पुजारीकहेइंम ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ एकरहीधरी
नेम ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ कहेतलारस्येंहेतुइंरे ॥ रातिरहीएनारि ॥ पुजारीकहे
नवीलह्युंरे ॥ तवचिंतेतेतलार ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ आठिमनौमीचौदसीअछेरे ॥
वसवाकेरोदिन्नातेहमांआजएकेनहीरे ॥ वातथीथईषणषण ॥ ५३ ॥ रीषी० ॥
मंगलवारहतोवलीरे ॥ पाछिलेपोहरेदृष्टि ॥ जोगनीपातमल्योषरोरे ॥ स्त्रीविण
नहीकोईदुष्ट ॥ ५४ ॥ रीषी० ॥ जाउंएहनेंघरिहवेरे ॥ पामस्यूंसघलीवात ॥
इंमचितीपोहतोघरेरे ॥ द्वारेंचेटीआयात ॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ पुछेशार्थपनीगेह
नीरे ॥ घरमांछेकेनांहि ॥ कोसनालहीकहेकामस्यूंरे ॥ कहेकोटवालउछाह ॥
॥ ५६ ॥ रीषी० ॥ ईर्ष्याधरीक्रोधेंकरीरे ॥ परअसीप्रायनोजांण ॥ कहेरेपाप
णीविसस्योरे ॥ मुनिवृत्तांतअजाण ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ नीजकरमेशंकीध
णीरे ॥ चेटिबोलीतांम ॥ मुझसेठाणीइंमोकलीरे ॥ जोवामुनीवरठाम ॥ ५८ ॥
रीषी० ॥ हुंविजुंजाणुंनहीरे ॥ सुणीउपनोसंदेह ॥ अहोगवेषणाकेरेंछुरे ॥
कारणनहीएकरेह ॥ ५९ ॥ रीषी ॥ फरितेपुछेसुंदरीरे ॥ मधरोसयमनमा
हि ॥ मोकल्यांतुम्हस्येकारणेंरे ॥ तेसाषोतुम्हेआंहि ॥ ६० ॥ रीषी ॥ साकहे
सीकालेअवारे ॥ कालेंत्रिजेजाम ॥ आव्याविणलिधेवल्यारे ॥ तवमुझमोकली
आम ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ जोईआवीनेंम्हेंकह्युंरे ॥ रिषीरहेवानुंठाम ॥
कारयतोजाणुंनहीरे ॥ कहेकोटवालतेताम ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ तिहांजईनें
स्युंकिधलूंरे ॥ तवबोलीसानारि ॥ चंम्पीकानीपुजाकरीरे ॥ मुनीनमीआनल

गार ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ कोटवालतवचिंतवेंरे ॥ पुजानेंमीसएह ॥ परीजन वंचामारीजेरे ॥ मुनीवरनहीसंदेह ॥ ६४ ॥ रिषीइंणेंमारीजेरे ॥ एम्प्रांक णी ॥ बोलावीघरमांजईरे ॥ तवषोसाणीतेह ॥ सावलषीनेंसांषीजेरे ॥ वात सूणेमुझएह ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ रीषीघातकनेंखोलवारे ॥ मुझनेंमोकल्यो राय ॥ पगलूंतुम्हघरिआवीजेरे ॥ तिणेंचालोनृपपाय ॥ ६६ ॥ रीषी० ॥ सांसलीनेंधरणीढलीरे ॥ तवचिंतेकोटवाल ॥ निश्चयकर्म्मईणेंकर्युंरे ॥ न हितोसयकिमसाल ॥ ६७ ॥ रीषी० ॥ नागोनंदवाहीरथकीरे ॥ बातसूणीनें तेकान ॥ धनसीरिलाव्यानृपकन्हेंरे ॥ जोईचिंतेंराजान ॥ ६८ ॥ रीषी० ॥ इणआकारेंएहवुंरे ॥ कर्मकरेंकिमसाय ॥ स्येकारणतूंतिहांगईरे ॥ पुछेंइणि परेंराय ॥ ६९ ॥ रीषी० ॥ क्षोसलहीबोलीनहीरे ॥ तवशंकानृपथाय ॥ फरिपुछेकेहनीधुआरे ॥ किहांथीआवंरहाय ॥ ७० ॥ रिषी० ॥ पुरणस ह्नीऊंधुआरे ॥ सूसम्मनयरथीआय ॥ समुद्रदत्तनीगेहनीरे ॥ तवतशओ थीकराय ॥ ७१ ॥ रिषी० ॥ नजम्योसत्तीतेहनोरे ॥ तवकीधोविश्राम ॥ सूपपासेंनबोलीसकेरे ॥ एहवोधरीमनसाम ॥ ७२ ॥ रीषी० ॥ पुर्णसद्रपा सेंमोकल्योरे ॥ लेषवाहकततकाल ॥ एहनेंपुछावेतदारे ॥ एहजवातसूपाल ॥ ॥ ७३ ॥ रीषी० ॥ लेखवाहकलेखलावीजेरे ॥ वांचेनरपतीइंम ॥ धणसीरी नामेंअमधूआरे ॥ अमकूलखंपणनेंम ॥ ७४ ॥ रीषी० ॥ रायविचारेंइणि ईरे ॥ निश्चयकीधूंकांम ॥ पापिणिनीअहोमुर्खतारे ॥ अहोकुरऋदयावाम ॥ ॥ ७५ ॥ रीपी० ॥ नारीअवध्यकहीतिणेरे ॥ दिधोदेशनिकाल ॥ जातांसां झसमयतदारे ॥ सूषतरसअसराल ॥ ७६ ॥ रीषी० ॥ देवलमांसूतीजईरे ॥ एहवेकरम्योनाग ॥ महाक्लेशेंमरीउपनीरे ॥ वालूप्रसादूखसाग ॥ ७७ ॥ रीषी० ॥ नृपपापतूरतजफलेरे ॥ एहमांनहीसंदेह ॥ सातसागरनारकपणें रे ॥ दुखसोगवेनीजदेह ॥ ७८ ॥ रीषी० ॥ इंणिपरिंचोथोसवकह्योरे ॥ दंपतीनोअधीकार ॥ हवेजयविजयभ्रातातणोरे ॥ साधुंसषरवीचार ॥ ॥ ७९ ॥ श्रोताजनसांसलोरे ॥ आसाढवदिएकादशीरे ॥ च्यालिसेमंमाण ॥

पूरोवीसलनगरमांरे ॥ चोथोखंमप्रमाण ॥ ८० ॥ श्रोता ॥ अगविसढालेंक
रीरे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ साद्धवावदितेरसदिनेंरे ॥ संपुरणसूवीलास ॥८१॥
॥ श्रो० ॥ विजयदेवसूरीपटधरूरे ॥ श्रीविजयसिंहसूरीस ॥ सत्यविजयओ
हामणारे ॥ सोतागीतससीस ॥ ८२ ॥ श्रो० ॥ तासकपुरविजयकवीरे ॥ षि
माविजयवरतास ॥ जिनविजयसीसतेहनारे ॥ जेहनेंशास्त्रअभ्यास ॥ ८३॥
श्रो० ॥ गीतारथगीरुआघणारे ॥ सद्धकसमतावंत ॥ उत्तमविजयसोहामणा
रे ॥ तेहनाशीष्यमहंत ॥ ८४ ॥ श्रो० ॥ तसपदपद्मभ्रमरसमोरे ॥ पद्मविज
यइंणनांम ॥ गायाईमहरषेंकरीरे ॥ गुणीजननागुणग्राम ॥ ८५ ॥ श्रो० ॥
पुन्यउपार्जनजेकरीरे ॥ तेहथीसवीजनलोक ॥ सकलदूखनोक्षयकरीरे ॥
पामोशिवफलरोक ॥ ८८६ ॥ श्रो० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंडीत्तप्रवरश्रीम
दूत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृ
तप्रबंधेंधनकूमारधनश्रीदंपत्योःसंगतयोचतूर्थोनरसवःसमाप्तः ॥ सर्वगाथा
चतूर्थखंमे ॥ ८८६ ॥ उक्तगाथा ॥काव्य ॥ सवईउथइ ॥२८॥ ॥४॥
॥ डुहा ॥ प्रगटप्रतापीपासजी ॥ प्रणमुंप्रेमेंपाय ॥ समरीसाचीसारदा ॥ क
रेजेहकवीराय ॥ १ ॥ पंचमखंमप्रारंसीइं ॥ सूणोसंघसमुदाय ॥ सूण
तांसमतारसवधइं ॥ पातिकदूरिंपलाय ॥ २ ॥ जंबुद्वीपनुंसरतजे ॥
नयरकाकंदीनाम ॥ समुद्रदेशपरेंशोसती ॥ तंतूस्यूंखांतीकातांम ॥ ३ ॥
पतीव्रताजनयनपरें ॥ परपुरसेंप्रकार ॥ उलंघाइंनहीअधीक ॥ उज्व
लघनआगार ॥ ४ ॥ द्वारतोरणअतीदिपतां ॥ सीहबालस्यूंसाच ॥ गि
रीवरकेरीज्युंगुफा ॥ तरतोदिसेताच ॥ ५ ॥ ढाल ॥ लाछलदेमातमल्हार ॥
एदेशी ॥ सूरतेजनृपनांम ॥ सूरतेजरीपुगांम ॥ आजहोराणीरेलीलावती
जाणीतेहनीरे ॥ ६ ॥ पुरणकरीसूरआय ॥ धनसूरउपनोआय ॥ आ० ॥
तेहनीरेकूखेंतवचंद्रसूपनेंलह्योरे ॥ ७ ॥ संसलावेसरतार ॥ तवतेकरेउच्चार ॥
आ० ॥ सामंतमंमलमांशसीसमसूतहोयस्येरे ॥ ८ ॥ प्रसवसमयथयोजा
म ॥ सूलजोगेंसाताम ॥ आ० ॥ प्रसव्योरेतिणेंपुत्ररतनसमपरगमोरे ॥ ९ ॥

निवृत्तीनामेंनारि ॥ षाइंवधामणीसार ॥ आ० ॥ संतोषेतसदानदेईनइंसूपती
रे ॥ १० ॥ इमकरतांथयोमास ॥ जयकुमारतेतास ॥आ०॥ थापेरेअसीधान
अनुंक्रमेंवाधतोरे ॥११॥ करतोकलाअत्यास ॥ पुरवधरमनीवास ॥आ०॥
चारीत्रेंघणोरागथयोतसजन्मथीरे ॥१२॥ एकदिनरमवाउद्यान ॥ चंद्रोदयअ
सिधान ॥ आ० ॥ दिठारेतिहांसनतकूमारसूरीसरुरे ॥१३॥ तेजेंसूर्यसमान ॥
उतस्यापासूकयान ॥ आ० ॥ उदधीपरेंगंसीरशीतलजीमचंद्रमारे ॥ १४ ॥ र
तनपरेंवज्रमुल ॥ सज्जननेंअनुकुल ॥ आ० ॥ सरगपरेंरमणीकवाच्यनही
सीवपरेंरे ॥ १५ ॥ नयरीस्वेतंबिकाराय ॥ जसवर्मसूतमुनीराय ॥ आ० ॥
स्वपरसमयपस्योसारबहुमुनीपरिवस्योरे ॥ १६ ॥ देषीलस्योसंवेग ॥ मनचिं
तेअतीवेग ॥ आ० ॥ एहसंसारअसारएहवापणिठांमतारे ॥ १७ ॥ कु
णएकिमकस्योत्याग ॥ पुहुंजईमाहासाग ॥आ०॥जईवंद्यासहुमुनीनेवलीसूरी
सनेंरे ॥ १८ ॥ बेठेगुरूनेंपाय ॥ करकजजोमीठाय ॥ आ० ॥ गुरुजीएसं
शारवैराग्यहेतूखरोरे ॥ १९ ॥ तोपणिवाह्यनिमित्त ॥ विणनविउलगेचित्त ॥
आ०॥ तेकारणविशेषहेतूतुमचुंकहोरे॥२०॥ चिंतेसूरीवरइम॥ वयणविन्यास
अहोकेंम ॥ आ०॥ एहनोरेएविवेकदेषीमनरंजीउरे ॥ २१ ॥ हेतूविशेषअव
धार ॥ तेपिणठेसंशार ॥ आ० ॥ सूरीकहेजोसूणवाईठातोसूणोरे ॥ २२ ॥
अल्पनिदानविवाग ॥ मोहटासूणीमहासाग ॥ आ० ॥ चित्रांगदविद्याधर
पासेंव्रतलीउरे ॥ २३ ॥ इंणहीजसारहवास ॥ स्वेतांबीकापुरीषास ॥आ० ॥
जसवर्मानृपतेहनोपुत्रहुंजाणजेरे ॥ २४ ॥ ज्योतीसीकहेतवइंम ॥ जनम
मात्रथीनेम ॥ आ० ॥ विद्याधरनरपतीथास्येएबालकोरे ॥ २५ ॥ हुंबहुव
ल्लसतात ॥ एकदिनतस्करघात ॥ आ० ॥ करवारेलेईजातादिठामेंतदारे ॥
॥ २६ ॥ चोरघणाकहेइंम ॥ अमतूमसरणंनेंम ॥ आ० ॥ राषोरेतूम्हेतवम्हें
तसमुंकावीआरे ॥ २७ ॥ रमवागयोहुंवार ॥ सघलोएअधीकार ॥
आ० ॥ निपनोरेतिहांबाहरीपंचमखंम्मारे ॥ २८ ॥ पहेलीढालरसाल ॥
सूणतांमंगलमाल ॥ आ० ॥ समरादित्यनारासमांपद्मविजयेंकहीरे ॥ २९ ॥

उहा ॥ रुडालोकनयरतणा ॥ कहेनृपनेंकोटवाल ॥ नृपकहेकुमरजाएनेंहीं ॥
तिमकरज्योततकाल ॥ ३० ॥ तस्करग्रहीतूम्हेपुरतणा ॥ नरनेंकरीवी
न्नाण ॥ मारज्योसूणितिणेंमारीश्र ॥ जवमुक्तनेययुंजांण ॥ ३१ ॥ रीसाणो
महारायथी ॥ चाल्योचतूरसूजाण ॥ तामलिम्रीश्राव्योतूरत ॥ मनमांश्राणी
माण ॥ ३२ ॥ यतः ॥ त्रयःस्थानंनमुचंति ॥ काकाःकापुरषाःमृगाः ॥
श्रपमानेत्रयोयांति ॥ सिहाःसत्पुरुपाःगजाः ॥ १ ॥ ॥ उहा ॥ ईशा
नचंदश्रवनीपती ॥ साहमोजईसनमांन ॥ देईकहेसूंदरकस्युं ॥ श्राव्या
श्रापणठाए ॥ ३३ ॥ जाणोएनिजराज्यछे ॥ नयरमांकस्योनिवेस ॥
श्रापेमुक्तश्रावासतीम ॥ रहेवातेहनरेश ॥ ३४ ॥ जिवनव्योतूम्हजेगमे ॥
इंमकहेवरावेराय ॥ मेतोतेनवीमानीउं ॥ तसहीतजिणेंपरेंताय ॥ ३५ ॥ढाल॥
रागधमाल ॥ पासजीहो ॥ श्रहोमेरेललनां ॥ एदेशी ॥ वसंतसमयएकदिन
हवेश्राव्यो ॥ रहेतांतिहांसूखमांहि ॥ ललनां ॥ श्रवीवेकीजनश्राणंदकारी ॥
दिन२श्रधिकउछाह ॥ ३६ ॥ मनमोहनमेरेदिलवश्योहो ॥ श्रहोमेरेललनां ॥
दिलवश्योमनवश्योमुक्त ॥मन०॥एश्रांकणी ॥मलयवायुतिहांवायामनोहर॥
फूल्यांवनउद्यान ॥ ललनां ॥ लोकथोकतिहांजोवाचाल्या ॥ कोकिलरवसू
णेंकांन ॥ ३७ ॥ मन० ॥ मित्रेंपरिवृत्तकुंपणिचाल्यो ॥ करीतनुंशोभावीशेश
॥ल०॥ श्रनंगनंदनउद्यानमांजातां ॥ श्राव्योराजपंथनेंदेश ॥ ३८ ॥ मन०॥
नामविलासवतीनृपपुत्री ॥ गोषथीदिठोमूक्त ॥ल०॥ कोईस्वांतरनेंश्रभ्यासें॥
रागथीश्रतिशेंश्रलूक्त ॥ ३९॥मन० ॥ वकुलमालागुंथीनीजहाथें ॥ नाषीमुक्त
शिरतेह ॥ल०॥ दिठीमुक्तवसूसूतीमित्रें ॥ थापीकंठदेशेंमेंएह ॥४०॥ मन०॥
उरधजोयुंतवतिहांदिठुं ॥ वदनकमलश्रदसूत ॥ल०॥ हर्षलह्योकुंतेपणिकुई ॥
तोषवीषादसंयुत ॥४१॥ मन० ॥ कुंतनुंथीतिहांश्रागलिचाल्यो ॥ चित्तमुंकी
तसपास ॥ ल० ॥ तेहनुंध्यांनकरतघरिश्रायो ॥ पणिनहीकिमविलाश ॥
॥४२॥ मन० ॥ शीसउख्यानामिसथीवीसरज्यो ॥ मित्रादिकपरीवार ॥ल०॥
श्रननुंसूतउखनेंश्रनुंसवतो ॥ क्षणनिद्राकरीतिणवार ॥ ४३ ॥ मन० ॥ रा

तिगईकरयुंकृत्यगोसनुं ॥ आव्यामीत्रतेपास ॥ ल० ॥ सवनउद्यानमांक्रीमा करतां ॥ लिइंतंबोलसूवास ॥ ४४ ॥ मन० ॥ शून्यचित्तलहीवसूसूतीपूछे ॥ किमवासरससीवान ॥ ल० ॥ कृणमांध्यानीमुनीपरेंदिशो ॥ करीतनुंचेष्टाग न ॥ ४५ ॥ मन० ॥ जीत्याजुहारीपरेंक्रणहरषो ॥ तवम्हेंकह्युंनहीकांय ॥ ॥ ल० ॥ मीत्रकहेम्हेंजाएयुंसघलूं ॥ चिंतातूझनारीनीथाय ॥ ४६ ॥ मन० ॥ नेत्रबांणेंकरीविध्योसबलो ॥ तिणेंकरीदिर्घनीसास ॥ ल० ॥ मतचिंताकरितू झनेंइछे ॥ मालतेदूतितूझपास ॥ ४७ ॥ मन० ॥ एकपषीप्रीतेंबहुचिंता ॥ तू झचिंतानलिगार ॥ ल० ॥ तुम्हसंयोगउपायमांवरतूं ॥ राषोचित्तहर्षअपार ॥ ४८ ॥ मन० ॥ धाविविलासवतीनीपुत्री ॥ अनंगसूंदरीइणनाम ॥ ल० ॥ ताससघातेप्रसंगकर्योतिणें ॥ गमनागमनथयुंताम ॥ ४९ ॥ मन० ॥ दिव सवहिगयाजबबहुतेरा ॥ तवमनचिंतेइम ॥ ल० ॥ कामकर्युंनहीमीत्रेंमाह रुं ॥ कहोहवेकरीइंकेम ॥ ५० ॥ मन० ॥ मारवर्त्रीशज्याजईसूतो ॥ मु छिंतमृतमूढजेम॥ल०॥ग्रहग्रावेशथयोअथविहूनो ॥ आपवर्त्रेनहीतेम॥ ५१॥ मन० ॥ एकदिनआव्योमीत्रहरषस्यूं ॥ कहेसीधुंतूझकांम ॥ ल० ॥ कहो केमसीधूंतवतेसापे ॥ ढूंगयोथाविधूआधाम ॥ ५२॥ मन०॥ म्लानवदनदेषी म्हेंपुछ्यूं ॥ अनंगसूंदरीकहोवात ॥ ल० ॥ सीचिंतातवप्रेमेंबोली ॥ सूणिसाह रोअवदात ॥ ५३ ॥ मन० ॥ साकहेआदर्शपरेंदूखजेहनें ॥ संक्रमेनही तसवात ॥ ल० ॥ कहितोपणिस्यूंलेखेलागे ॥ विरलापरदूःखेडखवात ॥ ५४॥ मन० ॥ यतः ॥ विरलाजाणंतिगुणा ॥ विरलाजाणंतिललीयकवाइं ॥ सा मणधणाविरला ॥ परडःखेंडखियावीरला ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ म्हेंकह्युंतूझआ स्याकरुंपुरी ॥ तवबोलीसानारि ॥ ल० ॥ रायधुआमुझसहीअतीडःखणी ॥ तेहनोकह्योसर्वविचार ॥ ५५ ॥ मन० ॥ मदनमहोछवमांनरदिठो ॥ रूपेंजि मपंचबाण ॥ ल० ॥ तेहथीअंतअवस्थासोगवे ॥ मालापरमुखअहीनाण ॥ ॥ ५६ ॥ मन० ॥ पणिनवीउलष्योकोणहतोए ॥ म्हेंपणिकरीबहुशोधि ॥ ल० ॥ सर्वव्यापारतज्योतिणीसखीइं ॥ मुझपणितेनविलध ॥ ५७ ॥ म० ॥

सखिजनकरमहीउपरितलचढी ॥ मारगेंनीरषेतेह ॥ ल० ॥ वातसंसारीअश्रु
पातकरे ॥ जिमआसाढनोमेह ॥ ५८ ॥ म० ॥ इमकरतांतेमुर्छापामी ॥ त
वमुझसंभ्रमथाय ॥ ल० ॥ उठिकह्युंम्हेंकिहांइंद्देषावो ॥ रषेतसजिवीत
जाय ॥ ५९ ॥ म० ॥ कहेवसूतिबन्यूंएकालें ॥ पणिसूणोआगलिवात ॥
ल० ॥ सांसलतांउपजस्येशाता ॥ सूणिइंआगलिअवदात ॥ ६० ॥ म० ॥
बिजीढालएपंचमखंमें ॥ समरादित्यनेंराश ॥ ल० ॥ पद्मविजयकहेगुणी
गुणगातां ॥ होवेनीतलीलवीलाश ॥ ६१ ॥ मन० ॥ दुहा ॥ कृपाधरीअवन
तकरी ॥ वदनसूणेंहवेवात ॥ वसूतीकहेवेगस्यूं ॥ वीज्याशीतलवात ॥
॥ ६२ ॥ चंदनशीतलचरचिआं ॥ जिववल्योतसजांम ॥ नयनउघाडीनिरष
ती ॥ तसपुछ्युंमेंताम ॥ ६३ ॥ सीपीभाइंमसांमटी ॥ तेकहेदर्शनतास ॥ न
थयुंतिणकारणमदन ॥ पीमेंदेतोपास ॥ ६४ ॥ धारणतेहनेंधारवा ॥ म्हें
कह्युंराजिकुमार ॥ चिंतानकरोचित्तमां ॥ करुंतेहनोपरकार ॥ ६५ ॥ लाध्यो
तेलक्षणथकी ॥ ढोगालोतेढयल्ल ॥ कटीसूत्रकसंतोषकरी ॥ आप्योमुझअव
ल्ल ॥ ६६ ॥ ढाल ॥ घोमीतेआईथारादेशमांमारूजी ॥ एदेशी ॥ इंणिसमेंआ
वीतिहांकणें ॥ साहबजी ॥ विलासवतिनीमातहो ॥ सूणोसाहिबकामएनीप
नुं ॥ साहिबजी ॥ कहेराइंफरमावीउं ॥ सा० ॥ वीणासंसारोख्यातहो ॥ ६७॥
॥ सु० ॥ विणावजाववीनृपकनें ॥ सा० ॥ सांसलीकस्युंपरमाणहो ॥ सु० ॥
विणाचार्यणीतेमीनें ॥ सा० ॥ नविलोपेगुरूआणिहो ॥ ६८ ॥ सु० ॥ हुंतोति
हाथीआवती ॥ सा० ॥ विगरकहेनीजगेहहो ॥ सु० ॥ घणुंअविसेषें
खोलीउं ॥ सा० ॥ पणिनवीलाधोतेहहो ॥ ६९ ॥ सू० ॥ चिंतापिशा
चणीइंग्रही ॥ सा० ॥ तिणेंमुझउदवेगथायहो ॥ सु० ॥ तवम्हेंकह्युं
चिंतातजो ॥ सा० ॥ हुंउलषुंतेसायहो ॥ ७० ॥ सु० ॥ मेलवस्यूंसंजो
गए ॥ सा० ॥ अनंगसूंदरीकहेतांमहो ॥ सु० ॥ कुणजुवानतेसाषीइं ॥
सा० ॥ तवकह्युंसघलुंकांमहों ॥ ७१ ॥ सु० ॥ उलषाव्योम्हेंसलीपरें ॥
सा० ॥ साषीनामनीसानहो ॥ सू० ॥ अनंगसूंदरीतवकहे सा० ॥ एहवीवात

नीदांनहो ॥ ७२ ॥ सू० ॥ तोनीरुद्यमकिमथईरह्या ॥ सा० ॥ तवम्हेंसाध्युं
तासहो ॥ सु० ॥ नहीनिरुद्यमपणिचिंतवुं ॥ सा० ॥ एहउपायतेषासहो ॥
॥ ७३ ॥ सू० ॥ साकहेसमरुपकुलकनी ॥ सा० ॥ हरतांकांयनदोषहो ॥
सु० ॥ आठप्रकारविवाहना ॥ सा० ॥ शास्त्रमांसाध्याजोषहो ॥ ७४ ॥
सु० ॥ ब्राह्म१प्राजापत्य२आर्षठइं३ ॥ सा० ॥ रुत्विज४धर्मएच्यारहो ॥
सु० ॥ गंधर्व५असूर६राक्स७वली ॥ सा० ॥ पैसाच८अधर्मच्यारहो ॥
॥ ७५ ॥ सु० ॥ कंन्यासूषीतकरिदीइं ॥ सा० ॥ तेविवाहकह्योब्राह्महो ॥
सु० ॥ निजविसवोचितधनदिइं ॥ सा० ॥ तेप्राजापत्यनामहो ॥७६॥ सु० ॥
गायदांनपूर्वकदिइं ॥ सा० ॥ तेतोआर्षकहायहो ॥ सु० ॥ सर्वजातीधन
दक्षिणा ॥ सा० ॥ तेतोवेदसुठायहो ॥ ७७ ॥ सु० ॥ वरकन्याराजीपणें ॥
सा० ॥ नहिकोईअवरनुंकामहो ॥ सु० ॥ तेगंधर्वकह्योवली ॥ सा० ॥ परठन्नपर
णेजामहो ॥ ७८ ॥ सु० ॥ जेपणबंधइंपरणिइं ॥ सा० ॥ तेतोआसूरजाणिहो
॥ सू० ॥ बलात्कारथीपरणवुं ॥ सा० ॥ तेराक्सपहिचाणहो ॥ ७९ ॥ सु० ॥
सुतीरमतीहोयजे ॥ सा० ॥ अणजाणेंलेईजायहो ॥ सु० ॥ तेपैशाचिक
जाणिइं ॥ सा० ॥ हरणमांदोषनकोयहो ॥ ८० ॥ सु० ॥ म्हेंकह्युंवातषरी
कही ॥ सा० पणिरागीनररायहो ॥ सु० ॥ अप्रतीहतगतीकुमरनें ॥ सा० ॥
वलीजीवनसुपसायहो ॥ ८१ ॥ सु० ॥ परणावेराजाकदी ॥ सा० ॥ तव
नहीबीजोउपायहो ॥ सु० ॥ दर्शनवेऊनेंजीमहोइं ॥ सा० ॥ चितवोतेहसुठाय
हो ॥ ८२ ॥ सु० ॥ अनगसुंदरीतवसणें ॥ सा० ॥ लावोतूम्हेकूमारहो ॥
सु० ॥ ऊंपणिसूवनउद्यानमां ॥ सा० ॥ लावुंराजकुमारिहो ॥ ८३ ॥ सु० ॥
म्हेंएवातअंगीकरी ॥ सा० ॥ चालोकारणतेहहो ॥ सु० ॥ वचनसुणीवसु
सूतीनां ॥ सा० ॥ परमआणंदलह्योदेहहो ॥ ८४ ॥ सु० ॥ मोहअज्ञानें
मांनतो ॥ सा० ॥ सवीउखनोलह्योपारहो ॥ सु० ॥ वसुसूतीनेंकह्युंतूम्हत
णुं ॥ सा० ॥ वचननकरूंनाकारहो ॥ ८५ ॥ सु० ॥ सवनउद्यानेंअम्हे
गया ॥ सा० ॥ जिहांषटरीतुनीसोहहो ॥ सु० ॥ जातीअनेकनाफूलिआ ॥ सा० ॥

रूदेषीहोयमोहहो ॥ ८६ ॥ सु० ॥ अनंगसुंदरीआवीकहे ॥ सा० ॥ एह
चंदनलतागेहहो ॥ सु० ॥ तिहांआवीनेंबेसीइं ॥ सा० ॥ तवअम्हेगयातिहांने
हहो ॥ ८७ ॥ सु० ॥ दिठीविलासवतीतिहां ॥ सा० ॥ सखीइंपरीवृतजेह
हो ॥ सु० ॥ कूर्मोन्नतपदजेहना ॥ सा० ॥ निरमलनखससनेहहो ॥ ८८ ॥
सु० ॥ उरुजुगरंभाउपमा ॥ सा० ॥ सिंहलंकीशुभवानहो ॥ सु० ॥ कटी
मेखलाखलकीरही ॥ सा० ॥ सवननितंबपंचबाणहो ॥ ८९ ॥ सु० ॥ ला
वण्यजलनीकुपीका ॥ सा० ॥ नाभीमंमलगंभीरहो ॥ सु० ॥ कमलनाल
सीबांहिमी ॥ सा० ॥ नाशिकाचंचज्युंकीरहो ॥ ९० ॥ सु० ॥ चंदलावय
णीविराजती ॥ सा० ॥ चंपकवरणीधारिहो ॥ सु० ॥ कोटउरेंघणंसोहतो ॥
सा० ॥ मुक्ताफलनोहारहो ॥ ९१ ॥ सु० ॥ आंषमीपंकजपांखमी ॥ सा० ॥ अ
रधससीसमभालहो ॥ सु० ॥ कामधनुषसमुहावनी ॥ सा० ॥ अधरप्रवा
लांलालहो ॥ सु० ॥ ९२ ॥ जिनध्यानानलेंदाझतो ॥ सा० ॥ मदनधुममा
नुंकेसहो ॥ सु० ॥ अथवाशेषवेणेंवस्यो ॥ सा० ॥ दंतदाडिमकलीवेसहो ॥
॥ ९३ ॥ सु० ॥ रुपदेषीरीझ्योघणं ॥ सा० ॥ चित्तमांसनतकूमारहो ॥
॥ सु० ॥ नेत्रकटाक्षेंनिरषीउं ॥ सा० ॥ विस्मयपांमीनारिहो ॥ ९४ ॥
सू० ॥ त्रीजीपांचमाखंममां ॥ सा० ॥ पद्मवीजयकहीढालहो ॥ सु० ॥
समरादित्यनारासमां ॥ सा० ॥ आगलिवातरशालहो ॥ ९५ ॥ सु० ॥ डुहा ॥ आ
दरदेईउसीथई ॥ विलासवतीतिणीवार ॥ सनमानीवेसारतो ॥ कामनीनेंते
कुमार ॥ ९६ ॥ अनंगसुंदरीकहेअमप्रतें ॥ आसनबेसोएथि ॥ बेठातवअ
म्हेंत्रिऊंजणा ॥ तंबोलआप्योतेथि ॥ ९७ ॥ मित्रसूतीइंणनामथी ॥ कंन्या
रत्नाकार ॥ आवीप्रणम्योआदरें ॥ किधोम्हेंसतकार ॥ ९८ ॥ विलासवती
तुम्हनेंवदे ॥ नरपतीएहवीवात ॥ विणातूम्हनेंविसरी ॥ कालेंकोपकरात ॥
॥ ९९ ॥ आजवजाववीअवलथी ॥ संसारोकरीसान ॥ आणातवअंगी
करी ॥ निकलीअवसरजान ॥ १०० ॥ दीठीआंषिताकती ॥ सवनगईस
यंसीत ॥ मारबाणेंविंधीमनें ॥ कंपेजेमचकीत ॥ १ ॥ वसूतिकहेबाल

हा ॥ जईइंआपणीजाग ॥ स्येकारणबेसीरह्या ॥ विलासवतिविणवाग ॥ २ ॥ उग्याबेऊंश्हांयकी ॥ आव्याद्वारउद्यान ॥ अनंगवतीनृपराणीइं ॥ दिठो मुझदिलआणि ॥३॥ ढाल ॥ माहरूंमनमोह्युंरेमाधवदेषवारे ॥ एदेशी ॥ मुझनें देषीरेरागतेउपनोरे ॥ कामनराषेरेमाम ॥ कार्यअकार्यहिताहीतनविगणेरे ॥ विह्वलथईतेहवाम ॥ ४ ॥ विषयपिपासारेविषमीजगतमांरे ॥ एआंकणी ॥ निजथानिकअलेपोहताप्रेमस्युंरे ॥ चिंतवतातेहथान ॥ रागहोइंजेउपरिजेह नोरे ॥ तेहनेंतसबहुमान ॥ ५ ॥ वी० ॥ कूसूममालतंबोलविलेपणंरे ॥ मुंके विलासवईसखिसाथ ॥ पुर्वउतांपणितेअंगीकरयांरे ॥ रागधरीनीजहाथ ॥६॥ ॥ वी० ॥ अनंगसुंदरीनेंआप्योकंठथीरे ॥ हारतेसूवनमांसार ॥ निजघरजाणी नीत २ आवज्योरे ॥ खेदमकरज्योलगार ॥७॥ वी० ॥ इंमसाषीनेंवीसरजी तेघ्रतेंरे ॥ इंमकरतांकोईकाल ॥ एकदिनघरथीनीकलतांमनेरे ॥ दासीकहेउज माल ॥ ८ ॥ वी० ॥ अनंगवतीनृपराणीइंमोकलीरे ॥ तुम्हनेंतेमवाकाज ॥ आ पहाइंकुमरपधारीइंरे ॥ पाउधारोतुम्हेराज ॥ ९ ॥ वी० ॥ अंबाकहेतेक रवुंमाहरेरे ॥ कूमरकरेरेविचार ॥ राइंसघलेप्रवेशआणाकरीरे ॥ चिंतवीचा ल्योतिवार ॥ १० ॥ वी० ॥ वामनयनफूरक्युंतवमाहरुंरे ॥ नगण्युंतेमनमां हिं ॥ जईदिठीशोकातूरविह्वलारे ॥ प्रणमीधरीयउछाह ॥ ११ ॥ वी० ॥ रा णिकहेशरणागतताहरइंरे ॥ कंदरपनोसयजोर ॥ मंदिरउद्यानथीजातायका रें ॥ दिठातूम्हतिणठोर ॥ १२ ॥ वी० ॥ तेदिनथीपंचबाणपणमाहरेरे ॥ थयो हशकोमीतेवाण ॥ तूम्हगुणथीमुझहृदयतेबांधीउंरे ॥ सत्यसहीतअपमाण ॥ ॥ १३ ॥ वी० ॥ तुह्मसंयोगेंमुझतनुंठारीइंरे ॥ शक्तीवंतजेहोय ॥ तेपरप्रार्थ नासंगकरेनहीरे ॥ दिनउधारकरेसोय ॥ १४ ॥ वी० ॥ आपदआवतीनगणें चित्तमांरे ॥ पुरेपरअभीलाष ॥ उलटीप्रार्थनाउंतूझनेंकरुंरें ॥ तिणेंएअनंग थीराषि ॥ १५ ॥ वी० ॥ वयणसुणीवज्रघातपरेंथयोरे ॥ बोल्योतामकुमार ॥ मातस्युंबोल्यांरेइंमनवीबोलीइंरे ॥ एतोमहाअनाचार ॥ १६ ॥ वी० ॥ इंहप रलोकेंदूखदायकघणंरे ॥ कूलआचारनएह ॥ संकल्पजोनीमदनएसाषीउ

रे ॥ तिणेंसंकल्पतजेह ॥ १७॥ वी० ॥ तुम्हतनुसोगनोखपनहीमाहरेरे ॥
शक्तीवंतानरतेह ॥ जेनीजधरमनछंमेसत्वथीरे ॥ नविखंमेशीलरेह ॥ १८ ॥
॥ वी० ॥ नवीउलंघेनीजआचारनेंरे ॥ नकरेनिंदितकाम ॥ निजकरणीमांमु
फाइंनहीरे ॥ तेहनेंकिस्युंकरेकाम ॥ १९ ॥ वी० ॥ यतः ॥ तेपंमीआजेवि
रयाविरोहे ॥ तेसाङणोजेसमयंचरंती ॥ तेसत्तीणोजेनचलंतीधम्मे ॥ तेबं
धवाजेवसणेहवंती ॥ १ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ पहेरोवीवेकसन्नाहतुम्हेप्रेम
स्यूंरे ॥ जेहथीअनंगसयजाय ॥ जोतुम्हवल्लसङंतुंमातजीरे ॥ तोकिमइंमकं
हाय ॥ २० ॥ वी० ॥ रूणसूखअर्थेबङदूखनरगमांरे ॥सोगववांबङकाल॥
अवीवेकीजनअसीलाषाकरेरे ॥ छांमोएहजंजाल ॥ २१ ॥ वी० ॥ यतः ॥
खिणमीत्तसूखाबङकालदूखा ॥ पगामदूखाअनीकामसूखा ॥ संसारमुख
स्सविपरकसूत्रा ॥ खाणिअणछाणउकामसोगा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ लाजकरी
तवअणंगवतीकहेरे ॥ सलूं २ कसुंरेकूमार ॥ म्हेंतेमाव्योपरीक्षाकारणेंरे ॥
पणिधनतूम्हअवतार ॥ २२ ॥ वी० ॥ जाउसूखेंनीजथानिकइंमसूणीरे ॥
चाल्योकरीपरीणाम ॥ घरिआव्योकांयवेलाअतीक्रमीरे ॥ निपनुंतिणेंस
मेंआम ॥ २३ ॥ वी० ॥ विनयंधरकोटवालतेआवीउरे ॥ जसनरपतीघणुं
हेत ॥ तेंकहेकुमरएकांतआणाकरोरे ॥ कहेवीवातसंकेत ॥ २४ ॥ वी० ॥
तवसङ्मीत्रगयानीजथानिकेरे ॥ हवेकहेस्येकोटवाल ॥ पद्मविजयकहापं
चमखंमनांरे ॥ चोथीढालरसाल ॥ २५ ॥ वी० ॥ डुहा ॥ तुम्हराज्येंशक्तीमं
ती ॥ सन्नीवेसछेसार ॥ विरसेनकूलपुत्रवमो ॥ दयावंतदातार ॥ २६ ॥ शर
णागतराषणसषर ॥ असीमानीआधार ॥ सूरगंसीरसोहामणो ॥ सफलजनं
मसंसार ॥ २७ ॥ जाणिगरसजायातणो ॥ लेइनारीनेंल्हार ॥ सूसटपरीवत्तं
सामटो ॥ चाल्योचतूरविचार ॥ २८ ॥ जातांनयरजयस्थलें ॥ जिहांस्वसुर
जनवास ॥ बाहिरस्वेतांबीवनें ॥ वेगेंकिंधोवास ॥ २९ ॥ ढाल ॥ देवतणीरी
धीसोगविआव्यो ॥ एदेशी ॥ इंणअवशरिएकचोरतेआव्यो ॥ मुहमेसासनं
माइं ॥ सयकायरनयणांनहीमाइं ॥ कंठप्राणतसआयके ॥ ३० ॥ साईउसूणो

होइरेअनाथी ॥ नहीइंहांमाहरोसाथीके ॥ सा६ ॥ एआंकणी ॥ शरणतूंम्हा
रेआव्योइंणिपरें ॥ तवबोलेतेहवाणी ॥ सयमकरेमुझवेगतारो॥केशनत्रोभेशा
णिके ॥ ३१ ॥ सा० ॥ घरिणीकहेअन्याईहोस्ये ॥ तिणेंमकरोएकाम ॥ कु
लपुत्रकहेजोनाईहोवे ॥ तोआवेस्येकामके ॥ ३२ ॥ सा० ॥ जेहवोहोयतेह
वोम्हेंराष्यो॥कहेबेशितूइहांसाई॥तेकहेसयकायरजिमहरणो॥ अंगध्रुजेअथी
राईके ॥ ३३ ॥ सा० ॥ नारीहृदयसयथीथरहरतूं ॥ तिमसायलथरहरती ॥
सज्जननेंपरनिंदावाणी ॥ तिमनवीगतीविस्तरतीके ॥ ३४ ॥ सा० ॥ जाचकव
चनपरेंपगरवलता ॥ जमपरेंएनरनाह ॥ तेहनाचाकरपुठेंआवे ॥ तेहनीसीती
अथाहके ॥ ३५ ॥ सा० ॥ षेदमकरिकूलपुत्रेंसाष्युं ॥ बेसाड्योएकांते ॥
रायपुरसआविइमसाषे ॥ आपोचोरएकांतेंके ॥ ३६ ॥ सा० ॥ जाइंपाताले
केंजलथीउलंघे ॥ शक्रनेंशरणेंजाइं ॥ तोपणिनवीछोमीजेंएहनें ॥ चोरीकरी
२ जाईके ॥ ३७ ॥ सा० ॥ कुलपुत्रकहेचोरराषवोनघटे ॥ शरणांगतनअ
पाय ॥ जिमकहोतिमकरीइंतवबोल्या ॥ आपोअमएसायके ॥ ३८ ॥
सा० ॥ रायकोपानलमांहिपतंगसम ॥ मतथाउंतूंम्हकहीइं॥ कहेकुलपुत्रएके
मअपाइं ॥ शरणागतजेलहीइंके ॥ ३९ ॥ सा० ॥ नृपनरकहेकिमराषस्यो
एहनें ॥ बलथीलहेस्यूंएह ॥ कुलपुत्रकहेमुझप्रांणघरंतइं॥ नवीषंमाईरेहके
॥ ४० ॥ सा० ॥ इमकहीखम्गलीधुंनीजकरमां ॥ सनद्धहोयपरीवार ॥ रा
जपुरुषपोहतानृपपासें ॥ साष्योसर्वविचारके ॥ ४१ ॥ सा० ॥ मुझआणा
लोपकनुंसरणं ॥ जेहकरेतसमारो ॥ इमकहीनृपेंबङसैन्यमोकलीउं ॥ कर
ताबङहोकाराके ॥ ४२ ॥ सा० ॥ लागुंजुधपरस्परेबेहूनें ॥ इंणअवसरतिहां
आयो ॥ राजकुमरजत्रोवर्मरमीनें ॥ बङअशवारेंगयोके ॥ ४३ ॥ सा० ॥
पुछेतवसरवेसंसलाव्यूं ॥ बोल्योसूतनरराय ॥ मुझमारयावीणएसरणागत ॥
बछलनवीअमरायके ॥ ४४ ॥ सा० ॥ जुधसम्यूंसूपतिइंजाण्यूं ॥ राईंमांनी
वात ॥ चोरबोलावीसज्जनिजथानिक ॥ षेमेंकुसलेंआयातके ॥ ४५ ॥ सा० ॥
अनुंक्रमेंजययलनगरेंपोहता ॥ अत्राव्योपुत्रजंताम ॥ इमतूझतायमुझमाय

तायनें ॥ मुझतपगारीआमके ॥ ४६ ॥ सा० ॥ मातपीतापासेम्हेंसूणीउ ॥ स
घलोएअधीकार ॥ गुणकीरतनकरतांदीनकाढे ॥ मानेबहुउपगारके ॥ ४७॥
॥ सा० ॥ कारणएहकह्यानुंसूणीइं ॥ ज्ञानचंदजेराय ॥ रहवामीरमीअनंग
वतीघरें ॥ हरषधरीजबआयके ॥४८ ॥सा० ॥ पंचमखंमेपञ्चवीजयेंकही ॥
पंचमीरुमीढाल ॥ समरादित्यनारासमांसूणीइं ॥ सूणतांमंगलमालके ॥ ४९॥
सा०॥छ्हा॥ अनंगवतीदीठीईसी ॥ विलखितकररुहवयण ॥ नयणेंआसूंनांष
ती ॥ नरपतीपुछेवयण ॥ ५० ॥ एस्यूंतवकहेअंगना ॥ शीलराख्यानोंस्वाद॥
रायकहेकीमउच्चरो ॥ अंगेधरीआल्हाद ॥ ५१ ॥ पुर्वेकरतांप्रार्थना ॥ वास
रघणाव्यतीत ॥ सनतकूमारएसूंखीइं ॥ आजएकीधअनीति ॥ ५२ ॥ राजा
तवरीसेंचढ्यो ॥ कहेमुझनेंकरिकाम ॥ मारोसनतकूमारनें ॥ नवीजाणेकोई
नांम ॥५३॥मेंपणितेंतिहांमानीउं ॥ मनमांचिंत्युंआम ॥ जोम्ह्योमुझअकार्य
मां ॥मुझनरगेंनहीगांम ॥ ५४ ॥ निचसेवानरपतीतणी ॥ इंमचितांचितनमा
य ॥ किमहीकदीर्घायुथकी ॥ नमरेतोहोइन्याय ॥५५॥ ढाल ॥ सारदबुधदा
इक ॥ एदेशी ॥ नरपतीनीआणातोपणिकिमलंघाय ॥ पगलुंसरेजेहवेंते
हवेठीकतेथाय ॥ करेवीलंबतेएहवइंतवएकनिमीत्तीउबोले ॥ ढीलनकरोह
मणांनहीएठीकनेंनोले ॥ ५६ ॥ त्रुटक ॥ सोमानामएठीकतेसाषीआगे
य्यफलनेआपे ॥ पुर्वऋषीइंपणिपरेंसाष्युंछेतिणेंदूखदोहगकापे ॥ वलीनिमी
त्तंतरथीजाणंनिर्दोषवस्तुमांआणि ॥ राजाइंकीधीछेतोपणितूझमनमांअप्र
मांण ॥ ५७ ॥ यतः ॥ पमीसेहमजत्तंवा ॥ हाणिवुढीखयंअसिद्धिच ॥ आ
रोग्गमङ्गलासं ॥ ज्ञीयंभिपयाहिएंदिशासू ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ पणिजिमतूझ
चित्तमांछेतीमथास्येएह ॥ पणिजातूंवहीलोनहींतोविपरितनेह ॥ तव
म्हेंमनचित्यूंसिद्धोदेशएनांम ॥एहनाबहुप्रत्ययदिगछेकेईकांम ॥ ५८ ॥
॥ त्रु० ॥ इंमचितीगयोजंननीपासेंपुछेजननीमुझ ॥ देखुंछुंउदवेगसरीषुं
म्लानवदनतेतूझ ॥ मातार्थीनवीछानुंकरीइंमविचारीसाष्युं ॥ माताकहे
एकूमरनेंतातेंताहहूंकूलसवीराष्युं ॥ ५९ ॥ एकाममकरज्येइंमसूणी

ऊंइहांआव्यो ॥ माहरोटत्तांतएतूम्हनेंसर्वसूणाव्यो ॥ आचारजसाषे
सांसलीएम्हेंविचार्युं ॥ स्त्रीचरीत्रअहोजुउविषनेंवलीअवधार्युं ॥ ६० ॥
॥ त्रु० ॥ अहोपापिणीएसापिणीसरीषीकुटरीदयजुउराषे ॥ मोहमेमीठी
दीलमांजुठीप्रेमविजव्युंदाषे ॥ सरीतापरेंउसयकूलहरणीगरहीतहिआजे
हवी ॥ संगीनीदिक्षापरेंनलहेंधर्मवाततेकेहवी ॥ ६१ ॥ एचिंतानुंस्यूंका
मकहोढंइमाहरे ॥ पणिराजाकिणीपरेंवातएहअवधारे ॥ अथवाजोवनव
यमाहरीदेषीमानेखरीवातसंसलावुंजईराजानेंकांनें ॥ ६२ ॥ त्रु० ॥
अथवाराणीमारीजाइतिणेंएपणिकिमकरीइं ॥ एकतोमनवंछीततसनकस्युं
वलिसंकटमांधरीइं ॥ राजानेंजोखरंनसाषुंतोकुलकलंकतेआवे ॥ तोपणि
एहवुंकामतेनकरुंजिणेंपरपिछाथावे ॥ ६३ ॥ कहेवीनयंधरसूणोमुझ
नेंस्यूंफरमावो ॥ कुमरकहेतूम्हेंतोरायडूकमबजावो ॥ मुझजीवेस्यूंछे
एहवुंसाषेजाम ॥ श्रीहरनामेब्राह्मणमारगेंछीक्योताम ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ वली
ब्राह्मणबहुमोहटेशब्दें ॥ वातोकरताचाले ॥ स्यूंकहीइंघणंदोशनएहनें ॥ स
मकरीइंजेआले ॥ सूणीविनयंधरबोल्योइणिपरें ॥ तूममांनहीकोइदोश ॥ सि
क्षादेशठीकएशब्दें ॥ काढ्योसघलोसोस ॥ ६५ ॥ केहेस्यूंबहुसाषुंकहो
जेहवुंहोयतेह ॥ विनवीसूपतीनेदेवरावुंदंमदेह ॥ कह्युंम्हेंस्यूंसाषुंअं
बाकहेतेप्रमांण ॥ तवकहेंविनयंधरमुझनेंथयुंविन्नाण ॥ ६६ ॥ त्रु० ॥
मुझनेंथयुंविन्नाणएवचनें ॥ एहजदूष्टछेराणी ॥ जईराजानेंकरुंविनती ॥ क
रेसडूसमझाणी ॥ इमकहीउठ्योतेजेहवे ॥ तेहवेम्हेंबेसार्यो ॥ म्हेंकह्युंअं
बाउपरिएवमुं ॥ नकरोकोपवकार्यो ॥ ६७ ॥ एहचंचलजीवितकाजेकीम
डखदीजें ॥ कहेवीनयंधरसूणिएवमीवातकीमपीजें ॥ मुंकोमुझजाउं
तवम्हेंइमसाषीजें ॥ एहवातेंआयहअंत्रमात्रनवीकीजें ॥ ६८ ॥ त्रु० ॥
इमकरतांजोबलथीकरस्यो ॥ तोडूंतजस्युंप्राण ॥ इमसांसलीनेंरोवालागो ॥
विनयंधरअसमान ॥ अहोअवीचार्युंकारजनृपनुं ॥ एहवापुरुषमांआंका ॥
म्हेंकह्युंतातनेंइमनकहिइं ॥ कर्मपरणतीमुझवंका ॥ ६९ ॥ तवविनयंधरकं

हेझंपापीसीरदार ॥ झंस्यूंकरुंसाषोम्हेंकह्युंतूंआणाकार ॥ करिनृपनी आणातवबोल्योतेतलार ॥ जिमतिमस्यूंबोल्योकिमतूमकर्मविकार ॥ ॥ ७० ॥ त्रु० ॥ धन्यतूम्हेंकत्यपुन्यगुणाकर ॥ सूरतरुसरीषोदाता ॥ जोन वीविनवुंराजानें ॥ अनुकंपाइंराता ॥ उगारवीराणीनेंजांणो ॥ तोंचितवोउपा य ॥ तूम्हनेंउगारीआणंडं ॥ कोपनकरेवलीराय ॥ ७१ ॥ म्हेंकह्युंविचारी जोनकरेनृपआणि ॥ तोवसुसूतीस्यूंजाउंदेशांतरठाण ॥ तेमान्यूंतलारे बोलेतवकोटवाल ॥ आजसुवरणसूमीजाइंम्याजततकाल ॥ ७२ ॥ त्रु० ॥ संध्यासमयेंविझंनीकलीआ ॥ साथेंवलीकोटवाल ॥ प्रवहणस्वामीसमुद्रदत्त नें ॥ सुंप्याथईउजमाल ॥ घणीसलामणदेईमुझप्रणमी ॥ कहेमुझकोपनकर ज्यो ॥ नेत्रेंनीरझरतांवलतां ॥ कहेतनुंजतनतेकरज्यो ॥ ७३ ॥ चाल्युंहवे प्रवहणउपयोगीकर्णधार ॥ वहूसूतीपुछेमीत्रएकिस्योवीचार ॥ तवस झसंस्तलावेअनंगवतीअधीकार ॥ नृपनेंनवीसाष्युंअनंगवतीउपगार ॥ ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ सुवर्णसूमीपोहताअनुक्रमें ॥ दोयमासनेंकाल ॥ उतरीश्री पुरनगरेंपहोता ॥ पंचमेरवंभेढाल ॥ पद्मविजइंठगीसाषी ॥ समरादित्यनेंरास ॥ गुणवंतागुणगातांहोवे ॥ घरि२लिलवीलास ॥ ७५ ॥ ॥श्री ॥श्री डहा ॥ स्वेतांबीकावासीमिल्यो ॥ समृधदत्तसूतसार ॥ वाणिज्यअरथेंआ वीउ ॥ मनोरथदत्तमनोहार ॥ ७६ ॥ माहरोबालथीमीत्रते ॥ संभ्रमपाम्यो सोय ॥ निश्चयउलषीप्रणमीउ ॥ हर्षवीषादमनहोय ॥ ७७ ॥ नृपनेंकुसलपु छ्युंमनें ॥ निजघरलाव्योनेह ॥ सोजनउत्तरइंमसणें ॥ कारणआगमकेह ॥ ॥ ७८ ॥ रायनिर्वेदनवीरह्यो ॥ आव्योआणेंठाम ॥ माउलथायेमाहरो ॥ सीहलद्वीपनोस्वामि ॥ ७९ ॥ तिहांजावुंमुझततषिणें ॥ जोज्योजातूंजिहा ज ॥ मनोरथदत्तेंमानीउं ॥ जिमसाषोमहाराज ॥ ८० ॥ मित्रवीजोगना मान्यथी ॥ काढ्योबहुतिणेंकाल ॥ उतावललहीएकदीन ॥ मुझनेंकहेमया ल ॥ ८१ ॥ जावुंतुमारेजोपस्यूं ॥ तोप्रवहणजाइंनित ॥ तुम्हविजोगनें कातेर ॥ एतलादिवसअतीत ॥ ८२ ॥ आजजमाहरेजायवुं ॥ म्हेंसाष्युं

इमजाम ॥ पटएकलावीआपीउं ॥ उतपतीलाषेआम ॥ ८३ ॥ ढाल ॥ सो
लीमारेहंशारेविषयनराचिइं ॥ एदेशी ॥ कौतूकसहीतएपटस्वामीसूणो ॥ उंढी
जेजवएह ॥ कोशनदेषेरेआपणनेंतदा ॥ तवम्हेंपुछ्युंसनेह ॥ ८४ ॥ पुंण्यप्रमा
णेरेसवीसुखसंपजे ॥ एआंकणी ॥ म्हेंतवउच्योरेतीमहीजनीपनुं ॥ उतपती
पुछीम्हेंताम ॥ तवतेसाषेरेइंहाआव्यापछी ॥ सिद्धसेनएकनांम ॥ ८५ ॥
पुन्य० ॥ आणंदपुरनोवासीतेहछे ॥ बहुवीद्याजससिद्ध ॥ तेसोइपुत्रस्यूंप्री
तिथईघणी ॥ इकदिनम्हेंतसकीध ॥ ८६ ॥ पुन्य ॥ चमतकारकोईविद्यामां
अछे ॥ केनहीकौतूकमुझ ॥ तवतिणेंसाष्यूंरेदेषाडुंतने ॥ विद्यासाधनगुझ ॥
॥ ८७ ॥ पुन्य ॥ सरसवप्रमुखनीसामग्रीकरो ॥ जावुंछेशमसांन ॥ तैया
रीकरीअमेविहुंचालीआ ॥ आथमीउंतवसान ॥ ८८ ॥ पुन्य ॥ अंधकार
मांरेघूकगुहमकरे ॥ जइतिणेंमंमलकीध ॥ अगनीकूंमकरीमुझअप्रमत्तक
स्यो ॥ मुझकरखमंगतेदीध ॥ ८९ ॥ पुन्य० ॥ थोमीवेलारेमंत्रजापकस्यो ॥
तवजक्षकन्यारेएक ॥ चंद्रमुखीमृगनयणीराजती ॥ कलशस्तनीवरटेक ॥
॥ ९० ॥ पुन्य० ॥ सुरतरुकूसूमेंरेवेणासोसती ॥ गगनथीउतरेतेह ॥ मेंमन
चिंत्यूंरेमंत्रसकतीगुरू ॥ सिद्धनेंप्रणमीरेएह ॥ ९१ ॥ पुण्य० ॥ मुझसमर
णनुरेकारणसाषीइं ॥ सिद्धसेनकहेताम ॥ मित्रनेंदिव्यदर्शननाराग्रथी ॥
एहअमारेरेकाम ॥ ९२ ॥ पुण्य० ॥ तवतेंदेवीरेमुझनेंजोईकरी ॥ कहेंतूठी
तुझआज ॥ मागितूंकायकतवम्हेंसाषीउं ॥ तुम्हदरशनइंसर्युंकाज ॥
॥ ९३ ॥ पुण्य० ॥ षालीनजाईरेदेवदर्शनकदा ॥ जक्षकंन्याकहीइंम ॥
नयनमोहनपटरयणतेअपीउं ॥ प्रणमीलीधोरेप्रेम ॥ ९४ ॥ पुण्य० ॥
यतः ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघंनीसीगर्जितं ॥ अमोघाउत्तमावाणी
अमोघंदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ गइनिजथानिकतेजक्षकन्यका ॥ विहा
णेअम्हेपुरमांहि ॥ आव्याइंणिपरेंउतपतीएकही ॥ लिधोतेंहउछांहि ॥ ९५ ॥
पुण्य० ॥ मनोरथदत्तस्यूंरेसायरतटगया ॥ देवविमानपरेंदिठ ॥ ध्वजमाला
सोसीतवरजीहाजते ॥ अतीसयतेहविशिठ ॥ ९६ ॥ पुन्य० ॥ इश्वरदत्त

तसअधीपतीउठीउं ॥ आप्युंआशनसार ॥ करीअप्रणामनेंबेठातेसङ ॥ सूंप्याअमनेंसंसार ॥ ९७ ॥ पुण्य० ॥ मनोरथदत्तकहेमुझबांधवा ॥ स्वामीएवलीमीत्त ॥ जिवीतमाहरूंरेएहनेंजाणज्यो ॥ जालवज्योबङरी ति ॥ ९८ ॥ पु० ॥ पोतपतीकहेझाझूंरयूंकहो ॥ मुझपणिएहवारेएह ॥ बेठाझ्याझेरेंमनमोदेंकरी ॥ दरीयानेंबलीदेह ॥ ९९ ॥ पु० ॥ पवनेपुरयोरे सढउंचोकरी ॥ मनोरथदत्तपरिणाम ॥ करीउत्तोरस्योवाहणचलावीआं ॥ नि रजामकेंसङताम ॥२००॥ पु० ॥ तेरसमेदिनसायरमांजतां ॥ चढिउमेघअ काल ॥ वीजझबुकेरेगरजारवकरे ॥ अंधकारअसराल ॥ १ ॥ पु० ॥ साय रकंपेरेकल्लोलउछले ॥ वायुविषमारेवाय ॥ मदमत्तगजपरेंवसनहीजीहाज ते ॥ निरजामकतेषेदाय ॥ २ ॥ पु० ॥ तिणेंसमेठेयारेमेंधीरजधरी ॥ सढ नादोरसंसालि ॥ सढसंकेल्योरेनांगरमुंकीआं ॥ पणिसागरविकराल ॥ ३ ॥ पु० ॥ सारगुरूतिणेंकर्मविपाकथी ॥ सागुजिहाजतिवार ॥ सघलाअलगा रेथयाविजोगीआ ॥ पाम्याडुखअपार ॥ ४ ॥ पु० ॥ फलकलह्युंम्हेंरेआयु संबंधथी ॥ दिवसथयातिहांत्रणि ॥ तटदेषीनेंरेनिकलीउंहवें ॥ जाणूंपु न्यअगन्य ॥ ५ ॥ पु० ॥ पंचमखंमेरेसातमीढालए ॥ पुरणकुईसूप्रमाण ॥ पद्मविजयकहेसवआयरतरो ॥ जिमहोयकोमिकल्याण ॥ ६ ॥ पु० ॥ दूहा ॥ जंबुद्रूतलेजइ ॥ चिंतवेइंणिपरेंचित्त ॥ वसुसूतीरस्योवेगलो ॥ मा हरोवल्लभमित्त ॥७॥ पमीउंएहवेपयोनीधी ॥ कहोजीव्योकुंकेम ॥ मित्रविना हवेमाहरे ॥ नवीजिववुंएनेम ॥ ८ ॥ अथवामुझपरेंएहपणि ॥ जिवंतो होयजोय ॥ तोमिलवुंथायतेहस्यूं ॥ हवेंजोसावीहोय ॥ ९ ॥ जबजोयुं तबजाणिउं ॥ पलट्योनहीतेपट्ट ॥ विस्मयपाम्योवेगस्यूं ॥ प्रेमथकीपरग ट्ट ॥ १० ॥ उत्तरसनमुखआवीउं ॥ सूषनीवेदनीसालि ॥ गिरिनदीनेंकांठि गयो ॥ फनसफलादीसंसालि ॥ ११ ॥ आहारकरीअवनीतलें ॥ रुमोराज कूमार ॥ बेठोतवजोमेंविक्रं ॥ सारसदिठांसार ॥ १२ ॥ ढाल० ॥ धनदिन वेलाधनघमीतेह ॥ एदेशी ॥ दिठांरेसारसआरसिदोय ॥ कीमारेकरतांलट

पटीअतीघणीरे ॥ चितूंरेमनमांएरेस्वाधीन ॥ जायारेनवीरहेवेगलीनीजत
णीरे ॥ १३॥ सूखमांरेकाढेकालनिचिंत ॥ इंमविचारतांसहसकिरणगयोरे ॥
संध्यानीकरणीकरीतेकूमार ॥ देवगुरुप्रणमीवामपासेंथयोरे ॥ १४ ॥ ब
ऊदिनखेदथीआवीरेनींद ॥ रातगईनेंजाग्योऊतदारे ॥ प्रणमीरेंदेवगुरुनापा
य ॥ चाल्योवनवननीशोभाजोउंयदारे ॥ १५ ॥ गिरिनदिकांठेजाउंरेंजाम ॥
दिठीरेपदपंतीसोहामणीरे ॥ चक्रांकूशरेषाशोभीततेह ॥ लघुनेंसूकमालथी
जाणीस्त्रीतणीरे ॥ १६ ॥ चाल्योरेपगलेपगलेतेह ॥ दिठीरेदूरथीतापसनीकनी
रे ॥ वांकलांपहिरयांवस्त्रनेंअंगमि ॥ सोवनवरणीदेहतेअतीवनीरे ॥ १७ ॥ अ
लतेरेरंजीतचरणसरोज ॥ रसनारेजोग्यनीतंबसोहामणारे ॥ सजनचितपरें
नाभीगंभीर ॥ सूकृतपरीणामपरेंउन्नतकूचघणारे ॥ १८ ॥ तपथीविनि
र्जितमोहअंधार ॥ हृदयमांपेंशणवेंणमिसेंथयोरे ॥ रक्तअशोकपरेंकरजास ॥
नयनतेहरणीनेत्रसागसयोरे ॥ १९ ॥ गलस्थलचंद्रमंमलपरेंजास ॥ अ
धरतेपाम्लकूसूमशोणीतपरेंरे ॥ ठावमीवामकरेंरहीजास ॥ फूलरेंवेणतीते
हदक्षीणकरेंरे ॥ २० ॥ देषीनेंचितव्यूंम्हेंइंणिसांतिं ॥ वनदूखसहेपणिला
वण्यकेहवुंरे ॥ आघोजईजालांतरेंजोयुंजांम ॥ देषुंरेरुपवीलासवतीजेह
वुंरे ॥ २१ ॥ वनवासेंरहेतीएतलोफेर ॥ सूमरणपवनेंकांमसंधूकीउंरे ॥ फू
लनीठावमीलेईजबजाय ॥ तबऊविकारगोपवीढूकीउंरे ॥ २२ ॥ प्रणमी
म्हेंसाध्युंतपनीथाउंवद्धि ॥ तामलीप्तीनगरीथीआवीउंरे ॥ स्वेतांबीनगरीवासी
ऊंजाणि ॥ सीहलद्वीपसणीऊंधावीउंरे ॥ २३ ॥ ज्याजसागुंथयोएकाकीइं
म ॥ कहोकूणथानिकएकिहांरहोतुम्हेरे ॥ संभ्रांतथईकरीत्रीठीरेदृष्टि ॥ व
चननोउत्तरनवीदीधोकीमेंरे ॥ २४ ॥ चालीरेनीजआश्रमसणीतेह ॥ मन
मांम्हेंचित्युंनारीनेंएकलीरे ॥ वलिअतापसणीएहस्यूंस्यूंकाम ॥ वलीरेपुछी
सकोईनरनेंअटकलीरे ॥ २५ ॥ वलीउंरेपाछेआव्योतेठाम ॥ वलीरेविचा
र्युंजोउंएजाइंकीहांरे ॥ जोतांरेदिठीमंथरचालि ॥ चालतीपाछलजोतीतेतिहां
रे ॥ २६ ॥ नवीरेदिठेकोईप्राणीताम ॥ मुंकीरेठावमीवेंणिसमारतीरे ॥ पछे

स्युंपणवांकलूंपहेरयुंरेफेर ॥ वाङ्कंकरीउंचीअंगनेंमरमतीरे ॥ २७ ॥ आवे बगासांकामवीकार ॥म्हेंमनचिंत्युंएस्यूंइंमकरेरे ॥ अथवारेविरूधविचारस्यो मुझ ॥ इमकरीचाल्योगिरीनदीपरीसरेरे ॥ २८ ॥ प्राणवृत्तीकरीदिवसग माय ॥ सूतोरेरयणीइंसूपनुंतवलह्युंरे ॥ दिव्यस्त्रीइंएककुसूमनीमाल ॥ आवी नेंइंणिपरेंमुझनेंतिणेंकह्युंरे ॥ २९ ॥ पुर्वेंनीपजावीएठेरेमाल ॥ आपीरेम्हें तूझनेंतिणेंलिजीइंरे ॥ म्हेंपणिलेईथापीकंठदेश ॥ पाछिलेपहोरेदेषीजागीजी इंरे ॥ ३० ॥ मनमांहरषीचिंतवुंइंम ॥ कन्यानोलाभसूपनएसूचवेरे ॥ अट वीमांकेमहोस्येमुझलाभ ॥ चिंतव्युंरेदक्षिणनेत्रनेंफरकवेरे ॥ ३१ ॥ सूपन सुकनअनुंसारेंरेइंम ॥ चिंतवुंअन्यपरीचयमुझनहीरे ॥ म्हारेरेविलासवती नुंरेकाम ॥ पुर्वेंनिपनीमालादेवेंकहीरे ॥ ३२ ॥ तापसणीदीठीतसअनुहार ॥ विधीरेविचित्रप्रकारेंघटेआदारे ॥ कोणजाणेंतेहजहोइंतोहोय ॥ नहितोकि ममदनविकारएकरेतदारे ॥ ३३ ॥ यतः ॥ अघटीतघटितानीघटयती ॥ सूघटितघटितानीजर्झरीकुरुते ॥ विधीरेवतानीघटयती ॥ यानीपुमानैवचिं तयती ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तोपणिव्रतणीसाथेंरेसंजोग ॥ नघटेपणएहनुंदर्श नपामीउंरे ॥ इंणिकरयुंमाहरेकरवुंछेतेह ॥ उग्योरवीपुर्वदिशावधुकामीउं रें ॥ ३४ ॥ चक्रवाकनाटल्यारेविजोग ॥ पंचमखंमेंसालज्योगुणीरे ॥ समरादित्यनारासमांएह ॥ आठमीढालतेपद्मविजयसणीरे ॥ ३५ ॥ ॥श्री॥ ॥ डुहा ॥ रागघणोरमणीतणो ॥ रमणीकदेषीरान ॥ कामज्वरथीकाननें ॥ जोवालागोजान ॥३६॥ रमणीजोतांकूमरनें ॥ क्लेशेंगयोबहुकाल ॥ आंबात लेंआवीकरी ॥ बेठोऊंनृपबाल ॥ ३७ ॥ सूकापत्रतणोसूण्यो ॥ इंणिअवसरि आराव ॥ वालिकोटिविस्तारीनें ॥ दृष्टिजोयुंदाव ॥ ३८ ॥ मध्यवयेंआवीम हा ॥ तापसणीएकताम ॥ सूतितिलकसालेंकरयुं ॥ कमंडलकरवाम ॥ ३९ ॥ पुत्रजीवमालाप्रगट ॥ जमणाकरमांजोय ॥ जटाकलापबांध्योजकम ॥ वक लवस्त्रवरहोय ॥ ४० ॥ तपतापीतकृशतनुंथयो ॥ अठीचर्मअवशेश ॥ देषी गोपव्योमदननें ॥ प्रणम्यापादविशेस ॥ ४१ ॥ ढाल ॥ रागगोडी ॥ देशीआ

देसरनीवीनतीनी ॥ मुझनेंदेषीतासरे ॥ आंसूंआवीआं ॥ बेठिचीरंजीवकही
ए॥ ४२ ॥ एस्यूंउलषेमुझरे ॥ इंममेंचितव्युं ॥ अथवाज्ञानीहोयव्रतीए ॥
॥ ४३ ॥ स्यूंनवीजाणेंएहरे ॥ इंणअवसरकहे ॥ बेसोकूमरएसूतलेंए ॥४४॥
पुंजीधरतीतेहरे ॥ बेठीतापसी ॥ कहेऊंकऊंतेसांभलोए ॥ ४५ ॥ इंणिसरतेंवे
ताढ्यरे ॥ पर्वतमध्यछे ॥ उंचोपचविसजोअणांए ॥ ४६ ॥ जोजनपहोलोपं
चासरे ॥ तेहरजततणो ॥ पूर्वापरआयरअम्ब्योए ॥ ४७॥ विद्याधरनीश्रेणी
रे ॥ दक्षीणउत्तरे ॥ धरतीथीदसजोअणांए ॥ ४८ ॥ दक्षीणनगरपंचासरे ॥
साठिउत्तरदिशे ॥ गंधसमृधपुरतेहमांए ॥ ४९ ॥ सहेसबलतिहांरायरे ॥ सू
प्रभासारया ॥ मदनमंजरीऊंसूताए ॥ ५० ॥ जौवनपांमीजामरे ॥ परणावी
मनें ॥ पवनगतीराजाप्रीतिए ॥ ५१ ॥ रमतांतेहस्यूंरंगेरे ॥ कालगयोबऊ ॥
गगनमारगएकदिनहवेए ॥ ५२ ॥ क्रिमाकरवाकाजरे ॥ नंदनवनगयां ॥ बे
ठाकनकशिलातलेए ॥ ५३ ॥ सहसापमीउहेठिरे ॥ मरणलह्योतदा ॥ आयु
अथीरथीमुझपतीए ॥५४॥ मुझनेंउपनोशोकरे ॥ समतीसूंइंपमी॥मुर्छाथीचेत
नलहीए ॥ ५५ ॥ उमवाजाउंजांमरे ॥ उमाइंनही ॥ विद्यापणिचालीनहीए॥
॥ ५६ ॥ दाघाउपरिलूणरे ॥ एस्यूंवलीथयुं ॥ इंणिअवशरितिहांआवीउए ॥
॥५७ ॥ देवानंदइंणिनामरे ॥ मित्रमुझताततनो॥ तापसव्रतअंगीकर्युएं॥५८॥
कह्योमाहरोवृत्तांतरे ॥ सरतामरीगयो ॥ गगनगामीनीतिमगईए ॥ ५९ ॥ ज
लआसूंभरीनयणरे ॥ मुझनेंइंमकहे ॥ वऊसंसारएएहवोए ॥ ६० ॥ क्षणसं
गुरसंजोगरे ॥ इंद्रियचपलछे ॥ जिवलोकअसाश्वतोए ॥ ६१ ॥ इंमजांणीक
रेधर्मरे ॥ उत्तमप्राणीआ ॥ त्रणिलोकबांधवसमोए ॥६२॥ दिक्षाआपोमुझरे॥
म्हेंइंणिपरेंकह्युं ॥ तापसबोल्यातेहवेए ॥ ६३ ॥ विद्याकिमगईतूझरे ॥ मेंक
ह्युंनवीलऊं ॥ तवज्ञानेंकरीबोलीआए ॥ ६४ ॥ शोकेंकरीसीक्षूटरे ॥ उले
घ्योतूम्हे ॥ कुसूमदामशीषरेंपमीए ॥ ६५ ॥ विद्यागईतूझइंमरे ॥ आशातनं
थकी ॥ तवम्हेंसाध्युंसांभलोए ॥ ६६ ॥ उपगारीइहलोकरे ॥ विद्याइंसर्युं ॥
व्रतआपीअनुग्रहकरोए ॥ ६७॥ तवपुठीमुझताततरे ॥ आचारसंभलावी ॥

लावीश्हांमुक्ब्रतदीउए ॥ ६८ ॥ इकदिनपुजणदेवरे ॥ सायरउपकंठे ॥ गई तवदिठुंपाटिउंए ॥ ६९ ॥ कन्यावलगीएकरे ॥ जलकल्लोलमां ॥ चंद्रलेखाप रेंनिरमलीए ॥ ७० ॥ आचारजकहेतामरे ॥ ऊंहरषितथयो ॥ मनोरथतरूफू लउगीआंए ॥ ७१ ॥ तापसणीकहेतामरे ॥ जोयुंम्हेंजई ॥ जाणितवएजीव तीए ॥ ७२ ॥ कमंमलजलछंटिरे ॥ नेत्रउघामीआं ॥ लावण्यथीकूलवतील हीए ॥ ७३ ॥ धीरीथातुंवछरे ॥ अम्हेतापसअछुं ॥ ईमकहीफलआणीदिआं ए ॥ ७४ ॥ षवराव्युंम्हेप्राणेंरे ॥ लईआश्रमगई ॥ देषामीकुलपतीसणीए ॥ ॥ ७५ ॥ कुलपतीनेंपरणामरे ॥ करीनेंतेरही ॥ तवआशीशदिइंकुलपतीए ॥ ॥ ७६ ॥ पंचमेखंमेढालरे ॥ नवमीएकही ॥ पद्मविजयएहरासमांए ॥७७॥ ॥ डुहा ॥ किहांथीआव्यांतेकहो ॥ म्हेंपुछ्युंईमजांम ॥ तामलिप्तीथीतेकहे ॥ म्हेंपुछ्युंफिरीतांम ॥ ७८ ॥ किहांजाईनेंकुलकिस्यूं ॥ तवनवीबोलीतेह ॥ नांषीदिर्घनीशासनें ॥ तवम्हेंचिंत्यूंएह ॥ ७९ ॥ उत्तमकुलमांउपनी ॥ आ षइंनहीतिणेंआप ॥ पुछिसकूलपतीनेंपछें ॥ पामीसतिहांजबाप ॥ ८० ॥ कु लपतीआवश्यककरी ॥ संध्यासमयसमाधी ॥ पासेंकूलपतीपुछिउं ॥ बेशीनें निराबाध ॥ ८१ ॥ कन्याएकुंणकिमलही ॥ एहअवस्थाआज ॥ आगलिके हवुंएहनें ॥ कहोनीपजस्येकाज ॥ ८२ ॥ ढाल ॥ सांसलिरेतूंसजनीम्हारी रजनीकिहेंणिपरेंरमीइंजी ॥ एदेशी ॥ मुझनेंकहेकूलपतीसांसलितूं ॥ तपप रसावेंजाणंजी ॥ तामलिप्तीनरपतीनीपुत्री ॥ रुपतणंजेठाणंं ॥ ८३ ॥ नृप सूतसूणीइंजी ॥ एआंकणी ॥ सरतास्तेंहेंएमअवस्था ॥ पामीछेनिरधारजी ॥ म्हेंपुछ्युंकिमकन्यानहीए ॥ कूलपतीकहेतीवार ॥ ८४ ॥नृप० ॥ द्रव्यथीक न्यासावेपरणी ॥ म्हेंपुछ्युंकिमईमजी ॥ तवसघलूंधुरथीसंसलाव्युं ॥ पतीजा वानीसीम ॥ ८५ ॥ नृप०॥ एकदिनसूणीउलोकवयणथी ॥ कूमरनेंमार्योरा इंजी॥ईणिईंचिंत्युंमोहेंकरीने ॥ सिगतीहवेमुझथाय ॥ ८६ ॥ नृप० ॥ तेहज समसानेंजईजोई ॥ करवोप्राणवीजोगजी ॥ प्राणअधीकमुझवल्लसकेरी ॥ चातकरेईमलोग ॥ ८७ ॥ नृप० ॥ अरधीरातितेएकाकीणी ॥ घरमांथीतेचा

लिजी ॥ तस्करलूंटीअचलसार्थपनें ॥ वेचाथीतिणेंआली ॥ ८८ ॥ नृप० ॥
ह्याजवेंआरीबबरकूलें ॥ जातांसागुंह्याजजी ॥ एकपाटिउंएहनाकस्मां॥
आव्युंजिवीतकाज ॥ ८९॥नृ० ॥ त्रणेदिवसेएतटपांमी ॥ हवेआगलसूणो
वातजी ॥ सरतालहेस्येसोगसोगवस्ये ॥ थास्येंजगतवीख्यात ॥ ९० ॥नृ०॥
परसवआधीमानवनोसव ॥ सफलोकरस्येएहजी ॥ इंमसांसलीनेंझंघणंहर
षी ॥ रातिगईजबतेह ॥ ९१ ॥ नृ० ॥ सूरजउदइंम्हेंकह्युंकूमरी ॥ एसंसार
अनीत्यजी ॥ जौवनचंचलअथीरएलषमी ॥ धैर्यधरेसुवीदित्त ॥ ९२ ॥ नृ०
साकहेस्वामीनीसाचुंसाषो ॥ व्रतआपोउपगारीजी ॥ म्हेंकह्युंजौवनवयछेपहे
ली ॥ मदननसकीइंवारी ॥ ९३ ॥ नृ० ॥ ज्ञानसूरयकूलपतीनेपुछ्यो ॥ तूह्म
वृत्तांतमनआणीजी ॥ अतीतअनागतसघलूंसाष्युं ॥ तूह्मपतीमिलनप्रमाणीं
॥ ९४ ॥ नृप० ॥ सत्तोतूह्मजीवेछेकूशले ॥ सांसलीविस्मयधारीजी ॥ आण
झंतापणिकटकयुगलदिशंकलपनाइंउतारी॥९५॥नृ०॥हारलतादेवाजवकोटें॥
हाथनांष्योतवनांहिजी ॥ चित्तठामिंआव्युंतवविलषी॥ थईअतीसंभ्रममां
हीं ॥ ९६ ॥ नृ० ॥ म्हेंसाष्युंसंभ्रममतकरतूं ॥ ताहरूंचित्तउदारजी ॥ व्रत
नोअवआरहिमणांतुह्मनही ॥ सांसल्योएहविचार ॥ ९७ ॥ नृ० ॥ तापस
कंन्यावेषेंविचरे ॥ इंमकरतांगयोकालजी ॥ एकदिनकूलपतीसीद्धपर्वतें ॥ ग
यादर्शनकिरपाल ॥९८॥ नृ० ॥ एतोफूलविणवाचाली॥ मोह्मीतीहांथीआवी
जी ॥ पाछलजोतीपरस्वेदकरी ॥ देहह्मीसीनीलावी ॥९९॥ नृ० ॥ म्हेंपुछ्युंतुं
किमखेदाणी ॥ तवतेबोलिइंमजी ॥ म्हारांबांधवसांसस्यामुह्मनें ॥ तेहनोमु
ह्मघणोप्रेम ॥२००॥ नृ० ॥ म्हेंसाष्युंकुलपतीआवणदइं ॥ तुह्मबांधवमेलव
स्येजी ॥ इंमसूंणीमौनकरीतेदिनथी ॥ निजआतमनहीवस्ये १ ॥ नृ० ॥ अ
तिथीनवीबहुमानेंदेवनुं ॥ पुजनपणिनवीकरतीजी ॥ फूलविणवापणिनवीजा
इं ॥ नविअक्षतासननमेती ॥ २ ॥ नृ० ॥ विद्याधरनांजुगलआलेषे ॥ सारस
जुगलतेंजोवेजी ॥ स्त्रिसरतारपुराणीवातो॥सूणवातत्परहोवे ॥३॥नृ०॥ म्हेंमन
चित्युंजौवनआव्युं ॥ जौवनेंमदवेहवाधेजी ॥ मदथीमदनविलासमदनथी॥

केमविकारनबाधइं ॥ ४ ॥ नृ० ॥ यतः ॥ नविअहिएविषयहोही ॥ पाएणंती
ळअएंमीसोजीवो ॥ जोजोव्वणमणुंपत्तो ॥ विआररहीउंसयाहोई ॥ १ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ दशमीढालएपंचमखंमे ॥ मदनपराजयकरस्येजी ॥ प
द्मविजयकहेतेसवीप्राणी ॥ सवशायरलघुकरस्ये ॥ ५ ॥ नृप० ॥ ड्हा ॥
वलगीनागरवेलमी ॥ वृक्षअसोकअवधारि ॥ हंसलीक्रीमाहंसस्यूं ॥ जो
मेदीठजीवार ॥ ६ ॥ नाषीनीसासोनिकली ॥ तपोवनबाहिरतेह ॥ देषीजा
तीदृष्टिथी ॥ सलक्योमुफसनेह ॥ ७ ॥ आजनदेषुंएहनो ॥ अवलतनुंआ
कार ॥ जोउंकीहाएजायछे ॥ चालिङंइंमविचार ॥ ८ ॥ ठटकीलईनेंछाबमी ॥
गईजीहांकूसूमनीजागि ॥ चपलताराषीचूंपस्यूं ॥ लषतीचिङदिशलागि ॥
॥ ए ॥ अशोकवृक्षतलेअवनीइं ॥ जईउसीरहीजाम ॥ कदलिवनअंतर
करी ॥ रहिङंपुंठेराम ॥ १० ॥ ढाल० ॥ उठिकलालणिसरघमोहे ॥ दारू
मारोमुलवतावी ॥ एदेशी ॥ मोहटेश्वरथीरोवतीहे ॥ बोलेइंणिपरेंवाणि ॥
सांसलज्योवनदेवताहे ॥ एहतेतेहजठाण ॥ ११ ॥ म्हाराकर्मवीपाकनीहे ॥
गतीनवीसाषीजाय॥प्राणवल्लसविणमाहरीहे॥गतीतेसीपरेंथाय १२॥ म्हारा ॥
आरजपुत्रमिल्याइंहाहे ॥ तापसणिमुफजाणि ॥ प्रणम्योनेउंलषावीउंहे ॥ ना
मअनेंनीजठाणि ॥१३॥म्हा० ॥ म्हेंउत्तरनवीवालीउंहे ॥ नारीमतिथीरंऊंण॥
मदनसेदाणीबोलीनहीहे॥हवेकहोगतिमुफकूंण॥१४॥म्हा०॥ पुठेमेंजोयूंघणुं
हे ॥ पणिनविदीठेकोय॥आर्यपुत्रतेकेंनहीहे॥ देववेषधरहोय ॥१५॥म्हा०॥
हवेतोजेहोयतेळज्योहे॥ पणिनवीजोगरवमाय ॥ मदनअनलबलतीथकीहे ॥
कोईरीतेंनजीवाय ॥१६॥म्हा० ॥ अयमत्तालतावेलमीहे ॥ बांधीनेंगलपास॥
मरवुंमाहरेइंणिपरेंहे ॥ जिवननीनहीआस ॥ १७॥ म्हा०॥ सारकरेज्योमुफ
पतीहे ॥ तापसणीमुफमात ॥ सरिषीनेंसंसलावज्योहे ॥ एमाहरोअवदात ॥
॥ १८ ॥ म्हा०॥ लाजथीङंनवीकहीसकुंहे ॥ इमकहीदीधोपास॥देवगुरुप्रण
मीकरीहे ॥ फूलाव्योतेनीरास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥ इंणेंअवसरङंझोमतीहे ॥ ज
ईछेद्योतसपास ॥ परलोकेपणिजायतांहे ॥ नवीपुठेस्याबासि ॥ २० ॥ म्हा०

तवसाचिंतेधिगूमनेंहें ॥ सांसव्यूंसघलूंएए॥मुखनीचुंकरीनेंकहेहे ॥ नवीक ह्मुलज्ञाविचोए ॥ २१ ॥ म्हा० ॥ करस्योमकोपमोउपरिहे ॥ तवम्हेंसाष्युंता स ॥ तपसीकोपकरेनहीहे ॥ थिरजघरीसूविलास ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ कुलप तीवचनअमोघछेहे ॥ तूरतजमिलस्येतेह॥ चालिआश्रमप्रतिजाईइंहे ॥ गयां अलेइंमकरीनेह ॥ २३ ॥ म्हा० ॥ तापसकुमरजोवासणीहे॥ मोकलीआति णीवार ॥ कथाविनोदकरतांथकांहे ॥ बेठीपासेंनारि ॥ २४ ॥ म्हा०॥ तापस कूमरआवीकहेहे ॥ अम्हेनवीदीठेकोय ॥ कुमरीसञनेंसलाविनेंहे ॥ चाली खोलवासोय ॥ २५ ॥ म्हा० ॥ लवितव्यताइंदेषाडीउहे ॥ मुफनेंदर्शन तुफ ॥ आश्रमपदचालोतूम्हेहे ॥ जिवाडोएहगुफ ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ इंम सांसलीऊंचालीउहे ॥ आगलिगईतिणिवार ॥ आसनमुफनेंआपीउहे ॥ दि ठीतिणआमेनारि ॥ २७ ॥ म्हा० ॥ विलासवतीमुफदेषीनेंहे ॥ उठीउलीथा य ॥ सखिउसाथेंमोकलेहे ॥ अर्थतेशौचनेंजाय ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ थयो मध्याह्नसमयजदाहे ॥ फनसादिकफलआंणि ॥ प्राणवृत्तिकराविनेंहे ॥ आवीतापसणितेठाए ॥ २९ ॥ म्हा० ॥ राजपुत्रसूणोवारताहे ॥ अमघरि पोहताआय ॥ सिप्राञणागतितुम्हकरूंहे ॥ वसतवाकलफलखाय ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ पणिएविलासवतीअछेहे ॥ अधिकीजीवितपांहि ॥ विधिइंपूरवेंदी धलीहे ॥ फिरीअलेदिघउगांहि ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ ईमकहीनेंरोवेघएफहे ॥ वारिम्हेंतिणीवार ॥ लगवतीइंमनकीजीइंहे ॥ जाणोस्वरुपसंसार ॥ ३२ ॥ म्हा० ॥ अगनीआखिपरणाविआंहे ॥ फेराफरीआरेताम ॥ लगवतीनीआ णालहीहि ॥ गयासूंदरवननाम ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ सर्वरीतूराढामलीहे ॥ दे षीपाम्याउल्लास ॥ सूतापल्लवसाथरेहे ॥ किधोकामविलास ॥ ३४ ॥ म्हा० ॥ इंणिपरिरजनीनीगमीहि ॥ इमअनुक्रमेंकोईकाल ॥ एकदिनञोसावनतणी हे ॥ देषेस्त्रीअसराल ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ इमएपंचमखंडमांहें ॥ साषीअग्या रमीढाल ॥ पद्मविजयएरासमांहें ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ ३६ ॥ म्हा० ॥ डहा ॥ विनितासोसावनतणी ॥ जोतीनषसेजांम ॥ कुसुमविणतीकिमहीके ॥

उत्तरनदिइंग्राम ॥ ३७ ॥ उद्धुंपटर्झंएटले ॥ नविदेषेमुक्नारि ॥ अचरीजथी
इमउद्धित ॥ तरुणीनदेषेतिवार ॥ ३८ ॥ आर्यपुत्रहांइमलवे ॥ पनीतेमुर्ग
पामि ॥ मनचित्यूंमेंमाहरें ॥ किधूंअवलूंकांम ॥ ३९ ॥ पटउग्योपागेकरी ॥
सिच्योजलेंशरीर ॥ सज्जथईकहेशब्दथी ॥ नयणेंझरतीनीर ॥ ४० ॥ नविदि
गतुम्हनयणथी ॥ तवम्हेंसाष्युंतास ॥ झुरयूंजाणंएहमां ॥ सायेनारिविला
स ॥४१॥ किमनविजाणोकहोतुम्हे ॥ सर्वकह्युंतवसाच ॥ कामीनीपणिपरि
क्षाकरे ॥ वस्त्रनीवातअवाच्य ॥ ४२ ॥ कालगमावीकेतलो ॥ इंकदिनम्हेंक
ह्युंइम ॥ सुणिसुंदरीनिजदेशमां ॥ पोहचीइंतिमकरोप्रेम ॥ ४३ ॥ ढाल० ॥
देशीअढीआनी ॥ पुछेसगवतितांम ॥ जईइंनिजपुरगांम ॥ जोआणाकरोए ॥
महिरनीजरधरोए ॥ ४४ ॥ तेणीइंआंणादिध ॥ सिन्नपोतध्वजकीध ॥ के
ईकदीनगयाए ॥ केलीकरेसयाए ॥ ४५ ॥ इंणिअवशरतिहांआय ॥ नि
रजामकचितलाय ॥ नावमेंबेसीनेंए ॥ षामीमांपेशीनेंए ॥ ४६ ॥ मुक्नेंक
हेइंमवात ॥ द्विपकम्हाहविख्यात ॥ रहेतेवाणिउंए ॥ सार्थपजांणीउंए ॥
॥ ४७ ॥ मलयदेशसणीजाय ॥ तूम्हएध्वजदेषाय ॥ मोकलीआअम्हेए ॥
चालोतिहांतूम्हेए ॥ ४८ ॥ म्हेकह्यूंम्हारेनारि ॥ कहोतोआविशंल्हारि ॥ ते
कहेचालीइंए ॥ विलंबनसालीइंए ॥ ४९ ॥ पोहतामोहदेजीहाज ॥ सारथ
वाहसमाज ॥ तिणेंआदरकरयोए ॥ शुभस्थानकधरयोए ॥ ५० ॥ एकदिन
पाछलोजाम ॥ रातिशेषरहीताम ॥ लघुशंकाथईए ॥ उठ्योझतईए ॥ ५१ ॥
तिणसमेंसारथवाह ॥ जाग्योदेषीलाह ॥ चिंतेएरुअमीए ॥ नारीनकुअमी
ए ॥५२॥ रातीसमयछेएहा॥कोईनजाणेंरेहा॥दरिआमांधरुंए॥नारिअंगीकरूंए
॥५३॥ लघुशंकानेंकांमा॥बेठोजबतिणेंगांम॥नांष्योझंपम्यो ए ॥ पुन्येफलक
जम्योए॥५४॥ पंचरातीरह्योमांहि ॥ मलयकूलउगांहि ॥ जलनिधीउतरयोए॥
सवनवेअवतरयोए ॥ ५५ ॥ मेंमनचिंत्यूंइम ॥ सार्थवाहेंकर्युंकेम ॥ ना
रीलोमेंकरीए ॥ नहिप्रयोजनवरीए ॥ ५६ ॥ एहविलासवतीनारि ॥ मुझवि
योगचित्तधारि ॥ नहिजीवितधरेए ॥ आपघातकरेए ॥ ५७ ॥ नविजाणे

एसेठ ॥ कीधीकेवलवेठ ॥ नारिविनासहीए ॥ जिववुंमुफनहीए ॥ ५८ ॥
नीबपादपतिहांदेषि ॥ गयोऊंसर्वज्ञवेषी ॥ मरवामनकरीए ॥ जोयुंदिवाफ
रीए ॥ ५९ ॥ दीठुंदूरथीताम ॥ सरोवरएकअतीराम ॥ चकवेबोलतूंए ॥
मानुंएरोवतूंए ॥ ६० ॥ भ्रमरगुंजारवेंगाय ॥ मानुंवलीनाटिकथाय ॥ कल्लो
लमीसधरीए ॥ उंचिबाहकरीए ॥ ६१ ॥ दिठोहंसतिहांएक ॥ नारीवीयोगी
ठेक ॥ कलूणअस्वरेंहूइंए ॥ आंषिआसूंचुइंए ॥ ६२ ॥ षणरोवेषणगाय ॥ अ
न्यहंसीजोईधाय ॥ विभ्रमआणतोए ॥ निजस्त्रीमानतोए ॥ ६३ ॥ जाणीहं
सीअन्य ॥ षेदकरेतेविषिन्न ॥ मरवामन्नकरेए ॥ शोकघणोधरेए ॥ ६४ ॥
मुरछापामेतेह ॥ वलिचेतनलहेजेह ॥ ईत्यादिकसहूए ॥ दिठांलरूणबहूए ॥
॥ ६५ ॥ करयोविचारमेंतांम ॥ डषीउंएपणिआम ॥ एमजाणीकरीए ॥
पंषीतेंपरिहरीए ॥ ६६ ॥ इंणिपरेंचितवुंजाम ॥ फिरतोहंसतेताम ॥ हंस
लिनेमिल्योए ॥ दैवेंविरहटल्योए ॥ ६७ ॥ सापणदूरबलअंग ॥ कूजित
नकरेचंग ॥ शोकेंशकतीनहिए ॥ विऊंहरष्यांसहीए ॥ ६८ ॥ मुफमन
चिंताथाय ॥ जिवतांसंपदपाय ॥ विरहदूरेंटलेए ॥ कांताआवीमलेए ॥
॥ ६९ ॥ कुलपतिइंकह्युंनारि ॥ सुखलोगवीसंसार ॥ परलवसाधस्येए ॥ स
घसफलोथस्येए ॥ ७० ॥ तिणेंमरस्येनहीनारि ॥ कर्मविचित्रअवधारि ॥ ए
हनेंषोलविए ॥ नविजाइंसोलविए ॥ ७१ ॥ नारिंगफलनोआहार ॥ करीनें
फिरेअपार ॥ सायरनेंतटेंए ॥ डखजिणथीमिटेए ॥ ७२ ॥ पंचमखंमेढाल ॥
बारमीएहरसाल ॥ पद्मविजयेंकहीए ॥ लविजनेंसद्दहीए ॥ ७३ ॥
॥ डहा ॥ अर्द्धजोजनगयोआगलें ॥ आवतूंफलकतेएक ॥ दिठुंतेमेंदृष्टिथी ॥
तिरेंगयोअतिरेक ॥ ७४ ॥ तिरेंआव्यूंतेतूरत ॥ विलासवतीविलग्ग ॥ नयणें
दिठिनेहस्यूं ॥ उपनोअतीउमंग ॥ ७५ ॥ अवलाईमुफउंलष्यो ॥ आसासना
म्हेंआपि ॥ पुछ्युंएस्यूंनिपनुं ॥ पलणेंतेमुफपाप ॥ ७६ ॥ स्वामीपमीआसा
यरें ॥ जाण्युंसघलेजांम ॥ सार्थवाहधरीशोकनें ॥ कहेमुफपमवाकांम ॥
॥ ७७ ॥ परिजनस्यूंऊंपरिवरी ॥ वास्योसारथवाह ॥ रातगईउग्योरवी ॥ थ

युतोफानअथाह ॥ ७८ ॥ ज्याजसागुंजनसङ्गयां ॥ म्हेतूमपून्यप्रमाण ॥
पाम्युंतिहांएकपाटिउं ॥ जलनीधीलंघीजाण ॥ ७९ ॥ ढाल ॥ ढोलारहोतोङ्कं
रांधुंषीचमी ॥ एदेशी ॥ तिहांमेंमनिइंणिपरेंचितव्यूं ॥अहोमायावीशीरदार ॥
साजनसूणोहे ॥ अध्यवशायहीणघणा ॥ एसारथवाहअशार ॥ ८० ॥
सा० ॥ जुउजुउकर्मविटंबणा ॥ कांयकर्मकरेतेहोय ॥ सा० ॥ एआंकणी ॥
अथवाएअचरीजकोनही ॥ कांयकारणथीहोयकाज ॥ सा० ॥ पणिविण
कारणनवीहोय ॥ कांयपापथीकीमहोयराज ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जु० ॥ पुछे
विलासवतीतूम्हेंकिमपम्या ॥ तवमेंमनकिधविचार ॥ सा० ॥ दोषनकहि
इंपारका ॥ इंमचितवीबोल्योतिवार ॥ सा० ॥ ८२ ॥ जु० ॥ परमादेङ्कंपमी
गयो ॥ जम्युंफलकतेतूजपरेमुज ॥ सा० ॥ उतरयोजलनीधीअनुंक्रमें ॥ फ
रतांतूजमलीउएगुज ॥ सा० ॥ ८३ ॥ जु० ॥ कहेनारीङ्कंतरसीबुंघणी ॥ त.
वमेंकह्युंसांसलवात ॥ सा० ॥ सरोवरढुकडुंइंहांथकी ॥ चालोतिहांजईसुख
शात ॥ सा० ॥ ८४ ॥ जु० ॥ कांयनारिनीतंबनासारथी ॥ वलीसमुद्रमांउप
नोथाक ॥ सा० ॥ थोडुंचालीतवथाकती ॥ नविचालीशकुंसूणोवाक ॥सा०॥
॥ ८५ ॥ जु० ॥ तवम्हेंकह्युंएवमतले ॥ तूंबेसिलेईआवुंनीर ॥ सा० ॥ नलि
नीपत्रदमीउकरी ॥ तवबोलीथईतेधीर ॥ सा० ॥ ८६ ॥ जु० ॥ तूम्हदर्शन
नासूखआगलें ॥ मुजतरसनपीमेंकांय ॥ सा० ॥ म्हेंकह्युंधीरजधारीइं ॥ जा
णजेजललेईनेंआय ॥ सा० ॥ ८७ ॥ जु० ॥ नयनमोहनपटउढतूं ॥ जिमअ
टविमांविघननथाय ॥ सा० ॥ पल्लवशञ्जापाथरी ॥ न्यग्रोधहेठलितेठाय ॥
॥ सा० ॥ ८८ ॥ जु० ॥ वातमनावीवलथकी ॥ गयोजललेवातिणीवारि ॥
॥ सा० ॥ जलफनसादीकफलफ्तें ॥ लेईआव्योवरआहार ॥ सा० ॥ ८९ ॥
॥ जु० ॥ नयनमोहनपटमुंकितूं ॥ पीउंपाणीलाव्योतेह ॥सा०॥ तोहीउत्तरनवी
दिइं ॥ म्हेंकह्युंहासीकरोकेह ॥ सा० ॥९०॥ जु० ॥ तोपणिजवबोलीनही ॥
तवम्हेंइंमचितनकीध ॥ सा० ॥ इहांतोएरमणीनथी ॥ अन्यथाकिमबोलन
दीघ ॥ सा० ॥ ९१ ॥ जु० ॥ साथरेफरस्योकरजदा ॥ तोपणिनवीआवीहा.

थि ॥ सा० ॥ वलिमावुंलोचनफरकीउं ॥ पमीउंकरमांथीपाथ ॥ सा० ॥९२॥
॥ जु० ॥ षेदलसोञांकाथई ॥ खोलवामांमीतेनारि ॥ सा० ॥ देवीदेवीमुखंजं
पतो ॥ क्हिांगईमुफप्राणआधार ॥ सा० ॥ ९३ ॥ जु०॥ वेलूथलेदेषेतिहां ॥
अजगरघसणीदूखदाय ॥ सा० ॥ तेअनुंशारेऊंचालीउ ॥ दिगेवनगहनसमा
य ॥ सा० ९४ ॥ जु०॥ कृष्णठवीनेअरातमां ॥ गलतोवलीतेहजपट्ट ॥सा०॥
महाकायाअजगरतिहां ॥ देषीथईमुफचटपट्ट ॥ सा० ॥ ९५ ॥ जु० ॥ मा
रीवीलासवतीएणें ॥ तिणेंअवसरमुफगईसांन ॥ सा० ॥ रातदिवसशीतउष्ण
नें ॥ नलऊंवशातीकेरान ॥ सा० ॥ ९६ ॥ जु०॥ सूखदूखउठवआपदा ॥ व
लीचालतोकेरसोठाय ॥ सा० ॥ कांयमरणजीवितपणिनवीखऊं ॥ एअवस्था
कांयनकहाय ॥ सा० ॥ ९७ ॥ जु० ॥ मुरछाईधरणीढल्यो ॥ जाणिंगया
तिहांमुफप्रांण ॥ सा० ॥ वलिशायरनीलहेरेंकरी ॥ चेतनालहीरोउंअजाण ॥
सा० ॥ ९८ ॥ जु० ॥ एदेहसूंपूंअजगरप्रतें ॥ थाइंउदरमांदेवीसंग ॥ सा० ॥
जबअजगरपासेंऊंगयो ॥ तिणेंसंकोच्यूंनीजअंग ॥ सा० ॥ ९९ ॥ जु० ॥
मेंजाण्युंमुअांपणिदोहिलूं ॥ एनारीनुंमिलवुंथाय ॥ सा० ॥ अजगरनेंक्रोध
पमामवा ॥ कर्योमस्तकउपरिघाय ॥ सा० ॥१००॥ जु० ॥ सयथीतिणेंप
हपाठेवम्यो ॥ लेईनारीतणेंबऊमांन ॥ सा० ॥ हृदयेंदेईमनचिंतवे ॥ एपट
फांसेंतजुंप्रांण ॥ सा० ॥ १ ॥ जु० ॥ प्रेमविलूधोएप्रांणीउ ॥ मनचिंतवे
आलपंपाल ॥ सा० ॥ सूषीआनीसनेहीमुनी ॥ जिणेंठेमीसयलजंजाल ॥
सा० ॥ २॥ जु० ॥ पंचमखंमेंएतेरमी ॥ कहीढालअतीसुरसाल ॥ सा० ॥
कविपद्मकहेश्रोतासूणो ॥ सूणतांहोयमंगलमाल ॥ सा० ॥ ३ ॥ जु० ॥
॥ दुहा ॥ मुनिजीहांस्यामाहती ॥ तिहांवमतलेततकाल ॥ शाषास्यूंफांसोदी
उ ॥ करवानेमेंकाल ॥ ४ ॥ फूलायोऊंजेतले ॥ रुंधायोतिणेंरान ॥ कंठतिणें
काननसम्युं ॥ सघलीगईतवशान ॥ ५ ॥ पेंसेंगगनपातालमां ॥ नयनते
नीकलीयाह ॥ अननुंसूततेअनुसर्युं ॥ मुंफाणोमनमाहें ॥ ६ ॥ पाणिवल
नेंपांतरे ॥ सूपनपरेंसूखवास ॥ दिगेरिषीएकदृष्टिथी ॥ सिंचेजलआसास ॥

॥ ७ ॥ चेतनापांमीचिंतवुं ॥ अहोनमुजआज ॥ तापसनेंकहुंएतुम्हे ॥ किधूं
स्यानेंकाज ॥ ८ ॥ ढाल० ॥सोनानेंकेरुंमाहूंबेम्हलूरेलो ॥ रुपलाइंढोणीहाथ ॥
म्हारावाहलाजीरे ॥ हवेनछोफुंतोरीचाकरीरेलो ॥ एदेशी ॥ तापसकहेसूणिवा
तमीरेलो ॥ दूरथीदीठेतूज ॥ म्हारावालाजीरे ॥ कूसुमलेवाजंआवीउरेलो॥करु
णाउपनीमुज ॥ म्हा० ॥ ए ॥ इंममरणनवीकीजीइंरेलो ॥ एआंकणी॥ कोई
उत्तमजनआचरेरेलो ॥ नंदितमारगएह ॥म्हारा० ॥ कारणपुछीनीवारीइंरेलो॥
चिंतव्यूंइंमधरीनेह ॥ म्हा० ॥ १० ॥ इंम० ॥ उतावलांआवतांथकांरेलो ॥
तेंतोकीधूंएकांम ॥ म्हा० ॥ मासाहसेइंमबोलतोरेलो ॥ द्रोमीआव्योआम ॥
म्हा० ॥११॥ इंम० ॥ ताहरोपासत्रुटिगयोरेलो ॥ तूंपमीउतवहेठि ॥ म्हा०॥
म्हेंसिच्योजलथीतूंनेरेलो ॥ आयुप्रमाणेंहोयनेठ ॥ म्हा० ॥ १२ ॥ इंम ॥
एहवुंतूंकिमआचरेरेलो ॥ तापसपूछेइंम ॥ म्हा० ॥ लाजेंउत्तरनवीम्हेंदि
उरेलो ॥ तापसकहेंधरीप्रेम ॥ म्हा० ॥ १३ ॥ इंम० ॥ तपसीमातपीतासमारे
लो ॥ कहोमुंकीखलपंच ॥ म्हा० ॥ अणजाण्योतेस्यूंकरेरेलो ॥ कारंजनो
परपंच ॥ म्हा० ॥ १४ ॥ इंम० ॥ तवम्हेंधूरथीसाषीउरेलो ॥ निपनोजेवृ
त्तांत ॥ म्हा० ॥ तवसंसारअसारतारेलो ॥ साषेतेहमहांत ॥ म्हा० ॥ १५ ॥
इंम० ॥ शरदमेघसमआउषुंरेलो ॥ कुसूमिततरुसमऋद्धि ॥ म्हा० ॥ विषय
सूपनसमसाषीआरेलो ॥ संजोगविजोगस्यूंगिद्ध ॥ म्हा० ॥ १६ ॥ इंम ॥
छांफितूंएव्यवसायनेंरेलो ॥ धर्मवीनाकिमसूक्ख ॥ म्हा० ॥ म्हेंकहुंसाचुंरी
षीकहोरेलो ॥ पणिमुफप्रेयसीदूख्ख ॥ म्हा० ॥ १७ ॥ इंम० ॥ तिणेंनवी
वीरहषमीसकुंरेलो ॥ मरणअधीकमुफदुख्ख ॥ म्हा० ॥ तिणेंमुफमुआंजिमए
मिलेरेलो ॥ तिमसाषोकरोसूख्ख ॥ म्हा० ॥ १८ ॥ इंम० ॥ तपसीकहेतूम्हे
सांसलोरेलो ॥ मलयपर्वतएनाम ॥ म्हा० ॥ मनोरथपुरकटुकछेरेलो ॥ म
नचिंतितकरेंकांम ॥ म्हा० ॥ १९ ॥ इम० ॥ तेहउपरिचढीचिंतवोरेलो ॥
जेमनमांअसीप्राय ॥ म्हा० ॥ झंपाकरीतेहपामीइंरेलो ॥ सूणिप्रणम्योरि
षीपाय ॥ म्हा० ॥ २० ॥ इंम० ॥ चाल्योऊंतेपर्वतेरेलो ॥ पोहतोत्रिजेदि

न ॥ म्हा० ॥ तिहांचमीम्हेंचींतव्यूंरेलो ॥ प्रियाउपरिमुऊमन्न ॥ म्हा० ॥ ॥ २१ ॥ इंम० ॥ ऊंपाकस्योम्हेंजेतलेंरेलो ॥ अहोअहोएहप्रमाद ॥ म्हा० ॥ विद्याधरेंइंमबोलतारेलो ॥ ऊम्प्योधरीविषवाद ॥ म्हा० ॥ २२ ॥ इंम० ॥ चंदनलतानागेहमारेलो ॥ लाविआस्वास्योतेण ॥ म्हा० ॥ रेमहापुरुषस्यूं तूंकरेरेलो ॥ उत्तमआकारेण ॥ म्हा० ॥ २३ ॥ इंम० ॥ कहेतूऊकारणस्यूं अछेरेलो ॥ तवम्हेंकह्योसंबंध ॥ म्हा० ॥ रिषीइंएहबतावीउरेलो ॥ कामितपऊणनिबंध ॥ म्हा० ॥ २४ ॥ इंम० ॥ तवकांयकहशीनेंकहेरेलो ॥ विद्याधरइंमवांणि ॥ म्हा० ॥ स्नेहकायरअहाभानवीरेलो ॥ स्नेहतेदूरखनीखाणि ॥ म्हा० ॥ २५ ॥ इंम० ॥ स्नेहेंविवेकरहेवेगलारेलो ॥ दूरगतीबांधवस्नेह ॥ म्हा० ॥ कुशलपक्षआनुकह्योरेलो ॥ निर्दत्तिअर्गलाएह ॥ म्हा० ॥ ॥ २६ ॥ इंम० ॥ स्नेहेंपरालव्याप्राणिआरेलो ॥ नगणेंआयतीकाल ॥ म्हा० ॥ कालोचितनवीतेजुइरेलो ॥ धर्मनसेवेरशाल ॥ म्हा० ॥ २७ ॥ इंम॥ सिहपंजरगतनीपरेरेलो ॥ समरथथकोसीदाय ॥ म्हा० ॥ तिणेंतजीइंएस्नेहनेंरेलो ॥ विवेकदिपकेंजुउसाय ॥ म्हा० ॥ २८ ॥ इंम० ॥ कर्मविचित्रसविजीवनारेलो ॥ किमगतीहोवइंएक ॥ म्हा० ॥ मनवंछितफलसाधवारेलो ॥ चउविहधर्म्मविवेक ॥ म्हा० ॥ २९ ॥ इंम० ॥ पंचमखंमेंचौदमीरेलो ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ म्हा० ॥ समरादित्यनारासमारेलो ॥ धर्मथीमंगलमाल ॥ ॥ म्हा० ॥ ३० ॥ इंम० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ऽहा॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ एहतणेंअधीकार ॥ मलयदेशमांगांमऊं ॥ कणिंकारश्रीकार ॥ २१ ॥ सऊलसेठनीसुंदरि ॥ सिहानामसूजाण ॥ पतिउपरिप्रेमजघणो ॥ पतिनेंनअंशप्रमाण ॥ २२ ॥ बिऊनेंवातवणीइसी ॥ एकदिनसूणीउंइंम ॥ कामीतपऊणकरीमरे ॥ पामेवंछीतप्रेम ॥ २३ ॥ पतिचाल्योप्रेमेंकरी ॥ चिंतवेंइणिपरिचित्त ॥ सार्थाएहसवांतरें ॥ नवीपामुंएप्रीती ॥ २४ ॥ इंमकरीऊंपातिणेंदीउ ॥ सांभलेंसिहाकानि ॥ इणिधार्युंमनइंणिपरिं ॥ मुऊपतीएहप्रमाण ॥ २५ ॥ विरहगयाउसवांतरे ॥ पतीरागेंपऊीतेह ॥ कूंणएहमांलह

स्येकहो ॥ दंपतीनीःसंदेह ॥ ३६ ॥ जुक्तिरहीतजाणीकरी ॥ कूणकरेएहञ्र
काज ॥ सूणीजाएयूंमेंसयणए ॥ एहवुंसाषेञ्राज ॥ ३७ ॥ ढाल ॥ योगमा
यागरवेरमेजो ॥ एदेशी ॥ ञ्रजगरनीजेवातमीजो ॥ म्हेंसंसलावीतसकानि
जो ॥ त्रिजोदिनञ्राजतेहनेंजो ॥ कहेषेचरसूणोसूप्रमांणजो ॥ ३८ ॥ धीर
जथीसवीसंपजेजो ॥ एञ्रांकणी ॥ केतलेवेगलूंतेवञ्युंजो ॥ म्हेंकसुंदन्राजो
जनथायजो॥ तवविद्याधरबोलीउजो ॥ तूंषेदमकरिमनसायजो ॥ ३ए॥धी०॥
जीवेंछेतूझप्रेयसीजो॥तेहनोसांसलञ्रधीकारजो ॥ विद्याधरनोञ्रधीपतीजो ॥
चक्रसेननामेंञ्रवधारजो ॥ ४० ॥ धी० ॥ तिणेंञ्रप्रतीहतचक्रासीधाजो ॥
महाविद्यासाधवाहेतजो ॥ पूर्वञेवावारमासनीजो ॥ हवेउत्तरनेंसंकेतजो ॥
॥ ४१ ॥ धी० ॥ ञ्रमतालीसजोजनतणीजो ॥ कांयषेत्रशुद्धिकरीसारजो ॥
ञ्रसयदेईसञ्जीवनेंजो ॥ महाउद्यमथीतिणवारजो ॥ ४२ ॥ धी० ॥ निज
समजेविद्याधराजो॥ तेहनेंइमञ्कमतेकीधजो ॥ सातदिवसलगीसांसलोजो॥
सञ्जीवनीहिंसानिषिद्धजो ॥ ४३ ॥ धी० ॥ मलयगीरीगुफानामथीजो ॥
सिद्धिनिलयाञ्रतीवानजो ॥ फटकमणीजपमालिकाजो ॥ एकाकीरह्यांतिणें
थानजो ॥ ४४ ॥ धी० ॥ सातलाखमाझ्योजापनेंजो ॥ पुराथयादिवसतेसा
तजो ॥ सिद्धिसवारेथायस्येजो ॥ तिणेंजाणेकुशलनीवातजो ॥४५ ॥ धी०॥
एतलाषेत्रमांमरेनहीजो ॥ एकाममांसञ्सावधानजो ॥ सांसलीम्हेंपीणचित
व्यूंजो ॥ एवातयुक्तपरधांनजो ॥ ४६ ॥ धी० ॥ पटउझ्योहताईणिईजो ॥
किमएकलोपटगलेतेहजो ॥ मनुष्यगव्युंहोयजोएणेंजो ॥ तोसंकोचाइंकिम
देहजो ॥ ४७ ॥ धी० ॥ म्हेंकह्युंषेचरनेंतिहांजो ॥ मुझञ्राशासनातूम्हेदिध
जो ॥ थाउमनोरथतूमतणाजो ॥ मुझञ्रकुसलपञ्निषिद्धजो ॥ ४८॥ धी०॥
षोलीलावुंमाहरीप्रीयाजो ॥ मुझबोलेषेचरतामजो ॥ स्यानेंकलेशकरोतूम्हे
जो ॥ ञ्राजतोञ्रमनेंएहकामजो ॥ ४ए ॥ धी० ॥ कालिसञ्सेलामिलेजो ॥
पामीस्यूंषबरितेतासजो॥ मेलवस्यूंञ्रमेतूम्हनेंजो॥ तूम्हेंरहोइहांसूखवासजो
॥ ५० ॥ धी० ॥ मान्युंवचनम्हेंतेहनुंजो ॥ ञ्रर्द्धपहोररातिरहीसेसजो॥ गग

नेंउद्योतथयोतदाजो ॥ गायेंमंगलगीतविशेशजो ॥ ५१ ॥ धी० ॥ देवविमा
नपरेंदिपतूंजो ॥ आव्यूंविद्याधरनुंविमानजो ॥ कहेखेचरमुझदेषज्योजो ॥
विद्यासिद्धस्वामिनिसानजो ॥ ५२ ॥ धी० ॥ गयुंविमानतिहांकणेंजो ॥ बहु
विद्याधरपरीवारजो ॥ विहाणेमुझनेंतेमीगयोजो ॥ चक्रशेनशमीपउदारजो ॥
॥ ५३ ॥ धी० ॥ करीयप्रणामउसारशजो ॥ वरआसनदिधूंतांमजो ॥ वात
सूणावीवेशीनेंजो ॥ तवबोल्योखेचरस्वामिजो ॥ ५४ ॥ धी० ॥ मतसंतापक
रोतूम्हेंजो ॥ तूम्हमेलवस्यूंआजनारिजो ॥ इंणेंसमेदोयविद्याधराजो ॥ प्रण
मिकहेएकतिवारजो ॥ ५५ ॥ धी० ॥ तुमआणाथीवनांतरेजो ॥ समतांएक
दिठीनारिजो ॥ अजगरसयथीनासतीजो ॥ आर्यपुत्रहाकरतिपोकारजो ॥
॥ ५६ ॥ धी० ॥ वस्रलिधुंतिणेंअजगरेंजो ॥ लाव्यामलयशिषरअम्हेंनारि
जो ॥ सून्यहृदयरूणरहीकरीजो ॥ उठिरूणनयनमांवारिजो ॥५७॥धी० ॥
अम्हेकह्युंसयनकरोतूम्हेजो ॥ तूझकिहांगयोसरतारजो ॥ साकहेपाणिलेवा
गयोजो ॥ तवअम्हेकरीशोधिअपारजो ॥ ५८ ॥धी० ॥ पणिनवीअमनेंते
मल्योजो ॥ सानवीलीइंअन्ननेंपांनजो ॥ हाहाआर्यपुत्रराषीइंजो ॥ इंमकहे
तीरहेतिणेंथानजो ॥ ५९ ॥ धी० ॥ षेचरपतीमुझनेंकहेजो ॥ तूम्हेजुउतूम
चीकेनांहिजो ॥ सार्थेषेचरङंतिहांगयोजो ॥ जोईपाम्योअतिउछांहजो ॥
॥ ६० ॥ धी० ॥ देईआसासनातिहांकिणेंजो ॥ लाविदिइंषेचरआहारजो ॥
षेचरपतीनेंआवीकह्युजो ॥ महाराजएमाहरीनारिजो ॥ ६१ ॥ धी० ॥ वात
घणीरुअमीथइजो॥ तूम्हसागांदूखवियोगजो॥ कहोतेवलीतूम्हस्यूंकरूंजो॥
तुम्हेदीसोउत्तमकोइलोगजो ॥ ६२ ॥ धी० ॥ समरादित्यनारासमांजो ॥ क
हीपंचमखंमेरशालजो ॥ पद्मविजयसोहामणीजो ॥ रुमीपनरमीएहढालजो
॥ ६३ ॥ धी० ॥ दुहा ॥ देषीलक्षणदेहनां ॥ इंणिपरेंचित्युंआप ॥ विद्याधर
पतीवल्लहो ॥ पामीसप्रबलप्रताप ॥ ६४ ॥ अजितबलाविद्याअछे ॥ तेआपु
ङंतूझ ॥ उत्तमपुरुषम्हेउलषी ॥ मोदथयोइंममुझ ॥ ६५ ॥ प्राइंअविघ
नपामस्यो ॥ परगटजासप्रसाव ॥ बालपणेंवतलावीउं ॥ जोसीइंएहजमाव ॥

॥ ६६ ॥ उदयतेहनोआवीउ ॥ इमविचारीआप ॥ विद्यालीधीवेगस्यूं ॥ उत्त
मसूणीआलाप ॥ ६७ ॥ विद्याधरगयावेगस्यूं ॥ आषीसाधनआम ॥ साधन
षेत्रसीरोमणी ॥ किमकरूंविकटएकांम ॥ ६८ ॥ उत्तरसाधकनहीइंहां ॥
संसास्योवसूलूति ॥ इणिअवसरिआवीमीले ॥ आषुंतेअदसूत ॥ ६९ ॥ ढा
ल ॥ बावांकिसनपुरीतूमविनामठीआंउभरपभी ॥ एदेशी ॥ विद्यासिद्धिसूच
वेतेह ॥ आव्योवसूलूतीससनेह ॥ मनहरषनमाय ॥ आव्याजीसवेरेतूम्हेअ
होजीअहो ॥ तापसनोपहेस्योछेवेस ॥ आलिंगनकस्योंहर्षवीशेष ॥ ७० ॥
॥ मन० ॥ म्हेंमनचिंतव्यूंतापसआम ॥ आलिंगनदिइंस्यानेंकांम ॥ मन० ॥
देवीसहीतउंप्रणम्योतास ॥ चिरंजीवकहेमुझनेंसास ॥ ७१ ॥ मन०॥ अवि
धवांथाउनारीआसीस ॥ शब्देंउलषीधुण्युंम्हेंशीश ॥ मन० ॥ आणंदआं
सुनयणेनमाय ॥ आसनआप्युंवेगगाय ॥ मन० ॥ ७२ ॥ चरणपषाले
नारीतिवार ॥ वृत्तांतपूछेकरावीआहार ॥ मन० ॥ किहांथीआव्यानेंजायरत
स्याकेम ॥ तेकहेफलकलसुंथयुंषेम ॥ ७३ ॥ मन० ॥ पांचेदिवसेंपाम्योपा
र ॥ मलयंतटेंउतरयोतिणीवार ॥ मन० ॥ आव्योतापसजोवातिर ॥ आस्वा
स्योमुझदेषीपीर ॥ ७४ ॥ मन० ॥ कुलपतीपासेंमुझलेईजाय ॥ म्हेंवंद्यातव
आशीसदाय ॥ मन० ॥ आहारकरावीपुछीवात ॥ म्हेंपणिकह्योसघलोअव
दात ॥ ७५ ॥ मन० ॥ म्हेंकह्युंतापसकीजेस्वामि ॥ मित्रविजोगीनेंएअसीरां
म ॥मन०॥ कुलपतीकहेकर्त्तव्यछेएह ॥ पणिनवीत्रुटेतंतूशनेंह॥७६॥मन०॥
दुःकरकर्मतणारेविवाग ॥ दुःकरसाप्यो विषयनोत्याग ॥ मन०॥ मुनीनोमारग
दोहीलोजाणी ॥ पालवुंदोहिलूंवलीअपीछाणी ॥ ७७ ॥ मन० ॥ समकिनेंत
जीइंसंसार ॥ पणिएकसांसलीबीजोप्रकार ॥ मन० ॥ ज्ञानेंकरीजाणंवुंइम॥
मित्रतीहरोमिलस्येसूखषेम ॥ ७८ ॥ मन० ॥ सेवाकरतोरहेअमपासा॥मुनीव
चनेंथईमिलवानीआस ॥ मन० ॥ तिहांरहेतांथयोएतलोकाल ॥ कुलपतीसे
वाकरतोविशाल ॥ ७९ ॥ मन० ॥ आजथीत्रीजेदिवसअतीत ॥ एकतापस
कहेवातप्रतीत ॥ मन० ॥ कुलपतीआगलिहरषधरेह ॥ मुझसांसलतांसर्वके

हेह ॥ ८० ॥ मन० ॥ ताहरोवृत्तांतम्हेंसूणीउंकानि ॥ म्हेंकह्युंमीत्रएमाहरो
गांन ॥मन०॥ कुलपतीनीआणालहीतांम ॥ कालिङ्गआव्योतेतिरथठामा॥८१॥
॥ मन० ॥ खेचरकह्योमुक्तूकअधीकार॥ षोलतोआव्योइंणहिजगार ॥म०॥
तवमेंविद्याप्रापतीवात ॥ संभलावीतसहाथतेथात ॥८२॥ मन० ॥ ज्योतिषी
वचनमीथ्यानवीथाय ॥ अहोसावीसक्रुबणतूंजाय ॥ मन० ॥ करोम
नइछितएतुम्हेकाम ॥ थास्योअवस्यविद्याधरस्वामि ॥ ८३ ॥ मन० ॥ पु
र्वसेवाकरवीषटमास ॥ मांमीमलयसीखरअभ्यास ॥ मन० ॥ मौनपणें
ब्रम्हचारीथाय ॥ परिमितआहारफलादिकराय ॥ ८४ ॥ मन० ॥ कह्युंम्हें
विलासवतीथयुंकाम ॥ षटमासदूःकरगयामुक्तआम ॥ मन० ॥ हवेअ
होरातीनुंकांमछेजोय ॥ कहेविलासवतीसूणोसोय ॥ ८५ ॥ मन० ॥ तु
म्हमनोरथपुराथाउं ॥ वहेला२थाउंषेचरराउं ॥ मन० ॥ कायरहृदयजाणी
म्हेंतेह ॥ मलयगिरीदरीमांठवीएह ॥ ८६ ॥ मन० ॥ मांमीप्रधांनसेवाह
वेतह्र ॥ देवताठवीकरीकूसूमनोजह्र ॥ मन० ॥ दिशापालकस्योवसूलूती ॥
पदमासनबांध्यूंअदसूत ॥ ८७ ॥ मन० ॥ मुद्रामंम्डलकीधांआप ॥ मंत्रल
क्षनोमांम्योजाप ॥ मन० ॥ कांईकवेलावीतीजाम ॥ आकासहसवालागो
तांम ॥ ८८ ॥ मन० ॥ गाजअकालेकेंसायरक्षोस ॥ पृथवीकंपकेदेषी
अघोस ॥ मन० ॥ मदमातोमयगलसकषाय ॥ जलकणीआशीतलठंडाय ॥
॥ ८९ ॥ मन० ॥ विलासवतीनेंआक्रमेंतेह ॥ क्रोधेंकूंम्लीतसूढिकरेह ॥
मन० ॥ गुलगुलकरतोअंकुसकान ॥ सनमुखआवतोदेषेतेथान ॥ ९० ॥
॥ मन० ॥ हाआर्यपूत्रइंमकरतीनारि ॥ नविअषोसाणोधीरजधारी ॥
मन० ॥ एहविसीतिकागईअसराल ॥ आविपिशाचिणीअतीवीकराल ॥९१॥
॥ मन ॥ वरणेंकालीरातांनयण ॥ अटाट्यहास्यकरेनीजवयण ॥ मन० ॥ क
रपदनीगलेमालाधारि ॥ गगनउद्योतकरेतिणीवार ॥ ९२ ॥ मन० ॥ शोणित
षरम्यूंचरमतेजाणि ॥ वस्त्रतेपहेर्युंदूःखनीषांणि ॥ मन० ॥ रुधीरपीतीसा
जनकपाल ॥ विलासवतीवामकरसंसाल ॥ ९३ ॥ मन० ॥ रेरेदूष्टविद्याधरसं

ग ॥ दूरविदग्धथयोमनरंग ॥ मन० ॥ किहांजाईसमुखकहेतीइंम ॥ ऋोल
नाकरतीआवीतेंम ॥ ९४ ॥ मन० ॥ तेहथीनवीखोलाणोधीर ॥ हवेंमाकि
णआविकरेपीर ॥ मन० ॥ विणवादलगरजारवथाय ॥ नाचेधमवेतालबहुधा
य ॥ ९५ ॥ मन० ॥ वरसेरूधीरधाराअसराल ॥ नगनउरधकेशअतीवीक
राल ॥ मन० ॥ बोलेंशिवाकरतीफितकार ॥ तोपणिनवीषोल्योकुंअलगार ॥
॥ ९६ ॥ मन० ॥ हवेचोथोउपसर्गतेथाय ॥ राषसणीआवीलेईजाय ॥ मन०
कुपमांनांष्योजेमपाताल ॥ चंद्रसूरयनाठासमकाल ॥ ९७ ॥ मन० ॥ दाढा
जेहनीअतीवीकराल ॥ मनुष्यमस्तकनीपहेरीमाल ॥ मन० ॥ नासिलगेंघण
लटकेजास ॥ मनुंजकलेवरकापेविलास ॥ ९८ ॥ मन० ॥ मारि २ कहेमु
खेंआलाप ॥ महाविकरालतणंनहीमाप ॥ मन० ॥ तोपणिनवीबीहनोकुंअल
गार ॥ च्यारघमीरहेरातितिवार ॥ ९९ ॥ मन० ॥ मंत्रथयोसमापतथाय ॥
सूगंधतववायराहवेवाय ॥ मन० ॥ फूलवृष्टीजय २ रवथाय ॥ किनरीउति
हांमंगलगाय ॥१००॥ मन० ॥ थयोउद्योतआकासेंजाम ॥ अजीतबलाआ
व्यांहवेंताम ॥ मन० ॥ देवदेवीबहुपरीवर्यांतेह ॥ स्तवनाकरेसूसमाहरीएह
॥ १ ॥ मन० ॥ पंचमखंमेसोलमीढाल ॥ सांभलतांहोयमंगलमाल ॥मन० ॥
समरादित्यनारासमांसार ॥ पद्मविजयकहेजय २ कार ॥ २ ॥ मन० ॥
॥ दुहा ॥ अहोताहरोउपयोगए ॥ अहोव्यवसायअनंत ॥ अहोपुरूषोत्तम
पणंअती ॥ सिधथईकुंअसंत ॥ ३ ॥ विरमितूंएव्यवसायथी ॥ तवम्हेंचिंत्युंइं
म ॥ मंत्रअधुरोमाहरे ॥ कहोंठलमांपमुंकेम ॥ ४ ॥ मंत्रपुरोकरीप्रणमीउ ॥
इणिअवसरितिहांआय ॥ विद्याधरनावृंदजे ॥ रूपमनोहरराय ॥ ५ ॥ सुणि
देवीकहेएसहु ॥ प्रेमेंतूमप्रणमंत ॥ चंमसीहप्रमुखाचतूर ॥ भृत्यसावसावंत ॥
॥ ६ ॥ तूमपसायइंमकहीतूरत ॥ अंगीकरेअतीरेक ॥ कहेदेवीतूमकिजीइं ॥
खेचरपतीअभीषेक ॥७॥ ढाल ॥ सीरोहीरोसालूहोकेउपरिजोधपूरी ॥ एदेशी ॥
म्हेंकहुंमुमभीत्रनेंहोकेवलिनारीदेषे ॥ तवबोलाव्योतसहोकेनविबोलेरेषे ॥
तसजोयोजईनेहोकेनवीदीठोजाम ॥ बहुविद्याधरस्यूंहोकेगगनगयोताम ॥

॥ ८ ॥ तिहांएकनीकुंजमांहोकेअरहोपरहोसमतो ॥ अमदेषीक्रोधेंहोकेअती
सयधमधमतो ॥ दोयकरमांरूषनीहोकेआषालेइकहे ॥ मुझमीत्रनीनारीहो
केदूष्टोकेमरहे ॥ ए ॥ तेसांसलीचिंतव्यूंहोकेदेवीअपहरी ॥ मुझफोकपरीश्र
महोकेपुछुंवातषरी ॥ रेवसूसूतीकहोहोकेदेवीकीहांगई ॥ वसूसूतिनआंसलेंहो
केवचनतेथीरथई ॥१०॥ षेचरनीमायाहोकेएमनमांधरी ॥ कस्योघामुझउ
परिहोकेतिणेंआकर्षकरी ॥ वंचावीघातनेंहोकेआषाअपहरी ॥ करपकमी
साषुंहोकेदेवीकिणेंहरी ॥११॥ फिरी२जवपुछुंहोकेतवउपयोगकरी ॥ मुझउ
लषीबोल्योहोकेसांसलिवातषरी ॥ तुझविद्यासाधंतांहोकेरातीतेदोयजाम ॥ वि
द्याधरटोलूंहोकेआव्यूंएकतांम ॥ १२ ॥ उपसर्गनीशंकाहोकेम्हेंमनमांआं
णी ॥ थोमीथईवेलाहोकेतववोलेराणी ॥ हाहाआरजसूतहोकेमुझनेंलेईजा
य ॥ राषि २ वसूसूतिहोकेमुझआपदथाय ॥ १३ ॥ सुणीमुझआशंकाहोके
संभ्रमथीथई ॥ तवतेहगुफामांहोकेमेंजोयूंजई ॥ नवीदीठीज्यारेंहोकेधायोवि
मानपुंठे ॥ नविजाणंकीहांगईहोकेतवचिंतूंरुठे ॥ १४ ॥ हरिषेचरेंदेवी
होकेपणिएकिहांजास्ये ॥ मुझक्रोधअगनीमांहोकेएहपतंगथास्ये ॥ किसी
फकरमकरस्योहोकेअजीतबलासीधी ॥ कहेदेवीतीणेंसमेहोकेसीचिंतालीधी ॥
॥ १५ ॥ कहिवातसवेतसहोकेदेवीक्रोधेंचढी ॥ दिशदिशतिणेंमुंकीहोके
षेचरश्रेणीवमी ॥ एकषेचरआवीहोकेपवनगतीसाषे ॥ एस्त्रीम्हेंदिठीहोकेअंन
गरतीराषे ॥१६॥ सूणोनगवैताढ्येहोकेतूम्हअणाइंगयो ॥ रहनेउरचक्रवाल
होकेनयरतिहांसयो ॥ उदवेगघणोकरेहोकेतिहांनासज्जलोका ॥ ठमि२ पु
जावलीहोकेहोमहवनथोका ॥ १७॥ एकषेचरनेंम्हेहोकेपुछ्योअवदात ॥
कहेतेअम्हस्वामीहोकेअनंगरतीयात ॥ कंदरपनावसथीहोकेएकदीनअपह
री ॥ विद्यासाधकनीहोकेनारीतेसूचरी ॥ १८ ॥ नविइछेनारीहोकेतवतेहठक
री ॥ लेवापरवर्त्योंहोकेसूणीऊंद्वेषधरी ॥ कहुंछेकोईपासेंहोकेलावोषड्गमुदा ॥
इमकरीनेंउठ्योहोकेक्रोधधरीतदा ॥ १ए ॥ कहेपवनगतीतवहोकेप्रसन्नथ
ईसूणो ॥ एवातकहुंछुंहोकेनहीअत्यन्तसुणो ॥ सिंहणिनइंस्वानजहोकेकेमप

रासवें ॥ तवम्हेंकचूंआगलिहोकेवातकहोहवई ॥ २० ॥ ऊंबेठेतिहांरेहो केवातकहेआगें ॥ असमंजसदेषीहोकेजीलतर्णेरागें ॥ महाकालीदेवीहोकेइ हांउपसर्गकरे ॥ नूमीकंपनेंवीजलीहोकेबहुनीर्घोतधरे ॥ २१ ॥ आवीकहे नृपनेंहोकेउत्तमपुरूषथई ॥ किमनिचनुंकारयहोकेकरेंतूक्रमनिगई ॥ तवअ लगोउसोहोकेकायाइंकरी ॥ पणिनहीकांयमनथीहोकेएहवीवातधरी ॥ ॥ २२ ॥ पुरदेवजोकोपेहोकेनगरवीनासकरे ॥ तेकारणमांम्यांहोकेशांतीक रमनगरें ॥ तवम्हेंतसपुछ्युंहोकेकहोसाकिहांरहे ॥ नृपसूवनउद्यानेंहोकेआ मतलेंतेकहे ॥ २३ ॥ हवेऊंतिहांपहोतोहोकेगगनतलेरह्यो ॥ तेहनेंऊंदे षीहोकेमनमांगहगह्यो ॥ विद्याधरवंदेहोकेपरवरीतेरही ॥ करदेईगलोथेहो केसूषतरससही ॥ २४ ॥ तुमचीविणआणाहोकेऊंनगयोपासें ॥ तिहांथीतू म्हपासेंहोकेआव्योउल्लासें ॥ हवइंतुम्हमनगमतुंहोकेकामतेकीजीइं ॥ पुत्रेव सूसुतीनेंहोकेतवतेवदिजीइं ॥२५॥ देवताउपदेशेंहोकेलाज्योनेहघणुं ॥ तिणे दूतनेंमुंकीहोकेकिजेजाणपणुं ॥ ढालपंचमखंमेंहोकेसत्तरमीगणी ॥ सम रादित्यरासमांहोकेपद्मविजयसणी ॥ २६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ऊहा ॥ भमदत्तषेचरसणे ॥ एस्युंबोल्याआम ॥ रमणीनिजकोईराषतां ॥ स्योतिहांवचननोसाम ॥ २७ ॥ समरसेनकहेसाचलूं ॥ एहनषमाइंआज ॥ वायुवेगमनवांछितं ॥ कहेनसीक्युंकाज ॥ २८ ॥ वायुमीत्रकहेवेगस्यूं ॥ जाणोतूम्हेसूजाण ॥ चंमसिंहहसीउचतूर ॥ एहवातअप्रमाण ॥ २ए ॥ सु लटवीररससामटा ॥ समझाव्यासूविसेश ॥ राज्यस्थितीएराषवी ॥ दूतमुं कोतसदेश ॥ ३० ॥ पवनगतीतेहपेषीउ ॥ दूरसीकरीनेंदूत ॥ समझावीस घलीस्थिती ॥ आषीनीजआकूत ॥३१॥ ढाल ॥ रागबंगालनीदेशी ॥ अनंगर तीछेतिहांमाहाराय ॥ ऊतकहेजईइमनिरमाय ॥ साजनसांसलो ॥ अपज सकेरूकारणजेह ॥ उत्तमपुरुषनआचरेतेह ॥ सा० ॥ ३२ ॥ लोकनेंहा सीनुंकारणथाय ॥ अरीअणमनमांआणंदपाय ॥ सा० ॥ धीरजजेहथीनां सीजाय ॥ इंमअवगुणनोहोयसमुदाय ॥ सा० ॥ ३३ ॥ इहसवपरसवदोय

विरुध ॥ कूणआचरेकहोमहामतीमुद्ध ॥ सा० ॥ परदाराहरवीमहापाप ॥
चित्तविचारोराजनआप ॥ सा० ॥ ३४ ॥ मुंकोएमागेव्यवहार ॥ इमकहे
वरावेसनतकूमार ॥ सा० ॥ आपोमुझजायातुम्हेआप ॥ स्यानेंउपजावोसं
ताप ॥ ३५ ॥ सा० ॥ बोल्योतेहअनंगरतीराय ॥ कहेजेतूंतूझरायनेंजाय ॥
नारीनापीई ॥ एतोपटराणीकरीघरिथापीई ॥ तूचरमुझमनावेआंण ॥ सद
सद्व्यवहारनोएजांण ॥ नारी ॥ ३६ ॥ जिणेअंगीकरीतेहनीनारि ॥ पर
नारीअमनहीअलगार ॥ ना० ॥ पापपुन्यतोंतिहांगणाय ॥ घरमुंकीनेंरणमां
जाय ॥ ३७ ॥ नारी ॥ कहेवुंहोयतसकहेजेजाय ॥ आविसझंरणसनमुख
धाय ॥नारी॥ सांसलीडततेवलीउखिप्प ॥ पोहतोवीलासवतीनेंसमीप ॥३८॥
नारीसासलो ॥ खेदमकरज्योमनमांरेह ॥ सोधीलाधीठेतूमचीएह ॥ नारी
॥ थोडादिनमांटलस्येविजोग ॥ मतकरज्योमनमांकांयसोग ॥ नारी ॥ ३९॥
बोलीविलासवतीहवेताम ॥ आर्यपूत्रघरणीमुझनाम ॥ सा ॥ तिणेंमुझनेंन
वीखेदतेकांय ॥ पूछज्योआर्यपूत्रनेंसूखसाय ॥ ४० ॥ सा० ॥ वलीआव्यो
दूतवीजेदिन्न ॥ संसलावेसनतकुमारनेंकन्न ॥ सा० ॥ कटुकवयणसूणीजा
ग्योक्रोध ॥ ययाउजमालतेसघलाजोध ॥ सा० ॥ ४१ ॥ अमरषधरतोमुंके
झंकार ॥ ब्रह्मदत्तनेंरणरसबझसार ॥ सा० ॥ समरसेनकरेसूजआस्फाल ॥
रोसेंनयणकर्यांविकराल ॥ सा० ॥ ४२ ॥ भ्रकूटीचढावीनांषेंदृष्टी ॥ वायुवे
गरवमगेंकरीमुष्टि ॥ सा० ॥ रिपूहृदयेंकरेतिहांथीप्रहार ॥ वायुमीत्रतेहमां
सिरदार ॥ ४३ ॥ सा० मुखअंधारकरेचंमसिंह ॥ क्रोधानलजलतोअबिह ॥
सा० ॥ पिंगलगंधारउगलेबांहिं ॥ मतंगधरतीकंपावेत्यांहि ॥ ४४ ॥ सा० ॥
अतीमेघहरष्योमनमांहिं ॥ संगरआव्यानजाणीउगाह ॥सा०॥ गिरिदरीमांपम
ठंदाथाये॥ देवोसहहसीउतिमसाय ॥ ४५ ॥ सा० ॥ मरणआव्यूंहवेंढुकमुं
तास ॥ तूम्हेंक्रोप्यासंग्रामनीवास ॥ सा० ॥ तूम्हेरहोझंजाउंखमगसहाय ॥
आवुंसूचरनुंवीरयदेखाय ॥ ४६ ॥ सा० ॥ सझकहेतूमचाकरजोजाय ॥ ते
हनुंतेजतेहथीनखमाय ॥ सा० ॥ तोतूमचीसीवातकहाय ॥ इणसमेंअजीत

बलातीहांआय ॥ ४७ ॥ सा० ॥ माहरेकाजेंरचिउंविमान ॥ मित्रसहीतबे ठेतिणेंथान ॥ सा० ॥ वागांसमरनांमंगलतूर ॥ चाल्याविमानचढ्याबलसू रि ॥ ४८ ॥ सा० ॥ जयजयहोवेतिणीवार ॥ गामनगरपूरजोताउदार॥सा० ॥ पोहताचैताढ्यपर्वतपास ॥ देवीआदेशेंकर्यांहेठिआवास ॥ ४९ ॥ सा० सर्वविद्यावसकरवाकाज ॥ अठमकरीकरेपुजासमाज ॥सा०॥ संसबोद्याध रआव्यापास ॥ वातपोहतीअम्हसत्रुसकासि ॥ ५० ॥ सा० ॥ दुर्मुखनाम सेनापतीजेह ॥ मोकलीउंअमसनमुखतेह ॥ सा० ॥ पांचमेंखंमेंअढारमी ढाल ॥ साषिएवररागबंगाल ॥ ५१ ॥ सा० ॥ समरादित्यनारासमांसार ॥ पद्मविजयकहीजय २ कार ॥ सा० ॥ कायरतेथरहरकंपाय ॥ सूरवीरस न्नद्धतेथाय ॥ ५२ ॥ सा० ॥ दुहा ॥ सनमुखआव्योबलसबल ॥ सांसली थयोबहुजोर ॥ खड्गमेंलीधुंखांतिस्यूंजालिमकरवाजोर ॥ ५३ ॥ दुतआ व्योदुरमुखतणो ॥ बोल्योआवीवाणी ॥ अनंगरतीनोआवीउं ॥ सेनानीसप राण ॥ ५४ ॥ सांसलज्योएकमनसवे ॥ भूमीचरनाभृत्य ॥ कहेवराव्यूंति णेंकोभिस्यूं ॥ सज्झायाउंअुसरीती ॥ ५५ ॥ अनंगरतीस्यूंआवीआ ॥ जुध करणजयकाज ॥ पणिमुझकरतूम्हेपाभिज्यो ॥ षरीउतारुंघांज ॥ ५६ ॥ अनंगरतीनचीआवीउं॥सांसलीसनतकुमार॥मुंक्युंखड्गतेमांनथी॥ षेचरबो ल्याषार ॥ ५७ ॥ चंमसिहउठ्योचटक ॥ सेनानीथईसार ॥ आणाआपोअ म्हसणी ॥ वलतीमकरोवार ॥ ५८ ॥ आणाआपीआदरें॥ कुसूममालतसकं ठ ॥ नांषीसेनानीकीउं ॥ आव्योलहीउत्कंठ ॥५९॥ढाल॥ कमषानीदेशी ॥ सूर रसपुरमुखनूरआणीघणो ॥ चालीआसमरवरकरणदेश॥ सिद्धगंधर्वसूरअसू रजोवामिल्या ॥ सूरवरेंगगनसरीउंविशेस ॥६०॥सू०॥ षेचरेंसंपज्ञोडुंविमानें रह्यो ॥ सारतरवारपरहारपडतां॥माहोमांहिंसदलमेंवेढुनायकअडे ॥ करतबे डुंहतप्रहतरोसेंचढतां ॥ ६१ ॥ सू० ॥ चंमसीहोअवीहोकहेएहनें ॥ दुम्मुहो संमुहोआंहीआयो ॥ रेउराचारपरहारकरीआगलें ॥ तुझपराक्रमेंमनेंसयन लायो ॥६२॥सू०॥ करेगदाजुधमांमीतदातेकरे॥चंमसिहउपरेंघातविरसो ॥ ते

हवंचावीउंक्रोधथीचाविंउ॥घातषमीहवेजमरायसरीसो॥६३॥सू०॥उत्तमांगें
दिउंरंगेपरहारतीमा॥ रुधीरवमतोमहादूखखमतो॥जय २ रवथयोतेहजमघ
रिगयो॥दलसयलजायदउदिशिसमतो॥६४॥सू०॥ कुसूमवुठिसईतूठिचंमसी
हनें॥ चढिउवेयदहवइंकूमरनीरतो॥ रथनेउरचक्रवालथालपोहतावही॥ दो
यषेचरतसपासधरतो॥६५॥सू०॥ तेहजईनेंकहेंतूहजीकिमरहे॥ जातपोवन
जपोदेवमाणं॥ अहवमुझकोहअनलोहपतंगसम॥ थाहवेआहवेकरतनाणं
॥६६॥सू० ॥ सांसलीतिहांबलीदहलीतेहनी॥ धरणीआस्फालतोवयणजंपे॥
एहसूगोयरोपोयरोस्यूंलहे॥ आणिमुझमाणिइंमकिमपयंपे॥६७॥सू०॥ मुझ
करवायानलेंएवलेकिमनही ॥ देषिअंतरहवेंरेषनांही॥ सूमीअतिआवीउंमर
मुझनावीउं॥ तुम्हेंपणिकेमअन्नाणमांहि॥६८॥ सू०॥ इंमकहीक्रोधल
हीसैन्यनीजमांतदा॥ तूरीवजमावतासमरसेरी॥ पढमरणदेषवासक्तिनीजले
षवा॥ सज्झहोयसूसटसझकवचपहेरी॥६९॥सू०॥केईकरवालमहाकालजम
जीहसो ॥ सुहमवररुहीरपीवाअतित्ती ॥ करग्रहीमहागयाजाणंअसणील
या॥ धणंकुटीलषलपरेंधरेंअमीत्ती॥ ७०॥सू० ॥ केईनीजनारिस्तनफरसन
व्यमथी॥ विगरसन्नाहउगाहकीनो॥ केईरमणीमृगनयणीआंसूझरे ॥ पणि
सूसटविकटतिहांमननदीनो॥ ७१ ॥ सू० ॥ केईरमणीरमणविघनजावाक
रे॥ किममरेमनधरेतूरतआयो॥ अपररमणीजलपानकरतांसरे॥ सायणन
यणआंसूझरायो॥ ७२ ॥ सू० ॥ कांईमुगअतूगलहीरागलो॥ दाषवेनारी
सरतारआगें॥ इंमतिहांदेषीउवेषीफरीआवीआ॥ सनतकुमारपुरकहतरागें॥
॥ ७३ ॥ सू० ॥ कटुककर्णेसूणीरक्तवर्णेथयो ॥ सेरीवजमावतोसमरकेरी॥
प्रलयनोजलयजिमशब्दनिमसझकरे॥सजकरेसझएकएकमेरी॥७४॥ सू०॥
पीवतांआसवाअमलआरोगता॥ शत्रुसंशाकरीफरीजगावे॥ छत्रचामरध्वजा
प्रगुंणकरीसझसज्या॥ केईचंदनादीअंगेलगावे॥ ७५॥ सू०॥ शब्दजय २
करेअमरषबझधरे॥ चलतवीमानमनमांनधारी॥पद्मव्यूंहेंरच्योसैन्यशुसपरेंम
च्यो॥ वामपासेंसमरसेनसारी॥ ७६ ॥ सू० ॥चंमसीहोअबीहोरसोआगले॥

गयोदेवोसहोजीमणेंसायो ॥ पिंगलगंधारविचमांरह्योषेचरो ॥ गगनमांमग
नपणेंझंरहायो ॥ ७७ ॥ सू० ॥ शत्रुबलसयलतिहांनिकटदेषीवीकट ॥ वेगें
वायुवेगनेंपुछुंइम ॥ नामनेंगामशत्रुतणासाषीइं ॥ तेहकहेगहगहेसूणोप्रेम ॥
॥ ७८ ॥ सू० ॥ कंचनदाढएशगदमुहआगलें ॥ वामपासेंअशोकोशशो
को ॥ कालजीहदषिणेंलष्यणेहीणदो ॥ मध्येविरुपनयणेंविलोको ॥ ७९ ॥
॥ सू० ॥ पुठेंअनंगरईगयमईदेखज्यो ॥ समरवरकरणमाहोमांहिलागा ॥ सू
रीरणतूरपुरेंलमेसूरतिम ॥ जेहकायरतिकेजायसागा ॥ ८० ॥ सू० ॥ सीससं
कुलमहीवझलरुधीरेंसरी ॥ नायकासायकादोचलावइं ॥ कूंतअसीसक्तिवझ
हेतिनाषंतिते ॥ सिंहसीआलपरेंबीहलावइं ॥ ८१ ॥ सू० ॥ लेईकरवालतस
सालमांहिदिउं ॥ कंचनदाढजमदाढसरिसें ॥ सोरमहाघोरथयोअनंगरतीसै
न्यमां ॥ सैन्यमहादैन्यथईतासविरसें॥८२॥सू०॥उठिउंरुठीउंअनंगरईदूठमई॥
समरसेनप्रमुखवरसाथिलेई ॥ तासंसनमुखधस्योसमरेझंनवीखस्यो ॥ सुस
टअतीवीकटलेईसाथिकेई॥८३॥सू०॥म्हेंकग्रुंखेचरासैन्यबझंक्यलसुं॥वाद
तूफसाथिअवीवादलागो ॥ सूलटनेंकीमहणेंपापपुन्यनवीगणें ॥ केममुफस्यूं
जाइउरसागो ॥ ८४ ॥ सू० ॥ केहवोतूफस्यूंफूफमुफएहवो ॥ षेचरांसूचरां
वादकेहो ॥ समरमांबोलवुंमकरतूंएहवुं ॥ जयविजयसाषीआकहेस्येएहो ॥
॥ ८५ ॥ सू० ॥ एहसीयालसींहबालएदेषीइं ॥ असनानोमेहमुफदेहमाथे ॥
वरसीउंकरसीउंचर्मरयणेंकरी ॥ सगवतीगुणवतीमुफहाथें ॥ ८६ ॥ सू० ॥
केममायाबलेंइमतूंफूफतो ॥ आविनीजसूजबलसबलकीजें ॥ इंममेंसाषीउं
सिद्धसूरसाषीउं ॥ इंमकहीमाहोमांघाकरीजें ॥ ८७॥ सू० ॥ मारीउंसक्तीइंध
रणीमुफपामीउं ॥ सयविदूरसैन्यमुफदैन्यकीधुं ॥ हर्षसरउछलेसोरबझतेकरे॥
जाणेंअमेएहनुंराज्यलीधुं ॥ ८८ ॥ सू० ॥ उठिम्हेंलेईगदामारीशिरमांजदा॥
तेपम्योरमवमयोधरणीपीठें ॥ कलरवकारीउंतेहनेंवारीउं ॥ झंगयोतेहनेंपा
सदिठे ॥ ८९ ॥ सू० ॥ उंठव्योतेहनेंदेईआसासना ॥ जुफवाझंजुफकरतां
नयाकूं ॥ पवनहतजलहरामत्तजीमगयवरा ॥ तेमएकएकनोउलहताकूं ॥

॥ ए० ॥ सू० ॥ जीतीउंतेहवीद्याबलेषेचरो ॥ जयजयशब्दआकासबोले ॥ सूरअसूरसिद्धविद्याहरासह्नमिली ॥ कुसूमवृष्टीकरेवह्नअमोले॥ ए१ ॥ सू०॥ खंमएपंचमेढालउंगणीसमी ॥ सरसरससमरनीएहसाषी ॥ समरआदित्यना रासमांएसली ॥ पद्मविजइंधरीचित्तराषी ॥ ए२ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥

॥ दूहा ॥ जयवाजांतिहांवाजीआं ॥ अनंगरतीतवआप ॥ आपतांपणिई ह्युंनही ॥ जाणीराज्यसंताप ॥ ए३ ॥ गयोतपोवनगेलिस्यूं ॥ विद्याधरनेंवृंद ॥ परीवरीउंपरीवारस्यूं ॥ आणिहर्षअमंद ॥ ए४ ॥ पुरप्रवेशकीधापछें ॥ दिठीदूरबलअंग ॥ नारीनयणेंनिरस्तर ॥ हृदयउपनोरंग ॥ ए५ ॥ विद्याधर विस्मयलह्या ॥ देषीरुपनीधान ॥ प्रणम्यातेहनापदकजे ॥ पटराणीपहेचान॥ ॥ ए६ ॥ मुफनेंदोयकटकमिली ॥ थाप्योराज्यनेथान ॥ न्यायनितीथीदिनग मुं ॥ वारुवधतेवान ॥ए७॥ ढाल०॥ वैणमवाज्योरेविठलवारुंतुफनें ॥ एदेशी॥ इंमकरतांकोईकालगयोतव ॥ इकदिनपाछलीरातें ॥ विलासवतीइंसूपनेंसूतां॥ गजदिठोवरगातें ॥ ए८ ॥ सवीतुम्हेंजोज्योरेपुण्यतणांफलमीठां ॥ एआंक णी ॥ ऐरावणसरिषोचउदंतो ॥ घनअंजनसमस्याम ॥ मेरुगीरीसमवयणें पेठो ॥ जागीतेहवेताम ॥एए ॥ सवी० ॥ हरषवसेंमुफनेंसंसलावे ॥ म्हेंपणि साष्युंतास ॥ सयलवीद्याधरपुजीतथास्ये ॥ सूततूफगुणनीराशि ॥ ६०० ॥ सवी० ॥ सांसलीहर्षलहीतेदीनथी ॥ त्रिणवर्गसाधंती ॥ अनुंक्रमेंशुत्तदिनें जायोसूतनें ॥ हरषतेहीयमेधरंती ॥ १ ॥सवी०॥ मंजरीकादासीइंसूतनें॥ ज नमेंरायवधाव्यो ॥ दांनदेईतेहनेंसंतोषी ॥ दालिद्रदूरेंगमाव्यो ॥ २ ॥ सवी० ॥ अजीतवलापरसावेंपांम्यो ॥ राज्यलषमीसूतएह ॥ मासथयोतबाचिंतीअजी तबल ॥ नामठव्यूंगुणगेह ॥ ३ ॥सवी० ॥ अनुंक्रमेंकुमरसावतेपांम्यो ॥ इंण अवसरम्हेंविचार्युं ॥ बह्नदिनमातपीतामिलीयांथया ॥ तिणेंमिलवुंइंमधा र्युं ॥ ४ ॥ स० ॥ मावित्रउःप्रतीकारजसाष्यां ॥ रीद्धिलहीस्येलेषे ॥ सह्न नस्यूंसोगवीनहीजेवली ॥ दूरजननयणेनदेषे ॥ ५ ॥ सवी० ॥ अजीतबला देवीनेंआसय ॥ साध्योतिणेंतेजाणी ॥ विकूरव्यूंविमानतेतेहमां ॥ बेठोलेई

सूतराणी ॥ ६ ॥ सवी० ॥ पोहतोस्वेतंबिकाउद्यानें ॥ पवनगतीमोकलिउं ॥
वातसूणीजबतेहनामुखथी ॥ नृपसाहमोनिकलीउं ॥ ७ ॥ सवि० ॥ नृप
देषीसाहमोजईप्रणम्यो ॥ कुंनिजबहुपरीवारें ॥ माहरीरीधीदेषीनेंमावोत्र ॥
अतीआणंददीलधारे ॥ ८ ॥ स० ॥ नयरप्रवेशआडंबरेंकीधो ॥ रहिति
हांकेईकदिन्न ॥ तामलिप्तिनयरीइंपोहतो ॥ स्वसूरनेंमीलवामन्न ॥ ९ ॥
॥ स० ॥ विलासवतीजेदिनथीगईछे ॥ तेदीनथीखेदाणो ॥ सिष्टादेशवचनथी
सघलो ॥ परमारथजिणेंजाण्यो ॥ १० ॥ स० ॥ अनंगवतीउपरिंबहुरीसें ॥
थमधम्योईशानचंद ॥ तेहनेंबहुप्रणिपत्यकरीनें ॥ उपजाव्योआणंद ॥ ११
॥ स० ॥ तातपासेंआव्यावलीफिरीनें ॥ केईकदिनतिहांरहीआ ॥ कालक्रमें
मुझमाततातनें ॥ धरमसूपतीइंग्रहीआ ॥ १२ ॥ स० ॥ मुझलघुसाईजश
कीर्त्तिनिलयनें ॥ थापीराज्यनोसार ॥ वेअढगीरीपोहतोरथनेउर ॥ चक्रवाल
पुरसार ॥ १३ ॥ स० ॥ सूखमांतिहांकुंराज्यपालंतो ॥ इंणअवसरतिहांआ
व्या ॥ श्रमणगुंणेंशोलीतचउनाणी ॥ बहुशिष्येंसोहाव्या ॥ १४ ॥ स० ॥
चित्रांगदनामेंआचारय ॥ मुझनेंकहुंपरीवारें ॥ जईआडंबरस्युंम्हेंवंद्या ॥ ध
र्मलाभदिउत्यारें ॥ १५ ॥ स० ॥ मुनीकहेमुझनेंसांभलिसूपती ॥ पुण्यकरस्यांते
पांम्या ॥ इमजाणीनेंपुण्यकरोतुम्हे ॥ सूणीम्हेंपदकजनाम्या ॥ १६ ॥ स० ॥
पुण्यकह्योकीमकरीइंगुरुजी ॥ इंमम्हेंपुछ्युंजांम ॥ समसंवेगमुलजिनदरशी
त ॥ धर्मकहेगुरूताम ॥ १७ ॥ स० ॥ धरमपरिणम्योपाम्योसमकीत ॥ अ
णुव्रतलीधांबार ॥ चरणनमीनेंम्हेंफरीपुछ्युं ॥ कह्योप्रसूकरोउपगार ॥ १८ ॥
॥ स० ॥ प्रियाविरहदूखजनीतसंतापह ॥ किमउपनोएस्वामी ॥ पूर्वभवेंसी
करणीकीधी ॥ किमफिरीरीद्धिप्रीयापामी ॥ १९ ॥ स० ॥ वीशमीढालएपंचमे
खंडे ॥ समरादित्यनेंराश ॥ सांभलोगुरुमुखपद्मथीसाचे ॥ पुरवभवसूवीला
स ॥ २० ॥ स० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ भरतषेत्रइंणमेंभलुं ॥ नयरकंपिलपुरनाम ॥ चंद्रगुप्तराजाचतूर ॥
वारूतेहनेंवांम ॥ २१ ॥ जयासुंदरीजगजाणीइं ॥ रामगुप्तअतीराम ॥ नांमें

सूततूंगुंणनीलो ॥ रुपवंतजोमराम ॥ २२ ॥ उत्तरापंथअवनीपती ॥ धुआता
सगुणधाम ॥ हारप्रसाजिमहरप्रीया ॥ वारुतेकरीवाम ॥ २३ ॥ आव्योवसंत
तेअन्यदा ॥ सवनदिर्घिकासालि ॥ नरनारीनिरतांविङ्क ॥ क्रिडाकरेतिणेंकाल
॥ २४ ॥ वाविकाठिंरंसावनें ॥ कुंकुमरागकृतअंग ॥ वेठाजववेङ्कंजणां ॥ खो
सरतारसुसंग ॥ २५ ॥ ढाल ॥ सावरमतीईआवीलांसरपुरजो ॥ एदेशी ॥ इं
णअवसरिएकहंसजुगलतिहांआवीउरे ॥ तेंकरलीधोहंशलीकौतूककामजो॥
हंशतेलीधोनारीईकरमांरंगस्यूंरे॥ कुंकुमरंगथीफसव्यांहाथथीतामजो॥२६॥
॥ सांसलज्योतुम्हेअल्पनीदानफलेघणंरे ॥ एआंकणी ॥ एकएकनेंउलषेन
हीकुंकुमरागथीरे ॥ विरहेंपिमीतमरवानापरिणामजो ॥ करेतेरूंधीसाशनइंपा
णीमांपक्ष्यांरे ॥ पणिकोईविचित्रजाणोकर्मपरिणामजो ॥ २७ ॥ सा० ॥ कं
ठगतप्राणथयातवडुखउपनुंघणंरे ॥ वलीतेनीरेंकुंकूमरंगधोवायजो ॥ सा
वीसावथीउंचुंजोईतवविङ्करे ॥ तवअन्योन्येंरागथकीउलषायजो ॥ २८ ॥
॥ सां० ॥ एहकरमतूम्हेवांध्यूंविरहनुंआकरूंजो ॥ एहतेजाणोतूमचोकर्मप
रीणामजो ॥ म्हेंचिंत्युंअहोअल्पनिदानबङ्कफलेरे॥तिणेंहवेमाहरेपरव्रज्यास्यूं
कामजो॥२९॥सां०॥म्हेंकहुंसगवनमुक्तउपरिकिरपाकरीजो॥सांसलतांनिज
चरीत्रथयोवैरागजो॥सवअटवीउतारोदिक्षाआपिनेंजो ॥ गुरुकहेजिमसुखउ
पजेतिममहासागजो॥३०॥सां०॥देईराज्यअजीतवलकूमरनेंमेंतदाजो॥करी
उदघोषणापूर्वकदिधुंदानजो॥ वसूसूतीराणीपरीजनपरीवारस्युंरे॥लिधीदिक्षा
सूणिजयकुमरनिदानजो॥३१॥सां०॥एहविशेषकारणम्हेम्हारूंसाधीउंजो॥
जयकहेशासनकारणएहवीशेसजो॥ सवअटवियीउतरीईप्रसूकिणीपरेंजो ॥
उलरीनेंकहोजावुंकिणेंदेशजो ॥ ३२ ॥ सां० ॥ गुरुकहेअटवीद्रव्यसावङ्कसे
दथीजो ॥ द्रव्यअटवीनोसांसलितूंदृष्टांतजो ॥ कोईनगरथीनगरांतरजावास
णीजो ॥ कोईसार्थपउदघोषणाइंणिवृत्तांतजो ॥ ३३ ॥ सां० ॥ मुक्तसाथेंजे
आवेतेहनेंपोहचवुंरे ॥ इमसांसलीवङ्कसाथथयोतससाथिजो ॥ मारगनागु
णदोषतेसाथनेंदाषवेरे ॥ सांसलज्योईणमारगठेदोयपाथजो ॥ ३४ ॥ सां०॥

एकसरखनेंबीजोवक्रतेजाणीइंजो ॥ पणितेवक्रेंबहुकालेंपोहचायजो ॥ सूखथीजातांअंतेंऋजुमांअवतरेजो॥ लहीइंशतिपुरसूखनोसमुदायजो॥३५॥ ॥ सां० ॥ रीजुमारगबहुपासेंपणिअतिसांकमोजो ॥ बहुकष्टेंपोहचाइंशितसहेरजो ॥ अतीवीषमतीहांउतरतांबीहामणोजो ॥ वाटेंवीघनकारीहरीवाघनमहेरजो ॥ ३६ ॥ सां० ॥ मारगमांपणिउतरवातेनवीदीइंजो ॥ तेहनेंआपपराक्रमथीकरीध्वंशजो ॥ जइस्युंपणिपूंठि२ आवस्येजो ॥ पुरमांपोहचीइंतिहांलगेंएहनोअंसजो॥ ३७ ॥ सां० ॥ उनमारगेंपगमुंकेतोछेमुलथीजो ॥ मारगेंहीमेंतेउपरिनहीजोरजो ॥आगलिजातांरुषमनोहरआवस्येजो ॥ स्निग्धसुगंधीपत्रकुसूमबहुमोहोरजो ॥ ३८ ॥ सां० ॥ शीतलछायाशोभेजेहनीरुअमीजो॥ पणितिहांबेगपामेंजीवविणासजो ॥ तोषावानीवाततोजाणोवेगलीजो ॥ तिहांनवोबेसज्योजोथरोजीवनआसिजो ॥ ३९ ॥ सां०॥ वलीवीजांपणिजामरम्यांपम्यांआवस्येजो ॥ पांडुपत्रकूसूमफलवर्जिततेहजो॥ नहिमनोहरवीसामोकरवोपमेजो ॥ मुहूर्तमात्रते.करज्योअुसमनरेहजो ॥ ॥ ४० ॥ सां० ॥ मारगकांठेंबेगपुरुषघणाहस्येजो ॥ रूपमनोहरनेवलीमीठांवयणजो ॥ तुम्हनेंतेमस्येआवोइंहापणिमार्गछेजो ॥ तेहनुंवचननसूणवुंनजोवुंनयणजो ॥ ४१ ॥ सा० ॥ क्षणपणसाथथीमतरहेज्योकोईवेगलारे ॥ एकाकी.नेंतयनीश्चयहोयभायजो ॥ दावानलथोमोपणिअप्रमादीथईरे ॥ उलववोअन्यथावहुअनरथथायजो ॥ ४२ ॥ सा० ॥ उंचोपर्वतउपयोगेंउलंघवोजो ॥ तेउपयोगवीनाजाइंप्राणतेठामजो॥ वंशजालअतीगहुरगुपीलउलंघवीजो ॥ उपद्रवहोयतिणेंनवीकरवोविश्रामजो ॥ ४३ ॥ सां०॥ एकषाडिलघुमारगजातांआवस्येजो ॥ नाममनोरथसटबेठोनीतपासजो ॥ तेकहेस्येएषाडलगारेकपुरज्योजो ॥ पणिनवीपुरज्योमनमांआणीनासजा ॥ ॥ ४४ ॥ सा० ॥ जोपुरस्योतोमोहटीवधतीतेजस्येरे ॥ तिणेंअवगणनाकरीनेंजावुंसायजो॥ फल.किंपाकनांपंचजातीनांमनोहरूजो॥ नवीजोवांनवीषावांस्वादवणायजो॥ ४५ ॥ सां० महावीकरालपिशाचतेबावीसवाटिमांजो॥

षण२ उपद्रवकरुंगणवानाहिंजो ॥ निरसविरसस्नातपाणीतेपणिदोहीलूंजो॥ षेदनकरवोवावरतांतेमाहिंजो ॥ ४६ ॥ सा० ॥ नित्यप्रयाणतेकरवुंमुरूनश्रा णावहीजो ॥ बहेवुंनियमारातेंपणिदोयजामजो ॥ इंमजातांश्रटवीषेमेंउल्लंघो इंजो ॥ निवृत्तिपुरपांमीजेंसूखनोधामजो ॥ ४७ ॥ सा० ॥ क्लेशउपद्रवतिण नगरीथीवेगलाजो ॥ एदृष्टांतहवेउपनयकरुंसारजो ॥ सारथवाहतेश्रणिलो कसूरमणीसमोजो ॥ श्ररीहादेवनोद्रवकरेउपगारजो ॥ ४८ ॥ सां० ॥ श्राक्षे पणी १ विक्षेपणी २ संवेगणी ३ तथाजो ॥ निरवेदनी ४ एधर्मकथाचउ लेयजो ॥ तेउदघोषणामोक्षनाश्ररथीजीवमांजो ॥ साथनालोकतेसाथेंथया श्रमेयजो ॥ ४९ ॥ सां० ॥ श्रटवीचिहुंगतीभ्रमणकरणनीजाणीइंजो ॥ सा धुधर्मतेसूधोमारगहोयजो ॥ श्रावकधर्मतेवांकोमोहुंपोहोचवुंजो ॥ पणिश्रंते मुनीधर्ममांश्रावेसोयजो ॥ ५० ॥ सां० ॥ इछितपुरतेशीवनगरीसोहामणी जो ॥ जिहांनहीजनममरणनेंरोगनसोगजो ॥ वाघसिंघदोयरागद्वेषबहुउपद्र वेजो ॥ जेहथीनवीलेवाइंसंजमजोगजो ॥५१॥सा०॥ श्रमणपणंलीधेपणिके मिमुंकेनहीजो ॥ जिनवरमारगचुकातेंगलीजायजो ॥ नारीपशुपंडगसंजुत वसतीयकाजो ॥ तेहजरुंषजाणोजसमनोहरछायजो ॥५२ ॥सा०॥ निरवद्य वसतीश्रमितपंडुरदलरूंषमांजो॥पासछादीकजेउपदेशविरुधजो॥ दायकतेमा रगतटबेंगबहुजनाजो॥तेवयरीसमबोलावेथईशुद्धजो ॥५३॥सा०॥साथीजन तेंश्रमणश्रीलंगरथधारकूजो॥ क्रोधदावानलपर्वततेमहामानजो॥ वंशजालमा यालघुषाडीतेलोसनीजो ॥ मनोरथसटतेइछारूपश्रमानजो ॥ ५४ ॥ सा० ॥ थोडीपणिपुरीइंतोपारनपामीइंजो ॥ शब्दादिकनाविषयतेफलकिंपाकजो ॥ जेहवावीसपीशाचतेजाणोपरीसहाजो ॥ संजमजीवितहरेएहनोएविपाकजो ॥ ५५ ॥ सा ॥ मधुकरवृत्तिइंश्ररसविरसमुनीश्राहारजेजो ॥ नीत्यप्रयाणंते जाणोश्रप्रमादजो ॥ बेपहोररातेंपणिसझायतेनीतकरेजो ॥ इंणिपरेंश्रटवीउ लंघेश्राल्हादजो ॥ ५६ ॥ सा ॥ पोहचेंश्रनुंक्रमेशीवनगरीसूखशाश्वतेंजो ॥ सांसलीशमकीतदेशवीरतीपरीणामजो ॥ जयकूमरेंगुरुपासेंतेश्रंगीकरयां

जो ॥ पेठोनयरीमांपोहतोनीजठामजो ॥ ५७ ॥ सा ॥ जुवराज्येंथाप्योनि
जतातेतेहनेंजो ॥ नीत २ सेवेमुनीवरसनतकुमारजो॥ साषीपद्मविजयएपं
चमखंमांजो ॥ ढालइगवीसमीसूणतांजयजयकारयो ॥ ५८ ॥ सा० ॥
॥ऊहा॥ मासकलपकरीमुनीवरू ॥ विचरयाश्रीभगवंत॥ आवेंधणसिरीइंहाकि
णे ॥ तेसूणज्योवीरतंत ॥५९ ॥ नारकमांथीनीकली ॥ संसरीबङसंसार ॥ अ
नंतरसवेंअनुंसव्यो ॥ अज्ञानकष्टअपार ॥ ६० ॥ मरणलहीजयकूमर
नो ॥ अनुजथयोघणंईठ ॥ विजयनामतसठवीउ ॥ कूमरथयोउकीठ ॥
॥ ६१ ॥ विजयनेंजयवल्लसनहीं ॥ कालगयोइमकांय ॥ कर्मविचित्रथकी
लह्यो ॥ मरणतेहमहाराय ॥ ६२ ॥ जयकुमारराज्येंठव्या ॥ सङइमिली
सामंत ॥ विजयद्वेषलहीविलषिउ ॥ सङथईनासंत ॥ ६३ ॥ सामंतमं
मलेंसमफिनें ॥ बांध्योमरमीबाहिं ॥ बारवटिउजेबाहिरे ॥ दूखदेवेदिलमांहिं
॥ ६४ ॥ ढाल ॥ थाहरामोहलाउपरिमेहफबुकेवीजलीहोलाल ॥ फबु० ॥
एदेशी ॥ इणिअवसरिप्रतीहारीआवीइमवीनवेहोलाल ॥ आव० ॥ द्वार
देशेंतूमजननीआवीठेहवइंहोलाल ॥ आवी० ॥ कांयककार्यउदेशीदरीशण
असीलषेंहोलाल ॥ दरि० ॥ तवनृपसंभ्रमपामीगयोतससनमुखेंहोलाल ॥
॥ ६५ ॥ गयो० ॥ कहेमातातूम्हेकेमपधारयांइहालगेंहोलाल॥ प० ॥ तवरो
तीकहेसूतशोकानलबङजगेंहोलाल ॥ शो० ॥ सूतनेंजीवीतदानआपोतव
नृपवदेंहोलाल ॥ आ० ॥ कुणथीभयएकूमारनेंतवराणीवदेंहोलाल ॥ त० ॥
॥ ६६ ॥ प्रतीपक्षीनेंजतनथीराषवोनृपथितीहोलाल ॥ रा० ॥ अन्यसामंतप्रे
रयाथीउपद्रवनीततीहोलाल ॥ उ० ॥ मतकरोइमवीचारीराज्यचिंतकनरेंहो
लाल ॥ रा० ॥ किधुंकामतेमुफपणिगमतूंआदरेंहोलाल ॥ ग० ॥ ६७ ॥ पणि
एहनेंतनुंबाधानथाइंतिमकरोहोलाल ॥ न० ॥ तवनृपकहेजोमातप्रतीपक्षी
एषरोहोलाल ॥प्रति०॥ तोकूणनिजपक्षीकहोमातजीमाहरेहोलालके ॥मा०॥
किमकरोवातउलांइहांआवीपादरेंहोलाल ॥ इ० ॥ ६८ ॥ मांहिलावीदेईआ
शानबेठेइणिपरेंहोलालके ॥ बे० ॥ रेरेलावोकुमारनेंरोक्योजिणघरेंहोलालके॥

रो० ॥ तेहनेंतेमवापुरंसगयानवनृपमनेंहोलालके ॥ ग० ॥ चिंतवेराज्यएके
हवुंजेहथीइंमवनेहोलालके ॥ जे० ॥ ६९ ॥ राज्यमंहंतनरेंजुउवातएसीकरी
होलालके ॥ बा० ॥ बंधुजननेंराज्यलेइएदूखकरीहोलालके ॥ ल० ॥ परम
प्रमादहेतूफलकटुंआंजेहनांहोलालके ॥ क० ॥ विदिनसंसारस्वरुपनेंकि
ममानेमनांहोलालके ॥ कि ॥ ७० ॥ राज्यदेईकुमारनेंमातनेंसूखकरुंहोला
लके ॥ मा० ॥ एहराज्यवहुदोषनीथाननेंपरोहरुंहोलालके ॥ नी० ॥ इंणअ
वसरपूरवकृतकर्मनादोषथीहोलालके ॥ क० ॥ वधपरीणामवध्योनृपउपरि
रोषथीहोलालके ॥ उ० ॥ ७१ ॥ आव्योनूपतीपाससिंहांसणेंथापीउंहोला
लके ॥ सि० ॥ कनककलससरीनीरसूगंधेव्यापीउंहोलालके ॥ सू०॥ एकलि
इंनिजहाथिविजासामंतनेंहोलालके ॥ बि० ॥ करीअसीषेकनमीपदपुछेमा
तनेंहोलालके ॥ पु० ॥ ७२ ॥ मातगयोशोकानलतवजननीकहेहोलालके ॥
न०॥ इंधणथीकहोअनलतेकिमहानिलहेहोलालके ॥ की० ॥ नूपतीकहे
कारणकिस्युंनवीजाणुंअम्हेहोलालके ॥ न० ॥ मातकहेनरकांतएराज्य
जाणोतुम्हेहोलालके ॥ रा० ॥७३ ॥ नगणेंसूकृतकापुरुषउचितजाणेंनहीहो
लालके ॥ उ० ॥ कालअनागतदेषेनवीषयमुक्योसहीहोलाल ॥ न० ॥ स्वर्ग
तथाअपवर्गस्वाधीनजेसूखअछेहोलालके ॥ स्वा० ॥ तेतेआचरेराज्यांधपुरु
षजीमसवीगछेहोलाल ॥ पु० ॥ ७४ ॥ अचिंतचिंतामणीरत्नसमानएनरत्न
वोहोलाल ॥ स० ॥ हारीनेंएराज्यथकीनरगेंजवोहोलाल ॥ थ० ॥ तूतोराज्य
नेंयोग्यजाणुंतूफलकूणेंहोलाल ॥ जा० ॥ राज्यमांपापपुण्यतुफअनुंजनेन
हीगणेंहोलालके ॥ अ० ॥ ७५ ॥ मित्रकुमीत्रमलेतिणेंपापतेआचरेहोलाल
के ॥ पा० ॥ तेहवुंपापनहीजगजेएहनवीकरेहोलालके ॥ जे० ॥ तिणेंआशं
कतीएहनेंतेतूफनीपजेहोलालके ॥ ते० ॥ किमसोकानलबुफेनेंटाढिकसंप
जेहोलालके ॥ टा० ॥ ७६ ॥ नूपतिकहेसूणोमातस्यानेंतूम्हेंदूखधरोहोला
लके ॥ स्या० ॥ कुमरविचक्षणनेंलेउंचरणतेढूंषरोहोलालके ॥च० ॥ द्योआ
णामुफमातजीआतमहीतकरुंहोलालके ॥आ०॥ मातकहेसूणोपुत्तजीएनही

पाधरूंहोलाल ॥ ए० ॥ ७७ ॥ पालोप्रजाजुवराज्यठवोकुमरप्रतेंहोलाल ॥ ठ० ॥ नृपकहेएहवातवीरुधतेंसांप्रतीहोलाल ॥ वि० ॥ करीराज्यनोअस्ती षेकहवेकिमपालटेहोलाल ॥ ह० ॥ चित्तविरक्तसंसारथीतिणेंमुक्तएघटेहो लाल ॥ति०॥७८॥थोआणामुक्तश्रमणपणंजिमलीजीइंहोलाल॥प०॥इमकही मातनेंचरणविचेंशिरदिजीइंहोलाल॥वि०॥मानकहेजीमतूममनमांनेंतीमकरो होलाल ॥मा०॥ पिणमुक्तनेंतुमेंसाथिलेइनेंसंचरोहोलाल ॥ले०॥७९॥ नृपकहे जीवीतमरणसंजुत्तवषाणीइंहोलाल॥सं०॥सूकृतकरयाविणंदूखकसह्यांइंणेंप्रा णिइंहोलाल ॥स०॥उरलसनरसवधर्मजीणंदनोदोहीलोहोलाल॥ जि०॥ सव २ एसंसारसंजोगतेसोहिलोहोलाल ॥ सं० ॥ ८०॥तिणेंअंबातुम्हेजुक्तविचारयुं चित्तस्यूंहोलाल ॥ वि० ॥ हवेतेविजयकुमारनेंशिषयेनीतिस्यूंहोलालके ॥ शी० ॥ एहप्रजाप्रतीपालणकरज्योहेजस्यूंहोलालके ॥ क० ॥ जिमनसंसा रेतातनेंलहीउदवेजस्यूंहोलाल ॥ ल० ॥ ८१ ॥ पूर्वपुरुषअंजितजसमलिनन कीजीइंहोलालके ॥ म० ॥ राजरीषीनुंचरीत्रसदाइंधरीजीइंहोलाल ॥ स० ॥ जिमनरत्नवसफलोहोइंतेमकरीजीइंहोलालके ॥ ते० ॥ हवेसामंतनेंशीषदेंइं मचरीजीइंहोलालके ॥ इं० ॥ ८२ ॥ तुमचोएराजानतातपरेंलेषज्योहोलाल॥ ॥ ता० ॥ कूमरप्रजानेंहीतकरमतउवेषज्योहोलाल ॥ म० ॥ उत्तयलोकसूख कारकतूमेवरतावज्योहोलाल ॥ तू ॥ इंमकरीकुलअनुरुपसदाजसपावज्योहो लाल॥ स० ॥ ८३ ॥ केईकहेतुमविरहेंअम्हेंडखआंणीआहोलाल ॥ अ० ॥ पणितुमइछितविघ्नकरेंकुणप्रांणीआहोलाल ॥ क० ॥ वलिपरलोकसाधनस णीनरपतीउठीआहोलालके ॥ न० ॥ तवतसवचनप्रसंसकरेंनृपपूठीआहोला ल ॥क०॥८४॥सनतकुमारआचार्यसमीपेंजायवाहोलाल॥स०॥ जिणेसमेउ ठीयाआतमतत्वनीपायवाहोलाल ॥त०॥ पद्मविजयकहेतिणेंसमेंजेबण्युंतेक हूंहोलालके ॥ जे० ॥ पंचमखंडमांढालबावीसमीइंमलहूंहोलाल॥बा०॥८५॥ ॥ दुहा ॥ प्रवृत्तिमुनीनेंपेषवा ॥ मुंक्योमाहणजेह॥सीद्धारथनामेंसरखर ॥ तव तिहांआव्योतेह ॥ ८६ ॥ स्वामीमनोरथसीधला ॥ सनतकुमारसूरीस ॥ आ

व्यांतिंउकवनईहां ॥ उतरेसूणीअवनीअ ॥ ८७॥ सातआठपदसनमुखें ॥
रोमांचितजईराय ॥ वंदिचाल्योवांदवा ॥ सार्थेसकसमवाय ॥ ८८ ॥
सामंतादिकसकमिली ॥ विजयनेंकहीवीरतंत ॥ महादानमहामोछवें ॥
दिनादिकनेंदित ॥ ८ए ॥ पुजाविवीधप्रकारनी ॥ विरचावेविधीसार ॥
देहरेसर्वजीणंदनें ॥ आदरधरीअपार ॥ ए० ॥ सुततिथीकरणदीवसलही ॥
रथबेसीमहाराय ॥ परवरिउपरीवारस्यूं ॥ जुगतीयकीनृपजाय ॥ ए१ ॥ ढा
ल ॥ टुंकअनेंटोमाविचेरे ॥ एदेशी ॥ चारित्रलेवाचुंपस्यूंरे ॥ नरपतीचाल्यो
जाय ॥ संजमरंगलागो ॥ वरवरीआकहेवरावतोरे ॥ अरथीइछितदाय ॥ए२
॥ सं० ॥ लोकअछेरूंदेषतोरे ॥ अहोउत्तमआचार ॥ सं० ॥ कालनहीदीक्षा
तणोरे ॥ अहोलघुवयसूविचार ॥ ए३ ॥ सं० ॥ आजअनाथथईपुरीरे ॥ ड
रकथरेवकलोक ॥ सं० ॥ अंगुलीईदेषावतारे ॥ लोकधरेमनशोक ॥ ए४ ॥
सं०॥ तूरसबदयाइंघणारे ॥ केईकहर्षधरंत ॥सं०॥धन२ एहनीमावमीरे॥धन
२ तातकहंत ॥ ए५॥ सं० ॥ बंदिबोलेबिरुदावलीरे ॥ इममोटेमंमाण ॥सं०॥
गुरुचरणेंतेआवीउरे ॥ तिंदूकवनउद्यान ॥ ए६ ॥ सं० ॥ सनतकुमारसूरी
कनेंरे ॥ मातसहीतनूपाल ॥ सं० ॥ मुख्यप्रधानेंपरवरयोरे ॥ चारित्रलिइंतत
काल ॥ ए७ ॥ सं० ॥ रायनयरनाजनसकरे ॥ वंदिनिजघरिजाय ॥ सं० ॥
मासकलपपुरेथयेरे ॥ गुरुविचरेअन्यठाय ॥ ए८ ॥ सं० ॥ सूत्रसण्यानक
षांतिस्यूंरे ॥ मुनीवरजयअणगार ॥ सं० ॥ श्रमणपणंतेपालतारे ॥ निरतूं
नीरतीचार ॥ एए ॥ सं० ॥ विजयनूपतीहवेचिंतवेरे ॥ अहोनवीमारयोए
ह ॥ सं० ॥ जातोरह्योएहाथिथीरे ॥ हवेकरूंकारणकेह ॥ ७०० ॥ सं० ॥
निजविश्वासीनरप्रतेंरे ॥ घातकमुंकेराय ॥ सं० ॥ घातकनरचिंताचिंत
वेंरे ॥ न्यायकेएअन्याय ॥ सं० ॥ १ ॥ निष्कारणकिममारीइरे ॥ इमकरी
पाछाजाय ॥ सं० ॥ नृपनेंकहेअमेमारीउरे ॥ तवनृंपहरषीतथाय ॥ २ ॥
सं० ॥ हवेजयमुनीइमचिंतवेरे ॥ जईप्रतिबोधूंसाय ॥ सं० ॥ सावीसा
वसंबंधथीरे ॥ संजमसनमुखथाय ॥३ ॥ सं० ॥ आणामागीगुरुतणीरे ॥ के

ईकमुनीपरीवार ॥ सं० ॥ स्वजनआलोकनकारणेरे ॥ आव्यापुरनेंबार ॥
॥ ४ ॥ सं० मुणिकोप्योघातकभतेंरे ॥ तेमाव्यानरतेह ॥ सं० ॥ पुछेकहो
कीममारिउरे ॥ कुणथानीकअरीजेह ॥ ५ ॥ सं० ॥ मुनीआव्याजाणीकरी
रे ॥ बोल्यातेनरतांम ॥ सं० ॥ केत्राअलंकारविणअम्हेरे ॥ नविउलषीआ
जाम ॥ ६ ॥ सं० ॥ नंदिवर्द्धनपुरेपूछिउरे ॥ कोईदेषीअणगार ॥ सं० ॥ जय
मुनीकहोतूमेकिहांअछेरे॥ तिणेंदेषाम्योगार ॥ सं०॥७॥नागदेहरेएरह्योरे ॥क
रतोनीश्चलध्यान ॥ सं० ॥ शून्यअरन्यजाणीकरीरे ॥ मारयोअमेतिणेंथान॥
॥ ८ ॥ सं० ॥ नृपकहेकोईकमारिउरे ॥ पणिपापीरह्योईम ॥ सं० ॥ नहितो
आवेकिहांथकीरे ॥ आपणीनयरीसीम ॥ ९ ॥ सं० ॥ पणिहजीकांयगयुंन
थीरे ॥ मारस्यूंहवईणगाम ॥ सं० ॥ मान्युंतेपुरसेंतिहांरे ॥ हवेवंदननेंकांम
॥१०॥ सं० ॥ जईमुनीचरणनेंवंदिआरे ॥ धर्मलाभदिउताम ॥ सं० ॥११॥
करुणाईसंभलावीउरे॥जिनवरभाषीतधर्म ॥ सं० ॥ नविविरम्योसंसारथीरे ॥
मुनीजाण्योतसमर्म ॥ सं०॥ १२॥ पंचमखंमेएकहीरे ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥
सं० ॥ पद्मविजयकहेरासमांरे ॥ सूणतांमंगलमाल ॥ १३ ॥ सं० ॥ ॥छ॥
॥ दुहा० ॥ मुनीकहेसूणोमहारायजी ॥ सूखदुखकर्मपसाय ॥ संसारीसहु
सत्वनें ॥ निरतोजाणेन्याय ॥ १४ ॥ सूखइछेप्राणीसयल ॥ सूखनुंमुलसूध
र्म्म॥तेहनुफलतेसूरुपता ॥ प्रियसंजोगपरम्म ॥१५ ॥भोगवीपुलसोभाग्यता॥
निरोगतानिरधार ॥ अवलंबनकरीआकरुं ॥ धर्मतेसयलआधार ॥ १६ ॥
सहुस्यूंमैत्रीसमाचरे ॥ दिजेंअढलकदान ॥ करुणाजीवनीकीजीई ॥ सयल
धर्मसावधान ॥ १७ ॥ ढाल० ॥ देशीहमचमीनी ॥ सांभलीसूपतीइणिपरेंचिं
तें ॥ मरणनोभयईणेंलागो ॥ तिणेंईमबोलेछेपणिसांभलो ॥ हवईकिहांजास्यें
भागोरे ॥ १८ ॥ हमचमी ॥ ईमचिंतीकहेस्वामीसाचूं ॥ पणिसुणज्योमुझ
वात ॥ जेदिनथीतूम्हेदिक्षालीधी ॥ तेदिनथीविख्यातरे ॥१९॥ ह० ॥ धर्मक
रवामांम्योस्वामी ॥ गुरुकहेरुडुंकीधुं ॥ रहीथोमीवेलापछीचाल्यो ॥ गेहतणी
दीलदीधुंरे ॥ २० ॥ ह० ॥ एहदुराचारीनेंमारुं ॥ आजजहाथेंरातें॥ साईमुनी

उपरिईमउपजे ॥ क्लिष्टकरमनीवातेरे ॥ २१ ॥ ह० ॥ पुरवघातकपुरुषनें तेम्या ॥ रयणीईकस्योविचार॥ चालोआपणमारीईएहनें ॥ एहडष्टआचाररे॥ ॥ २२ ॥ ह० ॥ चंद्रआयम्योजिणीवेलाई ॥ तवतेपुरुषनेंलेई॥ जयअणगार समीपेंपोहतो ॥ दिठोचितमुंदेईरे ॥ २३ ॥ ह० ॥ पवनरहितथानीकजिमदि वो ॥ तिममुनीध्याणमांलीनो ॥ तिव्रकखायउदयथीतिणें ॥ नरगेंजवामनकी नोरे ॥ २४ ॥ ह० ॥ अधीककखाईखध्गतेंकाढ्युं ॥ सुकुतवासनानाठी ॥ करमपरिणतेआषोगलीउ ॥ कोपअनलचढीसाठीरे ॥ २५ ॥ ह० ॥ थीवादे ओंएकप्रहारें ॥ मस्तकदूरेंनांष्युं ॥ विजयरायनांएहअकारज ॥ ईमसह्रमु नीईआष्युंरे ॥ २६ ॥ ह० ॥ अहो२कर्म्मतणीगतीजुउ ॥ जिवचरीत्रविचि त्र ॥ ईमकहीसह्रमुनीवरखसीआ ॥ जयअणगारपवित्ररे ॥ २७॥ ह० ॥ मै त्रीसावसयलजीवउपरि ॥ ध्यानथकीनवीचलीआ ॥ निजतनुउपरिममतन आण्यो ॥ हिलीमिलीसमतामिलीआरे ॥ २८ ॥ ह० ॥ क्षीणप्रायहवेपापकर मठे ॥ लेश्याशुरुसाव॥ संजमथिरताधीरजधोरी ॥ आसनसीद्धिसावरे॥ ॥ २९ ॥ह०॥शुसपरीणामेंकायतजीनें॥सूरलोकआनतनामें ॥नवमेदेवलोकेंते पहोता ॥ सूखसागरनेंधामेंरे ॥ ३० ॥ ह० ॥ सिरिप्रसनामविमानेंआयु ॥ सागरतासअढार ॥ सांसल्योहवेविजयरायनो ॥ जेकह्रंछूंअधीकाररे॥३१ ॥ ह० ॥महापुरुषनोघातकरीनें ॥ आत्मकृतारयमानें ॥ निजमंदिरआवीनें नीत२ ॥ वरतेपापसथानेरे॥३२॥ह०॥ साधुविहाणेंविहारकरीनें ॥गयागुरुनें पासें ॥ सह्रवृत्तांतसूणाव्योगुरुनें ॥ तिमसमताअत्यासेरे ॥ ३३ ॥ ह० ॥ पश्चात्तापघणोगुरुकीधो ॥ अहोसीससूसीसो ॥ तेदिनथीतेविजयरायनें ॥ पापउदयसूजगीसोरे ॥ ३४ ॥ ह० ॥ व्याधीवेदनाबह्रअनुंसवतो ॥ हत्याअ नुमोदंतो ॥ आयुषईतेचोथीनरगें ॥ पंकप्रसाईपोहतोरे ॥ ३५ ॥ ह० ॥ दस सागरआयुसोगवतो ॥ जयविजयएदोय ॥ साईनोअधीकारकह्योहवे ॥ दं पतीजिणीपरेहोयरे ॥ ३६ ॥ ह० ॥ ढालचोविसमीईणिपरेंसाषी ॥ पंचमेखं मेपुरी ॥ पंचमखंमसंपुरणह्रउ ॥ वातनरहीअधुरीरे ॥ ३७ ॥ ह० ॥ वैरा

षवदिविजेंएपुरो ॥ विसलनगरेंकिधो ॥ श्रीवीजयसिहसूरीसरकेरो ॥ सत्य
वीजयसूप्रसीद्धोरे ॥ ३८ ॥ ह० ॥ तासकपुरविजयवरकोविद ॥ षिमावि
जयतससिस ॥ गितारथगुणवंतसोभागी॥ जिनविजयसुजगीसरे॥ ३९॥ह०॥
उत्तमउत्तमविजयकहाया ॥ ताससिसमतिवंतो ॥ गीतारथसमतानासाग
र ॥ जेमहिमाइंमहंतोरे ॥ ४० ॥ ह० ॥ श्रीकल्याणपाससूपसाइं ॥ समरा
दित्यनोरास ॥ पद्मविजयगणीलाषेसूणतां ॥ घरि २ लिलवीलासरे ॥ ४१ ॥
॥ ह० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षियपंमीतप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्म
वीजयग० विरचित्तेश्रीसमरादित्यचरित्रेप्राकृतप्रबंधेजयविजयसहोदरयोः
संगतयोःपंचमोनरसवःसमाप्तः ॥ सर्वगाथापंचमखंमे ॥ ७४१ ॥ उक्तगा
थाकाव्य ॥ १८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ श्रीकल्याणप्रभूपासजी ॥ करतासवीकल्याण ॥ पादपदमतसूप्रण
मीइं ॥ महीमाजसमंमाण ॥ १ ॥ सरसतीगुरुप्रणमुंसदा ॥ समरादित्यसरूप॥
वर्णवतांमुक्तवदनमां ॥ आवीवशोअनुरुप ॥ २ ॥ पंचमखंमप्रेमेंकरी ॥ पुर
णकस्योप्रमाण ॥ हवेछठोखंमकुंसिथी ॥ श्रोतासूणोसूजाण ॥ ३ ॥ जंबुद्धी
पलषजोयणो ॥ तेहमांसारतषेत ॥ माकंदिपुरीमोटिकी ॥ सिरीदेवीसंकेत ॥
॥ ४ ॥ अधरमजीहांआवेनही ॥ न्यायतणोजनिवास ॥ कालदोषथीनीक
ली ॥ उपद्रवरहीतआवासं ॥५॥ प्रियबोलेसङ्गप्राणीओ ॥ सरलस्वसावीसार॥
धर्मिनेहीव्रतघणी ॥ परजावसेअपार ॥ ६ ॥ कालमेघनरपतीकह्यो ॥ वैरी
नेंविकराल ॥ सज्जननयननेंससीसमो ॥ करुणावंतकृपाल ॥ ७ ॥ ढाल ॥
लावश्रावकनालाषीइं ॥ एदेशी॥ नगरसेठचुमामणी॥ बंधुदत्ततिहांबहुगुणी॥
परतणी ॥ नारिथिउपरांठेरहइए ॥ ८ ॥ पणिप्रारथनाइंनही ॥ परधनेंनीरखो
लीसही ॥ पणिअही ॥ धर्मउपारजणमांनहीए ॥ ९ ॥ असंतूष्टपरउपगारें ॥
धनआगममांनहीक्यारें ॥ तेप्यारें॥ दलिद्रीनहीवीलवथीए ॥ १० ॥ सूरतरुप
रिखंधउपरि ॥ पादमुंकीफलबहुपरें ॥ तिणिपरें ॥ अर्थिनिवहफलसोगवेए ॥
॥ ११ ॥ हारप्रसातससामिनी ॥ कुलरुपसमसोहामणी ॥ कामिनी ॥ साथें

सुखनेंसोगवेए ॥ १२ ॥ आनतकल्पथीअवतरयो ॥ सूरआउखोपुरोकरयो ॥
उरधरयो ॥ हारप्रसाइसुपनलह्योए ॥ १३ ॥ उज्वलकरिवरेंकनकनें ॥ कल
सेंजेसीचंतीरे ॥ सोहंतीरे ॥ मुक्ताफलहारेंकरीए. ॥ १४ ॥ दिव्यकमलउपरिं
रहि ॥ चिवरधवलधरंतीरे ॥ पहेरंतीरे ॥ विविधरतनकटिमेखलाए ॥ १५ ॥
उत्तरवस्त्रेंढांकीआ ॥ स्तनजुगकमलकरेंरह्या ॥ बहुमहमह्या ॥ भ्रमरगुंजार
वतिहांकरेए ॥ १६ ॥ एहवीलषमीदेवता ॥ उदरपेसतीदीठीरे ॥ मीठीरे ॥
लागीजागीहरषस्यूंए ॥१७॥ संसलाव्युंसरतारनें ॥ तवसरतातसतासेंरे ॥ था
स्येरे ॥ लषमीनीवाससूततारेए ॥ १८ ॥ सांसलीधर्मकरेसदा ॥ प्रसवस
मयक्रमेंआयोरे ॥ जायोरे ॥ बालकपुरणदिहाम्हलेए ॥ १९ ॥ सेठवधाव्योदां
सीइं ॥ दिधुदांनसतोसरे ॥ पोसरे ॥ किधोहरषतणोघणोए ॥ २० ॥ मासथयो
जबतेहनें॥तवनामधरणतसदीधुंरे॥सिधूरे॥पीतामहनुंजेहतूंए ॥२१॥कुमरसा
वपाम्योजदा ॥ कलापहीतिणेबहुतदा ॥ एसदा॥लब्धिपदानुंसारीनीपनोए ॥
॥ २२ ॥ विजयजिवहवेनारकी ॥ नरकमांथीनीकलीउरे ॥ रुलिउरे ॥ बहु
संसारमांअनुंक्रमेए ॥२३॥ लगतेसवेंकांयतपकरी॥ इंणपुरेकात्तिकनामेंरे ॥
शुसधामेंरे ॥ जयासार्याकूषेंउपनोए ॥ २४ ॥ पुत्रीपणेंतेअनुंक्रमें ॥लषमीइं
णेंअसीधांनेंरे ॥ शुसवांनेंरे ॥ जौवनपांमीबालीकाए ॥ २५ ॥ कर्मपरीणांम
अचितथी ॥ बलिसावीसावनाजोगथी॥ कर्मसोगथी॥महाआमंबरेपरणीयांए
॥ २६ ॥ रागघणोलठीउपरिं ॥ धरणनेंपणिनहितासरे ॥ मुऊपासरे ॥ रषेआ
वेइंमचिंतवेए ॥ २७ ॥ इंमविषयविटंबणासारीषा ॥ सोगवतांगयोकोईका
लरे ॥ सूरसालरे ॥ मदनमोहठवआव्योअन्यदाए ॥ २८ ॥ मलयसूंदरउद्या
नमां ॥ क्रिमाकरवाहेतेरे ॥ सूसंकेतेरे ॥ रथबेसीधरणोगयोए ॥ २९ ॥ पोह
तोदरवाजेहवे ॥ इंणिअवसरेंदेवनंदीरे ॥ पंचनंदीरे ॥ सेठनोपुत्रसोहामणोए
॥ ३० ॥ क्रीमाकरीउद्यानमां ॥ रथबेसीवल्योपाछोरे ॥ आछोरे ॥ तेदरवाजे
आवीउए॥ ३१ ॥ आमोसाहमाबिहुंमिल्या ॥ ठेरखंभेठेगालारे॥ मछरालारे॥
ढालप्रथमपदमेंकहिए ॥ ३२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ मारगलघुरथमोढिका ॥ समकालेंनआमाय ॥ देवनंदीकहेदावथी ॥ धरणनेंसाहमोधाय ॥ ३३ ॥ उंसारोरथइहांथकी ॥ आवेमुफरथआम ॥कहे धरणसंकमासिमां ॥ नफरेमुफरथनाम ॥ ३४ ॥ तिणेंउंसारोतूमतणो ॥ रथ जिमथाइराह ॥ तवदेवनंदीआमीउ ॥ आणीअंगउछाह ॥ ३५ ॥ कहोतूंमथी उणिमकीसी ॥ अममांठइंकांइआज ॥ रंथतिणेंकुंकिमफेरवुं॥ धरणकहेधरी लाज ॥ ३६ ॥ एतोसमबिकुंनेंअछे ॥ बिकुंथाकावलवंत ॥ राजपंथरोक्योर थें ॥ कोईकोईनेंनकहंत ॥ ३७ ॥ वातनगरमांविस्तरी॥ कारणिआनेंकानि॥ पोहतीतवपंचेमली ॥ न्याइंकरतान्यान ॥ ३८ ॥ ढाल॥ अछेरंगलाज्योरेमां णिगरमहराजा ॥ एदेशी ॥ आगेन्यायकरज्योरेचातूरचोवटीआ ॥ एआं कणी ॥ आलोचकरतांरेनयरीमहांईका॥एतोदोयछेउमहंतमहंत॥आ ॥ गेरु लेहनारेअतिउछंछला॥वारीनसकीइंएहनेंतंत॥३९॥आ०॥जईनिभंगेरेदोयकु मारनें ॥ इंमसीषामणअतीघणीदेह ॥आ ॥च्यारजणमुक्यारेवयथीपरणम्या॥ धरमारथमांविशारदतेह ॥ ४० ॥ आ० ॥ वचनविन्यासकुसलसमताघणी॥ धरमीधरमसहाय ॥ आ० ॥ इहपरलोकअपायदेषायवा ॥ निपुणघणाकते न्याय॥४१॥आ०॥ बहुमतजननेंरेतेच्यारेजण॥आव्यातेकुंअरपास॥आ०॥ उसाथईनेंरेआदरदेघणो ॥ हवेशिक्षादिइंतास ॥ ४२ ॥ आ० ॥ पुरव जकेरारेधनथीमानस्यो ॥ नविअकमायातूमेंकोय ॥ आ० ॥ केणेंकमाईनेरे दानदिधुंघणुं ॥ जिणेंजसजगतमांहोय ॥ ४३ ॥ आ० मातपीतानेंरेकेणेंआं तोषीआ ॥ केकरथोदिनडरवीनोउधार ॥ आ० ॥ केकांयधर्मनुंरेकाजकरावी उं ॥ फोकटस्योरेअहंकार ॥ ४४ ॥ आ० ॥ वुधजनतूमचीरेहासीकरेशदा॥ उंसरोतूमेंइणगाम ॥ आ० ॥ निज २ गामथीरेरथपाछाकरो ॥ तूमचोवकर जाइआंम ॥ ४५ ॥ आ० ॥ हरष्योसांपेरेदेवनंदिपरुं ॥ लाज्योधरणकूमार॥ आ० ॥ कहेतूम्हेंअमनेंरेशीषदीधीपरी ॥ मुफनेंपमोरेधीकार ॥ आ०॥४६॥ हासीकुईरेएहचरीत्रथी॥काचागरससमान॥आ०॥ मानुंमाहरोरेआतमइणिप रे॥तूम्हेतोवुधीनीधांन ॥ ४७ ॥ आ० ॥ रथउंशारोरेजईदेशांतरें ॥पांमीद्रव्य

अपार ॥ वरसेंदिवसेंरेंजेकरस्ये घणो॥ दिनअनाथउधारा॥ ४८॥ आ०॥ पेससे तेहनोरेरथआगलिथकी ॥ तवतेबोल्यामहंत ॥ एहहगपहरेस्यानेंतूम्हेंकरो ॥ तवतिहांधरणबोलंत ॥ ४९ ॥ आ० ॥ शातात्रमनेंरेतेविणनवीहोइं ॥ तवबोल्यातेहच्यार ॥ एतोजाणेंरेनयरमहर्द्धिका ॥ धरणकहेधरीप्यार ॥५०॥आ० जणवोतेहनेंरेअमेंजास्यूंषरा ॥ देवनंदीकहेआम ॥ दोषनएहमांरेसूषेंइंमज करो ॥ संसलावेतसतांम ॥ ५१ ॥ आ० ॥ सेठनयरनारेमिलीबोलावीआ ॥ तेहनामातनेंतात ॥ वातसूणावीरेतवअंगीकरे ॥ समदिधासूवीख्यात ॥ ५२ ॥ आ० ॥ साहाज्यनकरवुंरेनीजसूतनुंतूम्हें ॥ बोलाव्यातिहांदोय ॥ दिनारपण लखरेविङ्गनेंजुजुआ ॥ आपेमहाजनसोय ॥ ५३ ॥ आ० ॥ पत्रलिखाव्यो रेविङ्गनाहाथनो॥ वरसेंदिवसेंजेकोईआया॥ अधीकपराक्रमरेनिजद्रव्येंकरी॥ फोरवस्येजेहसाय॥५४॥आ०॥तेहनोरथवररेआगलिचालस्ये॥ मुद्रितकिधो तेहनोपत्त ॥ मुंक्योकागलरेपुरसंभारमां ॥ हवइंचालेतेहजत्त ॥ ५५ ॥ आ० सांभतलीधांरेयोग्यजेहनेंहतां ॥ उत्तरापंथेंचाल्योएक ॥ विजोपुरवरेदीशत णीचालीउ ॥ मनमांधरतोतेटेक ॥ ५६ ॥ आ० ॥ चितवेलछिरेगयोदेशांतरें॥ मलस्येकहोहवेकेम ॥ मारीनसकीरेहवेकिममारीइं ॥ उपनोषेदतेइंम ॥ ५७॥ आ० ॥ एकप्रयाणेंतेहवेपोहचीआ ॥ तवतसमातनेंतात ॥ पुत्रतनुंनीरेचिंता करंणनें ॥ पुछिमहर्द्धिकनेंसवीवात ॥ ५८ ॥ आ० ॥ वङ्गरोविङ्गनीरेमोकली पुंठिथि ॥ साथेंसवलपरीवार ॥ निज २ पतिनेंरेतेआवीमिली ॥ पाम्याहरष अपार ॥ ५९ ॥ आ० ॥ छठेखंमेंरेढालबिजीकही ॥ एतोसलीसमरादित्यनेंरा स ॥ पद्मकहेरेसूणोआगलें ॥ सूणतांलीलवीलास ॥ ६० ॥ आ० ॥ ॥ २॥

॥ दुहा ॥ नितप्रयाणंनवनवुं ॥ एकदिनदिठूंइंम ॥ साथवहंतेसामटे ॥ धर णेंधोरीप्रेम ॥ ६१ ॥ वनमांएकविद्याधरो ॥ सौम्यरुपसीरदार ॥ उपमे नेअवनीउपमे ॥पासगयोधरीप्यार ॥ ६२ ॥ पंषविहुणोपंषिउ ॥ उपमेपमे अपार ॥ तिणिपरेंकेमकरोतूमे ॥ पुछेएहप्रकार ॥ ६३ ॥ गमनउछक गगनेंघणा ॥ पोहोंनजवाइंमाय ॥ वातकहोवहेलाथई ॥ कहेवाजेहवीकांय ॥

॥ ६४ ॥ आकृतिदेषीएहनी ॥ वलिवचनविन्यास ॥ चमत्कारलहीचित्तमां॥ सर्णेतेएहवीसास ॥ ६५ ॥ ढाल० ॥ वीरवषाणीराणीचेलणांजी ॥ एदेशी ॥ अमरपुरवैताढ्यपरवतेंजी ॥ तिहांऊंवीद्याधरपुत्त ॥ हेमकुंमलइणनामथी जी ॥ नांहिवीद्याधरसूत ॥ ६६ ॥ अमर ॥ एकदिनएकविद्याधरुजी ॥ विद्युनमालीतीहांआय ॥ तातनोमीत्रतिर्णेपुछिउंजी॥ आमणडमणाकीमसाय ॥ ॥ ६७॥ अम० ॥ तेहषगकहेमुझतातनेंजी ॥ विझथीआवीउंएथ॥ वाटिमां उजेणीनयरीइंजी ॥ सिरिप्रसननामनृपतेथ ॥ ६८ ॥ अम० ॥ जयसीरीनामते हनेंधुआजी ॥ कोकणनृपसूतनाम ॥ नवीअशिसूपालनेंदिघलीजी ॥ जार्चं तांपणितिर्णेतांम ॥ ६९ ॥ अम० ॥ वङनृपपुत्रश्रीवीजयनेंजी ॥ आपतोतेह नोतात ॥ क्रोधचढीउशिशुपालनेंजी ॥ आवीउंचितवीघात ॥ ७० ॥ अ० ॥ विवाहअवसरेंनीकलीजी ॥ मयणनीपुजनीमीत्त ॥ तेहविचमांथीहरीगयो जी ॥ पामीआसक्कतिहांसीत ॥ ७१ ॥ अम० ॥ श्रीवीजइंकेमीकीधीघणी जी ॥ युद्धलागुंतेअपार ॥ छेमविजयसिरीलेईवल्योजी ॥ पणितसगाढपरहा र ॥ ७२ ॥ अ० ॥ वेदनाथीघणुंव्याकूलोजी ॥ नारीदेषीकहेइंम ॥ एहजी मस्येंतवजीमस्यूंजी ॥ अन्यथामाहरेनेम ॥ ७३॥ अम० ॥ तेहमहाडखमां हिपमीजी ॥ तासदूखदेषीऊंएम ॥ तातसंचारकहेएहवोजी ॥ डःखदायकुन हिरेवम ॥ ७४ ॥ अम० ॥ खेदमकरोएहवातमांजी ॥ सांसल्युंम्हेतवते ह ॥ चितव्युंकालिहिमवंतगयोजी ॥ उषधीनोनगगेह ॥ ७५ ॥ अम० ॥ गंधर्वरतीमुझमीत्रस्यूंजी ॥ तेहगांधर्वकूमार ॥ उषधीवलयउग्युंतोहांजी ॥ एकवरगुफामझारि ॥ ७६ ॥ आ० ॥ तेकहेमुझनेंसांभलोजी ॥ लोकनीसा चलीवात ॥ मंत्रमणीउषधीकेरझोजी ॥ मोटोप्रसावकहेवात ॥ ७७ ॥ अ० ॥ एहउषधीनोमहीमासूणोजी ॥ खझगप्रहारेंकरीजास ॥ हामजोकापीआंहो यंतोजी ॥ जिवीतनीनहीआस ॥ ७८ ॥ अ० ॥ नीरमांएहपषालीनेंजी ॥ छांटिइंएहजोवारि ॥ वेदनानेंव्रणरुझवेजी ॥ ततषीणदिठप्रतीकार ॥ ७९ ॥ अ० ॥ तेसणीतिहांजईलावीइंजी ॥ टालिइंसिरीवीजयदूख ॥ विद्यासंसारी

किमहीककरीजी ॥ गगनगामीनीलह्योसूरक ॥ ८० ॥ अम० ॥ उंषधीलेई
तिहांथीवल्योजी ॥ रषेश्रीविजयदूखथाय ॥ तिणेंकरीवेगथीचालतांजी ॥
आवीउंइणहीजगाय ॥८१ ॥ अह० ॥ विश्रामतिमीत्तइंहांउत्तरयोजी ॥ शो
चकरयुंचरणनुंतांम ॥ कुणेकरहीचालवामनकर्युंजी ॥ विद्यासंसारीतेजांम
॥ ८२ ॥ अम० ॥ असीनवसण्योतिणेंवीसर्युंजी ॥ वलीगमनसंभ्रममुफ ॥
पदएकसांसर्युंनहीमुनेंजी ॥ तिणेपर्मुएकहुंतुफ ॥ ८३ ॥ अम ॥ धरणक
हेस्यूंकरस्योहवेजी ॥ खगकहेनांहिउपाय ॥ जिणेंकरीनृपसूतविणससेजी ॥
एमुफडरकवज्रथाय ॥ ८४ ॥ अम० ॥ षेदबहुउपजेचित्तमांजी ॥ नवीय
योपरउपगार ॥ पुण्यहीणोनसमीहितलहेजी ॥ हवेकहेधरणकूमार ॥ ८५ ॥
अम० ॥ कल्पसंसलावचानोहोइंजी ॥ तोमुफआगलेंसाषि ॥ तेहपदजोकदी
मुफजमेजी ॥ तोमानुंपामीआलाष ॥ ८६ ॥ अम० ॥ तेहविद्यासंसलावतो
जी ॥ तुरतपदपुरीउंतेण ॥ हरषीउंहेमकुंमलघणंजी ॥ नृपसूतजीवीउंजेण ॥
॥ ८७ ॥ अम० ॥ स्यूंतुफउपगरीइंकहोजी ॥ बोलीउंधरणकूमार ॥ जाउंइ
छितकरोसीघ्रथीजी ॥ तिणेंथयोमुफउपगार ॥ ८८ ॥ अम० ॥ हेमकूंमलक
हेसांसलोजी ॥ तुम्हेतोमोहटामहासाग ॥ उंषधीवलयषंमआपीउंजी ॥ कर
ज्योउपगारधरीराग ॥८९॥अम०॥ प्रार्थनासंगकीमकीजीइंजी॥ लीधीउंषधी
तिणेंतांम ॥ साथसेलाथ्याधरणत्तेजी ॥ हेमकूंमलगयोठाम ॥ ९० ॥ अ० ॥
खंमछठेत्रीजीकहीजी ॥ पद्मविजइंएढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमांजी ॥
सूणतांहोयमंगलमाल ॥९१॥अ०॥ ॥७॥ ॥७॥ ॥७॥
॥ दुहा ॥ केईकवासरव्यतीक्रम्या ॥ एकदिनगिरीनेंतीर ॥ साथसहुआवासीउं ॥
धरणोसाहसधीर ॥९२॥ इंणिअवसरिआमाजतां ॥ दिठांसीलतेदीन ॥ वस्त्रदक
नीछलिनां ॥ जलविनुंहोयजिममीन ॥ ९३॥ कृष्णवरणकोदंमकरे ॥ शुनकवृं
दवलीसाथ ॥ रोतानरहेरानमां ॥ हैयुनरहेहाथ ॥ ९४ ॥ पासतेमीनेंपुछिउं ॥
कारणरोवोकेह ॥ तेकहेस्वामीअमतणो ॥ जमपरेंअरीनेजेह ॥ ९५॥ कालसे
नकलीउंअती ॥ केसरीनोतेकाल ॥ केसरीनामसुणेंकदा ॥ फोकटवलरे

फाल ॥ ए६ ॥ ढाल ॥ शीताहोप्रीयाशीतारामप्रसाती ॥ एदेशी ॥ एकदिन होप्रसूएकदिनसूणितंकांनि ॥ केसरीहोइहांकेसरीआव्योतंद्यानमांजी ॥ एकलोहोतेहएकलोनीकल्योबाहारी ॥ सरघनुंहोलेइसरधनुंपुस्योमानमांजी ॥ ए७ ॥ अंतरेंहोरह्योअंतरेंवननेंसीह ॥ दिठोहोनवीदीठोतिणेंपासेंगयोजी ॥ सीहेंहोकरयोसीहेंपुठिथीघात ॥ लेईहोसीललेईकटारीसाह्मोथयोजी ॥ ए८॥ मारयोहोतेहसीहनेंमारयोताम ॥ मस्तकहोखंमस्तकंखंमत्रोमिहरीजी ॥ चितवेंहोतवचितवेंअमचोस्वामि ॥ निश्चयहोअमेनीश्चयथीजास्यूंमरीजी ॥ ॥ एए ॥ बलस्यूंहोअमेबलस्युंअगनीमांपेसि ॥ नारीहोसूणेंनारीतासगरसंवतीजी ॥ वारीहोपणिवारीनरहेतेह ॥ बलवाहोहवइबलवानेंआवीठतीजी ॥ ॥ १०० ॥ तातनेंहोतसतातनेंतेमवाअम्ह ॥ मुक्याहोतिणेंमुक्यानारीतगारवाजी ॥ थास्येंहोकिमथास्येंअमपतीसूर ॥ शकतीनहोअमशकतीनतेहउगारवाजी ॥ १ ॥ डखीआहोअम्हेदूषीआनहींउपाय ॥ स्त्रीपरेंहोअम्हेंस्त्रीपरेंकेवलरोईइंजी ॥ बोल्याहोतवबोल्याधरणकूमार ॥ नरनुंहोईमनरनुंपत्यसवीषोईइंजी ॥ २ ॥ दाषवोहोमुफदाषवोपल्लीनाथ ॥ जीवेहोकदीजीवेतोजीवामीइंजी ॥ पमीआहोतेहपमीआचरणेंताम ॥ चालोहोप्रसूचालोतूम्हनेंदेषामीइंजी ॥ ३ ॥ जोतूम्हहोप्रसूजोतूम्हअनुंग्रहबुद्धि ॥ तोतूम्हेंहोप्रसूतोतूम्हेंचालोउतावलाजी ॥ रखेहोप्रसूरखेथायवीनाश ॥ उषधोहोमहींउषधीनेंधरयांपावलांजी ॥ ४ ॥ परवस्योहोनीजपुरषेंपरवस्योतेह ॥ वेसरहोवरवेसरअसवारीकरीजी ॥ पोहतोहोतीहांपोहतोदिठोतेह ॥ वननेंहोतलेंवननेंपासेंचयधरीजी ॥ ॥ ५ ॥ रुधीरेंहोतसरुधीरेंसीचीदेह ॥ स्नेहेंहोवलीस्नेहेंनारीतीहांरुइंजी ॥ सबरेहोकहीसबरेंस्वामीनेंवीत ॥ उठवाहोजायउठवातवंसूइंसूइंजी ॥ ६ ॥ धरणेंहोतवधरणेंमाग्यूंनीर ॥ आण्यूंहोजलआण्यूंनलिनीपानमांजी ॥ उषधीहोतिहांउषधीनाषीमांहि ॥ शिरनोहोखंमशिरखंमजोमयोसांनमांजी ॥ ७ ॥ पांणिहोगंठ्युंपांणीगंठ्युंतछ ॥ व्रणनवीहोतवव्रणनवीतिहांदिठोजराजी ॥ महीमाहोतसमहीमाअगमअपार ॥ उठिहोतेहउठीनेंबेठोधराजी ॥ ८ ॥ अ

धीकुंहोथयुंअधीकूंपूर्वथीरूप ॥ घरणीहोवलीघरणीहरषीअतीघणीजी ॥ ला
गोहोहवेलागोपल्लीपतीपाय ॥ साषेहोतूम्हेसाषेजीवीतदीउंमुझसणीजी ॥ए॥
नारीहोप्रसूनारीसगर्भाएह ॥ उगरीहोप्रसूउगरीअमआसाफलीजी ॥करीइंहोह
वइंकरीइंजेकहोतेह ॥ बोलेहोतवबोलेघरणकरीमतीसलीजी ॥ १० ॥ किजे
होदयाकीजेंदयासवीजीव ॥ बोल्योहोतवबोल्योकालसेनआणीमयाजी ॥पा
रधीहोकर्मपारधीनकरुंकाम ॥ जिवुंहोजिहांजिवुंतिहांपालुंदयाजी ॥ ११ ॥
घरणहोकहेघरणकरयुंसवीकाम ॥ इंमकहीहोतेहइंमकहीनीजथानिकगया
जी ॥ नवनवांहोतेहनवनवांकरतांप्रयांण ॥ जातांहोहवेजातांकेइंकदिनथ
याजी ॥ १२ ॥ पोहताहोतेहपोहताआयामुहीगाम ॥ सूषमांहोहवेसूषमां
साथतेउतरयोजी ॥ पाषीनोहोकरयोपाषीनोकरयोउपवास ॥ घरणेंहोनिजध
रणेंआतमउधरयोजी ॥ १३ ॥ तिणेंसमेहोतिहांतिणेंसमेंएकचंडाल ॥ तिषी
होतसतिषीषंधेशूलीधरीजी ॥ गेरुहोतसगेरूइंलीप्योंगात्र ॥ चोरनहोपणिचो
रनचोरग्रह्मोकरीजी ॥ १४ ॥ विरसुंहोवलीविरसूंडिंडिमवाय ॥ जायेहोलेई
जायेंजुवाननेंमारवाजी ॥ देषीहोतेहदेषीमोहटोसाथ ॥ बोलेहोनहीबोलेमुझ
डरववारवाजी ॥ १५ ॥ सुणज्योहोसज्जसुणज्योमहासरगाम ॥ वासीहोनामे
वासीनामेमोरीउंजी ॥ कामेंहोजतांकांमेंकूसस्थलगाम ॥ तलवरेंहोमुझतल
वरेंइणीपरेंघोरीउंजी ॥ १६ ॥ दोषहोमुझदोषनथीइंहांकांय ॥ छोडवोहोमुझ
छोडवोसरणांगतप्रतेंजी ॥ सुणज्योहोवलीसुणज्योएकमुझवात ॥ मरणथीहो
बह्नमरणथीडरववह्नसांप्रतेंजी ॥ १७ ॥ पुरवजहोमुझपुरवजथयानीकलं
क ॥ मेंलूंहोकरयुंमेंलूंकूलमेंमाहरुंजी ॥ छोडवोहोतिणेंछोडवोदिनदयाल ॥ वी
रूदहोकांयवीरूददयानुंताहरूंजी ॥ १८ ॥ सांसलीहोतवसांसलीधरणकूमा
र ॥ चिंतवेंहोचिंतचिंतवेचोरनएहछेजी ॥ वचनेंहोकरीवचनेंजाणंइंम ॥ त
लवरहोकहेतलवरनेंकहेजेहछेजी ॥ १९ ॥ खमज्योहोतूम्हेंखमज्योमुझर्स
मात्र ॥ सूपनेंहोद्रव्यसूपनेंद्रव्यदेइंकरीजी ॥ छोडवुंहोकदीछोडवुंसाग्यजोहोय ॥
तेकहेहोजाउंतेकहेजाउंसीग्रजचरीजी ॥ २० ॥ मालाहोलीइंमालामुक्ताफल

साथ ॥ सहसहोदश्रसहसदीनारनीतेसलीजी ॥ सेटीहोन्टपसेटीनेंकहेवत्तां
त ॥ किधोहोन्टपेंकिधोपसायनरश्रटकलीजी ॥ २१ ॥ श्रावीहोतिहांश्रावी
मुंकाव्योचोर ॥ जिवितहोतुम्हेजिवीतदिधूंश्रुतपरेंजी ॥ साषिहोईमसाषीतल
वरनेंवाणि ॥ पाणनेंहोतेहपाणनेंश्रासासनाकरेजी ॥ २२ ॥ छठेंहोखंमेछठे
चोथीढाल ॥ साषीहोएहसापीश्रतीसोहामणिजी ॥ जाणोहोसवीजाणोदया
लूईम ॥ वाणीहो एहवांणीपद्मविजयतणीजी ॥ २३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ संवलतसदेईसषर ॥ बोलाव्योतेताम ॥ एहश्रवस्थाश्रार्यतूम ॥ मत
होजीयेंमुज्फकाम ॥ २४ ॥ गयोचंमालगुणगावतो ॥ करेप्रयाणकूमार ॥ उ
त्तरापंथश्रचलपुरे ॥ सूखमांपहोतासार ॥ २५ ॥ श्रादरराईश्रापीउ ॥ वेचि
सघलीवस्त ॥ श्रठगुणलासश्रासादिउ ॥ सघलूंकरतोसस्त ॥ २६ ॥ पुण्यउद
यतसपाधरो ॥ चातुरच्यारेमास ॥ करतांकोमिकमाईउ ॥ वाणीज्यतणोवि
लास ॥ २७ ॥ माकंदीपुरमोपनुं ॥ सरीउंतिणेंसंम ॥ साथकरीतेसामटो ॥ चा
ल्योतेजप्रचंम ॥ २८ ॥ प्रतीदिनकरतप्रयाणते ॥ श्रनुचरसाथिश्रपार ॥ का
दंवरीश्रटवीकनें ॥ तंबुकस्यातयार ॥ २९ ॥ ढाल ॥ जाउ २ रेरुठमानाथतू
मस्यूंनहीवोलूं ॥ एदेशी ॥ वपसतमुकेतिणेंवनें ॥ कांयसोरकरेसीश्रालरे ॥
कांयवनसेंसामांहोमांहिलमे॥ कांयवानरदेताफाल॥३०॥सांसलोवातमीश्रां॥
जोज्यो२रेकर्मनीदान ॥ सां० ॥ रीथीचंचलकुंजरकांन ॥ सां० ॥ जेहवुंक
पटीनुंध्यांन ॥ सां० ॥ नरपतीनुंजेहवुंमांन ॥ सां० ॥ एश्रांकणी ॥ सीहना
दकेसरीकरे ॥ वलिकिहांयकगजवरवंदरे ॥ तालतमालचंदनघणा ॥ क्यांहि
वरूवलीमाकंद ॥ ३१ ॥ सां० ॥ श्रजगरफणीधरमणीधरा ॥ कांयसीमश्र
टवीमहाघोररे ॥ त्रणदिनसाथवस्योतिहां ॥ कांयफिरताचिऊंदिशचोर॥३२॥
सा०॥ जलथानिकश्राव्युंयदा॥कांयउतरयातेहनेतीररे ॥ नाहीधोईजीमीश्रा
सऊ ॥ कांयसागीतननीपीर ॥ ३३ ॥ सा० ॥ चोकीमुंकीचीऊंदिशें ॥ कां
यसूतासघलालो करे ॥ चरमजामथयोरातिनो ॥ तवसबरनाश्राव्याथोक ॥
॥ ३४ ॥ सा० ॥ मारि २ करतायका ॥ कांयवरसेतीरश्रपाररे ॥ जाग्यां

सज्जनसाथना ॥ तवजुझेजोधकुमार ॥ ३५ ॥ सा० ॥ मास्याछूसटेंसाथ
नें ॥ कांयनाठासीलतेजायरे ॥ वलिसेलामिलीआवीआ ॥ कांयकरतांवज
जनघाय ॥ ३६ ॥ सा० ॥ सूसटयोमांतेसाथमां ॥ कांयसवरसेनानहीपाररे॥
सेलिपाम्नीनेंलूंटिउ ॥ कांयत्रासवेवजनरनारि ॥३७॥ सा० ॥ वंदिपकड्याके
ईनें ॥ वलिद्रव्यलेईगयातेहरे ॥ पल्लिपतीनेंसूपता ॥ सवीसूक्ष्मवादरजेह ॥
॥ ३८ ॥ सा० ॥ कालसेनपल्लिपती ॥ कांयपुछेवंदिवांनरे ॥ किहांथीसाथ
एआवीउ ॥ वलिकोहनोसाथनिदांन ॥ ३९ ॥ सा० ॥ इणअवसरतिहांउ
लष्यो ॥ भूतसंगमनांमेंतासरे ॥ साथेसछवाहपुत्रनें ॥ तेहआव्योहतोगुण
राशि ॥ ४० ॥ सा० ॥ सीहप्रहारनेंटालवा ॥ कांयसंसारीतेवातरे ॥ पुछेक
हीदीठेहतो ॥ तेकहेनवीजाणंख्यात ॥ ४१ ॥ सा० ॥ कालसेनकहेसांस
लो ॥ मुझप्रांणदीआछंताजेणरे ॥ उत्तरापंथसणीचालतां ॥ पणिनवीजाणुं
नामेंण ॥ ४२ ॥ सा० ॥ तवतूम्हनेंदिठाहता ॥ एगयावरसनीवातरे ॥ जमप
रेंसीहमनेंमल्यो ॥ मुझकिधोहतोप्राणांत ॥ ४३ ॥ सा० ॥ उत्तरापंथजातां
थकां ॥ मुझकिधोतिणेउपगाररे ॥ किमजिवाड्योमुझनें ॥ कांयनलह्योतासं
प्रकार ॥ ४४ ॥ सा० ॥ संसारीसंगमकहे ॥ एसघलीसाचीवाणिरे ॥ कालसे
नतववोलीउ ॥ कहोतेहगयाकिणठाण॥४५॥सा०॥ संगमआंसूरेझतो॥ कहेदे
वनेंपुछेएहरे ॥ पल्लिपतीकहेतेहकीम ॥ तवसंगमवोल्योतेह ॥ ४६ ॥ सा०॥
साथतेजनोजाणज्यो ॥ इहांधाम्निपम्नोअमजामरे॥ दिठासरधनुंलेईनें॥कांय
दोम्नतांसाहमाताम ॥ ४७ ॥सा० ॥ तेहनीषवरिहवेंनही ॥ तेसांसलीपल्लिना
हरे॥ मुर्छालहीधरणीढल्यो॥कांयधरतोदूखअथाह॥४८ ॥सां०॥वलकलवाय
रेंविजतां ॥ कांयचेंतनालाधीजामरे ॥ मास्योकेनविमारीउ ॥ कोईपुछेसवरनें
ताम॥४९॥सां०॥ सवरकहेनवीमारीउ॥पणिएकनेंकिधप्रहाररे ॥ तववंदिजो
यातिणें ॥पणिनलह्योतेहमझारि॥५०॥सां०॥ तेधनसहुएकत्रकरीनें॥ आस्वा
स्योसज्जसाथरे ॥ ब्रणकारयकरेलोकनां॥ तेसाथनापल्लिनाथ॥ ५१ ॥ सा० ॥
दसदिशसवरनेंमोकल्या ॥ कांयषोलवाधरणकूमाररे ॥ आपगयोतसंषोल

वा ॥ कांयधरतोदूखअपार ॥ ५२ ॥ सा० ॥ ढगेखमेंपांचमी ॥ रुषीपन्नवि
जयकहीढालरे ॥ समरादित्यनारासमां ॥ कांयसूणतांमंगलमाल ॥ ५३॥सा॥
॥दुहा॥ नविलाधाकोईथानिकें ॥ आव्योफिरीआवास ॥ सबरआव्यादशोदिशी
थकी॥ सहुईथईनीरास ॥५४॥ शोकलशोकालशेनतव ॥ बोलेईमजबाप ॥दुर
जननेंजोसूखदिइं ॥ सज्जनहोईसंताप ॥ ५५ ॥ पन्नगनेंपयपानजे ॥ तेविष
वृध्दिनुंहेत ॥ दूखदायकहुंदेषज्यो ॥ तिणीपरेंमुरूसंकेत ॥ ५६ ॥ स्यूंबहुबो
लेसहुसूणो ॥ एहप्रतिज्ञाआज ॥ पांचदिवसमांएपुरुष ॥ संपदमेलवुंसाज
॥ ५७ ॥ ईमकरतांजोएनही ॥ मीलेतोकरस्यूंईम ॥ अगनीमांपेसीआपणा ॥
प्राणतजेस्यूंप्रेम॥५८॥ कुलदेवीकादंबरी ॥ अटवीनीआधार॥ दशनरनीबली
देयस्यूं ॥ लहीइंजोएखिगार॥५९॥ढाल॥हरीयांमनलागो ॥ एदेशी॥एहवीमा
नीमानता॥ बहुदिनसंवलदिधरे ॥ कूंअरमतीवंतो॥मोकल्यासबरदिशोदिशों॥
षोलवाकेफितेकीधरे ॥ ६० ॥ कुं० ॥ षोलकरणनेंनीकल्यो ॥ आमणदूमणो
आपरे ॥ कु० ॥ जिम २ तेहजमेंनही ॥ तिम २ धरेसंतापरे ॥ ६१ ॥ कु०
धरणोपणिहवईसाथथी ॥ नागोलढीलेयरे ॥ कु० ॥ द्रव्यमांडषधीवलयढे ॥
पासेंपंथेंएयरे ॥ ६२ ॥ कु० ॥ दिगमुंढचालतांथकां ॥ दिवसरह्योघडीदोय
रे ॥ कु० ॥ सिणिधनिलयगिरीगयो ॥ सयस्थानकबहुहोयरे ॥ ६३ ॥ कु०
हस्तिकलेवरबहुजिहां ॥ सीहकरेसीहनादरे ॥ कु० ॥ दावानललागेघणा ॥
वनसेंसाउनमादरे ॥ ६४ ॥ कु० ॥ अजगरवाघअहिघणा ॥ कात्यायनीह
रेप्राणरे ॥ कु० ॥ थाकेलषमीवाटिमां ॥ वयणप्रस्वेदपीढाणरे ॥ ६५ ॥
कु० ॥ अहो २ माहराकर्मनी ॥ परिणतीविचित्रप्रकाररे ॥ कु० ॥ प्राणप्रि
यादूखईमलहें ॥ चिंतवेधरणकुमाररे ॥ ६६ ॥ कु० ॥ लखमीपणिचितचिं
तवें ॥ डुखपणिएमुरूसूखकरे ॥ कु० ॥ जिहांएआपदपामीउ ॥ धरणलेस्यो
महाडुखकरे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ उदकफलादिकनवीमल्यां ॥ जिणेंहोयलषमीनें
त्राणरे ॥ कु० ॥ सूतांपालवसाथरे ॥ अस्तथयोजवसाणरे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
रातिगईविजेदिनें ॥ दिवसरह्योएकजामरे ॥ कु० ॥ वनढायाहेठलिपडी ॥

मुर्छानोपरीणामरे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ मुछाणीतसचेतना ॥ तालूजीसमूकायरे ॥ कु० ॥ धरणविचारेएहवुं ॥ जिवलोकदूखदायरे ॥ ७० ॥ कु० ॥ प्रांणश्रा पुठ्ठंतेहनें ॥ सज्झकरेकोयएनारिरे ॥ कु० ॥ अंगेतसकरफेरवे ॥ मुंकतो आंसूधाररे ॥ ७१ ॥ कु० ॥ चेतनावलीतवइंमकहे ॥ लागीतरसअपाररे ॥ कु० ॥ जललावुंधीरीथजे ॥ रहेजेइणहिजठाररे ॥ ७२ ॥ कु० ॥ वरूउप रिचढिजोईउं ॥ पणिनवीजलकांहिलद्धरे ॥ कु० ॥ तामउतरीनीजकरतणी ॥ लेइनसातिणेंविद्धरे ॥ ७३ ॥ कु० ॥ तुवरीवनसपतीरसें ॥ किधुंउदकसमान रे ॥ कु० ॥ निजसाथलनुंमांसजे ॥ वनदवेंपचव्युंजामरे ॥ ७४ ॥ कु० ॥ नारीमाटेएसवीकस्युं ॥ नारीवीनानजीवायरे ॥ कु० ॥ उषधीइंव्रणरुझव्यो ॥ श्राव्योनारीनेंठायरे ॥ ७५ ॥ कु० ॥ पाणीपीउंएलावीउं ॥ वनदवमांएसी द्धरे ॥ कु० ॥ शशाकमांसएलावीउं ॥ इंणिपरेंकुंअरेंकीधरे ॥ ७६ ॥ कु० ॥ श्राहारकस्योतिणीइंहवइं ॥ कांयककालगमायरे ॥ कु० ॥ दिनकरनाअनुंमां नथी ॥ उत्तरसनमुखथायरे ॥ ७७ ॥ कु० ॥ पोहताएकसरोवरें ॥ अर्कअस्तं गतथायरे ॥ कु० ॥ नवीपेगंतिणेंनयरमां ॥ जद्धदेउलमांठायरे ॥ ७८ ॥ कु० ॥ पहोररातिगईतवइंमकहे ॥ लठिअलठीअवताररे ॥ कु० ॥ आर्यपुत्रतरसी घणुं ॥ तवबोल्योतेकुमाररे ॥ ७९ ॥ कु० ॥ आणुंउदकनदीथकी ॥ तूंरहेजे सूखसायरे ॥ कु० ॥ घटलेईपाणीलावीउं ॥ लषमीनेंतेपायरे ॥ ८० ॥ कु० ॥ सूतांधरणलठीहवें ॥ रातिचरमएकजामरे ॥ कु० ॥ लठीजागीतिणेंसमे ॥ चित वेमनमांश्रामरे ॥ ८१ ॥ कु० ॥ एहअवस्थापामीउं ॥ मुझवीधीठेअनुंकुलरे ॥ कु० ॥ एहथीअधीकलहेश्रापदा ॥ तोहोयअतीमंजुलरे ॥ ८२ ॥ कु० ॥ ठ ठिठगखंमर्मा ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ कु० ॥ डरजनसजनपटंतरो ॥ सूणज्यो सवीसूवीसालरे ॥ ८३ ॥ कु० ॥ डुहा ॥ इंणअवसरतिहांश्रावीउं ॥ चंमरुद्रए कचोर ॥ रयणसांभलेईरयणीइं ॥ किधुंकर्मकठोर ॥ ८४ ॥ कोटवालकेमेंथयो ॥ नासीनसक्योनेम ॥ देहरामांहिदमवमी ॥ पेठोजीवनप्रेम ॥ ८५ ॥ पेठोदेई बारणां ॥ श्रारद्धकनरश्राय ॥ बइठाबोलेबारणें ॥ अप्रमादीहोसाय ॥ ८६ ॥

सांसल्यूंलहिस्तेसवे ॥ तस्करपगरवतेम ॥ चिंतवेनारीचित्तमां ॥ कारणएहे केम ॥ ८७ ॥ पुठुंजोपुगेकदा॥मनहमनोरथमुझ ॥ तासनीकटगईतेहवे ॥ पुहेईणिपरेंगुझ ॥ ८८ ॥ ढाल ॥ फीणामारुजीनीकरहलमीनीदेशी ॥ नृपकहे नीजपुत्रीसणी ॥ फीटपापिणीहतीआरी ॥ मुखमुंकांयदेषाम्हेहोराजि ॥ एदेशी ॥ लषमीकहेतूंकुंणअहे ॥ बारऐंहालकल्लोलएवम्हेकेहनोथाईहोराज ॥ तेहकहेकेहस्यूंपहे ॥ पणिमुझआपेपाणीमाहरूंकाजसघाईहोराज ॥ ८९ ॥ साकहेजलदेस्यूंअम्हे ॥ कारणमुझनेंसाषोतवतेचितमांचिंतेंहोराजि ॥ कुंसवराबरठीकरी ॥ माहरेजोग्यएदीसेसाषेतेंईणिसांतेहोराजि ॥ ९० ॥ चंमरुद्रकुंचोरतुं ॥ कहुंसंषेपेवातवीस्तारेंनकहाईहोराजि ॥ नृपनोरतनकरंमीउ ॥ चोरीनेंकुंलाव्योतलवरजाणजथाईहोराज ॥ ९१ ॥ तेमुझपुंठेआवीआ ॥ तेह बहुकुंएकषीणशकतीवलीजावाहोराजि ॥ जिवीतनीआसावमी ॥ रयणीएअंधारीआव्योएमुझरावाहोराजि ॥ ९२ ॥ बोलेबाहिरतेनरा ॥ तवलहीमनचिंतेमुझविधीजोअनुकूलहोराजि ॥ तोईहितमुझनीपनुं ॥ ईमचिंतीकहेसूणजेतूझनहीहोईमंगुलहोराजि ॥ ९३ ॥ पांणीनूंस्यूंकांमहे ॥ तुझजीवाडुंमाहरूंवचनकरेजोप्यारेहोराजि ॥ तेकहेदाषिउतावली ॥ साकहेपुरीमाकंदीकार्तिकसेठघनधारेहोराजि ॥ ९४ ॥ नांमेंलषमीकुंतसघूआ ॥ पुरवनेंजीमवेरीघरणेंमुझनेंपरणीहोराजि ॥ मुझअनिष्टसूतोईहां ॥ मुकिंतूंएघनचोरयूंकुंयांजंतूझघरणीहोराज ॥ ९५ ॥ एएहनुंकस्युंपांमस्ये ॥ पुहस्येजोकदीराजातेंहनेउत्तरदेस्यूंहोराज ॥ आमाहरोसत्तारहे ॥ एतोनवीउलषीईमकरीजमसुखदेस्यूंहोराजि ॥ ९६ ॥ चोरकहेसाचूंकह्युं ॥ पणिएपुरीनोवासीमुझउलषेसहुप्राणिहोराजि ॥ साकहेतासउपायस्यो ॥ तस्करकहेचोरगुटीकामाहरीपासवषाणीहोराजि ॥ ९७ ॥ दिठेप्रत्ययजेहनो ॥ चिंतामणिनेंसरिषीआजुंउदकसंजोगेंहोराजि ॥ नविदेषेकोईमुझनें ॥ सहसनयनजोईंदोजोवाआवेंरंगेहोराजि ॥ ९८ ॥ पंघरुद्रसगवाननी ॥ आपीतेहेनरनीवाततेतोकहिईकेहीहोराजि ॥ अलहिजलतसआपीउं ॥ अंजनकीधुंबिहुंईंठांनीराषीदेही

होराजि ॥ ९९ ॥ रतनकरंमकमुंकीउ ॥ धरणनीपासेंतेणेंरहियांतेएकदे
शेंहोराजि ॥ विहाणेंधरणतेउठीउ ॥ कोटवालेतवदिठोरयणकरंभविशेशेंहोरा
जि ॥ २०० ॥ देवकुलमांहिथीकाढिउ ॥ बांधीकीधोआगेंचितेएस्यूंसाइ
होराजि ॥ अथवाविधीप्रतीकुलथी ॥ अमृततेविषहोयगोपयसायरथाइंहोरा
जि ॥ १ ॥ रजुकुष्णसरपहोय ॥ परमाणूंपणिमेरुसूतपणिवयरीथाय
होराज ॥ मुषकविवररसातलं ॥ होयप्रकाशअंधारूसापिणसरिषीमाय
होराजि ॥ २ ॥ खंतीकोहमद्दवमाण ॥ आर्यवमायाथायतोषतेलोभठरायहो
राजि ॥ सत्यतेअलीकसमोवडे ॥ वाघिणसरिषीनारिफाकूंस्यूंकहेवायहो
राजि ॥ ३ ॥ अथवाएहथीनवुठीइं ॥ पणिएपिमाकरतांअर्धीकीमुझनें
सालेहोराजि ॥ नवीदिसेलठीकिहां ॥ सीगतीहोस्येएहनीविरहनलहीकोईका
लेंहोराजि ॥ ४ ॥ अथवारुंडुंएथयुं ॥ एपणिआपदलहेतीजोहोतीमुझसंगे
होराजि॥ अनुंकमेंरायकुलेंलावीआ ॥ अवदारेंनृपनेंविनव्योपकन्योमहा
भूजंगहोराजि ॥ ५ ॥ मायाविवाणीगवेसें ॥ चोरयाधननीसाथेंजेहआणिते
करीइंहोराजी ॥ सूंपोएचंमालनें ॥ कहेज्योनृपनीआणिएहनेंजमघरेंधरी
इंहोराजि ॥ ६ ॥ तिमजकस्युंतेतलवरे ॥ कहेमहत्तरचंमालकेहनोठेआजवा
रोहोराजि ॥ कहेचंमालमोरीआतणो ॥ महत्तरेंतवतेमाव्योआव्योतसकहे
मारोहोराजि ॥ ७ ॥ पहोरदिवसरह्योपाछिलो ॥ जोएहनेंनवीमारोनासी
जाइंकिवारेंहोराजि ॥ नृपनीआणिदूकरधणी ॥ लेईजाउमसाणेंमोरीइं
मान्यूंत्यारेहोराजि ॥ ८ ॥ मोरीउलेईचाल्योतिहां ॥ मुझजिवीतनोदातासद्ध
वाहसूतएहहोराजि॥उलष्योतेहनेंसलीपरें ॥ अहोअहोकर्म्मवीचीत्रएहअव
स्थाकेहहोराजि ॥ ९ ॥ तिहांजईबंधनछोमीआं ॥ चरणेंलागीबोल्योमुझनें
उलषोस्वामीहोराजि ॥ धरणकहेनवीसांसरें ॥ तवधुरथीसवीसाष्युंतूमपरें
झंलस्रोषामीहोराजि ॥ १० ॥ द्रव्यदेईनृपनेंबहु ॥ विणअपराधीमुझनेंछगा
स्योसलीसांतेंहोराजि ॥ धरणकहेएकेतलूं ॥ मोरीउबोलेतामछमलहीएकां
तेंहोराजि ॥ ११ ॥ छगेखंमेंसातमी ॥ पद्मवीजयएसाषोढालअधीकउ

लासेंहोराजि ॥ श्रीसमरादित्यनारासमां ॥ सांसलज्योहवेआगेंमंगलमाला
यास्येहोराजि ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ऽहा॥ आवीकीमएआपदा ॥ मोरीउंकहेमहाराज ॥ पूर्वेदेवनेंसांभलें ॥ कहे
वानुंनहीकाज ॥ १३ ॥ मनमांचिंतेमोरीउं ॥ नहिबोलेएनाथ ॥ कचपचनुं
कामजनही ॥ हमणांबाजीहाथि ॥ १४ ॥ पाणकहेप्रणमीकरी ॥ निश्चयइ
हांथीनास ॥ कालक्षेपकरतांथकां ॥ पमीइंकोइकपास ॥ १५ ॥ धरणकहेथी
रजधरी ॥ मुऊनेंसुखेथीमारि ॥ आणिकरोअवनीपती ॥ दिलमांडखनधा
रि ॥ १६ ॥ पणितूऊकष्टेंप्राणमुऊ ॥ नहिराषुंनीरधार ॥ मोरीउंकहेमुऊप्राण
नी ॥ वातनकांयविचार ॥ १७ ॥ सातपेढिनोसूंसरो ॥ अमचोअवनीपाल ॥
शतअवगुणअमचासहे ॥ कोपेंनहीकोईकाल ॥ १८ ॥ नवीजाइंजेनाथीनें ॥
मरवुंतोमुऊनेंम ॥ सज्जनस्नेहइस्यांहोइ ॥ जलपयमिलीआंजेम ॥ १९ ॥
॥ यतः ॥ क्षीरेणात्मगतोदकायसूगुणादत्तापुरातेखिला॥क्षीरेतापमवेक्ष्यतेनप
यसात्माकृशानौकृतः ॥गंतुपावकमुन्मनस्तदसवदृष्ट्वाचमित्रापदं ॥ युक्तेतेन
जलेनशाम्यतिसतांमैत्रीपुनस्त्वीदृशी॥१ ॥ ऽहा ॥ इंमविचारीआलस्यूं ॥ धर
णकहेसूणिधीर ॥ तूमवयणेंजाउतूरत ॥ पाणकहेगईपीर ॥ २० ॥ पंथदेषा
ड्योपाधरो ॥ प्रणमीधरणनापाय ॥ पाछोवलीउंप्रेमस्यूं ॥ जलदिधरणेजाय॥
॥२१॥ ढाल ॥ सोनानेकेडूंमारुंबेडलूं ॥ मारूजीवाविषोदावि ॥ एदेशी ॥ जा
तांइंणिपरिंचिंतवें ॥ किहांगईमाहरीनारि ॥ लघुनीतीकरवाकामउठिनज
गामीउं ॥ मुऊरागेंरेतिणीवार ॥२२ ॥ मुसीकोईकतस्करें ॥ लेईगयानीरधार॥
बोलीनहीमुऊघातविचारीचित्तमां ॥ रागघणोरेमुऊनारी ॥ २३ ॥ नवीदेषुं
जोनारीनें ॥ तोमुऊअफलसंसार ॥ इंमचिंतवतोतेहजोवालागोहवे ॥ रेऊतो
आंसूरेधार ॥ २४ ॥ रीजुवालिकामांन्हाईउं ॥ इंणअवसरतेहचोर ॥ रिजु
वालीकाइंआवीविचारेइंणिपरिं ॥ नारीएकर्मकठोर ॥ २५ ॥ तुरतगंभ्यो
नीजधवप्रतें ॥ महाआपदमांनाषि ॥ निजकूलनकरयोविचारआविमुऊ
सांप्रति ॥ नवीउंलषतिरेसाषि ॥२६॥ एहनीसंगिऊंरही॥जिवुंकेतोकाल ॥ ऽर

गतीद्वारएनारीअनर्थनीषांणिछे ॥ सापएसमवीकराल ॥ २७ ॥ चंचलच पलानीपरें ॥ मुखिमीठीअसराल ॥ एहनाचरीत्रनोपारनलहीइंपमीते ॥ जीम तीमबोलेरेआल ॥ २८ ॥ यतः ॥ सवईउ ॥ छिनुंमेंहसतीछिनुमेरुदतीछिनुमें बहुबोलकटुकसहे ॥ छिनुमेंअतिरंगविरंगछिनुं ॥ छिनुंमेंदृगनीरसूआयरहे ॥ छिनुंमेंकटुवातसहेअपनी ॥ छिनुंमेमधुरोपणिनांहीसहे ॥ कवीपद्मकहेजग दिसविनात्रियकीकरनीकहोकोंनलहे ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तिणेंएनारियकी सखुं ॥ जिणीवातेंजाइंप्रांण ॥ अंगआसूषणलेईगयोतसछोमीनें ॥ शुद्ध विचारीरेजाण ॥ २९ ॥ लछीविचारेंएहवुं ॥ रुमीथईएहवात ॥ धरणमुउरिपू मुफजाउंअन्यस्थलें ॥ रहेस्यूंरेहवेसूखआत ॥ ३० ॥ कांठइंचालतांए हवें ॥ दिठीधरणकूमार ॥ रोमरायउल्लासकरीनेंपुछतो ॥ किमरेमिलीतूंनारि ॥ ॥ ३१ ॥ तवरोवालागीघणुं ॥ धरणकहेएसंसार ॥ आपदसाजनजाणिनरो ईइंइणिपरि ॥ आपदगईइंणवार ॥ ३२ ॥ तूफमिलीउढुंधन्यथयो ॥ तवबोली तेहवाम ॥ पकमीतसकरेंमुफढुंउठीलघुनीती ॥ करवाकेरेरेकांम ॥ ३३ ॥ सिलसंगकरवातिणें ॥ क्रिधाघणारेप्रकार ॥ म्हेंनवीमान्यूंतेहगयोमुफमु सीनें ॥ बलथीकिमरेलेनारि ॥ ३४ ॥ चोरकदर्थनाथीमुंनें ॥ उपनुंदूखअपा र ॥ जेतूम्हदिठाइंमअवस्थादूखकरी ॥ सूणिचिंतेरेकूमार ॥ ३५ ॥ म्हें चिंतांचितव्युंतिमथयुं ॥ कहेनारीनेंरेइंम ॥ फिकरनकरीइंकांयचालोतूम्हेत बलछी ॥ चिंतेरेथईगयुंकेम ॥ ३६ ॥ आव्योकृतांतनामुखथकी ॥ पापनीप रणतीएह ॥ गयांविचारपुरगामसूरजतवआथम्यो ॥ रयणिरेगईपणितेह ॥ ॥ ३७॥ नविरहेवुंइंणथानिकें ॥ जईइंदंतपूरगाम ॥ तिहांमुफमाउलगेहमुंकी तूफनेंपछेंकरस्यूंरेकांयककाम ॥ ३८ ॥ मान्यूंलछिइंतवजवा॥मोम्युंदंतपुरें दोय ॥ इंणअवसरहवेवातपह्लिपतीनीसूणो ॥ जोज्योरेकिणीपरेंहोय ॥ ॥ ३९ ॥ सारथवाहसूतनवीजम्यो ॥ चितउपनोरेसंताप ॥ निजनरनेंतेहसा थेसल्लावीसलीपरें ॥ इंणिपरेंकरेरेआलाप ॥ ४० ॥ एहनामाबापनेंतूम्हे ॥ पोहचावज्योधरिषांति ॥ हवईचिंतेइंमचित्तकादंबरीदेवीतेह ॥ मान्युंछेरे

जेएकांत ॥ ४१ ॥ कामथयुंनहिपणिदेवी ॥ बलितेदेवीनेंकाज ॥ तेहप्रति
क्षाकिधतेकरस्यूंतवपछें ॥ मांझ्योतेहनोरेसाज ॥ ४२ ॥ ऊगेरवंमेंआगमी
पद्मवीजयकहीढाल ॥ सज्ञानकृतगुंणजाण होइंजुउएहवा ॥ होस्येरेमंग
लमाल ॥ ४३ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ पुरुषबलीनेंपाठव्या ॥ कादंबरीनीकीध ॥ पुजाविविधप्रकारनी ॥
आडंबरथीइध्र ॥ ४४ ॥ स्नानकरयुंसरीतातटें ॥ वलकलपहेंर्यांवास ॥ कण
वीरमालकरीसीरें ॥ चयविरचावेषास ॥ ४५ ॥ चंडीकादेहरेतेचल्यो ॥ ध
रतोधरणनुंध्यांन ॥ इंणिअवसरिंतेअटवीइं ॥ जातोधरणसूजाण ॥ ४६ ॥
सबरेंदीठसूरोदइं ॥ लहिधरणनेंल्हारि ॥ बांधीसबरेंतेविहूं ॥ आण्यातेहउदा
र ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ दक्षिणदोहिलोहोराजि ॥ एदेशी ॥ आवइंजेतेहोराजि ॥
देषेतेतेहोराजि ॥ तेहनेंरवेतेरे ॥ रक्तेंरुधीरत्रिशूलकरयां ॥ समीआपमीआहो
राजि ॥ रक्तेघमीआंहोराजि ॥ उदेहीजमीआंरे ॥ शिषरमांसर्पजुगलध
र्यां ॥ ४८ ॥ जिववधथायहोराजि ॥ रुधीरसींचायहोराजि ॥ नृपतीपा
यरोयहसूतजरूराषसघणा ॥ आधोजायहोराजि ॥ देषेतिहांयहोराजि ॥ स
बसमुंदायरेकोटबणायोनहीमणां ॥ ४९ ॥ मस्तकमालाहोराजि ॥ धमक्कि
रालाहोराजि ॥ तोरणआलारेकीधीतिहांबीहामणी ॥ गजवरदंनाहोराजि ॥
दिसेमहंताहोराजि ॥ महासयदंतारे ॥ हामचामडरगंधघणी ॥ ५० ॥ सक्र
जुवानहोराजि ॥ रह्मातिऐंथानहोराजि ॥ खङ्गलेईपाणिरे ॥ सिलमीरोवेडखध
री ॥ नरनेंकपालेंहोराजि ॥ दिपेविशालहोराजि ॥ तिहांततकालरे ॥ मंगलदिप
श्रेणीकरी ॥ ५१ ॥ चामरलटकेहोराजि ॥ पुंछमेंझटकेहोराजि ॥ किधासट
केरेगजमुक्ताफलसाथीआ ॥ गुगलगंधहोराजि ॥ होयसंबंधहोराजि ॥ मदवरगंध
रेदिशेफिरताहाथीआ ॥ ५२ ॥ खङ्गकोदंमहोराजि ॥ करधरयोपंटहोराजि ॥
पुंछमहीषखंमरे ॥ ओसिकात्यायनीकरे ॥ देखवीचारेहोराजि ॥ धरणतिवारें
होराजि ॥ सीहनीवारेरे ॥ बलीउकोईकतत्परें ॥ ५३ ॥ पणिपुन्यपापहोरा
जि ॥ जेहईछापहोराजि ॥ तससंतापरे ॥ टालिआकिइंकिणींपरें ॥ इंणिपरें

करतांहोराजि ॥ जईनेंघरताहोराजि ॥ जिहांयरयरतारे ॥ नरसमुदायघरथा घरे ॥ ५४ ॥ पाइलागीहोराजि ॥ कालशेनसागीहोराजि ॥ कुमरनोरागीरे आवीगदगदउचरे ॥ मेलव्योनमुजनेंहोराजि ॥ स्यूंकऊंतूजनेंहोराजि ॥ पणि इंमबुजीनेंरे ॥ जनमांतरेंहवेंमतकरे ॥ ५५ ॥ मेंडखदिधुंहोराजि ॥ अवलूंकिधुं होराजि ॥ तेडखसीधुंरे ॥ जाणेंतूंहीकात्यायनी ॥ चितिचंगहोराजि ॥ नाम कुरंगहोराजि ॥ बोलावेंसंगरे ॥ लावोवलिसुत्तायनी ॥५६॥ डग्गिलनामेंहोरा जि ॥ कासिदठामेंहोराजि ॥ काढ्योतामेंरे ॥ पकमीकेत्रमाथातणा ॥ यर २ धुजेहोराजि ॥ कांयनसूजेहोराजि ॥ रतांजणीपुजेरे ॥ काढिषफगपल्लिपती तण्या ॥ ५७ ॥ लोकएजोयहोराजि ॥ मनमांजेहोयहोराजि ॥ मागजेंको यरे ॥ जिवितविणतूजदिजीइं ॥ तयथीतेहहोराजि ॥ बोल्योनरेहहोराजि ॥ फिरीनेंएहरेबोलाव्योनविबोलीजीइं ॥५८॥पल्लिनाहहोराज ॥ चितसूंराहहोरा जि ॥ मननोलाहरे ॥ पुरयाविणकिममारीइं ॥ चितेघरणेहोराजि ॥ अंतेमर णेहोराजि ॥ उपगारकरणेरे ॥ ऋणइकमात्रउगारीइं ॥ ५९ ॥ चितीकुरंगहो राजि ॥ बोलाव्योरंगहोराजि ॥ जईनेंशंगरे ॥ तुम्हस्वामीनेंवीनवो ॥ एहनें ममारोहोराजि॥तयथीतारोहोराजि॥मुजअवधारोरे॥वातआपरमुजनेंरीजवो ॥६०॥परदूखनजरेंहोराजि॥देषीसूपरेंहोराजि॥खमीइंकिणिपरेंरे॥मारोआग लथीमुजनें ॥ पल्लिपतिनयणहोराजि॥जलसरीवयणहोराज॥ बोलेसयणरेकु णएहवुंकहेगुजने ॥ ६१॥ मुर्छानमीउहोराजि ॥ घरणीपमीउंहोराजि॥चेतन जमीउरे ॥ तवइणिपरेंबोलावतो ॥ जुउतिहांजाईहोराजि ॥ मनमांलाईहोरा जि ॥ कूणएत्ताईसहवाहसूतपरेंचालतो ॥ ६२ ॥ जुईतेठारहोराजि ॥ जइ किशोरहोराज॥कोईनउंररेतेहजनरएइंमकहे॥पोतेनीरषेहोराजी ॥ तवतेहर षेहोराजी॥ठेमेपरषीरेबंधनतेहनांगहगहे॥६३॥प्रणमेंचरणहोराजि॥सांसलो घरणहोराजी ॥ ताहरूंशरणरे ॥खमिअपराधतूंमाहरो ॥घरणतेसाषेहोराजि॥ अपराधआषेंहोराजि॥एकसरापेरदोषनहिठेताहरो॥६४॥किधुंकामहोराजि॥ अपराधठामहोराजि ॥पल्लिपतीतामरे ॥कहेस्यूंकांमकर्युंअमें ॥नयरनविमा

स्योहोराजि॥मुझवचधास्योहोराजि॥कामसूधास्योरे॥मुझमनोरथपुरतांतमे॥
॥६५॥ पल्लिपतीचिंतेहोराजि॥उलखेनतंतेहोराजि॥स्यनीभांतेरेबोलेछेएइंणिप
रें॥पुछेतासहोराजि॥साषितूंलासहोराजि॥मरणअत्यासरेस्याडखथीतूंआदरे
॥६६॥ कहेकुमारहोराजि ॥ वातविस्तारहोराजि ॥ स्योअधीकाररे॥ कामक
रोतूम्हेनिजतणुं ॥ कालसेनजाणिहोराजि ॥ करेउलषाणहोराजि ॥ कृतगुण
हाणिरेकरनारोऊंअतीघणुं ॥ ६७ ॥ तुम्हेजिवाम्योहोराजि ॥ तुझविण
साम्योहोराजि ॥ डखथीकाढ्योरेनागवालपरेंमुझनें ॥ ऊंमहापापीहोराजि॥
तुझसंतापीहोराजि ॥ इमविलापीरेकृतघ्नअशेषरऊंथयोतुझनें ॥६८॥ कुंअरजा
णीहोराजिलाजतेआणीहोराजि ॥ कहेमुषवाणीरे ॥ जिव्यानीजपुन्येंकरी ॥
छेरेशालहोराज ॥ स्वंमेंविशालहोराजि ॥ नवमीढालरेपद्मविजयपुरीकरी ॥
॥ ६९ ॥ डहा ॥ कृतघ्नकिमतुझनेंकहुं ॥ सज्जनमांसीरदार ॥ अज्ञा
नेंकरीइंणिपरिं ॥ पश्चात्तापप्रकार ॥ ७० ॥ पणितेस्यूंभारंतीउ॥ एहकहोअ
वदात ॥ पल्लिपतीतवकहेपछे ॥ वारुधुरथीवात ॥ ७१ ॥ सारथवाहसूतसांस
ली ॥ अहोथीरस्नेहअपार ॥ कृतज्ञताकऊंकेतली ॥ वर्णवइंवारंवार ॥ ७२ ॥
पणिसांसलोपल्लिपती ॥ देउतूझउपदेश ॥ पूजोदेवगुरुप्रतें ॥ बलिपुष्पादिक
बेश ॥ ७३ ॥ ढाल ॥ बेबेमुनीवरविहरणपांगस्यांजी ॥ एदेशी ॥ धर्मनहोइं
जीवहण्यायकीजी ॥ जलथकीअनलनहोयरे ॥ गायनाशृंगथीदूधनसंसवे
जी ॥ विषथकीअमृतकिमजोयरे ॥ ७४ ॥ धर्म ॥ यतः ॥ सकमलवनमग्ने
र्वासरंसास्यदस्ताद ॥मृतमुरगवक्रात्साधुवादंविवादात् ॥ रुगपगममजीर्णात्
जिवितंकालकूटात् ॥ असिलखतिवधात्यःप्राणिनांधर्ममिछेत् ॥ १ ॥ पूर्व
ढाल ॥ नरगेंतेपोहचेजिवहिंसाथकीजी ॥ तिणेंएपापथकीरहोडररे ॥ महिष
नेमेषप्रमुखहणतांथकांजी ॥ पापेंपिंझतेहोवेपुररे ॥ ७५ ॥ धर्म० ॥ कहेका
लसेननकरस्यूंएहवुंजी ॥ अन्नमलस्येंअमनेंजामरे ॥ तोअमेअन्नविनाले
स्यूंनहीजी ॥ इंणअटवीमेंआव्याकेरुंनामरे ॥७६॥ धर्म० ॥ जिवनीहिंसाजी
वुंतिहांलगेंजी ॥ नहिकरुंतूमकेरेउपगाररे ॥ फूलबलीगंधचंदनस्यूंदेवताजी॥

पुजीनेंकीधोअतीसतकाररे ॥ ७७ ॥ धर्म० ॥ बंदिसहिततेधरणनेंलावीउजी॥ निजघरिकीधोउचितआहाररे ॥ लोजनकीधांमननेंलावतांजी ॥ लूख्योहतो जेद्रव्यअपाररे ॥७८॥ध०॥ तेसवीलावीनेंद्रव्यनोढगकस्योजी॥गजकुंलमुक्ता फलश्रीकाररे ॥ गजवरदंतनेंचामरआपीआंजी ॥ लिधोतेसघलोनिजसंसारि रे॥७९॥ध०॥ बंदिनेंकांयकदेईविसर्जिआजी॥आमहथीरहीआकेश्कदिन्नरे॥ आणिलहीनेंनिजनगरेंगयाजी ॥ जाणेंमावीत्रनेंवलीमहाजन्नरे ॥८०॥ ध०॥ हर्षधरीनेंसाहमाआवीआंजी ॥ सांमनामुलनीसंख्याकिधरे ॥ कोमीसवाधन नीसंख्याथईजी ॥ मननामनोरथसघलासीध्दरे ॥ ८१ ॥ धर्म० ॥ देवनंदिए कपखवपऊंआवीउजी ॥ साहमाजईजोयुंतेहनुंसंमरे॥ कोमीअरधधनतेहनुंनी पनुंजी ॥ मनमांतिखेदलह्योपरचंमरे ॥ ८२ ॥ धर्म० ॥ सांमनुंमुलतेआप्युंमु लगुंजी ॥ शेषधनेंकरेदाननेपुन्यरे ॥ मदनतेरसीआवीइणअवसारिजी ॥ आ वीमहांततेन्याइंपुन्नरे ॥८३॥धर्म०॥ कहेरथतूमचोकाढोआगलेंजी ॥ धरण कहेएकीमाबालरे ॥ कुणकरेंतेसुणीपरसंसीउजी॥ इमकरतांवितोकेईककाल रे ॥ ८४ ॥ धर्म० ॥ कोमीसवातेंप्राइंसरचिआजी ॥ करतांतेपरनेंबहुउपगा ररे ॥ चिंतेमनमांत्रणिवर्गसाध्यावीनाजी ॥ जाइंअफलअवताररे ॥ ८५ ॥ धर्म० ॥ तेहमांपणिग्रहीनेंअर्थतेमुख्यछेजी॥जेहथीसधाइंधर्मनेंकांमरे ॥ रू पवऊमानसोलाग्यतेअर्थछेजी ॥ द्रव्येंहोइंसवीपरनुंकांमरे ॥ ८६ ॥ धर्म० ॥ यतः ॥ वयोवृद्धास्तपोवृद्धा ॥ येचवृद्धाःबहुश्रुताः ॥ सर्वेतेधनवृद्धस्य ॥ द्वारे तिष्टंतिकिंकराः ॥ १ ॥ बुभुक्षितैर्व्याकरणंनभुज्यते ॥ पिपासितैःकाव्यरसो नपीयते ॥ नछंदसाकेनचिदुधृतंकुलं ॥ हिरण्यमेवार्जयनिष्फलाकला ॥ २ ॥ ॥ पूर्वढाल ॥ तेपणितातनीमातपरेंनहीजी ॥ मुफनेंलोगववीकिणहीरीतीरे ॥ मातपीतानीआणाथीहवेजी ॥ चाल्योबहुसाथलेईसुलनितीरे ॥ ८७॥धर्म०॥ लषमीपणिसाथिलेईनेंआविउजी ॥ सायरकांठेंनगरीनामरे ॥ रुमीवैजयंतीन रपतीनेंमल्योजी ॥ दिधुंबहुमाननेंआप्युंगांमरे ॥ ८८ ॥ धर्म० ॥ लासतथा विधनथयोचिंतवेंजी ॥ जाउंपरतिरेंपामुंरीधरे ॥ व्याजकरीनेंकिरियाणां

सस्यांजी ॥ लगनमुहूर्त्तजोईपरसीहूरे ॥ ८९ ॥ धर्म० ॥ सायरकांठेंआवीपू जीउंजी ॥ दिधांबहुअरथीजननेंदानरे ॥ देवगुरुप्रणमीबेठाक्याजमांजी ॥ उपाक्यांनांगरजलअसमांनरे ॥ ९० ॥ धर्म० ॥ पुस्यांतेसिढनेंवाहणचाली आंजी ॥ उठेतेरखंभेंदआमीढालरे ॥ पद्मविजयकहेचिनद्वीपेंजवाजी ॥ धरणे जीचित्तमांअतीउजमालरे ॥ ९१ ॥ धर्म० ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ वाहणतीरवेगेंवहे ॥ केईकदिनअतिक्रांत ॥ मध्याकेमारुतघणो ॥ इकदिनअतिउद्भ्रांत ॥ ९२ ॥ गाजेसायरगजपरें ॥ संकेल्यासढताम ॥ जि वितनोआशाजथा ॥ नांगरमुंक्यानाम ॥ ९३ ॥ अथफातूंतेअनुंक्रमें ॥ वाह णलागुंवेग ॥ आउसंबंधईअनुंक्रमें ॥ आव्युंफलगतेएग ॥ ९४ ॥ तिणेंकरी एकअहोरातिमां ॥ पोहतोसोवनदिव ॥ मनचिंतेमुझमानिनी ॥ डखदिउंहा देव ॥९५॥ परिजनपणपरहोगयो ॥ करीविलापतिणेंकाल ॥ कदलीफलकेरो करे ॥ रुमोआहाररसाल ॥ ९६ ॥ ढाल ॥ प्रणमीसदगुरुपाय ॥ गायस्यूंरा जिमतीसतिजी ॥एदेशी॥ सूरजआथम्योजाम ॥ पल्लवसाथरोपाथरीजी ॥ ता हिउमावणकाजि ॥ अरणीथीअगनीपेदाकरीजी ॥९७॥ प्रणमीश्रीगुरुनेंदेव॥ सूतोनेंप्रातसमयथयोजी ॥ जाग्योजामप्रसात ॥ सूरयरायजवजगजयोजी ॥ ९८॥ अगनीफरसीतसूमि ॥ दिठिकनकमयीथईजी॥ देषिचिंतेईम ॥ धातु पेअएमुसमईजी ॥ ९९॥ किधीईंटयोताम ॥ धरणनामअंकितकरीजी ॥ कि धासंपुटथाई॥ कनककस्युंअग्नीमांधरीजी ॥ २०० ॥ कस्यांदससहससंपु ट॥ सिन्नपोतध्वजबांधीउंजी ॥ चिनयकीएकजीहाज ॥ पुन्येंलावीसांधीउ जी ॥ १ ॥ सूवचनसारथवाह॥सांझअसारतिहांसस्यांजी ॥ कोईकद्वीपथीपां मि ॥ लहीस्यूंदेवपुरेंसंचस्यांजी ॥ २ ॥ आव्याजवतिणेंगांम ॥ सिन्नपोत ध्वजनीरषीउंजी ॥ मुंक्यांनांगरताम ॥ मुंक्यानिजांमकहरषीउंजी ॥ ३ ॥ दीठाधरणकुमार ॥ वातसूणावेतेहनेंजी ॥ सूवचनसारथवाह ॥ नांमेंदयाव हुएहनेंजी ॥ ४ ॥ चिनद्वीपजसवास ॥ देवपुरजावामनकरेंजी ॥ तुम्हकहे वरावेंइम ॥ आवोतोक्याजमाहिधरेजी ॥ ५ ॥ बोल्यातामकुमार ॥ सांभल

रुयुंस्यूंएहमांजी ॥ निर्जामककहेतांम ॥ द्रव्यथाकतीनहीतेंहमांजी ॥ ६ ॥
विधीवसेंययोनिरद्रव्य ॥ पणिव्यवसायनठंमीउंजी ॥ तादृशतोनहीसांम ॥ ध
रणकहेतवमंमीउंजी ॥ ७ ॥ एकनीइंगजोहोय ॥ एतलीतूमीआवोअहींजी॥
तेमीलाव्योतेह ॥ धरणकहेकोपस्योनहीजी ॥ ८ ॥ कांयककारणपांमि ॥
पुत्रतुम्हनेंइंणिपरेंजी ॥ क्याजमांकेतलोद्रव्य ॥ लाषोमुकनेंसुसपरेंजी ॥ ९ ॥
तवतेबोल्यालाय ॥ कर्मनीवातमाहरीसूणोजी ॥ द्रव्यगयोमुकसर्व ॥ पणिउ
द्यमकरूंदूगगुणोजी ॥ १० ॥ सोवनठंकहजार ॥ लेईनेंसांमठ्ठंआवीउंजी ॥
धरणकहेसूणोवात ॥ हुंतुम्हनेंसलेंपावीउंजी ॥ ११ ॥ काढीनांषोसांम ॥
सोवनयीवाहणसरोजी ॥ पोहचीस्युंजवतिर ॥ लाषद्रव्यदेस्युंपरोजी ॥ १२ ॥
कहेसूवचनतवसेठ ॥ सारकिस्योसोवनतणोजी ॥ तूंबझमांनठेमुक ॥ सय
लकरूंजेमुखिसणोजी ॥ १३ ॥ काढिनांष्युंसांम ॥ वाहणकनकगणीसस्युं
जी ॥ बेठेवाहणजाम ॥ तवलठीदरसणकस्युंजी ॥ १४ ॥ हरष्योचितमझा
रि ॥ दूसाणीलषमीघणीजी ॥ एठेमाहरीनारी ॥ धरणकहेसूवचनसणीजी ॥
॥ १५ ॥ आणंद्योतवसेठ ॥ वाहणचालेअनुंक्रमेंजी ॥ पंचजोजनगयाजा
म ॥ एकअचरीजहोयतिणसमेजी ॥ १६ ॥ सुवर्णद्वीपनीस्वामि ॥ सुवर्ण
नामावाणमंतरीजी ॥ कंपावेतेसमुद्द ॥ मानुंअकालनीवीजरीजी ॥ १७ ॥
रेरेसारथवाह ॥ कांयउपचारकरयोनहीजी ॥ मुकआणविणएह ॥ कनक
लेईजाईसकहीजी ॥ १८ ॥ धरीउंतेणीइंजिहाज ॥ निर्जामकनेंइमकहेजी ॥
बलियोपुरुषनीमुक ॥ तेविणद्रव्यएकुणलहेजी ॥ १९ ॥ अथवामाहूंहाथि॥
धरणवीचारेइमसूणीजी ॥ नांषोदेवाम्योद्रव्य ॥ लषमीमुकआपीगुणीजी ॥
॥ २० ॥ उपगारीमुकएह ॥ देवितोइंणिपरेंसणेंजी ॥ बलियाउंझंआज ॥ प्रा
णआअवशरकुंणगणेंजी ॥ २१ ॥ देविनेंकहेवांणि ॥ एहअजाणपणेंथयुं
जी ॥ प्रसन्नथईस्योमुक ॥ बलितूमेकांयनवीगयुंजी ॥ २२ ॥ देविबोलेताम॥
सायरमांझंपाडिउंजी ॥ लषमीचिंतेइंम ॥ देविइंमुकअनुंमहकिउंजी ॥ २३॥
सारथवाहनेंइंम ॥ लछिलावीइंमकहेजी ॥ सूंपज्योअममायताय॥ इमकरी

सायरमांवहेजी ॥ २४ ॥ विंध्योनामत्रिसूल ॥ देवीसोवनद्वीपेंलावतीजी ॥
देवीयश्उपशांत ॥ वाहणनेनवीबोलावतीजी ॥ २५ ॥ वाहणचाल्यांजाय ॥
हेमकूंमलईणअवसरेंजी ॥ रयणद्वीपेतेंजाय ॥ दिठोनेंउलप्योसलीपरेंजी ॥
॥ २६ ॥ देविपरीचीतनास ॥ मागीउषधीईसजकरयोजी ॥ पुण्यप्रमाणेंनाम ॥
जिवितशेसेंआयुधरयोजी ॥ २७ ॥ यतः ॥ वनेरणेशत्रुजलाग्निमध्ये ॥ महा
र्णवेपर्वतमस्तकेवा ॥ सुप्तंप्रमत्तंविषमस्थितंवा ॥ रक्षंतिपुण्यानिपुराकृतानि ॥
॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ अग्यारमीएढाल ॥ उठेखंडेसोहामणीजी ॥ समरादित्यनें
रास ॥ पद्मवीजयसावेंसणीजी ॥ २८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ दुहा ॥ हेमकुंमलउलप्योहवे ॥ पुछेधरणपवित्त ॥ सिरीविजयसंबंधकहो ॥
तवकहेतेहत्वरित ॥ २९ ॥ जिवाड्योम्हेंतिहांजई ॥ सूणीधरणसंतूष्ट ॥ धर
णलेईवीद्याधरो ॥ गुणसंसारीगरीष्ट ॥ ३० ॥ रयणसाररलिआमणो ॥ द्विपअती
उद्दाम ॥ रतनगीरीअतीरुअडो ॥ नानाविधतरूनाम ॥ ३१ ॥ विद्याधरकि
न्नाविषे ॥ तत्परतरूणीगीत ॥ सूरलीवासनादसदिसें ॥ आवेपणनहिंश्त ॥
॥३२॥ सरोवरतिरेंसूहंकरु ॥ हंसादिकनीहारि ॥ वृक्षश्रेणीवारूपरें ॥ शोभेअती
श्रीकार ॥ ३३ ॥ वाविकांठेंक्रूणविसम्या ॥ संपहेफलसहकार ॥ वाविमां
नाहिंवाचरे ॥ पुछेवातप्रकार ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ एढिमीकिहांराषिरे ॥ एदेशी ॥
हेमकुंमलपुछेधरणनें ॥ किमतूमनेंमलीएह ॥ तवधुरथीमांमीतेसघली ॥ वा
तकहीहतीजेहरे ॥ ३५ ॥ प्राणीपुन्यतणांफलजोज्यो ॥ दुरजनसज्जनदोयप
इंतर ॥ अर्कमेरुसमहोज्योरे ॥ प्राणी ॥ अहो २ दूष्टताव्यंतरीकेरी ॥ किधुं
मोहदुंअकाज ॥ हवेतूम्हेकहोतेकरीईतवकहे ॥ किधुंसघलूंकाजरे ॥ ३६ ॥
॥ प्रा० ॥ पणिमुझजायादुखणीहोस्ये ॥ किजेंताससंजोग ॥ हेमकुंमलमन
मांहिविचारे ॥ रयणतणोकरूंसोगरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ हेमकुंमलकहेमेलवुं
रमणी ॥ पणिएकसांभलोवात ॥ रतनगीरीनामेंइहांपरवत ॥ सूलोचनसूर
ख्यातरे ॥ ३८ ॥ प्रा० ॥ किन्नरतेमुझमीत्रवखाण्यो ॥ तेहनेंमिलवुंमाहरे ॥
तुम्हनेंदेवपुरेंपठेमुंकीस ॥ मिलस्येनारीतीहारेरे ॥ ३९ ॥ प्रा० ॥ धरणकहे

जिमतूममनजाणो॥तवतेघरणनेंलेई॥पहोतोरयणगीरीतससोल॥ वर्णवीइंकहो केइरे॥४०॥प्रा०॥ तिलकसमानरतनगीरीउपरिं॥ रुचिरसवनअतिदिपे॥ गोष सीत्तिप्राकारनीशोभा॥सूरविमाननेंजीपेरे ॥४१॥प्रा०॥ उलोथईनेंआदरदिधो॥ किधोउचितउपचार॥ किहांथीआव्यानेंएकुंणछे ॥ कहोवलीहेतूविचाररे॥ ॥४२॥प्रा०॥ आशयनीजविद्याधरसाथे ॥ रयणअपाववाआव्यो॥ हर पीतथईतेसांसलीराव्यो ॥ केईकदिनमनसाव्योरे॥ प्रा० ॥ ४३ ॥ रयणलेईनें घरणनेंलाव्यो॥ देवपुरनयरनेंबारी ॥ रतनआपीनेंइंणिपरेंसाषे ॥ सोधज्येइं हांनिजनारीरे ॥ ४४ ॥प्रा०॥ हेमकुंम्भलनीजथानीकपोहतो ॥ घरणगयापुर मांहि ॥ टोपसेठहवेंदेषेतेहनें ॥ मनमांलहेउछाहरे ॥ ४५ ॥ प्रा० ॥ अहो आकारअपुरवदिशे ॥ एकाकीकिमएह॥सूखआतापुछिघरिलाव्यो॥ सेठकहे हवेतेहरे ॥ ४६ ॥ प्रा० ॥ किहांथीआव्यातूम्हेंइंणनयरें॥ नवतेधरणेंसाष्यो॥ माकंदीनिकल्याथीमांडी ॥ देवपुरपर्यंतदाष्योरे ॥ ४७ ॥ प्रा० ॥ रतनसेठनें रापवाआप्यां ॥ राषज्योगोपवीएह ॥ वाहणनीहवेवातसूणेज्यो ॥ घरणप म्यापछीजेहरे ॥ ४८ ॥ प्रा० ॥ आसासनालषमीनेंकरतो॥ सूवचनसारथवा ह ॥ एसंआरअसारछेसूंदरी ॥ सहुनेंएहजराहरे ॥४९॥ प्रा०॥ जिहांसंजोग वियोगत्यांदिशे ॥ पेदमकरस्योनारी॥ ताहरीआधिगईनहीएहमां ॥ जाणजे गईछेमाहरीरे ॥५०॥प्रा०॥ एलषमीतूंलषमीविहुंनें ॥पोचाडुंतूंमगेह॥तवनयनें आंसूंसरीबोली॥लषमीमायागेहरे॥५१॥प्रा०॥तुंमजिवतांमुझनेंसीचिंता॥ एक दिनसेठविचारो॥एहअन्यनेंसूंदरीसुंदर ॥हाथिआवीकुंणहाररे॥ ५२ ॥प्रा०॥ते हतोमरणतपश्वीपांम्यो ॥ एहनुंमनमुझसाथें॥ कुंणमुरखकरआव्युंगंमे॥ चि त्तकरुंमुझहाथेंरे ॥ ५३ ॥ प्रा० ॥ हास्यकरंतानीजवशाकीधी ॥ लंपटनेंसी वार ॥ घरणीकरीनेंरापीघरमां ॥ घनपणिराष्युंआररे ॥ ५४ ॥ प्रा० ॥ केई कदिनपोहतूंअनुंकरमें ॥ देवपुरेंतेजिहाज ॥ सेटफललेईराजानेंभिलिउ ॥ तूठो तेनरराजरे ॥ ५५॥ प्रा०॥ तेहनुंदाणमुंक्युंनरराइं ॥ पोहतोजीहाजमझारि ॥ अेरवमेंबारमीढालें ॥ पद्मकहेअधीकाररे ॥ ५६ ॥ प्रा०॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ चिनयीआव्युंचालतूं ॥ जिहाजएसांसल्यूंजांम ॥ निकल्योघरणीते नीरखवा॥दोयजणदिठांतांम ॥ ५७ ॥ हरष्योहैयमेहेजस्यूं ॥ दूलाणनेदोय॥ पणिआसनदेइपुछिउं ॥ पूर्ववृत्तांतपलोय ॥ ५८ ॥ संभलाव्योतिणेंसामठो ॥ सूवचनचितेसेठ ॥ अहो २ कर्मनीगतीअजब ॥ हैहेदैवथीहेठि ॥ ५९ ॥ केवलकिधअकाजम्हें ॥ समीहितपणिनवीसीध ॥ चितिआषवेंचनथी ॥ कारजसुंदरकीध ॥ ६० ॥जिवंतातूम्हजोईआ ॥ ल्योतूम्हसघलीलाछि ॥ कहेघरणतूम्हेसवीकस्युं ॥ पाछिनराषीपाछि ॥ ६१ ॥ मुझनेंजायामेलवी ॥ किधुंसघलूंकांम ॥ जायानेंकहेजाईइं ॥ आवोपुरमांआम ॥ ६२ ॥ ढाल ॥ वापझलीरेजीसझलीतूंकांनवीबोलेमीठुं ॥ एदेशी ॥ सांसलज्योसाईनारीचरीत्र हकामकरेछेकेहवां ॥ लषमीकहेकालिनयरीमां ॥ आपणजास्यूंरहेवारे ॥ ॥ ६३ ॥ सा० ॥ आजतूम्हेपणिइहांरहेवुं ॥ घरणेंमानीवात ॥ स्नानकरावि नेंदोयचिंतें ॥ करवोएहनोघातरे ॥ ६४ ॥ सा० ॥ मदिरापाईनेंआहारकरा व्यो ॥ आवीजेहवेरयणी ॥ सज्यासूंदरपाथरीसूतां॥ घरणतथानीजघरणीरे ॥ ॥ ६५ ॥ सा० ॥ मुंझाणोमदिरानेंजोरें ॥ तेहवेअवसरजाणी ॥ फांसोदिधो पणितेफसल्यो ॥ लषमीहर्षसराणीरे ॥ ६६ ॥ सा० ॥ मुउजाणीवेडुंमिलीनें॥ सायरकांठेठांम्यो ॥ तेथानिकगयातेहवेशीतल ॥ वायरोआववामांम्योरे ॥ ॥ ६७ ॥ सा० ॥ चेतनलाधुंतवतेंचिंतें॥स्यूंएसूपनुंदेषुं ॥ इंद्रजालअथवामति विभ्रम ॥ अथवासत्यएपेषुंरे ॥ ६८ ॥ सा० ॥ सायरतटदेषीनेंविचारे ॥ नि श्चयसाचुंएह ॥ उठिनेंचितेलछीनुं ॥ चरीत्रअहोदूखरेहरे ॥ ६९ ॥ सा० ॥ उनमारगेंएकेंमप्रवर्त्यी ॥ दुखदायकएसोग ॥ मुखिमिठीवलीदिलथीजुठी ॥ महिलाचालतोरोगरे ॥ ७० ॥ सा० ॥ अगनीपवननेंसूजंगमहेवाई ॥ नारीचि त्तनकलाइं ॥ दोखनीषांणिकलेसनुंकारण ॥ मोहेंजगतछलाईरे ॥ ७१ ॥ सा० ॥ ॥ यतः ॥ अन्रतंसाहसंमाया ॥ मूर्खत्वमतीलोलता ॥ अशौचंनिर्दयत्वंच ॥ स्त्रीणांदोषास्वभावजाः ॥ १ ॥ भवस्यबीजंनरक ॥ द्वारमार्गस्यदिपीका ॥ शु चांकंदःकलेर्मूलं॥ दुखानांखानीरंगना॥२॥ जलणेचिचेप्पइसूहं॥ पवणेसूय

यगोयकेणइनएणं ॥ महीलामणोनघेप्पई ॥ बझएहिंविनयसहस्सेहिं ॥ ३ ॥
॥ पूर्वढाल ॥ अथवासूवचनसेठनेंनघटे ॥ पणएहनोस्योदोस ॥ विषयराग
बाह्योनारीस्यूं ॥ तेकारणएरोसरे ॥ ७२ ॥ सा० ॥ इंणिअवसरितीहांठोपसे
ठना ॥ पुरसखोलताआव्या ॥ देषिनयणेंआसूरेभ्नी ॥ इंणिपरेंतिणेंबोलाव्यारे॥
॥ ७३॥ सा० ॥ रातेपणितूम्हेकिमनवीआव्या ॥ सेठनेंउपनीचिंता ॥ अमनें
जोवामोकल्यासेठें आव्याइहांखोलंतारे॥ ७४ ॥ सा० ॥ चालोसेठनेंदरसणआ
पो ॥ सेठनीचिंतासागो ॥ अहोपुरुषनोअंतरदेषो ॥ कुमरविचारवालागोरे ॥
॥७५॥ सा० ॥ यतः ॥ वाजिवारणलोहानां॥ काष्टपाषाणवाससां॥ नराणांरमणीनां
चाअंतरंमहदंतरं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तेनरसाथेंघरणतेचाल्या॥ मिलिआसेठनें
जाम ॥ एकांतिबेठारीसेठें ॥ वाततेपुछीतामरे ॥ ७६ ॥ सा० ॥ आंमणदूम
णइंमकिमदिठो ॥ होयतेसाषोसाचुं ॥ तवतेघरणविचारेमनमां ॥ किमकरी
फाटेमाचुंरे ॥ ७७ ॥ सा० ॥ वातलझामणीनवीकहेवानी ॥ नयणेंनीरसरा
य ॥ कहेंकांइंनहीसेठकहेसूणो ॥ चिंनथीक्याजजेआयरे ॥ ७८ ॥ सा० ॥
तेतूमनेंमलिउंकेनांही ॥ तवतेगदगदवाणी ॥ मिलिउंकुमरकहीनेंरेमे ॥ आंसूं
धारवहाणीरे ॥ ७९ ॥ सा० ॥ मानुंनारीमरणलहीएहनी ॥ अन्यथाएहवोन
शोक ॥ शेठकहेठेकुसलप्रीयानें ॥ जिहाजतेहजकेफोकरे॥ ८०॥ सा० ॥ वा
हणतेहजनेंनारीजीवें ॥ सेठकहेतवइंम ॥ तुमनेंशोककहोहवेस्योठें ॥ जव
सझनेंछेषेमरे ॥ ८१ ॥ सा० ॥ जिमतिमउत्तरनेंपभ्नउत्तर ॥ बोलेकुमरजिवा
रें ॥ सेठकहेसूंनेंमनेंसाषे ॥ मनमांतूंस्यूंधारेंरे ॥ ८२ ॥ सा० ॥ तेमुझगुरुसा
वेंपभ्निवजिउ ॥ किमगुरुआणाषंभे ॥ नविकहेवानुंपणितेघरणो ॥ आणाइं
कहेवामंभ्नेरे ॥ ८३ ॥ सा० ॥ जिवितथीनारीजीवेंठे ॥ पणिशीलेंनवीजीवें ॥
सेठकहेकिमजाण्युंतवकहे ॥ कारयथीजिमदिवेरे ॥ ८४ ॥ सा० ॥ किणी
परेंनीपनुंतवतेघरणें ॥ सोजनजिमणथीमांभ्नी ॥ सयलकह्युंजिमछेहलीवारे ॥
सायरतटगयांगांभ्नीरे ॥ ८५ ॥ सा० ॥ अनुक्रमेंजीवतोतूमनेंमिलीउ ॥ वात
तेसर्वप्रकासी ॥ छठेखंमेतेरमीढालें ॥ पद्मेंवाततेसासीरे ॥८६॥ सा० ॥ ॥७ ॥

॥ दुहा ॥ सूवचनउपरिसेठजी ॥ कोप्याजेमकृतांत ॥ धरणघरीनिजधाम मां ॥ आव्योरायउपांति ॥ ८७ ॥ वातसयलतिहांविनवी ॥ नरपतीकरवा न्याय ॥ तेमाव्योसूवयणतदा ॥ प्रणमेंआवीपाय ॥ ८८ ॥ पुछेनृपपरगटक हो ॥ सूणीईरीधीसफार ॥ केमकमाणातवकहे ॥ हरषीहैयामझार ॥ ८९ ॥ आविरीध्धिकुलअनुंकमें ॥ नृपकहेकिहांथीनारि ॥ मातपीताईमुकनें ॥ परणा वीवझुप्यारि ॥ ९० ॥ सनमुखनरपतीसेठनें ॥ जोवेसांसलीजाम ॥ सेठक हेसूणिसाहिबा ॥ अलिककहेएआंम ॥ ९१ ॥सुवचनकहेसाचुंकिस्यूं ॥ सेठ कहेतवच्चार ॥ कंचननेंएकांमिनी ॥ धरणतणिअवधारी ॥ ९२ ॥ साचुंएह जसांसलें ॥ सांसलीउपनीशंक ॥ पणिबोलेपरगटपणें ॥ मानुंमननिशंक ॥ ॥ ९३ ॥ ढाल ॥ श्रीनमिजिननीसेवाकरतां ॥ एदेशी ॥ अहोअपुरवतूंहीनि मीत्तिउ ॥ कहोईहांप्रत्ययताससाचोजी ॥ राजद्वारएछेतवबोले ॥ सेठसा धारणषासवाचोजी ॥ ९४ ॥ अहो० ॥ एहप्रत्ययजेतेहजजीवे ॥ सु वचनबोलेतामरायाजी ॥ धरणनामकानेंनवीसुणीउं ॥ एतोकहेछेआमसा याजी ॥ ९५ ॥ अहो० ॥ परषोतुम्हेंतवतेनरराई ॥ धरणतेमाव्योपासते हजी ॥ निजनरमुंकिनारितेमावी ॥ आवितिहांउल्लासएहजी ॥ ९६ ॥ ॥ अहो० ॥ इमवीनसेठनेंउपरोधें ॥ आव्योरायहजुरजामजी ॥ पुछेरनारी एनरनो ॥ दिठोकेनहीनुरतामजी ॥ ९७ ॥ अहो० ॥ नारीकहेकहींइन वीदीठो ॥ पुछेंधरणनेंरायहेजेंजी ॥ एतूमचीधरणीकेनांहीं ॥ तवकहेधरणतेगाय तेजेंजी ॥ ९८ ॥ अहो० ॥ जेहएऐंकह्युंतेसवीसूणीउं ॥ हवेपुछ्यानुंकांम स्युंछेजी ॥ नृपकहेतेहजमाटेपुछुं ॥ वचनकेनारोसामतूंछेजी ॥ ९९ ॥ अ हो० ॥ धरणकहेतूमआपहेंसाषुं ॥ नारीहतीमुकएहआगेंजी ॥ नृपकहेध रणसणीएसूवचन ॥ उलषेकेनहीकेहमागेजी ॥ १०० ॥ अहो० ॥ धर णकहेनृपएहनेंपुछो ॥ एहकहेतेप्रमाणमाहरेजी ॥ तवसुवयणनेंपुछेसूपती ॥ छेकांईउलषांणताहरेजी ॥ १ ॥ अहो० ॥ सूवचनकहेएकुणनेंझुंकुंण ॥ रा यकहेएवातरहीजी ॥ बाहणमांद्रव्यकिस्योछेदाषो ॥ सूवचनकहेनरतातअहीं

जी॥२॥आ०॥ कनककइव्योदससहससंपुटछे॥ पुण्यापछीकहेइंमधरणोजी॥ रायकहेतसतोलकहोतुम्हे॥कहेनवीजाएंनेमकरणोजी॥३॥आ०॥ निजवस्तुनुं तोलनजाणो॥ तवकहेइंमजएहकिंधांजी ॥ सूवचननेंसोपेतववोले ॥ धरणेंवचनकह्यांजेहसिधांजी ॥४॥आ०॥नरपतीथाकोन्यायकरंतां॥तवकहेधरणविचारीरंगेंजी ॥ अलिकवादिङ्गंएहनेंआपो ॥ एधननेंएनारीसंगेंजी ॥ ५ ॥ ॥ आ० ॥ सूवचनकहेमुझआलदेईनें ॥ वोलेछेजुठकेमसाईजी ॥ टोप्पसेठतवअटकीवोल्यो॥ रेपापीकहेइमकांईजी॥६॥आ०॥ एहवुंकरीनेंइंमतूंवोले॥ सेठकहेवलीरोसआणीजी ॥ स्यूंवङ्गवोलेजोएनारी ॥ धरणनोसघलोकोसजाणीजी ॥ ७ ॥ अहो० ॥ कङ्गंएहमांजोजुठुंहोवे ॥ तोघरवारस्यूंजीवआपुंजी ॥ धीजकरावोतेअम्हेंकरीइं ॥ पणिएहनेंअम्हेंखीवनापुंजी ॥८॥ आ० ॥ धरणविचारेएमुझस्नेहें ॥ बोलेइंणिपरेंतेणमाहरेजी ॥ नघटेउदासपसणंकरीझंपे ॥ सूणोनृपसस्युंदिव्येएणवारेजी ॥ ए ॥ अहो० ॥ वाहणमांसोवनसंपुटजेछे ॥ तेहमांधरणमुझनांमहोस्येजी ॥ जोसूवचननिकलेतोएहनुं ॥ रायकहेथयुंकामतोस्येंजी ॥ १० ॥ अहो० ॥ पंचोलीलेवामोकलिआ ॥ लाव्यांसंपुटतांमनीरख्याजी ॥ धरणनांमदिठुंनहीजीहारे ॥ लोकथयासङ्गतमविलषाजी ॥ ११ ॥ आ० ॥ रायकहेनवीअसीधादिञो ॥ सूवचनकहेनररायजाणोजी ॥ पणितूमआगलिअलिककहीनें ॥ किमधारेएठायप्राणोजी ॥ १२ ॥ आ० ॥ घरवारनेंजीवकबुलकस्योछे ॥ धरणनेंकहेएकेमरायजी ॥ धरणकहेजुठुंनवीवोलूं ॥ फोडोसंपुटनेंइंमतायजी॥१३॥आ०॥ फोड्यासंपुटनामतेदीठुं ॥ कोप्योरायअपारतामजी ॥ महाचोरएवाणीगवेसें ॥ करेअन्यायप्रकारकामजी ॥ १४ ॥ आ० ॥ जमघरिसुवचनसेठपोचावो ॥ अलछिनेंदेजनीकालदिजेंजी ॥ धरणनेंद्रव्यसर्वएसूंपो ॥ वलिकहोकांयततकालकीजेजी ॥ १५ ॥ आ० ॥ धरणकहेप्रसूद्रव्येंसरीउं ॥ सूवचनअसयप्रधांनकरिइंजी ॥ चिंतेरायअहोनरअंतर ॥ स्युंएहनेंउपमांनधरीइंजी ॥ १६ ॥ ॥ आ० ॥ नृपकहेधरणएवातअघटती ॥ पणितुझवचनलंघायतिणेंजी ॥

तुऊमनमांनेंतिमकरतवते ॥ बोल्योकिधपञ्चायवयणेंजी ॥ १७ ॥ अहो० ॥
ढढेरखंमेढालचौदमी ॥ समरादित्यनेंरासलाषीजी ॥ पंमीतउत्तमविजयसू
सेवक ॥ पद्मविजयसूविलासराषीजी ॥ १८ ॥ अहो० ॥ डुहा ॥ सहूपं
चातीसेठीआ ॥ सूवचनलेईसाथि ॥ धरणलेईप्रथवीधणी ॥ सहूगयासरीता
नाथ ॥ १९ ॥ संपुटधरणनेंसूंपीआ ॥ सेठेंगणीनेंसर्व ॥ धरणसूवयणनेंथी
रता ॥ आपेईमनीगर्व ॥ २० ॥ कुंणनेंदैववशेंकहो ॥ वातखलीतनवीहोय ॥
षेदमुंकिनेंषांतिस्यूं ॥ साहसधरीईसोय ॥ २१ ॥ लाखसोवनतूंमेनवीलष्या ॥
आदरमुऊनेंआप ॥ ईमसुऊनेंतूमेंआषीउं ॥ लाषनोस्योआलाप ॥ २२ ॥ ए
हसंभ्रमवयणेंअम्हें ॥ लाषुंतूंमईणिलांति ॥ तुममनमांनेतेतलुं ॥ सोवनल्यो
थईशांति ॥ २३ ॥ लाज्योसूवचननविलव्यो ॥ धरणथईतवधीर ॥ अढलखआ
वनआपीआ ॥ परनीलांजेपीर ॥ २४ ॥ ढाल ॥ गम २. झांझांजसनोंवति
वाजई ॥ एदेशी ॥ नृपनेंदेईशनमांन ॥ टोप्पसेठस्यूंआव्याथानरे ॥ जसनो
बतिजगमांवाजी ॥ एआंकणी ॥ करीस्नाननेंसोजनकिधां ॥ बहूदानजाचक
नेंदिधारे ॥ २५ ॥ जस० ॥ टोप्पसेठनेंचरणेंलागो ॥ टोपसेठकहेस्यूंमागो
रे ॥ जस० ॥ कहेधरणजोनकहोनाकारो ॥ तोमांगुंएकजवारोरे ॥ जस० ॥
॥ २६ ॥ हरषेंकरीचिंतेसेठ ॥ ईधन्यसहूमुऊहेठिरे ॥ जस० ॥ सूरतरुचिंतामणी
सुत ॥ मुऊपासमांगेअदसूतरे ॥ २७ ॥ ज० ॥ कहेसेठसूणोसुविनीत ॥ पुत्रक
लत्रनेंएसविवित्तरे ॥ ज० ॥ दासत्वनिमीत्तेंजाचो ॥ तोहीमुऊमननवीकाचो
रे ॥ २८ ॥ जस० ॥ कहेधरणजोईमविचारो ॥ त्रणिवचनआपोसूखकारो
रे ॥ जस० ॥ त्रणवचनदियांतवमांगे ॥ मुऊसहसरतनथोरागेरे ॥ जस० ॥
॥ २९ ॥ दिधांतिहांरयणहजार ॥ तेहमांथीधरणकुमाररे ॥ जस० ॥ लेई
आठरतनकरीपुजा ॥ सेठजीतुमसमनहीडजारे ॥ ३० ॥ जस० ॥ ईणिपरें
गुणस्तवनाकरतो ॥ पगविचमांनिजशिरधरतोरे ॥ जस० ॥ मुऊएहप्रारथ
नाजाणो ॥ सेठचिंतेतवसमझाणोरे ॥ ३१ ॥ जस० ॥ ढलिउंमुऊवचनेंएणें ॥ कि
मनाकहेवाईईणेंतिणेंरे ॥ जस० ॥ सेठेंबहूआदरकरीउं ॥ निजनयरसणीसंचरी

डरे ॥ ३२ ॥ जस० ॥ निजनयरनेंबाहिरआवी ॥ मेरादिधासूतसावीरे ॥ज०॥ नरपतीतवसाहमोआवइं ॥ महामहोछवस्यूंपधरावेरे ॥ ३३ ॥ जस० ॥ निजभूवनेंलावेराया ॥ स्नानभोजनकरतपसायारे ॥ जस० ॥ बहुभूषणनेंवलीमांन ॥ पोहचाव्यानिजघरिथानरे ॥ ३४ ॥ जस० ॥ मायतायनेंहरषनमाय ॥ सहुचैत्येंपुजाविरचायेरे ॥ जस० ॥ तेम्यावलीरायनेंघेर ॥ सतकारकस्योबहुपेररे ॥ ३५ ॥ जस० ॥ परधांनपागीआजेह ॥ सहुसतकारत्याशुसरेहरे ॥ जस० ॥ पुछेहवेमायनेंताय ॥ तुमघरणीकहोकिहांजायरे ॥ ॥ ३६ ॥ जस० ॥ कहेधरणसूणोतूमेवात ॥ एमतपुछेअवदातरे ॥ जस० ॥ जेनारीनेंउचितततेकिधुं ॥ जनकादीवीचारेएसीधुंरे ॥ जस० ॥ ३७ ॥ मुद्रादेउंएहनेंआज ॥ इंमचितवीतेपुरराजरे ॥ जस० ॥ आव्योघरिउगिराय ॥ तंवधरणउचितकरेसायरे ॥ ३८ ॥ जस० ॥ आगमनप्रयोजनकहीइं ॥ नृपकहेमुद्रातूमेलहीइरे ॥ जस० ॥ कहेधरणनमुद्राकाम ॥ एकवातसूणोगुणंकामरे ॥ ३९ ॥ जस० ॥ कहेरायकहोतेकरीइं ॥ कहेधरणजोमुझआदरीइरे ॥ ॥ जस० ॥ तोमुंकोबंदिवानं ॥ तुमराज्यमांअसयनुंदानरे ॥ ४० ॥ जस० ॥ रायेंदीधीतवआणि ॥ मुझराज्यमांकिजेंजाणरे ॥ जस० ॥ हिंस्यानविकरज्योकोय ॥ नहितरनृपदंमतेहोयरे ॥ ४१ ॥ जस० ॥ नरपतीनिजथानिकआव्या ॥ गुणधरणतणाचितलाव्यारे ॥ जस० ॥ बहुकालेंमीत्रजेमलीआ ॥ तेहस्यूंक्रीडामांहलीआरे ॥ जस० ॥ ४२ ॥ गयामलयसूंदरउद्यान ॥ तिहांनागलतानेंथानरे ॥ जस० ॥ नामेंरेविलगंकहायो ॥ तेकुपीतनारीनेंसायोरे ॥ ॥ जस० ॥ ४३ ॥ बहुलालिपालिकरेतास ॥ देषीनेंधरणउदासरे ॥जस०॥ सांसरीलषमीतिगाम ॥ चिंतेअहोउर्जयकामरे ॥ ४४ ॥ जस० ॥ कामीपरमार्थनदेषे ॥ वैराग्यथकीइंमलेषेरे ॥जस०॥ जायआगलिधरणकुमार ॥ अशोकश्रेणीतिणीठाररे ॥ ४५ ॥जस०॥ प्रासुकथानिकतिहांदिठा ॥ हैयमांलागामीठारे ॥ जस० ॥ बहुशीसतणोपरीवार ॥ गयोचित्तथीकामविकाररे ॥ ज० ॥ ४६ ॥ अर्हद्दत्तआचारयनाम ॥ नाणीशुभचित्तपरीणामरे ॥ जस० ॥ जित्योजिणे

पुबअनंग ॥ पणिइहेअनंगसूखरंगरे ॥ जस० ॥ ४७ ॥ तपसोषीतजासस रीर ॥ जोईधरणविचारेधीररे ॥ जस० ॥ पनरमीढेखंमे ॥ पदमेंकहीढाल अखंमेरे ॥ जस० ॥ ४८ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ डुहा ॥ आचारजअवलोकिनें ॥ धरणविचारेधन्य॥ जिवितसफलूंजगतमां गुणगणजासअगन्य ॥ ४९ ॥ कंचननेंवलीकामिनी ॥ सयणकुटंबसहुलोक॥ इंद्रजालपरेंलषे ॥ फिरीकरेपापजफोक ॥ ५० ॥ उपगारीमुफएहढे ॥ पा लुंजेपरीवार ॥ केवलमोहनीकल्पना ॥ धर्मविनानआधार ॥ ५१ ॥ निय माकरीसकोईनही ॥ धरमतेरहेतांधाम ॥ आरंभेहिंसाअती ॥ नहितिहांधर्म नुंनाम ॥ ५२ ॥ अंतेत्यजवोआपणें ॥ कांमनहीतिणेंकोय ॥ चित्तमांधरी चारीत्रनें ॥ समकूंआव्यूंजोय ॥ ५३ ॥ चरणकमलनमीचूंपस्यूं ॥ वारुसा थिवयंस ॥ धरमलासदिधोधुरे ॥ आचारयअवतंस ॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ जी रेजीरेस्वामीसमोसस्या ॥ एदेशी ॥ गुरुचरणेंजबउपविसे ॥ गुरुकहेकिहां थकीआव्यारे ॥ धरणकहेआव्याइहांथकी ॥ चारीत्रस्यूंअम्हेसाव्यारे॥ ॥ ५५ ॥ श्रीगुरुराजकृपाकरो ॥ एआंकणी ॥ अहो २ आकृतीएहनी ॥ ए हनोजुउविवेकरे ॥ चित्तपरीक्षाकारणें ॥ बोल्यामुनीवरढेकरे ॥ ५६ ॥ श्री० ॥ इंद्रीयलालचिढांमवी ॥ नविकरवोतेकखायरे ॥ चित्तनीरीहपणेंक री ॥ संजमपालवुंथायरे ॥ ५७ ॥ श्री० ॥ विषयअनादिनीवासना ॥ तजवी दोहिलीजाणरे ॥ नतजेतोएगृहीसमो ॥ ढांम्युंनढांम्युंसमाणरे ॥ ५८ ॥ श्री० ॥ कर्मदोषेंनपालीसके ॥ असदालंबनकरतारे॥ संजमढांमितेनवीगृहि ॥ मुनिपणिनहीरहेफिरतारे ॥ ५९ ॥ श्री० ॥ वेसवनिःफलतसगया ॥ तिणेंतू लणाकस्यापाषेरे ॥ नघटेघंरतूफढांमवुं ॥ धरणोतवइमसाषेरे ॥ ६० ॥ श्री०॥ लगवनतूमेंसाचुंकह्युं ॥ त्यजवाजोग्यएधामरे ॥ उपादेयचारीत्रढे ॥ तूलनावि वेकनुंकामरे ॥ ६१ ॥ श्री० ॥ आचारयमनचिंतवे ॥ जाणयोजथार्थसंसार रे ॥ बोधिलहेंजीनधर्मनी ॥ करुंप्रशंसावीस्ताररे ॥ ६२ ॥ श्री० ॥ बुफेजि ममीत्रएहना ॥ बोलेईमविचारीरे ॥ जाणवाजोग्यतेजाणीउं ॥ वढधन्यमाता

ताहरीरे ॥ ६३ ॥ श्री० ॥ उरलसबोधितेतेंलही ॥ करीसफलोअवताररे ॥ ता
हरुंकारयसीजस्ये ॥ लेतूंसंजमसाररे ॥ ६४ ॥ श्री० ॥ विषयनालालचीजी
वमा ॥ परमारथनवीदेषेरे ॥ इहांदृष्टांततेमाहरो ॥ सांभलोचित्तविशेषेरे ॥६५
॥ श्री० ॥ इणहीजषेत्रमांहिवसे ॥ अचलपुरीनामेंनयरीरे ॥ जितशत्रुतिहांन
रपती ॥ जिणेंजीत्यासह्रुवयरीरे ॥ ६६ ॥ श्री० ॥ अपराजीतसूततेहनें ॥ स
मरकेतूबिजोजाणीरे ॥ अपराजितजुवराजिउ ॥ विजोकूमरनेंठाणरे ॥ ६७ ॥
॥ श्री० ॥ कुमरनेआप्यूंउजेणीनुं ॥ भोगववालहुंराजरे ॥ समरकेसरीनामेंरा
जीउ ॥ थयोउलंठतेकाजरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ अपराजिततेउपरें ॥ चढिउए
कदिनतेहरे ॥ जयकरीजामपाछोवल्यो ॥ आवणनेंनिजगेहरे ॥ ६९ ॥श्री०॥
धरमिरामसन्निवेसें ॥ आव्योदेषतोतामरे ॥ पुण्यउदयमानुंपरगमो ॥ सूरीसर
रोहनामरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ देषीसंवेगतेउपनो ॥ पुछेधर्मविचाररे ॥ देशनादि
इंगुरुतेहनें ॥ ॥ पमीबुज्योतेकूमाररे ॥ ७१ ॥श्री० ॥ चारीत्रषयउपसमथयुं॥
इंद्रजालसमजाणीरे ॥ सविसंशारदिक्षालिइं ॥ तपसंजमकरेनाणीरे ॥ ७२ ॥
॥ श्री० ॥ गुरुचरणेंहवेविचरतां ॥ पोहतानगरागामेंरे ॥ तिहांउजेणीथीआ
वीआ ॥ साधुवंदनकामेंरे ॥ ७३ ॥ श्री० ॥ रोहसूरीनाशिष्यजे ॥ आर्यराह्व
गुणगेहरे ॥ तेहनामुनीवरएहछे ॥ वंदेगुरुससनेहरे ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ पुछेगुरु
उज्जेणीमां ॥ निरूपमसर्गविहाररे ॥ मुंनीकहेसूंदरविहारछे ॥ पणिएकवातवि
चाररे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ छठेखंडेसोलमी ॥ पद्मविजयकहीढालरे ॥ श्रोताज
नसूणज्योसवे ॥ आगलिवातरशालरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥७॥
॥ दुहा ॥ पणिनृपपुरोहीतपुत्रदोय ॥ तद्रकनहीतसभाव ॥ मुनीउपसर्गम
हाकरे ॥ देषीनेंनिजदाव ॥ ७७ ॥ अपराजीतमुनीइमसुणी ॥ चित्तमांकरे
विचार ॥ समरकेतूसमझिणविना ॥ अहोप्रमादअपार ॥ ७८ ॥ पुत्रनेंपणि
नवीपालवे ॥ आणालहीगुरुआज ॥ जाउंहुंउज्जेणीइं ॥ समझावुंशुभसाज ॥
॥ ७९ ॥ साधुद्वेषथीशुभनही ॥ बोधविजबलिजाय ॥ सकतीअछेसमझाव
वा ॥ एहविचारीउपाय ॥ ८० ॥ आणिलहीआचार्यनी ॥ आव्यातेउज्जेणी॥

आर्यराङ्गगछअनुंसरी ॥ वसीआकार्यवसेण ॥ ८१ ॥ ढाल ॥ मुजरोल्योनें
जालिमजाटणी ॥ एदेशी ॥ गोचरीवेलाइंमुनीवरबोलीआ ॥ तूम्हेप्राहुणाअ
णगार ॥ आहारआणीतूम्हनेंअमेआपीइं ॥ अपराजीतकहेतेवार ॥ ८२ ॥
मुनिवरस्याद्वादिसमझेसज्ज ॥ एआंकणी ॥ कहेळुंआत्मलब्धिकलुंतिणेंकरी ॥
देषाडोतूमजेह ॥ थापनाकुलतिहांजावुंनवीघटे ॥ मुकेंचेलोएकतेह ॥ ८३ ॥
॥ मु० ॥ कुलदेषाडीनेंवलीवारीआ ॥ एहप्रत्यनीकनुंगेह ॥ इंमकहीनेंचेलोपा
छोवल्यो ॥ पेठातिहांहिजतेह ॥ ८४ ॥ मु० ॥ मोहटेशब्देंधर्मलाभदिउ ॥ दे
षीअंतेउरताम ॥ अहोमुनीनेंकरस्येंकदर्थना ॥ जाणस्येंकूमरतेजाम ॥ ८५ ॥
मु० ॥ संज्ञाकरेजेजाउवहेलाफरी ॥ बधीरपरेमुनीराय ॥ धर्मलाभकरयोतेह
थीआकरो ॥ जिमतेकूमरसूणाय ॥ ८६ ॥ मु० ॥ आव्यादोयकुमरदोड्या
तिहां ॥ मनमांहरषनमाय ॥ देईद्वारनेंअतीसयमुनीतणें ॥ वंद्यामुनीतणापा
य ॥ ८७ ॥ मु० ॥ धर्मलाभदिधोतववोलीआ ॥ नाचोतूम्हेअमपास ॥ मुनी
कहेगीतवाजित्रविणनाचवुं ॥ किमसोभेसुविलास ॥ ८८ ॥ मु० ॥ कुमर
कहेअमेगीतवाजीत्रकरुं ॥ मुनीकहेतामस्वीकार ॥ विषमतालगीतवाजित्रइं
णेंकर्युं ॥ कृत्रिमकोपअणगार ॥ ८९ ॥ मु० ॥ कहेरेमुरषगोपनाछोकरा ॥
नविजाणोरेविन्नाण ॥ अमनेंनचाववाछंसिघणीकरो ॥ सूणिकोप्यातेअजा
ण ॥ ९० ॥ मु० ॥ मुनीमारणनेंसाहमादोडीआ ॥ तवमुनीकरुणारेवंत ॥ अ
वरउपायनहिइहांकांमनो ॥ चिंतवेइंणिपरेंचिंत ॥ ९१ ॥ मु० ॥ कुसलध
णंनिजुधव्यापारमां ॥ हलूइएकनेंझालि ॥ सांध्योसर्वउतारीअंगनी ॥ वि
जोआव्योतसढाल ॥ ९२ ॥ मु० ॥ तेहनेपणितिमहीजमुनिइंकर्यो ॥ उघा
डीहवेबार ॥ निजठामेंजईएकांतेकरे ॥ सझायध्यानअणगार ॥ ९३ ॥ कु
मरपड्याहवेहालेचालेनही ॥ दिठासहुपरीवार ॥ पांणीइंसीचेंतनुंउल्लासतां ॥
बोलेनजामलगार ॥ ९४ ॥ मु० ॥ रायपुरोहीतनेंसंभलावता ॥ सूणोइणिव्यति
करेएह ॥ साधुइंकुमरकर्याइणविधयंकी ॥ भूपतिखबरिकरेह ॥ ९५ ॥
मु० ॥ भूपसूरीपासेंजईप्रणमीआ ॥ भगवनखमोअपराध ॥ कहेबालक

नोतवसूरीबोलीआ ॥ अमेजाएंनहीसाध ॥ ए६ ॥ मु० ॥ तववृत्तांतस
ऊराइंकह्यो.॥ तवबोल्यासूरीराय ॥ अप्रतीबंधीनिजतनुउपरें ॥ साधेतत्वंअ
माय ॥ ए७ ॥ मु० ॥ नितपरलोकथीबिहेमुनीवरा ॥ खमतासमतारेलाव ॥
प्राणनासयथीउखदेवेनही ॥ एउत्सर्गस्वलाव ॥ ए८ ॥ मु ॥ पणिकोईआच
रीउंअपवादथी ॥ होयतोपुठुंरेसाध ॥ इंमकरीपुठेसघलासाधनें ॥ पणितेक
हेनिराबाध ॥ एए ॥ मु० ॥ एहवातमांअमेंजाएंनही ॥ सूरीकहेमहाराय ॥
एअममुनीइंतोकिधुंनही ॥ नृपकहेजुठनथाय ॥ ५०० ॥ मु० ॥ सूरीक
हेएकमुनीवरप्राहुणा ॥ किधुंहोयजोतेए ॥ रायकहेतेसाधुकिहांअछे ॥ ज
ईनेंपुठुंजेए ॥ १ ॥ मु० ॥ एकमुनीवरेंजईतेहनेंदाषव्या ॥ सालतरुतलेता
म ॥ ध्यानधरमनुंमुनीवरधारता ॥ देषेनरपतीजाम ॥ २ ॥ मु० ॥ उलषीमु
नीवरनेंचितलाजिउ ॥ प्रणम्योसायनापाय ॥ धर्मलासदेईनेंइंमकहे ॥ सांस
लिरेमहाराय ॥ ३ ॥ मु० ॥ ठठेखंमेंसत्तरमीकही ॥ ऊत्तमएहवीढाल ॥ प
द्मविजयकहेश्रोतासांसलो ॥ आगलिवातरसाल ॥ ४ ॥ मु० ॥ ॥ध्या
॥ दुहा ॥ जुगतूंकारजजालव्युं ॥ मुनीउपसर्गमहंत ॥ करतांवार्याकांयन
हि ॥ निजराज्येंनिरषंत ॥ ५ ॥ कुमरअनायतेकिधला ॥ तवजलसरी
आंनेत ॥ नृपकहेलाज्योमुनीवरु ॥ अधीककस्युंअमहेत ॥ ६ ॥ अनुंयह
कीजेंअमतणी ॥ दोषतेखमोदयाल ॥ कुमरअंगसाजांकरो ॥ एहवुंनहीकरे
आल ॥ ७ ॥ संध्योतोसाजीकरुं ॥ मुनिवरकहेमहाराय ॥ अमचीदिक्षाआ
दरे ॥ नकरेफरीअन्याय ॥ ८ ॥ नृपकहेम्हेंआज्ञाकरी ॥ पणतसजोउंपरि
णाम ॥ मुनीकहेपुठेकुमरनें ॥ सूपतीपसणेंताम ॥ ए ॥ बोलीनसकेबापमा ॥
साधुइंकर्योपसाय ॥ अवनीपतीस्यूंआवीआ ॥ ठवाकुमरनेंठाय ॥ १० ॥
जोगीसरध्यानेंजिस्यो ॥ दिठाकाष्टदशाय ॥ बोलेप्राणेंबलथकी ॥ एह
वाकीधाआय ॥ ११ ॥ ढाल ॥ सेत्रुंजागढनावासीरेमुजरोमानज्योरे ॥
एदेशी ॥ मुनिवरकहेसूणोवाणीरेमुनीकदर्थनारे ॥ तेतरुफूलएफलतोनरगनी
वेदनारे ॥ तेहनोपश्चातापजोहोय ॥ तोसाह्यकारीयाउंपरलोय ॥ १२ ॥ चर

एनीसेवासारीरेसवडुखकापस्येरे ॥ उपद्रवसघलाटालीरेशीवसूखत्र्यापस्ये
रे ॥ कुमरकहेप्रसूकरोउपगार ॥ लाज्याअम्हेअमचेआचार ॥ १३ ॥
॥च०॥ लेस्यूंदिक्षापासीरेमातपीतातणीरे ॥ आणातवतेबोल्यारेदिधागुरुसणी
रे ॥ जोम्यांअंगनेंगुणसंघात ॥ लिधीप्रव्रज्याकरीप्रणीपात ॥ १४ ॥ च० ॥
दिक्षापालतासावेंरेबिहूजणनेंतदारे ॥ केईकदिनगयाजामरेहवेसूणोएकदारे॥
कर्मउदइंपुरोहीतकुमार ॥ जाएयूंजयपीधर्मनुसार ॥ १५ ॥ च ॥ प्राणेंदिक्षा
दिधीरेइंममनआविउरे ॥ गुरुउपरिद्वेषजाग्योरेपणिनखमावीउरे ॥ इशानदे
वलोकेंउपनोदेव ॥ रतिसागरमांपम्योततषेव ॥ १६ ॥ च ॥ एकदिनअप्स
रासाथेंरेवेगउपनोरे ॥ दिनलावचलीनीद्रारेकामरागनीपनोरे॥ कंप्याकलपद्
रुदेप्राय ॥ सूरसीकुसूममालाकमलाय ॥ १७ ॥ च ॥ लाजनेंसोसानाठीरेदे
बडुष्यजपस्यारें ॥ कोपकरेघणोअरतीरेनयनसम्यांजीस्यारे ॥ हेंइंउपनोषेद
तिवार ॥ देविउविलपेतिमपरीवार॥१८ ॥ च ॥ इंमअज्ञानेंविलपुरेसातासीइ
हारे ॥ तिर्हिकरपंन्नानासरेपुहुंजईतिहारे ॥ किहांउपजीसहूंचितेदेव ॥ सूलस
डुलसबोधीजीनदेव ॥ १९॥ च० ॥ आव्योपूर्वविदेहेंरेजिनवरनेंनम्योरे ॥ पु
छ्योंपछीकहेजिनजीरेउपजस्योतूम्होरे ॥ जंबुधीपनासरतमझारि ॥ कोसंवी
नगरीअवधार ॥ २० ॥ च०॥ थाईसतुडुर्लसबोधीरेगुरुद्वेषेंकरीरे ॥ इत्यादिक
सवपहीलोरेसाष्योतसचरीरे ॥ सांसलीकहेअहोगुरूप्रत्यनीक ॥ अट्पेंएवमां
उदयनीलीक ॥ २१ ॥ च० ॥ आलोकनोउपगारीरेजिनकहेजाणीइंरे ॥ स्यो
तसप्रत्युपकारेंरेकहोनेंवषाणीइंरे ॥ परलोकउपगारनीसीवात ॥ टालेअन्नाण
नेंमीथ्यात ॥ २२ ॥ च० ॥ सूवीहीनकिरियाआपेरेथापेगुणसणिरे ॥ जनम
जरानेंमरणेरेरोगसोगअवगुणीरे ॥ टालेजेसंसारआवास ॥ शाश्वतसूखपामें
सूविलास ॥ २३ ॥ च० ॥ एंहवागुरुनेंद्वेषेंरेगुणद्वेषीथयोरे ॥ पूर्वथीविपरी
तथाईरेअतीसंसारसयोरे ॥ देवकहेप्रभूसाचुंएह ॥ किहारेएकहोकर्मनोछेह
॥ २४ ॥ च० ॥ प्रसूकहेलगतासंवमारेअंतएहनोथस्येरे ॥ सुणोविहुंनामरे
तुझभ्रातावस्येरे ॥ देवकहेपहेलूस्यूंनाम ॥ जिणेंवीजुएसापोस्वामि ॥ २५ ॥

च० ॥ पहेलुंनामअशोकरेजिनजीकहेहतूंरे ॥ सांसलितेहनुंहेतूरेमुंगोजि
मथतूंरे ॥ कोसंबीएहजपुरसार ॥ अतितकालनीवातविचार ॥ २६ ॥ च० ॥
तापसनामेंसेठरेदानादिककरेरे ॥ पणिपरमादितेहरेद्रव्यघणोधरेरे ॥ करतो
नीत २ बहुव्यापार ॥ आरतध्यानधरेतेअपार ॥ २७ ॥ च० ॥ घरसूअरथ
योमरीनेंरेनिजघरदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेतासविशेषीनेंरे ॥ एकदिनबा
पनोदिवशतेआय ॥ भोजननीवेलाजबथाय ॥ २८ ॥ च० ॥ पीरसवावेला
जामरेआवीढुकमीरे ॥ मांशलेईमार्जाररेचाल्योदमवमीरे ॥ तवसूपकारीचिंते
मन्न ॥ वेलाअतिक्रमचढ्योबहुदिन्न ॥ २९ ॥ च० ॥ ग्रहपतीनातवसयथी
रेसूअरमारीउरे ॥ मांशतेराध्युंतामरेकोघेंहकारीउरे ॥ उपनोमरीनेंतेहजगे
ह ॥ सूअरनागपणेंथयोतेह ॥ ३० ॥ च० ॥ एहघरनेंसूपकारीरेदेषीउपनुं
रे ॥ जातिसमरणज्ञानरेनागनेंनिपनुंरे ॥ कर्म्मविचित्रथीनथयोक्रोध ॥ अनु
कंपाउपनीथयोबोध ॥ ३१ ॥ च० ॥ रांधिणसापनेंदेषीरेकोलाहलकर्योरे ॥
सहुतिहांदोमीआव्यारेअहीजमघरिधर्योरे ॥ तिहांतसनीर्जराथईअकाम ॥
मनुजआयुबांध्युंअसीराम ॥ ३२ ॥ च० ॥ नागदत्तइंणिनामेंरेनीजसूतका
मिनीरे ॥ बंधुदत्ताउरेंआयोरेजनम्योजामिनीरे ॥ अशोकदत्तदिधुंअसीधा
न ॥ वरसएकवोलेथईसान ॥ ३३ ॥ च० ॥ मातपितासूपकारीरेदेषीनेंवली
रे ॥ जातिसमरणपाम्योरेइंमकहेकेवलीरे ॥ कर्मअचित्यनीशक्तिनिहालि ॥
पुत्रवधुतेमातासालि ॥ ३४ ॥ च० ॥ सूतनेंतातनीहालीरमहावैरागीउरे ॥
मातापीताकिमसाधुरेइंममनलागीउरे ॥ मौनपणंधर्युंजाणीजाम ॥ मुंगोना
ममसीधथयोताम ॥ ३५ ॥ च० ॥ ढालअढारमीएहरेछगरवंममारे ॥
समरादित्यनेंरासेंरेरंगअरवंममारे ॥ श्रीगुरुउत्तमवीजयनोसीस ॥ पद्मविजय
कहेसुणतजगीस ॥ ३६ ॥ च० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ केवलज्ञानीइंमकहे ॥ बोल्याबारवरीस ॥ चौनाणीचारीत्रीउ ॥ मे
घनादसूमुनीश ॥ ३७ ॥ आव्यातेउद्यानमां ॥ वारुवयणविन्यास ॥ सूमं
गलसाधुत्रीरें ॥ सिषविआसूतसास ॥ ३८ ॥ नागदत्तघरिनिरषज्यो ॥ आं

गणेंबेठोश्राय ॥ अशोकदंततसइंमकहे ॥ चेतनसूणिचितलाय ॥ ३७ ॥ गु
रुजितुक्तनेंग्यानथी ॥ कहेसुणितापसकाम ॥ मौनधरेस्यूंमनथकी ॥ धर्मक
रोगुणधाम ॥ ४० ॥ सूअरसापनेंपुत्रसुत ॥ मरीनेंकरमपशाय ॥ तहत्तीक
रीमुनीतिहांगया ॥ संसलाव्योसदसाव ॥ ४१ ॥ यतः ॥ तावसकिमिमिणा
मुणवएण ॥ पमीवझजाणिउंधम्मं ॥ मरीउएसुअरोरग॥ जाउपुत्तसपुत्तोत्ति
॥ १ ॥ ढाल ॥ मनमोहनांजिनराया ॥ एदेशी ॥ कहेमुंगोकरीपरिणाम ॥ कं
होतेंगुरुछेकिणठामरे ॥ गुरुवंदिइंशुससावे ॥ जिमसवसयउखमांनावेरे ॥
॥गुरु०॥ एआंकणी ॥ इंहाचैत्यछेशक्रावतार ॥ मुनीकहेतिहांगुरुगुणधाररे॥
॥ ४२ ॥ गु० ॥ मुंगोकहेचालोजईइं ॥ गुरुप्रणमीनेंसूखपईइंरे ॥ गुरु० ॥
विस्मीतमुंगानोपरीवार ॥ जांणेंजायतोअवलविचाररे ॥ ४३ ॥ गु० ॥ जई
प्रणम्योगुरुनापाय ॥ धर्मलासदिइंगुरुरायरे ॥ गु ॥ पुछेतवमुंगोस्वामी ॥ कि
मअतितवाततुमेपामीरे ॥ ४४ ॥ गु ॥ गुरुकहेअमेनाणथीजाणुं ॥ नाणअ
तिसयएहवषाणुंरे ॥ गु० ॥ प्रतिबोधथस्येइंमजाणी ॥ गुरुसाषेंधर्मनीवाणी
रे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ मुंगोप्रतीबोधतेपाम्यो ॥ पणिमुंगोनामनवाम्योरे ॥ गु०॥
इंमविजुंनामतेजाणो ॥ सांसलीकहेहर्षसराणोरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधल
हीससीरीतें ॥ प्रसूपद्मनासकहेनीतेंरे ॥ गु० ॥ वैताढ्यमांहितूम्हेदेपी ॥ निज
कुंमलजुगलवीशेषीरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥ प्रतिबोधतीहांतूमथास्ये ॥ मीथ्यामत
दूरपलास्येरे ॥ गु० ॥ सुणीवंदनाप्रसूनेंकीधी ॥ गयोकोसंबीसुप्रसीद्धीरे ॥
॥४८॥ गु० ॥ मुंगानेंदेषीसाषे ॥ तूझथीप्रतीबोधप्रसूदापेरे ॥ गु० ॥ मुझतुझ
वजेनिरधार ॥ तवबोल्योमुंकविचाररे ॥ ४९ ॥ गु० ॥ उद्यमकरूंसक्तिप्रमा
णें ॥ सुरलेईगयोवेअढठाणेंरे ॥ गु० ॥ कुटसीझायतनदेषाव्यो ॥ वलिवाततेइं
मसुणाव्योरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ रयणावतंशकनाम ॥ एकुंमलजुगलउद्दामरे ॥
गु० ॥ कुंमलवलीकुटएदोय ॥ मुझअतीसयवलसजोयरे ॥ ५१ ॥ गु० ॥
शाखासमुहविवरनेंदेशों ॥ तिहांकुंमलदेवनीवेशोंरे ॥ गु० ॥ आपेचिंतामणीर
यण ॥ पछेसाषेंएहवुंवयणरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ जेचिंताकरीइंतेह ॥ एकदिनें

एकपुरेंतेहरे ॥ गु० ॥ एहनीशकतेंवैताढेंजाजे ॥ मुझनेंकुंमलदेषाजेरे ॥
॥ ५३ ॥ गु० ॥ मानीएऐंएवात ॥ कोसंविगयासूखसातरे ॥ गु० ॥ देवताग
योआपवीमान ॥ अनुंक्रमेंचवीउतिएथानरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ बंधुमतीकुषें
आयो ॥ एकदोहदतासमुहायोरे ॥ गु० ॥ सरदकालेंसहकारनीइछा ॥ पणि
नीपजेनवीतसवंछारे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ गरसपीमापाम्योतास ॥ डरवलथईना
रीनीरासरे ॥गु०॥ मरस्येंएनीश्चयनारी ॥ इंमलोकेवातविचारीरे ॥ ५६॥गु०॥
मुंगोचितेमायस्नेह ॥ जिनवाणीनअन्यथारेहरे ॥ गु० ॥ अन्यथावेअढर्न
जवाइं ॥ इंमचिताचित्तमांलायरे ॥ ५७॥ गु० ॥ चिंतामणीपासेंमांगी ॥ दो
हदपुरेंबमसागीरे ॥गु०॥ अनुंकरमेंजायोपुत्त॥नामअरहदत्तदिउंजुत्तरे॥५८
॥ गु० ॥ अशोकदत्तगुरुनेंचरणें ॥ बालकनेंलगावेशरणेंरे ॥ गु० ॥ तवबाल
करोवामांमें ॥ नित्त २ इंमकालगमामेंरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ कुमरपणंपाम्यो
जिह्रारें ॥ नितधर्मसूणावेतिहारेरे ॥ गु० ॥ गयोकालकेतोइकइंम ॥ नवीला
गोधर्मनोप्रेमरे ॥ ६० ॥ गु० ॥ एकदिनवलीअशोकदत्त ॥ पुरवसवनीकहे
वत्तरे ॥ गु० ॥ पणिअरहदत्तनेंअंग ॥ नवीलागोधरमनोरंगरे ॥ ६१ ॥ गु० ॥
उलटुंकहेमुकनेंइंम ॥ विलापकरेंछेकेंमरे ॥ गु० ॥ अहोकरमपरणतीनीश
क्ती ॥ अशोकदत्तकरेंव्यक्तीरे ॥ ६२ ॥ गु०॥ इंमचित्तवीवैराग्यपांमी॥आरंभ
परीग्रहवामीरे ॥ गु० ॥लिधोइंणिसंजमसार ॥ अरहदत्तपरण्योवधुच्यारेरे
॥ ६३ ॥ गु० ॥ सोगसोगवतांकेईकाल ॥ थयोदूरलभबोधीनिहालरे ॥ गु०॥
चारित्रनीरतीचारपाली ॥ अशोकदत्तपापनेंगालीरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ काल
करीनेंदेवताथाय ॥ अशोकदत्तमुनीरायरे ॥ गु० ॥ पद्मेंउगणीसमीढाल ॥
कहीछेषंमेरआलरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ ॥ऊहा॥ पंचत्वभातापामीउ ॥ अर
हदतेंसूण्यूंइंम ॥ शोकथयोतेहनेंसबल ॥ पामीवज्जोप्रेम ॥ ६६ ॥ पंचम
कल्पतेपामीउ ॥ आव्योतसउपयोग ॥ अरहदत्तनोअवधिथी ॥ जाण्योसव
लोजोग ॥ ६७ ॥ करूंउपायहवेआकरो ॥ जिमबुझेएजीव ॥ व्याधीविकु
र्विवेगस्यूं ॥ आण्यूंदूखअतीव ॥ ६८ ॥ ढाल ॥ बेमलेसाएघणोछेराजवातां

केमकरोछो ॥ एदेशी ॥ पगसूझिनेंथांसाऊभ्रा ॥ बांहितेजेहवीदोरमी ॥
लोचनमीचाणांजमजीहा ॥ पेटजीसिगागरमी ॥ ६९ ॥ श्रीगुरुश्राशातन
फलएहप्राणीकिमहीनबुझे ॥ एश्रांकणी ॥ निद्रानाठिश्रावीश्ररति ॥ वेदना
थीलह्योषेद ॥ वैद्यतेमावीद्रव्यसऊघरनो ॥ श्रांपीकहेतससेद ॥७० ॥ श्री० ॥
टालोवेदनतिणेंपणिमांक्ष्या ॥ उषधनाउपचार ॥ कांयविशेषथयोनहीतेहें
थी ॥ वैद्येंकरयोपरीहार ॥ ७१ ॥ श्री० ॥ तिव्रवेदनथीइंणिपरेंबोले ॥ इक
दिनपणिनरहाइं ॥ तिणेंऊंश्रगनीमांपेसीमरस्यूं ॥ सूणिबांधवखेदाय ॥ ७२॥
श्री० ॥ मुर्छापामीपत्नीरोवे ॥ रोवेसऊपरीवार ॥ इंणिसमेंसबरवैद्यनेंरूपें ॥
श्राव्योसुरश्रवतार ॥ ७३ ॥ श्री ॥ षांधेंकोथलोश्ररहदत्तना ॥ घरपासेंजई
बोले ॥ सबरवैद्यऊंविद्यासागर ॥ कोईनहीमुझतोले ॥ ७४ ॥ श्री० ॥ सी
सवेदनाटालुंषसनें ॥ बहिरतिमिरवलीटालूं ॥ शूलनेंउदरव्यथामलव्याधी ॥
टालूंकऊंतेपालूं ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ बोलाव्योसूणीनेंबऊमानें ॥ परीजनकहेंसू
णिवैद्य ॥ मुहमांग्युंतुमनेंश्रापीस्यूं ॥ जलोदरटालोएसद्य ॥ ७६ ॥ श्री० ॥
तेहकहेऊंघरमवैद्यनुं ॥नहिऊंद्रव्यनोलोही ॥ कष्टसाध्यएव्याधीछेसुणज्यो॥ति
णेंसूषथीनवीसोही ॥ ७७ ॥ श्री० ॥ इहसवनेंपरसवनीश्राफ्रं ॥ त्यजवुंप
मस्येसाई ॥ इहलोकेंकुपथ्यश्राहारादिक ॥ धातूकोपजिणेंवाइं ॥७८॥ श्री० ॥
परसवनुंजेपापनकरवुं ॥ तेहनियाणंटालो ॥ इहलोकपणिपरलोकसंबंधे ॥
तिणेंइहलोकश्रजुश्रालो ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ तेहमांमुख्यमीथ्यातनीवारो ॥
समकीतस्यूंचितलावो ॥ ज्ञानक्रीयाश्रभ्यासकरावो ॥ श्रारंभसऊवरजावो ॥
॥ ८० ॥ श्री० ॥ प्रथमचरमपोरसीइंकरवो ॥ चितमलशोधनकारी ॥ जिन
वरवयणसज्ञायतलेरो ॥ बिजोपोरसीश्रर्थकारी ॥ ८१ ॥ श्री० ॥ हिंसाश्र
लिकश्रदत्तनेंश्रब्रम्ह ॥ मूर्छापरीग्रहवारो ॥ करवुंनहीवलीरात्रिभोजन॥ सम
तामार्द्दवधारो ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ मायाटालीलोभनकरवो ॥ वसवुंवनसमश्चां
नें ॥ चित्तनीरीहपणेंवलीरहेवुं ॥ श्रप्रतीबंधविधानें ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ साव
जलोदरटालूंइंणिपरिं ॥ तोद्रव्यनोस्येसार ॥ सांभलिपरिजनइंमविचारे ॥ मर

वाथीएसार ॥ ८४ ॥ श्री० ॥ अरहदत्तनेंसाथेपरीजन ॥ मरणथीएहजवा
रु ॥ अरहदत्तचिंतेएमरणथो ॥ अधिकीवातविचारु ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ पं
णिउपायनहिबीजोएहनो ॥ तिणेंहाकारकहायो ॥ वैद्यकहेमुझशकतीतो
देषो ॥ मोहनपेसेसायो ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ निश्चयमनकरज्योतुम्हेंसघला ॥
कुमीत्रवयणमतसूणजे ॥ कुसीलसंगत्यजजेश्हसवनी ॥ वस्तुनमनमांमुणजे
॥ ८७ ॥ श्री० ॥ मुझनेंमतमुंकेतूंमाहरुं ॥ कह्युंतेकरज्येसाई ॥ इंमकही
मंत्रअंमझलआलेष्युं ॥ अरहदत्ततिहांठाई ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नगरलोकसङ्घम
लिउजोवा ॥ उषधमंत्र्यांतिणें ॥ उज्वलवस्त्रउठामकरीनें ॥ मंत्रजप्योहवेंइं
णें ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ देवशकतिथीकोलाहलकरे ॥ सेरवशब्दतेमुंकें ॥
पृथवीआलोटीनेंउठें ॥ देवशकतीनवीचुके ॥ ९० ॥ श्री० ॥ विसमीढालें
एछठेखंमें ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पंमीतउत्तमवीजयनोजंपे ॥ पद्मविजयसू
विलास ॥ ९१ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ रुपधरीव्याधीरह्यो ॥ बहुकलीमलजंबाल ॥ दुरसीगंधदयामणो ॥
सीसणअतीसयसाल ॥ ९२ ॥ आपसरीसअठएकसत ॥ व्याधीरुपपरीवार
॥ पापविपाकमानुंपरिवस्यो ॥ देवनीशक्तिउदार ॥ ९३ ॥ अचरिजजनदेषी
इस्यूं ॥ कहेअपुरवकोय ॥ दिठुंनहींनहींदेषस्यूं ॥ जोपेंएहवुंजोय ॥ ९४ ॥
रोगरूपकुणेंनिरषीउ ॥ सबरवैद्यसूखकार ॥ आविउघअवलपरें ॥ पांम्यो
दुखनोपार ॥ ९५ ॥ वैद्येंपमीबोल्योवली॥तासेइंणिपरेंसास ॥ पापव्याधीतूंपेष
ज्ये ॥ काढितुझसकासि ॥ ९६॥ ढाल॥ केसरवरणोहोकेकाढिकसूंबोमोराला
ल ॥ एदेशी ॥ हवेंइंमकरजेहोकेजिमएव्याधी ॥ मारालाल ॥ फिरीनवीव
लगेहोकेदुष्टउपाधी ॥मा०॥ आरोग्यसूखनोहोकेदेशतूंपाम्यो ॥मा०॥ पापक
रमनिहोकेव्याधीतवाम्यो ॥मा०॥९७॥ हवेतूंकरजेहोकेइंणिपरेंकाम ॥मा०॥
मुलउछेदेंहोकेंपापनुंठाम ॥ मा० ॥ जेहथीपामेंहोकेसूखअनंत ॥ मा० ॥ ज
नमजरानेंहोकेमरणनङ्गत ॥ मा० ॥ ९८ ॥ तुझपरेंमुझनेंहोकेइंणिइंमहीउ ॥
मा० ॥ पापएव्याधीथीहोकेदुखबहुसहीउ ॥ मा० ॥ करतांमुझनेंहोकेतासउ

पाय ॥ मा० ॥ कांयकटलिउंहोकेहवेनवीजाय ॥ मा०॥ ए‌ए ॥ ओषटालवा होकेजंत्रजोग ॥ मा० ॥ वरतूंइंणीपरेंहोकेमाहरालोग ॥ मा० ॥ तूंपणिउत्तम होकेकरीउपाय ॥ मा० ॥ अथवामुऊपरेंहोकेंचालोसाय ॥ मा० ॥ ६०० ॥ लोककहेस्योहोकेउत्तमराह ॥ मा० ॥ सबरवैद्यकहेहोकेसूणोउछाह ॥ मा०॥ जिनशासनमांहोकेदिक्षालेवे ॥ मा० ॥ व्याधीनआवेहोकेफिरीजेसेवे ॥मा० ॥ १ ॥ अनुंक्रमेंसघलीहोकेव्याधीतेजाय ॥ मा० ॥ पणिमुऊजातिनोहोके वांकतेथाय ॥ मा० ॥ संजममुऊथीहोकेनवीलेवाय ॥ मा० ॥ ताहरीउत्तम होकेजातिथीथाय ॥ मा० ॥ २ ॥ तिणेंल्योसंजमहोकेअथवाचालो ॥ मा०॥ माहरीसाथेंहोकेंमकरोटालो ॥ मा० ॥ लोककहेतूऊहोकेंसाईइंलिधी ॥ मा०॥ दिक्षातुऊपणिहोकेलेंवीसीधी ॥मा०॥३॥ अरहदत्तेंतवहोकेंमान्युंएह ॥मा०॥ कोईकमुनीवरहोकेपासेंलेह ॥ मा० ॥ द्रव्यथीलीधीहोकेपणिनवीसावें॥ मा० ॥ सबरवैद्यतवहोकेथानिकजावे ॥ मा० ॥ ४ ॥ केईकदिवसेंहोकेंथई तसअरती ॥ मा० ॥ कुलनेंनिंद्याहोकेनगणीविरती ॥ मा० ॥ लिंगतेछांमीहो केआव्योगेह ॥ मा० ॥ देवेंजाणीहोकेवाततेह ॥ मा० ॥ ५ ॥ पूरवरीतेंहोकें व्याधीकीधो॥मा०॥लोकेंनंघोहोकेदुखबहुदिधो॥मा०॥वैद्यनेंषोलेहोकेतसप रीवार॥मा०॥ लाधोतेहहोकेंदैवविचार॥मा० ॥६॥वैद्यनेंसाषेहोकेफिरीरोगआ व्यो ॥ मा० ॥ करोउपगारहोकेतेहसमावो ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणोहोकेकुप थ्यकिधुं ॥ मा० ॥ परीजनकहेषरुहोकेदुखइंणिलीधुं ॥ मा० ॥ ७ ॥ इणेंच रित्रेंहोकेलाज्याअम्हे ॥ मा०॥ पणिउपगारीइंहोकेमोहटातूम्हे ॥ मा०॥ सब रकहेएहहोकेलेवेदिक्षा ॥ मा० ॥ करीप्रपंचहोकेसूरदिइंसीक्षा ॥ मा० ॥८॥ व्रतइछाविणहोकेलीधुंफेरी॥मा०॥शांतीकरीगयोहोकेवैद्यतेपेरी ॥मा०॥वलीघ रिआव्योहोकेचारीत्रमुंकी ॥ मा० ॥ देवताइंजाण्यूंहोकेगलिउंथुंकी ॥ मा० ॥ ए ॥ व्याधीविकुर्व्योहोकेतिव्ररसावें ॥मा० ॥ बांधवबोल्याहोकेकिमफिरी आवे ॥ मा० ॥ अवगुणथाइंहोकेकिमनवीजाणें ॥ मा० ॥ एहनुंवयणतेहो केमानोएटाणें ॥ मा० ॥ १० ॥ अथवाजीवथीहोकेजावुंदिसें ॥ मा० ॥ बो

द्योतवतेहोकेविग्रवाविसें ॥ मा० ॥ लावोंवैद्यनेंहोकेकहेस्येजेह ॥ मा० ॥ करस्यूंप्रेमेंहोकेसाचुंतेह ॥ मा० ॥ ११ ॥ बंधवेषोलतांहोकेदिगेजामा॥मा०॥ कहेमुखनीचुंहोकेकरीनेंताम ॥ मा० ॥ मातुंकीधुंहोकेकिरीयानकरी॥मा०॥ रोगउपनाहोकेकायाविफरी ॥ मा० ॥ १२ ॥ कहोउपायहोकेसवरतेबोले ॥ मा० ॥ विषयलोलपं होकेएहअतोलें ॥ मा० ॥ उद्यमहीणोहोकेनहीउपाय॥ मा०॥थास्येआगलिहोकेवङअपाय॥मा॥० १३ ॥ नरकतिरीनांहोकेदूखबङ खमस्यें॥मा०॥ पुढेएहनेंहोकेजुउकांयगमस्यें ॥ मा० ॥ तूमआपहथीहोके करुंवलीसाजो ॥ मा० ॥ मुझस्यूंहिमेहोकेतोरहेताजो॥मा०॥१४॥जईसंसला व्युंहोकेमान्युंप्राणें ॥ मा० ॥ वैद्यकहेसूणिहोकेहवेममवांणें ॥ मा० ॥ जेजे कंकंहोकेतेतेकरज्ये ॥ मा० ॥ मुझथीअलगोहोकेषणमतरहेज्ये ॥ १५ ॥ मा० ॥ हाहासणतोहोकेकीउनीरोगी ॥ मा०॥ लोकेंसाध्योहोकेमयएसोगी ॥ मा० ॥ वैद्येंआप्योहोकेकोथलोहाथें ॥ मा० ॥ नयरथीनीकल्योहोकेलेईनें साथें ॥ मा० ॥ १६ ॥ ढगेखंमेंहोकेसाषीढाल ॥ मा० ॥ एएकवीसमीहोके वानरसाल ॥ मा० ॥ दोहिलोबुझेहोकेडरलसबोही ॥मा० ॥ पणितसदेवताहो केकरस्येसोही ॥ मा० ॥ १७ ॥ ॥ ७॥ ॥७॥

॥ डहा ॥ गांमांतरहवेतेगया ॥ सूरमायाकेरेसार ॥ धुमतणाअंधारथी ॥ दृ ष्टिडखदातार ॥ १८ ॥ वंसफूटेज्वालावली ॥ शुद्धचलेअसमांन ॥ बलतूंगा मवतावीनें ॥ चाल्योतेहअचान ॥ १९ ॥ तृणसारोशिरतोलीनें ॥ अरहदत्त कहेआंम ॥ उल्हाईतृणथीअगनी ॥ कहोकिमकरोएकाम ॥ २० ॥ सूरक हेतूंईमसमझणो ॥अगनीनबुझेईम ॥ देहईंधणलेईदाहमां ॥ कहोघरिजाईके मं ॥ २१ ॥ क्रोधअनलजिहांकिणघणी ॥ आवेपवनअन्नाण ॥ बङभाणीब लतातीहां ॥ नवीआवेतूझनाण ॥ २२ ॥ बोलीनसक्योबापमो ॥ पणिनवीबु झ्योपहाण ॥ आगलिचालीआविआ ॥ महोकमकरीमंझाण ॥ २३ ॥ढाल॥ बलीहारीरेतूझवेषनीरे ॥ एदेशी ॥ हारे२देवतारे ॥ उनमारगतिहांचालीउरे ॥ कंठकाकुलसूगमरेलाल ॥ किमपंथथीकुपंथेंब्रजोरे ॥ अरहदत्तकहेतामरेला

ल ॥ २४ ॥ गुरुआशातनमतकरोरे ॥ एआंकणी ॥ हांरे२देवकहेतूंजाणेइम
षहूरे ॥ नविजाईइंजनमग्गरेलाल ॥ तोकिममोक्षमारगतजीरे ॥ किमसंचार
मांलग्गरेलाल॥२५॥गु०॥हांरे२दे०॥इमसूणीमौनकरयुंतिणेरे॥पणिनवीबुझ्यो
तेहरेलाल ॥ आगलिजायतवदेखतोरे॥ सूअररूपकरेहरेलाल॥२६॥गु०॥ हां
रे२दे० ॥ विविधजातिकणकूंमनेरे ॥ गंमीअशुचीदुर्गंधरेलाल ॥ विष्टास्यूंरा
चिरह्योरे ॥ करीगाढोप्रतिबंधरेलाल ॥ २७ ॥ गु०॥ हांरे२दे०॥ अरहदत्तदेषी
वदेरे ॥ अहोएहनोअविवेकरेलाल ॥ कणमुंकीविष्टासषेरे ॥ सूरकहेसूणितू
ठेकरेलाल ॥ २८ ॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ कहेतूंजाणेठेषरोरे ॥ तेकहेस्यूंझंअ
जाणरेलाल ॥ सुरकहेमुनीसुखगंमीनेंरे ॥ तूंकिमथयोअन्नाणरेलाल ॥ २९॥
॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ अशुचिविषयदुर्गंधीआरे ॥ तेहमांतूंफबझ्मांनरेलाल॥
सांसलीमौनकरीरह्योरे ॥ पणिनवीबुझ्योअज्ञानरेलाल ॥ ३० ॥ गु० ॥ हां
रे २ चालतांरेएकगामेंजईनेंरह्यारे ॥ देवकूलमांधरीप्रीतीरेलाल ॥ तेवंत
रहेठेपफेरे ॥ लोकदेखेविपरीतरेलाल ॥ ३१ ॥ गु०॥ हांरे२दे० ॥ लोकबेच्या
रेथानीकेरे ॥ वलितेपमतोहेठरेलाल ॥ वली२पमेमुंकेवलीरे ॥ एहनीतिहांगई
ठेठरेलाल ॥ ३२ ॥ गु० ॥ हांरे२ बोलतोरेअरहदत्तएमुरखोरे ॥ किम
पमेहेठेएहरेलाल ॥ अर्चापुजानवीआदरेरे ॥ तवसूरबोलेतेहरेलाल ॥ ३३ ॥
॥ गु० ॥ हांरे२तूंकिमरेजाणेठेएहवुंखरुंरे ॥ तेकहेएहमांकांयरेलाल ॥ सुर
कहेतोतूंविचारजेरे ॥ संजमठेमीपलायरेलाल ॥ ३४ ॥ गु० ॥ हांरे२सुरचि
वरेगतीपूजनीकतेठेमीनेंरे ॥ नरकादिकनोउपायरेलाल ॥ करतोकिमजाणेन
हीरे ॥ सांसलीमौनतेथायरेलाल ॥३५॥ गु०॥ हांरे२देवतारेमायाएकविकुर्व
तोरे ॥ फीकूंउचारीअनंतरेलाल ॥ षेत्रसरयुंठेतेहनुंरे ॥ कुपकएकतसअंतरे
लाल ॥ ३६ ॥ गु० ॥ हांरे२दे० ॥ सुकोविषमजग्याघणीरे ॥ तिहांएकवेस
प्रवालरेलाल ॥ एकबलदतिहांपायवारे ॥ चारिमुंकिअसरालरेलाल ॥ ३७ ॥
गु० ॥ हांरे२दे० ॥ जातांलमथमीनेंपमयोरे ॥ सागांअंगउपांगरेलाल ॥ देषी
अरहदत्तबोलीउरे ॥ अहोएबेलविरंगरेलाल ॥३८॥गु०॥हांरे२दे०॥ फीकूंअ

चारीनेंगांमिनेंरे॥ किहांषावाएजायरेलाल ॥ सुरकहेजाएंतूंषरोरे ॥ तेकहेएत
लूंनगायरेलाल ॥ ३९ ॥ गु० ॥ हारे२दे० ॥ किमतूंसूरसूखगंमिनेंरे ॥ जेह
कीकूंमईचारिरेलाल ॥ एकप्रवाललवखारीषारे॥ माणससुखअवधाररेलाल ॥
॥ ४० ॥ गु० ॥ हारे२दे० ॥ तसअसीलाखाईआतमारे ॥ किमपाम्येउरगती
कुपरेलाल॥तेसूंणीकर्मसंचयगल्योरे॥चितवेंइंमसरुपरेलाल॥४१॥गु०॥हारे२
जाणिइंरेएहमाणसनहीदेवतारे॥मुफकहेंइमवारंवाररेलाल ॥ वातरुमीसंसलाव
तोरे॥ साइपणएहविचाररेलाल ॥ ४२ ॥ गु० ॥ हारे २ पुछुंएरेतासप
रमारथएहनेंरे ॥ चिंतवीपुछ्युंतामरेलाल ॥ तूंकुंणछेमुफसाईपरेंरे ॥ वातसूणा
वेआमरेलाल ॥ ४३ ॥ गु० ॥ हारे २ देवतारेकहेहुंपरजायांतरेरें ॥ अशो
कदत्ततूंजाणिरेलाल ॥ अरहदत्ततवबोलीउंरे॥ कहोप्रत्ययअहीनाणरेलाल॥
॥ ४४ ॥ गु० ॥ हारे २ दे० ॥ कहेआपणविहुंइंमलिरे ॥ वैताढ्यपर्वतगाम
रेलाल॥ कुंमलजुगलजेथापीउंरे ॥ प्रतीबोधननेंकामरेलाल ॥ ४५ ॥ गु० ॥
हारे २ देवतारेकहेदेषाकुंतुफनेंरे ॥ मानीअरहदत्तेंवाणिरेलाल ॥ दिव्यसरुप
करीलेईगयोरे॥ देषाम्यातिणेंठाणिरेलाल ॥ ४६ ॥ गु० ॥ हारे २ तेहनेंरेकु
टकूंमलसहुदेषीनेंरे ॥ जातिसमरणज्ञानरेलाल ॥ उपनुंकर्मविचित्रथीरे॥ जा
ग्युंसाग्यप्रधानरेलाल ॥ ४७ ॥ गु० ॥ हारे २ तेहवेंरेसावथीदिक्षाआदरेरे ॥
देवषमावीतामरेलाल ॥ निजथानिकगयोदेवतारे ॥ करीनीजसघलूंकामरेला
ल ॥ ४८ ॥ गु० ॥ हारे २ तेहमांरेपुरोहीतसूतहुंजाणजेरे ॥ धरणसूणोमुफ
वातरेलाल ॥ विराधकप्राणीतणारे ॥ नहीतूफसमअवदातरेलाल ॥ ४९॥ गु०॥
हारे २ जेहोंइरेअवीराधकप्राणीसलारे ॥ तेसूखेंकरेंनिरवाहरेलाल ॥ तिणेसं
जमतुम्हेआदरीरे ॥ तरोसंसारअगाहरेलाल ॥ ५० ॥ गु०॥ हारे २ रुअमीरे
ठगेरखंमेएकहीरे ॥ बाविसमीवरढालरेलाल॥ पद्मकहेश्रोताघरेंरे ॥ होयोमंगल
मालरेलाल ॥ ५१ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ करजोमीधरणोकहे ॥ आणिकहूंअणगार ॥ संसलावुंमावीत्रसवे ॥
उत्तमतूमअधीकार ॥ ५२ ॥ बुफेजोपुण्यजवलें ॥ मुनीकहेसूखेंमहासाग ॥

बुज्यामीत्रलेईवज्ञ ॥ वहेलोतेवज्जलाग ॥५३॥ आविमावीत्रआगलें ॥ आला
व्योअधीकार ॥ बुज्यांवज्ञमानेंनही ॥ सारोएसंथार ॥ ५४ ॥ जननीमीत्र
जनकवली ॥ विधीपूर्वकवज्जवीर ॥ व्रतसज्ञसाथेंसंग्रहे ॥ धरणोसाहसधीर ॥
॥ ५५ ॥ अरहदत्तगुरुआदरें ॥ सिषाव्यावज्ञसूत्त ॥ किरीयापणिबज्ञविधक
रे ॥ गितारथगुरुगुत्त ॥ ५६ ॥ ढाल ॥ गोवाळरुआंचारति ॥ आहिरनोअव
तार ॥ रूमुंगोकलीउं ॥ एदेशी ॥ एकलमलपज्जीमासणी ॥ जोग्यथयारीषीरा
य ॥ डःकरतपकारी ॥ इछाकरतांतेहनी ॥ आणागुरुनीथाय ॥ ५७ ॥ डु० ॥
सावीतेहनीसावना ॥ तपसूत्रादिकजेह ॥ डु० ॥ एकल्लविहारअंगीकस्यो ॥
विहारकरेरीषीतेह ॥ ५८ ॥ डु० ॥ एकरातिगामेंवसे ॥ नयरेंवसेपंचराति
॥ डु० ॥ तामलीप्तिपुरीआविआ ॥ काउसग्गेमुनीठात ॥ डु०॥५९॥ बालसूणो
लषमीतणी ॥ काढिदेवपुरबाहर ॥डु०॥ सूवचनेंबोलीतदा ॥ करीप्रयत्नअपार
॥ ६० ॥ डु० ॥ नंदिवर्द्धनगाममे ॥ थयोविज्ञनोसंजोग ॥ डु० ॥ निजस्त्रोपे
लेईगयो ॥ सोगवतोसूखसोग ॥ डु० ॥ ६१॥ कोईककालव्यतीक्रमें ॥ साथि
लेईनेनारि ॥ डु० ॥ तामलिप्तिपुरबाहिरें ॥ उतरीउपरीवार ॥ ६२॥ डु० ॥ फि
रति२तिहांगई ॥ लढीजिहांमुनीराय ॥ डु० ॥ उलषीयारीषीराजनें ॥
मनमांबज्ञषेदाय ॥ ६३॥डु० ॥ पापकरमनाजोरथी ॥ क्रोधलहीमनमांहि ॥
॥डु०॥वज्रघातपरेंतेथई ॥ चिंतेकिमएआहिं ॥६४॥डु०॥ दिठेमेंमुजपापथी॥
कांयकदेउंकलंक ॥ डु० ॥ कंठसर्एत्रोमीठवुं ॥एहनीपासनीःसंक ॥ ६५ ॥
डु० ॥ कोलाहलकरस्यूंपछी ॥ ठरस्येंतवएचोर ॥ डु० ॥ चंडसासनठेसूपती॥
हणस्येंएइंणठोर ॥ ६६ ॥ डु० ॥ सिक्षुरूपेंग्रहीचोरने ॥ लोप्रसहितहण्याका
ल ॥ डु० ॥ लिंगीपणचोरीकरे ॥ एहप्रसिद्धीसालि ॥ ६७ ॥ डु० ॥ जिममन
चिंत्यूंतिमकस्युं ॥ आव्योधाईकोटवाल ॥ डु० ॥ आविमुनीबोलाविआ ॥कां
यकउत्तरआलि ॥ ६८ ॥ डु०॥ नविबोलेजवतेरीषी ॥ सूषणबोलेंताम ॥डु०॥
ठिन्नकेंकर्णपासेंपज्युं ॥ दिठुंदूरनगाम ॥ ६९ ॥डु०॥ नयरीजनबोलावीआ ॥
वातदेषामीतेह ॥ डु० ॥ नरपतीनेंजईविनव्यो ॥ चोरअपुरवएह ॥ ७० ॥

डु० ॥ विस्मितबोलेसूपती ॥ षोलिकरीषरीरिति ॥डु० ॥ मारोएहनेंतवतिहां ॥
पुछेपुरवनीती ॥७१॥डु०॥ नविबोल्याजवतेमुनी ॥ तवउपनोतसकोप॥डु०॥
अहोकपटवेसेंरह्यो ॥ नवीबोल्येकरीलोप ॥ ७२ ॥ डु० ॥ मारणथानकला
वीआ ॥ शुलीइंदिधोसाध ॥ डु० ॥ करेचंमालउदघोषणा ॥ सूणोपापअगाध
॥ ७३ ॥ डु० ॥ साधुवेसेंचोरीकरी ॥ तिणेंएमार्योजाय ॥ डु० ॥ वलिको
ईकरस्येंइणिपरें ॥ तसपणिवधइंमथाय ॥ ७४ ॥ डु० ॥ तपपरसावेंमुनीत
णें ॥ शूलीधरतीमांहिं ॥ डु० ॥ पेठीमुनिविंध्यानही ॥ कूसूमवृष्टीथईत्यांहि
॥ ७५ ॥ डु०॥ धर्मतेजयवंतोअछे ॥ इमथईलोकमांवाणि ॥ डु० ॥ रायनेंगई
वधामणी ॥ आव्योनृपतेठाण ॥ ७६ ॥ डु० ॥ हरषेंकरतोवंदना ॥ पुछेविस्म
यवात॥डु० ॥ किमएस्वामीनीपनुं ॥ साषोमुझअवदात ॥ ७७ ॥ डु० ॥ नवि
बोल्याजबतेमुनी ॥ तवनरकहेपरधांन ॥ डु० ॥ व्रतविशेषवंतारीषी ॥ नक
रेउत्तरदान ॥ ७८ ॥ डु० ॥ ढंढेरखंमेएकही ॥ त्रेवीसमीवरढाल ॥ दू० ॥ स
मरादित्यनारासमां ॥ पद्मनेंमंगलमाल ॥ ७९ ॥ डु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ पुछेंतेनारीप्रतें ॥ तवनृपमुंकेतलार ॥ नाठीलोकवचनसूणी ॥ नवि
लाधीतेनारि ॥ ८० ॥ नृपनेंकहेतेनवीजमी ॥ सूपत्तीकहेतवसास ॥ सोधि
करोसम्यगपरें ॥ तवषोलणगयातास ॥ ८१ ॥ आरामशून्यउद्यानमां ॥ दे
वकूलेंनवीदीठ ॥ पणितससत्वीपेषीउं॥ नासंतोथोनीठ ॥ ८२ ॥ कोटवालेंप
कमीकरी ॥ नृपनेंआंण्योंनयण ॥ पकम्योनारीतणोपती ॥ सेठएलहोसुवय
ण ॥ ८३ ॥ नारितोइंणिनगरीनथी ॥ नासंतांपकम्योनाथ ॥ तुममनमानें
तिमकरो ॥ हेंसहूतूमचेहाथि ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ साहिबामोतियोनेंहमा
रो ॥ एदेशी ॥ सूपकहेतुझकिहांछेनारि ॥ तेकहेहूंनजाणूंनीरधार ॥ साहिबा
तूम्हेंसूणज्योसाचुं ॥ मोहनांतूमेसूणज्यो ॥ एआंकणी ॥ रायकहेतोनाठे
केंम ॥ तेकहेसयलहीनाठोइंम ॥ ८५ ॥ सा० ॥ विणअपराधेंसयकिमला
गो ॥ सूपपुछ्यापछीकहेएकआगो ॥ सा० दुष्टनारीमहीदूखनुंमुल ॥ तेहज
मुझअपराधअतूल ॥ ८६ ॥ सा० ॥ असयदिउतूझनेंनृपसाषे ॥ जोमुझ

व्यतीकरसघलोदाषे ॥ सा० ॥ कोणरीषीएकोणवलीनारी ॥ सूवयणदेषेतव
अणगार ॥ ८७ ॥ सा० ॥ उलषीआंसूंनयणेंसरीआं ॥ मुनीवरचरीतदेषीचि
तवरीआं ॥ सा० ॥ विस्मयलहीकहेरायनेंइंम ॥ नविकहेवाजेहवुंप्रसूनेम ॥
॥ ८८ ॥ सा० ॥ रायकहेसंभारएएहवो ॥ एहमांअचरीजलहेवोकेहवो ॥
सा० ॥ सूवयणकहेएकांतकरीजें ॥ तवनृपपरीजनदूरिंधरीजें ॥ ८९॥सा०॥
मुनीदेषीनेंघणुंपछतायो॥ नृपनेंकहेऊंपापेंसरायो॥ सा०॥ पुरषस्वानऊंपुरुष
मजाणो ॥ सत्यसंधामुनिपुरषवषाणो॥९०॥सा०॥ कृतगुणजाणअपरउपगा
री ॥ व्रतधरयुंसर्वप्रकारजनारी॥सा०॥ एहमांसर्ववातमुऊसाषी॥रायआग
लिपुरीनवीदाषी ॥ ९१ ॥ सा०॥ तुऊसमपुरुषतेस्वाननकहिइं ॥ प्रस्तुतवातक
होजिमलहिइं ॥ सा० ॥ वातकहीतवसघलीजाम ॥ नरपतितूष्टमांनथयोता
म ॥ ९२ ॥ सा० ॥ मुंक्योसूवयणमुनीनमीचाल्यो ॥ आर्यमंगुपासेंमीथ्यात
टाल्यो ॥ सा० ॥ धर्मसांभलीकरयोपश्चाताप ॥ धरणेंनेंरागेंश्रमणथयोआप
॥ ९३ ॥ सा० ॥ नरपतीप्रणमीमुनीवरपाय ॥ हरषेंनीजसूवनेंतेआया॥सा०॥
सयपांमीतीहांनाठीलषमी ॥ जातांवाटिपमीतीहांविषमी ॥ ९४ ॥ सा० ॥
लुंट्यांवस्त्रासरणतेचोरें ॥ रातिपाछिलीएकजपोहरें ॥ सा० ॥ पोहतीनामकुस
स्थलगाम ॥ तसनरपतीमांऊ्युंएककांम ॥ ९५ ॥ सा० ॥ राणीनेंविघननिवा
रणमाटे ॥ पुरोहितगामबाहिरइंणवाटें ॥ सा० ॥ अगनीकरीचोवटेचरूरांधें ॥
चोकिमुंकीचिऊंदिशवांधें ॥ ९६ ॥सा०॥ नरवसेदितंडलकरीमुंक्या ॥ मंत्र
जापकरतांनवीचुक्या ॥ सा० ॥ इंणअवशरदेषीतेज्वाला ॥ इंणमारगआवो
सावाला ॥ ९७ ॥ सा० ॥ उतरयोसाथजाणीनेंआवी ॥ दिठीदिशापालेंतवठा
वी ॥ सा० ॥ सीवारुतनेंलगतीदेषी ॥ सयपाम्याराषसणीलेषी ॥ ९८ ॥सा०॥
थंत्यापगनेंपमीकरवाल ॥ करकंप्यामानुंजिवितसाल ॥ सा० ॥ पमीआधर
तीतवतेनारी ॥ वोलेमतविहोमनहारी ॥ ९९ ॥ सा० ॥ ऊंबुंमनुष्यणीइंमकही
आवे ॥ पुरोहितपासनगननेंसावें ॥ सा० ॥ देषीधीर्यधरीतसकेश ॥ पकमी
कहेविहोमतलेश ॥ ७०० ॥ सा० ॥ दिशापालतवठीआया ॥ बांधीनयर

मांलेईसिधाया ॥ सा० ॥ सूपतिनेंजएव्युंकहेत्यारें ॥ करज्योविटंवणाविविध प्रकारें ॥ १ ॥ सा०॥ एहनुंमांथ्रएहनेंखवराव्युं ॥ लेईअशुचीमुखमांधराव्युं ॥ सा० ॥ करीयविटंवणाअतिहिनिभंछी ॥ गांममांथीकाढीतेअलछी ॥ सा० ॥ २ ॥ पेसवानवीपांमीकोईगांमें ॥ अटवीमांफिरतीगामगामें ॥ सा० ॥ पुर्व कर्मनेंउदइंमारी ॥ गजवरेंपापकरीअतीलारी ॥ ३ ॥ सा० ॥ धुमप्रसाइंउप नीतेह ॥ घोरपापनांफलछेएह ॥ सा० ॥ सत्तरसागरतेहनुंआय ॥ संजमपा लेधरएमुनीराय ॥ ४ ॥ सा० ॥ करीसंलेषणाशुभपरीणाम ॥ पादपोपकरेअ एसएताम ॥ सा० ॥ कालकरीउपनाअएगार ॥ आरएदेवलोकमांअवधार॥ ॥ सा० ॥ ५ ॥ चंद्रकांतीवीमानेंएह॥ एकविससागरआयुधरेह॥ ६ ॥सा०॥ धरएलछीदंपतीनोसाच्यो ॥सवछठेखंमेंचीतराव्यो ॥ सा० ॥ चोवीसमीढालें एपुरो ॥ किधोछठोखंमसनुरो ॥ ७ ॥ सा० ॥ साद्रवावददशमेंगुरूवारें ॥ वि सलनगरचोमासुंतिवारें ॥ सा० ॥ अढारसेंएकतालावरषें॥ शांतीजीनेस्वरसा ह्मथीहरषें ॥ ८ ॥ सा० ॥ विजयसिहसूरीसीशसवायो ॥ सत्यविजयगुरुज गमांगवायो ॥ सा० ॥ श्रीगुरुकपुरविजयतसशीसो ॥ षीमावीजयतसशीस जगीसो ॥ ए ॥ सा० ॥ पंमीतजीनविजयजयवंतो ॥ विद्याविचक्षणलक्षण वंतो ॥ सा० ॥ उत्तमविजयसुशीससोसागी ॥ तत्वज्ञानमांजसमतीलागी ॥ ॥ १०॥सा०॥ उत्तमसमरादित्यनोरास ॥ पद्मविजयकहेलीलविलास ॥सा०॥ सांसलतांहोयमंगलमाला ॥ पुण्यमहोदयसुखसुवीशाला ॥ ११ ॥ सा० ॥

इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मविजय ग०विरचितेसमरादित्यचरीत्रेप्राकृत्यप्रबंधेधरण लक्ष्मीवधुवरयोःसंगतयोःष ष्टोनरस्तवःसमाप्तःसर्वगाथाषष्टखंमे ॥ ७११ ॥ उक्तगाथा काव्य ॥ १० ॥

सवइउ ॥ १ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ ६० ॥ दुहा ॥ शांतिकरणश्रीशांतिजी॥समरूसूखदातार॥प्रणमुंसंखेसरप्रभू ॥ अफवमीश्रांआधार ॥ १ ॥ सातमोखंमसोहामणो ॥ समरादित्यसंबंध ॥ से नविसेनदोयभ्रातृसूत ॥ पीतराईपरबंध ॥ २ ॥ जंबुधीपलखजोअणो ॥ वा रुसारहवास ॥ तिहांचंपानयरीतणो ॥ उत्तमठेश्रावास ॥ ३ ॥ सेसफणासो गजसमो ॥ पोढोठेप्राकार ॥ हिमगिरीशिखरहरावतां ॥ सूवनतणोसंसार ॥ ॥ ४॥ नंदनवनवनेंजीनीउं ॥ सरोवरेंमानकासार ॥ महाजनजिहांश्रमत्सरी॥ दत्त्रुघणंदातार ॥ ५ ॥ रुपवंतरलिश्रामणी ॥ सुंदरघणंसुकमाल ॥ लज्जावंत महिलातिहां ॥ विनयवंतसूविशाल ॥ ६ ॥ श्रमरसेनअवनीपती ॥ साधीत दिशीवधुसार ॥ ईर्ष्याईश्रावीवरी ॥ लषमीपणितसल्हार ॥ ७ ॥ जायातस जयसूंदरी ॥ सयलअंतेउरसीठ ॥ अनुसवतोतेहस्यूंअवल ॥ विषयसोगसू विशिठ ॥ ८ ॥ ढाल ॥ क्रीमाकरीघरिश्राविउ ॥ एदेशी ॥ इंणिअवसरदेवलो कथी ॥ चविउपालीश्रायरे ॥ धरणजीवतिहांउपनो ॥ स्वपनलहेंसुखदायरे॥ ॥ ए ॥ इंणि ॥ दंमकनकमयदिपतो ॥ रयणविसूषीततूंगरे ॥ देवडष्यध्वज लहकतो ॥ गयणसूषणमानुंचंगरे ॥ १० ॥ इंणि ॥ वदनेंउदरमांपेसतो ॥ वि स्मयकारीविचित्तरे ॥ सूर्यउदइंदेषीकरी ॥ जागीनींदअनीतरे ॥ ११॥ इंणि ॥ हर्षेपतिसंसलावती ॥ कहेतवनरपतीइमरे ॥ सकलनरिंद्रकेतुशमो ॥ पुत्रथ स्येंतुज्फनेमरे ॥ १२ ॥ इंणि ॥ सांसलीतेहअंगीकरे ॥ अनुंक्रमेंसाधेत्रिवर्ग रे ॥ उचितसमयसूतप्रसविउ ॥ सूखमांतेहनिसर्गरे ॥ १३ ॥ इणि ॥ हरषम तीदासीतदा ॥ दिधवधाइरायरे ॥ दानसंतोषनुंनृपदिइं ॥ मासएकवहिजाय रे ॥ १४ ॥ इणि ॥ सेनकुमरनामथापीउं ॥ वरसएकथयूंजामरे ॥ नरकथ कीहवेनिकल्यो ॥ जिवलठीनोतामरे ॥ १५॥ इणि० ॥ लमीउतेहसंसारमां॥ अनंतरसवेंनरथायरे ॥ कांयककष्टकरीतिहां॥नरपतीकुलमांश्रायरे ॥१६॥ इणि ॥ अमरसेननरपतीतणो ॥ साईलघुहरीसेणरे ॥ हारप्रसातससारया ॥ त सुकुपेंगसेंणरे ॥ १७ ॥ इणि० ॥ जवजनम्योतवथापीउ ॥ नामविसेनकुमा ररे ॥ सेनकुमारथहेकला ॥ करतोविसेनस्युंप्याररे ॥ १८ ॥ इणि० ॥ पणि

नहिसेनस्युंतेहनें ॥ इमकरतांकेईकालरे ॥ इकदिनजय २ रवथयो ॥ कुसू
मदृष्टीसुविशालरे ॥ १९ ॥ इणि० ॥ सूरसिद्धविद्याधरथकी ॥ व्यापीरह्योआ
कासरे ॥ रायपुछेनिजपुरुषनें ॥कहोएकिस्योप्रकासरे ॥ २० ॥ इणि० ॥ ख
बरकरीप्रतीहारते ॥ साषेतासनीदानरे ॥ इंणनयरीमांपांमीआं ॥ साधवीकेव
लज्ञानरे ॥ २१ ॥ इणि० ॥ जाणेंलोकालोकना ॥ त्रणिकालनासावरे ॥ सूर
विद्याधरबहुथुणें ॥ सांभलीनरपतीतावरे ॥ २२ ॥ इणि० ॥ हरषीचाल्योवां
दवा॥ आव्योउपाश्रयद्वाररे ॥ तोरणथंभनेपुतली॥ज्यूंविद्युतझातकाररे॥२३॥
॥ इणि० ॥ किहांयकफटिकविद्रुमकिहां ॥ किहांयकचामरस्वेतरे ॥ ध्वज
शिरउपरफरकतो॥कनककिंकिणीसमवेतरे ॥ २४॥ इणि०॥ बहुसामणिइंपर
वर्स्यां ॥ तिमश्रावीकासमुदायरे ॥ श्रीसमरूपेंसोभतां ॥ गुरूणीतिहांदेषायरे
॥ २५ ॥ इणि० ॥ भवसायरतरियांजिके ॥ गुणमणीरयणभंडाररे ॥ ससीश्र
मवयणज्योत्सामली ॥ नासीततमअंधकाररे ॥ २६ ॥ इणि० ॥ स्वेतांबर
थीसाहुणी ॥ स्तवतासूपतीतामरे ॥ कुसुमवरसीकरेधुपनें ॥ करेपंचांगप्र
णामरे ॥ २७ ॥ इणि० ॥ बेठोधर्म्मश्रवणसणि ॥ धर्मकथाकहेजामरे ॥ आ
व्यादोयतिणेंसमे ॥ सारथवाहसूततामरे ॥ २८॥इणि०॥ बंधुदेवशागरनामें॥
लेईनीज२नारिरे॥परमगुरुप्रणमीकरी॥साहुणीप्रणमेश्राररे॥२९॥इणि०॥सात
मेखंमेढालए॥पहेलीपापनीवारेरे॥पद्मविजयकहेसांभलो॥सूणतांजय२काररे
॥ ३० ॥ इणि० ॥ दुहा ॥ सागरकहेनृपसांभलो ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ अ
दसूतएकदिनुंअम्हे ॥ सांभलज्योतससेद ॥ ३१ ॥ सांभलतांविस्मयथस्ये ॥
रहिनसकुंजराज्य ॥ विस्मयप्रेर्योविसमी ॥ अर्थनजाणुंआज ॥ ३२ ॥
पुछुंएसगवतीप्रतें ॥ भावोनृपकहेठीक ॥ असंभाव्यअद्भुतकिस्यूं ॥ तेसा
षोतहकीक ॥ ३३ ॥ सागरकहेमुक्तसहचरी ॥ हाथेंषोयोहार ॥ अतितकाल
कोईउपरें ॥ विसरीजेंइणवार ॥ ३४ ॥ आजसोजनकरीआवीउ ॥ चित्रसा
लीचीत्रकार ॥ एकथयुंअचरीजइहां ॥ साषुंतेअधीकार ॥ ३५ ॥ ढाल ॥
अरज २. सूणोनेंरूमाराजीआहोजी ॥ एदेशी ॥ एहवे २.मोरएकचित्रमां

होजी ॥ लेवेउंचोरेसात्र ॥ षिणमां२कोटिहलावतोहोजी ॥ किधोपिठविला
स ॥ ३६ ॥ एह ॥ पांष २ षंषेरीउतरयोहोजी ॥ रातांवस्त्रमांहार ॥ मुंकि २
गयोनिजथानिकेंहोजी ॥ क्रउंचित्रप्रकार ॥ ३७ ॥ एह ॥ देषी २ विस्मय
उपनोहोजी॥कहोएस्यूंकहेवाय॥ एहवे २ जय २ रवथयोहोजी ॥ कुसुम
वृष्टितेथाय ॥ ३८ ॥ एह ॥ सूरवर२विद्याधरमल्याहोजी ॥ सांसलीलोकनी
वाणि ॥ पाम्यांपाम्यांकेवलसाङ्गणीहोजी ॥ आव्योऊंइणठाए ॥ ३९ ॥ एह॥
बोले २ नरपतीसांसलोहोजी ॥ साचुंअचरीजएह ॥ एहवुं २ संसवीइंनही
होजी ॥ पुठेसगवतीनेह ॥ ४० ॥ एह ॥ साषे २ तवतेहसाधवीहोजी ॥ ए
हमांअचरीजकांय ॥ करमें २ स्यूंनवीसंसवेहोजी ॥ नियमासफलातेथा
य ॥ ४१ ॥ एह ॥ जेहवां २ शुसाशुसबांधीआंहोजी ॥ तेहवांउदइंथाय॥
अशुसें २ जलअगनीहोइंहोजी ॥ न्यायतेथायअन्याय ॥ ४२ ॥ एह ॥
चंद २ तिमीरहेतूहोइंहोजी ॥ घरमांथीमरीजाय ॥ अर्थ २ अनर्थमीत्रवेरी
उंहोजी ॥ नसथीअगनीवरशाय ॥ ४३ ॥ एह ॥ शुसथी २ विषअमृतहो
इंहोजी ॥ डरिजनसज्जनहोय ॥ अपजस २ तेजसनीपजेहोजी ॥ नहणे
जुधमांकोय ॥ ४४ ॥ एह ॥ पामें २ आचिंतीसंपदाहोजी ॥ सूणीबोलेनर
नाह ॥ कोहना २ कर्मनीपरणीतीहोजी ॥ बोलेसाङ्गणीराह ॥ ४५ ॥ एह ॥
माहरा २ कर्मनीपरणतीहोजी ॥ बोलेतामसूपाल ॥ किमते २ स्यूंनिमोत्तक
होहोजी ॥ साङ्गणीसाषेरञाल ॥ ४६ ॥ एह ॥ जंबु २ द्वीपनासरतमांहो
जी ॥ संखवर्द्धननाम ॥ नयर २ संषपालसूपतीहोजी ॥ धनसार्थपउद्दाम ॥
॥ ४७ ॥ एह ॥ धन्या २ तेहनेंसारजाहोजी ॥ दोयपुत्रठेतास ॥ धनपती २
धनावहनामथीहोजी॥पुत्रीधनसिरीषास ॥ ४८ ॥ एह ॥ जाणो २ तेऊंराजी
आहोजी ॥ परणावीपुरमांहि ॥ तातें २तिहांसोमदेवनेंहोजी ॥ सरताउपरत
तांहि ॥ ४९ ॥ एह ॥ सोग २ नीवातलहीनहीहोजी ॥ उपनोमुर्छनीरवेद ॥
चंद्र २ कांतासीधसाङ्गणीहोजी ॥ पाउधार्यांगतषेद ॥ ५० ॥ एह॥सषीइं२
मुर्छजणव्युंजदाहोजी ॥ गईऊवंदनकाम ॥ जिनघरे २ दिठातेगुणीहोजी ॥

सूंदरपणिदस्नोकाम ॥ ५१॥ एह ॥ कला२कुसलमांनीनहींहोजी ॥ श्रुतदेवी
परेजेह ॥ धरम २ कहेतीश्रावीकासणीहोजी ॥ विंस्मयथयोमुक्तदेह ॥५२॥
एह ॥ पेठी २ जीनघरमांतदाहोजी ॥ घंटाचालीमेहाथि ॥ दिवो २ करी
फूलवरसीश्रांहोजी ॥ पुजीपमीमाजीननाथ ॥ ५३ ॥ एह ॥ धुप २. करीश्र
सूवंदिश्राहोजी ॥ श्राविगुरुणीनेपास ॥ प्रणमी २ धर्मलासतिणेंदिउंहोजी ॥
बेठीतासस्कास ॥ ५४ ॥ एह ॥ पुछे २ मुक्ततुम्हेकिहांथकीहोजी ॥ म्हेंक
सुंइंहाथीश्राय ॥ साष्यो २ सषीइंमाहरोहोजी ॥ जनकजननीठाय ॥५५॥
एह ॥ करमें २ परणीतनषीएंहोजी ॥ सरतामरणतेपामी ॥ नियम २ उपवा
सबङ्घकरेहोजी ॥ मनवैराग्यप्रकाम ॥ ५६ ॥ एह० ॥ देह २ मीगालेंइंणिपरें
होजी ॥ सांसलीतुमवीरतंत ॥ सक्तिं २ श्रावीवंदवाहोजी ॥ मावितश्राणि
लहंत ॥ ५७ ॥ एह ॥ खंम २ सातमेबीजीकहीहोजी ॥ उल्लासेंएहढाल ॥
पंमीत२उत्तमवीजयनोहोजी ॥ साषेपद्मएबाल ॥ ५८ ॥ एह ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा॥साधवीकहेसारुंकर्युं ॥श्राव्यांतुम्हेईहांश्राज॥वलीवैराग्यघणोवहो ॥
करतांश्रातमकाज ॥ ५९॥ एसंसारश्रसारठइं ॥ डुखसाजनडुखदाय॥ धर्म
कहेतेघरमिणी ॥ परिणम्योतासपसाय ॥ ६० ॥ विरतीदेशथीपमीवजी ॥
केतोकवितोकाल ॥ जननीजनकजमघरिगयां ॥ चितव्यूंचित्तविचाल ॥
६१ ॥ साधुपणंलेउंसखर ॥ पुछुंभ्रातनेप्रेम ॥ तेकहेघरमांहितमे ॥ नवोथाइं
किमनेम ॥ ६२ ॥ जिनवरघरनीपजाविउं॥ रहिनेघरश्रावास ॥ प्रतीमासरो
वीपरवमी ॥ करुंनिजज्ञानप्रकास ॥ ६३ ॥ फूलवलीचंदनगंधफल ॥ द्रव्य
नोव्ययतेदेषि ॥ सोजाईमनसावेनही ॥ करकरकरेश्रतीरेष ॥ ६४ ॥ ढाल ॥
पीउजी२नामजपुदिनरातीश्रां ॥ एदेशी॥ म्हेंमनचितव्यूंसाईचित्तजोउंपरी॥
स्यूंमूकएहस्यूंकामहवेरयणीपरी ॥ पोहररातेंतेवाससूवनश्रागलिरही ॥ धन
पतीश्राव्योवासलूवनमांगहगही ॥ ६५ ॥ जिमसाईसांसलेंसोजाईनेंतिमकं
हे ॥ धर्मदेशनामिसथीजीमश्रसंसयलहे॥ सामीराषज्येश्रापणीस्यूंकहिइंघणं॥
सांसलीचितवेतासंपतिकुशीलपणं ॥ ६६ ॥ सगनीजुठनसांसेतिणेंएहथींस

स्युं ॥ आवीजबतेनारिवदनअवलूंकस्युं ॥ पायउंलासीदिवोसमारीतंबोलधरें॥
नारीनीवारीमतशय्यापरपगधरे ॥ ६७ ॥ मनाचिंतेंस्त्रीहासीमुझकरताहस्यें ॥
जवसूतीतवसरतारउठ्योधसमस्ये ॥ नारीकहेस्यूंकारणतवकहेंइणिपरें॥ कां
यनहीपणिनीसरमुझघरबाहिरे ॥ ६८ ॥ साचिंतेंमेंडष्कृतकांयकिधूंपरूं ॥
चिंतविउठिशय्याथीचित्तआलोचकरूं ॥ बडचिंताअंतेपतीनीद्रावआयथयो ॥
सापणिसंसारेंमुझदोषनकोईस्सयो ॥ ६९ ॥ शोकातूरथईचितवेमुझजिववुंन
ही ॥ जिणथीपतिउहवाईअथवाईमसही ॥ मरतांसरतानुंहोयलघुताईपणं ॥
लोककरेविकल्पआंफुंअवलूंघणं ॥ ७० ॥ एडखसहेवाईनहीकहोस्यूंकी
जीइं ॥ अहवानणंदमुझमाहीकामएदिजीइं ॥ बुद्धिघणीजुगताजुगतुंमुझसा
षस्यें ॥ करस्यूंपछेंतेकामनणंदजेआषस्यें ॥ ७१ ॥ मनडखनेंवलीआंपि
आंसूधारावहे ॥ रातिमाहिंषिणमात्रननिंद्रातेलहे ॥ वाससूवनथकीआमण
डमणीनीकली ॥ म्हेंपुछ्युंतसइंणिपरेंकिमरहेटलवली ॥ ७२ ॥ रोतेवदनेकहे
अपराधजाणंनही ॥ रुठोसरतारकहेमुझनिकलतूंबही ॥ मेंकह्युंघोरीयाकरुं
कामझंताहरुं ॥ ईमकरीताईनेंकझंसूणिवचननतेमाहरुं ॥ ७३ ॥ स्योअपराध
कस्योतूझनारीतेकहो ॥ तेकहेडष्टशीलानोनामतेमतलहो ॥ एहथीसंततीविग
झेअपजसवीस्तरे ॥ मलिनकरेवलीकुलनेंसरतासंहरे ॥ ७४ ॥ उत्तयलोकवि
गमेतिणेंकामनएहनुं ॥ म्हेंकह्युंकिमजाणयूंतवचरीकहेतेहनुं ॥ सांसल्युंतूम
पासेंदेशनामीसकल्युं ॥ तवम्हेंकह्युंतूझपंमीतपणंरुमुंलह्युं ॥ ७५ ॥ अहोतुझ
माहपणनेंमुझस्यूंस्नेहजघणो ॥ म्हेंकह्योसामान्येंएहमांदोषजघणो ॥ पणि
नविएहनोदोषदेषाडवाजाणजे ॥ एतलेतूंतुझनारीमांदोषमलावजे ॥ ७६ ॥ स
रमायोनेपश्चातापकरेंअती ॥ अहोमातुंकस्युंकामममनावीतेसती ॥ म्हेंइमघा
स्युंमानस्येंकष्णाधवलसझ ॥ एहसाईहवेंविजानीपणजेवझ ॥ ७७ ॥ इंणि
परेंसाष्युंहाथठेकाणेंराषज्यो ॥ विजुंसर्वपूरवपरेंएहनेंसापज्यो ॥ कपटेंक
रमबंधाणंमुझनेंतिणेंसमें ॥ अन्यदादिक्षामेंलहीजिणेंतवनवीसमें ॥ ७८ ॥
साईसोजाईस्यूंव्रतपालूंझंसदा ॥ आयुषइंसूरलोकेंयथाअमेंअन्यदा ॥ आ

गलिथीमुक्लाईचवीइहांआवीआ ॥ सेठपुरणदत्तपुत्रपणेंनामठावीआ ॥
॥ ७९ ॥ सागरनेंबंधुदेववधंताअनुक्रमें ॥ ऊपणिउपनीगजपुरनगरेंतिणस
में ॥ शंषशेठनीशुसकांतानारीउरे ॥ पुत्रीपणेंथईनांमसर्वांगसूंदरीधरें ॥ ८० ॥
सोजाईउपणिदेवलोकमांथीचवी ॥ कोसलापुरमांनंदनसेठघरेहवी ॥ देविला
कूषेंनारीपणेंबिझंअवतरी ॥ श्रीमतिकांतिमतीअसीधाअनुंक्रमेंधरी ॥ ८१ ॥
जैनधर्मिहुंश्रावककुलउपनाथकी ॥ जौवनवयलहीतिणेंमुक्देषेसङ्ठकी ॥
बंधुदेवगजपुरमांएकदिनआविउ ॥ मुक्नेंदेषीकाममांहिचितलावीउ ॥
॥ ८२ ॥ पुछ्योमुक्वत्तांतवर्द्धननरनेंजदा ॥ सर्वांगसूंदरीएशंषधुआकहेत
दा ॥ तासपीताकनेंमांगीतवतेइमकहे ॥ जोग्यतुम्हेछोपणिएसाधर्मिकलहे ॥
॥ ८३ ॥ श्रावकविणजोगनकहुंसूतनेंदिकरी ॥ म्हेंइमगुरुनेंपासेसुद्धआगम
धरी ॥ तवतेकहेमुक्नेंपणिसाधर्मिककरो ॥ तातकहेसूणोजीनवाणीहृदइं
धरो ॥ ८४ ॥ सावथीश्रावकथाउतवतेशांसली ॥ मुक्लोसेगयोसाधुशमी
पेंतेवली ॥ धर्मसूणीनेंकपटेंश्रावकतेथयो ॥ क्रियाकरेदानादीदिइंएमका
लगयो ॥ ८५ ॥ एकदिनतातनीपासेंआविवीनवे ॥ धन्यथयोहुंमतजाणो
कहेंकेतवे ॥ तुम्हेउपदेसदिधोहुंपणिपामीउ ॥ जैनधर्म्मनेंमिथ्यामतसवी
वामीउ ॥ ८६ ॥ मुक्परलोकनोबांधवदेवगुरुसमो ॥ तूमसमअवरनहोय
अहोतूक्नेंनमो ॥ विदितसंशारस्वसावकुंतिणेंमुक्षपनहीं ॥ कन्यानोतिणेंनि
जदेशेंजास्यूंसही ॥ ८७ ॥ शासनरागेंमुक्नेंमतवीशारज्यो ॥ उचित्तकाममु
क्लिखज्योदृढधर्मधारज्यो ॥ पोतानोगणज्योइंमकहीपाइंपमे ॥ सूद्धस्वसा
वथीतातसत्यचितमांधमे ॥ ८८ ॥ बहुमानेंवलीतातकहेधन्यछोतूम्हें ॥ जि
णेंलाधोजैनधर्मघणस्यूंकहीइंअम्हें ॥ सातमेस्वंमेढालएत्रीजीमनधरो ॥ पद्म
कहेसवीलोककेसङ्जयश्करो ॥ ८९ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ परमारथतुम्हेंपामीआ ॥ मतकरज्योपरमाद ॥ इंमकहीनीकलीउइ
स्यें ॥ नवीकीधोकांयनाद ॥ ९० ॥ सजनमेलावोसर्वनो ॥ करीनेंपूछेकांम ॥
परणावुंकहोतोपछें ॥ तुममननमानेंताम ॥ ९१ ॥ सङ्कहेश्रावकसाचलो ॥

सर्वांगसूंदरीसंग ॥ जोग्यलक्ष्योहवेजीमतूम्हे ॥ मनमानेसोउमंग ॥ ए२ ॥ पर
णावेतवमुक्तपीता ॥ काढ्योकेईककाल ॥ निजघरिआव्योनारिस्यूं ॥ करेउ
छवततकाल ॥ ए३ ॥ वासरगयोवेलाथई ॥ मंगलदिपमंडाए ॥ कुसुमदृष्टी
कीधीतीहां ॥ वासआवासवषाए ॥ ए४ ॥ धुपघमीतिहांघगधगी ॥ लटकां
वीफूलमाल ॥ आव्योसर्त्तांइएसमे ॥ सूणोवातसमकाल ॥ ए५ ॥ ढाल ॥
जिनवचनेंवैरागीउहोधन्ना ॥ एदेशी ॥ इणिअवसरउदइंस्युंहोप्राणी ॥ बां
ध्यूंप्रथमजेकर्म ॥ सोगव्याविएछुटेनहीहोप्राणी ॥ कर्मनराषेसर्मरेहो ॥ सू
एज्योप्राणीकर्मनकिजेंवे ॥ ए६ ॥ षेत्रपालफिरतोथकोहोप्राणी ॥ आव्यो
तीएहीजदेश ॥ कर्म्मपरिणामअचिंत्यछेहोप्राणी ॥ दिठांदंपतीनववेशरेहो ॥
सू० ॥ कर्म० ॥ ए७ ॥ कौतिकजोउंएइहांहोप्रांणी ॥ जिमनवीथायसंजोग ॥
रुपकरीअन्यपुरुषनुंहोप्राणी ॥ पाम्वातासविजोगरेहो ॥ सू० ॥ क०॥ए८ ॥
गोषमांवदनकरीकहेहोप्राणी ॥ सर्वांगसूंदरीकाम ॥ बंधुदेवेंतेनिरषीउहोप्रा
णी ॥ आव्योकषायनेंधामरेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ एए ॥ अरतिथईमुक्तप
रिहोप्रांणि ॥ जाएयुंकुसीलछेनारि ॥ कोईकबोलावीकिमगयोहोप्राणी ॥ इणि
परेंकरतविचाररेहो ॥ सु० ॥ क० ॥ १०० ॥ स्नेहबंधनत्रुटीगयोहोप्राणी ॥
छंआवीतीहांतांम ॥ चेष्टाकीधसूवातएीहोप्राणी ॥ सषीउगईनिजठामरेहो ॥
सू० ॥ क० ॥ १ ॥ द्वारदेईशय्यातएेंहोप्राणी ॥ बेठीएकजदेश ॥ पतीउठ्यो
सहसातदाहोप्राणी ॥ ऊंपणिउठीविशेषरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ २ ॥ म्हेंअपरा
धनपुछीउहोप्राणी ॥ पतितवसूतोतेथी ॥ करतोविकल्पकोम्योगमेंहोप्राणी ॥
निद्राआवीएथीरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥३॥ ऊंपणिमहाशोकेंथईहोप्राणी ॥ घ
रतिइंबेठीताम ॥ रातिगईडखणीघणीहोप्राणी ॥ जाणेंत्रिसूवनस्वामीरेहो ॥
सू० ॥ क० ॥ ४ ॥ सहिउआवीसरतागयोहोप्राणी ॥ पुछेसहीउवात ॥ कि
मतूंमेआमणडमणांहोप्राणी ॥ तवनवीत्रोव्युंजातरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ५ ॥
वातकहेवाजेहवीनहीहोप्राणी ॥ शोकथीकंठनीरुद्ध ॥ सखिबुद्धिपणनासीग
ईहोप्राणी ॥ फिरीपुछेसखिशुद्धरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ६ ॥ व्यतीकरसर्वसू

णावीउंहोप्राणी ॥ तवचिंतेसखिइंम ॥ स्वामीनीमांडुखणनहीहोप्राणी ॥ पति पणिनीपुणठेनेमरेहो ॥सू०॥क०॥७॥ कर्मदोषपरसवतणोहोप्राणी ॥ निश्चय कारणएह ॥ स्वजनपुछ्याविणपतिगयोहोप्राणी॥आव्योचंपाइंतेहरेहो॥सू०॥ ॥ क० ॥ ८ ॥ मातपीतापतीउपरेंहोप्राणी ॥ कोप्यांमाहरेरेराग ॥ व्यवहार टाल्योतेहस्यूंहोप्राणी ॥ मुजउपनोवैरागरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ ए ॥ एसंसार असारमांहोप्राणी ॥डुखतोसोहिलूंहोय॥चारीत्रधर्मतेदोहिलोहोप्राणी॥ चंचल जीवीतजोयरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥१०॥ गृहआश्रमथीहवेसर्युंहोप्राणी॥जे हथीबहुजंजाल ॥ चारित्रलेवुंमाहरेहोप्राणी ॥ जिणथीसूखअसरालरेहो ॥ ॥ सू० ॥ क० ॥ ११ ॥ इंणअवसरतिहांआवीयांहोप्राणी ॥ गुरुणीजसव तीनाम ॥ मातपीताआणालहीहोप्राणी ॥ दिक्षामहीअतीरामरेहो ॥ सू० ॥ ॥ क० ॥ १२ ॥ बंधुदेवपरण्योहवेहोप्राणी ॥ श्रीमतीनामेंनारि ॥ कोसलापु रेंनंदसेठनीहोप्राणी ॥ धुयागुणसंभाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १३ ॥ सागरपर ण्योतेहनीहोप्राणी ॥ लगनीकांतीमतीनाम ॥ तेवधुबिहुंलेईआवीआहोप्राणी ॥ इंणहिजचंपाठामरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १४ ॥ गुरणीसाथिविचरतांहोप्रा णी ॥ आव्यांतुमपुरेराय ॥ फिरतांगोचरीगाममांहोप्राणी ॥ बंधुदेवघरिआय रेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १५॥ मुनीनेंवयरनराखवुंहोप्राणी॥ दिठांतेबिहुनारि ॥ पुरवलवअत्यासथीहोप्राणी ॥ प्रितीथईतेअपाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १६ ॥ यतः ॥ जंअत्यसेईजीवो ॥ गुणंचदोसंचईहजम्मंमी ॥ तंपावईपरलोए ॥ तेणयअसासजोएणं ॥ १ ॥ अत्यासेनकीयाःसर्वा ॥ अत्यासात्सकलाःक लाः ॥ अत्यास्याध्यानमौनादी ॥ किमत्यासस्यडुष्करं ॥ २ ॥ पुर्वढाल ॥ पडीलात्यांअन्नपांणीइंहोप्राणी ॥ आव्यांउपाश्रइंतेह ॥ धर्म्मसूणाव्योदोय नेंहोप्राणी ॥ परणम्योविकसीदेहरेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १७॥ श्राविकाथई हवेवीनवेहोप्राणी ॥ किजेंअमउपगार ॥ धर्मकहोघरआविनेंहोप्राणी ॥ बुझे अमपरीवाररेहो ॥ सू० ॥ क० ॥ १८॥ आणालहीगुरुणीतणीहोप्राणी ॥ गम नागमनकरेय ॥ सातमेखंभेचोथीकहीहोप्राणी ॥ पद्येंढालतेश्रेयरेहो ॥

॥ सू० ॥ कर्म ॥ १९ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ ईणअवसरिआव्यूंउदय ॥ कर्मजेविजुंकिध ॥ रागधणोविझनारी
नो ॥ सासनसक्तीसीध ॥ २० ॥ व्यंतरआश्रितसुवननो ॥ चिंतईईणिपरेचि
त्त ॥ साधवीउपरसाचलो ॥ सक्तिसावसलीरीति ॥ २१ ॥ जोउंरागजोपेंकरी॥
ईणअवसरएकदिन्न ॥ गईझंएहनागेहमां ॥ वाहूवाससवन्न ॥ २२ ॥ हारप
रोवेहर्षस्युं ॥ कांतिमतीनिजकाम ॥ उलीथइआदरदिई ॥ आसनदेवेआम
॥ २३ ॥ साझणीउवेठीसखर ॥ मुझपुर्लेमहाराय ॥ दिधीधर्मनीदेशना ॥ उठी
अवसरठाय॥२४॥ढाल ॥ नंदसलूणानंदनारेलो ॥ एदेशी ॥ जावामाड्युंजेतले
रेलो ॥ कांतिमतीकहेतेतलेरेलो ॥ आजतूमारेपारणरेलो ॥ असनलीउदेहधा
रणरेलो ॥ २५ ॥ आणिकरीसाझणीसणीरेलो ॥ म्हेंतिहांआहारलेवातणीरेलो॥
कांतिमतिस्यूंगयांहवेरेलो ॥ आहारनाघरमांएहवेरेलो ॥२६॥ चित्रमोरमां
अवतर्योरेलो ॥ व्यंतरमोरतेउतर्योरेलो ॥ हारगलीथानिकेंगयोरेलो ॥ मुझनें
विसंसमवझ्ययोरेलो ॥२७॥ पुठस्यूंगुरुणीनेंजईरेलो ॥ ईमचितवीआलयगई
रेलो ॥ वोहरावीनेंकांतीमतीरेलो ॥ वासलूवनमांआवतीरेलो ॥ २८ ॥ हार
जोयोदिठेनहीरेलो ॥ मनचिंतेएस्युंसहीरेलो ॥ कौतूकमोहटुंउपनुंरेलो ॥ क
होताईएस्यूंनीपनुंरेलो ॥२९॥ पुठेतवपरीवारनेंरेलो॥दिठोकोईईहांहारनेंरेलो॥
परीजनकहेजाणंनहीरेलो ॥ पणिकोईआव्युंनहीरेलो ॥ ३० ॥ ईहांआर्या
आव्यांहतारेलो ॥ तूम्हेतीहांजाउजोयतारेलो ॥ कांतिमतीकहेस्युंकहोरेलो॥
एझनेंतृणमणीसमलहोरेलो ॥ ३१ ॥ असंबद्धकहोतेहनेरेलो ॥ कनकपथरस
मजेहनेंरेलो ॥ वातचालीपुरमांघणीरेलो ॥ कसुंमेंआवीगुरूणीसणीरेलो ॥
॥ ३२ ॥ गुरुणीकहेमुझनेंस्यूंरेलो ॥ कर्मेंनिपजेसझकिस्यूंरेलो ॥ तपचारी
त्रअर्थीकांकरोरेलो ॥ मतईणघरिपगलूंधरोरेलो ॥ ३३ ॥ प्रवचनलाघवजाणी
ईरेलो ॥ तेतोप्रयलथोनाणीईरेलो ॥ शरदचंदशासनतणरेलो ॥ मलिनपणंथा
ईधणरेलो ॥ ३४ ॥ अधर्मलहेधरमीनवारेलो ॥ सझहोईदूरगतीजवारेलो ॥
लंधेजिनआणावलीरेलो ॥ संसारहेतूसझनेंसलीरेलो ॥ ३५ ॥ गुणगंमीअगु

णीथईरेलो ॥ धरमनीवाततोवहीगईरेलो ॥ बोधीवालीसंसारमांरेलो ॥ एकदे
ज्युंपारावारमांरेलो ॥ ३६ ॥ सांभलीसंवेगसावनारेलो ॥ तपनीआतमपाव
नारेलो ॥ तपकरेसुविसेषेंहवेरेलो ॥ तसघरवरजेविएजवेरेलो ॥ ३७ ॥ परी
जनमनशंकाघणीरेलो ॥ आवीकानेंनहीएककणीरेलो ॥ आविकाचिंतवेईणि
परेंरेलो ॥ गुरणीईवातजाणीघरेरेलो ॥ ३८ ॥ संकटजाणीनआवीआंरेलो ॥
धरमेंआपणसावीआंरेलो ॥ दोषअनेकपरघरजतांरेलो ॥ इहलोकनानिस्पृह
थवांरेलो ॥ ३९ ॥ आव्यांनहीतेकारणेंरेलो ॥ अम्हेजस्यूंगुरुणीवारणेंरेलो ॥
केइककालइमवहीगयोरेलो ॥ एकदिनचित्तनीरमलथयोरेलो ॥ ४० ॥ कर्मेरा
त्रिपातलीपमीरेलो ॥ शुकलध्यानमांहिचढीरेलो ॥ जिववीरजउल्लस्यूंजदारेलो ॥
अपुर्वकरणथयुंतदारेलो ॥ ४१ ॥ क्षपकश्रेणिमांहिलहीरेलो ॥ केवलज्ञानतो
नुंनहीरेलो ॥ कर्मत्रुटुंजथमाहरूरेलो ॥ श्यंतरचित्तथयुंपाधरूरेलो ॥ ४२ ॥ प
श्चातापेंहारनेंरेलो ॥ मुंक्योकर्मनीवारणेंरेलो ॥ कर्मविपाकमुक्तदाषीउरेलो ॥
सांभलीसहुजनहरषीउरेलो ॥ ४३ ॥ विस्मितथईकहेएहवुंरेलो ॥ अहोएत
लाथीदुखकेहवुंरेलो ॥ राजादिककहेस्वामिनीरेलो ॥ बहुदूखनीखमीजामिनी
रेलो ॥ ४४ ॥ चिहुंगतीमांसमतांथकारेलो ॥ दुखतेकहोकीमकहीसकारेलो ॥
नरकतिरीदूखतोरह्यांरेलो ॥ मनुंष्यनांपणिकिमजाईसह्यांरेलो ॥ ४५ ॥ गरभनें
जनममरणजरारेलो ॥ प्रियविरहादिकदूहकरारेलो ॥ मैथुनसुखमानेंजिकेरे
लो ॥ खरजखननसमतेतिकेरेलो ॥ ४६ ॥ सुखमीगविरसापछेरेलो ॥ धर्म
थकीसहुअघगछेरेलो ॥ बुझीससातवसूपतीरेलो ॥ बंधुदेवकहेसूसमतीरेलो ॥
॥ ४७ ॥ धरमअमेअंगीकरुंरेलो ॥ तुमआणाअमेशीरधरुंरेलो ॥ जिमसूख
देवाणुंप्रियारेलो ॥ विलंवनकीजेंएक्रीयारेलो ॥ ४८ ॥ अठाईमहोछवकरेरे
लो ॥ दानदेईनेंउधरेरेलो ॥ हरीसेननेंराज्येंठविरेलो ॥ दिक्षालिईज्यूंसूरगवी
रेलो ॥ ४९ ॥ पुरुषचंद्रसूरीनेंकनेंरेलो ॥ साथेंप्रधाननेपरीजनेंरेलो ॥ पांचमी
ढालपद्मेंकहीरेलो ॥ सातमेखंमेएसहीरेलो ॥ ५० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ षेदधरीउलषोलतो ॥ सेनतणांत्रीसेण ॥ मिहनलाधुंउलथकी ॥

तवकस्युंमौनजतेए ॥ ५१ ॥ एकदिनसूरजआथमें ॥ फूल्याअकालेंफार ॥ सवनउद्यानमांसूपना ॥ वनपालकतिणीवार ॥ ५२ ॥ आवीप्रधाननेंउलगें ॥ तिमजदिठातिणेंताम ॥ पाठामुलप्रकतिथया ॥ जाणीचिंतेजाम ॥ ५३ ॥ अं बमअष्टांगनिमित्तिउ ॥ सिद्धपुत्रसूवीचार ॥ एकांतिआदरकरी ॥ पुछेप्रधान प्रकार ॥ ५४ ॥ कुसूमविचारतावीकहो ॥ तवबोल्योततकाल ॥ कोपनक रस्योकोपरें ॥ शास्त्रवचनसंताल ॥ ५५ ॥ ढाल ॥ चउसद्दहणातीलिगछे ॥ एदेशी ॥ कोपकिस्येदैवपरिणती ॥ सांषेइंमप्रधानोजी ॥ कहोजेहवुंहोयंते हवुं ॥ तवबोल्योतेविज्ञानजी ॥ ५६ ॥ त्रु० ॥ विज्ञानथीकहेकुसूमउग्यां ॥ अकालेफलतासए ॥ राज्यउलटपलटथास्यें ॥ सांभलोसूविलासए॥ तुरतसह जरवलावजआं ॥ तिणेंथोमोकालए ॥ षीणवेलाबलथकीवली ॥ प्रसूतकालनि हालए ॥ ५७ ॥ कहेंपरधानकरवुंकिस्यूं ॥ सांषोतासउपायजी ॥ दानप्रमु खशांतीकर्मथी ॥ विघनविमारणथायजी ॥ ५८ ॥ त्रु० थायइंणिपरेंनीमी त्तीउकहे ॥ देवगुरूपुजाकरो ॥ जावजीवकांयपापगंमो ॥ गुणअधीकअं गिधरो ॥ पमीहारनृपनोइंणिअवसरे ॥ आवीकहेमहारायए ॥ बोलावेतूमेंनी प्रआवो ॥ तवप्रधानकहायए ॥ ५९ ॥ कहोनृपनेंजईइंणिपरें ॥ आव्यो आणिप्रमाणजी ॥ पुछेतामनीमीत्तीउ ॥ स्येकारणनृपआणिजी ॥ ६० ॥ त्रु० ॥ नैमितीउकहेराजपुरथी ॥ आव्योनृपनरएकए ॥ कल्याणकारीतिणें तुम्हनें ॥ तेमाव्याछेछेकए ॥ संक्षेपथीइंएहजाणुं ॥ तवकहेपरधानए ॥ कं ल्याणकारीकहोस्यूंछे ॥ बोलेतववरज्ञानए ॥ ६१ ॥ उचरोकांयकमुख थकी ॥ तवतेइंणिपरेंसासेजी ॥ जयइजयलछीनीलय ॥ सूणीनींमीत्तीउ विमासेजी॥६२॥ त्रु०॥विमासीकहेनृपकुमरनें ॥ कंन्यादेवाकाजए।आव्यो तिणेंआणंदहेतू ॥ वलिसूणोएकआजए ॥ जेहपरणस्येएहकुमरी ॥ तेहथा स्येरायए ॥ एहतूमचाराज्यकेरो ॥ वलिअन्यनोथायए ॥ ६३ ॥ नैमित्तीउ विसर्जिउ ॥ पुजीहर्षलहीनेंजी ॥ शांतीकर्मआणाकरी ॥ गयोनृपपासेवही नेंजी ॥ ६४ ॥ त्रु० ॥ रायउठीआशनआप्युं ॥ दिठेनयणेंउतए ॥ नृपकहे

रायपुरसूपनरए ॥ सूणोतसञ्आकुतए ॥ ञांषनरपतीईमकहावे ॥ सूतामुफ्ञ्यां तीमती ॥ आपीतूम्हसूतगमेतेहनें ॥ वाहलीजिवीतथीअती ॥ ६५ ॥ कहेमं त्रीअनुंकूलए ॥ किजेंतासवचन्नजी ॥ रायकहेमानोसूखें ॥ सेनकुमारनेंदि न्नजी ॥ ६६ ॥ त्रु ॥ सामंतनयरीजननेंजएवे ॥ मंत्रीवर्द्धापनकरे ॥ वाजेमं गलतूरनाचे ॥ अंतेउरीआणंदधरे ॥ आणंदसक्कनेंउपनोपणि ॥ ऊहवाणोवि सेएए ॥ सुणिनसकुंएहव्यतीकर ॥ देषीसकीईकेएए ॥ ६७ ॥ केइकदिनप ठीमोकले ॥ परणवासेनकुमारोजी ॥ बक्कआमंबरेंपरवस्यो ॥ मंत्रीप्रमुखपरीवा रोजी ॥ ६८ ॥ त्रु ॥ परीवारसेतीगयोतीहारें ॥ सामईउंतेनृपकरे ॥ ठोमाव्या सक्कबंदिजननें ॥ दानदेवेशुलपरें ॥ राजमारगशुद्धकीधो ॥ पात्रनाचेंपगपगें ॥ इत्यादिकपरवेशमहोठव ॥ आमंबरथीझगमगे ॥ ६९ ॥ उतरेनृपदत्तसूव नमां ॥ लगनदिवसवरतावेजी ॥ अनुंक्रमेगजञीरवेशीनें ॥ विवाहमांमवे आवेजी ॥ ७० ॥ त्रु ॥ बक्कपरिशिणगारकरीनें ॥ पहेरीवस्त्रअलंकारए ॥ रुपअदसूतदेषीचिंते ॥ तामसेनकुमारए ॥ लवअनादिअस्यासदोषें ॥ जा ग्योप्रेमअंकुरए ॥ अहोएहवासावजगमां ॥ उपजेसरपुरए ॥ ७१ ॥ पाणि ग्रहणथयुंतीहां ॥ फेराफरतांतामजी ॥ दानदिईबक्कनरपती ॥ सुखलोगवेशु लधामोजी ॥ ७२ ॥ त्रु ॥ वोलावीआकेईदीवसरहीनें ॥ आव्यानिजपुरीउमही ॥ नरपतीअंतेउरनगरजनसक्क ॥ आव्याशनमुखगहगही ॥ पेशारामहोठवक रीनें ॥ लाव्यानीजआवासए ॥ तवविसेनकूमरडलाणो ॥ पुरववैरअस्यास ए ॥ ७३ ॥ कालगयोवलीकेतलो ॥ आव्योमासवशंतोजी ॥ कामिनीजनम दनाकूली ॥ मलयअनीलवायंतोजी ॥ ७४ ॥ त्रु० ॥ कोकीलरवेंकरीपथीक असव्या ॥ केसूफाफूलिरसां ॥ अंबमंजरीतणेंपरीमल ॥ भमरअतीआणंदलं सां ॥ राढामिलीतिहांअतीअनोपम ॥ तामसेनकुमारए ॥ वस्त्रउज्वलअनें आलूपण ॥ साथेंबक्कपरीवारए ॥ ७५ ॥ अमरनंदनउद्यानमां ॥ कनककट कधरयांहाथोजी ॥ बाजुबंधनेंकुंमल ॥ केफेकटीसूत्रतेसाथोजी ॥ ७६ ॥ त्रु० ॥ तीणेंसाथिमाथेमुगटपहिस्यो ॥ बेठोगजवरउपरें ॥ वाजतेवाजेबंदीज

नस्यूं ॥ परवस्योजवनीश्चरे ॥ खंडस्रातमेपत्मविजइं ॥ कहिठगीढालए ॥ स
मरादीत्यनारासमांहि ॥ सूणतांमंगलमालए ॥ ७७ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ ऐरावणपरिंइंद्रजिम ॥ सूरपरीवृततिमश्चेना॥शांतिमतीपणिसोहती ॥
सूषणवक्रसरणेण ॥ ७८ ॥ रसणामणीनेउरवर ॥ हारकुंफलश्चोहंत ॥ चंद्रमु
षीचतुराघणं ॥ माननीजनमोहंत ॥ ७९ ॥ जमीतरतनजंपानमां ॥ बेठी
बालातेह ॥ डुहवाणोदेषीइस्यूं ॥ जमोविसेनोजेह ॥ ८० ॥ पुरवकर्मविपाकं
स्यूं ॥ अवलूंसूफेश्चाम ॥ मारूंएहनेंमुलथी ॥ गवोफेमुंगाम ॥ ८१ ॥ अमर
नंदनउद्यानमां ॥ आव्योकुमरआराम ॥ वाविसरोवरवृक्षनें ॥ देषीहर्षउद्दाम
॥ ८२ ॥ उतरीउअवनीतलें ॥ क्रिमाविविधप्रकार ॥ करतांदिनसवीनिक
ल्यो ॥ आव्यानीजआगार ॥ ८३॥ इमनितरमवाआवतो ॥ सेनकुमरसुहम
न ॥ मारापुंठेमुकतो ॥ विसेनकुमरविषिन्न ॥ ८४ ॥ ढाल ॥ लोहारणीजायो
दिकरो ॥ लोहारीहे॥तेहनुंफूलणीउदिउनामके॥लालसूरंगीहे ॥ एदेशी ॥ इंम
करतांवक्रदिनगया ॥ सूणोप्राणीहे ॥ एकदिनथयामध्याह्न ॥ लालगुणषाणी
हे ॥ परीजनसक्रविरलाथया ॥ सू० ॥ रह्योनिजसवननेंथान ॥लाल० ॥८५॥
निज २ कामेंचरगया ॥ सु० ॥ हवेधरीतापसवेस ॥ लाल० ॥ आव्याविसे
णकुमारना ॥ सु० ॥ कपटकरीकायक्लेश ॥ लाल० ॥ ८६ ॥ नलीकाप्रयो
गेंषमगधरी ॥ सु० ॥ देषेसेनकुमार ॥ला० ॥ क्रकमकरयोआववातणो ॥सु०॥
आव्याजामतिवार ॥ ला० ॥ ८७ ॥ स्येकारणतूमेआवीआ ॥ सु० ॥ इंमपुठे
सेनकुमार ॥ ला० ॥ तेकहेगुरूआणायकी ॥ सु० ॥ आवोएकांतेठार ॥ला० ॥
॥ ८८ ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ सु० ॥ तपसीगुरूवचकार ॥ ला० ॥ थोमो
इंदोषएहमांनही ॥ सु० ॥ शुद्धहृदयइंमधारि ॥ ला० ॥ ८९ ॥ गयाएकां
तेंजेतले ॥ सु० ॥ छुरीकूढावीलीध ॥ ला० ॥ काढिषमगषंधदेशमां ॥ सु० ॥
गाढप्रहारतेकीध ॥ ला० ॥ ९० ॥ कोप्योकुमरचितेंस्यूंथयुं ॥सु०॥ वलिआवे
पास ॥ ला० ॥ अचलीतवीर्यकूमरघणं ॥ सु० ॥ प्रमीआतेहनेंपास ॥ला०॥
॥ ९१ ॥ घातकपोसायाघणं ॥ सु० ॥ जित्याएकेंच्यार ॥ ला० ॥ खमगकूटा

वीनेंलीआं ॥ सु० ॥ देषीएहप्रकार ॥ ला० ॥ ए२ ॥ ओरकस्योवनपालीका ॥ सु० ॥ तवआव्याचोकीआत ॥ ला० ॥ खम्गथीमारवांमांडीआ ॥ सु० ॥ तवकुमरनिषेधकरात ॥ ला० ॥ए३॥ कोलक्षानवलाथया ॥ सु० ॥ जीवीतनीनहीआस ॥ ला० ॥ मारेमुआनेंसुंहोइ ॥ सु० ॥ आस्याअफलथईजास ॥ ला० ॥ए४॥ रायसुणीतीहांआवीआ ॥ सु० ॥ बंधाव्यातेचोर ॥ ला० ॥ सूपकहेएस्युंथयुं ॥ सु० ॥ कुमरकहेतिणेंगोर ॥ ला० ॥ए५॥ कांयअमेजाणंनही ॥ सु० ॥ घातकनेंकहेताम ॥ला०॥ स्युंएकस्थुंकोणेंमोकल्या॥सु०॥ निमीत्तविनानहीकाम ॥ ला० ॥ ए६॥ नवीबोल्यातेतवफिरी ॥ सू० ॥ पुछेइं मन्नणिवार ॥ ला० ॥ तोपणिजवनवीबोलीआ ॥ सु० ॥ तवतसदिधोमार ॥ ला० ॥ ए७ ॥ नवीअषमाणाकोरमा ॥ सु० ॥ जिवीतनीवलीआस ॥ ला० ॥ सूपकोपनखमीसक्या ॥ सु० ॥ वातकहीसचीतास ॥ ला० ॥ ए८॥ कुमरविसेनेंमोकल्या ॥ सू० ॥ किधुंएहअकाज ॥ ला० ॥ कोप्योवीसेनकुमरतणी ॥ सु० ॥ सेनकहेसुणोराज ॥ ला० ॥ एए ॥ कुमरवीसेनएनवीकरे ॥ सु० ॥ स्वजनतणोहीतकार ॥ ला० ॥ तातनोसुतजसअरथीउ ॥ सु० ॥ नकरेविरुइं कूमार ॥ ला० २०० ॥ जीवीतईछकइमकहे ॥ सु० ॥ तिणेंकिजेंसुपसाय ॥ ला० ॥ घातकसुंकोतातजी ॥ सु० ॥ तामगवेषेराय ॥ ला० ॥ १ ॥ कुमरविसेननानीश्वयें ॥ सु० ॥ कोप्योरायअपार ॥ ला० ॥ काढीमुंकोमुऊराज्यथी ॥ सु० ॥ कुलडषकएकूमार ॥ ला० ॥ २ ॥ काढोएघातकजीवथी ॥ सु० ॥ तवपमीउसेनपाय ॥ ला० ॥ सांषजोएइमकरो ॥ सु० ॥ तोमुऊउ खअतीथाय ॥ ला० ॥ ३ ॥ थास्येअवस्थामुऊतणी ॥ सु० ॥ जिणेंतूमउपजेशोक ॥ ला० ॥ तेहसूणीनृपचिंतवे ॥ सु० ॥अहोअंतरजुउलोक ॥ला०॥ ४ ॥ नृपकहेतुऊनेंजेगमे ॥ सु० ॥ पणिनहीजुगतीवात ॥ ला० ॥ कुमरकहेअनुंमहकस्यो ॥ सु० ॥ करतांएअवदात ॥ ला० ॥ ५ ॥ मुंक्याघातकजीवता ॥ सु० ॥ कुमरराष्योजिणेंपास ॥ ला० ॥ बणकर्मनीआणाकरी ॥ सु० ॥ सुभगयोनीजवास ॥ ला० ॥ ६ ॥ लोकवादएहवोथयो

॥ सु० ॥ अहोहिएकंकरयुंकांम ॥ ला० ॥ इमअपजसविसेननो ॥ सु० ॥
सेनसूणीडखधाम ॥ ला० ॥ ७ ॥ विणअपराधेंअहोजुउ ॥ सु० ॥ अप्रज
सताजनथाय ॥ ला० ॥ निंदितडर्जनआचरे ॥ सु० ॥ तेएहृथीनकराय ॥
॥ ८ ॥ ला० ॥ लोकनीरंकुसनवीचारे ॥ सु० ॥ जुक्ताजुगतूंजेह ॥ ला० ॥
अथवापुरवकर्मथी ॥ सु० ॥ निपजेसघलुंएह ॥ ला० ॥ ए ॥ डहवाणो
सेनइंणीपरें ॥ सु० ॥ हवेरुक्माणोपरहार ॥ ला० ॥ सुतदिवसेंन्हायोवली ॥
॥ सु० ॥ दानदिइंअपार ॥ ला० ॥ १० ॥ मुंक्यावंदिलोकनें ॥ सु० ॥ पूज्या
नयरीनादेव ॥ ला० ॥ मंगलतूरवजावीआं ॥ सु० ॥ वधामणंकरेहेव ॥
॥ ला० ॥ ११ ॥ सातमेंखंमेंसातमी ॥ सु० ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ ला० ॥
श्रीसमरादित्यरासमां ॥ सु० ॥ धर्मथीमंगलमाल ॥ ला० ॥ १२ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ नरपतीदर्शननवीलहे ॥ कुमरविशेनकिवार ॥ नविमनाचिंतेनीप
नुं ॥ ईंगितकामएवार ॥ १३ ॥ उचितकरेनहीएकपणि ॥ परिजनपरीचय
त्याग ॥ उछवमांनवीआवीउ ॥ किमहंआमांकाग ॥ १४ ॥ सेनकुमरतेसां
सली ॥ चित्तमांकरेवीचार ॥ अछतुंआलदिइंजना ॥ नसहाइंनीरधार ॥ १५ ॥
तिहांजईनेंकहितातनें ॥ लावुंचरणलगाय ॥ जगतिपतीजईवीनव्यो ॥ कहें
मुझकरोपसाय ॥ १६ ॥ कुमरविनाआणंदकीस्यो ॥ नृपकहेसांसलन्याय ॥
कुलकलंकनीवातकीम ॥ करतांजसकहेवाय ॥ १७ ॥ सेनकहेसाचोनही ॥
विकलपतणोविचार ॥ आचरेनहीअकार्यनइं ॥ आणिकरोएवार ॥ १८ ॥
लोलोतूंलोलायछे ॥ देषेसघलूंडध ॥ पणिएकूटिलपराक्रमी ॥ लागेमुझमन
लूध ॥ १९ ॥ कहेकुमरसांपोकिस्यूं ॥ गुणथीअतीगंसीर ॥ बालससावबाहि
रकस्यो ॥ पणिधरेअपजसपीर ॥ २० ॥ रायकहेतूंमनरूचे ॥ तिमकरि
सूखेंतेमावि ॥ तवस्वयमेवतिहांगयो ॥ आषेंइंणिपरेआवि ॥ २१ ॥ ढाल ॥
मालाकिहांछेरे ॥ एदेशी ॥ आमणडमणनेंवलीडर्बला ॥ वाल्हामारा ॥ आसूमण
नहीअंगरे ॥ वदनकमलकमलाणंजेहनुं ॥ देषेसेनविरंगरे ॥ २२ ॥ उत्तम
एहवारे ॥ अपराधीस्यूंनेह ॥ करेसुखदेवारे ॥ एआंकणी ॥ त्रुटीजुनीखाटें

सूतो ॥ वा० ॥ देषीविसेननेंचितेरे ॥ अवगताअवगुणजनजवलाषे ॥ डषनावे
किणीरीतेंरे ॥ २३ ॥ ऊ० ॥ यतः ॥ संतगुणविप्पणासो ॥ असंतदोसुक्रवेय
जंडरवं ॥ तंसोसेईसमुद्दं ॥ किंपुणहियमणस्साणं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ रेताई
वगेनृपपासें ॥ वा० ॥ बालचेष्टानवीकीजे ॥ पापचितानकरोघटमांहि ॥ चि
त्तउगाहधरीजेंरे ॥ २४ ॥ ऊ० ॥ ईगविणअलंकारकरावे ॥ वा० ॥ चंदनच
रचेअंगेरे ॥ क्षोमजुगलपहिराव्युंसेनें ॥ दिउंतंबोलउमंगेरे ॥ २५ ॥ ऊ० ॥
लाविनृपनेंपायलगाम्यो ॥ वा० ॥ हवेउगववर्त्ताव्यो ॥ अनुक्रमेंकेईककाल
गयाथी ॥ सेनविश्वासेंसाव्योरे ॥२६॥ऊ० ॥ एकदिनकौमुदीमहोगवकरवा ॥
वा०॥ नृपचाल्याउद्यानें ॥ नगरलोकक्रीमामांमम्या ॥ जुउअचरीजइणथाने
रे ॥ २७ ॥ उ० ॥ मत्तमतंगजछुटोथंसथी ॥ वा० ॥ आलानथंसउषेमी ॥
पादपसांजतोलोकनेंसनमुख ॥ चाल्योमीगगगेमीरे ॥ २८ ॥ ऊ० ॥ हाटिश्रे
णीसांजेंथयोकलकल ॥ वा० ॥ लोकतेचिङ्कदिशनाग ॥ रायजाणीकहेपक
मोएहनें ॥ किमबलथीसङ्घागरे ॥ २९ ॥ ऊ० ॥ आणालहीतवशेनकुमा
रह ॥ वा० ॥ तेहनेंसनमुखधायो ॥ सिंहकिसोरपरेंगजदेषी ॥ मदसवीडर
पलायोरे ॥ ३० ॥ ऊ० ॥ करीअसवारीअंकुशमहीनें ॥ वा० ॥ कुंसस्थ
लेंतेदीधी ॥ गुल२शब्दकर्योगजराजें ॥ जसकिरतीवङ्कलीधीरे ॥ ३१॥ऊ०॥
डसाणेएजससांसलीनें ॥ वा० ॥ चितेविसेनकुमार ॥ एडरवतोमेंखम्युंनवी
जाइ ॥ करीइंकिस्योप्रकाररे ॥ ३२ ॥ ऊ० ॥ जेयानारतेयाज्योपणङ्गावा०
मारुंमाहरेहाथे ॥ एकदिनशेनकुमरउद्यानें ॥ रह्याशांतीमतीशाथेरे ॥ ३३॥
॥ ऊ० ॥ संध्यासमयेंकेईनरसाथें ॥ वा०॥ सेनसकतीनवीचारी ॥ क्रोधवसें
नीजबलअणतोली ॥ चाल्योमारवुंधारीरे ॥ ३४ ॥ ऊ० ॥ चंदनलताघरमां
हिंपेठे ॥ वा० ॥ दिठेकुमरएकाकि ॥ शांतिमतीसुतीदेषीनें॥ काढ्यूंषङ्गते
ताकीरे ॥ ३५॥ ऊ०॥ शांतिमतीदेषीकहेपीउनें ॥ वा० ॥ तवसंभ्रांततेपामी॥
घातकर्योतेवंचावीलीधो ॥ कलबलगलनहीषांमीरे ॥ ३६ ॥ ऊ० ॥एस्यूंइम
शुन्यहृदयेंकरीनें ॥ वा० ॥ खङ्गतेअपहरीलीधुं ॥ काढिछुरीवलीमारण

कामें ॥ कामअकारजकिधुंरे ॥ ३७ ॥ ऊ० ॥ करमरमीनेंतेहकूंटावी॥वा०॥
लीधीसेनकुमारें ॥ तेहनीपीडाइंपड्योहेठो ॥ उठावेश्रेनत्यारेरे ॥ ३८॥ ऊ० ॥
हायकालीसज्याइंबेशारी ॥ वा० ॥ पुठेसंभ्रमवातो ॥ कंठरुंधांणोउंत्तरनदि
धो ॥ उठ्योचित्तथीहारीरे ॥ ३९ ॥ ऊ०॥ नीकलीउंहवेतीहांथीत्यारे ॥वा०॥
शांतीमतीपतीपुछे ॥ सीएवातकहेतवमुजनें ॥ खबरनहीएस्यूंछेरे ॥ ४० ॥
ऊ० ॥ पणिसामान्येंएहवुंजाणुं ॥ वा० ॥ राज्यअरथेंकोईप्रेस्यो ॥ इंणेथा
निकरहेवुंमुजनघटे ॥ जिणेंताईडपथीघेरयोरे ॥ ४१ ॥ ऊ० ॥ जोकदी
नृपजाणेंकोईलिंगें ॥ वा० ॥ तोघरमांथीकाढे ॥ अंबाश्रोकधरेकुललाघव ॥
कुपुरुषकलंकएचाढेरे ॥ ४२॥ ऊ० ॥ कुलनिंदाराषेतेसुपुरिस ॥ वा०॥ इंमसु
णीबोलेनारी ॥ तुम्हनेंकिमनृपजावादेस्ये ॥ कुमरकहेसुणिप्यारीरे ॥ ४३ ॥
ऊ० ॥ गुरुनेंसाप्याविणजावुंछे ॥ तेहमांगुणबहुजाणी ॥ शांतीमतीकहेहे
स्वामीजी ॥ परमाणतुमचीवाणीरे ॥ ४४ ॥ ऊ० ॥ सेनकूमारकहेचालोहव
इं ॥ वा० ॥ रखेकूमारतेनासे॥लज्जापरीसहनांहिषमाइं ॥ तिणेंनवीरहेएवासे
रे ॥ ४५ ॥ऊ० ॥ सातमेखंमेंआठमीढालें ॥ वा ॥ सज्जनवातएजोज्यो॥पद्म
विजयकहेडरजनसरीषा ॥ सविकाकोईमतहोयोरे ॥ ४६ ॥ ऊ० ॥ ॥थ्या
॥ डुहा ॥ सज्जनशेलमीशारीषा ॥ आपेरसअसराल ॥ पीड्यापणपिडेनही ॥
मोहटातेहमयाल ॥ ४७ ॥ अर्कहवइंतिहांआथम्यो ॥ परीजननेंकहेप्रेम ॥
आजइंहांवसवुंअछे ॥ जाउसहुइंजेम ॥ ४८ ॥ सज्याहवेतिहांसजकरी ॥
मस्तकदूखेमुज ॥ इमकहीसहुअलगांकर्यां ॥ गांगिचित्तमांगुज ॥ ४९ ॥
उंध्यासहुइंएतले ॥ अबलानेंकहेइंम ॥ देशांतरदिरघघणां ॥ निकलवुंतोनें
म ॥ ५० ॥ आपदपणिआवेकदा ॥ कर्मवीचित्रनांकांम ॥ अबलानोअवस
रनही ॥ नपमेसुझिनुंनाम ॥ ५१ ॥ शांतीमतीकहेस्वामीजी ॥ फिकरनकरी
इंफोक ॥ तूमसाथेंमुजवर्त्ततां ॥ स्योमुजनेंछेशोक ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ धन ३
संप्रतीसाचोराजा ॥ एदेशी ॥ शांतिमतिस्यूंचाल्योतिहांथी ॥ नकहीकोईनें
वातरे ॥ चंपावासगाममांहिआव्या ॥ चालिरातोरातिरे ॥ ५३ ॥ सज्जनपरी

कहीणीपरेंकीजें ॥ एम्प्रांकणी ॥ अर्कउग्योनेंथाकीअबला ॥ वेगेंएकवनमां
हिरे ॥ रायपुरवासीसारथवाहसूत ॥ सानुदेवआव्योत्यांहिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥
उलषीनेंचित्तमांइमचिंतें ॥ किहांथीरतीनेंकामरे ॥ रायतोकाढिनमुंकेंएहनें ॥
एहमहागुणधामरे ॥ ५५ ॥ स० ॥ गुणपक्षपातीहरीषेणराजा ॥ तिणेंकारण
कोईअन्यरे ॥ कोईसमर्थनकाढवाएहनें ॥ पणकोईउदवेगमन्नरे ॥ ५६ ॥
॥ स० ॥ प्रणमीपुछुंइमवीचारी ॥ पुछेकरीपरणामरे ॥ खेदमकरज्योअंजा
ण्योपुछुं ॥ कूंअरबोलेतामरे ॥ ५७ ॥ स० ॥ षेदतणोअवसरनहीसाषो ॥ त
वबोल्योसानुदेवरे ॥ तुम्हससरापुरनोऊंवासी ॥ तामलीमीजाउंहेवरे ॥ ५८ ॥
स० ॥ माहरोसाथइहांउतरीउ ॥ आव्योआचमननेंकाजरे ॥ पासेसरोवरछें
अतीसूंदर ॥ आव्योतेहनीपाजिरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एहनीकुंजमांपेसतांउप
नो ॥ मुझनेंअतीआणंदरे ॥ म्हेंजाण्युंइहांहरषतेथास्ये ॥ दिठेतूमसुखचंदरे॥
॥ ६० ॥ स० ॥ रायपुरेंम्हेंदिठातूमनें ॥ उलष्याकारणतेणरे ॥ हरषलह्योपं
णिषेदउपनो ॥ दिठाएकाकीजेणरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ कहेवाजेहवीहोयतोसा
षो ॥ चिंतेतामकुमाररे ॥ अहोअनुरागवचनचतुराई ॥ साषेइमउदाररें ॥६२॥
॥ स० ॥ सांसलिकारणपुछेकहेस्यूं ॥ पणितामलीमोइंजावुंरे ॥ सार्थपकहेमु
झसाथेंआवो ॥ कूमरकहेतेनावुरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ ताततणाअसवारजोआ
वे ॥ तोमुझनेंलेईजावेरे ॥ सानुदेवकहेरहेस्यूंइहां ॥ जवतेआवीनेजावेरे ॥
॥६४॥स०॥ नानाकरतांपणितेरहीउ॥तवत्रेनकूमरतेलासेरे॥जाउसाथमांकोई
नेंमकहेज्यो ॥ मतआवज्योइणवासेरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ सार्थपचाल्योआप
साथमां ॥ आव्यांतेअसवारोरे ॥ पुछेसाथनेंनरनारीकोई ॥ दिठेइणहीपकारो
रे ॥ ६६ ॥ स० ॥ साथकहेइहांकोईनआव्युं ॥ तवकहेमाहोमांहिरे ॥ कूमर
नोएहनमारगजावा ॥ म्हेंसाष्युंहतूत्यांहिरे ॥६७॥ स० ॥ रायपुरमारगचा
लोइहांथी ॥ इमकहीगयाअसवारोरे ॥ थोमीवेलाइंमोकलेसार्थप ॥ दंपतीनें
आहारोरे ॥ ६८ ॥ स० ॥ वातकहेसार्थपआवीनें ॥ सूर्यआथम्योजामरे ॥
लाव्योसाथमांपाछलीरातिं ॥ किधप्रयाणतेतामरे ॥ ६९ ॥ स० ॥ शांतिमती

स्यूंकुमरनेंआपे ॥ बेसवानेंजंपानरे ॥ मारगजातांमेरादेईनइं॥उतरीयाकोईवा नरे॥७०॥स०॥ इमनीतनीतप्रयाणकरतां॥ वोल्याकेईकदीन्नरे॥ एकदिनदत्त रतीअटवीमां॥ उतर्योसाथतेवन्नरे ॥ ७१ ॥ स० ॥ सयजाणीचोकीचिहुं पासें॥ मुंकीथईसावधानरे॥ प्रातसमयचोकीसहुउठी ॥ सहुगयानीज २ थानरे॥ ७२ ॥ स० ॥ चाकरसर्वेलादवालागा ॥ आवीसिल्लनीधामिरे ॥ बा णतणोवरसातवरसावे ॥ सिंगनासब्दवजामीरे ॥७३॥स०॥ मारि २ करताते आव्या ॥ खेदलह्याकर्मकाररे॥ आमहथीआराआगलिदोम्या ॥ लागोजुद्ध अपाररे ॥ ७४ ॥ स० ॥ शांतिमतीनेंधीरजआपी ॥ चाल्योसेनकूमाररे॥ केसरीहरणजुथज्यूंत्रसव्या ॥ सबरसेन्यपमीहारिरे ॥७५ ॥ स०॥ बिजीदिस थीसाथनेंसेल्यो॥ लुट्युंसांमजसाररे ॥ आमहथीआरापाम्यासघला ॥ नाठी सघलीनारीरे ॥ ७६ ॥ स० ॥ कुमरआव्योजबएहदीशाइं॥ सिल्लतणीपमी नासिरे॥ एकाकीदेषीपल्लिपती॥ आव्योताससकासिरे ॥ ७७ ॥ स० ॥ ना स्युंषमगकुमरवंचावे॥ कुमरेंदिधप्रहाररे ॥ मुर्छालहीपल्लिपतीपमीउ ॥ वीजें कूमरतिवाररे ॥ ७८ ॥ स० ॥ ढुकमासरथीकमलिपत्रें ॥ लाविसिंचेंनीररे॥ नयनउघामीतामविलोके॥कुणएसाहसधीररे॥७९॥स०॥ रुपेंमयणपराक्रमें केसरी॥दयाइंमुनीकुमाररे ॥ ठेसूकमालपणिदृढप्रहारी ॥ सत्रुनेंमीत्रअनुं हाररे ॥ ८० ॥ स० ॥ परमेसरएदीसेसाचो॥ कामअजुक्तूंकीधुंरे॥ एहवा पुरुषनेंआपणेंइंणिपरें ॥ साथलूंटिउखदिधुंरे ॥ ८१ ॥ स० ॥ सातमेखंमे समरादित्यना॥ रासमांनवमीढालरे॥ पद्मविजयकहेसांसलोश्रोता ॥ आग लिवातरशालरे॥ ८२ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुमरकहेमतआकूला ॥ सद्भाग्यवंत ॥ कहेपल्लिपतीकेहवुं ॥ स्वस्थपणंप्रमसंत ॥८३ ॥सीलसेन्येंआवीसणें ॥ इंणअवसरकोईइंम॥पल्लि पतीनेंपामीउ ॥ करस्यूंकहोहवेकेम ॥ ८४ ॥ मार २ करतामनुंज ॥ तिहां सबरनाताम ॥ आव्यादेषीआफणी ॥ सानकरेपल्लिस्वामि ॥ ८५ ॥ मुझजी त्योएमहापुरुष ॥ मतकरज्योपरवाद॥ स्त्रिआलीकरीतेसुणी ॥ उपनोबहुआ

ल्हाद ॥ ८६ ॥ हाथजोडीमुंकीहवे ॥ धनुंषतीरधरीकंध ॥ परसूतेहवेपाणी
नें ॥ आव्यांअंजलीबंधि ॥ ८७ ॥ असयतेआपोअमतणी ॥ सेनकहेसूवी
चार ॥ आयुधरहीतनेंअसयछे ॥ इणअवसरअवधारि ॥ ८८ ॥ ढाल० ॥
सूणोहोतेऊंअनाथी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतीपाएपडे ॥ कहेखमोमुझअपराध ॥
साथतुमारोलूटिउ ॥ तिणेंकिधुंरेपापअगाध ॥ ८९ ॥ कुमरजीकिधोरेअम
उपगार ॥ तुमसरीषाजगमांदूच्यार ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ इमकहीकरीउद
घोषणा ॥ संग्रामकीधोदूर ॥ जिणेंजेलीधुंहोइते ॥ लावोरेमुझहजुर ॥ ९० ॥
कु० ॥ कोईकनेंकांईरहेस्येकदा ॥ तोटालूतेहनोगाम ॥ ततकालसऊलेलूंक
री ॥ कहेजुउरेएदाम ॥९१॥ कु० ॥ कहेकुमरनहीस्वामीअम्यो॥ सऊवाहसू
तजोआय ॥ तोउलषीनेंसघलूंलहे ॥ सूणीतेहनेंरेषोलवाजाय ॥ ९२ ॥ कु०॥
एकवननंकूंजेंतेलह्यो ॥ लाविआतेहनेंतांम ॥ कहेपल्लीपतीनवीजाणीउ ॥
एहवारुमारेपुरुषएगाम ॥ ९३ ॥ कु० ॥ इणेंजीत्याअमनेंएकले ॥ अम्हेप
णीवज्योएनाथ॥ एऊनातुम्हेअम्हेतूमतणो ॥ लूटिलीधोरेइंणिपरेंसाथ ॥९४॥
कु० ॥ चिजसावएतूमतणी ॥ लेज्योसंसालीसाय ॥ सार्थपवीचारेचित्तमां॥
ईणएकेंरेकिधपञाय ॥ ९५ ॥ कु० ॥ सार्थपकहेसऊआवीउ ॥ हरष्योतेप
ल्लीस्वामि ॥ कूमरविचारेएहनी ॥ सऊनतारेजुउआम ॥ ९६ ॥ कु० ॥ अहा
रतससंजावीआ ॥ दिधोकंदोरोआप ॥ जाणीपञादअंगीकस्यो ॥ पल्लिनाथें
रेमोहटानीछाप ॥९७॥कु०॥ त्रणकर्मबीजापुरुषनां॥वलीकरावेतकूमार॥ क
हेपल्लीछेकुकमी ॥ मुझपालिरेचालोएवार ॥ ९८॥ कु० ॥ उपगारकीजेंमुझत
णी ॥ बोलेतेशेनवीचार ॥ सार्थपप्रमाणएवातमां ॥ सानुंदेवरेसाषेतीवार ॥
॥ ९९ ॥ कु० ॥ तुमदरीसणेंदिठीअम्हें ॥ तूमचीमनोहरपालि ॥ इंणसमेंसा
नुंदेवनो ॥ सूपकाररेआव्योतेकालि ॥३००॥ कु० ॥ आंसूनीधारथंचेनही ॥
कहेगयुंसर्वजेसार ॥ नृपसूताकहींदिसेनही ॥ सूणीऊउरेआकुलोकूमार ॥
॥ १ ॥ कु० ॥ सानुंदेवविलषोथयो ॥ पल्लिपतीथयोमुंढ ॥ कहेराजपुत्री
कुणअछे ॥ मुझसाषोरेतेहनुंगुढ ॥ २ ॥ कु० ॥ कहेसानुंदेवराजपुरतणो ॥

शंषपालनामेंराय ॥ तेहनीसूताआकुमरनी ॥ शांतीमतीरेघरणीथाय ॥ ३ ॥ कु० ॥ पल्लिपतीकहेकिमबन्युं ॥ तवकहेतेसूपकार ॥ संग्राममांसाहमोग यो ॥ जवघाईरेत्रोनकूमार ॥ ४ ॥ कु० ॥ बिजीदीशाथीसेलीउं ॥ लुटिउं सघलोसार ॥ आफहथीआरापामीआ ॥ तवबिहनीरेशांतिमतीनारि ॥ ५ ॥ कु० ॥ निकलीपटआवासथी ॥ हंआर्यसूतगयाक्यांहि ॥ मुकसलावीहती तीऐंकरी ॥ पुंठेचाल्योरेतेहनीराहि ॥ ६ ॥ कु० ॥ अटवीसणीजातांथकां ॥ एकसबरमुकनेंआय ॥ लकुटमारयोचरणमां ॥ ढंतोपमयोरेतिणहीजगाय ॥ ॥ ७ ॥ कु० ॥ मुर्छालहीवलीचेतना ॥ लाधीतेउद्योताम ॥ खोलिघणीपणि नवीजमी ॥ हवेकरोरेतूमेएकांम ॥ ८ ॥ कु० ॥ हादेवीदेवीईमसणी ॥ मु र्छालह्योतेकुमार ॥ पल्लिपतीईआसासीउं ॥ मतकरोरेखेदलगार ॥ ९ ॥ कु० ॥ वेलाथईछेथोमली ॥ अटवीतेनांहीदूर ॥ देविनबऊहीमीसको ॥ मुकसीलरेसेनासू रि ॥ १० ॥ कु० ॥ पवनवेगेंचालतां ॥ नहीअजाणुंकोईगाम ॥ हिमणालावीनेंमेलवुं ॥ ईमकहीरेमुंक्याताम ॥ ११ ॥ कु० ॥ सार्थपनेंपल्लिपतीकहे ॥ ढंजाईसखोलवानारि ॥ निजपुरुषकेईकसुंपीनें ॥ धिरजदेज्योरेसेनकूमार ॥ ॥ १२ ॥ कू० ॥ सार्थपपिणकहेकूमरनें ॥ धीरजकरोतुम्हेआज ॥ हिव णांखोलीलावीईं ॥ जिहांहोस्येरेपुत्रीराज ॥ १३ ॥ कु० ॥ ईमकरीसहुईंचा लीआ ॥ केईसूलटलेईसंग ॥ सातमेखंमिदृषमीकही ॥ ढालपन्नेरेचढतेरंग ॥ ॥ १४ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ संसरतांशांतिमती ॥ आर्यपुत्रकिहांआज ॥ दिशामुढदिनआथम्यो ॥ पोहतीगीरिनदीपाज ॥ १५ ॥ मनचिंतेमाहरोपती ॥ आवीनमील्योआंहि ॥ विरहेंकहोकीमजीवीईं ॥ मरवुंआवनमांहिं ॥ १६ ॥ अशोकरक्तआवलं बीनें ॥ दिउपासडषरासी ॥ वनदेवीवाणीसूणो ॥ एहवीमाहरीआत्रि ॥ १७ ॥ आर्यपुत्रमुंकीअवर ॥ नवीचींत्योमनमांहि ॥ जोजनमांतरेआर्यसूत ॥ तो पतीथाज्योत्यांहि ॥ १८ ॥ ईमतीआणंआदरी ॥ आतमअधरकरेअ ॥ प्रा सतुटोधरणीपमी ॥ मुर्छातामसछेय ॥ १९ ॥ ढाल० ॥ छेफोनांजी ॥ एदेशी ॥

तापसकुमरआयोइंणिअवसरि ॥ संध्यासेवनकाज ॥ देषीचितवेंसाभिनीकु णए ॥ रूपेंरतीशिरताज ॥ २० ॥ अलगारहिइं ॥ वनदेवीपरेंएआज ॥ अलगा ॥ ऐआंकणी ॥ अथवास्यूंमुझनारीनुंकारज ॥ जाउंअवरठेकाणें ॥ शास्त्रमांवास्युंनारिनुंदरसण ॥ पंमीतइंमवषाणें ॥ २१ ॥ अ० ॥ नयणेंलो हशलाकातातीं ॥ अंजनकरवीरुमी ॥ पणिजेअंगोपांगसंठाणह ॥ नारीनीरष वीसूंमी ॥ २२ ॥ अ० ॥ विषसर्षीइंपणिलोगनसजीइं ॥ रसनाठेदवलीरू मो ॥ पणनवीअलिकवचनजंपीजें ॥ नहिविसवासीकुमो ॥ २३ ॥ अ० ॥ मुनीजननोअधीकारएनांही ॥ अथवादिनउधार ॥ करवोतेपणिशास्त्रेंबोल्यो ॥ जिवदयाविस्तार ॥ २४ अ० ॥ यतः ॥ नधम्मकज्ञापरमत्थिकज्जं ॥ नपाण हिंसापरमंअकज्जं ॥ नपेमरागापरमत्थिबंधो ॥ नबोहीलासापरमत्थीलासो ॥ ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एपणिअटवीमांएकाकी ॥ सूतितिणेंएदीन ॥ विद्याध रीठेकेएकुणठे ॥ देषीपासविखिन्न ॥ २५ ॥ अ० ॥ इंणिरुपेंनेंपासगलेंस्यो ॥ वातविरोधीएह ॥ अथवाकर्मेंस्यूंनवीथाइं ॥ कर्मविचित्रकरेह ॥ २६ ॥ अ० ॥ कर्मफलजलेदिधआसूषो ॥ आउषेचेतनआव्यूं ॥ आंषिउघाडेतवमु नीतापस ॥ देषीचितमराव्यूं ॥ २७ ॥ अ० ॥ सयनधरेमनमांकहेमुंनीवर ॥ ऊंतापसकुमार ॥ सुणीप्रणमीतवआसीससाषे ॥ अविधवाहोनारी ॥ २८ ॥ अ० ॥ तुम्हेंरहांकिहांथितवमुनीसाषे ॥ तपोवनप्रमुखविचार ॥ किमएका कीकिमइंहांआवी ॥ किमएहवेव्यापार ॥ २९ ॥ अ० ॥ इंमसांसलीशांति मतीचितें ॥ किमकहिइंनिजवात ॥ तोपणितपसीजनमानेंवा ॥ नहिनीजउ णिमयात ॥ ३० ॥ अ० ॥ इंमचिंतीकहेरायपुरराजा ॥ शंखपालनोबे टी ॥ साथछुटाणेतिणेंएकाकीनी ॥ सत्तोगयोमुझमेटी ॥ ३१ ॥ अ० ॥ ता सविजोगेंएव्यवसाय ॥ कहिनेंरोवालागी ॥ तपसीकहेमतरोसोसागिण ॥ नहीसंसारसोसागी ॥ ३२ ॥ अ० ॥ जिमनाटकीआकेरीबाजी ॥ विणमांहो यविजोगा ॥ विणसंयोगथणेकमांमोदज ॥ विणमांहोवतशोगा ॥ ३३ ॥ अस० ॥ विणमांआपदक्षिणमांसंपद ॥ बुद्धीवंतेंइंमजाणी ॥ नकरेविषादवि

षमवेलामां॥अनुंचित्तनकरेप्राणी ॥३४॥ अल०॥ धीरजधरतांआपदजाइं॥ तिणेतूंगेमिवीषाद ॥ वलीतूफलदृणथीजंजाणं ॥ सूणिकर्जकरीप्रसाद॥३५॥ अल० ॥ तुफसरतानवीमरणलसोहें ॥ कहेतूफसोवनकांती ॥ कोकीलस्वरसू भतीष्टीतत्वचरणां ॥ नासीदृणवर्त्तंचंती॥ ३६ ॥ अल० ॥ नितंबफलकसुवी शालविराजे ॥ शारदशासिसमवयण ॥ नविकमलाणीछबीमधुगुलीका ॥ चां रीषांताहरांनयण ॥ ३७ ॥ अल० ॥ तिलकसूषीतसालमंमलसोहे ॥ कुटिल केशवलीकमला ॥ स्नेहालाघणंतिणेतूफसाषुं॥तुंछेसाग्यवीशाला॥३८॥अल०॥ अवीधवातूंछेवलीवीजुं॥ पुत्रवंतीनीरधार ॥ कुलपतीनेंतूम्हेआवीवंदो ॥ सू णीचालीतसदहार ॥ ३९ ॥ अल० ॥ कुलपतीवंदेआशीशदिधी ॥ मुनीइव्य तीकरसाण्यो ॥ कुलपतीकहेमततपज्येवछे ॥ हवेदूखडरेनाण्यो ॥ ४० ॥ अल० ॥ थोमादिनमांपतीतूफमिलस्यें ॥ इणहिजजाणिनध्यान ॥ ज्ञानेंकरी जाणंछुंएहवुं ॥ साकहेवचनप्रमाण ॥अल० ॥४१॥ तापसणीपासेंतेरहेतां॥ वितोकेतोककाल॥सातमेरवंडेएह्वविजयकहे ॥ एहअग्यारमीढाल ॥ ४२ ॥ अल० ॥ दुहा ॥ अटविमांइणअवशरि ॥ सबरपल्लीपतीसेन ॥ खोलिकरीव रुपांतिस्युं ॥ किमेनलाधीकेण ॥ ४३ ॥ वासरतोवोलीगयो ॥ नमल्लीतेहनी नारि ॥ षेदलहीविलषाथया ॥ मिल्याअरण्यमझारि ॥ ४४ ॥ कहेपल्लिपती कुमरनें ॥ मतकरज्योमनखेद ॥ मिलस्येनिश्चयमानिनी॥सणंतेसांसलिसेद ॥ ४५ ॥ सहूनेंदिवसनसारीषा ॥ कालक्षेपपणिकांय ॥ आहारकरोतुमेअ म्हतणा ॥ प्राणरहेजीमप्राय ॥ ४६ ॥ जुगतोआहारजाणीकरी ॥ आमहथी करयोआहार ॥ शय्यापाथरीसोवतो ॥ मानिनीमनमांधारि ॥ ४७ ॥ ढाल ॥ महाविरजगमांजीत्योजी ॥ एदेशी ॥ पल्लिपतिपणिपासेसूतो ॥ मुंक्याचोकी दार ॥ तिणेंसमेंसबरआवीनेंइणिपरें ॥ अतीशयकरतपोकार ॥ ४८ ॥ सूणो हमवाणीजी ॥ पल्लिपतीपणिउठिधतुंखलीउंताणीजी ॥ पुछे २ वातसूजाण कहोकीसीकाणीजी ॥ एआंकणी ॥ तेकहेषवरपमेनहीअमनें ॥ पणिसामा न्येंजाण्यो॥सायआव्योअटवीमांजाणी ॥ विश्वपुरकेराणो ॥४९॥ सुणी० ॥

जाएयूंपल्लिपतीनीकलस्ये ॥ मोकलीतिणेंथाम्हि ॥ कहेपल्लिपतीमुफ्मनंकेरी ॥
पोंहतीनांहिरुहाम्भी ॥ ५० ॥ सू० ॥ स्वामीकारयसाध्युंनांही ॥ तोपणिजावुं
तत्र ॥ रषेसाथएआवीलूटें ॥ थाइंतोअतीअनत्र ॥ ५१ ॥ सू० ॥ सानुंदे
वनेंतेहसूणावी ॥ कुमरनीकरज्योसार ॥ डरथीकुमरनेंप्रणमीचाल्यो ॥ जा
णेंतेहकुमार ॥ ५२ ॥ सू० ॥ जुउंगुरुतापल्लिपतीकेरी ॥ इंमविचारीताम ॥
खम्गलेईकहेसानुंदेवनें ॥ पणयसंगनहीकांम ॥ ५३ ॥ सू० ॥ तुम्हेंसूखत्र्या
ताईईहारहेज्यो ॥ अथवाकरज्योप्रयाण ॥ हुंपल्लिपतीखबरकरेवा ॥ जाउंहुं
सूणिजाण ॥ ५४ ॥ सु० ॥ सानुंदेवनवीउत्तरआपे ॥ सेनकुमरकहेताम ॥
बोलवाजेहवीवातनहीउइ ॥ इंमधरीचाल्योहाम ॥ ५५ ॥ सु० ॥ अनुंक्रमें
जुधलागुंतिहांसबलूं ॥ गगनांगणलरखुंबांणें ॥ पल्लिपतीकहेसेनकुमरनें ॥
जुउंमुफशक्तीवीन्नाण ॥ ५६ ॥ सु० ॥ सेनकुमरपणिखम्गलेईनें ॥ चाल्यो
सत्रुसाहमो ॥ सिंहपरेंतिहांकरेपराक्रम ॥ हरषपल्लिपतीपांम्यो ॥ ५७ ॥ सु० ॥
अनुंक्रमेंजुधकरंतांहास्या ॥ पल्लिपतीकुमार ॥ पकमीनेंलेईचाल्याशिवपुर ॥
आव्याहरषअपार ॥ ५८ ॥ सु० ॥ पणिएककुमरनुंदेषीपराक्रम ॥ सह्रुचम
क्याचित्तमांहिं ॥ समरकेतूराजानेंसघलो ॥ कहेअधीकारउछांहि ॥ ५९ ॥
सु० ॥ रुपपराक्रमदेषीराजा ॥ विस्मयपाम्योचितें ॥ कूणएपुरुषलोकोत्तरदि
से ॥ करहुंगवेषणातंते ॥ ६० ॥ सु० ॥ नरपतीसूतहोस्येसहीनीश्चें ॥ इंमचिंती
नृपबोले ॥ मारोपल्लिपतीएतस्कर ॥ डष्टनहीइंणतोलें ॥ ६१ ॥ सु० ॥ कुमरकहेमुफ
सीमोटाई ॥ एहमरेहुंजीवुं ॥ तिणेंमुफनेंमारोइंमसाषें ॥ नहीतरजलनवीपीवुं
॥ ६२ ॥ सु० ॥ रायविचारेस्यूंमुखबोले ॥ एहमहानुंलाग ॥ अथवाएहनेंइं
मजजुगतूं ॥ रायकहेधरीराग ॥ ६३ ॥ सू० ॥ जातीवंशसाषोतूमकेरां ॥ त
वतिहांसेनकूमार ॥ पासेंआफुंअर्वलूंजोतो ॥ उत्तमधरीआचार ॥ ६४ ॥ सू० ॥
सानुंदेवइणअवसरेंआव्यो ॥ सेटाफंसाथेंलाव्यो ॥ वातकुमरनीकहेवासाहू ॥
केईकनरेंसोहाव्यो ॥ ६५ ॥ सु० ॥ नृपआणाइंपेसणदेवे ॥ समरकेतूपमीहार ॥
जईनरपतिनेंसेटाफंआप्युं ॥ नृपदिइंसतकार ॥ ६६ ॥ सू० ॥ आसननृपआ

पीबेसास्यो ॥ दिठोसेनकूमार ॥ पिमीतंअनेकप्रहारेंदेषी ॥ शोकधरेतिणीवार
॥ ६७ ॥ सू० ॥ मुर्छालहीनेधरणीढलीउ ॥ स्यूंथयुंरायविमासे॥शितलउपचा
रेंलह्योचेतन ॥ पुछेनृपतसपासें ॥ ६८ ॥ सु० ॥ तुमनेंएहथयुंस्यूंसाषो ॥ त
वबोल्योसठवाह ॥ एहसंसारमांसारनहीकांय ॥ आपदहोयअथाह ॥ ६ए॥
॥ सु० ॥ चंपाथीपसुतएहवीआपद ॥ पाम्योतिणेंमुजशोक ॥ तवनृपचिंते
जेहकलपना ॥ किधीतेनहीफोक ॥ ७० ॥ सु० ॥ पुछेतइकहोएकिणीपरें ॥
अटविमांएकाकी ॥ सानुंदेवकहेमिलीउवाटें ॥ वातनजाणंबाकी ॥ ७१ ॥
सु० ॥ वननीकुंजमांनारीस्यूंदिठो ॥ ईत्यादिकसहुसाष्युं ॥ कुमरनीषबरल
हीछंआव्यो ॥ जेहवुंथयुंतेहदाष्युं ॥ ७२ ॥ सु० ॥ रायकहेएरुडुंकिधुं ॥
सातमेंखंमेढाल ॥ पद्मविजयकहेबारमीसाषी ॥सुणतांमंगलमाल॥७३॥सू०॥
॥ डुहा ॥ रायकहेनीजनरप्रतें ॥ एहनेंकरोअवल्ल ॥ सांसलितेपणिसह्रुफ
आ ॥ निरताकरणनवल्ल ॥ ७४ ॥ विजाधरमांवेहुनें ॥ सज्याकिधीसार ॥
वैद्यबोलाव्यावेगस्यूं ॥ व्रणकर्म्मकरेतिणीवार ॥ ७५ ॥ शांतिमतीनेंसोध
वा ॥ निजनरनेंनरराय ॥ मुंकिनेंमहिपतीहवे ॥ सार्थपनेंसमझाय ॥ ७६ ॥
साथतूमारोविसमथल ॥ डरेंजावुंदेश ॥ अवशरमेघनोआविउ ॥ सांसल्यो
सुविशेष ॥ ७७ ॥ राजकुंअरछेमुजघरे ॥ चितानकरोचित्त ॥ जाउंसूषेंजि
मसुखहोइं ॥ सार्थपदूखथीसित्त ॥ ७८ ॥ पगनवहेपार्थिवसूणो ॥ कुमरवि
नामुजकोय ॥ संसलावेतेसेननें ॥ सार्थपआवीसोय ॥ ७ए ॥ सेनकहेसार्थ
पसूणो ॥ नरपतीकहेछेन्याय ॥ कायरपणंनविकिजीइं ॥ नरपतीवयणन
जाय ॥ ८० ॥ नकरोवयणजोनृपतणं ॥ निश्चतिअमनवीथाय ॥ वचनप्र
माणकरीवदे ॥ नवीतूमवचनलोपाय ॥ ८१ ॥ ढाल० ॥ अवशरपामीनेंरे
किजेंनवआविलनीउली ॥ एदेशी ॥ अवसरदेषीनेंरेचाल्योसारथवाहसूजा
ण ॥ वर्षाकालआव्योतिणसमें ॥ निपनांसघलांधान ॥ अनुंक्रमेंवर्षाथयो
व्यतीक्रम ॥ निरमलथयांनिवाण ॥ ८२ ॥ अव० ॥ कुमरपलिप्र
तीसाजाहुआ ॥ कर्यांवधामणांसार ॥ रायकुमरनेंकहेमेमुक्या ॥ षोलवा

नरतूफनारी ॥ ८३ ॥ अव० ॥ केईकआख्यानेकेईनाख्या ॥ इणअवसरें नरदोय ॥ सोमसूरनामेंइमजंपे ॥ सांसलोवाततेमोय ॥ ८४ ॥ अव० ॥ कुमरनारीसंजोगनुंकारण ॥ रायकहेकहोतेह ॥ सोमसूरकहेकादंबरीमां ॥ प्रियमेलकतिर्यंजेह ॥ ८५ ॥ अव० ॥ तेहनीउतपत्तीसांसलोनें ॥ एहज अटवीमांहि ॥ विद्याधवर्द्धननामेंनगरें ॥ भूपअजीतबलत्यांहि ॥ ८६ ॥ अ० ॥ सेठवसूंधरनामेंरुमो ॥ प्रियमित्रसूततास ॥ ईश्वरखंधसेठनीछेपुत्री ॥ निलुआ कन्यावास ॥ ८७ ॥ अव० ॥ तेहनेंदिधीपणिनविपरण्या ॥ वितोकेतोककाल ॥ यौवनपाम्यांएहवेवरना ॥ बापनुंधनवीसराल ॥ ८८ ॥ अव० ॥ सेठवसुंधरपोहतोपरलव ॥ हवेप्रियमीत्रकूमार ॥ मानेंनहिकोईदलीद्रपणाथी ॥ परीजनंकरेअपकार ॥ ८९ ॥ अव० ॥ जेजेकरेतेनीष्फलजाई ॥ पाम्योमनविषवाद ॥ निकलिउतनयरनेंमुंकी ॥ मुंकितिहांआल्हाद ॥ ९० ॥ अव० ॥ शून्यसमुछिमनीपरेंचाल्यो ॥ उत्तरपंथसूजाण ॥ पंथरलीक्षुनागदेवनामें ॥ मलिउमीत्रप्रमाण ॥ ९१ ॥ अव० ॥ भिक्षुइंउलषीनेंबोलाव्यो ॥ एहअवस्था तुफ ॥ किमछेनेंकिहांजायएकाकी ॥ साथेतूंमुफनेगुफ ॥ ९२ ॥ अव० ॥ प्रीयमित्रकहेदेवनेंपुछे ॥ सघलीमाहरीवात ॥ नागदेवकहेताहरातातनें ॥ छेकेम्हीसुखशात ॥ ९३ ॥ अ० ॥ प्रियमीत्रकहेपरलवपोहता ॥ तेहनेंनितसूखसात ॥ पणिप्रियमीत्रजघन्यपुरुषना ॥ देषोएअवदात ॥ ९४ ॥ अ० ॥ इहपरलोकएकेनसधाई ॥ एहवोअवसरआज ॥ नागदेवकहेशोकनधरीई ॥ जमराजानेंराज ॥ ९५ ॥ अ० ॥ तासनीवारककोईनलहीई ॥ धर्मरायविणजाण ॥ इत्यादिकउपदेशदेईनइं ॥ दिक्षादिइंतिणठाण ॥ ९६ ॥ अ० ॥ गोरसत्यागप्रमुखकरेकिरीया ॥ केईकदिनगयाजाम ॥ निलुआनारीवातसूणीनें ॥ मनमांचिंतेताम ॥ ९७ ॥ अ० ॥ सरतामारगचालेनारी ॥ इमचिंतीकरेधर्म्म ॥ विषयपीपासाविणसरतानुं ॥ दर्शनमनथयुंरम्म ॥ ९८ ॥ अ० ॥ विरहथकीतेंडर्बलअईअनुक्रमेंतेविचरंत ॥ तिणेंनयरेंआव्योतससत्तो ॥ निलुआजइप्रणमंता ॥ ९९ ॥ अ० ॥ ध्यानयोगमांदिठोतेहनें ॥ मुर्छआवीताम ॥ ध्यानयोगमुंकीतेसी.

क्षुाकहेस्यूंथयुंएआम ॥ ४०० ॥अ०॥ सखिउंकहेएईसरखंधनी ॥पुत्रीनीतु आनाम ॥ तूम्हनेंदिधीपणिनवीपरणी ॥ मोहेमुझितआम ॥ १ ॥ अ० ॥ सांसलीशोकातुरथयोतेहवे ॥ स्नेहवध्योगयुंध्यान॥ पाणीकमंफलनुंगंठीने॥ आणीतेहनेंसान ॥ २ ॥ अ० ॥ रागघणोनारीनोंदेषी ॥ वलीकटाक्षनांबांण॥ अंगउपांगजोतांनारीनां ॥ बीधाणातसप्राण ॥ ३ ॥ अ० ॥ मदनविकारअ तीउर्जयछे ॥ रमणीकतरुणीविलास ॥ एकांतथानिकवननुंजाणी ॥ चित्तवि ह्वलथयुंतास ॥ ४ ॥ अ० ॥ गुरुवचलोपुंकेएहगमुं ॥ उष्करवातएदोय ॥ अथवाव्रतपालूंतोएमुक्त ॥ जनमांतरेंपणिहोय ॥ ५ ॥ अ० ॥ मनइछितपा मेंव्रतपालें ॥ एहविगुरुनीवाच ॥ व्रतरहस्येनेंएपणिमलस्ये ॥ एहवुंधास्युंसा च ॥ ६ ॥ अ० ॥ सातमेंरवंमेंतेरमीसाषी ॥ पद्येंढालरसाल ॥ समरादित्य नारासमांरुमी ॥ सुणतांमंगलमाल ॥ ७ ॥ अ० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ वलिविनीतानावसथकी ॥ चलिउंएहनुंचित्त ॥ बोलावुंअबलाप्रते॥ जोउंजंपणरीती ॥ ८ ॥ इंमचितीआपेंइस्यूं ॥ मतउखआणेंमन्न ॥ तूंकले हेंऊंतमफरु ॥ कऊंतेसांसलिकन्न ॥ ९ ॥ व्रतलीधुंकिमवरजीई ॥ गुरुवच किमनगणाय ॥ पणिसांसल्युंगुरुपासथी ॥ व्रतथीवंछीतथाय ॥ १० ॥ उस घवातव्रतथीअछे ॥ एहलोकेंगुरुआण ॥ परसवतूफसंगमपणं ॥ मिलस्येए हप्रमाण ॥ ११ ॥ निलुआकहेनिरतूंकरो ॥ माहरेतूमेप्रमाण ॥ अणसणवि ऊंइआदरयुं ॥ स्नेहपरस्परआण ॥ १२ ॥ सरताआसयत्तामिनी ॥ नरआसय धरेनारी ॥ जनमांतरहेज्योअमे ॥ इंणिपरिंचितअवधारि ॥ १३ ॥ ढाल ॥ सूरतीमहिनानो ॥ चैत्रेंचतूरसूजनाव्या ॥ राधाजीकरेरेविचार ॥ एदेशी ॥ ब कुअशोकनेंहेठलिअणसणकिधउदार ॥ बऊवारंतीसखीजनपणितेमननवि धारि ॥ तेकोलाहलसांसलीआव्यागुरुनागदेव ॥ लाज्योप्रियमीत्रउर्इयईवं धाततपेव ॥ १४ ॥ मनवंछितूमनिपजोइंणिपरेंदिइंआशीश ॥ मनचिंतेकुण नारीएरुपसमानवरीस ॥ रागघणोप्रियमीत्रनेंउपरिलषीइंइम ॥ तवसखी इकसोमांफीधुरथीजिणीपरेंप्रेम ॥ १५ ॥ नागदेवतवचिंतवेअहो२मदनवी

कार ॥ मदनसेहुंणप्राणीआसर्वकरेपरकार ॥ उसरीइहवेइहांथीनहीउपदेश नोलाग ॥ चितवीकहेप्रीयमीत्रनेंसांभलतूंमहाभाग ॥ १६ ॥ स्नेहालुहोयस ज्जनतिणेंतेंएकरयूंकांम ॥ पणस्याबासछेतूझनेंव्रतनवीखंम्युंआम ॥ खेदम करजेकरजेसावनातत्वविचार ॥ इमकहीनागदेवगयोहवइप्रियमीत्रनेंनारि ॥ ॥ १७ ॥ नरनारीरुपवंदतांदोयमासवहीजाय ॥ तेहजपरीणामेंकरीकालदो किन्नरथाय ॥ जोईपुरवभवअवधिथीआव्योतेहउद्यान ॥ पुजाकरीउद्यान नीकरयुंदेउलतिणथान ॥ १८ ॥ देवअनंगनेंनिर्दतीदेवीथापीतांहिं ॥ नंदनव नगयातिहांथीहर्षधरीउच्छांहि ॥ तिहांएकदिठिवीद्याधरीतासप्रीतमनोविजो ग ॥ तिणेंअतीदुःबलीसमतीवनमांधरतीसोग ॥ १९ ॥ पुछेतेहनेंतूंकुणकिमए काकीइंम ॥ साकहेमदनमंजुषाषेचरीछुंतेम ॥ प्रितमरागथीविद्यादेवीनीपु जानकीध ॥ सत्तविजोगसरापछमासनोतेणीइंदिध ॥ २० ॥ एहनिमीत्तेंतू झपतीकेरोथास्येविजोग ॥ तिणेंएकाकीणीवनमांसमीसतूंअरतीसंजोग ॥ च रणेंपमीतवमेंकयूंस्वामीनीकरीसुपसाय ॥ तवदेवीकहेप्रेमथीनवीआपददेषा य ॥ २१ ॥ तिणेंतेंरुठुंकामनकीधलूंपणिसुणिवात ॥ नंदनवनतूंजायज्येउपज स्येसुखघात ॥ प्रीयमेलकरूंषउपरेंधवलजमलफूलथाय ॥ स्निग्धमाधवील ताआलिंगीतहेछलिजाय ॥ २२ ॥ तिहांतूझमीलस्येसरताइमसुणीआवीएथ ॥ पणिनवीलासेंयानिकनविजाणंछेकेथ ॥ किंनरकहेधीरीथाउंतूझदाषुंतेह ॥ अनुंक्रमेंषोलीदेषाड्युंथानिकतिहांगईनेह ॥ २३ ॥ प्रीयमेलकसामर्थ्यथीमी लीउंतसरतार ॥ निजपतीआगलिघुरथीसर्वकह्योअधीकार ॥ विद्याधरकिं नरनेंप्रीतीथईतेअपार ॥ कांयककालगमावीगयांसहूनीज२ठार ॥ २४ ॥ किंनरीकहेनिजस्वामीनेंएदुःखतोनखमाय ॥ निजप्रीयविरहतणंतिणेंकिजें तासउपाय ॥ जनमलह्यानुंफलजेकरीइंपरउपगार ॥ तिणेंएवृक्षछवोजीहांआ पणमिलीआसार ॥ २५ ॥ सांभलिप्रीयमेलकछव्योनीजकंतदेवलपासा।छगि २ जणव्युंइमविरहीनीपुरेआस ॥ केइकविरहीलोकनीआशापुरणकीध ॥ ति णेंप्रीयमेलकतिरथनामथयुंप्रसीद्ध ॥ २६ ॥ तेकारणछुंजाणंकूमरएंतिहां

ज्जोजाय ॥ तोतससक्तिअचिंत्यथीनारीनुंमिलवुंथाय ॥ रायकुंमरमनंहरप्यां
वाततेमानीसाच ॥ सूपविचारेमोकलुंनिजजनरस्युंशुसवाच ॥ २७ ॥ पल्लिप
तीनेंपुछेसूपतीतवकहेतेह ॥ मेंपणिसांसंल्युंतपवनढुकमुंथानीकएह ॥ राय
कहेतूमेंपरीकरलेईनइंजाउंत्तह ॥ पणिंतूम्हेघरणीलहीनइंनिश्चयआववुंह्व ॥
॥ २८ ॥ सांसलीवयणतेचालीउंकरतोनीत्यप्रयाण ॥ अनुंक्रमेंतपोवनढुक
ओपहोतोतेहसूजाण ॥ तापसनाउपरोधथीयोमोलेईपरीवार ॥ जईतापसनेंवं
दिआदिइंआशिसतिवार ॥ २९ ॥ पल्लिपतीतेहथानीकलाव्योराजकुमार ॥ बं
ढुपादपउपञोतीतनतेदेउलनेंद्वार ॥ कल्पपादपनवीउलखुंपणिसामान्येंएग
य ॥ पल्लिपतीवंचसांसलीचिंत्तनीरासतेथाय ॥ ३० ॥ संसारेआंतिमतीनां
षीदीघनीश्वास॥सापणिफुलयहीनेंजातीनीजआवास ॥ सावीसावनाजोगथी
कर्मतणेंपरीणाम ॥ बेंठीवीसामेतिहांप्रियमेलकनेंगाम ॥ ३१ ॥ नागरवेलि
आलिंगीतदिठोतीहांअशोक ॥ संसारेतवकूमरनेंकरतीचित्तमांशोक ॥ वा
मलोचनइंणअवशरेफूरक्युंतामकुमार ॥ समतो २ आवीउंतेप्रीयमेलकगार ॥
॥ ३२ ॥ देषीसुरताजाणीहरषीमनथीजोर ॥ बह्रुकालेंमल्योतिणेंउतकंठीतंघ
नज्यूंमोर ॥ विरहमांजिवतीरहीतिणेंपामीलज्जाताम ॥ परीक्षाकरुंइमउह्निज्ञ
होस्येकेनहीनाम ॥ ३३ ॥ किहांथीआव्याइंमकरतीविचारअनेकप्रकार ॥
सूपनहस्येकेकिमएपामीषेदअपार ॥ धरीप्रतितथीस्वस्थथईतिणेंबह्रुरससाव॥
वेदतीमुर्छापामतीदेषीतापसीताव ॥ ३४ ॥ खेदलहीअहोस्युंथयुरेरुतीआंसू
धार ॥ पाणिइंसींचीपणिनवीबोलेतेहलगार ॥ तवबह्रुआक्रंदकरीनेंरोवालागीते
ह ॥ दोम्योकुमरआवीकहेविंहोकारणकेह ॥ ३५ ॥ तेकहेसयसंथारनो
बोलेतामकुमार ॥ किमआक्रंदकरयोतववातकहेधरीप्यार ॥ सातमेंखंमेएप
हमेंसाषीचौदमीढाल ॥ वातसुणंतांहोस्येसह्रुनेंमंगलमाल ॥ ३६ ॥ ॥ ५ ॥
॥ डुहा ॥ रायपुरपतीशंखरायनी ॥ पुत्रीपावनअंग ॥ सांतीमतीएसोहामणी ॥
आरतिविरहएकांग ॥ ३७ ॥ प्राणंत्योगपतीवीरहथी ॥ करतीतापसेंदिठ ॥
कुलपतीनेंलाव्योनोक्रट ॥ इणेंपणिइंमआईठ ॥ ३८ ॥ सरतामीलस्येसलीप

रें ॥ तपोवनमांततषेव ॥ कुसुमकारणईहांअनुंकमें ॥ वलतीआवीहेव ॥
॥ ३९ ॥ बेठीतवविहामणी ॥ मुर्छापांमीईम ॥ कारणतोकलीईनही ॥ पलि
अमनेंअतीप्रेम ॥ ४० ॥ आकंदतिणेंकिघोअमें ॥ सांसलीसेनकूमार ॥ ह
रषविषादनेंअणंहवइ ॥ ॥ पांमीडखनोपार ॥ ४१ ॥ मुर्छावलीहवेमानिनी ॥
स्तेहेंजोवेस्वांमि ॥ कुलपतीवयणकूमुंनही ॥ तरुणीसाषेताम ॥ ४२ ॥ चा
लोकुलपतीचरणनें ॥ पामेपरमाणंद ॥ कारणविनतेकुलपती ॥ उपगारीतेअ
मंद ॥ ४३ ॥ ढाल ॥ देखीपारधीआनी ॥ मनवसीआएदेखी ॥ तापसणी
उंचितवेंरे ॥ एएहनोसरताररे ॥ पुण्यवंतो ॥ नहितोईमकीमबोलतीरे ॥ सूं
दरअंगआकाररे ॥ गुणवंतो ॥ ४४ ॥ अहोविघातामेलवेंरे ॥ जेहनेंजुगतूंजेहरे ॥
पु० ॥ आणंदआंसूसरहवेरे ॥ उठेशांतिमतीतेहरे ॥ ४५ ॥ गु० ॥ पल्लिपती
जोईरीजीउरे ॥ अहो २ रूपनीषानरे ॥ पु ॥ पुरुषरतननेंएहवीरे ॥ नारीरत
नघटमानरे ॥ ४६ ॥ गु० ॥ वीनयकरीपल्लिपतीरे ॥ नारीनेंकरेपरणामरे ॥
पु० ॥ स्वामिनीतूम्हपतीभृत्यछुंरे ॥ ग्रहणयोग्यनहीनामरे ॥ ४७ ॥ गु० ॥
सुंदरीकंहेस्वामीतणोरे ॥ पामोतूमेसूपशायरे ॥ पु० ॥ ईमकहीजोयुंपतीस
णीरे ॥ सेनकहेतिणेंठायरे ॥ ४८ ॥ गु० ॥ एहनेंपशायकरीजीईरे ॥ एहवुं
नहीकांयशाररे ॥ पु० ॥ लाज्योपल्लिपतीघणरे ॥ हवेमनचिंतेकुमाररे ॥
४९ ॥ गु० ॥ अणचिंतव्युंएकिमथयुंरे ॥ पादपदिठेतामरे ॥ पु० ॥ अपुर
वअतीसोहामणोरे ॥ हरष्योलहीविसरामरे ॥ ५० ॥ गु० ॥ पुछेपल्लिनाथ
नेंरे ॥ स्युंएवृक्षनुंनांमरे ॥ पु० ॥ तेकहेहुंजाणंनहीरे ॥ एहअपुरवस्वामी
रे ॥ ५१ ॥ गु० ॥ पुछेतापसणीप्रतेंरे ॥ तिणेंपणिसाष्युंतेमरे ॥ पु० ॥ कुमरकहे
तूमढुकमोरे ॥ एहनजाणोकेमरे ॥ ५२ ॥ गु० ॥ तापसणीकहेआविआरे ॥
थोमोकालथयोतासरे ॥ पु० ॥ एहहस्येबहुकालनोरे ॥ कुमरनेंथयोविस
वासरे ॥ ५३ ॥ गु० ॥ निश्चयप्रीयमेलकषरोरे ॥ धवलकुसूमजुगदीठरे ॥
पु० ॥ पल्लिपतीनेंदाषव्योरे ॥ तिणेपणिदिठउकीठरे ॥ ५४ ॥ गु० ॥ पुजाक
रुंएहवृक्षनीरे ॥ लावोउपगरणतासरे ॥ पु० ॥ शक्तिअचित्यछेएहनीरे ॥ पुगी

अमचीआसरे ॥ ५५ ॥ गु० ॥ सबरपासमंगावीआरे ॥ फूलचंदननेंनीररे ॥ पु० ॥ तिणेंविधिपुर्वकपूजीउरे ॥ कल्पवृक्षनेंधीररे॥ ५६ ॥गु० ॥ आवरजी एहनेंगुणेंरे ॥ चेचदेवीआशन्नरे ॥ पु० ॥ कहेतूठीतुझउपरेंरे ॥ मांगितुंजेहोयमन्नरे ॥ ५७ ॥ गु० ॥ यतः ॥ अमोघावासरेविद्युत् ॥ अमोघंनिशीगर्जितं ॥ अमोघाउत्तमावाणी ॥ अमोघंदेवदर्शनं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ तुमदर्शनथीस्युं पछेंरे ॥ अधीकूंछेमुझआजरे ॥ पु० ॥ देवीमनमांचितवेंरे ॥ नविमांगेंकांई काजरे ॥ ५८ ॥ गु० ॥ पणिआपहकरीआपीईरे ॥ रयणएकअसीरामरे ॥ पु० ॥ विषसघलांअपहरीलीईरे ॥ रोगहरेगुणकामरे ॥ ५९ ॥ गु० ॥ ईम चितीकहेदेवतारे ॥ तुंनीरखोसीसाररे ॥ पु० ॥ मुझवझमांनेंलिजीईरे ॥ करवा परउपगाररे ॥ ६० ॥ गु० ॥ मणीरयणएमाहरुंरे ॥ सांसलीकरेविचाररे ॥ गु० ॥ देवतामान्यहोईसदारे ॥ ईमकरीग्रहेअवीकाररे ॥ ६१ ॥ गु० ॥ करेप्रणामतवईमकहेरे ॥ चिरंजीवआशीसरे ॥ पु० ॥ अदृश्यथईतेदेवतारे ॥ वाघीकूमरजगीसरे ॥ ६२ ॥ गु० ॥ तापसणीवीस्मयलहीरे ॥ कहेजास्यूंअमेगयरे ॥ पु० ॥ ययामध्याह्नसमयहवईरे ॥ तिणेंअमथीनरहाय्यरे ॥ ६३ ॥ गु० ॥ कुलपतीनेंवंदवारे ॥ आविसतुमचेसंगरे ॥ पु० ॥ जईकुलपतीनेंवंदिआरे ॥ दिई आशीशसुचंगरे ॥ ६४ ॥ गु० ॥ आसनदेईबेसाणीउरे ॥ परीजनस्युंतेसेनरे ॥ पु० ॥ तापसणीकहेतेहनोरे ॥ सविवृत्तांतरसेणरे ॥ ६५ ॥ गु० ॥ देईउपयोगनेंउलषीरे ॥ कुलपतीआदरकिधरे ॥ पु० ॥ सारयासूंपीतेहनीरे ॥ वली शीक्षाईमदिधरे ॥ ६६ ॥ गु० ॥ गेहआश्रमठांम्योअछेरे ॥ पणिएहस्युंप्रतिबंधरे ॥ पु० ॥ तिणेंअनुरुपथीदेषज्योरे ॥ स्योकहीईपरबंधरे ॥ ६७ ॥ गु० ॥ वचनप्रमाणकरेतदारे ॥ सातमेखंडेढालरे ॥ पु० ॥ पनरमीपदमेंकहीरे ॥ सुणतांमंगलमालरे ॥ ६८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुलपतीहवेमीलस्येकदा ॥ अचलाविलपेईम ॥ कुलपतिसमझावी कहे ॥ भाणिनकरीईप्रेम ॥ ६९ ॥ तुझदुःखदईऊनीतवसूं ॥ नितपासेंवसूंनारि ॥ तेहसुंणिकुलपतीप्रतें ॥ प्रणमेबहुलेंप्यार ॥ ७० ॥ पुत्रीतापसणीप्रतें ॥ दंपती

मिलीयांद्रोय ॥ दानादिकबहुदेईनें ॥ सरक्योतिहांथीसोय ॥ ७१ ॥ विश्वपुरेंते
आवीउ ॥ संसलावेसवीवात ॥ नरपतीनेंतेनारीनी ॥ सुणीहरष्योसगधात ॥
॥ ७२ ॥ वधामणांकीधांवली ॥ करीआदरसतकार ॥ पल्लिपतीनेंपाठव्यो ॥
सेनरसातीहांसार ॥ ७३ ॥ पितुराज्यपरेंप्रेमस्यूं ॥ सांतीमतीस्यूंसोग ॥ विल
संतांवासरगया ॥ सुखअनुकूलसंयोग ॥ ७४ ॥ ढाल ॥ तूनेंगोकलबोलावेरे
कान्हगोवालनागोप्रीरे ॥ एदेशी ॥ हवेकर्म्मविचीत्रथीरोगसूपतीनेंथावेरे ॥ न
यणेंआवेबहुशूलसंध्योकंपावेरे ॥ व्यापीसीरवेदनजामदांतसवीहालेरे ॥ बहु
सासवचननिरोधनयणेंनवीसालेरे ॥ ७५ ॥ तेमाव्यावैद्यसुजाणउषधअती
कीधांरे ॥ पणिगुणनथयोतेलगारबंधीतनवीसीधांरे ॥ वैद्यखेदलह्यानेंअंतेउरी
घणंरूईरे ॥ पमीखबरकूमरनेंतांमसूखेंनवीसूईरे ॥ ७६ ॥ मुक्तउपगारीएरा
यलहेदूखएहवुंरे ॥ किमजीवंतांएखमायकरूंहवेकेहवुंरे ॥ धीग्जीवीतमा
हरूंजेणनहीउपायरे ॥ इमकरतांसेनकूमारनेमुर्छायायरे ॥ ७७ ॥ करीवाय
आस्वासनाशांतीमतीइमसासेरे ॥ आरोग्यमणीवररयणअछेतुमपासेरे ॥ सलूं
संसारयुंतेनारीहरषथीलेईरे ॥ मणीरयणचाल्योतवतासकुनसुखदेईरे ॥ ७८ ॥
कोईककहेरहोचिरंजीवशीघ्रचाल्योरे ॥ नरपतीपासेंजईहाथनेंपायपखाल्यो
रे ॥ उंज्योमणीरयणेंरायसम्यूंतवशूलरे ॥ थिरदांतथयागईशीशांनीवेदनामुलरे ॥
॥ ७९ ॥ सम्योसासनेंउघम्यांनयणसंध्योथईसाजीरे ॥ बोलवालागोनृपजा
मसहुथयाराजीरे ॥ आविशक्तिनेंउठ्योरायकुमरपरसंस्योरे ॥ राणीउमंत्रि
लह्यामोदकिणेंनवीखीस्योरे ॥ ८० ॥ नृपपुछेमुक्तनेंकांयखबरनहीएहरे ॥ उ
पगारकस्योकिणेंमुक्तापोतुमेतेहरे ॥ कह्युंजिवाणंदेसर्वबोल्यातवरायरे ॥
अमृतसमएहकुमारमरणकीमथायरे ॥ ८१ ॥ देवगुरुसुपसाइएहकहेतेकु
माररे ॥ नृपपसणेंप्राणएतूक्तकहुंस्यूंवारवाररे ॥ कहेकुमरगुरूतुमेतामनृपती
कहेसाचुंरे ॥ जोगुरूतोवचनप्रमाणकरोअमेंराचुंरे ॥ ८२ ॥ कहेकुमरकहुंतू
मप्राणकहेतवसूपरे ॥ जावुंनहीमुक्तथीदूरकह्युंअनुरुपरे ॥ करेकूमरप्रमाण
तेतामविसरजेकुमाररे ॥ तेआवीपरीजनलोककहेनीरधाररें ॥ ८३ ॥ आवेकुम

रनेंतेमवाकोयतोमुझविणसाषेरे ॥ मतकहेज्योकुमरनेंवातसहुनेंइंमदाषेरे ॥ एकदिनआव्योमंत्रीपुत्रअमरगुरुनामरे ॥ थईखबरसूपतिनेंतामतेमव्योनीज गमरे ॥८४॥ कहेतेहनेंनरपतीइंमवाल्होमुझएहरे ॥ इंणपमीवजीउंमुझपास रहेवुंतूंम्हगेहरे ॥ इंमजाणीकरज्योतेमसहुसुखपामेंरे ॥ कहेअमरगुरुथ न्यएतूमसरीषाकामेरे ॥ ८५॥ जिमहुकमकरोछोदेवकरीस्यूंतेमरे ॥ जणवेंह वेकूमरनेंसूपअधीकधरीप्रेमरे ॥ जातांहवइंकूमरनीपासअमरगुरुचिंतेरे ॥ नवीमुंकेकुमरनेंरायअधिकगुणसंतेरे ॥८६॥ करयुंनिजवशराज्यविणेनेंतिणें नउपायरे ॥ नृपदीक्षालेतांमुझकहीगयातायरे ॥ राज्यहारस्येएहविसेनउद्ध रस्येसेनरे ॥ नैमितीआनोआदेशअछेवलीतेणरे ॥८७॥ सामंतनेंदइंअपमान उलंघेआचाररे ॥ बहुवाध्योलोसअशारविणेनकुमाररे ॥ तिणेरहेवुंजुगतूंनअ त्रविचारएकीधरे ॥ चरपुरुषेंकुमरनेंतामवधाईदीधरे ॥८८॥ आववानोहुक मतेकीधअनुंक्रमेंआव्यारे ॥ सेनकूमरेउठीतामम्माहिपधराव्यारे ॥ पुछेइंमकु सलछेतातकूमरनेंदाषोरे ॥ कहेकूसलछेसहुनेंतोयकहुतेचित्तराषोरे ॥ ८९ ॥ सूपतीइंतूमनेंनदिछथयोवैराग्यरे ॥ तवसंजमस्यूंमनलायमहासोसागरे ॥ निजसुतनेंआपीराज्यसाथेंपरधांनरें ॥ परिजनस्यूंसंजमलीधधरीशुसध्यानरे ॥ ॥९०॥ तवचिंतेसेनकुमारअहोमुझरागरे ॥ साईअमकुलनीस्थितिएहअंतेवें रागरे ॥ कहेकुमरभजानेंतेहकेहवांछेसाषोरे ॥ तवअमरगुरुकहेवातयोभामां साषोरे ॥ ९१ ॥ नृपेंलिधीप्रव्रज्याजामथयुंदुखएहरे ॥ तुम्हेंपरदेशेंगयातास विजुंदुखतेहरे ॥ मनमांनेंछेइंमतेहनहीअमनाथरे ॥ कहेसेनवीसेनछेतेकेमप्र जाअनाथरे ॥ ९२ ॥ एहवेंछिक्योपमीहारअमात्यसुततामरे ॥ कहेचिरंजी वोवलीआपफुरक्युंनेत्रवामरे ॥ थईचिंताकुमरनेंतामअहोस्युंथास्येंरे ॥ अथ वासलूंकरस्येदेवविघनसहुजास्येंरे ॥ ९३ ॥ कहिसांतिमतीनेंतासलोजननें लांनरे ॥ सुखथीदिइंनिजअधीकारचढतेनीतवानरे ॥ नित्यखबरिमगावेरा ज्यतणीनीजसाररे ॥ एकदिनशांतिमतीनारीनेंसुपनउदाररे ॥ ९४ ॥ कहिसातमेरवंमेंढालतेसोलमीसारीरे ॥ एतोसमरादित्यनेंरासलागेंघणप्या

णीरे ॥ गुरुउत्तमविजयनोशीसशुकोमलवांणीरे ॥ कहेपद्मविजयधरीप्यार सूणोतवीप्राणीरे ॥ ९५ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ दुहा ॥ अंजनभ्रमरनेंअनुंसरें ॥ पत्रतणोनहीपार ॥ अवकमनआणंदक रूं ॥ कल्पवृक्षसूखकार ॥ ९६ ॥ सुपनेंघणंसोहामणो ॥ चिंतितचिंताचुर ॥ पेषेउदरमांपेसतो ॥ शांतिमतीससनुर ॥९७॥ जागीपतीनेंजणावती ॥तसफ लदाषेतेह ॥ सोलागीसूतहोयस्ये ॥ जगतनमावेजेह ॥ ९८॥ सांत्तलीधर्ममां सजहोइं ॥ कांयकवितोकाल ॥ पुरेमासेसूतप्रसवीउ ॥ करेउछवततकाल ॥ ॥ ९९ ॥ रायकुमरसहुरिफीआ ॥ अमरसेनअसीथांन ॥ ठविउंतेहनुंगउं कुं ॥ सुणोहवइंथईसावधांन ॥१००॥ ढाल ॥ तिरथतेनमुंरे ॥ एदेशी ॥ चंपा नयरथीआवीउ ॥ वातलावीउंरे ॥ एकदिनअनुंचरएक ॥ वाततेसांत्तलोरे ॥ ॥ १ ॥ जोवाप्रवत्तिराज्यनी ॥ सुखकाजनीरे ॥ मुंक्योअमरगुरुतास ॥ ॥ २ ॥ वा ॥ हालीमुहालीविरचिआ ॥ नविअरविआरे ॥ जाणीअचलपुर नाथ ॥ ३ ॥ वा० ॥ मुक्तापीठेवलकरी ॥ चंपापुरीरे ॥ लिधीथोफादिनमां हिं ॥ ४ ॥ वा० ॥ हाथकरयोसंप्रारनें ॥ अधिकारनेंरे ॥ हवेजाणोकरोते म ॥ ५ ॥ वा० ॥ विशेननाशीनेंगयो ॥ दूखबहुथयोरे ॥ तेहनीषबरिनही कोय ॥ ६ ॥ वा० ॥ कोप्योअमरगुरुसांत्तली ॥ आवीवलीरे ॥ कुमरनेंक हेअवदात ॥७॥वा०॥ बोलेअमर्षथीइंणिपरें ॥ कुणइंमकरेरे॥ लाईपरासवइंम ॥ ८ ॥ वा० ॥ निजपदेंठवुंविशेननें ॥ अरीसेननेंरे ॥ सांजवुंतोषरीवात ॥ ॥ ९ ॥ वा० ॥ दाहीणकरफूरक्योतदा ॥ जयकहेसदारे ॥ बोल्योतदागज राज ॥ १० ॥ वा० ॥ कुमरकहेएजीतीउ ॥ दूखवितीउंरे ॥ नृपनेंकरावेजा ण ॥ ११ ॥ वा० ॥ म्हारेतिहांजावुंलढं ॥ तूमनेंकहुंरे ॥ कोप्योरायअपार॥ ॥ १२ ॥वा०॥ एनहीकुमरनेंपरिसव्यो ॥ मुक्नेंहवोरे ॥ पणिमुक्सेनासाध्य ॥१३॥वा०॥अमरगुरुकहेसाचलुं ॥साध्युंसलूंरे॥ पणिकुमरेंनरवमाय॥ १४॥ वा०॥संमरंकेतूंनरपतीकहे॥चितगहगहेरे॥सकरल्योअमसाथि॥वा०॥१५॥ ॥ उभचामरसुगढंकरी ॥ चढिउंकरीरे ॥ कूंफलहारसोहंत ॥ १६ ॥ वा० ॥ सा

मथीबज्रसजकरी ॥ अमरषधरीरे ॥ शकुनमुह्रतशुभजोग ॥ १७ ॥ वा०
चाल्योअनुंक्रमेंआवीउ ॥ सुखपावीउरे ॥ देचासीमाठेजह्न ॥ १८ ॥ वा० ॥
मुक्तापीठनेंमोकल्यो ॥ दूतएकसलोरे ॥ बोलेवीचक्षणबोल ॥ १९ ॥ वा० ॥
कहेवराव्युंएमुकतणं ॥ स्यूंकङ्घणेरे ॥ आपोराज्यउदार ॥ २० ॥ वा० ॥
इमतूंमप्रीतमीवाधस्ये ॥ नवीबाधस्येरे ॥ नहितोकरज्येजुध ॥ २१ ॥ वा० ॥
सांसलीकोपेंकलकल्यो ॥ कहेमतीचल्योरे ॥ मुंकवालीधुंनराज्य ॥ २२ ॥
वा० ॥ जुधथीअप्रीतीउपजे ॥ बज्रनीपजेरे ॥ उत्तमसूसटसंहार ॥ २३ ॥
वा०॥ तोपणिजुद्धकरूंअमे ॥ सूणज्योतूम्हेरे ॥ दूतकहेतवइम ॥२४॥वा०॥
जमलोकेंजावासणी ॥ मतीतूम्हतणीरे ॥ दिसेठेनीरधार ॥ २५ ॥ वा० ॥
आवीकुमारनेंविनवे ॥ जिमतेलवेरे ॥ जईएकांतेदूत ॥ २६ ॥ वा० ॥ सांस
लितेपणिकोपीउ ॥ चित्तरोपीउरे ॥ अमरषवीरसअपार ॥ २७ ॥ वा०॥ ढाल
सत्तरमीएसली ॥ सवीसांसलीरे ॥ सानमेरवंमेरशाल ॥ २८॥ वा० ॥ ॥श्री
॥ डुहा ॥ भ्रकुटीचढावीनेंसणें ॥ कोपेंथईवीकराल ॥ सौम्यवयणपणिसहज
थी ॥ लीषणनसकेसालि ॥ २९ ॥ करनेंआस्फालीकरे ॥ वरणखलातेवाणि॥
एहमनोरथअमअठे ॥ हमचीनहीकोईहाणि॥३०॥विङ्कवलमांबीजेदीनें॥घोर
करेसंग्राम ॥ सुसटनेंदिधासामठा ॥ सिरपाविङ्कसीरगाम ॥ ३१ ॥ दानबहुप
रेंदिधलां ॥ जाचकपाम्याजोर ॥ रातिगईरवीउगीउ ॥ सबलोमांम्योसोर ॥
॥ ३२ ॥ मयगलगाजेमलपता ॥ तुरंगघणातेजाल ॥ रथआरोह्याराजवी ॥कर
लेईकरवाल ॥ ३३॥ सुसटथयातिहांसजघणा॥कुंततिरकरलेय ॥ बिरुदावली
बोलीजते ॥ वाजीत्रबहुवाजेय ॥ ३४ ॥ अमरषवसेंआवीमिल्यां ॥ वागेवी
रनीहाक ॥ केईककायरकंपता ॥ वारुसांसलीवाक ॥ ३५ ॥ ताकीमुकेतीर
नें ॥ खंमेकेईरूरुप्प ॥ छत्रध्वजाकेईछेदता ॥ साचुंसूरसरुप्प ॥ ३६ ॥ सूल
टकबंधतिहांसामठा ॥ रुधीरलित्तवरगात ॥ नाचेनाटिकनीपरें ॥ विस्मयज
नविख्यात ॥ ३७ ॥ आमीषलोलुपआवीआ॥ कंकगृध्रनेंकाक॥गगनतेछायो
विहगस्यूं॥ छलतीबहुलीछाक ॥ ३८ ॥ बलवंतीसेनाबहु ॥ सेनतणीसपरा

णा॥पणिमुक्तापिठेंप्रथम॥जित्योसेनसूजाण॥३९॥ढाल॥रंमतांतेफाटोघघरोरे॥
दसगजफाटोचिररे ॥ झंबे॥ आवोरेओलगाणाताहरीकांकणीरा॥झूंबो॥एदेशी॥
सेनप्रसंसीसुसटनेंरे ॥ उगवेसंग्रामरे ॥ करवा ॥ जाणेंजमराजाउठ्योनीजंघे
रघरवा ॥ ४० ॥ कुंततिरतरवारनारे ॥ घालेघातअपाररे ॥ तिणें॥मानुंकल्पां
तकालआयोसमएणें॥४१॥ रणतूरवाजेवेगस्यूंरे ॥ करीकुंभस्थलसेदरेथाइं॥
कायरलोककेईडरथीपलाइं॥४२ ॥ मुक्तापीढलस्करतणारे ॥ ढेदेंछत्रनीशाण
रे ॥ ताकी ॥ मुगटढेदेकेईमदीरास्यूंगकी ॥ ४३ ॥ इंमकरतांविंटीलीइंरे ॥ मुं
क्तापीढनेंसेनरे ॥ राजा॥ तोहेप्रहारकरेसूरथईफ्राजा ॥४४॥ सूरसीरूपणिचि
त्तचमकीआरे ॥ देषीएसंग्रामरे ॥ वारु ॥ एहवेसेनहणेंखमगेंदीदारू ॥४५॥
पमीउंप्रथवीउपरेरे॥ जय२रवकरेलोकरे ॥ मिलीआ ॥ सेनकुमरजसबोलवा
रेहीलीआ ॥ ४६ ॥ मंगलतूरवजावीआंरे ॥सेनआव्योतसपास ॥ गुणराणो॥
मुक्तापीढदेषीचित्तहरषाणो ॥ ४७॥ विजणेंवायरोवीजीउरे ॥ चंदनसींच्यां
तासरेअंगें ॥ चेतनावलीथईस्वस्थतारंगे ॥४८ ॥कुमरकहेरुमुंकस्यूंरे ॥ सूप
नेंघटतूंजहरे॥किधुं॥दिनपणतूम्हेचित्तमांनलीधुं॥४९॥पूर्वपुरुषतेअजुआली
आंरे ॥ म्हेंलीधंमुझराज्यरे ॥ साईं ॥ ताहरुंतूंझकुसलूंरहोसदाईं ॥ ५० ॥ तूं
मुझसाईसमोवझरे ॥ लाव्योनीजआवासरे ॥ मानें ॥ करीवधाईबोलावीउंब
झमानें ॥ ५१ ॥ अमरगुरुनेंकुमरकहेरे ॥ लावोविसेनसूपालरे ॥ खोली ॥
थापोचंपाइंचित्तमांहितलोली ॥ ५२ ॥ अमरगुरुकहेतिमकरुंरे॥ पणिरहेज्यो
तुम्हेचंपरे ॥ स्वामी ॥ सेनकहेतववातअसीरामी ॥ ५३ ॥ रहेस्यूंचंपाइंपरा
रे ॥ पणिनृपतोविसेनरे ॥ जाणो ॥ नरपतीइंजिणेंकीधलोढेराणो ॥ ५४ ॥
वातप्रमाणकरीहवइंरे ॥ मोकलेनीजनरइंमरेसाषी ॥ इंमकहेंढेतूमदेवहितरा
षी ॥ ५५ ॥ पुरवजनुंएराज्यढेरे ॥ सोगवोआविएथरे ॥ साई ॥ तेपणगयात
सपासेसुखदाइं ॥ ५६ ॥ सेनगयाचंपासणीरे ॥ महाजनआव्यूंनामरे ॥ साह
मुं ॥ प्रांउधारोअमेजेमसूखपामुं ॥ ५७ ॥ सेनकहेकिमआवीइंरे ॥ विनाकी
सेनसूपालरे ॥ अम्हे ॥ महाजनकहेप्रसूस्यूंकहोढेतूम्हें ॥ ५८ ॥ अमसाविं

तव्यताएहवीरे ॥ ईमचिंतवीकहेतेहरे ॥ परजा ॥ अमपुण्येंअमेएहवाजसर
जा ॥ ५ए ॥ नगरबाहिरआवासीआरे ॥ केईकदिनगयातामरेआया ॥ विसे
नपासेंनरजेपठाया ॥६०॥ अमरगुरुनेंतेकहेरे ॥ कथंगलानयरीइंतेहरेदिठो॥
तिणेंपणिसांसल्योसेनजेउकीठो ॥ ६१ ॥ अम्हेपणिजईनइंसाषीउरे ॥ तूम
चोजेसमाचारतेआगें ॥ सांसलीतेअंगोअंगथीरे ॥ लागे ॥ ६२ ॥ डूलाणोमन
थीघणुंरे ॥ कमलाणुंमुखतासरेपापें ॥ मठरथीपसोतेहसूणोआपें ॥ ६३ ॥
वोलीनसक्योवयणथीरे ॥ किमकिमकरीकहेइंमरे ॥ वात ॥ परसूजबलथी
राज्यएआयात ॥ ६४ ॥ तेनविलोगवुंडुंकिमेरे ॥ जाउंतुमेनीजठामिस्यानें
आया ॥ फिरीमतआवज्योस्युंकडुंलाया ॥ ६५ ॥ हवेजिमजाणोतिमकरो
रे ॥ चिंतवेतामअमात्यरे ॥ चित्तें ॥ राज्यजोग्यनहीएहअनीत्यें ॥ ६६ ॥
आवीकुमरनेंकह्युंरे ॥ कुमरबोल्यातामरेवाणी ॥ तातलाईवीनावातमीविराणी
॥ ६७ ॥ अंधकारमांनाचीआरे ॥ स्योगुणराज्यमांआजरे ॥ धारो ॥ अमर
गुरुकहेबुधीनोसंभारो ॥ ६८ ॥ परजापणिजेपालवीरे॥ महापुरुषनोधर्मएह
सारो ॥ कुमरकहेएनीजपुण्यथीवीचारो ॥ ६ए ॥ सातभेखंमेसोहामणीरे ॥
एहअढारमीढालरेसाषी ॥ पद्मेंश्रोतासूणोचित्तथीरराषी ॥ ७० ॥ ॥ १८ ॥
॥ डूहा ॥ हरीसेनराजऋषीहवे ॥ काकासेनकुमार॥ सघलोव्यतीकरसांसली॥
चित्तमांकरेविचार ॥ ७१ ॥ जोग्यसंजमनेंजाणीइं ॥ अधीकरणकरयुंइण॥
उधरीइंएहआतमा ॥ करूणातसकरणेण ॥ ७२ ॥ साथेंसाधुअनेकथी ॥ आ
व्यातिणेंउद्यान ॥ वनपालकेंअवनीपती ॥ विनवीउघरीवान ॥ ७३ ॥ दानदे
ईवंदनसणी ॥ अमरगुरुस्युंआय ॥ नष्टशोकउद्यानमां ॥ दिठामुनीसुखदाय
॥ ७४ ॥ ब्रह्मचारीवरुलागीआ ॥ संजतसऊसीरदार ॥ आणाश्रीअरीहंतनी ॥
निरवहेतांनिरधार ॥ ७५ ॥ ढाल ॥ जंबुधाईपुष्करा ॥ एदेशी ॥ रत्नत्रयी
आराधता ॥ मोहतीमीरसरलासहो ॥मुनीवर ॥ निरतीचारचरणधरे ॥ नविपम
तामोहपासहो ॥७६॥मुनी०॥एहवामुनीनीतूवंदीइंएआंकणी॥जेहनीरंजनअं
षजयुं ॥ लावनालावतावारहो ॥ मु० ॥ शारदजलज्यूंह्रदयथी ॥ पणमुंतेअण

गारहो ॥ ७७ ॥ मु० ॥ एह० ॥ सीसनेंचिंतामणीसमा ॥ सुगतीमारगमुर्त्तिवं
तहो ॥ मु० ॥ शांतीसुधारसजलनीधी ॥ वंद्यातेसगवंतहो ॥मु० ॥७८॥एह॥
धर्मलाभदिधोधुरे ॥ रोमांचिततेकुमारहो ॥ मु० ॥ आणंदआंसूआव्यांतदा ॥
मुनीकहेसूणितूकुमारहो ॥ मु० ॥ ७९ ॥ एह० ॥ सावधरमपरेंताहरी ॥ वा
तसुंदरसुवीचारहो ॥ मु० ॥ तुझनीरवेंदेंमुनीपणुं ॥ आव्यूंमुझएवारहो ॥मु०
॥ ८० ॥ एह० ॥ एहअसारसंसारमां ॥ संजमतेहजसारहो ॥ मु० ॥ जिवी
तएहमानवतणुं ॥ केवलक्लेशआधारहो ॥ मु० ॥ ८१ ॥ एह० ॥ द्रव्यउपा
र्जनक्लेशजे ॥ नवीलहीइंतसपारहो ॥ मु० ॥ देवदानवनेंपणिसदा ॥ मृत्युत
णोशिरमारहो ॥ मु० ॥ ८२ ॥ एह० ॥ करवोप्रमादजेथोफलो ॥ तेपणिअन
र्थमुलहो ॥ मु० ॥ गुरुसाषीतकहुंतेहनो ॥ संबंधआमलचुलहो ॥ मु० ॥
॥ ८३ ॥ एह० ॥ एहजजंबुभरतमां ॥ उत्तरपंथअपारहो ॥ मु० ॥ वर्द्धना
पुरमांराजीउं ॥ अजीतवर्द्धनअवधारिहो ॥ मु० ॥ ८४ ॥ एह० ॥ सद्धना
मगाथापती ॥ चंदातेहनीनारिहो ॥ मु० ॥ सर्गनामेंसुततेहनो ॥ निरधनतेह
अपारहो ॥ मु०॥ ८५ ॥ एह० ॥ सद्धमरणलह्योहवे ॥ किधांमरणनांकाम
हो ॥ मु० ॥ आजीवीकाहेतेंकरे ॥ चंदापरघरकामहो ॥ मु० ॥ ८६॥ ए०॥
अटवीमांहिंथीलावतो ॥ इंधणसागप्रमुखहो ॥ मु० ॥ विक्रयथीआजीवी
का ॥ इमदिनकाढेदुखहो ॥ मु० ॥८७॥ए०॥ एकपाडोसीतेहनें ॥ पासंधना
मेसेठहो॥ मु०॥ आव्योजमाईतसघरे ॥ तेहनीकरवावेठहो॥ मु०॥८८॥ए०॥
बोलावीचंदातदा ॥ पाणीभरणनीमीत्तहो ॥ मु० ॥ पुत्रसूण्योघरिआवस्ये ॥
चितनधारीचीत्तहो ॥ मु० ॥८९ ॥ ए० ॥ भोजनासिंकेथापीनें ॥ कटीकादेई
डवारहो ॥मु०॥ स्नानादिकनासयथकी ॥ चंदाचालीजिवारहो ॥ मु० ॥ ९०॥
ए० ॥ सर्गतूरतआव्योतदा ॥ भुक्योइंधणभारहो ॥ मु० ॥ मातषोलीपणिन
वीजडी ॥ करतोकोपअपारहो ॥ मु० ॥ ९१ ॥ ए० ॥ कामकरूं
हवेसेठनुं ॥ पणनवीदिधूकांयहो ॥ मु० ॥ आवीनिजघरजेतले ॥ कर
तीमहाविसायहो ॥ मु० ॥ ९२ ॥ ए० ॥ दिनमुषदेषीकरी ॥ कोपथीबोल्यो

सगगहो ॥ मु० ॥ किमसूलीइंतूऊदीधली ॥ सूषपीमाश्रमलगगहो ॥
॥ मु० ॥ ९३ ॥ए०॥ तेकीमतूऊनेंविसरयुं॥तवतसबोलीमातहो॥ मु०॥ हाथ
कपाणाताहरा ॥ एहसीकेंरसुंतातहो ॥ मु० ॥ ९४ ॥ ए० ॥ लेईनेंकेमषाधुं
नही ॥ एहवांवचनउच्चारहो ॥ मु०॥ करतांकर्मबांध्यांतिणें॥ जासविपाक
अपारहो ॥ मु० ॥ ९५ ॥ ए० ॥ एकदिनकर्मवीचित्रथी. ॥ सामीसावनेंजो
गहो ॥ मु० ॥ बोधिविजपाम्यातीहां ॥ मानतूंगसूरीसंजोगहो ॥ मु० ॥९६॥
ए० ॥ श्रावकपणंपाम्यावली ॥ चढतेशुभपरीणामहो ॥ मु० ॥ चरणधरम
वलीपमिवज्यां ॥ गुणगणकेरांधामहो ॥ मु० ॥ ९७ ॥ ए० ॥ करीयसंलेष
णाडेहमे ॥ आगमउक्तविधानहो ॥ मु० ॥ कालकरीनेंउपना ॥ दोयतेस्वर्ग
विमानहो ॥मु०॥९८॥ए०॥ समरादित्यचरीत्रमां ॥ पद्मवीजयकहीढालहो ॥
॥ मु० ॥ सातमेरवंमेसोहामणी ॥ उंगणीसमीसूविशालहो ॥ मु० ॥९९॥ ए०
॥ दुहा ॥ तामलीप्तीइंणसरतमां॥नयरीद्रव्यनीधान ॥कूमारदेवश्रेष्टकामिनी॥
जुजीश्रानामजुवान ॥६००॥ सर्गदेवहवेस्वर्गथी॥ श्राविलीइंश्रवतार ॥ तेह
नीकूषेंततषिणें ॥ जनमथयोक्रमेंज्यार ॥ १ ॥ श्ररूणदेवश्रसीधाउव्युं ॥ क्र
में २ थयोकुमार ॥ चंदाइंणश्रवशरिचवी ॥ सूरवरथीसूवीचार ॥ २ ॥ नगमें
पाडलापथनयर ॥ सेठजसादित्यसार॥ श्र दसूतनारीईलूश्र॥ तसकुषेंश्रवता
र ॥३ ॥पुत्रीश्रनुक्रमेंप्रसवती ॥ देइणिनामतेदीध॥ श्रनुंक्रमेंदीधीश्ररूणनें ॥
सघलूंसावीसीद्ध॥ ४ ॥ ढाल॥विधातावैरणरेंउगीमांस्यूंरेलीष्यूंरे॥एदेशी ॥वि
धातावांकोजाणोरे ॥ जुउस्युंस्यूंरेथाइरे ॥ परण्याविणचढिउक्याजेरे ॥ श्ररु
णदेवद्रव्यनेंध्याइरे ॥ ५ ॥ कमाहथीपेंगयाकमावारे ॥ कमाईतेरेवलीउरे ॥
क्याजतेवाटिमांसागुंरे ॥ कर्मेंजुउस्युंरेथयुंरे ॥ श्राव्यूंएकपाटिउंहाथेरे॥ ति
णेंदूरवसऊइंगयुंरे ॥ ६ ॥ महेसरसाथेंबिजोरे ॥ तेपणितीहांसायरतरीउरे ॥
श्राव्याजवसायरकांठेरे ॥ पाडलावहवाहिरचरीउरे ॥ ७ ॥ महेसरतिहां
बोल्योरे ॥ तूमारेसासरेजईइंरे ॥ कुंश्ररतवइंणिपरिंसाषेरे ॥ इंणिंवेलाइंम
किमकहीइंरे ॥ ८ ॥ तवतेकहेबेसोबाहिररे ॥ नयरमांऊरेजास्यूंरे ॥ लोजन

छुंजईनइंआणंरे ॥ कहेतेसुषमांगस्यूंरे ॥ ९ ॥ देवकूलमांजईनेंसूतोरे ॥ पाकें करीउंघ्योसारोरे ॥ महेसरतोलेवागयोआहाररे ॥ हाटिसेरीइंफिरतोअपारोरे ॥ ॥ १० ॥ ईणेंअवसरउदइंआव्यूंरे ॥ देश्णीनेंकर्मवंधाणंरे ॥ निजसवनउघा नेंबेठीरे ॥ तस्करनुंथयुंरेटाणंरे ॥ ११ ॥ कटकजुगलवछमुलांरे ॥ तस्करति हांलेवाआव्योरे ॥ गाढांतिणेंनवीनिकलीआंरे ॥ साथेंछुरीकारेलाव्योरे ॥ ॥ १२ ॥ तिणेंकापीहाथनेंलीधांरे ॥ लेईनासवारेमाम्युंरे ॥ वनपालीइंछुंबजपा मीरे ॥ जाणेंआव्युंरेधाम्युंरे ॥ १३ ॥ कोटवालसूणीउजाणोरे ॥ चोरतोआगे रेनासेरे ॥ नासतांहवइंथाकोचोररे ॥ जाण्यूंहवेकिहांरेजास्येरे ॥ १४ ॥ पे गेदेवकूलमांहिरे ॥ अरुणदेवजीहांरेसूतोरे ॥ उदेनसकर्मआव्यूंरे ॥ सछुज नकर्मेषूतोरे ॥ १५ ॥ चोरेंचित्तमांहिचितीरे ॥ कमांमुंक्यांतेहनीपासेरे ॥ पो तेजीषरअंधारेउपायोरे ॥ छुरीमुंकीहीणेंआसेरे ॥१६॥ उठयोअरुणदेवतवदी ठांरे ॥ जाण्युंदेवतारेतूठेरे ॥ लेईफांटिमांहिसंगोपेरे ॥ छुरीदेषीचितेंअपुठेरे ॥ ॥ १७ ॥ तवआव्योतिहांतलाररे ॥ मनमांक्रोतनारेथईरे ॥ कहेकिहांजाई सदूराचारीरे ॥ छुरीकापमीरेगईरे ॥ १८ ॥पकम्योतवबोलतेहरे ॥ मेंअपराध स्योरेकीधोरे ॥ तेकहेघोकटकनोजोमोरे ॥ कहेअरूणनम्हेंरेलीधोरे ॥ १९ ॥ आणीकोधनेंन्हाम्योतीणेंरे ॥ तवपमीआंकटकसूपीठेरे ॥ उलष्यांकोटवालें तामरे ॥ सूपतीपुरधरीउनीठेरे ॥२० ॥ संत्तलाव्योव्यतीकररायरे ॥ दिठोद्रव्य स्यूंरेतेहरे॥कहेघोसूलीइंएचोररे॥तलवरपणिसांसलीएहरे ॥२१॥लाव्योजोहां सूलीनुठामरे ॥सुलीइंएरेदिधोरे॥ इणअवसरसोजनलाव्योरे॥देवकूलमांएरेस धोरे ॥ २२ ॥ महेसरेंषोलिघणीकीधीरे ॥ नदिठोकोईरेठामेंरे ॥ तवआसनदे ग्रोजोयोरे ॥ नलह्योकोईरेनामेंरे ॥ २३ ॥ मालिवनवासीनेंपुछेरे ॥ एहवोकी हांरेसाल्योरे ॥ तेकहेनवीदिठोकोईरे ॥ पणिएकचोरंझाल्योरे ॥ २४ ॥ हम णांतसमारयोसाईरे ॥ कदातिहांरेगयोरे ॥ कौतूकनोलिधोजायरे ॥ सुणीसो करेथयोरे ॥ २५ ॥ आकुलव्याकूलघणोथाइरे ॥ साईएरेस्यूंकस्युंरे ॥ स.ईमु झनेंगामदेषामोरे ॥ मांहहईमुंरेदस्युंरे ॥ २६ ॥ तवगामदेषाम्योतिणेंरे ॥ तिहां

खोसाणोआयोरे ॥ सूलीइंसेठपूत्रनेंदिगोरे ॥ अरूणदेवरेसायोरे ॥ २७ ॥ इम
कर्मविचित्रताजुउरे ॥ सातमेखंमेरेसूणोरे ॥ कहेपत्रवीसमीढालेंरे ॥ करयां
कर्मएरेमुणोरे ॥ २८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ कर्मविपाककफुआघणा ॥ मूळीपामेंमन्न ॥ पमीउप्रथवीउपरें ॥ तम
फमतोतेतन्न ॥ २९ ॥ प्रेहकलोकआव्यापठें ॥ पुठेफालीपाणि ॥ स्योएकहो
संबंधठे ॥ आषोउत्तरआणि ॥ ३० ॥ महेसरबक्कलेमोहथी ॥ बोलेगदगदबो
ल ॥ वातिउठिएवातमी ॥ अवलोथयोअतोल ॥ ३१ ॥ तामलिमीईतिलकसम ॥
कुमारदेवकहेवाय ॥ तेहनोसूततूमेजाणजो ॥ अरूणदेवअसीवाय ॥ ३२ ॥
इंणनयरीवासीअवल ॥ जसादित्यजगजाण ॥ जामाततसजांणज्यो ॥ आ
व्योइंणहीजठाण ॥ ३३ ॥ जिहांजसागुंशीयजनगया ॥ मनमांधरतोमाम ॥
नगयोसूसरानेंघरे ॥ अवसरजाणीआम ॥ ३४ ॥ बेसारयोम्हेंबाहिरें ॥ पुर
मांगयोपीठाण ॥ आहारलेईनइंआवीउ ॥ ठावोषोटयोठाण ॥ ३५ ॥ पापउद
यपरगटथयो ॥ आव्योखोलतोआंहि ॥ दिठोइंणीपरेंदृष्टिथी ॥ किहांएसूली
क्यांहि ॥ ३६ ॥ ढाल ॥ ईमम्हारापधणंसवाईढोला ॥ एदेशी ॥ ईमकहेतांमु
रठानमीउं ॥ प्रथवीउपरितेपमीउरे ॥ सवीकाकर्मतणीगतीन्यारी ॥ नसकेको
ईकर्मनेंवारीरे ॥ स० ॥ पुंरानीपरेंतमफमतो ॥ उठ्योकीमहीकलमफमतोरे ॥ ३७ ॥
सवि० ॥ निजवधकरवानेंमांमे ॥ लेईपथरसीरस्यूंपठामेरे ॥ सवि० ॥ प्रेहकलो
केंधरीराख्यो ॥ इंणिपरेजेसंबंधदाख्योरे ॥ स० ॥ ३८ ॥ नगरीमांथयोविस्ता
र ॥ जसादित्येंसुण्योअर्ध.काररे ॥ स० ॥ नीजपुत्रीलेईतीहांआयो ॥ दिठोअ
रुणदेवमनसायोरे ॥ ३९ ॥ सवि० ॥ अहोअहोएवाततेकेहवी ॥ सेठपुत्रनीजो
वाजेहवीरे ॥ सवी० ॥ मुर्गलखांडहीतानेंतान ॥ ठंठ्यांचंदनविजणेंवातरे ॥
॥ ४० ॥ स० ॥ काढोमुफकष्टरेसाय ॥ नवीओकसंतापखमायरे ॥ स० ॥
मरस्यूंनीश्वयततकाल ॥ सूणीवातएप्रथवीपालरे ॥ स ॥ ४१ ॥ कोटवाल
स्यूंकरतोरीस ॥ कोटवालकहेसूणोईसरे ॥ स० ॥ चोरीतवस्तुस्यूंएह ॥ पक
म्योअमेकरीइंकेहरे ॥ ४२ ॥ स० ॥ जसादित्यपासेंवधठाम ॥ नरपतीआ

वीसणेंआमरे ॥ स० ॥ साईंदेवनोएअपराध॥ अमबुधीतणोनहीबाधरे॥४३॥
स० ॥ कोईसावीसावविचार ॥ ईमबोलेसूसरतारे ॥ स० ॥ सूलिईंथीउता
र्योतेह ॥ पणिवेदनअतीसयदेहरे ॥ ४४ ॥ स० ॥ प्रतिबोधनोअवसरजा
णी ॥ आव्यासूरीचउनाणीरे॥ स० ॥ अमरेसरगणधरनाम॥ तपअतीसयथी
असीरामरे ॥ ४५ ॥ स० ॥ सूरवरपुजीतगतपाप ॥ सहूनागयाशोकसंताप
रे ॥ स० ॥ देवताईंप्रथवीसमारी ॥ गंधोदकवरसेधारीरे ॥ ४६ ॥ स० ॥ वली
कनककमलपणिवीरचे॥ फूलवरसेनेंमुंनीनेंअरचेरे॥ स०॥ तिहांबेसीनेंदेसना
देता ॥ उपदेशमांहिईंमकहेतारे ॥ ॥ ४७ ॥ स० ॥ मोहनीद्रामकरोप्राणी॥
धर्मजागरणेंजागोजाणीरे ॥ स० ॥ तजोपापथानिकअढारो ॥ दशवीधजती
धर्मनईंधारोरे ॥ ४८ ॥ स० ॥ तजीईंवयरीअंतरंग ॥ डुखदिईंपरमादप्रसंग
रे ॥ स० ॥ थोमोपणिकरेईंपमाय ॥ तेहथीवहूकर्मबंधायरे ॥ ४९ ॥ स० ॥
डुखदायकतासविवाग ॥ मानसतनुडःखअनागरे ॥ स० ॥ देशणीनेंअहूणदे
वजेम ॥ तवपुछेनरपतीकेमरे ॥ ५० ॥ स० ॥ तवसूरीपूर्वसंबंध ॥ विस्तार
थीकहेपरबंधरे ॥ स० ॥ जोएतलाडुकृतकेरो ॥ विपाकआव्योअधीकेरो
रे ॥ ५१ ॥ स० ॥ इमसांभलीकेईप्रतीबुझ्या ॥ संवेगथीकर्मस्युंजुझ्यारे ॥
स० ॥ अरुणदेवदेईणीदोय ॥ मुर्छागततनषीणहोयरे ॥ ५२ ॥ स० ॥ चेतं
नालहीपाम्यांज्ञान ॥ जातीसमरणशुभध्यानरे ॥ स० ॥ आदाननिदानसहू
जाण्यो ॥ शुभपरीणामेंपरमाण्योरे ॥ ५३ ॥ स० ॥ प्रभूजेतुम्हेसाध्युंतेम ॥
अमेंज्ञानेंदिठुंईंमरे ॥ स० ॥ अमेपाम्याजीनवरबोध ॥ अणसणदेईंकरो
अम्हशोधिरे ॥ ५४ ॥ स० ॥ जराजनममरणरोगसोग ॥ टालोसं
सारसंजोगरे ॥ स० ॥ गुरुकहेएजुगतीवान ॥ डुर्गतीजाईंसदगतीथानरे
॥ ५५ ॥ सवी० ॥ सूरनरसूखसाधेएह ॥ निरवांणदिईंवलीजेहरे ॥ स० ॥
अणसणदिईंनंपसेठसाथें ॥ सहूधन्य २ मुखिसाथेरे ॥ ५६ ॥ स० ॥ कहेवि
ऊंजणगुरूनेंस्वामी ॥ वलिकहोकांयअंतरजामीरे ॥ स० ॥ गुरुकहेतुम्हेस
घलूंकिधुं ॥ मानवसवनुंफललीधुंरे ॥ स० ॥ ५७ ॥ वलीगंभोममतडुखमु

ल ॥ मैत्रीसज्जस्यूंअनुंकुलरे ॥ स० ॥ पुरवदुःकृतदुगंछो ॥ एकरत्नत्रयीनेंवं
छोरे ॥ ५८ ॥ स० ॥ परमात्मसरूपविचारो ॥ सूणीतीमजकरेंसूप्रकारोरे ॥
स० ॥ इंणअवसरकहेसूपाल ॥ संवेगथकीसूरसालरे ॥ ५९ ॥ स० ॥ एतला
नांएफलबतलावो ॥ तोअमनेंकुणगतीजावोरे ॥ स० ॥ परमादवसेंअमेपमी
आ ॥ अम्हेकर्म्मजंजीरस्यूंजमीआरे ॥ ६० ॥ स० ॥ गुरुकहेकर्मनीथीती
एहवी ॥ फलेंअधीक २ वमजेहवीरे ॥ स० ॥ जोअधीकअधीकवलीबांधे॥
तोनरकतिरीगतीसाधेरे ॥ ६१ ॥ स० ॥ तिहांदुखघणांसोगवस्ये ॥ बहुका
लदुगेजोगवस्येरे ॥ स० ॥ तेलेषेएथोडुंजांणो ॥ तिणेंसाषेंत्रीसूवनराणो
रे ॥ ६२ ॥ स० ॥ विषव्याधीजलणनेंसाप ॥ शत्रुसंगदिइंदुखव्यापरे॥स०॥
इहसवदुखपणिपरमाद ॥ इहपरसवआपेविषादरे ॥ ६३ ॥ स० ॥ परमाद
थीकरतअकाज ॥ गुरुलाघवनगणेकाजरे ॥ स० ॥ इमतत्वातत्वविचार ॥
गुरुउपरिनकरेप्याररे॥ ६४॥स०॥इमसंचीबहुलांपापा॥ सहेवेदननरकेंआपरे
॥ स० ॥ पुछेनृपतासउपाय ॥ तवसम्यग्कहेगुरूरायरे ॥ ६५ ॥ स० ॥ इंम
सातमेखंमेजाणो ॥ एकविसमीढालप्रमाणोरे ॥ स० ॥ गुरुउत्तमइणिपरेंसाषे॥
नृपपद्मवीजयचित्तराषेरे ॥ स० ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सर्वआरंसतजेसदा ॥ चारीत्रपालेचीत्त ॥ आराधेअप्रमादनें ॥ ना
णवृद्धीहोयनीत्य ॥ ६७ ॥ मिथ्यामतमुंकेनही॥वर्द्धमांनसंवेग ॥ पुरवसंचीत
खेपवे ॥ वलिनासेअवीवेग ॥ ६८ ॥ निमीत्तवीनाबांधेनही ॥ नवांकर्मनी
रधार ॥ अनुंक्रमेंकेवलउपजे ॥ साश्वतसूखस्वीकार ॥ ६९ ॥ रायकहेसूरी
सनें ॥ करस्योनकोमअप्रमाद ॥ इणेंअप्रमादआराधीउ ॥ पणबहुलोपरमाद
॥ ७० ॥ अतीसयअप्रमादीपणे ॥ करेकर्मनोअंत ॥ पणिथोडाअप्रमादथी॥
मोडथांकर्ममहंत ॥ ७१ ॥ आदरीउअप्रमादनें ॥ अछुतटल्योअनुबंध ॥
बिजअप्रमादनुंबोईउं ॥ सविइंएसंबंध ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ म्हारेघरिआवज्यो
रेरसीआ ॥ एदेशी ॥ तिणेंकारणप्रसूजीसाषे॥ करवोनहीपरमादसराषे॥दुःकृ
तनिंदारेकरीइं ॥ इंणपरेंसवसायरसुखेंतरीइ ॥ ७३ ॥ तिणे० ॥ आलोईइं

गुरूपासें ॥ प्रायछीत्तविधिपूर्वकअत्यासें ॥ ईमसूणीबुझ्योरेराय ॥ कारागा
रविमुक्तीकराय ॥ ७४ ॥ तिणें० ॥ जसादित्यमाहेश्वरसाथें ॥ चारीत्रलिई
नृपसदगुरूहाथें॥ एहसूणीअधीकार॥कठकचोरआव्यो॥तिणेंठार॥ ७५॥ति०॥
पश्चातापरेकरंतो ॥ गुरूनेंइणीपरेंतेहवदंतो॥म्हेंपापीईएकाम॥किधुंनीबंधसप
रिणाम ॥ ७६ ॥ ति० ॥ धर्मगवेषीरेसार ॥ अधरमनोकीधोअधीकार ॥ मा
नवसत्रएअहेलेंषोयो ॥ डुखपरंपरानोमुखजोयो ॥ ७७॥ ति०॥ स्योबहुवच
नविन्यास ॥ प्राणत्यागकरवोतुमपास ॥ कहोप्रभूजोग्यजेमाहरे ॥ दिधो
गुरुउपयोगतिवारे ॥ ७८ ॥ ति० ॥ लौकिकसुंदरतालाव्यो ॥ पणिनवीसववै
राग्यतेआव्यो ॥ ईमवीचारीरेतास ॥ दिधुंअणसणअतुलअत्यास॥ ७९॥ ति०॥
दिधोवलिनवकार ॥ चोरेपिणकरयोअंगीकार ॥ निंद्योआतमआप ॥ गुरूवं
दीनेंधोयांपाप ॥ ८० ॥ ती०, ॥ अरूणदेवेंकस्योकाल ॥ देईणीतस्करपणित
तकाल ॥ त्रणेंसूरवररेथाय ॥ तिणेंसुणीसेनकुमरजीराय॥ ८१ ॥ ती० ॥ रा
ज्यअसारनेंकाम ॥ किधोस्येकामेंसंग्राम ॥ जुगतूंकामनकिधुं ॥ सेनकुमर
पणिबोल्योसीधुं ॥ ८२ ॥ ती०॥ कुलपरासवनसहाणो ॥ तिणेंअसूंदरकार्य
कराणे॥ जाण्यूंहवइंतुमपास ॥ दिक्षाथीउपसमहोयतास ॥८३॥ ती०॥ आ
पोजोग्यजोजाणो॥गुरूकहेयोग्यतणेंचिरठाणो॥तजवाजोग्यसंसार ॥किजेंल
घुकारयनीरधार॥८४॥ति०॥सेनकूमरकहेसाच॥ सूणोअमात्यगुरुनुंवाच॥अ
नुंमतीद्योतूम्हेंसारी॥बोल्योतामअमात्यविचारी॥८५॥ति०॥ विघनमहोयोरेतू
मनें॥आठदिवसद्योमाग्यांअमनें॥अठाईमहोछवरेकीधो॥दानअतूलजाचकनें
दीधो॥८६॥ती०॥राज्यठव्योनिजपुत्र॥अमरसेनराषेघरसूत्र॥सुभलगनेंशुभवा
रा॥शांतिमतीपणिसाथेंनारि॥८७॥ती०॥अमरगुरूमुखमंती॥शाकुनसवेअनुंकु
लनीपंती॥हरीसेनगुरुनेंरेपासें॥दिक्षालेईनेंश्रुतअत्यासे ॥८८॥ती०॥अनुंक्रमे
सुत्रनेंकिरीया ॥ अर्थधस्योजअगुणदरीआ ॥ तुलनाजिनकल्पकेरी ॥ करेगु
रुआणालहीयसलेरी ॥८९॥ ती० ॥ पांचप्रकारनीतेह ॥ तपनें१ सूत्र २ अ
र्थ ३ गुणगेह ॥ एकांत४ वल५ पंचजाणो॥ पाठांतरविजेोपरमाणो ॥९०॥

ती० ॥ यतः ॥ तवेणसूत्तेणअन्नेणं ॥ एगंतेणवलेणय ॥ तूलणापंचहावुत्ता ॥ जिणकप्पंपमीवज्जउ ॥ १ ॥ अत्रपाठांतरंविशेषावश्यके॥ तवेणसूत्तेणसत्ते एगत्तेणवलेणय ॥ इत्यादी ॥ तत्रभावनापंचधा ॥ पूर्वढाल ॥ पहेलीउपा सरामांहि ॥ विजीबाहिरधरतउमांहि ॥ त्रिजीचोकमांरहेतां ॥ चोथीसुनाघर मांसहेतां ॥ए १॥ ती० ॥ पांचमीसमशानेजाइं ॥सत्वभावनाइंणीपरिथाय ॥ व हतकल्पमांविस्तार ॥ जोज्योइंहांथायग्रंथअपार ॥ए२॥ ती० ॥ यतः॥ पढ माउवस्सयंमी॥ वियाबाहितईयाचउकंमी॥ सुन्नहरंमीचउत्थी ॥ तहपंचमीया मसाणंमी ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ किधीतूलनारेइंम ॥ टालेसंगसहुस्यूंप्रेम ॥ ग्रामे एकजरातिा॥नगरेपंचरातीविख्याता॥ए ३ ॥ ति०॥इकदिनविचरंताआया॥ को ल्लागसन्निवेसेंमुनीराया ॥ काउसग्गरह्याएकठामें॥ प्रणमोएमुनीनीत्यसीरना मि ॥ ए४ ॥ ती० ॥ सातमेखंमेरेढाल ॥ बावीसमीभाषीसूरत्नाल ॥ समरादि त्यनेंरास ॥ पद्मवीजयकहेधरीउल्लास ॥ ए५ ॥ तिणे० ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ राज्यविनाहवेरमवमे ॥ नामविसेनकुमार ॥ इणअवसरतिहांआवी उ ॥ धरतोद्वेषअपार ॥ ए६ ॥ मुनीवरदीठामोढिका ॥ पणिकोईकर्मप्रमाण॥ कोपेंचित्तमांकलकल्यो ॥ बोलेइंणिपरेवाणि ॥ ए७ ॥ दिठोवलिदृष्टिकरी ॥ नहिमुझपापनोपार॥अथवाआअवसरभलो ॥ एकाकीअवधारि॥ ए८ ॥ ए कांतेआयुधनही ॥ पोचाडुंजमपाणि ॥ मनोरथपुरुंमनतणा ॥ अथवामुझइं महाणि॥ एए॥ निजकुलपुत्रनेंनिरषतां ॥ कहोमारूंकिणरीती ॥ वधकरस्यूं वलीअवसरें॥ चाल्योइंमधरीचित्त ॥७०॥ढाल॥पटोधरपाटीइंपधारो ॥ एदे शी ॥ नवीकोईनेंव्यतीकरभाष्यो ॥ एद्वेषहैयामांराष्यो ॥ मुनीसमतारसचि त्तचाष्यो ॥ १ ॥ सवीजनवंदिइंमुनीभावें ॥ जिमतव २ पातिकजावे ॥ स वि ॥ एआंकणी ॥ देवकुलपीठीकाइंसुतो ॥ सूरजपेत्रांतरेंपोहोतो ॥ ग्रयोरा तिनेंभागनिचंतो ॥ २ ॥ स० ॥ गयोखमगलेईमध्यरातें ॥ मुनीवरपासेंएकां तें॥ ध्याननीश्चलमुनीवरध्याते ॥ ३ ॥ स० ॥ एकअरतीनेंबीजुंअज्ञान ॥ ज्वल्योक्रोधनेंदिप्योमान ॥ काढ्युंखमगसूजंगसमान ॥ ४ ॥ स० ॥ कहे

सांसलिरेडराचार ॥ जिवलोकनयणेंअवधारि ॥ कुंमारीसतूकनीरधार ॥ स० ॥ ५ ॥ ध्यांनमांनसूणेंमुनीराय ॥ पणिषेत्रदेवीतिणेंगाय ॥ सूणेगुणरागि णीचितलाय ॥ ६ ॥ स० ॥ विसेनकूमारनेंकोपी ॥ खम्गवाहेजदालाज लोपी ॥ अपहरीलीईदोषआरोप ॥ ७ ॥ स० ॥ थंस्योंवलीतेहजगाम ॥ कहेधिगूसंक्लेसपरीणाम ॥ अनार्यपणानोधाम ॥ ८ ॥ स० ॥ समसत्रुमि त्रमुनीएह ॥ वासीचंदनसमदेह ॥ तेउपरिकीमकरेएह ॥ ९ ॥ स० ॥ तूम मुखनवीजोवुंआर ॥ दयाआणीनेंमुक्योतिवार ॥ पणितिव्रकरमथयांल्हार ॥ १० ॥ स० ॥ नगणेंतेदेववचन्न ॥ फिरीमारणथाइंतन्न ॥ देवताइंजाणीअ सपन्न ॥ ११ ॥ स० ॥ लोहीवमतोनाष्योतास ॥ मुनीअवमहजाण्योपास ॥ कोसनालहीउठ्योतास ॥ १२ ॥ स० ॥ अवमहथीकाढ्योवाहिरें ॥ मुंक्यो वनमांजईत्यारें ॥ अदृशथयादेवताज्यारे ॥ १३ ॥ स० ॥ पापनीपरणती जुउमाहरी ॥ नविसकीउएहवेंमारी ॥ विसेनतेइंमवीचारी ॥ १४ ॥ स० ॥ इंमकरतोरूद्रलेध्यान ॥ अमरषधरतोअज्ञान ॥ थयुंनारकआयुबंधाण॥स०॥ ॥ १५ ॥ असिनिवेशथीदृढथाय ॥ क्रमेंकोईककालगमाय ॥ परीजनसहु नीजघरिजाय ॥ १६ ॥ स० ॥ पीडावहुसूपनीषमतो ॥ एकाकीमारगचल तो ॥ चोप्पीलाअटवीमांसमतो ॥ १७ ॥ स० ॥ सीलगृध्रआवणनेंकाज ॥ मांससेलूंकरेतसव्याज ॥ मास्योतिणेंविसेणराज ॥ १८ ॥ स० ॥ मरीउठीन रगेंजायो ॥ मुनीआसातनफलपायो ॥ बावीससागरतसआयो ॥ १९ ॥ स० ॥ हवेसेनरायअणगार ॥ पालीसंजमनीरतीचार ॥ करीसंलेषणातजेआहार ॥ ॥ २० ॥ स० ॥ प्रणमीवीतरागनापाय ॥ आदरेअणसणउलगाय ॥ प्रतीबंधरहीत नीरमाय ॥ २१ ॥ स० ॥ सावनाआराधीसावें ॥ देहपंजरमुंकीजावे ॥ नवमे ग्रैवेयकेआवे ॥ २२ ॥ स ॥ त्रीससागरआयुतास ॥ ईमसत्तमसवसूविला स ॥ पितराईसाईपणेंजास ॥ २३ ॥ स० ॥ सातमोकह्योखंभरशाल ॥ संवत अढारबेताल ॥ जेठवदिठेंत्रेवीसढाल ॥ २४ ॥ स० ॥ विजयसिंहसूरी सूसवाया ॥ सत्यविजयसूसीसगवाया ॥ तससीसकपुरकहाया ॥ २५ ॥

स० ॥ तसषीमावीजयगुरुराय ॥ जिनविजयवीबुधतसथाय ॥ सोभागीजनसूषदाय ॥२६॥ स० ॥ तससिसमांउत्तमवीजयो ॥ जगमाहिंजसजसवीजयो ॥ जसनामप्रसातेंजीजयो ॥ २७ ॥ स० ॥ समरादित्यनोएरास ॥ कहेपद्मविजयसूप्रकाश ॥ पुरेपासकल्याणजीआस ॥ २८ ॥ स० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंन्नीत्तप्रवरश्रीमउत्तमविजयग० शिष्यपं० पद्मवीजयग० विरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसेनवीसेनपितृव्यभ्रात्रौसमप्रोनरस्तवः समाप्तः ॥ तत्समाप्तौचसमाप्तोयंसप्तमःखंडः ॥ सप्तमखंडेसर्वगाथा ॥

॥ ७२८ ॥ श्लोक ॥ ६ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥

॥ए०॥ॐह्रीं॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ समरीसरसतीमाय।गुणगणदायकगुरु तणा ॥ प्रेमेंप्रणमुंपाय ॥ १ ॥ सातमोखंमसोहामणो ॥ पुरणकरीसूत्रमाण ॥ अद्भुतखंमहवेआठमो ॥ सांसलोसर्वसूजाण ॥ २ ॥ जंबुद्वीपलषजोअणे ॥ सरतषेत्रअसीराम ॥ सूरपुरीसमसोहामणी ॥ नयरीअयोध्यानाम ॥ ३ ॥ वनवामीविहारेंकरी ॥ नित्यउछवआणंद ॥ जुवतीअद्भुतछेजिहां ॥ करणीग तीसूखकंद ॥ ४ ॥ लावन्यउतपतीलेषिइं ॥ सूद्धसीलशमाचार ॥ विधीकौ शल्यप्रकर्षवली ॥ विस्मयठाणवीचार ॥ ५ ॥ पुरुषगर्वपुरावसे ॥ अदसूत चरीतउदार ॥ गुणपक्षपातीनेगुंणी ॥ वचनतेवदेविचार ॥६॥ढाल॥ देशीचोप ईनी ॥ दाननाव्यसनीलोकछेजेह ॥ लोसीजसलेवानेंतेह ॥ परधनलेवानेंपां गला ॥ परस्त्रीदेषणनेंआंधला ॥ ७ ॥ बिकणकरवातेहअकाज ॥ मूंढापरमां गणनेंकाज ॥ गुणग्रहवानोनहीसंतोष ॥ मुंगापारकालेवादोष ॥ ८ ॥ जि हांबंधनतेधम्मीलेंहोय ॥ अथवाफूलबंधाइंजोय ॥ दंमछत्रनेंकेप्रशाद ॥ स्ने हनोक्षयदिपकेंअवीवाद ॥ ९ ॥ मारसवदसोगठीनेंकहे ॥ निरदयपणंति हांखमगेंलहे ॥ बुहियांमंदिरदिशेघणां ॥ गजसालाइंकलहनहीमणां ॥ १०॥ कोरणीमंदिरमाहिघणी ॥ पणितिहांलोकनहीकोरणी ॥ मैत्रीबलनामेंतिहांरा य ॥ राज्यलक्ष्मीपरेंकिर्तिसूहाय ॥ ११ ॥ नितीपरेंनहीदयाविहीन ॥ शत्रु नेंकिधाछेदिन ॥ पद्मावतीपटराणीतास॥ सूखसोगवेतेहस्युंसुवीलास ॥ १२॥ नवमाग्रैवेयकवासीदेव ॥ उपनोतेहनीकूखेंहेव ॥ दिठुंसूपनतिणेंपरसात ॥ ए कसरोवरतिणहीजराति ॥ १३ ॥ कमलसहीततेराजेघणं ॥ नृत्यकरेमानुं विचीतणं ॥ भमरसमुहगुंजारवकरे ॥ कांठेंपंषीरखांपरपरे ॥ १४ ॥ तरुअ रूअणीचिहुंदिशफरी ॥ एहउदरपेठुंसंचरी ॥ जागीसंसलाव्युंसरतार ॥ नृप नेंपणिथयोहर्षअपार ॥ १५ ॥ पुत्रथास्येरायहंससमान ॥ सूपकमलाकर सोगअमान ॥ सांसलीसंतोषपामीनारी ॥ त्रणवरगसाधेसूखकार ॥ १६ ॥ अनुंक्रमेंशुसमुहूरतशूलयोग ॥ सूखथीप्रसवेपुत्रनीरोग ॥ कमलपरेंकरपद सूकमाल ॥ दाशीइंविनवीउंसूपाल ॥ १७ ॥ रायतणेंमनहर्षनमाय ॥ दिइं

वधामणीकरीयपशाय ॥ छोमीदीइंतीहांकारागार ॥ हरष्योजनपदचित्तउदा
र ॥ १८ ॥ आणंदध्वजकिंधांघरसिरें ॥ पुजावीरचावेपरपरें ॥ घरिघरि
वाजेमंगलतूर ॥ रमणीगीतगाइंससनुर ॥ १९ ॥ वधामणांलावेबहुलोक ॥
नाचेतरूणीजननाथोक ॥ रायदीइंबहुआदरतास ॥ कहेतूमकेरीछ्धीएघास ॥
॥२०॥बहुआणंदमांगयोएकमास॥विविधउछवकरतांउल्लास॥नामठवेगुणचं
दकूमार ॥ अनुंक्रमेंकुमरसावलहेंशार ॥ २१ ॥ सिखिकलाउअनेकप्रकार ॥
लेखगणीतआलेखवीचार ॥ नाटिकगीतनेंवाजित्रयुत ॥ होराकाव्यनेंआर्या
जुत्त ॥ २२ ॥ प्रहेलीकामागधीकाश्लोक ॥ देषीअचरीजपामेलोक ॥ शर्य
नविधीवीधीअन्ननेंपांन ॥ अष्टापदसमतालनुंमांन ॥ २३ ॥ रमणीप्रतीकं
र्म्मलक्षणनारी ॥ पुरुषतणांलक्षणअवधारि ॥ हयगयगोएनेंकूकमतणां ॥ मेढ
लक्षणवलीजाणेंघणां ॥ २४ ॥ चक्रदंडमणीअसीनेंछत्र ॥ कांगिणीचर्म्मल
क्षणकहेवत्त ॥ चंद्रसूरराहुनाचार ॥ ग्रहनाचारअनेंप्रतिचार ॥ २५ ॥ मंत्र
तंत्रयंत्रकेरीवात ॥ व्युहप्रतीव्युहतणाअवदात ॥ खंधाचारनांजाणेंमांन ॥
नगरनीवेशजाणेतसथान॥२६॥ हयगयसीक्षानेंधनुर्वेद॥धातूवादवलीमणीनो
भेद॥बाहुदंडमुठिअठिजुद्ध॥वलितेजाणेंयुद्धनीयुद्ध॥सजीवननेंनीजिवउपायो॥नो
लिकाखेपन्नांकुनरुतथाय॥२७॥ विषयप्रसंगसमयआविउ॥पणिकलासएवो
चित्तसावीउ॥वलीआसनछेसिद्धिनांसूख॥क्लिष्टकर्मउपसमीआंडुख॥ २८ ॥
कन्यारुपप्रकर्षनदिठ ॥ तिणेंतसविषयप्रसंगअनीठ ॥ गुरुनेंउपजावतोआ
णंद ॥ साथेंचाकरनाबहुवृंद ॥ २९ ॥ नंदनवनउपमवनमांहिं ॥ क्रिडाकरतो
अतीउछाहिं ॥ पुण्यतणांफलइमसोगवे ॥ दानयाचकनेंबहुउछवे ॥ ३० ॥
समरादित्यतणोएरास ॥ आठमेखंडेंलिलवीलास ॥ पंडीत्तउत्तमविजयनो
बाल ॥ पद्मविजयकहेंपेहेलीढाल ॥ ३१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ जिवविसेषेनारकजिके ॥ उद्वर्त्योइणकाल ॥ संसरीउसंसारमां ॥
सहेतोदुखअसराल ॥ ३२ ॥ अनंतरसवेंतिणेंआचर्युं ॥ कष्टतथाविधकांय ॥
वैताढ्यवारुपरवतें ॥ अवतरीउतेआय ॥ ३३ ॥ रथनेउरचक्रवालरम्य ॥ वि

द्याधरवरथाय ॥ असीधावाणमंतरईस्युं ॥ किधुंअनुंक्रमेंताय ॥ ३४ ॥ वा
ध्योवयेवीद्याधरो ॥ रमतोरमतोरान ॥ मयणनंदननामेंसलूं ॥ अयोध्या
उद्यान ॥ ३५ ॥ तिहांआव्योतेततषीणे ॥ इणअवसरआवंत ॥ गुणचंद्रकूमर
गुणीघणा ॥ चित्रकरणनिंचित ॥ ३६ ॥ ढाल० ॥ देशीआठेलालनी ॥ दि
ठोकूमरनेंजाम ॥ पापउदयथयोताम ॥ सूंदरलाल ॥ ततषीणकोपेंकलकल्यो
जी ॥ ३७ ॥ चिंतवेचित्तस्युंइंम ॥ एपापीईहांकेम ॥ सूं० ॥ कुणडखदा
यकदेषीइंजी ॥ ३८ ॥ ईहांकरवोस्योविचार ॥ मारूएदूष्टआचार ॥ सुं० ॥ आ
व्योनिकटकूमरनेंजी ॥ ३९ ॥ कुमरनीहदिमांतेह ॥ आवीनलाक्योएह ॥
सूं० ॥ तवचिंतेईहांरहीहणंजी ॥ ४० ॥ रहीअदृश्यप्रकार ॥ विद्यासक्तिउदा
र ॥ सूं० ॥ सीषणसब्देंसेषवुंजी ॥ ४१ ॥ सहजेंतजस्येप्रांण ॥ इमकरीतें
हअजाण ॥ सूं० ॥ शब्दकरयोसैरवघणोजी ॥ ४२ ॥ वज्रप्रहारेंजेम ॥ फू
टेगिरीवरतेम ॥ सू० ॥ तोहिकुमरक्षोल्यानहीजी ॥ ४३ ॥ मित्रलस्याति
हांक्षोस ॥ तेहनेंकरीथीरथोस ॥ सूं० ॥ कोप्योअतीवाणमंतरोजी ॥ ४४ ॥
अहोधीरजइंणिकिध ॥ पापीडष्टप्रसीद्ध ॥ सू० ॥ फेरीपराक्रमदाषवुंजी ॥
॥ ४५ ॥ कंचनपादपनाम ॥ करीनाष्योसिरठांम ॥ सूं० ॥ कुमरपुण्येंदूरें
पड्योजी ॥ ४६ ॥ वाणमंतरदूसाय ॥ चिंताइंणिपरेंथाय ॥ सूं० ॥ अहो
पापीशकतीघणीजी ॥ ४७ ॥ अधीककरेमनषेद ॥ इंणअवशरिथयोसेद ॥
सू० ॥ खेत्रपालतिहांदेवताजी ॥ ४८ ॥ वाणमंतरएदेव ॥ गमनरतीशुसटे
व ॥ सू० ॥ तेदेषीबीहनोघणंजी ॥ ४९ ॥ विद्यानुंबलअल्प ॥ नाठोतेहअ
जल्प ॥ सुं० ॥ विद्याधरवाणमंतरोजी ॥ ५० ॥ आव्यानयरमझारि ॥ तेगुण
चंदकूमार ॥ सूं० ॥ ईणअवसरिउत्तरापंथेंजी ॥ ५१ ॥ पाटणसंषपुरथाय ॥
शंषायनतिहांराय ॥ सूं० ॥ कांतिमतीतससारयाजी ॥ ५२ ॥ धुआरत
नवतीतास ॥ मुनीपणपामेपास ॥ सूं० ॥ रुपमनोहररतीसमीजी ॥ ५३ ॥
कलालावण्यनिधान ॥ वरचिंताअसमान ॥ सूं० ॥ विधीइंघड्योकेनवीघं
ड्योजी ॥ ५४ ॥ चिंतवेंइंणीपरेंमाय ॥ षोलावुंशुसगाय ॥ सूं० ॥ प्रथवीवं

ऊरयणेंसरीजी ॥ ५५ ॥ निजनरसबलसूजाण ॥ जोवारूपविन्नाण ॥ सू०॥
पुरषदिशोदिशमोकल्याजी ॥ ५६ ॥ सिषविउंईणिरीति ॥रूपकलापरतीत ॥
सू० ॥ रतनवतीसमदेषज्योजी ॥ ५७ ॥ तेतेराजकूमार ॥ करीचित्रांमस
फार ॥ सू० ॥ लावीमुझदेषामीइंजी ॥ ५८ ॥ अद्भुतकोईविज्ञान ॥ पत्रछे
दादीसमान ॥ सू० ॥ तेकौशल्यपणिदाषज्योजी ॥ ५९ ॥ तेपणिकरीयप्र
माण ॥ गयादिशोदिशजाण ॥ सू० ॥ दिठाचूपसुतबऊतिणेंजी ॥ ६० ॥ प
णिनहीनारीनेंजोग ॥ पणिकांयकजेलोग ॥सू० ॥ तेचित्र्याचित्राममांजी ॥
॥ ६१ ॥ फिरताआव्यातेह ॥ नयरीअयोध्यानेह ॥ सू० ॥ दिठोगुणचंदकू
मरनेंजी ॥ ६२ ॥ राधावेधविचार ॥ धनुंरवेदप्रकार ॥ सू० ॥ कलाअल्या
सतोदेषीउंजी ॥ ६३ ॥ विस्मयपाम्याचित्त ॥ रूपकलासूपवीत्त ॥ सू० ॥
कुंअरनयरमांआविआजी ॥ ६४ ॥ राजकन्याअनुरुप ॥ पणिनलखाइं
सरूप ॥ सू० ॥ एकजवारवलीदेषीउंजी ॥ ६५ ॥ आठमेरवंमेढाल ॥ वि
जीअतिहिरशाल ॥ सू० ॥ पद्मकहेश्रोतासुणोजी ॥ ६६ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ चित्रमतीबोल्योचतुर ॥ सूषणअदसूतसालि ॥ तेकहेदिठुंतोषरुं ॥
एहमांनहीकोईआल ॥ ६७ ॥ पणिराणिउपदेशणो ॥ करीसकीइंकहोकेम ॥
पऋउंदोनवीनिपजे ॥ अमनेंखेदछेइंम ॥ ६८ ॥ चित्रमतीकहेसाचलूं ॥ अ
मनेंपणिएखेद ॥ पणिएहनीपासेंरही ॥ सणस्यूंएहनोसेद ॥ ६९ ॥ रयणव
तीपरेंनित्यरही ॥ प्रतिछंदकरूपांण ॥ सूषणकहेएसावतूं ॥ जोपणिडःकरजा
णि ॥ ७० ॥ चित्रमतीकहेचित्रकर ॥ रतनवतिनुंरुप ॥ आलेषीनेंआपणे ॥
अद्भुतएहअनुप ॥ ७१ ॥ ढाल ॥ कालिनेपीलीवादली ॥ एदेशी ॥ चित्रका
रसूतमिसथई ॥ जईमीलीइंराजकुमार ॥ सूषणकहेरुमोकस्यो ॥ मिलवानो
एहप्रकार ॥ ७२ ॥ सलोसाप्योरे ॥ चित्तराप्योरे ॥ तूम्हबुधीतणोनवीपामीइं
वरपार ॥ एआंकणी ॥ इमकरतांमालिमयस्ये ॥ रतनवतिउपरिकेहेवोराग ॥
नयरमांपेठाइंमकरी ॥ पटआलेषीलेईपाग ॥ ७३ ॥ सलो० ॥ द्वारदेशेंगया
जेतले ॥ तवरोक्यातसप्रतिहार ॥ ऊकमलहीमांहिमोकल्यां ॥ तवआवीकरे

नमस्कार ॥ ७४ ॥ सलो० ॥ आणाथीवेसीहवे ॥ पटकाव्योहरषीतवयण ॥
देषाजीकहेइंणिपरें ॥ चांपपुरथीआव्याअम्हेसयण ॥ ७५ ॥ सलो० ॥ तूम्ह
गुणसांसलीआवीआ ॥ दिठजेहवासूण्याकान ॥ पृथवीनाथतूम्हेअगे ॥ पण
अमचानाथराजान ॥ ७६ ॥ सलो० ॥ चित्रनोलवअमेजाणीइं ॥ तेतूमपय
सत्तिप्रसाव ॥ चित्रनोपटदेषीकहे ॥ गुणचंद्रकुमारतेताव ॥ ७७ ॥ सलो० ॥
एहकलानोलवकहो ॥ केहवीसंपूरणहोय ॥ चित्रकर्म्मएहउपरि ॥ जगमांन
वीदिठोंकोय ॥ ७८ ॥ सलो० ॥ कोईइंनदिठोएहवो ॥ रेखाकेरोविन्यास ॥
मृगनयणीएदक्षिणकरे ॥ शतपत्रधर्युंसूविलास ॥ ७९ ॥ सलो० ॥ मयण
घरिणीमानुंचित्रमां ॥ रहेतीहरतिअमचित्त ॥ दानवमानवदेवमां ॥ एहवी
नारीहोइंकिममित्त ॥ ८० ॥ सलो० ॥ रूपलावण्यरतीसमुं ॥ तुमेनीपुणप
णंकर्युंजोर ॥ कलाअधीकथीमाहराए ॥ चितमातणठेचोर ॥ ८१ ॥ स
लो० ॥ तेहकहेनीपजावीउंरे ॥ विधीइंजेतेलिखाय ॥ तोअमनीपुणाईपणं ॥
कहोकेहीपरेंवषणाय ॥ ८२ ॥ सलो० ॥ कुमरकहेमुखहरषते ॥ तूमेकिहां
दिठुंएरूप ॥ त्रिसूवनविस्मयउपजे ॥ तसाषोताससरूप ॥ ८३ ॥ सलो० ॥
तेकहेसांसलोकूमरजी ॥ संखपुरेंसंखायनराय ॥ तेहनीएठेकुंअरी ॥ रंसा
पणिहारीजाय ॥ ८४ ॥ सलो० ॥ रतनवतीनामेंकरी ॥ कंदर्पमहोठवमांदि
ठ ॥ जंपानेंबेठीथकी ॥ शिरछत्रधर्युंसूविसीठ ॥ ८५ ॥ सलो० ॥ बहुसखी
उइंपरीवरी ॥ दक्षिणकरकमलविशेष ॥ जोईनेंपोहोताघरे ॥ किधोसंसारी
आलेख ॥ ८६ ॥ सलो० ॥ पणितसरूपसूंदरपणं ॥ विश्वकर्म्माइंनलिखा
य ॥ तोमुरषजनेंवचनथी ॥ कहोकिणीरीतेंकहेवाय ॥ ८७ ॥ सलो० ॥ मद
नवसेंगुणचंद्रजी ॥ थयापणिगोपविआकार ॥ कहेकांयप्रश्नउत्तरकहो ॥
तवबोल्यातेंहविचार ॥ ८८ ॥ सलो० ॥ स्युंदिइंकामिनीकूंणनम्या ॥ हरनें
विषधरकरेकांय ॥ चंद्रमानीजकीरणेंकरी ॥ स्युंधवलकरेकहोराय ॥ ८९ ॥
॥ सलो० ॥ एकेंशब्देंच्यारनो ॥ उत्तरकरवोकहोनेह ॥ नहंगणसोयंकहे ॥
गुणचंदकुमरथरीनेह ॥ ९० ॥ सलो० ॥ चित्रमतिकहेसाहिबा ॥ तूमलहण

व्रेगअ्रतीआर ॥ कुमरकहेविजुंकहो ॥ कांयप्रष्णतेअ्रतिहिंउदार ॥ ए१ ॥
॥ सलो० ॥ बोल्योविलासबुद्धीतदा ॥ स्यूंरथमांहोयप्रधान ॥ बुंद्धीवलेंकुंणलो
कमां ॥ जितेधरतोअ्रसीमांन ॥ ए२ ॥ सलो० ॥ स्यूंकरतीबालाकहो ॥ ने
उरनोशब्दकरंत ॥ हसीतवदनकुमरतदा ॥ चकमंतीइंमवदंत ॥ ए३ ॥ स० ॥
अ्रहोअ्रतीसयतूमबुद्धीनो ॥ ईत्यादिकप्रष्णजवाप ॥ सूषणप्रमुषनावालीअ्रा ॥ स
ऊरीज्यानीजचित्तआप ॥ ए४ ॥ सलो० ॥ ग्रंथविस्तारनासयथकी ॥ नवी
कीधोईहांपरपंच ॥ कुअ्ररपणिपरमोदथी ॥ अ्रंग२थयोरोमांच ॥ ए५ ॥
॥ सलो० ॥ धनदेवनामसंकारीनें ॥ करेऊकमतेलाखदिनार ॥ आपोइंणिपरें
सांसली ॥ करीतहत्तिनेंकरेविचार ॥ ए६ ॥ सलो० ॥ सोलाकुमरदानेसरी ॥
नविलाखविनादिईदांन ॥ पणिनवीजाणेंकेहवुं ॥ लाखकेहवुंहोस्येंमान ॥
॥ए७ ॥ सलो० ॥ कुमरनेंआगेंढगकरुं ॥ तवजाणेंलाखप्रमांण ॥ फिरीथो
प्रास्येकककाममां ॥ नवीसाषेएहवीआणि ॥ ए८ ॥ सलो० ॥ इंमविचारीढग
कर्‌यो ॥ तवपुछेएस्यूंकुमार ॥ तेकहेचित्रकरसूतसणी ॥ देवराव्युंदानतेसा
र ॥ एए ॥ सलो० ॥ कुमरविचारेएहनें ॥ सासेछेदानअपार ॥ तिणेंढगमुक
देषावीनें ॥ कहेछेजेदाननीवार ॥ १०० ॥ सलो० ॥ जाणेछेइंमधनतणो ॥
हवुंइं २ होइंनास ॥ पणिएहनीजुउमुंढता ॥ एकांतिबाह्यनीआशि ॥ १ ॥
सलो० ॥ त्रिजीआठमाखंमनी ॥ कहीपद्मविजयवरढाल ॥ बलिकुमरनांव
यणमां ॥ सुणज्योसवीरंगरसाल ॥ २ ॥ सलो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥७॥
॥ डुहा ॥ जिवसाथेंजायेंनही ॥ अगनिचोरअवनीस ॥ साधारणएसंपदा ॥
कहोनवीदीजेंकिस ॥ ३ ॥ अंतेदिइंअपकारए ॥ तिणेंदेवुंतेतथ्य ॥ लाषअल
पएलेषीइं ॥ परंसवनुंनहीपथ्य ॥ ४ ॥ आसवमांपणिएहनें ॥ दानलाषएदो
य ॥ प्रोहचेंनहीपुरुंतिणें ॥ अपरआपवुंहोय ॥ ५ ॥ उछुनहोइंअर्थमां ॥ देतां
बहुपरेंदान ॥ पुण्यवधेंप्राणीतणुं ॥ एहजगुणअसमांन ॥ ६ ॥ दानसो
गनदाटिइं ॥ करीइंअनेकप्रकार ॥ राषिपणिरहेस्येंनही ॥ पापतणेंपरकार ॥
॥ ७ ॥ प्रतिबोधीस्यूंएपछें ॥ अथवाएहउपाय ॥ समकावणनोसर्वथा ॥ उा

वुंश्मठराय ॥ ८ ॥ एस्युंलाषतेएतला ॥ अल्पजदिशेग्राम ॥ दोयलाषतिणें दिजीइं ॥ तहत्तिसणेंनेताम ॥ ९ ॥ चित्रमतिसूषणचिंतें ॥ चितमांकरेंविचार ॥ अहोउदारताएहनी ॥ अहोबुद्धिअवधारि ॥ १० ॥ डहासोरठी ॥ अणमीकुमरनापाय ॥ धनमोकलेधारीकरी ॥ जोरआवासेंजाय ॥ चित्रमतीसूषणचतूर ॥ ११ ॥ ढाल ॥ कपुरहोईअतीउजलोरे ॥ एदेशी ॥ कालनिवेदीवयणथीरे ॥ श्रीगुणचंदकुमार ॥ जाणिमध्याह्नेउठीआरे ॥ जायमज्जनघरद्वारिरे ॥ १२ ॥ प्राणीपुण्यतणांफलजोय ॥ पुण्यथीसवीसूखहोयरे ॥ प्राणी० ॥ एआंकणी ॥ कनककलसगंधोदिकेंरे ॥ मज्जनप्रमुखअशेस ॥ कामकरेचित्तईछनोरे ॥ रतनवतीसुवीशेषरे ॥ १३ ॥ प्राणी० ॥ एकांतेंचाम्रारस्रोरे ॥ चिंतवेअहोसानारि ॥ कन्याछेएकारणेंरे ॥ करवोएहस्यूंप्याररे ॥ १४ ॥ प्राणी० ॥ तेहमांडषणकोनहीरे ॥ इणेंअवसरेंसज्जमीत्त ॥ विमलबुद्धिप्रमुषआवीआरे ॥ मांड्योविनोदसुंचित्तरे ॥ १५ ॥ प्रा० ॥ विद्याधरविद्याधरीरे ॥ आलेष्यांअदसूत ॥ नवनवांआसूषणरच्यांरे ॥ देषाडेआकूतरे ॥ १६ ॥ प्रा० ॥ असीनवनेहनेंसूचवेरे ॥ दृष्टिपरस्परस्नेह ॥ प्रेमआरोपोओअंगमांरे ॥ दिसेपरगटतेहरे ॥ १७ ॥ प्रा० ॥ चित्रमतीसूषणतदारे ॥ आव्यातेहजगाम ॥ दिठकुमरनीरषतारे ॥ षेचरयुग्मअतीरामरे ॥ १८ ॥ प्रा० ॥ गुलीइंषरक्याकरवलीरे ॥ देषीप्रणमीतेह ॥ कहेएस्यूंमहाराजीआरे ॥ कुमरकहेजुउएहरे ॥ १९ ॥ प्रा० ॥ देषीचमक्याचित्तमांरे ॥ सर्वकलासावधांन ॥ चित्रमांसावदेषाडवोरे ॥ मुसकलछेतेहतानरे ॥ २० ॥ प्रा० ॥ चित्रसास्त्रमांइंमकहेरे ॥ जासनलहीइंचरीत्र ॥ वातकंथाविणचित्रनोरे ॥ जाणीइंसावपवीत्ररे ॥ २१ ॥ प्रा० ॥ तेहजचित्रकरधुरकछोरे ॥ इणसमेंथयोवीयाल ॥ कालनीवेदीबोलीउरे ॥ संध्यासमयसंसालिरे ॥ २२ ॥ प्रा० ॥ संध्याउंपरिनेहथीरे ॥ अस्ताचलरवीजाय ॥ संकेतथानकनीपरेंरे ॥ सूरगीरीगुंजमांगयरे ॥ २३ ॥ प्रा० ॥ कुसुमसूगंधतेविस्तरयोरे ॥ पुजेरमणीअनंग ॥ दिपज्योतीपरगटथईरे ॥ सांसलीतेहसूरंगरे ॥ २४ ॥ प्रा० ॥ गुरुपदनमनसमयथयोरे ॥ उठ्या

तामकुमार ॥ जननीजनकनाचरणनें रे ॥ प्रणम्याविनयप्रकाररे ॥ २५ ॥
प्रा० ॥ मावित्रेंबहुमानीउरे ॥ गयानीजवाससूवन्न ॥ आविनिद्राअवसरेरे ॥
रतनवतीस्युंमन्नरे ॥ २६ ॥ प्रा० ॥ प्रातसमयदिठुंसूपनमांरे ॥ दिव्यकुसुम
नीमाल ॥ आपीकोईकइंमकहेरे ॥ ह्योएअतीशुकमालरे ॥ २७ ॥ प्रा० ॥
तुममनगमतीएहछेरे ॥ सांभलीधरीनीजकंठ ॥ तूरप्रभातनांवाजिआरे ॥ जा
ग्योधरीउतकंठरे ॥ २८ ॥ प्रा० ॥ कालनीवेदीबोलीउरे ॥ करतोतिमीरविना
स ॥ चक्रवाकदुखटालतोरे ॥ करतोरवीसूप्रकासरे ॥ २९ ॥ प्रा० ॥ इत्यादि
कसुणीहरषीउरे ॥ रतनवतीओलाह ॥ अन्यथासुपननपरीणमेंरे ॥ मंगलशब्द
उनाहरे ॥ ३० ॥ प्रा० ॥ तुरतमीलीजोईइंहवेरे ॥ एहनीमीत्तप्रभाव ॥ गुरुप
दवंदनप्रमुखजेरे ॥ आवश्यककरेतावरे ॥ ३१ ॥ प्रा० ॥ जनकादिकप्रणमी
करीरे ॥ वेगजवनिजठाय ॥ आव्यामित्रवलिएहवेरे ॥ गोष्टिचतूर्थगुढथाय
रे ॥ ३२ ॥ प्रा० ॥ विशालबुद्धिबोल्यो ॥ यतः ॥ सुरयरमणस्सरईहरे ॥ णि
यंबंसमिरंवधुधूयकरगा ॥ तरकणवत्तविवाहा ॥ पूर्वढाल ॥ कुमरकहेफिरी
साषीइंरे ॥ फिरीसाध्युंतिणेंजाम ॥ ततषीणपदतिहांपुरीउरे ॥ रमणनीवारेआ
मरे ॥ ३३ ॥ प्राणी ॥ चतुर्थपदंयथा ॥ रमणस्सकरंनिवारेई ॥ १ ॥ पूर्व
ढाल ॥ विशालबुद्धिकहेरूयकुंरे ॥ पुरयूंपदतुमेस्वामी ॥ चित्रमतीकहेमाहरुं
रे ॥ पुरोपदइंणगमिरे ॥ ३४ ॥ प्राणी ॥ यतः ॥ साविियरईसाररसा ॥ समा
णितुंमुक्कवहलसिकारा ॥ नतरइविवरीयरयं ॥ कुमरबोल्यायथा ॥ णियंब
सारालसासामा ॥ २ ॥ सूषणबोल्यो ॥ विजलमीमउलियछी ॥ घणविरसंस
स्ससामिणीसूंचिरं ॥ विवरीयसूरयसहीया ॥ कुमरबोल्या ॥ विसमईउर
त्मिरमणस्स ॥ ३ ॥ पूर्वढाल ॥ इंमकरतांतिहांआवीउरे ॥ कहेइंणिपरेंप्रति
हार ॥ सूपबोलावेतूम्हसणीरे ॥ रहेवाम्मीपरीकाररे ॥ ३५ ॥ प्रा० ॥ अनुंक्रमें
कुमरगयातिहांरे ॥ अश्वखेलाव्याजोर ॥ आव्यानीजआवासमांरे ॥ शेषक
त्यकरेठोररे ॥ ३६ ॥ प्रा० ॥ इंमविनोदकरतांथकांरे ॥ केईदिवसवहीजाय ॥
एकदिनरतनवतितणेंरे ॥ रुपआलेखकरायरे ॥ ३७ ॥ प्रा० ॥ चोथीआठ

मारवंममारे ॥ पद्मविजयकहीढाल ॥ समरादित्यनारासमारे ॥ सूणतांमंग
लमालरे ॥ ३८ ॥ सं॰ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ रतनवतीनारूपमां ॥ परवसथयोअपार॥ उत्सूकजेंवाअलजयो ॥
नयनेंतेनीरधार ॥ ३९ ॥ हेठिलिखीगाहावली ॥ इंणअवसरिनिहां
आय ॥ सूषणचित्रमतीसला ॥ चित्रजुइंचितलाय ॥ ४० ॥ विस्मयलहीवां
चीतदा॥गाहागुणसंभारा॥धन्यकूंअरीनृपनीघुआ॥करेजसचाहकुमार ॥४१ ॥
अचरीजअथवानहींइहां ॥ जेवड्डमानवाजोग ॥ देवीनेंजईदाषीइं ॥ शुलमी
लीउसंजोग ॥ ४२ ॥ बुद्धिवंततवबोलीउ ॥ चित्रमतीचीतलाय ॥ पद्मछंदोए
अपूर्वछे ॥ अहोमुझअचरीजथाय ॥ ४३ ॥ दिगविणएदाषवी ॥ सूषणबो
ल्योसाय ॥ एतादृशछेएहमां ॥ कूमनविलिखीउंकांय ॥ ४४॥ ढाल॥ मनमो
हनमनमोहनपावनदेहमीजी ॥ एदेशी ॥ इंणेंअवसर २ प्रतिहारआवीउजी॥
नृपसाष्युं २ तेसूणीइंकुमारहो ॥ विश्वसूती २ गंधरवआवीउजी ॥ तूमदरि
सण २ नोधरेप्यारहो ॥ ४५ ॥ स्वामीअरज २ सूणोएकअमतणीजी ॥ एं
आंकणी ॥ कहेकुंअर २ तेमोकलोवेगस्यूंजी ॥ तिणेंमुंक्यो २ आव्योताम
हो ॥ करीमुजरो २ नेंपासेंउपविसेजी ॥ कहेसूणिइं २ वाततेआमहो ॥४६ ॥
स्वा॰ ॥ नृपसाषे २ इंणिपरेंतूम्हसणीजी ॥ गंधर्व २ विचारसंदेहहो ॥ प्रभी
उ २ तेगुणचंद्रटालस्येजी ॥ सूणिहसीआ २ कूमारतेरेहहो ॥ ४७ ॥ स्वा॰ ॥
सूतनोजुउ २ रागतेकेतलोजी ॥ विश्वसूती २ बोलेतवइंमहो ॥ गुणआदर २
जांणोपणिनहीजी॥सूतमात्रे२नृपनोंप्रेमहो ॥ ४८॥ स्वा॰॥ चित्रमतिनें २ सू
षणदोयकहेजी ॥ षरीवात २ कहीछेएणहो ॥ कहेकुमर २ चालोआणाकहूं
जी ॥ उठिचाल्या २ विनइंजेणहो ॥ ४९ ॥ स्वा॰ ॥ बिहुंहरष्या २ निज
लवनेंगयाजी ॥ नवीकेहेवुं २ कुमारनेंकांयहो ॥ विज्ञान २ कुमरनुंआले
षीनेंजी ॥ कहेसूषण २ चालोगयहो ॥ ५० ॥ स्वा॰ ॥ चित्रमतिकहे २
कहीनेंजायतांजी ॥ स्युंथाइं २ तवकहेतेहहो ॥ नवीजावा २ दिइंतूमनेंकि
मेंजी ॥ चित्रमईकहे २ साचुंएहहो ॥ ५१ ॥ स्वा॰ ॥ आलेष्युं २ रूपकु

मारनुंजी ॥ कुमरेजे २ लिखितंहाथिहो॥ अयोध्या२माँहिथीनीकल्याजी॥
लेईविकुंई २ पट्टिकासाथिहो ॥ ५२ ॥ स्वा० ॥ चंपपुरीइं २ पोहताअनु
क्रमेंजी॥ कल्लोधुरथी २ कूमरवृत्तांतहो ॥ सूणीराणी२विकुंरूपदेषीनेंजी॥
चित्तहरषी२तेहएकांतिहो ॥ ५३॥ स्वा० ॥ दानदिधुं२ताससंतोषनुंजी॥
रुपजोई२करयविचारहो ॥ अहोरूप२अवस्थानकेहवुंजी ॥ अहोअतीअ
य२देहआकारहो॥ ५४ ॥ स्वा० ॥ रत्नवतीना२रुपहेठलिखिवीजी॥ जे
हगाहा२वांचीतेहहो॥ मनचिंते२माहरीधुआजी॥ ईमईठे २ चिन्तस्यूंएहहो
॥ ५५॥ स्वा० ॥ मोकलीउं२रुपकुमारनुंजी॥ कूमरी२नेंपासेंतामहो॥ स
खीमयण२मंजुषातिहांगईजी॥ चित्रपट्टिका२दाषीजामहो॥ ५६ ॥स्वा०॥
कहेकुमरी२एस्युंछेकहोजी॥ मोकल्युं २तूममाइंएहहो॥ कहेवराव्युं२छेए.
सीषज्योजी॥ कहेकूमरी२कोहनोएलेहहो॥ ५७ ॥स्वा०॥ तेबोली२कांय
जाणुंनहीजी॥ एइंद्र२होस्येइंमजाणिहो ॥ सहसनेत्र२कहेसातेहनेंजी॥
तेबोली२होस्येंनाराणीहो॥ ५८ ॥ स्वा० ॥ कृष्णवरणें२तेछेतवकहेजी ॥ स
खिबोली२त्यारेंहोस्येंचंदहो॥ सालाषे२कलंकछेतेहनेंजी ॥ सषिसाषे२कंद
र्पेअमंदहो॥ ५९ ॥ स्वा० ॥ बोलीरयण२वतितेहबालीउंजी ॥ महादेवईं२
कहोकीमहोयहो॥ सषीसाषे२कहोतूमेआपथीजी॥ अपुरव२दरसणकोय
हो॥ ६० ॥ स्वा० ॥ कहेरयण२वतीएनरअछेजी ॥ चढतीवय२रूपसंभा
रहो॥ निकलंकी२सोवनकांतीछेजी ॥ नेहालां२नयणअपारहो ॥ ६१॥
॥ स्वा० ॥ बोलीमयण२मंजुषासलूंकल्यूंजी॥ एहमांनही२कांयसंदेहहो ॥
ऊंतोजाणुं२एतूम्हवरऊस्येंजी॥ कोईएहवे२कहेनिःसंदेहहो॥ ६२॥स्वा०॥
हरषीते२सांभलीशकुननेंजी॥ आलेख्यो२प्रतिछंदतेहहो ॥ कहेसखीनें२
मातनेंदाषवोजी॥ सीषीके२नहीकहोएहहो॥ ६३ ॥ स्वा० ॥ जईदाष्यूं२
तवघणुंहरषतीजी ॥ निजधुआ२ धन्यविन्नाणहो ॥ आलेषी २ कूमरेंजे
कूमरीजी॥ लावीमुंकी २ तिणेंतसठाणहो॥ ६४ ॥ स्वा० ॥ अनुंरूप २ युग
लदेषीकरीजी॥ मनहरषी २ राणीकहेइंमहो ॥ कहोरतन २ वतीनेंएठीकडे

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युंप्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुझनेंपणि २ इंणि परेंकुंअरेंजी॥ आराधी २ छेअनुरुपहो ॥ चित्रपट्टी २ काविऊइंमोकलीजी ॥ तिर्णेपणीजइ २ कह्युंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली २ म्हेंजेतूमक ह्युंजी ॥ राजकुमर २ तूमारेंजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेषीइंजी ॥ ए हजोगें २ कोनवीओगहो ॥ ६७ ॥ स्वा० ॥ पमछंदो २ देषीतूमतणोजी ॥ जु छेकेही २ रितेंकस्युंरुपहो॥ जाणंनीश्चय २ मिलस्येंएहस्युंजी ॥ पाणीग्रहण २ जोगअनुंपहो ॥ ६८॥ स्वा०॥ पांचमीकही २ ढालएआठमेंजी॥ खंमेरुमी २ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयकृपाथकीजी ॥ पद्मविजयें २ ह र्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुमरीचिंतेंकिहांथकी ॥ मीलवुंएहस्युंमुज॥ मंदभाग्यजेमांनवी ॥ सुरमणीनवीहोइंसुज ॥ ७० ॥ अंबकफूरक्युंइंणिसमें ॥ वामाकेंहवा म ॥ तूष्टमांनथइतेतदा ॥ कहेमुजसरीछंकाम ॥ ७१ ॥ मातकुकमथी माननी ॥ करेआवश्यककर्म्म ॥ भोजनकरीचित्तभावतूं ॥ हरषेंरहेतीहर्म्म ॥ ७२ ॥ पमीछंदोलेईपाणिमां ॥ वदेंअहोअंगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनि रषीइं ॥ अहो २ सर्वअत्यास ॥ ७३ ॥ इंमकेश्वासरअतीक्रम्या ॥ गुणचंद पणिइंमग्यान ॥ करतांदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ ७४ ॥ ढाल॥ सूरपतीसेवीतत्रीभूवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेंमैत्रीबखनरवरु ॥ परस्परेंवात मनोहरु ॥ मनचिंतवेतवभूपाल ॥ एयोग्यवातभूरआल ॥ ७५ ॥ त्रुटक० ॥ योग्यवातरसालजाणी ॥ कुसलनरनृपमुंकीआ ॥ रत्नवतीपणिकूमरकेहूं ॥ ध्यांनकवडुंनचुकीआ ॥ ७६ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वगांमीतेणि इं ॥ रातिदीनउदवेगकरती ॥ शून्यताकरीजेणीइं ॥ ७७ ॥ पायबगासांत्रं गमरमे ॥ आवीतीहांमदनमंजुआ ॥ चिरंजीवतूंस्वामीनीहे ॥ सफलमनोरथ संजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकह्युंम्हेंतिमनीपनुंछे ॥ वरतूम्हारोएथस्ये ॥ कटिसूत्र आपीसांभलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ ७९ ॥ कहेमयणमंजुआतूमकनें थी ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीभूषणविऊनें ॥ दिगतासमकासए ॥८०॥

मुझकहेराणीजाउकुमरी ॥ पासखाधोईंणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥
कुमरगुणचंदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंढेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥
किमअसंबद्धएहलाषे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥ ८२ ॥ राणीकहेआ
राधीउतीणें ॥ प्रजापतीतूठेघणुं ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिइंआ
तरणआपणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरथीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह
सब्दसूणीसंतापह ॥ आपदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवंदीआवली ॥ दा
नदिइंमहारायए ॥ इमनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥ ८५ ॥
अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमासेंतेहपोहती ॥ जा
णेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ कारावंधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा
त्रनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीपुटेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसंभारमांथी ॥ काढे
आसूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामंमीततणा ॥ ८८ ॥
लगनशुलजोवराव्युंसलेरुं॥देवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमंगलवाजीत्रसूणतो ॥ बं
दिजनबिरुदावली ॥ ८९ ॥ इंमखंमआठमेढालछठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥
पद्मविजयेंकहीरुमी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस
दिदार ॥ आदित्यअसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोमे ॥
सासनपतिवंदनजईइं ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरबेठोसोहे ॥ लोकतणां
चित्तमांअतीमोहे ॥ चंदसूरकामरामकेंकोहेके ॥ ९२ ॥ केसरीइंवागेवि
राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्यूंछाजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविशालबु
द्धिमुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमंगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥
॥ के० ॥ नयररामाआसीनंदनाकरती ॥ चोकिं २ जोवेसंचरती ॥ गु
णचंदनागुणगावेफीरतिती ॥ ९४ ॥ के० ॥ आव्यातोरणमंमपमांहिं ॥
उतरीआकरीवरथीउछाहिं ॥ सासूकरेंपुषणांविधीत्यांहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥
दिठिचित्रतणेंअणहार ॥ रतनवतीनुंरुपअपार ॥ अधरबीबीफलसममनो
हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्यूंकुचराजे ॥ विस्तीरणनितंबजछा

जी ॥ नीत्यकरज्यो २ एहस्युंप्रेमहो ॥ ६५ ॥ स्वा० ॥ तुफनेंपणि २ इंणि परेंकुंअरेंजी॥ आराधी २ ठेअनुरुपहो ॥ चित्रपट्टी २ काविज्ञइंमोकलीजी ॥ तिणेंपणीजइ २ कह्युंतेसरुपहो ॥ ६६ ॥ स्वा० ॥ सखीबोली २ म्हेंजेतूमकह्युंजी ॥ राजकुमर २ तूमारेंजोग्यहो ॥ कलाआगर २ गुणनीधीदेषीइंजी॥ एहजोगें २ कोनवीओगहो ॥ ६७ ॥ स्वा० ॥ पम्फछंदो २ देषीतूमतणोजी ॥ जुउकेही १ रितेंकस्युंरुपहो॥ जाणंनीश्चय २ मिलस्येंएहस्युंजी ॥ पाणीग्रहण २ जोगअनुंपहो ॥ ६८॥ स्वा०॥ पांचमीकही २ ढालएआठमेंजी॥ खंभेरुमी २ समरादित्यरासहो ॥ गुरुउत्तम २ विजयकृपाथकीजी ॥ पद्मविजयें २ हर्षउल्लासहो ॥ ६९ ॥ स्वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ कुमरीचिंतेंकिहांथकी ॥ मीलवुंएहस्युंमुफ॥ मंदभाग्यजेमांनवी ॥ सुरमणीनवीहोइंसुफ ॥ ७० ॥ अंबकफूरक्यूंइंणिसमें ॥ वामाकेरुंवाम ॥ तूष्टमांनथइंतेतदा ॥ कहेमुफसरीउंकाम ॥ ७१ ॥ मातङ्कमथ्थीमानमी ॥ करेआवश्यककर्म्म ॥ भोजनकरीचित्तभावतूं ॥ हरषेंरहेतीहर्म्म ॥ ७२ ॥ पम्फीछंदोलईपाणिमां ॥ वदेंअहोअंगवीन्यास ॥ नयननेहअहोनिरषीइं ॥ अहो २ सर्वअभ्यास ॥ ७३ ॥ इंमकेश्वासरअतीक्रम्या ॥ गुणचंदपणिइंमध्यान ॥ करतांदिवसकेतागया ॥ धरतपरस्परध्यान ॥ ७४ ॥ ढाल॥ सूरपतीसेवीतत्रीसूवनधणी ॥ एदेशी ॥ जाणेंमैत्रीबलनरवरु ॥ परस्परेंवातमनोहरु ॥ मनचिंतवेतवसूपाल ॥ एयोग्यवातसूरसाल ॥ ७५ ॥ त्रुटक० ॥ योग्यवातरसालजाणी ॥ कुसलनरनृपमुंकीआ ॥ रत्नवतीपणिकूमरकेरुं ॥ ध्यांनकबञ्जनचुकीआ ॥ ७६ ॥ राजकन्याउचीतकरणी ॥ सर्वगंभीतेणिइं ॥ रातिदीनउदवेगकरती ॥ शून्यताकरीजेणीइं ॥ ७७ ॥ भायबगासांअंगमरफे ॥ आवीतीहांमदनमंजुआ ॥ चिरंजीवतूंस्वामीनीहे ॥ सफलमनोरथसंजुआ ॥ ७८ ॥ जिमकह्युंम्हेतिमनीपनुंछे ॥ वरतूम्हारोएथस्ये ॥ कटिसूत्रआपीसांभलीनें ॥ कहेवातएकीमहस्ये ॥ ७९ ॥ कहेमयणमंजुआतूमकनेंथी ॥ गईदेवीपासए ॥ तवचित्रमतीसूषणविज्ञनें ॥ दिगतासभकासए ॥८०॥

मुझकहेराणीजाउंकुमरी ॥ पाससाषोईंणिपरें ॥ महारायमैत्रीबलतनुजजे ॥
कुमरगुणचंदगुणसीरे ॥ ८१ ॥ दिधीतूनेंठेप्रार्थनाथी ॥ रतनवतीकहेतामए ॥
किमअसंबद्धएहसाषे ॥ सषीकहेसूणोआमए ॥ ८२ ॥ राणीकहेआ
राधीउतीणें ॥ प्रजापतीतूठेघणुं ॥ तिणेंजोगमिल्योएसूणीनें ॥ दिईआ
सरणआपणुं ॥ ८३ ॥ परमोदसरषीचित्तवेसा ॥ एहनीघरणीथई ॥ एह
सब्दसूणीसंतापह ॥ आपदासघलीगई ॥ ८४ ॥ देवगुरुनेंवंदीआवली ॥ दा
नदिईमहारायए ॥ इमनित्यकरणीकरतकेईक ॥ दिवसहरषेंजायए ॥ ८५ ॥
अजोध्यापुरीमोकलेंहवे ॥ विवाहकारणनरपती ॥ एकमासेंतेहपोहतो ॥ जा
णेंअयोध्यासूपती ॥ ८६ ॥ काराबंधनकरेमोचन ॥ नगरसणगारेतथा ॥ पा
त्रनाचेदानदेवे ॥ जनमेंनवीषुठेयथा ॥ ८७ ॥ वांचिपत्रसंभारमांथी ॥ काढे
आसूषणघणां ॥ घोटकशालातिमसणगारे ॥ रथध्वजामंभीततणा ॥ ८८ ॥
लगनशुभजोवराव्युंसलेहूं ॥ देवगुरुप्रणमेवली ॥ गीतमंगलवाजीत्रसूणतो ॥ बं
दिजनबिरुदावली ॥ ८९ ॥ ईमखंडआठमेढालछठी ॥ समरादित्यनेंरासए ॥
पद्मविजयेंकहीरुडी ॥ सूणतांलीलविलासए ॥ ९० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ सोरठो ॥ करीवरचढ्योकुमार ॥ सहसनयनपरेंसोहतो ॥ दिपेतस
दिदार ॥ आदित्यअसीनवउपनो ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ केसरीयाचढोवरघोडे ॥
सासनपतिवंदनजईईं ॥ एदेशी ॥ उज्वलकरीवरबेठोसोहे ॥ लोकतणां
चित्तमांप्रतीमोहे ॥ चंदसूरकामरामकेंकोहेकें ॥ ९२ ॥ केसरीइंवागेवि
राजे ॥ वागेंविराजेनेंषुपस्यूंगजेके ॥ के० ॥ एआंकणी ॥ मीत्रविशालबु
द्धिमुखजेह ॥ चालेपुठिधरीससनेह ॥ जानणीमंगलगीतकहेहके ॥ ९३ ॥
॥ के० ॥ नयररामाआसीनंदनाकरती ॥ चोकें २ जोवेसंचरती ॥ गु
णचंदनागुणगावेफीरतितो ॥ ९४ ॥ के० ॥ आव्यातोरणमंडपमांहिं ॥
उतरीआकरीवरथीउछांहिं ॥ सासूकरेपुषणांविधीत्यांहितो ॥ ९५ ॥ के० ॥
दिठिचित्रनणेंअणुंहार ॥ रतनवतीनुंरुपअपार ॥ अधरबींबीफलसममनो
हारतो ॥ ९६ ॥ के० ॥ चक्रवाकयुगज्यूंकुचराजे ॥ विस्तीरणनितंबजङ्गा

जे ॥ मुषदेषीश्रसधरपणिलाजेतो ॥ ९७ ॥ के० ॥ करपदतलश्रोणीतसम्
राता ॥ सर्वअंगगुणजगविख्यांता॥ लूंछणमांकरेलोकविधानातो॥९८ ॥के० ॥
सर्वअंगेंघणंदेषणजोग ॥ चित्तवालीजुंइमुनीवरलोग ॥ देषतांजाइंसघला
शोगके ॥ ९९ ॥ के० ॥ देषीहरष्योचित्तमझारि ॥ पाणिग्रहणकरेंसुतवा
र ॥ मंमलसमीआंहर्षअपारके ॥ २०० ॥ के० ॥ दिनकरआथमीउससीउ
गो ॥ लेईवधुवाससूवनेंपुगो ॥ साथेंवधुसखीपरीवृतहूगोके ॥ १ ॥ के० ॥
कालयोमोरहीसहीसझजाइं ॥ अंगअंगिमलिकीमाकराइं ॥ सूषसंथारतणां
विलसायके ॥ २ ॥ के० ॥ सुखनिद्राकरतांगईराति ॥ मंगलतूरवाजेपरत्ता
ति ॥ कमलिनीतामवीकश्वरथातके ॥ ३ ॥ के० ॥ प्रातआवश्यककिधांका
म ॥ चाल्याउद्यानजोवाश्रसीराम ॥ क्रिमाकरीआव्यानिजठामके ॥ ४ ॥
के० ॥ देवपुजाभोजनवीधीचारी ॥ साथेंरतनवतीनीजनारी ॥ भोगवेसूखव
रउखनीवारीके॥५॥के० ॥इंमकरतांकेईदिनवहीजाया॥एकदिनहवेवलमैत्रीरा
य॥विग्रहरायनीजसेवकप्रायके॥६॥के० ॥आणिनमानेंतेनीजस्वामी॥सेनामो
कलेतामउद्दाम ॥ जित्योविग्रहकरीसंग्रामके ॥ ७ ॥ के० ॥ जाणीकोप्योव
लमैत्रीभूप ॥ स्वयमेवचढवाकीधीचुंप ॥ जाण्यूंकूमरेंतेहस्वरूपके ॥ ८ ॥
के० ॥ सीहउपरीनवीगाजेसीआल॥तेहसीआलसमोभूपाल॥कहेनृपनेंइमव
यणरशालके ॥ ९ ॥ के० ॥ तिणेंतूमेतातजीश्रोमुकआणि ॥ जिमतुमकोप
अगनीनेंठाण ॥ थायपतंगतेरायअजाणके ॥ १० ॥ के० ॥ रायदिइंतवल
सकरसाथि॥कूमरकहेसांभलोनरनाथ॥खोसाणोविग्रहसझसाथके॥११के० ॥
जवलगेंजीतुंनएहनरिंद ॥ तवलगेंतातपरासववंद ॥ किमकरूंविषयसंगसू
खकंदके॥१२॥के०॥ इंमचिंतीमुंकीतोहांनारी॥ लेईलसकरकिधीअसवारी॥
एकमासेंपोहोतोअवधारिके ॥ १३॥ के० ॥ आव्योकूमरविग्रहइमजाणी॥
गढरूहोकरीबेंठोताणी॥ कूमरेंविंट्योजिमद्वीपनेंपाणीके ॥ १४ ॥ के० ॥
विणसंभलावेतामकूमार॥ विग्रहउपरिरोसअपार ॥ एहचाकरनोस्योगेंसा
रके॥ १५ ॥ के० ॥ बलीउंनाथअछेनीजपास ॥ तिणेंसझसेनाधरीअउल्ला

स ॥ मांझ्योजुद्धप्रसन्नसरासके ॥ १६ ॥ के० ॥ डुर्बलेतेनवीजीताइ ॥ तो हिंमानथीअधीकसराइ ॥ महासंग्रामकरेचित्तलायके ॥ १७ ॥ के० ॥ जाणीकूमरहवेकहेवरावे ॥ मतकरोजुद्धतूमेंझणदावें ॥ एहनोयत्नविनाजयथावें के ॥ १८ ॥ के० ॥ जाणीअशाध्यपेगेकोटमांहि ॥ विंटयोछेचोकफेरएप्रांहि ॥ नासमेएकहांकेऐंराहेंके ॥ १९ ॥ के० ॥ वाहलाप्राणथकीतूमोराय ॥ तेहविनासंसहजमांथाय ॥ एपणिसूपनेंसेवकगायके ॥ २० ॥ के० ॥ नीती मांपहेलीसामवषाणो ॥ जुधकरणनोनहीएहटाणो ॥ स्वामीसेवकसंबंधपी छणोके ॥ २१ ॥ के० ॥ अविनयनाशनोकीधोउपाय ॥ तिणेंपराक्रमएह स्यूंनवीथाय ॥ माहरासमतूम्हनेंदेईसायके ॥ २२ ॥ के० ॥ हवेमतकरज्यो एहवुंकांमा तेहकहेजिमतूम्हेकहोस्वामि ॥ तिमहीजकरस्यूंप्रभूसिरनामीके ॥ ॥ २३ ॥ के० ॥ आठमेखंमेएसातमीढाल ॥ पद्मविजयकहेंपुण्यविशाल ॥ सांभलतांहोयमंगलमालके ॥ २४ ॥ के० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ विशालबुद्धिनामेंवली ॥ इणिपरेंकरेउपाय ॥ राजपुत्रनेरीझिस्यूं ॥ वेहेंचीदीइवताय ॥ २५ ॥ चोकिमुंकीचिहुंदिशें ॥ रूंधेंआहारनेंनीर ॥ केई केदिनइमकाढिआ ॥ धरतोसाहसधीर ॥ २६ ॥ इणअवसरतिहांआवीउ ॥ वाणमंतरवनमांहि ॥ रहवासीरमतोकुंमर ॥ देषीउपनोदाह ॥ २७ ॥ अहो गुरुताएहनी ॥ विर्यवंतविशेस ॥ मुझशरिषोपणिमारवा ॥ अवशरनलहे अशेस ॥ २८ ॥ पणिडुखदेवापाधरो ॥ एअवसरछेआज ॥ इमविचारीआ वीउ ॥ विप्रहपासेंव्याज ॥ २९ ॥ प्रासादतलेंबेठोप्रगट ॥ विप्रहकरेंवषाण ॥ किमआव्यापुछेकहो ॥ वलतीबोलेवाणि ॥ ३० ॥ मलयजांवाश्रमेंमांमीउ ॥ दिठोंविचमांदाव ॥ गुणचंदवयरीमुझगणो ॥ तुझपणतेहजमाव ॥ ३१ ॥ उ दयरवमायनएहनो ॥ साहाज्यकरूंतुझसाच ॥ नयणेंआजएनिरषीउ ॥ मन मांतुहवइमाच ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ तुम्हेतोसलेंविराजोजीसखेसरकेवासीशाहिब सलेंविराजोजी ॥ एदेशी ॥ तुमेतोसलेंपधार्याजी ॥ देवासीकोईदोशो ॥ तुमेतोस लेंपधार्याजी ॥ एआंकणी ॥ एहवुंजाणोसाहाज्यजकीजें ॥ तोकरीइमका

म ॥ विग्रहकहेमुझतीहांजईमुंको ॥ गुणचंदनुंजीहांगांम ॥ ३३ ॥ तू० ॥ र
यणीमाहिंकरवुंएहवुं ॥ वाणमंतरकहेतांम ॥ एतोआयतमाहरेदीसे ॥ जास्ये
जवदोजाम ॥ ३४ ॥ तू० ॥ च्यारजणास्यूंसज्ञथईनें ॥ विग्रहरहीउजाम ॥
विद्यापरसावेंपणजणनें ॥ लेईचाल्योधरीमाम ॥ ३५ ॥ तूमे० ॥ गुणचंदआ
ज्यापासेंमुंक्या ॥ दिठोतामकुमार ॥ गुणचंदनेंबोलावेएहवे ॥ विग्रहधरीअ
हंकार ॥ ३६ ॥ तू० ॥ मुझसाथेंतूंवयरकरीनें ॥ किमसूतोसूखमांहि ॥ करी
करवालकरेंउठीनें ॥ सुणीजाग्योउगांहि ॥ ३७ ॥ तू० ॥ उठिनेंकुंअरतवबो
ल्यो ॥ सलो २ व्यवसाय ॥ खमगलीईंकरमांश्णेंअवसर ॥ अंगरक्षकतिणे
गय ॥ ३८ ॥ तू० ॥ कोलाहलसूणीआव्योतेहनें ॥ वारेतामकुमार ॥ मत
परहारकरेज्योकोई ॥ माहरासमईणवार ॥ ३९ ॥ तू० ॥ रहेज्योसाषीतुमेई
णसमई ॥ झुंकरस्युंसंग्राम ॥ ईणिअवसरवाणमंतरषमगें ॥ दिईपरहारउद्दाम
॥ ४० ॥ तू० ॥ मारि २ करतोतिमविग्रह ॥ उठ्योलेईपरीवार ॥ नांख्यांआ
स्रकंमोझमतिणें॥पणिवंचावेकुमार॥ ४१॥तू०॥ पुन्यप्रबलनेकलाकुशलवली॥
उतकटबलपरीणाम ॥सिंहकिसोरपरेंकरीवरनें॥किधासक्षविणधाम ॥४२॥
॥तू०॥ उपगारीविग्रहनेंजाणी ॥ नवीकिधोपरीहास॥झालीकेशनेंनांष्योहेठो॥
क्षउतेजय२कार ॥४३॥ तूमे०॥ विग्रहनोपरीवारनेंजीते ॥ कुमरतणोपरीवा
र ॥ कोलाहलउपनोतवनागो ॥ वाणमंतरविणमार ॥ ४४ ॥ तूमे० ॥ वाणमं
तरचिंतेअहोपापी ॥ अहोएहनोमहीमाय ॥ गुणकरीउपणिजाणेंकेहवो ॥ ईं
णिपरेंपणिनमराय ॥ ४५ ॥ तूमे० ॥ पणिअयोध्यानयरेंजाई ॥ संसलावुं
परीवार ॥ गुणचंदतोपरलोकेंपोहोतो ॥ ईमपणिथस्येंअपकार ॥ ४६ ॥तू०॥
ईमविचारीचाल्योतीहांथी ॥ श्णसमेकहेकूमार ॥ उठि२महापुरिसकरेले ॥
हरषधरीहथीआर ॥ ४७ ॥ तूमे० ॥ इमकहिनेंमुंक्योकुमरे ॥ पणिनवीउ
ठ्योतेह ॥ कहेमुखथीवलीईणिपरेंवांणी ॥ सांसलज्योगुणगेह ॥ ४८ ॥ तू०॥
तूमसाथेंहवेमुझनेंनघटे ॥ हाथेंलेवाहथीआर ॥ पूर्वेस्वामीहवणांजीत्यो ॥
बक्षतूमचोउपगार ॥ ४९ ॥ तूमे० ॥ तुमवसक्षुंपणितूमेनवीमास्यो ॥ मास्यो

माहरोसत्व ॥ कुमरकहेतुमसरिषानरनें ॥ इंमजघटेएतत्व ॥ ५० ॥ तूमे० ॥
विग्रहकहेस्यूंमुझवषाणो ॥ झंपापीसीरदार ॥ झाझूंताषेस्यूंकहोहोवे ॥ सां
सलोइकइंणिवार ॥ ५१ ॥ तूमे० ॥ झकमकरोनिजनरनेंस्वामी ॥ मारेजि
णीपरेमुझ ॥ मुझकापुरुषनीचेष्टादेषो ॥ घणुं२स्यूंकझंतुझ ॥ ५२ ॥ तू० ॥
कुमरकहेकापुरुषछोरुमा ॥ जसएहवापरीणाम ॥ सुताशत्रुनेंनवीमारयो ॥
वलिअजगामयोआम ॥ ५३ ॥ तू० ॥ असंबधबोलोनहीमुखथी ॥ मुझनें
दिधाप्राण ॥ तिणेंसूखथिपणिमेतूममूंक्या ॥ तवबोल्योतेजाण ॥ ५४ ॥ तू०॥
करीप्रसायनेंशेवककिजें ॥ बोल्योतामकुमार ॥ तातनणासेवकतूमेतिणें ॥
ज्येष्टभातामुझसार ॥ ५५ ॥ तू० ॥ इमकरतांजोंतूममनमानें ॥ चालोतातस
कास ॥ विग्रहकहेचालोतिहांजइइं ॥ सिंकनहीतूमपास ॥ ५६ ॥ तू० ॥ व
धांमणांतिहांविग्रहेंकिधां ॥ चाल्योकुंअरसाथि ॥ विजयधर्म्मआचारयइं
णिसमें ॥ पाउधारयामुनीनाथ ॥ ५७ ॥ तू० ॥ तृणमणीलेष्टुकंचनसमव
ड ॥ षटजीवनाप्रतीपाल ॥ कारणविणउपगारीजेगुरु ॥ चौनाणीकिरपाल
॥ ५८ ॥ तूमे० ॥ गुणचंदनेंप्रतिबोधनोअवसर ॥ जाणीलाभअपार ॥
राज्यतजीमिथीलानयरीनुं ॥ लिधोसंजमसार ॥ ५९ ॥ तूमे० ॥
गुणसंलवउद्यानेंउतरया ॥ लब्धिवंतमुनीसाथि ॥ परीजनमुखथीवात
सुणीनें ॥ हरष्योपृथिवीनाथ ॥ ६० ॥ तूमे० ॥ लेईपरीजनविग्रहसंघातें ॥
वंद्यागुरुनापाय ॥ सायरसमगंभीररवीपरें ॥ तमटालेमुनीराय ॥ ६१ ॥ तू० ॥
जिनवाणिपरेंजेनीकलंकि ॥ देषीशुभपरीणाम ॥ उपनोसर्वसंगत्यागीना ॥
वंदूंपदअभीराम ॥ ६२ ॥ तूमें० ॥ साधुनुंदरीसणतेपावन ॥ चितीप्रणम्यापा
य ॥ विग्रहसहितसझसाधुपणि ॥ धर्मलाभदेवराय ॥ ६३ ॥ तूमे० ॥ आठ
मेरवंभेआठमीढालें ॥ गुरुबेठारेपास ॥ पद्मविजयपभणेंइंणअवसरि ॥ वात
सुणोउल्लास ॥ ६४ ॥ तूमे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ इंणअवसरएकआवीउ ॥ विद्याधरवररूप ॥ वंदनाकरीनेंवीनवे ॥ सां
सलोप्रभूस्वरुप ॥ ६५ ॥ कनकपुरेंदृढप्रसकरो ॥ राज्यतिहांगुरुराय ॥ तेहनेंआग

लितिणेंपुरें ॥ हिमणांवातकहाय ॥ ६६ ॥ मार्गपाम्याथीमांफीनें ॥ आसवक्र
गेंअधीकार ॥ वारुतूमेवखाणीउं ॥ तिहांऊंगयोतिवार ॥ ६७ ॥ जनमुखश्री
म्हेंजाणीउं ॥ संषेपेंसंबंध ॥ अचरीजसांसलवाअछे ॥ प्रसणोसकुपरबंध
॥ ६८ ॥ अंतरायअन्यलोकनें ॥ नहोइंजोनीरधार ॥ अनुग्रहकिजेंअमस
णी ॥ कहेतातामकूमार ॥ ६९ ॥ अमनेंपणिअनुग्रहहोस्ये ॥ एहकहेअव
दात ॥ एहछाअमनेंअछे ॥ वलिजिमतूममनवात ॥ ७० ॥ गुरुजीकहेगुणचं
दनें ॥ सांसलथईसावधान ॥ विकथानिद्रावरजजे ॥ कऊंतेसुणिदेइंकान ॥
॥ ७१ ॥ ढाल ॥ साहिबजीश्रीविमलाचलसेटिइंहोजी ॥ एदेशी॥ कुअरजी॥
एहसरतमांजाणिइंहोजी ॥ मिथीलानयरीविख्यात ॥ कुअरजी ॥ कुअ० ॥
विजयधर्मतिहांराजीउंहोजी ॥ राज्यकरेंअवदात ॥ कु०॥७२॥ कुअरजी॥
वातसोहामणीसांसलोहोजी ॥ एआंकणी ॥ कु०॥ अग्रमहीषीमाहरेहोजी ॥
चंद्रधर्मावाहलीनारी ॥ कुअ० ॥ कु० ॥ किणहिकअपहरीतेहनेंहोजी ॥ इ
हीरयणमनधारि ॥ कु०॥ ७३ ॥ कु० ॥कुं० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥
मंत्रसीद्धनांकांम ॥ कुअ० ॥ कुअ० ॥ विजयदेवीइंमुक्तासीउंहोजी ॥ सां
सलीमुरछाऊंपांमी॥ कु०॥७४॥ कु०॥कुं०॥शीतलचंदनसींचीआंहोजी॥ क्रि
धाविजणेवाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ चेतनालहीडखीउंघणहोजी ॥ देषीपिणन
खकूंकांय ॥ कु० ॥ ७५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ इमकरतांत्रिणदिनगयाहोजी ॥
आव्योचोथेदिन्न ॥ कु० ॥ कु० ॥ एकजटाधरमानवीहोजी ॥ तिव्रतपेपरी
खिन्न ॥ कु० ॥ ७६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सूतिलगावीअंगमेंहोजी ॥ मंत्रवीइ
कहेआय ॥ कु० ॥ कु० ॥ स्येकाजेतुमेआकुलाहोजी ॥ नारीहरीमेंराय ॥
कु० ॥ ७७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मंत्रसाधननेंकारणेंहोजी ॥ तेहनोएहवोजीत
॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिणतापेलेईजायवीहोजी ॥ पणित्रीलेंसूपवीत्त ॥ कु० ॥
॥ ७८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पीमापणिनहीउपजेहोजी ॥ तिणेंमतकरसंताप ॥
राजनजी ॥ रा० ॥ मासछएमिलस्येंसहीहोजी ॥ कहीनेंअदृशथयोआप ॥
॥ कु० ॥ ७९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मूर्गलहीपुरवपरेंहोजी ॥ चितवलेकऊंइम ॥

॥ कु० ॥ कु० ॥ दीर्घवीरहकिमसहीसकूंहोजी ॥ थोप्रतीवचनतेप्रेम ॥कु०॥
॥ ८० ॥ कु० ॥ कु० ॥ मोहवशेजेजेकह्याहोजी ॥ तेतेकरुंआलाप ॥कु०॥
कु० ॥ राज्यतज्यूंकांयनवीगमेंहोजी ॥ निशीदीनकरुंविलाप ॥ कु० ॥८१
॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋण २ मांमुरगालजूंहोजी ॥ डुखलडुंनरकसमान ॥कु०॥
॥ कु० ॥ पंचमासकिमेवहीगयाहोजी ॥ पंचपल्यउपमान ॥ कु० ॥ ८२ ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ एकदिनविणकारणगयुंहोजी ॥ माहरूंडखअपार ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ अंगोअंगआणंदथयोहोजी ॥ चित्तप्रसन्नतेकाल ॥ कु० ॥
॥ ८३ ॥ कु० ॥ कु० ॥ डुमुफचित्तमांचितवुंहोजी ॥ कहोस्यूंकारणहेव ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीआवीतदाहोजी ॥ आव्यातिर्थंकरदेव ॥ कु० ॥
॥ ८४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रोम२हरख्योघणुंहोजी ॥ सांसलीनेहनीवाणी ॥
॥ कु० ॥ कु० ॥ उठीप्रसूसनमूकगयोहोजी ॥ संतोषीदेईदाण ॥ कु० ॥ ८५
॥ कु० ॥ कु० ॥ वंदनाकरीनृपवंदस्यूंहोजी ॥ दिधीसजूनेंआणि॥ कु०॥ कु०॥
हयगयरहसजूसजकरोहोजी ॥ जिनवरवंदनठाण ॥ कु० ॥ ८६ ॥ कु० ॥
कु० ॥ वस्त्रभूषणपहेरोसजूहोजी ॥ सोलाकरोसूरजेम ॥ कु० ॥ कु० ॥ स
मवसरणरचेदेवताहोजी ॥ सांभुंकांयकतेम ॥ कु० ॥ ८७ ॥ कु० ॥ कु० ॥
नयरीथीउत्तरदिशाहोजी ॥ नंदनवननेमाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ वायुकुमरजो
जनलगेंहोजी ॥ अपहरेतृणसमुदाय ॥ कु० ॥ ८८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ मेघकु
मारतिहांवरसताहोजी ॥ सूरसीशीतलनीर ॥ कु० ॥ कु० ॥ ऋतुसुरवरसेफू
लनेंहोजी ॥ पंचवरणनांरुचीर ॥ कु० ॥ ८९ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणप्राकार
वेमाणीआहोजी ॥ विजोकनकप्राकार ॥ कु० ॥ कु० ॥ ज्योतीषीसूरविरचे
तिहांहोजी ॥ हवेत्रीजोगढसार ॥ कु० ॥ ९० ॥ कु० ॥ कु० ॥ रजतनोसव
नपतीकरेहोजी ॥ हवेव्यंतरकरेकाम ॥ कु० ॥ कु० ॥ प्रत्येकेंतोरणठवेहो
जी ॥ मध्येंअशोकअसीराम ॥ कु० ॥ ९१ ॥ कु० ॥ कु० ॥ भमरखंचा
णालोलस्युंहोजी॥ कुसूमसरेनमीमाल ॥ कु० ॥ कु० ॥ रयणसिंहासणमांभी
आंहोजी ॥ पादपीठसुविशाल ॥ कु० ॥ ९२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रणिछत्रवर

उजलांहोजी ॥ मुक्ताफलनीजालि ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननायठेसाहिबोहो
जी ॥ विकसीतकुंदउयूंसालि ॥ कु० ॥ ए२ ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनकदंमसो
हामणोहोजी ॥ पवनेंनाचतोजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ सीहचक्रध्वजमोटिको
होजी ॥ गगनलिहनकरेतेह ॥ कुं० ॥ ए४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ चामरगननेंचा
लतांहोजी ॥ उज्वलजिणीपरेंहंस ॥ कु ॥ कु० ॥ देवडुंडुलीघनगाजतीहोजी॥
सझजनकरेपरसंग्रा ॥ कु० ॥ ए५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ रविमंमलपरेंदिपतूंहो
जी ॥ धरमचक्रपुरजास ॥ कु० ॥ कु० ॥ सामंमलतेजेंतपेहोजी ॥ व्यंतर
कृतसवीषास ॥ कु० ॥ ए६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ त्रिसूवननायकनुंरचेहोजी ॥
समवसरणईमझार ॥ कु० ॥ कु० ॥ कनककमलपगलांठवेहोजी ॥ तेप
णिनवसूविचार ॥ कु० ॥ ए७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सातकमलपुंठेरहेहोजी ॥
दोयउपरिठवेपाय ॥ कु० ॥ कु० ॥ पुरवद्वारेपेसीनेंहोजी ॥ तिरथनमेजी
नराय ॥ कु० ॥ ए८ ॥ कु० ॥ कु० ॥ बेठप्रदक्षिणादेईनेंहोजी ॥ पुरवस
नमुखनाथ ॥ कु० ॥ कु० ॥ पादपीठपगथापीनेंहोजी ॥ जोगमुंद्राइंधरीहा
थ ॥ कु० ॥ एए ॥ कु० ॥ यतः ॥ संघाचारसाष्यें ॥ सिंहासणेनी
सन्नो ॥ पाएठविउणपायपिढंमी ॥ करधरीयजोगमुद्दो ॥ जिणनाहोदेसणं
कुणई ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ कु० ॥ त्रिहुंदिशेंजिनसारीषाहोजी ॥ प्रतिबिंब
धरेविष्यात ॥ कु० ॥ कु० ॥ धुपघटितिहांमहमहेहोजी ॥ आवश्यकेंघणीवा
त ॥ कुं० ॥ ३०० ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ कुमतीमदजेहथीगलेहोजी ॥ जिनवरस
मदेषाय ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ चामरढालेविहुंदिशेंहोजी ॥ निरमलतिहांसूरराय ॥
कु० ॥ १ ॥ कु० ॥ कु० ॥ अगनीकूंणेंप्रसूजीयकीहोजी ॥ सिंहासनरचेताम
॥ कु० ॥ कु० ॥ बेसेंजेष्टगणधरतिहांहोजी ॥ गुणगणकेंराधाम ॥ कु० ॥ २ ॥
कु० ॥ कु० ॥ पेसेपुरवबारणेंहोजी ॥ मुनीवैमानीकनारी ॥ कु० ॥ कु० ॥
साधवीतीमप्रणमीकरीहोजी ॥ बसेअग्नीकुणेंगरी ॥ कु० ॥ ३ ॥ कु० ॥ कु० ॥
सवणपतीवणजोतिषीहोजी ॥ तेहनीदेवीजेह ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसेदक्षिण
बारणेंहोजी ॥ बेसेंनैरतिकुणितेह ॥ कु० ॥ ४ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सवणपती

वणजोतीषीहोजी ॥ पेसेपछीमद्वार ॥ कु० ॥ कु० ॥ वावकुणेंतेउपविसें
होजी ॥ जिननेंकरीनमस्कार ॥ कु० ॥ ५ ॥ कु० ॥ कु० ॥ वैमानो
कसूरतिमवलीहोजी ॥ नरनेंनरनीनारि ॥ कु० ॥ कु० ॥ पेसीउत्तरबारणें
होजी ॥ बेशेईशानकुणेंगारि ॥ कु० ॥ ६ ॥ कु० ॥ कु० ॥ सापनकुलमृगमृ
गपतिहोजी ॥ कुकमनेमार्जार ॥ कु० ॥ कु० ॥ जातिवैरविशारीनेहोजी ॥
बेसेबिजेप्राकार ॥ कु० ॥ ७ ॥ कु० ॥ कु० ॥ यानविमाननरदेवनांहोजी ॥
रहेत्रीजागढमांहि ॥ कु० ॥ कु० ॥ वधामणीदायककहेहोजी ॥ सांसलोवलीउग
हि ॥ कु० ॥ ८ ॥ कु० ॥ राजनजी ॥ दीधीराणीतीहांकिणेंहोजी ॥ सांस
लीलस्रोउल्लास ॥ कुं० ॥ कुं० ॥ आठमेखंमेनवमीकहीहोजी ॥ ढालप
दमेंएरास ॥ कुं० ॥ ए ॥ कुं० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ सामग्रीसहुसजकरी ॥ गजवरबेठेगेलि ॥ वाजीत्रबहुपरेंवाजते ॥
करतांपरें२केलि ॥ १० ॥ नयरबाहिरजबनीकल्यो ॥ परीवृतबहुपरीवार ॥
समवसरणसोहामणुं ॥ दिठुंदरिसउदार ॥ ११ ॥ उत्तरद्वारेंआविउ ॥ पुल
कीतथईपवीठ ॥ जगविख्यातजीनेसरु ॥ दरिसणनयणेंदिठ ॥ १२ ॥ भण
मीजीनवरपाउले ॥ स्तवनाकरेरशाल ॥ सावधानथईसांसले ॥ स्वरपदवर्णवि
शाल ॥ १३ ॥ ढाल ॥ लावो २ नेंराजिमुंघांमुलांमोती ॥ एदेशी ॥ सवीतूमें
वंदोरेअरीहादेवजिणंदा ॥ गुणगणकंदोरेनमतांजाईंसवफंदा ॥ एआंकणी ॥
जयपरमेश्वरजगदानंदन ॥ जयजगवल्लसनाथ ॥ जयत्रीभूवनएकमंगलरू
पी ॥ जयतूंशीवपुरसाथ ॥ १४ ॥ सवी० ॥ जयजोगीसरसेवीतपदकज ॥ ज
यइंद्रियगजसिंह ॥ जयडुर्जयनिर्जितकंदर्प्पह ॥ जयतूंअकलअबीह ॥ १५ ॥
स० ॥ जयसवीकमलवीकाशनदिनकर ॥ जयसूरनरनतपाय ॥ जयमनवं
छीतपुरणसूरगवी ॥ जयतूंअमलअमाय ॥ १६ ॥ स० ॥ जयपारंगतजयनी
कलंकी ॥ जयस्याद्वादसरुप ॥ जयगुणरहीतगुणाकरस्वामी ॥ जयअसरो
रअरुप ॥ १७ ॥ स० ॥ जयपरीसहफोजेऐरावण ॥ जयअजरामरदेव ॥ ज
यसवसयसंजनअविनाशी ॥ जयसूरतरुसमसेव ॥ १८ ॥ स० ॥ जय

गतरागद्वेषगतवेदा ॥ जयगतरोगनेंशोग ॥ जयगतमानमत्सररतीअरती ॥ जयगतजोगविजोग ॥१ए॥ स० ॥ जयसर्वज्ञतथासर्वदर्शी ॥ जयतूंचरण अनंत ॥ जयअपुनर्भवजयजयनीरुपम ॥ जयसगवंतसदंत ॥२०॥ स० ॥ जयतूंअचलअनंतअखंमह ॥ जयअक्षयअवीकार ॥ जयनीजगुणसोगीनें अयोगी ॥ जयतूंमार्गदातार ॥२१॥ स० ॥ जयजगबंधवजयजगरक्षक ॥ जयनीरीहनिःसंग ॥ जयशाश्वतसूखअव्याबाधह ॥ जयनीजआतमरंग ॥२२॥ स० ॥ जयपुरणानंदीपरमातम ॥ जयचिदअमृतपानि ॥ जयनिजगुणकर्त्तातहसोक्ता ॥ जयतूंअकहकहानी ॥ २३ ॥ स० ॥ जयगुणानंतअलपमुऊबुद्धी ॥ जयजीनवरकिमकहीइ ॥ उत्तमगुणजोपद्मविजयकहे ॥ प्रगटेतोसर्वीलहीइं ॥ २४ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ श्री ॥ दुहा ॥ जनपतीइमजिनराजनी ॥ स्तवनाकरीआनाह ॥ प्रणमेगणधरमुनीपती ॥ इमअणगारउछाह ॥ २५ ॥ उचितथानिकेंउपविसें ॥ प्रथवीपतीपरीवार ॥ दिइंप्रसूजीपणिदेशना ॥ सवसयसंजणहार ॥ २६ ॥ ढाल ॥ पांमवपाचेवांदतांमनमोहुरे ॥ एदेशी ॥ प्राणीजीनवांणीसूणो ॥ तूमेंछांमीमोहजंजालरे ॥ पामीनरसवदोहिलो ॥ मतखोवोआलपंपालरे ॥ २७ ॥ मतखोवोआलपंपाल॥ फिरी २ दोहिलोजीनधर्मरे॥जिनधर्मनोमर्मलहीकरीजिणीपरेंपामीइंशीवशर्मरे ॥ एआंकणी॥ जिवअनादीअनंतछे ॥ कर्मसंजुत्तपरवाहरे ॥ पापथीदुखीउधर्मथी ॥ सूखीउसवीदर्शनराहरे ॥ २८ ॥ सूख० ॥ चारीत्रश्रुतदायसेदथी ॥ धर्मपरषीजेंत्रणिसेयरे ॥ एकंकसनेंबीजोछेदथी ॥ तापकनकपरेंपरषेयरे॥२ए ॥ ताप० ॥ जिहांसावद्यनीषेधछ॥ टालेरागादिकजिहांध्यानरे॥एहकशोटीइंसूधछे॥जिमकनककशोटीइंदानरा॥३०॥जीम०॥सूक्ष्मबादरजीवनी॥जिहांहिंसानोनहीत्यागरे॥तेहअसुधधर्मजाणीशावलिरागादीकनहीत्यागरे ॥३१॥वली॥ जिहांसंयमअप्रमत्तता ॥ लिइंआहारादीकजीहांशुद्धरे ॥ छेदशुद्धतेधर्मछ ॥ इणिपरेंसासेस्वयंबुधरे॥ ३२ ॥ इण० ॥ पंचसूमतित्रणिगुपतीजें ॥ सदाकालपालेसवीशुद्धरे ॥ एहथीविपरीतजेहोइं॥ तेछेदथीथ

मेंअशुद्धरे ॥ ३३ ॥ तेह० ॥ तोजनपरघरजायवुं ॥ वलिषमगादीकथरेजेह
रे ॥ तेहधर्मउछेदवो ॥ जुक्तिनवीथापेतेहरे ॥ ३४ ॥ जु० ॥ जीवादिकस्याद्वा
दथी ॥ घटेबंधादिकसदसावरे ॥ तेजुगतिवलीथापवुं ॥ एअशुद्धधरमछेतावरे ॥
॥ ३५ ॥ ए० ॥ एहजुक्तीनखमीसंके ॥ तेतापअशुद्धविचाररे ॥ तिणेंनी
त्यानीत्यजाणीइं ॥ जीवअस्तीनास्तीपरकाररे ॥ ३६ ॥ जीव० ॥ धर्मअने
कइंमजीवना ॥ छेसूखडुखबंधनेंमोखरे ॥ धर्मअनेकनमांनीइं ॥ तोउलटा
होइंदोषरे ॥ ३७ ॥ तो० ॥ अस्तीस्वरुपेंजाणीइं ॥ पररुपेंनास्तीस्वसावरे ॥
नहीतोवीसीष्टअसावथी ॥ सवीएकरुपहोयसावरे ॥ ३८ ॥ स० ॥ नित्यएं
कांतेसाषीइं ॥ तोकिमडुखक्षयनेंहेतरे ॥ अनुष्टांनकरेलोकए ॥ सूखलहेवा
नेंसंकेतरे ॥ ३९ ॥ सु० ॥ कहिइंएकांतेअनीत्यजो ॥ तोसवनअनंतरनाशरे॥
जिवपरिणामीअसावथी ॥ केहनेंसूखडुखनीआशिरे ॥ ४० ॥ के० ॥ सेदा
सेदइंमजांणीइं ॥ तिमएकअनेकवीचाररे ॥ स्याद्वादरीतेंकरी ॥ उलषोआत
मनीरधाररे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ मिथ्यात्वादिकबंधनां ॥ हेतूइंकरीबांधइंकर्मरे ॥
सम्यक्तादिकसावथी ॥ क्षयकरीलहेशाश्वतसर्मरे ॥ ४२ ॥ क्ष० ॥ सेदासे
दजीवनेंतनुं ॥ रुपीनेंअरुपीतेमरे ॥ कर्त्तासोक्ताउसयछे ॥ बंधादिकपणिघटे
इंमरे ॥ ४३ ॥ बं० ॥जीवशरीरपणिसिन्नछे॥ जेकारणइंणसवपापरे॥ अन्य
शरीरेंआतमा ॥ परसवसोगवेसंतापरे ॥४४ ॥ प०॥अन्यकरेअन्यसोगवे॥ ते
तोनघटेसर्वप्रकाररे ॥ तिणेंअसेदकोईरीतीछे ॥ इंमसेदासेदउदाररे ॥ ४५ ॥
इं० ॥ बंधअनादीप्रवाहथी ॥ कंचनपडरसमतेहरे ॥ नहितोशुद्धस्वरुपनें ॥
कर्मवलगेश्यनएहरे ॥ ४६ ॥ क० ॥ तेहनोअंतपणिसव्यनें ॥ होइंपुत्रपीता
परेंजाणिरे॥ कुकमीअंमपरेंवली ॥ असव्यनेंनीत्यवषाणिरे ॥ ४७ ॥ अ० ॥
तासवीतासउपायनें ॥ सेवीपरीआसीदअनंतरे ॥ तेहतणोनवीअंतछे ॥ भव्यं
शअसावपरेंतंतरे॥ ४८ ॥ भ० तेहकारणसवीकीजीइं॥ तेहकर्मविनाशउपा
यरे ॥ समकितधुरिअंगीकरो ॥ जिमसवीगुणथीरताथायरे ॥ ४९ ॥ जि० ॥
देवगुरुनेंधर्मनी ॥ रुचीतेसमकीतकहेवायरे ॥ वितरागसर्वज्ञजे ॥ तेदेवपणें

ठहेरायरे ॥ ५० ॥ ते० ॥ परीसहआरंसजिणेंतज्या ॥ जेतरणतारणसमरछे रे ॥ उपगरणधर्मनाजेहछे ॥ तेचारीत्ररक्षणअछरे ॥ ५१ ॥ ते० ॥ केवलिइं जेसाषीउ ॥ तेधर्मकहिजेसंतरे ॥ एसमकीतव्यवहारथी ॥ निश्चयेंनीजआतमतंतरे ॥ ५२ ॥ नी० ॥ इमसमकीतअंगीकरो ॥ तुम्हेसफलकरोअवताररे ॥ देशनासांसलीइंणीपरें ॥ लहीपरषदाहर्षअपाररे ॥ ५३ ॥ ल० ॥ हाथजोमी प्रणमीकरी ॥ कहेप्रभुतुम्हवचनप्रमांणरे॥ तूमसमदेशककोनही ॥ घरिजांइं इमकरतीवषाणरे ॥ ५४ ॥ घ० ॥ केईकसमकीतपामीआ ॥ केईदेशवीरती लहेसत्वरे ॥ सकलसंगछांमीकरी ॥ केईचारीत्रलीइंलहीतत्वरे ॥ ५५ ॥ के० ॥ केईसकसावीथया ॥ कहीआठमेखंमेढालरे ॥ पद्मवीजयेंदशमीसली ॥ सूणोआगलवातरसालरे ॥ ५६ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ नयणेंदिठीनारीनें ॥ समवसरणमांसार ॥ चिंतायईमुझचित्तमां ॥ निश्चयएमुझनारि ॥ ५७ ॥ किमएइंहांआवीकहो ॥ वलीसंसारस्युंवयण ॥ मंत्रसिद्धेंसाध्युंमनें ॥ राणीदेषीरयण ॥ ५८ ॥ पुछुंजीनवरनेप्रभू ॥ परसवस्युंकस्युंपाप ॥ राणीवीरहथीरोवतां ॥ सबलथकोसंताप ॥ ५९ ॥ इंणिपरें धारीआदरे ॥ कुमरजीपुछयुंकेम ॥ पूर्वकर्मविपाकजे ॥ अरीहासाषेइंम ॥ ॥ ६० ॥ ढाल० ॥ होपीउपातलीआनारीगुणावलीनामजो ॥ पंजरीउंकरली धोझरतेलोयणेरेलो ॥ एदेशी ॥ होसूणिराजनीआ ॥ जंबुद्वीपमझारीजो ॥ विध्याचलइंणनामेंपरवतसोहतोरेलो ॥ होसू० ॥ उंचपणीउंघणीतछजो ॥ जाजुल्यमांनदिपकपरेंतिणेंमनमोहतोरेलो ॥ ६१ ॥ होसू० ॥ चंदनप्रमुखसूगंधजो ॥ बहुपंषीगणशब्दकरेसोहामणारेलो ॥ होसू० ॥ सिहरसेणतुझनासजो ॥ शबरतणोतूंरायबलमांनहीमणारेलो ॥ ६२ ॥ होसू० ॥ बहुजीवनोकरेघातजो ॥ विषयमुछिततुंअतीसयघरणीस्युंरहेरेलो ॥ होसू० ॥ रोझहरिणनेंरीछजो ॥ करेविजोगजुगलनोमनमांसूखलहेरेलो ॥ ६३ ॥ होसु० ॥ सुखअसीलाषीतिहंजो ॥ वनमांरेतेवीहतातूझथीथरहरेरेलो ॥ होसु० ॥ श्रीमंतीताहेरनारिजो ॥ गुंजाफलमालानांआसरणांघरेरेलो ॥ ६४ ॥ होसु० ॥

पहेरेवल्कलवस्त्रजो ॥ रुमीरेतरुत्र्प्रानीत्र्रोटीकांनमांरेलो ॥ होसु० ॥ तेहनी साथेंनीत्यजो ॥ गिरीनीकुंजमांसुषसोगवतोमांनमांरेलो ॥ ६५ ॥ होसु० ॥ भीषमरीतूतिणीवारजो ॥ त्र्प्राव्योरेएकगछमुनीवरनोतिहांकिणेंरेलो ॥ होसु०॥ पंथभ्रष्टपरीखीन्नजो ॥ देषीनेंत्र्प्रनुंकंपात्र्प्रावीतुझमनेंरेलो ॥ ६६ ॥ होसु० ॥ तुझमनमांथईचिंत्तजो ॥ विषमगीरीकंतारमांकिमइंणीपरेंत्तमेंरेलो ॥ होसु०॥ जईपुछ्युंततकालजो ॥ मुनीकहेसूलापंथथीतिणेंत्तमीइंत्र्प्रमेंरेलो ॥ ६७ ॥ होसू० ॥ श्रीमतीकहेत्तरतारजो ॥ एहतपस्वीफलमुलादिकत्र्प्रापीईरेलो ॥ होसू० ॥ विंध्यनीत्र्प्रटवीसीमजो ॥ पारिउतारीएहतणांउखकापीईरेलो ॥ ६८ ॥ ॥होसू०॥ एहनीधानसमानजो ॥ किधीरेतूझसेंदिवीधाताइंखरीरेलो ॥ होसू०॥ इंमसांभलीतसवाणिजो ॥ उछ्योरेरोमांचितत्र्प्रतीहरषेंत्तरीरेलो ॥ ६९ ॥ होसू० ॥ लाव्योमुलनेंकंदजो ॥ त्र्प्रदसूतफललाव्योतवइमसुनीवरत्तणेंरेलो ॥ होसू० ॥ नवीकलपेत्र्प्रम्हएहजो ॥ जिणवरेंकीधनीषेधनवीलेउंतिणेंरेलो ॥ ॥ ७० ॥ होसू० ॥ बोल्योसबरसूपालजो ॥ त्र्प्रमउदवेगहोइंतिणेंकारणलीजी ईरेलो ॥ होसू० ॥ मुनीवरजाणीसावजो ॥ लालालतविचारीइंमवदिजीईरेलो ॥ ७१ ॥ होसू० ॥ लावोफलमुलकंदजो ॥ वरणगंधपलटाणांहोइंजेहनांरेलो ॥ होसू० ॥ जेबहुकालनांलीधजो ॥ सबररायतेसांभलीवयणांतेहनांरेलो ॥ ॥ ७२ ॥ होसु० ॥ परीणतफलमुलकंदजो ॥ लाव्योगिरीगुफाथीमुनीपमीला सीत्र्प्रारेलो ॥ होसु० ॥ पंथचढाव्यातामजो ॥ नारीसहीतत्र्पुसत्तावथीधन्यनी जमानीत्र्प्रारेलो ॥ ७३ ॥ होसु० ॥ मुनीइंपणकह्योधर्मजो ॥ सांभलीकर्म्म वीवरथीतूमेंत्र्प्रंगीकरय्योरेलो ॥ होसु० ॥ दिधोतूमनवकारजो ॥ शिवसुखका रणतेतूमेंसक्तिहदेंधरय्योरेलो ॥ ७४ ॥ होसु० ॥ त्र्प्रतिशयज्ञानीतेहजो ॥ जाणीरेउपगारकहेंचलीइंणिपरेंरेलो ॥ होसु० ॥ पक्षमांएकदिनसारजो ॥ सा वद्यत्र्प्रारंभवरजीनेंइंणीपरेंकरेरेलो ॥ ७५ ॥होसु०॥ एकांतेंरहीतामजो ॥ नव पदनेंतूंसंभारेदृढमनकरीरेलो ॥ होसु० ॥ तुझनेंमारेकोयजो ॥ तोपणितेरहेवुं समतात्र्पुसत्र्प्रादरीरेलो ॥ ७६ ॥ होसु० ॥ इमपालीजीनधर्म्मजो ॥ पामस्यो

सुरसुखंथयोमाकालमांहिंतूमेरेलो ॥ होसु० ॥ अंगीकारकरेदोयजो॥ साधुवर्य
एएऽतिएंनीस्तरीयांअमेरेलो ॥ ७७ ॥ होसु० ॥ मुनीइंकिधविहारजो॥
एहअसीमहपालेंविंहंजिममुनीकस्योरेलो ॥ होसू० ॥ वर्द्धमानसंवेगजो ॥
एकदिनंपमीमापोसहर्तिहांदंपतीयस्योरेलो ॥ ७८ ॥ होसू० ॥ तिहांआव्यो
एकसीहजो ॥ गंजकुंसस्थलदारणनेंरसीउंघपणरेलों ॥ होसू० ॥ श्रीमतीबी
हनीतामजो ॥ देषीनेंसीलउठ्योधरीसाहसपणरेलो ॥ ७९ ॥ होसू० ॥
धनुषतिरलिइंहाथिजो ॥ कहेंमतबिहेनारीतूंएकसरेहणरेलो ॥ होसू० ॥
श्रीमतीबोलेतामजो ॥ एहमांनहीसंदेहपराक्रमतूमतणरेलो ॥ ८०॥ होसू०॥
पणिगुरुवयणपलायजो ॥ गुरुंइंकह्युंप्राणांतकरेंकोइंवधप्रतेंरेलो ॥ होसू० ॥
तेंखमज्योचित्तमांहिजो ॥ किमगुरुवयणवृथाकरीइंसमरणऽतेरेलो ॥ ८१ ॥
होसू० ॥ परसवबंधुसूतजो ॥ तेगुंरुवयणरसायणकरीनेंजाणीइंरेलो॥होसू०॥
नारीनेंकहेइंमसीलजो ॥ सत्यकह्युंतेवयणगुरुबहुमानीइंरेलो ॥ ८२ ॥
होसू०॥तूंमोहेंकरशुंइंमजो॥ मुक्युंधनुषतीरम्हेंगुरुवयणेंरस्योरेलो॥होसू०॥
इंणिअवसरतेसीहजो॥उगलीलांगुलनेंतेसनमुखथयोरेलो॥ ८३ ॥ होसू० ॥तें
चिंत्युंमनमांहिजो॥ गुरुआणापरीपालणकंसवटिएषरोरेलो ॥होसू० ॥ उप
गारीएहसीहजो ॥ इंमचिंतनशूलकरतांआव्योडहकरोरेलो ॥ ८४ ॥होसू०॥
दंपतीदोयविनासजो ॥ किधोरेउपसर्गतेंतूमेअहीआसीआरेलो ॥ होसू० ॥
सोहमदेवलोकमांहिजो ॥ दंपतीउपनाऋधीवंतआवासीआरेलो ॥ ८५ ॥
होसू० ॥ पल्योपमएकआयजो ॥ सोगवतांअग्यारमीढालसोहामणीरेलो ॥
होसू० ॥ आठमेंखंमेएहजो ॥ पद्मविजयकहेवातसूंणोआगेंघणीरेलो॥८६॥
॥ दुहा ॥ जंबुद्वीपमांबिंहंजणां ॥ अपरवीदेहअनुंप ॥ नयरचक्रपुरनिरषी
इं ॥ सलोगुरुम्रगांकसूप ॥ ८७ ॥ कामिनीबालचंदाकही ॥ तसकूषेंअव
तार ॥ समरम्रगांकठवेसूखें ॥ नामगुरुनिरधार ॥ ८८ ॥ सालोनृपनोसोह
तो ॥ सुसूषणसिरदार ॥ कुहमतीनारीकूषमां ॥ तूंऋनारीअवतार ॥ ८९ ॥
अशोकदेवीएंहवुं ॥ थाप्युंनामथीरथाव ॥ कलाग्रहणकरतांबिंहुं ॥ जौवन

पाम्यांजाव ॥ ए० ॥ तुमविवाहथयोविङ्गंतणो ॥ परण्यादिनसूपसङ ॥ सू खित्तोगवतांस्वर्गनां ॥ जाणेकालनजङ ॥ ए१ ॥ रागघणोत्रीरमणनें ॥ इंम करतांएकदीन्न ॥ पलिदेषीप्रथवीपती ॥ परसंवेगप्रपन्न ॥ ए२ ॥ राज्यदेई तूऊराजीउं ॥ देवीस्यूंलिईदिष ॥ राज्यपालेनूरंगस्युं ॥ संझ्रीनेंदिशीष ॥ ए३ ॥ मारयानीरदयमनकरी ॥ वलितीर्यंचवीजोग ॥ हवेविपाकसू णितेहना ॥ सघलाकटुकसंयोग ॥ ए४ ॥ ढाल० ॥ पहेलीनेंवामेंहोजीवि रजीनवरकहे ॥ एदेंशी ॥ तिणहीजविजइहोजीगंगानयरीइं ॥ सिरीवलरा जारेराज्यकरेतीहांजी ॥ तेहस्युंसहजेंहोजीवियहतूऊथयो ॥ सूलटसंनुरा रेंगयासिरिवलजीहांजी ॥ ए५ ॥ तोपणितेहस्युंहोजीसंग्राममांमीउं ॥ शेष सैन्यपणितिणेंमारयुंयदाजी ॥ तुऊपणिमारयोहोजीकालकरीतीहां ॥ रौद्र ध्यानथीरेगयोनरगेंनदाजी ॥ ए६ ॥ सत्तरसागरहोजीश्राउषुंनाहरुं ॥ तां हरीराणीरेमरणतेसांसलीजी ॥ मुरछापामीहोजीचेतनावलीलही ॥ करेनिया णरेइणिपरेंतेवलीजी ॥ ए७ ॥ जिहांमुऊस्वामीहोजीहोइउपना ॥ तिहांमुऊ होज्योरेउपजवुंषरुंजि ॥ इमकहीपेठीहोजीवलतीश्रगनीमां ॥ क्लिष्टचित्तथी रेकष्टसहुंश्राकरूजी ॥ ए८ ॥ सत्तरसागरहोजीश्राउषेउपनी ॥ महाडखं सहेतारेश्रनुंक्रमेंविङ्गंजणांजी ॥ तिहांथीनीकलीहोजीपुस्कराश्रर्द्धमां ॥ सरत षेत्रमांरेनिरधनजेघणांजी ॥ एए ॥ तेविङ्गंउपनाहोजीसीन्न २ घरें ॥ वि ङ्गंजणपरण्यारेश्रनुंक्रमेंदंपतीजी ॥ श्राजिविकानुंहोजीदूखतुमेश्रनुंलवो ॥ सिक्षाइंश्राव्यारेएकदिनमहासतिजी ॥ १०० ॥ देषीतेहनेंहोजीसरथावाधतें ॥ प्रासूकलीक्षारेरोमांचितथईजी ॥ श्रापीनेंपुछयूंहोजीकिहांरहोगेतुम्हे ॥ त वतेबोलीरेमुख्यजेसंजईजी ॥ १ ॥ वसूलेउघरनेहोजीपासेउपासरे ॥ नयरमां रहीइरेइंमसूणीहरषीश्रांजी ॥ सांऊेलेईहोजीफूलतिहांगयां ॥ सुव्रतागु रुणीरेनामेंनीरषीश्रांजी ॥ २ ॥ पुस्तकसाहमीहोजीदृष्टीठवीकरी ॥ तनुं जसनालारेसमरतेलोयणांजी ॥ सुवथणकमलाहोजीसोहेज्युंकमलिनी ॥ ह रषेंवंधारेविस्मीतदोयजणांजी ॥ ३ ॥ श्रंगश्रग्यारेहोजीजीसनेंटेरुइं ॥ धर्म

लासदिधोरेकरउंचोकरीजी ॥ प्रभूजीवंदोहोजीकुसुमवुठिकरी ॥ संसारसा
गरसुखेंजाउतरीजी ॥ ४ ॥ इंमसुणीजिनवरहोजीवंदिदेहरे ॥ गणिणीसमी
पेरेत्र्प्रावीउपवीसेजी ॥ गणिणीपुछेहोजीकिहांतूमवासछइं ॥ गोचरीत्र्प्रांकहे
एइंतोइंहांवसेजी ॥ ५ ॥ अम्हेंगयांगोचरीहोजीएहतणेंघरे ॥ सरथावं
तघणाछेसामीनीजी ॥ सत्केंत्र्प्राव्याहोजीजिनवरवांदवा ॥ गणिणीबोल्यांरे
वातकरीकामनीजी॥६ ॥ धर्मतेजगमांहोजीसरणआधारछे॥धर्मनेंमुंकीरेदुख
टालेनहीजी ॥ इंद्रजालसमहोजीकेसुपनासमो ॥ चलनेंअशाररेनरभवएल
हीजी ॥ ७ ॥ धर्मकरेनहीहोजीविषयनोलोलपी ॥ चंदनबालीरेअं
गाराकरेजी ॥ धर्मथीलहीइंहोजीशाश्वतसुखघणां ॥ थोडेकालेंरेकह्युंइमजी
नवरेंजी ॥ ८ ॥ तिणेंतूमेंत्र्प्राव्यांहोजीतेरुडुंकरयुं ॥ जिनमुनीदरीशणअ
तीपावनकह्युंजी ॥ इंमतुमेसांभलीहोजीशुद्धहृदयथकी ॥ मांसनेंमधुनुंरे
पचखाणतुमेलह्युंजी ॥ ९ ॥ उठवावेलाहोजीगणिणीइंकह्युं ॥ नित २ आव
ज्योरेसुणवाधर्मनइंजी ॥ दुखसहुजास्येहोजीतूमचाअंगथी ॥ वचनतेमा
न्यंरेजाणीमर्मनेंजी ॥ १० ॥ घरेहवेत्र्प्राव्यांहोजीधर्मतेनीतकरो ॥ अनुंक्र
मेंतुम्हनेरेशुद्धश्रावकपणइंजी ॥ विषयविमुखथीहोजीपालीधर्मनें ॥ म
रीब्रह्मलोकेंरेलह्युंसुखसुरतणइंजी ॥ ११ ॥ सातसागरनुंहोजीआफेरुंत्र्प्राउखुं ॥
तिहांथोचवीनेंरेत्र्प्राव्यांनृपघरेजी ॥ सवरजनममांहाजीकर्मकरयांतुम्हे ॥
दुखतसनरगेंरेसहीयांपरपरेजी ॥ १२ ॥ मनुंजनासभमांहोजीदुखकांयसोग
व्यां॥उदयेंत्र्प्राव्यूंरेशेषरह्युंतिकेजी॥इंमजाणिनेंहोजीकर्मनकीजीइं॥तासउदय
थीनरविहेजीकेजी ॥ १३ ॥ लाकनाथनीहोजीसांभलीवाणीनें ॥ परमसं
वेगेरत्र्प्रातमसावीउजी ॥ कहेजीनवरजीहोजीधर्मसलोकह्यो ॥ प्रभूजीपशाइं
रेंवैरागत्र्प्रावीउजी ॥ १४ ॥ दिक्षालेस्यूंहोजीप्रभूजीपाछले ॥ जगगुरुबोलेरे
प्रतीबंधमतकरोजी ॥ लिधीदीक्षारेभूवनगुरुकनें ॥ एहवृत्तांतरेकह्योमेंमाह
रोजी ॥ १५ ॥ कनकपुरेंम्हेंहोजीतेतुम्हनेंकह्यो ॥ संवेगउपनोरेसांभलीवा
तमीजी ॥ गुणचंद्रचिंतेहोजीदुष्टवीपाकछ ॥ धिग् २ कहिइंरेमोहनीजात

मीजी॥१६॥ आठमेखंमेंहोजीढालबारमी॥ साषीइंमम्हेंरेपद्मवीजयकहेजी॥
समरादित्यनेंहोजीरासेंसोहामणी॥ सुणतांमंगलमालसवीलहेजी ॥ १७॥
॥ डुहा॥ गुणचंदकुमरकहेगुणी॥ अम्हनेकरयोउपगार॥ कहेतांआपकथातू
म्हे॥ प्रगटउतास्यापार॥ १८॥ धरमअमेधारयोषरो॥ पामीतुम्हपसाय॥
मिथ्यावीकल्पसवीमिट्या॥ अम्हनेंव्रतइछाय॥ १९॥ पणिगिहीधरमपसा
यकरि॥ विग्रहकहेतबवाणि॥ महेरकरीतूम्हेमुझनें॥ आपोअनुंव्रत्तजाणि
॥ २०॥ विधीइंश्रावकव्रतलीआं॥ वंद्यागुरुबहुमान॥ गुरुधर्मलाभदेईगदे॥
सूणितूंवातसयान ॥ २१॥ आव्याअवसरउलषी॥ अमेतूझबोधनआज॥
रतनपुरीथीराजीआ॥ कहेसीधुंअमकाज॥ २२॥ पाछुंतिहांजईपोहचवुं॥
मुनीवरतिहांबहुमुझ॥ वाळिजोतांहोस्येंवली॥ तिणेंसांसलिकउंतूझ॥२३॥
अयोध्यामांअमतणो ॥ मिलवुंथस्येकुमार ॥ दृढव्रतहोज्येदाषवी॥ अदसू
तहवेअणगार॥ २४॥ सहुसाधुस्युंसंचरया ॥ गगनपंथगुरुराय॥ वंदेकुम
रविग्रहविहुं॥ अनुंक्रमेंअद्रश्याथाय॥ २५॥ हवेअयोध्याहर्षस्यूंचाल्याच
तूरविचारि॥ वाणमंतरनीवातनो॥ पसणंहवेप्रकार॥२६॥ढाल॥कुंवारीरंगढो
लनां॥ एदेशी॥ तेहजदिवसेंतिहांगयोहोराजि॥ वाणमंतरषगजेहरे॥ उभा
वेएहवीवातमी ॥ कुमरनापरीजनआगलेहोराजि ॥ कुप्रपंचकरेंतेहरे॥
॥ २७॥ उ०॥ विग्रहराईमारीउहोराजि॥ संग्रामेंगुणचंदरे॥उ०॥ श्रवणपरं
परासांसलेहोराजि॥ मैत्रीबलजेनरिंदरे॥ २८॥ उ०॥ नरपतीतेनवीसरद
हेंहोराजि॥ रतनवतीसूणेजामरे ॥ उ०॥ मुर्छलहीधरणीढलीहोराजि॥ आ
श्वासेपरीजनतामरे॥ २९॥ उ० ॥ रायसूणीतीहांआवीउहोराजि॥ नयणें
नीरनमायरे॥ उ०॥ रतनवतीचरणेंनमीहोराजि ॥ कहेसूणीइंमहारायरे॥
॥ ३०॥ उ०॥ हुंमंदभाग्यसीरोमणीहोराजि ॥ पेसूंअगनीमझारिरे॥ उ०॥
आणाथोजीवीततजुंहोराजि ॥ गयोमुझप्राणआधाररे॥ ३१॥ उ०॥ प्रा
णनिठोरहजीरह्याहोराजि॥ थोआणमुझआजरे ॥ उ०॥ सूरलोकेंसंगमहो
इंहोराजि॥ आर्यपुत्रस्यूंकाजरे ॥ ३२॥ उ०॥ सोहागणसूणिवातमीहोरा

जि ॥ नृपकहेमकरोएशोकरे ॥ उ० ॥ संसवनहीएहवातनेंहोराजि ॥ मानें
कोईनलोकरे ॥ ३३ ॥ उ० ॥ सिंहनेंमारेसीत्र्प्रालीतेंहोराज ॥ एहमनाइंकेम
रे ॥ उ० ॥ सीशदेत्र्रोंसाषीतेंहोराजि ॥ पुत्रजनमइंमनेमरे ॥ ३४ ॥ उ० ॥ व
चनत्र्प्रलीकनतेहनुंहोराजि ॥ नहीमुझत्र्प्राकुलचित्तरे ॥ उ० ॥ सूपनदिठुंम्हें
सोहामणंहोराजि ॥ त्र्प्रविघवातूझदित्तरे ॥ ३५ ॥ उ० ॥ जनमांतरकोईवे
रीइंहोराजि ॥ कुमकपटकरयुंएहरे ॥ उ० ॥ तिणेंएवातनकीजीइंहोराजि ॥
जिणीवानेंजाइंगेहरे ॥३६॥उ०॥ दैवनीवातत्र्प्रचिंत्यछेहोराजि ॥ वातहोस्येएह
साचरे ॥ उ० ॥ तोत्र्प्रम्हेपणिकीमजीवस्यूंहोराजि ॥ मानितूसाचिवाचरे ॥
॥ ३७ ॥ उ० ॥ पवनगतीकाशिदमतेंहोराज ॥ मोकलीतेछेत्र्प्राजरे ॥ उ० ॥
पांचदिवसमांत्र्प्रावस्येहोराजि ॥ पछेजुक्तकरेस्यूंकाजरे ॥ ३८ ॥ उ०॥
तिणेमतथाउतावलिहोराजि ॥ मतकरज्येसंतापरे ॥ उ० ॥ रत्नवतिक
हेतातजीहोराजि ॥ जिमतूमकहोहोयछापरे ॥ ३९ ॥ उ० ॥ पणिजो
तूम्हत्र्प्राणाहोईहोराज ॥ तोदेउंनीतदानरे ॥ उ० ॥ शांतिकरमवलीति
मकरुंहोराजि ॥ देवपुजाबहुमानरे ॥ ४० ॥ उ० ॥ कुसलवातत्र्प्रार्यपुत्रनी
होराजि ॥ सांभलीइंत्यांसीमरे ॥ उ० ॥ माहरुंमनछेएहवुंहोराजि ॥ त्र्प्राहारत
णोकरूंनेमरे ॥ ४१ ॥ उ० ॥ रायकहेकरीइंसूषेंहोराजि ॥ एहमांकोईनदोषरे
॥ उ० ॥ रतनवतीहवेतिमकरेहोराजि ॥ धर्मतणोवरपोसरे ॥ ४२ ॥ उ० ॥ नृपती
निजथानिकगयोहोराजि ॥ साग्रईपुजनहेतरे ॥ उ० ॥ इंणेंत्र्प्रवसरिंतिणेंनीरषी
त्र्प्रांहोराजि ॥ पुरवपुण्यसंकेतरे ॥ संजमवंतीसाधवी ॥ एत्र्प्रांकणी ॥ ४३ ॥
विचारसूमीथीत्र्प्रावतांहोराजि ॥ नहिकोईचित्तवीकाररे ॥ सं० ॥ ज्ञानीतपसी
उपसमीहोराजि ॥ सूंदरत्र्प्रंगत्र्प्राकाररे ॥ ४४ ॥ सं० ॥ सावनासावेंपरिण
म्यांहोराजि ॥ साहणीनेंपरीवाररे ॥ सं० ॥ श्वेतांबिकानृपनीधुत्र्प्राहोराजि ॥
कोसलानृपनीनारीरे ॥ ४५ ॥ सं० ॥ चरणसिरीइंविग्रहधरयुंहोराजि ॥ सुसं
गताजसनामरे ॥ सं० ॥ देषतांरतनवतीतणोहोराजि ॥ नागोशोकउद्दामरे ॥
॥ ४६ ॥ सं० ॥ मनमांत्र्प्राणंदउपनोहोराजि ॥ त्र्प्रातमविर्यउल्लासरे ॥ सं० ॥

चिंतवेअहोसगवतीतणोहोराजि ॥ रुपनेंविषयउदासरे ॥ सं० ॥ ४७ ॥ अहोकुसलताएहनीहोराजि ॥ कृतारथअहोएहरे॥ सं० ॥ मुझनेंदरीसणएथयुंहोराजि ॥ धन्यथईमुझदेहरे ॥ ४८ ॥ सं० ॥ दरीसणमात्रेंजेहनांहोराजि ॥ पापपमलजाइंदूररे ॥ सं० ॥ साधवीपासेंतेगईहोराजि ॥ शुभध्यानेंसंपुररे॥ ॥ ४९ ॥ सं० ॥ विनयथीगणिणीवांदियांहोराजि ॥ धर्मलाभदितामरे ॥ सं० ॥ फिरीवंदिनेंबोलतीहोराजि ॥ विनतिसूणोएकआमरे ॥ ५० ॥ सं० ॥ डखीजनवछलछोतूमेहोराजि ॥ किजेंएकपशायरे ॥ सं० ॥ मुझघरिआवोस्वामीनीहोराजि ॥ जोनवीरोधकोईथायरे ॥ ५१ ॥ सं० ॥ डखउपसमकांयकथयोहोराजि ॥ तूम्हदरीसणथीआजरे ॥ सं० ॥ संभलावोमुझधर्मनेंहोराजि ॥ जिमहोवेमुझकाजरे ॥ ५२ ॥ सं०॥ धर्मत्रीलामुणीवातमीहोराजि॥ एहमांकांयनवीरोधरे ॥ सं० ॥ गुरुणीकहेअमेआवस्यूंहोराजि ॥ जेहथीहोयतूमबोधरे ॥ ५३ ॥सं०॥ कोईनेंअप्रीतीनउपजेहोराजि ॥ रतनवतीकहेतामरे ॥ सं० ॥ घरमीमुझगुरुजनअछेहोराजि ॥ नहिकोईअप्रीतीठामरे ॥५४॥ ॥ सं० ॥ गणिणीकहेतोआवस्युंहोराजि ॥ साकहेकिधपसायरे ॥ सं० ॥ चाल्यांसहुसाथेंहवेहोराजि ॥ रतनवतीघरिजायरे ॥ ५५ ॥ सं० ॥ आठमेखंमेएकहीहोराजि ॥ तेरमीढालरसालरे ॥ सं० ॥ पद्मविजयकहेसांभलोहोराजि ॥ सुणतांमंगलमालरे ॥ ५६ ॥ सं० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ विनयकरीविधिस्यूंवली ॥ उत्तमआसनआपि ॥ अलवेंआगलिउपविसे ॥ सूणवानेसंलाप ॥ ५७ ॥ परिवारपणिबेठोपछे ॥ सुणवाधर्मसंकेत ॥ ज्ञानीतवगुरुणीकहे ॥ हवेकरवातसहेत ॥ ५८ ॥ एसंसारअसारमां ॥ जनममहाडखखाण ॥ जरावलीजीरणकरे ॥ मरणडखअसमांण ॥ ५९ ॥ मोहविषयनेंमांनतिम ॥ मछरक्रोधनेंमाय ॥ लोभसायरलषडखदिई ॥ इंद्रियविषयउजाय॥६०॥ सूखीउनहीसंसारमां ॥ परमारथथीपेष॥ मुनीवरमुकीमानिनी ॥ दरूपणेंतूंदेषी ॥ ६१ ॥ ढाल ॥ सूंदरपापथानिकतजोसोलमुं ॥ एदेशी ॥ सूंदररोगीजिमवरवैद्यनें ॥ करीयगवेषणासारहो ॥ सूं० ॥ निजडुष

तासनिवेदिनें ॥ करेतेहनोउपचारहो ॥ ६२ ॥ सूंदरधर्मथीसवीसुखसंपजे ॥ ऐंश्रांकणी ॥ सुं० ॥ वैद्यवचनअंगीकरे ॥ सेवेकिरीयातेहहो ॥ सूं० ॥ कष्ट करेपंथ्यसेवतां ॥ आरोग्यअरथीजेहहो ॥ ६३॥ सूं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ डखपणबाह्यगणेनही ॥ नविमुक्यापणिव्याधिहो ॥ सुं० ॥ निजमुषउ लषीउंजिणें ॥ अनुक्रमेथायअबाधहो ॥ सुं० ॥ ध० ॥ ६४ ॥ सुं० ॥ तिम मुनीवरसंसारमां ॥ जनमजरानेंमरणहो ॥ सूं० ॥ व्याधेंपीड्यावैद्यनुं ॥ वि तरागकरेसरणहो ॥ ६५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तेहनुंकथनतेआचरे ॥ लि धासंजमसारहो ॥ सुं० ॥ किरीयाकष्टकरेघणुं ॥ सहेउपसर्गअपारहो ॥ ॥ ६६ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ अंतरसमसंतोखना ॥ सूखथीनगणेडखहो ॥ सुं० ॥ अंतरअव्याबाधनें ॥ जाण्युंनीश्चयसुखहो ॥ ६७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ वितरागसुखीआघणुं ॥ सावरोगनहीजासहो॥ सुं० ॥ मोहतिमीरउ रेंगयुं ॥ ज्ञानसूरयपरकासहो ॥ ६८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ त्रुटिसवनीवे लनी ॥ ढूकमुंछेजीवसुखहो ॥ सुं० ॥ सुखिआतिणेंथोमाहोइं ॥ बहुडखीआ लहेडखहो ॥ ६९ ॥ सूं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ पणिसंसारीजीवनें ॥ सूखडख नोविपर्यासहो ॥ सूं० ॥ अंगनाआहारादिकथकी॥ मानेंसुखविश्वासहो॥ ७०॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तुम्हडखकारणअमकहे ॥ तवकहीसघलीवातहो॥ सुं०॥ परमारथेंजीमतूमेंकह्युं ॥ तिमसाचोअवदातहो ॥ ७१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं०॥ पणिपतीवीरहसालेघणो ॥ गुरुणीबोल्यांतामहो ॥ सुं० ॥ कुसलअछेवछतेह नें ॥ धीरजधरिथिरथावहो ॥ परमाणंदेमिलावहो ॥ सुं० ॥ ७२ ॥ ध० सुं० ॥ साकहेकिमजाणोतुमे ॥ गुरुणीकहेखरतूम्हहो ॥ सुं० ॥ सोहागणि नेंजोईइं ॥ एहवोछेएगुम्हहो ॥ ७३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ रतनवतीकहे सांसलो ॥ मतकरज्योतूम्हेक्रोधहो ॥ सुं० ॥ गुरुणीकहेमुनीलोकनें ॥ क्रोध तणोहोइंरोधहो ॥ ७४ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ साकहेप्रत्ययदाषवो ॥ गुरु णीकहेस्युंकामहो ॥ सुं० ॥ वितरागनांवयणमां ॥ नचलेमुणिअसीरामहो ॥ ॥ ७५ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ खरमंमलमांसाषीउं ॥ तेहकह्युंम्हेंएहहो

॥ सुं० ॥ तिणेंनवीथाइंएअन्यथा ॥ वलिप्रत्ययकह्नंतेहहो ॥ ७६ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ तुऊ्तावलेंसाषीइं ॥ मलकरज्येमनरीसहो ॥ सुं० ॥ गुरूपदे शेंमसहोस्ये ॥ जाणज्येविसवाविसहो ॥ ७७ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ हवे तूंताहरुंजाणज्ये ॥ साकहेंसाचिवाणिहो ॥ सूं ॥ म्हेंआकुलपणेंसाषीउं ॥ ग णिणीकहेनहीहाणिहो ॥ ७८ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ स्नेहिहोइंउतावला ॥ पणिमुऊषमज्येएहहो ॥ सुं० ॥ तुऊउतावलेंजेकह्युं ॥ अणघटतूंम्हेजेहहो ॥ ७ए ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सूं० ॥ साकहेंओकनीवारीउं ॥ किधोमुऊउपगार हो ॥ सुं० ॥ पुछुंतूम्हएकवातमी ॥ एकुंणकर्म्मप्रकारहो ॥ ८० ॥ सूं० ॥ ॥ ध० ॥ सुं० ॥ गणिणीकहेएथोंमलो ॥ तेअज्ञानविवागहो ॥ सुं० ॥ पणिए रुद्रताकेतली ॥ सांसलिमाहरीवागहो ॥ ८१ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ थोंमे कर्मेम्हेंलह्यो ॥ जेहविपाकअपारहो ॥ सुं० ॥ साकहेसावधांनअछुं ॥ कि जेंमुऊउपगारहो ॥ ८२ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ सुं० ॥ आठमेंखंमेचौंदमीं ॥ पद्म विजयकहीढालहो ॥ सुं ॥ गणिणीकहेहवेनीजतणुं ॥ सांसलोचरीत्ररसाल हों ॥ ८३ ॥ सुं० ॥ ध० ॥ डहा ॥ नयरीकोसलानोधणी ॥ नरसूंदरनरना ह ॥ अदसूतइणहीजविजयमां ॥ अंगेंधरेंउगाह ॥ ८४ ॥ आसवपर्याइंअ छुं ॥ धर्मपत्नीतसधारि ॥ एकदिनगयोअवनीपती ॥ रमवारानमऊारि ॥ ८५ ॥ अपहरीउअश्वेंतदा ॥ मुक्योअटवीमांहिं ॥ मध्याह्नेतिहांमाननी ॥ ततषि णदिठित्याहिं ॥ ८६ ॥ तवआदरतेअनिकरे ॥ आवोअवनीपाल ॥ बेशोतूम्हे इणबेसणें ॥ सेवाकरुंसंसालि ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ देशीबटाउनी ॥ एदेशी ॥ रायकहेतूं कुंणछेरे ॥ कुणएथानिकसार ॥ तवतेकहेजखणीअछुं ॥ मनोहरानामउदार रे ॥ एतोविध्यनुंरणअवधारीरे ॥ तवनरपतिकहेसुणिनारिरे ॥ तूंएकलीकिंमइं णिठारिरे ॥ ८८ ॥ बलिहारीशीलवंतनीमेरेलाल ॥ एआंकणी ॥ जखिणीकहेअमेदंप तीरे ॥ नंदनवनथीआज ॥ मलयाचलजईआवतां ॥ इंणिथानिकआव्यांसमाज रे ॥ पतीकोंप्योवीणकोईकाजरे ॥ एकाकिणीकीधीत्याजरे ॥ तवबोल्योइमनर राजरे ॥ ८ए ॥ ब० ॥ विजइंकांमहिणुंकरथुरे ॥ तुऊमुंकीगयोएह ॥ तूंप

एसाथेंनवीगई ॥ सूणिबोलीजक्षणीतेहरे ॥ होइंअन्यनुरागीजेहरे ॥ तिणस्यूं
नहीकारजरेहरे ॥ तवसूपकहेगुणगेहरे ॥ए० ॥ व० ॥ धर्मसतीनोएनहीरे ॥
बोलेजक्षणीताम ॥ दोषविनातजेरागीने ॥ तेहनेंसतिअपणानोस्योगामरे ॥
नृपसाषेतवअतीरामरे ॥ कुणदोषवीनातजेआमरे ॥ साकहेपुरषनांकामरे ॥
॥ ए१ ॥ व० ॥ इमकहीनांषेकटाक्षनेंरे ॥ उवेषेतेहराय ॥ लाजमुंकीमोहें
कहे ॥ निजबोल्युंइमनपलायरे ॥ अनुरागीनेंकुणतजेसायरे ॥ अनुरागीतजो
मुझकांयरे ॥ नृपकहेपरस्त्रीतूंथायरे ॥ ए२ ॥ व० ॥ पुरुषनेसघलीपरअछे
रे ॥ निजघरिनजणीकोय ॥ रायकहेइममतकहो ॥ जेविरोधीपरलोयरे ॥ क
हेनारीअधिकवचतोयरे ॥ परलोकविरुद्धएजोयरे ॥ कह्युंअनुरागीतजेकोय
रे ॥ ए३ ॥ व० ॥ रायकहेरागिणीकीसीरे ॥ डरगतीमोकलेइम ॥ दोषसरीते
कारणें ॥ परलोकअपेक्षानकेमरे ॥ तवबोलीदेषाडतीप्रेमरे ॥ मुझवचनकरें
जोनेमरे ॥ नहितोतूझनेंनहीषेमरे ॥ ए४ ॥ व० ॥ रायकहेअमेनवीगणरें ॥
रंभाकेरोसार ॥ कोपचढ्योथईसामुही ॥ सूपतिइंहकारीतिवाररे ॥ तवअदृशा
थईतेनारिरे ॥ चाल्योनीजनयरविचाररे ॥ हवेजोज्योमार्गमझारिरे ॥ ए५ ॥
व० ॥ कंचनपादपमारवारे ॥ नांष्योपझीउंदूर ॥ नृपजुइंउपरीजिस्ये ॥ तव
दिठीजक्षणीक्रूररे ॥ साथेसाक्रोधनेंपुररे ॥ भृकुटीकरीगगनेंसूरीरे ॥ झनांषी
सतूझनेंचुरीरे ॥ ए६ ॥ व० ॥ ठुटिसतूवारकेतलीरे ॥ तवबोल्योराजान ॥ रे
पापिणीगोचरनही ॥ नहीतोतूझफेमुंथानरे ॥ घंटिजिमचुरेथानरे ॥ इमजक्ष
णीसांसलीकानरे ॥ दिव्यजोगेंअदृशपहिचानरे ॥ ए७ ॥ व० ॥ सैन्यमल्युं
नीजरायनुंरे ॥ हरष्यांसघलांलोक ॥ करेवधामणांसझजना ॥ सेटणांलावे
थोकेंथोकरे ॥ नृपसावधानगतशोकरे ॥ नविविश्वसेंचित्तएटोकरे ॥ रषेआवे
गलामांतोकरे ॥ ए८ ॥ व० ॥ साधवीकहेम्हेंपुछिउरे ॥ किमनधरोविसवा
स ॥ रायकहेएसहजथी ॥ तवपुछ्युंफिरीनृपपासरे ॥ मुझपजलेचित्तवेषास
रे ॥ अतीआपहेपुछ्युंतासरे ॥ तवसर्वकह्युंसूखकासरे ॥ ए९ ॥ व० ॥ वात
मनोहरानीकहीरे ॥ म्हेंसाष्युंसूणोस्वामी ॥ किमएद्वेषणीतुमतणी ॥ कहेराय

झंफेमुंठामरे ॥ जोमुझकरश्रावेएवामरे ॥ एकदिनवलीनृपश्रलीरामरे ॥ वास
सवनमांहिगयोजामरे ॥ ५० ॥व०॥ तवझंवाससूवनगईरे ॥ दिठोतीहांम्हें
राय ॥ मुझसमरूपेंनारीस्यूं ॥ दिठोमुझमनसंकायरे ॥ उंसरवामांमुंपायरे ॥
सूपनेंथयोतामकषायरे ॥ पापिणीमायाकरीआयरे ॥ १ ॥ व० ॥ रेदेवी
एपापिणीरे ॥ केहवीश्रावीश्राज ॥ इंमकहीदोम्ह्योपूठिथी ॥ केसपकमेतेन
रराजरे ॥ मेंकह्युंस्यूंकरोएकाजरे ॥ नवबोलावेतेस्त्रीपाजिरे ॥ श्रावीजोतूमस
मवेसव्याजरे ॥ २ ॥ व० ॥ मायास्त्रीकहेरायनेंरे ॥ एदरीसणनहीलाग ॥ पा
पिणीकाढीमुंकीईरे ॥ सूणीपसणेनरपतीवागरे ॥ चोकीश्राततेमोमुझपागरे ॥
श्राव्यातवसूंपीश्रसागरे ॥ एहनोकरोरणमांतागरे ॥ ३ ॥ व० ॥ करज्योक
दर्थनावहूपरेंरे ॥ किधीश्राणाप्रमांण ॥ पुरववयरीनीपरें ॥ पापिणी २ कहे
वाणीरे ॥ केईपकमेकेसनेंपाणिरे ॥ केईताणेंवस्त्रश्रन्नाणरे ॥ केईताणेंहाथपी
ठानरे ॥ ४ ॥ व० ॥ नयरबाहिरलावीकरीरे ॥ किधीकदर्थनाफेर ॥ मुंकीरण
मांएकली ॥ इंणिपरेंसाषेथईसेररे ॥ फरीपकमीसजोएसेररे ॥ तोहणस्यूंएस
मसेररे ॥ वलिश्राइंमकहीतिणीवेररे ॥ ५ ॥ व० ॥ म्हेंमनमांइंमचिंतव्युंरे ॥
श्रहोएपापवीकार ॥ विणश्रपरावेंएवमां ॥ शांणीलहेडुखश्रपाररे ॥ पुरवकृ
तकर्मविचाररे ॥ हवेजीववुंकेहीप्रकाररे ॥ मरवुंनीश्चयएधारीरे ॥ ६ ॥ व०॥
झंपापर्वतथीकरुंरे ॥ इमनीश्चयकरीठीक ॥ पोहतीपर्वतेंक्लेशथी ॥ चढवामा
म्युंतहकीकरे ॥ मुनीवरदेषेगतसीकरे ॥ दरीमांरह्यातेहनजीकरे ॥ कलपांते
नबोलेश्रलिकरे ॥ ७ ॥ व० ॥ नामसूगृहीतसूरीश्रछेरे ॥ साथेंबहूपरीवार ॥
संथाररणसार्थपसमो ॥ चिंतामणीसमहीतकाररे ॥ तपतेजेजीमदिनकाररे ॥
गुणरयणतणोसंभाररे ॥ डुषीश्रानेंतेश्राधाररे ॥ ८ ॥ व० ॥ देषतांदिव्यज्ञानी
मुनीरे ॥ नाठोसर्वकिलेस ॥ वंथाविनइंमुनीवरु ॥ धर्मलाभदिइंहूवीश्रेसरे ॥
कहेवछशांसलिउपदेशरे ॥ मनमांमतकरिसंक्लेसरे ॥ तूंशिलवंतोशुसवेशरे ॥
॥ ९ ॥ व०॥ श्राठमेखंमेंएकहीरे॥ वरपनरमीढाल ॥ समरादित्यनारासमां ॥
गुरुउत्तमवीजयनोबालरे॥ हवेगुरुजीवयणरसालरे॥ कहेस्येंसविजिवदयाल

रे ॥ जेहथीहोस्ये मंगलमालरे ॥ १० ॥ व० ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥
॥ दुहा ॥ स्युंसंधारमांसारछे ॥ आपदसाजनएह ॥ मोहेमुंझ्यामानवी ॥ त
त्वनजांणेंतेह ॥ ११ ॥ श्रवणेंजिनवचनवीसुणें ॥ अहितेबांधेआप ॥ तिव्र
कर्मतेवेदता ॥ सूथोहोइंसंताप ॥ १२॥ वितरागवयणांवीना ॥ होइंइंणिप
रेंहाणि ॥ म्हेंकह्युंतहतीमहामुनी ॥ वलिकहोएकवषांण ॥ १३ ॥ पापकस्युं
किस्युंपुरवें ॥ पामीइंस्याप्रकार ॥ कहेगुरुसांभलितेकथा ॥ कहुंशेषसूप्रकार
॥ १४ ॥ ढाल० ॥ देशीचांदलीआनी ॥ एदेशी ॥ इंणभरतेंउत्तरदेशें ॥ ब्रह्मपु
रनगरेंसुवीशेसें ॥ ब्रह्मसेनसुपतीसुलवेसरे ॥ १५ ॥ शीलवंती ॥ तसवी
दुरविप्रइंणेंनाम ॥ नृपनेंविश्वासनुंठांम ॥ पुरंदरातेहनीवामरे ॥ १६ ॥
शी० ॥ चंद्रजश्रातेहनीपुत्ति ॥ इंहाथीनवमेंभवेंहुति ॥ मावित्रजाणेअम्ह
सूतीरे ॥ १७ ॥ शी० ॥ जिनवयणसांवितमायताय ॥ तुझवाततेहीतनीक
हाय ॥ तुझनेंपरिणमनथायरे ॥ १८ ॥ शी० ॥ सववासनाजेहअणाई ॥
बालसाववलीदुखदाई ॥ जसोदामवसेसेठाईरे ॥ १९ ॥ शी० ॥ बंधुसुंदरीते
हनीनारी ॥ तेहस्यूंतूझप्रीतीअपार ॥ तेहनेंवाह्लोशंगाररे ॥ २० ॥ शी० ॥ अतिसं
क्लेशीपरीणाम ॥ वलिगिरधरलोगनेंकाम ॥ परभवनुंनजांणेंनामरे ॥ २१ ॥
शी० ॥ तुझमावीत्रेंघणुंवारी ॥ एपापिणीदुरगतीवारी ॥ एहनीसंगतीनही
तूमसारीरे ॥ २२ ॥ शी० ॥ तेंवचननमान्युंतास ॥ एकदिनवलीगईतसपास ॥
बंधुसुंदरीदीठीनीरासरे ॥ २३ ॥ शी० ॥ पुछ्युंतेंकीमतूंइम ॥ साकहेपतीनोनहीप्रे
म ॥ एहनेंमदिरावतीस्युंवेहमरे ॥ २४ ॥ शी० ॥ माहरेनहीहजीअसंतान ॥
स्युंजाणेंथस्येस्युंतान ॥ तेसांभलीसाप्यूंकानरे ॥ २५ ॥ शी० ॥ नवीकरी
इंइमविषाद ॥ उद्यमकरीइंअवीवाद ॥ तवतेकहेझीणेंनादरे ॥ २६ ॥ शी० ॥
नवीजाणुंकांयउपाय ॥ परीव्राजिकाएकइंणेंठाय ॥ उत्पलानामेंसूणाय
रे ॥ २७ ॥ शी० ॥ एवातमांकुशलवषाणी ॥ पुरबाहिरपुरवठाणी ॥ तेहनें
लावोतूमेंआणीरे ॥ २८ ॥ शी० ॥ तुंतुरतगईतसगेह ॥ बंधुसुंदरीतेझनेंह ॥
परीव्राजिकाआवीतेहरे ॥ २९ ॥ शी० ॥ तुंतोसुंपीगईनिजघेर ॥ पुजीकहे

साइंणीपेंर ॥ करोसगवतीमुक्तपरिमेररे ॥ ३० ॥ श्री० ॥ शंसलाव्योनीजव
त्तांत ॥ परीव्राजीकाकहेएकांत ॥ तूंधिरजधरिमनशांतिरे ॥ ३१ ॥ श्री० ॥
मदिरावतीउपरिषेद ॥ थाइंतिमकरस्युंसेद ॥ निश्चयकरीनेंतूंवेदरे ॥ ३२ ॥
श्री० ॥ साकहेकिघोउपगार ॥ गईपरीव्राजिकाआगार ॥ करेबिद्धनेंविजो
गप्रकाररे ॥ ३३ ॥ श्री० ॥ केईउषधीशक्तीअचींत ॥ वलिकर्मविचीत्रता
संति ॥ थयुंकारजनिश्चयतंतरे ॥ ३४ ॥ श्री० ॥ मदिरावतीठांमीसेठें ॥ शो
केयहितेजुइंहेठें ॥ तुफकर्म्मबंधाणतेनेंठरे ॥ ३५ ॥ श्री० ॥ आउषुतेअनुं
क्रमेंपाली ॥ थईहाथिणीतूंमतवाली ॥ युथाधीपनेंनहीवाहलीरे ॥ ३६ ॥
श्री० ॥ लहिमरणनेंवानरीथाय ॥ युथाधीपनेंनसूहाय ॥ कस्यांकर्म्मतेक
होकिहांजायरे ॥ ३७ ॥ श्री० ॥ जुथाधीपेंदूरेंकीधी ॥ जरगाकूरेंपकडी
लीधी ॥ सांकलबांधीडखेदीधीरे ॥ ३८ ॥ श्री० ॥ तिहांमरीनेंकुतरीजाई ॥
सविस्वाननेपणिनसूहाई ॥ रीतूकालेंपणडसगाईरे ॥ ३९ ॥ श्री० ॥ कृतव
ऋलनेंविणठीदेह ॥ पमीआकीमाअतीरेह ॥ बद्धक्लेशलोगवतीजेहरे ॥ ४० ॥
श्री० ॥ तिहांथीमरीथईमार्जारी ॥ कोईमार्जारनेंनहीप्यारी ॥ घरअनलें
बलीतिणीवारीरे ॥ ४१ ॥ श्री० ॥ मरीचक्रवाकीथईजाम ॥ सरतारविद्धणी
नाम ॥ महाडखणीथईअवीरामरे ॥ ४२ ॥ श्री० ॥ तिहांथीचंमालणीऊई ॥
पतीअलषामणीरहेजुई ॥ अनुंकरमेंतीहांथीमुईरे ॥ ४३ ॥ श्री० ॥ हवेसील
मीनोसवआयो ॥ कोईसबरनेंसंगनसुहायो ॥ संक्लेशेंजेकर्म्मबंधायोरे ॥
॥ ४४ ॥ श्री० ॥ पालिमांथीकाढीमुंकी ॥ कोईनजुइंसाइमुंथुंकी ॥ हवेकर्म
थीतेथईटुकीरे ॥ ४५ ॥ श्री० ॥ समतितिहांविषमप्रदेश ॥ शहेतीबद्धलासं
क्लेश ॥ दिठामुनीवरशुसलेशरे ॥ ४६ ॥ श्री० ॥ आठमेंखंमेएढाल ॥ गुरु
उत्तमविजयनोबाल ॥ सोलमीकहेरंगरशालरे ॥ ४७ ॥ श्री० ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ मारगमांथाकामुनी ॥ सूलापंथसयाल ॥ तेमुनीइंदिठितूंनें ॥ करुणावं
तकृपाल ॥ ४८ ॥ मोदथयोताहरेमनें ॥ पुछेमुनीवरपंथ ॥ कुणएथानिकते
कहो ॥ अलीकनएहमांग्रंथ ॥ ४९ ॥ सफकंतारएसाधुजी ॥ पछिमदिशातु

मपंथ ॥ अथवादेषाडुंअमें ॥ एहमांअलीकनअंथ ॥ ५० ॥ मार्गदेषाडेमानि
नी ॥ चिंतेविस्मीतचित्त ॥ अहोअणगारअमठरी ॥ प्रियलाषीसुपवित्र ॥
॥ ५१ ॥ संगकरेएहसाधुनो ॥ तेहनोधन्यअवतार ॥ शुलपरीणांमेंइंमसयल ॥
कर्म्मषप्यांइकतार ॥ ५२ ॥ धर्मलालसूणीधर्मिणी ॥ प्रणमीमुनीवरपाय ॥
आरंलपरीग्रहतसअलप ॥ मार्द्दववलीअमाय ॥ ५३ ॥ तेकारणबांध्युंतिहां ॥
मनुजआयुमहालाग ॥ विहारकरयोतिहांमुनीवरें ॥ मुनीवरएहजमाग ॥
॥ ५४ ॥ ढाल० ॥ आजआणंदथयोप्रेमनांवादलवरस्यांदिहाडासोहला ॥ ए
देशी ॥ आजआणदथयोमुनीवरदरीसणदिठुंधन्यदिनआजनो ॥ एआंकणी ॥
मुनीवरविचरयापणिनारीतणो ॥ शुललावनट्टोजेहघणो ॥ आ० ॥ स्वेतां
बिकानयरीरायतणें ॥ लहीमरणनेंउपनोपुत्रीपणें ॥ ५५ ॥ आ० ॥ कोसला
नयरीसूपपॅरणी ॥ यौवनवयआवीतसकरणी ॥ आ० ॥ तेकर्म्मरसुंजेतूक
शेश ॥ जखिणीतसकारणसुविसेस ॥ ५६ ॥ आ० ॥ तूकरूपेंकरीनेंनृपठ
लीउ ॥ तूककर्म्मशेषजेरलोवलीउ ॥ आ० ॥ तसउदइंकदर्थनाबकुपामी ॥
परीब्राजिकालाव्याथीषामी ॥ ५७ ॥ आ० ॥ इमशांललीमोहतिमीरगयो ॥
तवजातीसमरणमुकथयो ॥ आ० ॥ संवेगथीगुरुप्रणमीकह्युं ॥ कवएहकर्म
जअंतलह्युं ॥ ५८ ॥ आ० ॥ गुरुकहेएएकजअहोराते ॥ तवपुठ्युंमेंवलिसुष
सातें ॥ आ० ॥ नृपजक्षणीकहोजाणस्येक्यारे ॥ वलतूंगुरुजीवोल्यात्यारे ॥
॥ ५९ ॥ आ० ॥ रातेंजबजक्षणीपासें ॥ नरपतीजासेंअतीउल्लासें ॥ आ० ॥
पणितूकस्वलावथीफेरफार ॥ देषीसंकासेसुवीचार ॥ ६० ॥ आ० ॥ मंत्री
श्वरनेंतकहेवात ॥ तवपरीक्षाकरवाअवदात ॥ आ० ॥ उलंघीजिनप्रतीमा
जाम ॥ जक्षणीनुंकपटलह्युंताम ॥ ६१ ॥ आ० ॥ मारिमारिकरेलेईकरवा
ल ॥ अदृशजक्षणीथईततकाल ॥ आ० ॥ पछेनृपकरस्येपश्चात्ताप ॥ अहो
राणीकदर्थिम्हेंआप ॥ ६२ ॥ आ० ॥ म्हेंकह्युंसगवननहीनृपदोष ॥ एकर्म्म
करयांतेहनोरोष ॥ आ० ॥ गुरुकहेसाचुंपणिमोहवसें ॥ आवसेंइंहांविहाणं
वायतीसें ॥ ६३ ॥ आ० ॥ तूकदेषीतुकस्यूंसुषीहोस्ये ॥ तेप्रिणसक्कइंनयणें

जोस्ये ॥ आ० ॥ तिणेंमतकरज्येंमनसंताप ॥ म्हेंकह्युंप्रसूगयांमांहरांपाप ॥
॥ ६४ ॥ आ० ॥ तुम्हदरीसणथीसवंसयटलीउं ॥ संयोगवियोगथकीमलो
उं ॥ आ० ॥ नृपआवेपणिमुझनहीरंग ॥ जरामरणपिमीतकिमसूखसंग ॥
॥ ६५ ॥ आ० ॥ गुरुकहेअत्यंतसुखीकहिइं ॥ नवीलोकनीतीनुंएलहीइं ॥
॥ आ ॥ जरामरणदोषजेहथीजास्ये ॥ वितरागवचनतुम्हथीरथास्यें ॥ ६६॥
॥ आ० ॥ तिणेंतत्वथीलहेस्योसुखसात ॥ इमकहीरह्याजबगुरुविख्यात ॥
॥ आ० ॥ म्हेंजाण्युंधन्यनरपतीएह ॥ गुरुकहेसांत्तलितुंससनेह ॥ ६७ ॥
॥ आ० ॥ पंचपरमेष्टीनोनवकार ॥ तेपरममंत्रचित्तमांधार ॥ आ० ॥ सवि
संघटालेशीवसुखआपे ॥ गुणगणआवीअंगेव्यापे ॥ ६८ ॥ आ० ॥ तवम्हें
कह्युंकिरपाकरोसारी ॥ ऊंजाउंतुमचीबलीहारी ॥ आ० ॥ पुरवसाहमीमुझ
वामदीशे ॥ गुरुकहेतुंरहेओलनवेसें ॥ ६९ ॥ आ० ॥ ऊंविनइंनमतीइंमजर
ही ॥ जिनवरसंसारेगुरुजीसही ॥ आ० ॥ अखलीतादीकगुणस्युंदिधो ॥
उपयोगेंम्हेंअंगीकीधो ॥ ७० ॥ आ० ॥ मुझसयजाणंसवीदूरगयो ॥ मानुं
मोक्षतेमुझशनसुखथयो ॥ आ० ॥ रातिकाढिजेएसमरणकरतां ॥ गिरीदरी
मांएकपासेंरहेतां ॥ ७१॥ आ० ॥ मतधरजेसयमनमांकांइं ॥ हवेअमदरी
सणविहाणेथाइं ॥ आ० ॥ इंमकहीगुरुपोहतानीजठामि ॥ ऊंहरषीउपनोवि
श्रांम ॥ ७२ ॥ आ० ॥ रयणीगईएकपलकपरें ॥ नृपखोलतोआव्योपरपरें॥
॥ आ० ॥ कहेकोपनकरस्योरेराणी ॥ अपराधकरेस्योनअन्नाणी ॥ ७३ ॥
॥ आ० ॥ म्हेंकह्युंतवकोपसमयनांहि ॥ पूरवकृतशेषकरमआंहि ॥ आ० ॥
नृपकहेऊंनिमीत्तथयोताहरो ॥ म्हेंसाथ्यूंकर्मवीपाकमाहरो ॥ ७४ ॥ आ०॥
वक्रलवसोगवीउंबक्ररीत ॥ तिहांतोतूम्हेंनाहीनीमीत्त ॥ आ० ॥ तिणेंसर्वथा
मुझकर्मनोदोष ॥ इंहांकरवोनहीकोईस्यूंरोष ॥ ७५ ॥ आ० ॥ नृपकहे
सामान्येंऊंजाणुं ॥ तुझनाणविशेषऊंपरमाणुं ॥ आ० ॥ तवधुरथीकहीमें
सवीवात ॥ नृपविस्मयपाम्योसूविख्यात ॥ ७६ ॥ आ० ॥ गुरुजिकिहांछे
तेदेषावो ॥ म्हेंकसुंपासेंछेतुमेआवो ॥ आ० ॥ गयोपरीजनसहीततिहांराय॥

हरषीवंद्यागुरुनापाय ॥ ७७ ॥ आ० ॥ गुरुइंपणिधर्मलासदिधो ॥ गुरुआ
गेंसवीअवदातकीधो ॥ आ० ॥ अहोदूकृतथोमुंविपाकघणो ॥ तोमुझसी
गतीथास्येतेसणो ॥ ७८ ॥ आ० ॥ तिणेंजेमुझकरवुंतेहकहो ॥ गुरुकहेसा
वधसर्वजहो ॥ आ० ॥ करोअतीतकालनुंपमीकमणं ॥ वलिवरतमाननुं
संवरणं ॥ ७९ ॥ आ० ॥ धरोअनागतकालनुंपच्चखाण ॥ इमटलस्येक
र्म्मनुंबंधाण ॥ आ ०॥ इमसीवसूखथास्येकरतलें ॥ नृपसाषेअनुंग्रहकरयो
सलें ॥ ८० ॥ आ० ॥ इंमकरीइंगुरुजीतुमआणि ॥ मुझनेंकहेसांसलोगुरु
वाणि ॥ आ० ॥ गुरुधर्म्मसारथीसमनहीमले ॥ एहथीसव २ पातिकटले ॥
॥ ८१ ॥ आ० ॥ म्हेंकयूंजुगतुंतवनरराय ॥ महादानदिननेंदेवराय ॥ आ०॥
वलिनीहांअठाईमहोछवथाय ॥ सुरसुंदरसुतराज्येंठाय ॥ ८२ ॥ आ० ॥ अमात्य
साथेंबहुसामंत ॥ मुझस्युंसहुअंतेउरवंत ॥ आ० ॥ व्रतलीधांअम्हेंगुरुजी
पासें ॥ विधीइंवर्द्धमानतेंगुणआसें ॥ ८३ ॥ आ० ॥ इमआठमेरवंमेंसुविसा
ल ॥ कहीरुमीसत्तरमीढाल ॥ आ० ॥ एसमरादित्यतणेंरासें ॥ वरपद्मविज
यशुतअल्यासें ॥ ८४ ॥ आ० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ दुहा ॥ इंणिपरेंगुरुणीआषवे ॥ करमविपाकएमुझ ॥ तिणेंथोमुंकर्मतेंक
स्युं ॥ तसवीपाकएतुझ ॥ ८५ ॥ सोगवेबहुसयकारीउ ॥ नरकतिरीमांनें
म ॥ रतनवतीसुणिरंगस्युं ॥ कर्मकरयांजाइंकेम ॥ ८६ ॥ दुकृतनिजनोदो
षए ॥ जाणीनतपीइंतेण ॥ सम्यगूदेशविरतीश्राविका ॥ साधवीवचनश्रवणे
ण ॥ ८७ ॥ तुम्होधन्यजिणेंघरतज्युं ॥ दुखदालिद्रकरयांदूरि ॥ हुपणिधन्य
थईहवे ॥ पामीदरसणपुर ॥ ८८ ॥ ढाल० ॥ काहानआवोजीउरारेकडं
एकवातमली ॥ एदेशी॥ गुरुणीजीमाहरारे ॥ स्वरनीवातमली ॥तुम्हेसाषोकेह
वीरसीउसांतमली ॥ परमाणंदजोगेंरेकेसरतातुझमले ॥ इमसाष्युंतुंमुझनेंरे
केसंदेहकीमटले ॥ ८९ ॥ गु० ॥ स्यूंपाम्यातेपिणरेकेजिनवरधर्मप्रतें ॥ गुरु
णीकहेजाणरेकेएहवुंसांभतें ॥ शीणअवशरहाथिरेकेगुलगुलशब्दकरे ॥
संध्यामंगलनारेकेतुरवाज्यांसुपरें ॥ ९० ॥ गु० ॥ वंदीजनबोल्यारेकेधर्मथ

स्यूंनहोइं ॥ नंदासंभारिणीरेकेलावीकटकदोइं ॥ उज्वलफूललाव्योरेकेपुरोही
तइंमकहे ॥ गुरुवंदनअवसररेकेसूणीचितगहगहे ॥ ए१ ॥ गु० ॥ सकुसकू
नतेरुआरेकेदेषीनेंचितवे ॥ लह्यांजिनवरवयणांरेकेस्वामीइंमसंस्तवे॥अतदेवी
अरीषांरेकेसगवतीइंकह्युं ॥ परमाणंदयोगेरेकेतेपणिसद्दह्युं ॥ए२॥ गु० ॥क
रीवीनयनेंसाषेरेकेरातिइहांरहो ॥ गुरुणीकहेकल्पेरेकेमणिएवातलहो॥आ
लयछेपासेंरेकेतिणेंअमेजास्यूंतिहां॥ फिरीअवसरेंआवस्यूंरेकेहोज्योधर्मला
सइंहां ॥ ए३ ॥ गु० ॥ सावदेपायारेउपासरेतेहगयां ॥ करिंरातिनीकरणीरे
वलीपरसातिथयां ॥ उठीनेंपोहतांरेकेगुरणीनेंपासें ॥ देशनादीकसूणीनेंरकेग
ईघरिउल्लासें ॥ ए४ ॥ गु० ॥ इंमबोल्यादिहाडारेकेच्यारतेअनुंकरमें ॥ पांच
मेदिनआवीरेवधामणीइंअधरमें ॥ गुरुणीस्यूंबेठारेआवीचंदसुंदरी ॥ कहेताह
रोसरतारेआव्योआवीकाजकरी ॥ ए५ ॥ गु० ॥ सगवतीनुंअन्यथारेकेवयण
होइंनही ॥ रतनवतीहरषीरेकेदिधुंदानउमही ॥ गुणचंदजीआव्यारेभिव्याती
हांराधनें ॥ वियहनीवातोरेकहीनमीपायनें ॥ ए६ ॥ गु० ॥ नृपेंसनमांनदी
धोरेगयोंहवेधसमसी ॥ आवेरतनवतीनेंरेपासेंजबउल्लसी ॥ तवदिठांगुरुणीरे
केनमेंहरषेंकरी ॥ धर्मलासतेदिधोरेकुमरकहेचीत्तधरी ॥ ए७ ॥ गु० ॥ मुफ
पुन्यनाउदयनोरेकेपारनपामीइं ॥ सूगृहीतगुरुपासेंरेमीथ्यात्वमेंवामीइं ॥ तू
मपासेंदेवीरेधरमपामीअछे ॥ तूम्हदरीसणडरलसरेपाम्योऊंअघगछे ॥ ए८ ॥
गु० ॥ कुशलानुंबंधीरेपुन्यवीनाप्राणी ॥ एहवालावनलहेरेगुरणीकहेइंमवा
णी ॥ अनुंकरमेंपामेरेसूखतेमुक्तितणां ॥ बिजानुंस्यूंकेहेवुरेकुमरकहेतवअ
यणां ॥ एए ॥ गु० ॥ पुन्यपापनाक्षयथीरेयद्यपिमोक्षलहे ॥ पणिकारणपुं
न्यानुरेबंधीपुन्यकहे ॥ तेवीणनवीलहीइंरेआराधकपणं ॥ गुरुणीकहेरुडुरे
तूमचुंजाणपणं ॥ ६०॥ गु० ॥ इमकरीधर्मचरचारेगुरणीठामगयां ॥दंपती
होइंधरमीरेमनमांमगनसयां ॥ हवेविऊंजणसांसलेरेदेशनानीस्यतिहां ॥ जा
इंधर्मआराधत्तांरेकोइकालइहां ॥ १ ॥ गु० ॥ रत्नवतीनेंउपनोरेसूतएकसो
सागी ॥ राज्येंठवेराजारेगुणचंदवडसागी ॥ मैत्रीबलराजारेदिक्षाआदरे॥ धर्म

षीसङ्कसामंतरेआणारायनीधरे ॥ २ ॥ गु० ॥ निकंटकपालेरेअलंकृतराज्यगु
णें ॥ त्रिणवर्गनइंसाधेरेअन्योन्यअबाधपणें ॥ सङ्कजनसूप्रशंसेरेदेवगुरुसेवें॥
इंमराज्यपालंतांरेंदानअतूलदेवे ॥ ३ ॥ गु० ॥इंणेंअवसरेंआव्योरेजलदकाल
रुडो ॥ हंसनागादूरेंरेवीरहीनेंअतिसूंडो॥ मोरझातिहांनाचेरेगरजारवथाय॥ ह
रण्यावण्पईयारेविजलीचमकाय ॥ ४ ॥ गु० ॥ दाडरबङ्कबोलेरेपृथिवीनीरव
हे ॥ नदिउंथईमातीरेसरोवरलहेरलहे॥ बगलानीपंतीरेपंथीघरिचाल्यां ॥ मही
षीनेंगायोरेटाढिकलहीमाहल्यां ॥ ५ ॥ गु० ॥ सरीतापुरजोवारेनिकलीउंरा
जा ॥ निजपरीवारसाथेंरेअवलवेसताजा॥ तृणकाष्टतणांणांरेसरीतामांआवे॥
कलूषितबङ्कपाणीरेकांठेंनवीमावे ॥ ६ ॥गु० ॥ बिङ्कंतटतिहांपाडेरेलहेविस्ता
रघणो ॥ आरामविनासेरेपारनपुरतणो ॥ जलचरबङ्कदिशेरेसमरीजलधावे ॥
मरजादामुंकीरेबालनेंबिहावे ॥ ७ ॥ गु० ॥ इंमदेषीतमासोरेआव्यानीजगेहा॥
ढालआठमेखंडेरेअढारमीएह॥ गुरुउत्तमविजयनोरेपद्मविजयसीस॥सांभ
लज्योश्रोतारेसूणतांसुजगीश ॥ ८ ॥ गु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ केईकदिनवलीव्यतीक्रम्या ॥ शारदसमयसंसालि ॥ अश्ववाहनी
आवीउ ॥ सूपतेसरितासालि ॥ ए ॥ मुलस्वसावेंनीरमली ॥ क्रुरनजलचरको
य ॥ बुधजनसेवीततेबङ्क ॥ सांसरयुंदेषीसोय ॥१० ॥ संवेगेंनृपसंवरी ॥ चि
त्तमांकरेवीचार ॥ रीधीआडंबरनवीरहे ॥ करेनीजपरअपकार ॥ ११ ॥ न
दिदृष्टांतेनीरषीइं ॥ पुरुषनोएहप्रकार ॥ सावनतटपाडेसली ॥ आतममलीन
अपार ॥ १२ ॥ वलिआरंसपरीग्रहवधे ॥ करेउनमादकल्लोल ॥ चरणधर्म
वाडीचसे ॥ तजेकृत्यसीमआजोल ॥ १३ ॥ मोहतणीसमरीमहा ॥ परमार
थअणपांमि ॥ अबुद्धलोकघणंअडवडे॥ देषीअदसूतदाम॥ १४ ॥ सरिताप
रेंस्वसावथी ॥ अलगीजाइंउपाधि ॥ अनुंक्रमेंतारीआतमा॥ अनुसवेंअव्या
बाध ॥ १५ ॥ ढाल ॥ सूलोमनसमरारेंकांयसमे ॥ एदेशी ॥ आपस्वसावमां
हिरमे ॥ आवेजोरेवीवेक ॥ पापमीत्रनेंपरीहरे ॥ शुसपरीणामनीटेक॥१६॥
गुणचंदरायसंवेगीउ ॥ एआंकणी ॥ अध्यवशायसलाहोइं ॥ अर्थअनर्थनो

कार ॥ अंतरायपरलोकनो ॥ मिथ्यात्वीमानविस्तार ॥ १७ ॥ गु० ॥ क्लेशहो
यजेहथीघणो ॥ ज्ञाननीपरणतीनाश ॥ कपटकरेवलीआकरूं ॥ लोभथीसर्व
विनास ॥ १८ ॥ गु० ॥ कर्मादानव्यापारनें ॥ सेवेपापअनेक ॥ कुसलजोग
जाइवेगलो ॥ पापमतीअतीरेक ॥ १ए ॥ गु० ॥ द्रव्यउपगारछेयद्यपी ॥ प
णिअल्पकालिकएह ॥ परपीमाहोइंघणी ॥ किमआदरीइंतेह ॥२०॥ गु०॥
द्रव्यसावउपगारमां ॥ सावतेजाणिप्रधांन ॥ इंमचिंतवतांवाधीउ ॥ शुभपरी
णामनीदान ॥ २१ ॥ गु० ॥ आवीमंदिरनरपती ॥ संभलावेतेहवात ॥ रतन
वतीमंत्रीप्रतें ॥ बोलेतेअवदात ॥ २२ ॥ गु० ॥ जिमसाध्युंतूम्हेस्वामीजी ॥
कीजेंईछीतकाज ॥ कालक्षेपईहांनवीघटे ॥ चंचलजीवीतराज ॥ २३ ॥ गु० ॥
जाइंधरममांजेघणी ॥ तेहप्रशंसवालाग ॥ सांभलिउदघोषणाकरी ॥ देतोदा
नअथाग ॥ २४ ॥ गु० ॥ सर्वदेहरेविरचावतो ॥ पुजाअनेकप्रकार ॥ ज्ञाता
कल्पसूत्रेंकही ॥ रायपसेणीमझारि ॥२५॥ गु० ॥ जिवाभिगममांहिवली ॥
पुजाकहेजिनराय ॥ तेहउवेषेजेप्राणीआ ॥ मुंढाउरगतीजाय ॥ २६ ॥ गु० ॥
धृतीबलपुत्रराज्येंठवी ॥ सहूनेंदेईसनमांन ॥ षबरिगुरुनीकढावनो ॥ जाणी
तेहनुंथान ॥ २७ ॥ गु० ॥ रतनवतीसाथेंलेई ॥ सामंतनेंपरधांन ॥ चाल्या
काशीदेशमां ॥ संयमनुंधरीध्यांन ॥ २८ ॥ गु० ॥ वाणारसीनयरीवसे ॥
विजयधर्मसूरीराय ॥ धर्मलाभसूरीसरदिई ॥ जबवंद्यागुरुपाय ॥२ए॥ गु०॥
पुछ्यापछीसघलुंकहे ॥ आगमकारणसार ॥ वाणारसीपतीबहुकरे ॥ द्रव्यथ
कीउपचार ॥ ३० ॥ गु० ॥ सहूसाथेंमहामहोछवें ॥ वधतेशुभपरीणाम ॥
संजमलेवेनरवरू ॥ विचरेग्रामानुंग्राम॥३१॥गु०॥सुत्रभण्याकीयाअभ्यसी॥
समईययाअभीप्राय ॥ एकलवीहारअंगीकरूं ॥ पुछ्याश्रीगुरुराय ॥ ३२ ॥
गु० ॥ आणाजबगुरुजीकरे ॥ तवसूत्रादिकजेह ॥ तुलनापंचप्रकारनी ॥
करेपुरवेंकहीतेह॥ ३३॥गु०॥यतः॥ सूत्तेणंअठेणं॥इत्यादीतथापढमाउवस्सयं
मी ॥ विहावाहीतईतईयाचउकंमी ॥ सूतघरमीचउछी ॥ तहपंचमीश्रामसा
णंमी ॥१॥ पूर्वढाल ॥ इंणिपरेंसत्वतोलीकरी॥एकलमल्लविहार ॥ सूत्रविधिअं

गीकरे ॥ पालेनीरतीचार ॥ ३४॥ गु०॥ कालगयोइंमकेतलो ॥ इकदिनकरत
विहार ॥ कोल्लागसनीवेसेंगया॥ रहिआएकांतगारा॥३५॥गु०॥काउसग्गकरी
नेंरह्या॥आठमेंखंमेंढाला॥उगणीसमीपइमेंकही॥सुणतांमंगलमाला॥३६॥गु० ॥
॥ दुहा ॥ मलयजातांवाणमंतरो ॥ मिलीयामुनीमाहंत ॥ कोपचढयोचित्तक
लकल्यो ॥ चितमांइंमचितंत ॥ ३७॥ पापीदिठोपापथी ॥ कपटकरेंजुउ
केंम ॥ मुंकुंशिलाइहांमोटिकी ॥ तूरतमरेएतेम ॥ ३८ ॥ मोरेएहनेंमाहरूं ॥
सफलवीद्याकुलशार ॥ रौद्रध्यानेंअतीरोसथी ॥ वंछितकरेविकार ॥ ३९ ॥
ढाल० ॥ नवमीवार्मेनीवारयोरे ॥ साधुजीसणगार ॥ एदेशी ॥ पासेंपरवत
थीशिलारे ॥ विद्याबलथीरेलीध ॥ मुंकेगगनथीमुनीसिरेंरे ॥पिमाअतीसयकि
ध ॥ ४० ॥ पणिनवीसावथीपीमीआरे ॥ जोवेषेचरतेह ॥ जिवतादेषीको
पीउरे ॥ चितवेअहोजुउएह ॥ ४१ ॥ जिवनशक्तिअहोघणीरे ॥ अहोपरस
वपरूपात ॥ अवज्ञामुक्कउपरेंरे ॥ एहनीअपुरववात ॥ ४२ ॥ मुंकीमोहटी
शिलावलीरे ॥ तेहथीपीमीरेकाय ॥ पणिनवीसावपीमाईउरे ॥ देषीक्रोधस
राय ॥ ४३ ॥ त्रिजीवारतूरततिणेंरे ॥ मुंकीएकमहंत ॥ पणितिमहीजदेषीक
रीरे ॥ अतिसयषेदलहंत ॥ ४४ ॥ चितवेमारोनवीशकुं ॥ करूंधर्ममांअंत
राय ॥ कोईकनुंघरमुंचीनें ॥ मुंकुंएहनेपाय ॥ ४५ ॥ लोकनेंकहुंमहापापी
उ ॥ जुउकेहवांकरंकाम ॥ लोकतेकरस्येकदर्थना ॥ आपदालहेस्येरेतांम ॥
॥ ४६ ॥ जिमचितव्यूंतिमहीजकर्युंरे ॥ संसलावेकोटवाल ॥ आव्योतला
रदिठामुनी ॥ परमदयालमयाल ॥ ४७ ॥ तपशोषीततनुंएहनुंरे ॥ दिशेमुर
तिशांति ॥ चित्तआकुलनहीएहनुंरे ॥ सोगरहीतएकांति ॥ ४८ ॥ एकिम
करस्येएहवुं ॥ अथवाकपटविचोत्त ॥ करूंपरीक्षाएहनी ॥ यद्यपीदीशेप
वीत्त ॥ ४९ ॥ जामनीकुंजेनोहालीउ ॥ उपनीशंकारेताम ॥ पूछ्युंपणिनवी
बोलीआ ॥ तर्जनाकरताप्रकाम ॥ ५० ॥ तोपणिनवीबोलेयदा ॥ तवषेच
रहरषंत ॥ अध्यवशायनीकुरता ॥ नरकआयुबंधंत ॥ ५१ ॥ रौद्रध्यानें
निकाचीउं ॥ हवेंचितवेकोटवाल ॥ कहिइंरूपनेंजेगमे ॥ तेहकरोनरपाल ॥

॥ ५२ ॥ संसलाव्युंसूपालनें ॥ आव्योवीश्वसेनराय ॥ दिठातवतिणेंजलव्या॥
प्रणम्यातसगतेंरेपाय ॥ ५३॥ पुढेकोटवालनेंतूम्हे ॥ किधुंढेप्रतीकुल ॥ तेक-
हेतेहवुंकांयनही ॥ तवनृपकहेअनुंकूल ॥ ५४ ॥ राजऋषीएअम्हतणारे ॥
स्वामीगुणचंदराय ॥ निरुपसरगसूपालिनेंरे ॥ नरसवसफलकराय ॥ ५५ ॥
सयलसंगत्यागीगुरु ॥ वरतेंढेएहध्यांन ॥ अप्रतीबंधपणेंरहे ॥ किधाढेअनुं
ष्टान ॥ ५६ ॥ एकलविहारअंगीकस्यो ॥ बोल्योतामतलार ॥ धन्य २ करी
षामीउ ॥ नृपकहेस्योएविचार ॥ ५७॥ कोटवालकहेजिणेंकस्युं॥ तेनरढेइंणी
ठार ॥ नृपकहेकिहांढेदाषवो ॥ अदृशथयोतेणीवार ॥ ५८ ॥ नजस्योतव
सूपतीसणें ॥ कोईकउपसर्गकार ॥ सुरषेचरहोस्येसही ॥ डष्टतणोएप्रकार
॥ ५९ ॥ कहोअंतेउरनेतूम्हे ॥ जनपदनेंसूवीशेस ॥ आव्यास्वामीतुमतणा ॥
गुणचंदजेहनरेश ॥ ६० ॥ धरममुरतिधरीआवीउ ॥ दिठेपापपलाय ॥ शि
वसूखकारणस्वामीजी॥ निःसंगीमुनीराय॥६१॥विसवशक्तीसक्तिधणी॥ वंदो
नीजउपगार ॥ कोटवालेंजणव्युंसवे ॥ सऊनेंहर्षअपार॥ ६२ ॥ आविसऊइं
वंदिआ ॥ पुजाकरीविस्तार ॥ गुणस्तवनावलि २ करे ॥ दरीसणविस्मयका
र ॥६३ ॥ आठमेखंमेंएकही ॥ समरादित्यनेंरास ॥ पद्मवीजयएविसमी ॥
सुणतांलीलवीलास ॥ ६४ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डहा ॥ आव्योकवाम्मीइंणसमे ॥ सुणोकहेवातसरुप ॥ एअणगारनेंउपरें ॥
नांषीशिलाअनुंप ॥ ६५ ॥ आवीमार्गआकाशथो ॥ नवीदीठेनयणेन॥ नवी
नाठानेनविचल्या ॥ कोणजाणेंकस्युंकेण ॥ ६६ ॥ तसनीघतिंत्रासीउ ॥ मु
ठीलसोमहाराय ॥ आगलिनवीजाणंअवर ॥ किधुंमुंनीनेंकांय ॥ ६७ ॥
एहशिलाडगअपरजे ॥ तेपणिनाषीतेण ॥ महापापीविणमानवी ॥ जुउनेन
करेजेण ॥ ६८ ॥ शोकातूरथयासांसली ॥ राणीपूरजनराय ॥ अहो२ऋषीरा
यनें ॥ डष्टमहाडखदाय ॥ ६९ ॥ अहोक्लिष्टकर्म्माअहो ॥ अहोअलोकी
कएह ॥ अहोनीरदयताएहनी ॥ नहिविवेकनेंनेह ॥७० ॥ अहोगुणद्वेषीआ
करो ॥ मुनीवरमहाव्रतवंत ॥ अज्ञानीस्यूंनआचरे ॥ मोहेसऊमुंकंत ॥ ७१ ॥

प्रथवीपतीइंमविलपतो ॥ जाणिमुनीवरजाए ॥ पुरेध्यानेंपारीउ ॥ काउस
ग्गइंमकेहेवाण ॥ ७२ ॥ ढाल ॥ सरतनृपसावस्युंए ॥ एदेशी ॥ मुनीवरक
हेसूणिराजिआए किधांकर्मनजाय ॥ आपोआपसोगवेए ॥ एहअलपडुख
राय ॥ ७३ ॥ नमोमुनीरायनेंए ॥ धन२एहनीमाय ॥ नमो० ॥ एआंकणी॥
एहअनादिसंसारमांए ॥ कर्म्मसंतानअनादि ॥ डुखेव्यापीरह्योए ॥ निजगु
णऋद्धिआठादि ॥ ७४ ॥ नमो० ॥ जनमजरामरणेंसस्योए ॥ दिनताइष्टवी
जोग ॥ शोगबहुउपजेए ॥ वलितनुंमांअतीरोग ॥ ७५ ॥ नमो० ॥ इंमजा
णीवैराग्यथीए ॥ समकीतमुलव्रतबार ॥ वलीचारीत्रलिइंए ॥ छांमीनीजआ
गार ॥ ७६ ॥ नमो० ॥ छठअठमादिकतपकरेए ॥ सीलंगसहस्सअढार ॥
पालिसूरसवलहेए ॥ शिवसुखअनुंक्रमेंसार ॥ ७७ ॥ नमो० ॥ केईकक्लीव
पुरुषवलीए ॥ कांमसोगलपटाय ॥ बहुडुखसोगवेए ॥ निचनीसेवकराय ॥
॥ ७८ ॥ नमो० ॥ सीमसंयाममांहेअमेए ॥ पेसेसमुद्रमफारिं ॥ मित्रादिकनें
ठगेंए ॥ विषयासीलाषप्रकार ॥ ७९ ॥ नमो० ॥ परसवनरगेंसंचरेए ॥ छां
मीचंचलआय ॥ लह्यांम्हेंडुखघणांए ॥ वारअनंतीप्राय ॥ ८० ॥ नमो० ॥
सिन्न२सातेंधरीइं ॥ डुखतणोनहीपार ॥ कुंसीपाकेंपच्योए ॥ तिव्रशास्त्रेंलह्यो
मार ॥ ८१ ॥ नमो० ॥ करवतथीवेहस्योवलीए ॥ काष्टनेंजिमसूत्रधार ॥ से
धोत्रिशुलेंकरीए ॥ जंत्रेंपिल्योअपार ॥ ८२ ॥ नमो० ॥ वज्रतुंमपंपीयईए ॥
षाधोकरतोरीव ॥ तातांजोतरकरीए ॥ मुंक्यामाहरीमीव ॥ ८३ ॥ नमो० ॥
इंमकरीरथवहेवराविउए ॥ तिल २ षंमकरयोकापि ॥ दिशोदिशबलीकरेए ॥
हिंसीनांएपाप ॥ ८४ ॥ नमो० ॥ जिसतालूथीकाढतांए ॥ एअलीकबोल्या
नोसेद ॥ वलिपरद्रव्यलिउए ॥ काननाककरेछेद ॥ ८५ ॥ नमो० ॥ धगधगती
लोहपुत्रीकाए ॥ आलिगनदिइंदेव ॥ वैतरणीमांठवेए ॥ उष्णनीरनितमेव ॥
॥ ८६ ॥ नमो० ॥ छायजाणीसामलीतलेंए ॥ बेसवाजउंजाम ॥ पमेतसपत्र
जेए ॥ काननाकछेदेताम ॥ ८७ ॥ नमो० ॥ ताढि १ ताप २ सूष ३ तर
स ४ नींद।परजनें ५ परवसताप ६।शोगसय ८ ज्वर एघणोंए।दाह १०

अतीसयथाय ॥ ८८ ॥ नमो० ॥ एदशवेदनानरगमांए ॥ वलिकंकशुनक नेंकाक ॥ रोताचुंटेंघणंए ॥ पापकरमपरीपाक ॥८ए ॥ नमो० ॥ आंपिंमि चीउघाफीइंए ॥ नहिसुखतेनीवार ॥ तिरीगतीमांवलीए ॥ पाम्योडखअपार ॥ए०॥ नमो० ॥ महणलंछननेंवधहोइंए ॥ बहुवहेवरावेसार ॥ षमीसूषतरस नेंए ॥ नवीकरेकोइसूसार ॥ ए१ ॥ नमो० ॥ नरसवमांपरवशपणंए ॥ नि रधननेंवलीक्लीव ॥ तिणेंनरपतीसूणोए ॥ शोकनकरीइंअतीव ॥ ए२ ॥ न मो० ॥ रायकहेतुमेस्वामीजीए ॥ किधोसफलअवतार ॥ करयोथीरआतमा ए ॥ अंतररिपुजयकार ॥ ए३ ॥ नमो० ॥ शोचणयोग्यतूम्हेनहीए ॥ गं म्योप्रमादप्रसंग ॥ अंगितपसिरीकरीए ॥ प्रागभायशीवसंग ॥ए४ ॥ नमो०॥ शोचवायोग्यतेंतेथयोए ॥ जिणेंकीधोउपसर्ग ॥ गुरुकहेतवसूणोए ॥ एहवो संसारसंसर्ग ॥ ए५ ॥ नमो०॥ पराचितातूस्युंकरेए ॥ करिनीजआतमाचित ॥ सुणिनृपउच्चरेए ॥ आणाकरोभगवंत ॥ ए६ ॥ नमो० ॥ कोपासेंव्रतआदरुं ए ॥ विजयधर्म्मगुरुपास ॥ मुंनिइंणीपरिकहेए ॥ करयुंप्रम,एवचतास ॥ ॥ ए७ ॥ नमो० ॥ गुणचंदमुंनीहवेविचरीआए ॥ वाणमंतरहवेतेह ॥ करी महाकर्मनेंए ॥ रोगेंथईषीणदेह ॥ए८॥नमो०॥ इंद्रियहांणीलसाघणंए ॥अशु सउदयथयोतास ॥ स्वसावफरयोवलीइं ॥ करेआक्रंदवेषास ॥ एए॥नमो०॥ वैद्यनीपुणउपदेशथीइं ॥ विष्टाप्रमुखमुषदिध ॥ कंटकशज्याकरीए ॥ इंमकां यकसूखसीद्ध ॥७००॥ नमो० ॥ रौद्रध्यांनदोषेंकरीए ॥ तेत्रीससागरआ य ॥ सातमीनरगेंगयोए ॥ महाडखनोसमुदाय ॥ १ ॥ नमो० ॥ गुण चंद्रपणिरीषीराजीउए ॥ पालीसंजमशुद्ध ॥ करीसंलेषणाए ॥ सावनासावी वीबुद्ध ॥ २ ॥ नमो० ॥ करमराशीबहुषयकरीए ॥ खामीसघलाजीव ॥ नमीवितरागनेंए ॥ थानिकजोईनिरजीव ॥ ३ ॥ नमो० ॥ पादपोपगमअण सणकरीए ॥ पालीनीरतीचार ॥ रुंधीचेष्टाप्रतेंए ॥ बहुवंदेअणगार ॥ ४ ॥ नमो० ॥ गाइंदेवांगनागीतमांए ॥ स्तवनाकरेनरदेव ॥ त्यजिनीजदेहनेंए ॥ थयासरवारथेंदेव ॥ ५ ॥ नमो० ॥ तेत्रीससागरआउषेंए ॥ सुखशागरफी

दंत ॥ एनरस्तवआठमोए ॥ आठमोखंमएडंत ॥ ६ ॥ नमो० ॥ एकविस ढालेंसोहामणोए ॥ समरादित्यनेंरास ॥ अढारबेंतालीसेंए ॥ सूदिदसमीताद माश ॥ ७ ॥ नमो० ॥ श्रीविजयसिंहसूरीसनाए ॥ अंतेवासीमुख्य ॥ क्रियाउद्धारकरयोए ॥ सत्यविजयसूसीष्य ॥ ८ ॥ नमो० ॥ कंपुरविजयतस पाटवीए ॥ षीमावीजयतससीस ॥ षिमागुणथीसरथाए ॥ जिनवीजयसुजगीस ॥ ९ ॥ नमो० ॥ उत्तमविजयजीतेहनाए ॥ सीष्यशीरोमणीसार ॥ पंमीत्तगुंणेंआगलाए ॥ समतारससंभार ॥ १० ॥ नमो० ॥ कल्याणपासपसाथीए ॥ पद्मविजयकहेंइंम ॥ विसलनगरेंरहीए ॥ समरादित्यमुणप्रेम ॥ ॥ ११ ॥ नमो० ॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमीतप्रवरश्रीमदुत्तमविजयगणिशिष्यपं० पद्मवीजयगणिविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेगुणचंद्रनृपवाणमंतरासिधानविद्याधरयोः अष्टमनरस्तवः समाप्तः ॥ सर्वगाथा ॥ ॥ ७११ ॥ उक्तगाथा ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥

॥ ९० ॥ दुहा ॥ पासजिनेसरपायनमी ॥ शांतीसदासुखकार ॥ समरीसरसतीसामिनी ॥ गुरुगुणज्ञानदातार ॥ १ ॥ आठखंमकस्याइंणिपरें ॥ दिन २ चढतेदाव ॥ नवमोखंमहवेनीरमलो ॥ सांभलुंआणीभाव ॥ २ ॥ समरादित्यसोहामणा ॥ गुणद्वेपीगीरीसेण ॥ नृपसूतनेंचंमालनर ॥ सांसलीइंसयणेण ॥ ३ ॥ जंबूद्वीपेंभरतमांहे ॥ सरतपेंअसररीद्धि ॥ उज्जेणीनयरीअवल ॥ प्रथिवीमांहिप्रसीद्ध ॥ ४ ॥ मंदिरगढमढमालीआं ॥ विहारआरामविशेष ॥ पोलीपागारमारगपृथु ॥ अमरजुइंअनीमेष ॥ ५ ॥ ढाल ॥ उसीसावलदेराणीअरजकरेछे ॥ अवकोवरसालोघरिकिजेंहो ॥ गढबुंदीराहामावाल्हाचलणनदेस्यूं ॥ एदेशी ॥ लष

मीचवजाणीपरीषमीसविधीइं ॥ रजुपरेंमानुंबांधीहो ॥ सूणोसवीप्रणसाव
इं ॥ गुणगुणवंतकेरा ॥ सज्जनगुणरयणेंकरीसूधीत ॥ रुपकखासङइंसाधी
हो ॥ ६ ॥ सु० ॥ जेहनीसोभासरोवरसोहे ॥ नलिनीवनेंसरसोहेहो ॥ कम
लेंनलीनीनेंकमलनेंभमरें ॥ भमरगुंजारवेंमोहेहो ॥ ७ ॥ सु० ॥ नामेंपुरीस
सिहतेहनोराणो ॥ सुंदरीराणीजाणोहो ॥ त्रिणवर्गसाधतांकालगमावे ॥ दंपती
होयवषाणोहो ॥ ८ ॥ सु० ॥ इंणसमेसुरसरख,रथचासी ॥ तिहांथीचव्याआयु
पालीहो ॥ सुंदरीकुषेंउपनोजीहारे ॥ जागीसुपनेंरवीसालीहो ॥ ९ ॥ सुं० ॥
पतीनेंकहेम्हेंसूरयसूपनें ॥ दिठोआजप्रभातेंहो ॥ कमलाकरविकश्वरकरतो॥
किन्नरनसगुणगातेहो ॥ १० ॥ सुं० ॥ गगनविभूषेतिमीरविणासे ॥ लोकक
रेपरणामहो ॥ आतपेंसौम्यतेपेसतोउदरें ॥ तेहनुंफलकहोस्वामीहो ॥ ११ ॥
सुं० ॥ नृपहरषीकहेतूझसूतहोस्ये ॥ त्रिभूवनमांविख्यातहो ॥ तहतीकरीप
तीवचनप्रमाणी ॥ अनुंक्रमेंजनमतेजातहो ॥ १२ ॥ सुं० ॥ रुमेंनषेंदरेंकर
णमुहूर्त्ते ॥ विणसंक्लेशेंआयोहो ॥ सिद्धमतिदासीइंवधायो ॥ नृपमनहरषन
मायोहो ॥ १३ ॥ सुं० ॥ दासीनेंदानदेईनेंकरावे ॥ वंदिमोचनरायहो ॥ अ
नीवारीतदाननेंदेवरावे ॥ ॥ नयरम्होछवसंमायहो ॥ १४ ॥ सुं० ॥ पद्मरायप्र
मुखजेनरदेवा ॥ तेहनेंकरताजाणहो ॥ बहुउछवनित २ प्रतेंकरतां ॥ हुउ
मासप्रमाणहो ॥ १५ ॥ सुं० ॥ सुपनप्रमाणेंपीतामहकेरूं ॥ समरादित्यदिइं
नामहो ॥ इंणअवसरजीववाणमंतरनो ॥ नारकनीकल्योतामहो ॥ १६ ॥
सू० ॥ नानाभवतिरीगतिमांभटकी ॥ बहुदुखषमतोतेहहो ॥ करमवसेंसी
आलीउहुउ ॥ मरणलहीवलीएहहो ॥ १७ ॥ सू० ॥ इंणिहिजनयरीइंचं
डालपाडे ॥ मंठीगनामचंडालहो ॥ जक्षदेवानामेंतसनारी ॥ तासकुषेंततका
लहो ॥ १८ ॥ सू० ॥ गिरीसेननामेंपुत्रजहुउ ॥ जन्मतीदुखीउदीनहो ॥
कुरूपीपणेंकालगमावे ॥ पापराशिधनहीनहो ॥ १९ ॥ सू० ॥ समरादि
त्यपुण्यफलअनुभवता ॥ पुरवसूकृतअभ्यासेंहो ॥ सयलकलावालकालेंशी
ख्यो ॥ साषीमात्रगुरुपासेंहो ॥ २० ॥ सू० ॥ कुमरपणेंपणिपुरवअभ्यासें ॥

शास्त्रचिंतनघणकरातोहो ॥ तत्वजुक्तिइंवातठरावे ॥ सावेसावनाअवदातोहो ॥
॥ २१ ॥ सू० ॥ जातिसमरणसावनागुणथी ॥ उपनोलोकप्रछन्नहो ॥ पुण्या
नुबंधीपुन्यउदयथी ॥ कुसलसावमांमन्नहो ॥ २२ ॥ सू० ॥ नाणनीरमल
नेंत्याज्यविषयथी ॥ आसन्नसिद्धिसंपत्तिहो ॥ उतकटजीववीरयनहीउक्
त ॥ तिणेंएहवागुणवत्तिहो ॥ २३ ॥ सू० ॥ राज्यलषमीउपरिनहीआदर ॥
नकरेशरीरसत्कारहो ॥ चित्रक्रीमानेंविषयनसेवे॥महावैरागीकुमारहो ॥२४॥
सू० ॥ वातकुमरनीएहवीदेषी ॥ चिंतवेमनमांसूपहो ॥ रुपेंकंदर्प्पनेंवीत्तअ
तूलछे ॥ यौवनवयअनुपहो ॥ २५ ॥ सू० ॥ रोगरहीतनेंइंद्रीयप्रवमां ॥ रा
यकन्याघणंइछेहो ॥ मुनीदरसणनलह्योपणिमुनीपरें ॥ मनमांवीकारनथी
छेहो ॥ २६ ॥ सू० ॥ गितकलानवीसेवेनपहेरे ॥ सूषणनकरेमानोहो ॥ री
जुतानमुंकेधर्म्मनचुके ॥ पुण्यसंसारअमानोहो ॥ २७ ॥ सू० ॥ जेदिन
थीउपनोतेदीनथी ॥ उपनीसवीमुझचीजहो ॥ नृपकहेसवीसुखमुझनेंहो
स्ये ॥ एहकल्याणनुंबिजहो ॥ २८ ॥ सू० ॥ पहेलीढालएनवमेखंमें ॥ स
मरादित्यनेंरासेंहो ॥ सीउत्तमविजयनोजंपे ॥ आगलिवातविलासेंहो ॥
२९ ॥ सू० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ दुल्ललितगोष्टीदेषीइं ॥ सूंपुंतेहनेंसंग ॥ कलावंतक्रिमानीपुण ॥ मदन
विश्रीटमत्तंग ॥ ३० ॥ उत्तमकुलमांउपना ॥ तससंगेततकाल ॥ अतिप्रमो
दउपजावस्ये ॥ मुझनेंतेहमयाल ॥ ३१ ॥ अशोककामांकुरअछे ॥ ललितां
गनामलहंत ॥ चतूरचुमामणीचिंतवी ॥ कहेतेमीसूकंत ॥ ३२ ॥ जतनकरी
तूम्हेजोपस्यूं ॥ समरादित्यसूजाण ॥ लोकमारगमांलावीइं ॥ एछेश्रमची
आणि ॥ ३३ ॥ आणप्रमाणकरीअधीक ॥ केतोकवीतोकाल ॥ सहुसेलावि
चरेसदा ॥ खेलेनव२ख्याल ॥ ३४ ॥ ढाल ॥ विझाजीहोरतनकूउनेंमुखसां
कमुंहोवीझा ॥ किमकरीकरुप्रवेशवयणवाल्हासयणरुमा ॥ एदेशी ॥ वाह
लाजीहो ॥ चालोनेंरमवाजाईइंहोमित्ता ॥ इंमकरीचाल्यातेह ॥ छेलवाल्हा ॥
सयणरुमा ॥ वा० ॥ विणाप्रयोगेंदेखावताहोमीत्ता ॥ काव्यविनोदकरेह ॥

॥ ढे० ॥ ३५ ॥ वा० ॥ जलक्रीडाकरेमोदस्यूंहोमीत्ता ॥ जोवेसरोवरसोह ॥ ॥ढे०॥वा०॥ कामशास्त्रबोलेघणांहोमीत्ता ॥ जेसूणीउपजेमोह ॥ ढे० ॥३६॥ ॥वा०॥ वांधेंहिंडोलाहूंषस्यूंहोमीत्ता ॥ हिंचेतिहांधरीप्रीति ॥ढे०॥वा०॥ गित गाइंअतिरुअडांहोमीत्ता ॥ कामशास्त्रविरचित्त ॥ ढे० ॥ ३७ ॥ वा० ॥ कु सूमसाथरापाथरेहोमीत्ता॥वरणवतापंचबाण ॥ ढे०॥वा०॥ तेदेषीचित्तचिंतवे होमीत्ता ॥ समरादित्यसुजाण ॥ ढे० ॥ ३८ ॥ वा० ॥ वधतेसंवेगेंकरीहोमी त्ता ॥ अहोएकीमबोधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ मुढदशाअतीआकरीहोमीत्ता ॥ किमउपगारतेथाय ॥ ढे० ॥ ३९ ॥ वा० ॥ पणितेहनाउपरोधथीहोमीत्ता ॥ नवीकहेकांयप्रतीकूल ॥ ढे० ॥ वा० ॥ तसप्रतीबोधनकारणेंहोमीत्ता ॥ आ चरयूंतसअनुंकुल ॥ ढे० ॥ ४० ॥ वा० ॥ प्रीतीपरमउपजावतोहोमीत्ता ॥ उपजाव्योविसवास ॥ ढे० ॥ वा० ॥ एकदिनसहुमीत्रेंमीलीहोमीत्ता ॥ मां डयोवातविलास ॥ ढे० ॥ ४१ ॥ वा० ॥ बोलेअशोकइंणिपरेंहोमीत्ता ॥ का मशास्त्रसमनांहि ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अवरकिस्यूंतवबोलीउंहोमीत्ता ॥ कामांकू रउछाहिं ॥ ढे० ॥ ४२ ॥ वा० ॥ एहमांकांयनपुछवुंहोमीत्ता ॥ एहथीत्रिवर्ग सधाय ॥ ढे० ॥ वा० ॥ चित्तआराधेनारीनुंहोमीत्ता ॥ तेहथीसंरक्षणथाय ॥ ॥ ढे० ॥ ४३ ॥ वा० ॥ सुद्धसंततीतेहथीहोयहोमीत्ता ॥ तेहथीदानादीकधर्म्म ॥ ढे० ॥ वा० ॥ दारासुतसूखथीलहेहोमीत्ता ॥ अर्थकामनांसर्म ॥ ढे० ॥ ॥ ४४ ॥ वा० ॥ विपरितेंविपरीतनीपजेंहोमीत्ता ॥ तिणेंत्रणवरगनुंहेत ॥ ॥ ढे० ॥ वा० ॥ कहेललीतांगसलुंकणुंहोमीत्ता ॥ एहमांदोसनदेत ॥ ढे० ॥ ॥ ४५ ॥ वा० ॥ पणिएकअतीसलुंजाणज्योहोमीत्ता ॥ धरमअरथफलकां म ॥ ढे० ॥ वा० ॥ कामविनांतेनिष्फलाहोमीत्ता ॥ मोक्षनोनहीफलठांम ॥ ॥ ढे० ॥ ४६ ॥ वा० ॥ तेहलोकोत्तरमार्गछेहोमीत्ता ॥ ज्ञानध्यानफलतेह ॥ ॥ ढे० ॥ वा० ॥ अशोककहेइहांसाखीआहोमीत्ता ॥ होयकुमरजोएह ॥ ॥ ढे० ॥ ४७ ॥ वा० ॥ कामांकुरकहेएषरुंहोमीत्ता ॥ ललितांगकहेइंम ताम ॥ ढे० ॥ वा० ॥ करीइंपशायकुमारजीहोमीत्ता ॥ शोसनतरजेउद्दाम ॥

॥ ढै० ॥ ४८ ॥ वा० ॥ कुमरकहेमतकोपज्योहोमीत्ता ॥ साधुंऊंपरमन्न ॥
॥ ढै० ॥ वा० ॥ सऊकहेकोपश्हांकिस्योहोमीत्ता ॥ नाशअन्नाणनोजन्न ॥
॥ ढै० ॥ ४९ ॥ वा० ॥ कुमरकहेकामशास्त्रजेहोमीत्ता ॥ करनारनेंसूणनार
॥ ढै० ॥ वा० ॥ प्रगटकरेअन्नाणनेंहोमीत्ता ॥ तेसूणज्योअधीकार ॥ ढै० ॥
॥ ५० ॥ वा० ॥ प्रकृतिअशारविटंबणाहोमीत्ता ॥ परसवविषउपमांन ॥
॥ ढै० ॥ वा०॥ मोहदोषेंदेषेंनहीहोमीत्ता ॥ कृत्याकृत्यअज्ञान ॥ ढै० ॥५१॥
वा० ॥ रुधीरमांशअशुचीसरीहोमीत्ता ॥ रमणिकेरीकाय ॥ ढै०॥ वा० ॥ग
र्त्ताशुकरनीपरेंहोमित्ता ॥ रहेनित्यतिहांलपटाय ॥ ढै० ॥ ५२ ॥ वा० ॥ मं
दबुधीदेषेनहीहोमीत्ता ॥ परमारथनीवात ॥ ढै० ॥ वा० ॥ बुधजनगरहीत
जाणिइंहोमीत्ता ॥ प्रकृतीचपलनरहात ॥ ढै० ॥ ५३ ॥ वा० ॥ बालजीव
मानेंघणुंहोमीत्ता ॥ कामसंपामणहेत ॥ ढै० ॥ वा० ॥ क्लेशकरेअकृत्यध
रेहोमीत्ता ॥ ध्याइंकुध्यांनसंकेत ॥ ढै० ॥ ५४ ॥ वा० ॥ कुशलमार्गमुंकेव
लीहोमीत्ता ॥ पामेअतिउनमाद ॥ ढै०॥ वा०॥ गुरुजननीनिंदाकरेहोमीत्ता॥
लोकथीलहेअपवाद ॥ ढै० ॥ ५५ ॥ वा० ॥ अनुंक्रमेंजाइंनरगमांहोमीत्ता॥
वलीएहसवडखदाय ॥ ढै० ॥ वा० ॥ वधबंधनपामेंघणांहोमीत्ता ॥ ईर्ष्या
कुलघरयाय ॥ ढै० ॥ ५६ ॥ वा० ॥ सयविषादनुषेत्रछेहोमीत्ता ॥ क्रोधत
णोरेनीवाश ॥ ढै०॥ वा०॥ धर्मशास्त्रनिंदेतिणेंहोमीत्ता ॥ रुध्यानकामवीलास॥
॥ ढै०॥ ५७ ॥ वा०॥ मध्यस्थअर्थइंनेविचारज्योहोमीत्ता ॥ किमसाधेत्रणिवर्ग
॥ ढै०॥वा०॥ द्रव्यउपार्जेकिणीपरेंहोमीत्ता ॥ किमवलीसाधेसर्ग ॥ ढै०॥५८
॥ वा० ॥ कामकुशलप्राणीतणीहोमीत्ता ॥ कुलटादिशेनारि ॥ ढै० ॥ वा० ॥
कामकुशलनहीतेहनीहोमीत्ता ॥ शिलवंतीसूविचार ॥ ढै० ॥ ५९ ॥ वा० ॥
तिणेंकारणशुसतंतीहोमीत्ता ॥ इत्यादिकनएकांत ॥ ढै० ॥ वा० ॥ काम
कुशलप्राणीतणाहोमीत्ता ॥ पुत्रतेअतिडदंत ॥ ढै० ॥ ६० ॥ वा० ॥ बलित
स्करपणंतेहमांहोमीत्ता ॥ इंमअसमंजसवात ॥ ढै०॥वा० ॥ धरमअरथफल
पणिनहिहोमीत्ता ॥ कामतेडखअवदात ॥ ढै० ॥ ६१ ॥ वा० ॥ खरजखन

नसुखजेहवाहोमीत्ता ॥ करतासावअंधकार ॥ छे० ॥ वा० ॥ अशुसकरमफ
लसूतछेहोमीत्ता ॥ किमधर्मअर्थफलशार ॥ छे० ॥ ६२ ॥ वा० ॥ शोकवधे
लाघवहोईहोमीत्ता ॥ वलिअविस्वासनोगाम ॥ छे०॥वा० ॥ शरीरस्थीतीहोई
कामथीहोमीत्ता ॥ मुनीवरसरीरउद्दाम ॥ छे० ॥ ६३ ॥ वा० ॥ बहुसेवेजो
विषयनेंहोमीत्ता ॥ तोहोईक्षयीमुखरोग ॥ छे० ॥ वा० ॥ मोहीनेंएमनोहरु
होमीत्ता ॥ मिथ्यासीमाननेंयोग ॥ छे० ॥ ६४ ॥ वा० ॥ नवमेखंभेबिजीक
हीहोमीत्ता ॥ मित्रबोधननीढाल ॥ छे० ॥ वा० ॥ पद्मवीजयकहेआगलेहो
मीत्ता ॥ दिईउपदेशरशाल ॥ छे० ॥ ६५ ॥ वा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ मोक्षअलोकीकमानीई ॥ तेपणिनांहितहत्ति ॥ वरमुनीलोकलौकी
कवद्यो ॥ सयलविरयनीसत्ति ॥ ६६ ॥ संपूरणकारयसवे ॥ अव्याबाधअ
नुप ॥ जनमजरानहीजेहनें ॥ सूखउतकष्टसरुप ॥ ६७ ॥ ज्ञानध्यानपणि
गुणअछे ॥ धर्म्मरुपतेधारि ॥ क्षयोपशमक्षायकहोई ॥ सफलतदासंशार ॥
॥ ६८ ॥ कांमअनिंदितकोइकहे ॥ पणितेनांहिप्रकार ॥ तिरिपणिसोगवतां
तूरत ॥ निंदितछेनीरधार ॥ ६ए ॥ कामशास्त्रतेंकारणें ॥ करेअनाणप्रका
स ॥ अदत्ताग्रहणअवलोकीई ॥ सार्षेजीनवरसास ॥ ७० ॥ यतः ॥ तंना
महोइसत्तं ॥ जंहियमछंजणस्सदंसेई ॥ जंपुणअहियंतिसया ॥ तंणएकंत्तो
च्चयंसछं ॥ १ ॥ ताजंकामुद्दिरण ॥ समछसछंनतंबुहजणेण ॥ सुमोणेविजंपी
यच्चं ॥ पसंसियव्वंचछवयणं ॥ २ ॥ डुहा ॥ सुखदाईसहुसत्वनें ॥ उपजावेउ
पसम्म ॥ परसंसवुंनेजंपवुं ॥ ऋदईजाणोरम्म ॥ ७१ ॥ यतः ॥ पसमाईसाव
जणयं ॥ हियमेगंतेसत्ताणं ॥ निउणेणजंपीयवं ॥ पसंसियवंचसुवीसुद्धं॥३॥
॥डुहा॥ सांसलीवीस्मयसहुलह्या॥ चित्तमांकरेविचार॥ अहोविवेकअहोसाव
ना॥अहोवैराग्यअपार ॥ ७२॥ कतज्ञगुणअहोकेहवो॥ एहवाअध्यवशाय॥
नविहोईमुनीवरमनें ॥ इंमचित्तअचरीजथाय॥७३॥ ढाल॥ आवोहरीलाहरी
आवाहला ॥ मीठुं२बोलंतासारा ॥ दिठाएहवाफेरयकीधुतारा ॥ आवो०॥एदे
शी ॥ करेसहुमीत्रमिलिवातो ॥ तेहमांअशोककहेख्यातो ॥ सुणोकुंमारकहुं

अवदातो ॥ ७४॥ करे० ॥ तुम्हेंकह्युंलोकोत्तरएह॥ इंहांअधीकारकह्योकेह ॥
लौकिकमांकांमशास्त्रगुणगेह ॥ ७५ ॥ करे० ॥ कहेकोंमांकुरएसारुं॥ कह्युं
अशोकेंअवधारुं ॥ कहेललितांगलागेप्यारुं ॥ ७६ ॥ करे० ॥ बोलेहवेकुं
मरसूणोवाणी ॥ लहेनहीतत्ववातप्राणी ॥ घणाकंदर्पेबालअन्नाणी ॥ ७७॥
करे० ॥ होइंकर्म्मबंधहेतूकाम ॥ नहितेहस्यूंमाहरेकाम ॥ जाणिपमेकुपक
होकुणआम ॥ ७८ ॥ करे० ॥ देवाणोनउत्तरतिहांकेणे ॥ कत्युंअंगीकार
सहुतिणे॥गयाकेईदिननेहसरनयणें ॥ ७९ ॥ करे० ॥ सहुमलीइंमविचारकि
धो ॥ एकुमारतोतपसीसमसीधो ॥ आपणनोएकीमजाइंलीधो ॥ ८० ॥
करे० ॥ अछेउपायइंहांएक ॥ दाक्षिण्यवंतएछेछेक ॥ आपणमित्रस्युंकि
धाविवेक ॥ ८१ ॥ करे० ॥ पाणिग्रहणकरोकहीइंम ॥ मानेजोवचनधरी
प्रेम ॥ सहुइंधारीएहवोनेम ॥ ८२ ॥ करे० ॥ बेशीएकदिनइंणिपरेंसाषें ॥
अशोकंसुणोमीत्रसहुसाषे ॥ एकपुछुंधरीमनअभीलाषे ॥ ८३ ॥ करे० ॥
मानविकेनहीमीत्रनीवाच ॥ कहेकुमरमित्रनात्रणिताच ॥ अधममध्यमउ
त्तमसाच ॥ ८४ ॥ करे०॥ एकमीत्रघणंलाल्यापाल्या॥ कोईवातथीनवीअ
लगाटाल्या ॥ पणिआपदाइंदूरेंचाल्या ॥ ८५ ॥ करे०॥ एतोतूम्हेअधममीत्र
जाणो ॥ हवइंसूणोपर्वमीत्रश्यांणो ॥ मिलेकोईपर्वउछवटाणो ॥८६॥ करे०॥
नविहावसावकरवोतास ॥ पणिकष्टेंतेकरेवेषास ॥ राषेकांयलौकीकसू
विलास ॥ ८७॥ करे० ॥ कांयविलपीवीलंबकरीमुंके ॥ एतोमध्यममी
त्रनवीचुके ॥ हवेउत्तमरुधीरेमेथुंके ॥ ८८ ॥ करे० ॥ एकलटकसलामहो
ईतेहांमुंकावेडःखथकीएह ॥ गौरवपणंदाषवेबहुजेह ॥ ८९ ॥ करे० ॥ यो
मेउपगारतेबहुमांनें ॥ संपदपणितेतसघरिआंणें ॥ आपदाइंपणिराषेगांनें ॥
॥ ९० ॥ करे० ॥ एहमांउत्तमसरीषुंथावुं ॥ कहेकामांकुरनरहस्यपावुं ॥
एतोजगतजीवजाणेगावुं ॥ ९१ ॥ करे० ॥ ललितांगकहेकह्युंगंसीर ॥ कहो
हवेज्युंलहिइंतिर ॥ कहेकुमरसूणोसहुथईधिर ॥ ९२ ॥ करे० ॥ परमार्थ
मीत्रनात्रणिसेय ॥ देहसजनधर्मजाणेय ॥ जघन्यमित्रदेहनेंवेय ॥ ९३ ॥

करे० ॥ देहनीषीण २ करोसंसाल ॥ सूषतरसनेंटाढितापकाल ॥ संसालतां पणिहोयविकराल ॥ ए४ ॥ करे० ॥ निरालंबनमुंकीनेंजाइं ॥ हवेंमध्यम मित्रसजनथायें ॥ मायतायकलत्रसगनीसाय ॥ ए५ ॥ करे० ॥ क्रेशाश्र वंशारेंकरतांविलाप ॥ प्रस्तावेंतेसंसारेंआप ॥ जाइंपरसवपुण्यतथापाप ॥ ॥ ए६ ॥ करे० ॥ हवेधर्ममीत्रउत्तमजाणो ॥ तेनोकोईकअवसरमनआ णो ॥ पणिथायसखाईसपराणो ॥ ए७ ॥ करे० ॥ तेतोसघलासयसाथेंटा लें ॥ फिरि २ तेपुरुषनेंसंसालें ॥ अनुंकरमेंशाश्वतसूखआले ॥ ए८॥ करे०॥ इमजांणीविषयनासूखगांमो ॥ एअसारस्युंमततूम्हेरढिमांमो ॥ एआतमसू खककरेखांमो ॥ एए ॥ करे० ॥ पांमीमानवनोसवश्रीकारो ॥ मोक्षमारग पांमीमतहारो ॥ वितरागवयणचित्तअवधारो ॥ १०० ॥ करे० ॥ उत्तमन रसेवितधर्म्मकरो ॥ सव २ नांपातिकदूरिंहरो ॥ संसारसायरसूखमांहित रो ॥ १ ॥ करे० ॥ नवमेखंमेंत्रीजीढाल ॥ कहीपद्मवीजयअतीसूरशाल ॥ आगलिहोस्येमंगलमाल ॥ २ ॥ करे० ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ४ ॥

॥ दुहा ॥ समरादित्यनांसांसली ॥ वारुशालांवयण ॥ तेहअशोकादीकन णां ॥ नेहेंसरीयांनयण ॥ ३ ॥ तथासव्यतातेहवी ॥ शुद्धवलीसंयोग ॥ क र्म्मविचित्रकस्रांतिणें ॥ उतकटविर्यअसोग ॥ ४ ॥ समरादित्यनीशक्तिथी ॥ कर्म्मराशीक्रतषीण ॥ उपसमभिन्नतआवीउं ॥ परिणतीशुलथईपिण ॥ ५ ॥ मोहवासनामिटिगई ॥ अशुसतुटोअनुबंध ॥ गुणवंतगंठीसेदतां ॥ शुद्धसम कीतसंबंध ॥ ६ ॥ अशोककहेपरुंएहछे ॥ नहिसंदेहनुनांम ॥ शोलनथीप णिशोलनं ॥ कामांकुरकहेकाम ॥ ७ ॥ अथवाशोलनएहजछे ॥ निश्चयकां यनअन्य ॥ ललितांगकहेलखलोकमां ॥ अमचांपुन्यअगन्य ॥ ८ ॥ अ न्नाणनिद्राइंउंघीआ ॥ अमनेंजगव्याआज ॥ हेतुवादअमहीतकरी ॥ कुमरें किधुंकाज ॥ ए ॥ आतमहितअम्हेआदरूं ॥ शिष्यातूम्हसंसालि ॥ अशो ककहेएअतीसलूं ॥ साष्यूंअवशरसालि ॥ १० ॥ कुमरकहोकरवुंजिके ॥ ततषीणबोल्यातास ॥ संषेपेंसूणज्योतूम्हे ॥ साधुसंगविसराम ॥ ११ ॥ विष

यरागवलीवर्जवो ॥ सवसरूपनेंसाविं ॥ कुसंगत्यागनीतकीजीइं ॥ दानादिक
चउदाव ॥ १२ ॥ साधु २ इंमत्र्यज्ञकहे ॥ कस्युंत्र्प्रमेत्र्प्रंगीकार ॥ कुमरकहे
कृतपुन्यछो ॥ सफलजनमतूमसार ॥ १३ ॥ धरमीथ्ययातिणेंधन्यछो ॥ ते
हबोल्यातिणीवार ॥ त्र्प्रापनुंदरीसनत्र्प्रधन्यनें ॥ नहोइंइंमनीरधार ॥ १४ ॥
कुमरप्रशंस्याइंमकरी ॥ गयातेनिज २ गेह ॥ केईकदिनइंमत्र्प्रतीक्रम्या ॥ इं
णित्र्प्रवशरजुउएह ॥ १५ ॥ ढाल ॥ कउमाराआयागुरुजीप्राहुणा ॥ एदेशी ॥
त्र्प्राईवसंतरीतूत्र्प्रन्यदा ॥ वनसिरीत्र्प्रतिविलसंत ॥ म्हारासाजनवाल्हा ॥ चा
लोवसंतजोवाजईइं ॥ त्र्प्रांबेमंजरीउलसई ॥ त्र्प्रतिमुक्तकउल्लसंत ॥ १६ ॥
म्हा० ॥ तिलकादिकफूल्याघणं ॥ मलयाचलवायावाय ॥ म्हा० ॥ भ्रम
रगुंजारवकरीरह्या ॥ कोकिलशब्दसूणाय ॥ १७ ॥ म्हा० ॥ मदनपाम्रेबाल
वृक्षनें ॥ विकसीतकमलिणीथाय ॥ म्हा० ॥ काननसेवेबहुजना ॥ विरहन
दंपतीखमाय ॥ १८ ॥ म्हा० ॥ नगरमहर्द्धिकत्र्प्रावीत्र्प्रा ॥ इंणिसमेसूपती
पास ॥ म्हा० ॥ विनवेइंणिपरेंरायनें ॥ पुरोत्र्प्रम्हारीत्र्प्रास ॥ १९ ॥ म्हा० ॥
नित्यउछवछेयद्यपी ॥ तोपणित्र्प्राजवीसेस ॥ म्हा० ॥ उछवउपरिंहोयस्ये ॥
उछवजननेंत्र्प्रसेश ॥ २० ॥ म्हा० ॥ पाउधारोतिणेंराजीत्र्प्रा ॥ तवचिंतेम
हाराय ॥ म्हा० ॥ मोकलुंसमरादित्यनें ॥ देषेविचित्रसमवाय ॥ २१ ॥
म्हा० ॥ तोसमीहीतत्र्प्रम्हनिपजे ॥ उपजेकामविकार ॥ म्हा० ॥ इंमवि
चारीतेहनें ॥ साषेसूणोपरकार ॥ २२ ॥ म्हा० ॥ उछवबहुदेषावीत्र्प्रा ॥ कुं
लह्योपरमाणंद ॥ म्हा० ॥ हवेदेषावोकुमरनें ॥ तुमचोएहनरिंद ॥ २३ ॥
म्हा० ॥ कहेमहर्द्धिकरायनें ॥ किधोत्र्प्रमसूपसाय ॥ म्हा० ॥ इमकहिते
निजघेरगया ॥ तेम्रावेकुमरनेंराय ॥ २४ ॥ म्हा० ॥ वछस्थितीएत्र्प्रापणी ॥
मधुउछवथाइंत्र्प्राज ॥ म्हा० ॥ जोवाजाइंनरपती ॥ इंमसाषेंमहाराज ॥२५॥
म्हा० ॥ एमारगतुम्हेत्र्प्राचरो ॥ म्हेंजोयुंबहुवार ॥ म्हा० ॥ हर्षथस्येप्रजा
लोकनें ॥ तिमस्वजनपरीवार ॥ २६ ॥ म्हा० ॥ कुमरप्रमांणकरेहवे ॥ हर
ख्योरायत्र्प्रत्यंत ॥ म्हा० ॥ त्र्प्राणीकरेप्रतीहारनें ॥ जईसंसलावोतंत ॥ २७ ॥

म्हा० ॥ ज्ञानगरगमुखमंत्रीनें ॥ रथवरप्रमुखतयार ॥ म्हा० ॥ करीनेंकुम
रस्यूंनिकलो ॥ एहआणाअवधारि ॥ २८ ॥ म्हा० ॥ प्रतिहारेंजईहर्षथी ॥
संसलाव्योअवदात ॥ म्हा० ॥ तेपणिहरषेंतिमकरे ॥ रथवरतेहविख्यात ॥
॥ २९ ॥ म्हा० ॥ यंत्रयोधथाप्यातिहां ॥ वलिवैजयंतीपताक ॥ म्हा० ॥
घुघरीचिऊंदिशरणझणें ॥ पुण्यतणापरिपाक ॥ ३० ॥ म्हा० ॥ छत्रचाम
रघणुंसोहतां ॥ लटकेरयणनीदाम ॥ म्हा० ॥ आसनमांच्युतिहांकिणें ॥
इणिअवसरतिणेंठाम ॥ ३१ ॥ म्हा० ॥ कुंकमवस्त्रपहेरीकरी ॥ पात्रलोक
तिहांआय ॥ म्हा० ॥ विविधयानबेशीवली ॥ आवेसूजंगनप्राय ॥ ३२ ॥
म्हा० ॥ कुमरजोवानेंकारणें ॥ बहुतिहांराजकुमार ॥ म्हा० ॥ गोषेंरहिअ
तेउरी ॥ कुमरदर्शननेंआर ॥ ३३ ॥ म्हा० ॥ भूपआणाथीपरिवर्यो ॥ निकल्यो
तामकुमार ॥ म्हा० ॥ मीत्रअशोकादिकसहु ॥ चाल्याकुमरनीढार ॥ ३४ ॥
म्हा० ॥ वेठारथवरउपरि ॥ मीत्रनीसाथेंतेह ॥ म्हा० ॥ रथचाल्योहवेजे
तले ॥ जय २ शब्दकरेह ॥ ३५ ॥ म्हा० ॥ पात्रतेनाचेपगि २ ॥ पुठेराज
कुमार ॥ म्हा० ॥ कौतूकविविधप्रकारनां ॥ देषतांअतिवीस्तार ॥ ३६ ॥
म्हा० ॥ राजमारगतिहांआविआ ॥ निज २ लेईसमुदाय ॥ म्हा० ॥ रीध्धिवि
शेसेंसोहेघणुं ॥ अचरीजवीबुधनेंथाय ॥ ३७ ॥ म्हा० ॥ वाजित्रविविधप्र
कारनां ॥ देषतांलहेवैराग ॥ म्हा० ॥ लावनालावेएहवी ॥ अहो २ मोहअ
लाग ॥ ३८ ॥ म्हा० ॥ अहोअकार्यमांधीरता ॥ अहोचेष्टापरमाद ॥ म्हा० ॥
अहोदिरघदरसीनहीं ॥ अहोअणालोचितवाद ॥ ३९ ॥ म्हा० ॥ अहोसव
नीअशुद्धता ॥ अहोसंसारनोसंग ॥ म्हा० ॥ ईमचिंतवतांचालतां ॥ वाधेवै
राग्यतरंग ॥ ४० ॥ म्हा० ॥ तासस्वरुपविचारतो ॥ सारथीदाषेंतास ॥ म्हा० ॥
भिन्न २ कौतूकप्रति ॥ वाधतेहर्षउल्लास ॥ ४१ ॥ म्हा० ॥ नवमाखंडतणी
कही ॥ चोथीढालरसाल ॥ म्हा० ॥ पद्मविजयएहरासमां ॥ सुणतांमंगल
माल ॥ ४२ ॥ म्हा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ आगलिजातांइणसमें ॥ देउलपीठेंदिठ ॥ रोगेंपिड्योरगरगें ॥ नरए

कबेठेनीठ ॥ ४३ ॥ दिठोहाथज्यूंदोरमी ॥ परगटसूझ्यापाय ॥ अतिबीसठ
अशुचीअती ॥ मांषीदेहनमाय ॥ ४४ ॥ निकलीआंरातांनयण ॥ नाशातेल
हीनाश ॥ कुमरदेषीमनकर्मनी ॥ परिणतीचिंतेपास ॥ ४५ ॥ करुणाआणी
कुमरजी ॥ बुझववाबक्लोक ॥ सारथीनेंपुछेसषर ॥ रह्योएसाषोरोक ॥४६॥
नाटिकस्यूंएनीरषीइं ॥ तवआरथीकहेतेह ॥ नहिएनाटिकनाथजी ॥ अनि
व्याधेंग्रस्योएह ॥ ४७ ॥ कुमरकहेव्याधीकवण ॥ सारथीकहेसूजाण ॥ शरी
रसूंदरअसूंदरकरे ॥ विणकालेंएवियाण ॥ ४८ ॥ कुमरकहेएकापुरिस ॥
तातसहेकिमताम ॥ सारथीबोल्योसांसलो ॥ एहवध्यनहीआम ॥ ४ए ॥ कु
मरकहेवध्यकिमनही ॥ मागेरवमगमहंत ॥ व्याधीरहेतूंवेगलो ॥ अलवेकरूं
तूझअंत ॥ ५० ॥ अथवाजुध्वनेंआवितूं ॥ इष्टतूंघेउखलोक ॥इमआषीनेंउत
रयो ॥ सघलोमुंकीशोक ॥ ५१ ॥ चाल्योसनमुखतेचतूर ॥ तेदेषीनेंताम ॥
मिलिआलोकमहाजना ॥ कुंअरस्यूंकरेकांम ॥ ५२ ॥ ढाल ॥ घरिआवोह
रीनावीरसूधीरसामलीआजीरे ॥ एदेशी ॥ सारथीकहेसूणिसाहिबा ॥ म्हारा
वाहलाजीरे ॥ हणवायोग्यनएह ॥ उखरेह ॥ म्हा० ॥व्याधीनामेंननरअडशं॥
म्हा० ॥ कर्मनीपरिणतीजेह ॥ सक्देह ॥ ५३ ॥ म्हा० ॥ साधारणसक्जी
वनें ॥ म्हा० ॥ समरथनहीराणाराज ॥ जयकाज ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेपुर
जनसूणो ॥ म्हा० ॥ एकिमठेकहोआज ॥ अतीभाज ॥ ५४ ॥ म्हा० ॥ पु
रीजनकहेइमजसू ॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेसारकुमार ॥ म्हा० ॥ तोकिम
एवेसीरह्यो ॥ म्हा० ॥ बलनवीफोरवेलगार॥ इणीवार ॥ ५५ ॥ म्हा० ॥ सा
रथीकहेइंणिग्रह्यां ॥ म्हा० ॥ बलशवीनाशीजाय ॥ नशठाय ॥ म्हा० ॥ जो
रएहनुंचालेनही ॥ म्हा० ॥कुमरकहेतेकुणथाय॥सुषठाय॥५६॥म्हा०॥सारथी
कहेधरमीसणी ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेसूणोलोक ॥ सक्थोक ॥ म्हा० ॥ धर
मतेकरवोश्रेयठे ॥ म्हा० ॥ परमार्थेएहशोक ॥ सक्फोक ॥ ५७ ॥ म्हा० ॥
पुरीजंनकहेसाचुंकह्युं ॥ म्हा० ॥ पणिनंठवनोहोयसंग ॥ एकंग ॥ म्हा० ॥
लोकस्थितिनेंपालवा ॥ म्हा० ॥ नाटिकजोवोरंग ॥ सूचंग ॥ म्हा० ॥ ५८ ॥

सारथीकहेएसाचखूं ॥ म्हा० ॥ इंमकहेचाल्याजाय ॥ त्यांदेषाय ॥ म्हा०॥
एकनरनिजत्तवनेंरस्सो ॥ म्हा० ॥ मुखमांसासनमाय ॥ शिथिलाय ॥५ए॥
म्हा० ॥ केशगयाशीरनावली ॥ म्हा० ॥ नयणगलेश्रावेषास ॥ नहिकोपा
स ॥ म्हा० ॥ दांतपम्याापरीजनसवे ॥ म्हा० ॥ करेउपद्रवतास ॥ डखवास
॥ ६० ॥ म्हा० ॥ सेठसेठाणीएहवां ॥म्हा० ॥ देषिलहैवैराग्य ॥ महाज्ञाग्य
॥ म्हा० ॥ सारथीनेंकहेएकिस्यूं ॥ म्हा० ॥ नाटिकश्रसीनवलाग ॥ श्रथाग
॥ ६१ ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेनाटिकनही ॥ म्हा० ॥ एजरापीमीतसेठ ॥
॥डषवेठ ॥म्हा०॥कुमरकहेजराकुंणछे॥म्हा०॥डखदेवेइंमनेठा॥सलीपेठ॥६२ ॥
म्हा० ॥ तेकहेनवजीरणकरे ॥म्हा० ॥ लोकनेंश्रहीतनीकारकुमार॥म्हा०॥
कहेकिमतातउवेषता ॥ म्हा० ॥ सारथीकहेचित्तधारि ॥ तिवार ॥ ६३ ॥
म्हा० ॥ तातनेंश्रायत्तएनही ॥ म्हा० ॥ कुमरकहेतवइंमधरीप्रेम ॥ म्हा०॥
लावोखमगहएंकेश्रमे॥म्हा०॥नविश्रायतहोइंकेम ॥ जुउनेम॥ ६४ ॥म्हा० ॥
कहेरेपापिणीतूंजरा ॥ म्हा० ॥ मुंकितूंएहनोख्याल॥ संज्ञालि॥म्हा०॥ तुंजाते
श्रवलाश्रछे ॥ मा० ॥ जोमाहरीकरवालविकराल ॥ ६५ ॥ मा० ॥ सनमुख
उद्योतेहनें ॥ मा० ॥ लोकमिल्यांबक्रताम ॥ स्यूंश्रांम ॥ मा० ॥ सारथीक
हेश्रबलानही ॥ मा० ॥ उदारीकपरीणामएठाम ॥ ६६ ॥ मा० ॥ कालवसें
एनीपजे ॥ मा० ॥ उलंसोस्योतास ॥ विमासि ॥ मा० ॥ सक्रसाधारणएहछे
॥ मा० ॥ कुमरकहेसाचीसास ॥ केनास ॥ ६७ ॥मा० ॥ पुरिजनकहेसाचुं
कहे ॥ म्हा० ॥ तवकहेकुमरविचार ॥ धरीप्यार ॥ मा० ॥ खेदनकरस्यो
कोतूम्हे ॥ मा० ॥ एहकरेश्रपकार ॥ जनवार ॥ ६८ मा० ॥ एहथीपरास
वउपजे ॥ मा० ॥ हसवाजोग्यतेथायसुखजाय ॥ मा० ॥ धर्म्मरसायणठां
मीनें ॥ मा० ॥ कुंणविजोसूखदाय ॥ कहोसाय ॥ ६ए ॥ मा० ॥ सांसलीस
ऊकहेइंणिपरें ॥ मा० ॥ श्रहो२कुमरविवेक ॥ जगएक ॥ मा० ॥ श्रहोपर
मार्थदरसीपणं ॥ मा० ॥ श्रहो२धर्म्मनीटेक ॥ श्रतिरेक ॥ ७० ॥ मा० ॥
नयरीलोकस्यूंसारथी ॥ मा० ॥ लह्यासंवेगमहंत ॥ कहेतंत ॥मा० ॥ श्रति

अदसूततूम्हेंकह्युं ॥ मा० ॥ पणिश्रम्हमोहअनंत ॥ नहीसंति ॥ ७१ ॥मा०॥
सवअनादिअल्यासथी ॥ मा० ॥ मोहवासनानतजाय ॥ महाराय ॥ मा० ॥
कुमरकहेजेतजेनही ॥ मा० ॥ परिलवकरेजराय ॥ जमराय ॥ ७२ ॥मा०॥
इणसमेंदिठुंएहवुं ॥ मा० ॥ दरिद्रपुरुषमृतकोय ॥ खाटेंसोय ॥ मा० ॥ वस्त्र
जीरणउढ्यूंतिणें ॥ मा० ॥ दिनपुरुषेंलिउजोय ॥ बहुरोय ॥ ७३ ॥ मा० ॥
स्त्रीजनदुखणीरोवती ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवदेखि ॥ सहुपेखि ॥ मा० ॥ चिं
तामोहवासनातणी ॥ मा० ॥ रहेवाह्योसुविशेष ॥ स्यूंएष ॥ ७४ ॥ मा० ॥
एनाटिकअचरीजजस्यूं ॥ मा० ॥ सारथीकहेअवदात ॥ विख्यात ॥ मा०॥
मनचिंतेतेसारथी ॥ मा० ॥ संवेगकारणव्रात ॥ आयात ॥ ७५ ॥ मा० ॥
अहोसंसारअसारता ॥ मा० ॥ प्रतिबोधननिमीत्त ॥ धरीहित ॥ मा०॥ अण
जाण्यापरेपुछतो ॥ मा० ॥ साधुंयथारथरीति ॥ लहीप्रीति ॥ ७६ ॥ मा० ॥
कुमरसुणोकहेसारथी ॥ मा० ॥ एमृत्युइंमह्योआज ॥ करेताज ॥ मा० ॥
बंधुपणिराषेनही ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोस्यूंकाज ॥ कहोराज ॥ ७७॥मा०॥
किमराषेपुरीमांपीता ॥ मा० ॥ कहेसारथीनहीएह ॥ कोईदेह ॥ मा० ॥
मारीकीमसकीइंप्रसू ॥ मा० ॥ खमगलावोकहेतेह ॥ हणंजेह ॥ ७८ ॥
॥ मा० ॥ रेरेमृत्यूउत्तोरहे ॥ मा० ॥ जुझकरेमुझसंग ॥ धरीरंग ॥ मा० ॥
इंमकहीसाहमोदोमीउ ॥ मा० ॥ सारथीकहेतवचंग ॥ एकंग ॥ ७९॥ मा०॥
हणवायोग्यनएहछे ॥ मा० ॥ साधारणसहुजिव ॥ अतीव ॥ मा० ॥ आयु
करमनेंवससवे ॥ मा० ॥ कुमरकहेतवखीव ॥ अक्षीव ॥ ८० ॥मा० ॥ नय
रीजनपुछेकहे ॥ मा० ॥ सत्यप्रसूछेएह ॥ नसंदेह ॥ मा० ॥ कुमरकहेतोसा
रथी ॥ मा० ॥ बांधवछेमेकेह ॥ तसदेह ॥ ८१ ॥ मा० ॥ सारथीकहेजीव
तोगयो ॥ म्हा० ॥ रह्युंकलेवरतास ॥ डरवास ॥ मा० ॥ गुणसंसारीतेहना ॥
मा० ॥ रोवेसहुनीआस ॥ दुखराशि ॥ ८२ ॥ मा० ॥ नवमेखंमेएकही ॥
मा० ॥ रुमीपंचमीढाल ॥ रसाल ॥ मा० ॥ पद्मविजयएरासमां ॥ म्हा० ॥
सुणतांमंगलमाल ॥ विशाल ॥ ८३ ॥ मा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ दुहा ॥ अतीवल्लभसजोएहछे ॥ किमनवीजाइंकेम्हि ॥ कुमरकहेजाइंएककिम ॥ तेसज्जनवीगयोतेम्हि ॥ ८४ ॥ सारथीकहेसूणिसाहिबा ॥ कहिनजाइंकांय ॥ कर्मविचित्रकथाकही ॥ जिवविचित्रगतीजाय ॥ ८५ ॥ कुमरकहेजोइमकहो ॥ अहोहवेकिस्योउपाय ॥ सारथीकहेतुम्हेसांभलो ॥ जोगीगम्यजणाय ॥ ८६ ॥ अम्हेनजाणंएअरथ ॥ समरादित्यकहेसार ॥ कहोलोकोएकिमअछे ॥ सज्जकहेकहेस्वीकार ॥ ८७ ॥ तवकहेकुमरततषीणें ॥ एजोइमअधीकार ॥ सज्जएनाटिकथीसर्युं ॥ वारुहृदयविचार ॥ ८८ ॥ सांभलीसज्जसंवेगीआ ॥ पाम्याकेईप्रमाण ॥ समकितकेईशिवपंथनें ॥ जाणीकुंअरजाण ॥ ८९ ॥ माहणदेवसेनमुखें ॥ सांभल्योव्यतीकरसर्व ॥ अवनीपतीविहतोअती ॥ गयोतेचितथीगर्व ॥ ९० ॥ ढाल ॥ सखीचैत्रजमहिनेंचाल्या ॥ एदेशी ॥ तेम्हवामोकलेहवेराय ॥ वहेलाघरिआवोसाय ॥ सूणिकुमरआव्यानिजठायहोराजि ॥ ९१ ॥ मानोवचनहमारो ॥ एआंकणी ॥ आविवेसेरायनीपास ॥ रूपसाषेतवसूविलास ॥ मांगवुंकांयतुम्हसकासिहोराजि ॥ ९२ ॥ मा० ॥ तुम्हमानवुंपम्हस्येतेह ॥ कहेकुअरतवससनेह ॥ गुरुवयणलोपेकुणरेहहोराजि ॥ ९३ ॥ मा० ॥ नृपकहेतुम्हछेपरतीत ॥ पणितूम्हउपरिघणिप्रीती ॥ तिणेंकहिइंएइणिरितीहोराजि ॥ ९४ ॥ मा० ॥ जाउंकहेस्यूंअवसरपामी ॥ उठ्याकुंअरनृपशीरनामी ॥ निजउचितकरेनवीपामीहोराजि ॥ ९५ ॥ मा० ॥ वेठामित्रस्यूंवलीएकदिन्न ॥ करेधर्मकथाधनधन्य ॥ प्रतिहारआवीकहेकन्नहोराजि ॥ ९६ ॥ मा० ॥ तुम्हमाउलपासथीआया ॥ कोईकामेंमहंतसोहाया ॥ तिणेंतूम्हतेम्हेनररायाहोराजि ॥ ९७ ॥ मा० ॥ सूणिमीत्रस्युंकुमरतेआया ॥ प्रणमीवेठानीजठाया ॥ नृपबोलेसांसलोजायाहोराजि ॥ ९८ ॥ मा० ॥ खमगसेनमाउलतुम्हजेह ॥ कहेवरावेतुम्हनेंतेह ॥ दोयकन्यामुम्हरूपरेहहोराजि ॥ ९९ ॥ मा० ॥ विभ्रमवतीविभ्रमआणें ॥ कामलताकामीकरेप्राणें ॥ जीवथीअधिकितेवषाणेंहोराजि ॥ २०० ॥ मा० ॥ स्वयंवरातेदोयआई ॥ वरतोसज्जनीअनुंजाई ॥ परणोतूम्हेचित्तमांलाईहोरा

ज्ञि ॥ १ ॥ मा० ॥ तिणेंलहेस्यूंप्रेमसंतोस ॥ तेनृपनेंमोदनोपोस ॥गुरुवयणें
तूम्हनहीदोशहोराज्जि ॥ २ ॥ मा० ॥ कन्यापणिलहेआणंद ॥ इमसाध्यूंजा
मनरिंद ॥ चिंतेकुमरसूखकंदहोराज्जि ॥ ३ ॥ मा० ॥ पुर्वेतातेंपणिइंजाणं ॥
साध्यूंतेएहजठाणं ॥ तातवोलेंछेप्रतीशांणंहोराज्जि ॥ ४ ॥ मा० ॥ गुरुवय
णेतेकिमलोपाय ॥ गुरुवयणथीमंगलथाय ॥ तववोलेइमनररायहोराज्जि ॥
॥ ५ ॥ मा० ॥ नविकीजेंकांयविचार ॥ प्रार्थनापणिएहउदार ॥ करविअव
स्यनिरधारहोराज्जि ॥ ६ मा० ॥ कुमरेंतेहमानीवात ॥ नृपहरख्योसातेधात॥
कहेउचितएतुमअवदातहोराज्जि ॥ ७ ॥ मा० ॥ तुमधर्मतणोपचखान ॥ प
णिलोकमारगविख्यात ॥ अनुसरतांहोयसूखसातहोराज्जि ॥ ८ ॥ मा० ॥ उ
पजेवलीजबसंतान ॥ वयअतिक्रमेंजामजुवान ॥ तवसेववुंव्रतअसमानहो
राज्जि ॥ ९ ॥ मा० ॥ कुंअरकहेरुमुंथास्ये ॥ इंणिअवशरिघरनेंपासें ॥ सिद्धा
र्थपुरोहीतसासेहोराज्जि ॥ १० ॥ मा० ॥ एहमांनहीकांयसंदेह ॥ गजगुल
गुलशब्दकरेह ॥ वाजेमंगलतुरसनेहहोराज्जि ॥ ११ ॥ मा० ॥ बंदिवोलेज
य २ वाणि ॥ अनुकुलशकुनसझजाणि ॥ हरख्योनरपतीगुणषाणिहोराज्जि॥
॥ १२ ॥ मा० ॥ बोल्योकालनिवेदिताम ॥ मध्याह्नसमयथयोआम ॥ सूर
यआव्योमध्यठामहोराज्जि ॥ १३ ॥ मा० ॥ केईप्राणीकरतास्नान ॥ केई
देवपूजाकेईदान ॥ गुरुसूश्रुषासनमानहोराज्जि ॥ १४ ॥ मा० ॥ केईध्यान
मुंकीअणगार ॥ करवाजननेंउपगार ॥ गयागोचरीनेंअधीकारहोराज्जि ॥
॥ १५ ॥ मा० ॥ सूणीकुमरनेंआणाआपे ॥ करोकरणीउचिततेआपे ॥ प्रण
मेकुमरसूखव्यापेहोराज्जि ॥ १६ ॥ मा० ॥ राईबहुदिधांदांन ॥ नयरीशो
साअसमांन ॥ सूरलोकसरीसोवानहोराज्जि ॥ १७ ॥ मा० ॥ देवतानीपुजा
उकिधी ॥ नाचेपगें२पात्रप्रसीधी ॥ अंतेउरीहरषमांगिद्धिहोराज्जि ॥ १८ ॥
मा० ॥ मंगलवाजांबहुवाजे ॥ नृपतेंमगणएकसमाजें ॥ पुछेलगनविवाहनेंका
जेंहोराज्जि ॥ १९ ॥ मा० ॥ कहेपंचमीआजप्रधान ॥ नहिअवरकोएहस
मान ॥ वधावीलिइंराजानंहोराज्जि ॥ २० ॥ मा० ॥ खंमनवमेछठीढाल ॥

सूणतांहोयमंगलमाल ॥ कहेउत्तमवीजयनोबालहोराजि ॥ २१ ॥ मा० ॥
॥ डुहा ॥ आणाकरीअमात्यनें ॥ सामग्रीकरोसह्ह ॥ तहतिकरीतेपणितूरत ॥
करतातीमहिजकज्ज ॥ २२ ॥ शुसटनेंआपेसामटा ॥ आयुधअतिअवल्ल ॥
अंतेउरीनेंआपतां ॥ नानाआतरणनवल्ल ॥ २३ ॥ रथवरओलारूअमी ॥
गाजेवलीगजराज ॥ अंबामीअवरअमी ॥ सिंदूरादिकसाज ॥ २४ ॥ तुरंग
तयारकरयाअती ॥ करणीउचीतकरेय ॥ तोरणबांध्यांमणितणां ॥ ध्वजप
टकनकधरेय ॥ २५ ॥ सयलविधीकरयोसहजमां ॥ करीपुजाकुलदेव ॥
प्रणमीमावीत्रपाउलें ॥ मीत्रमानीस्वयमेव ॥ २६ ॥ रथवरवेगकुंअरजी ॥
सार्थेमीत्रनोसाथ ॥ परगटपरणवाचालीउ ॥ समरादित्यसनाथ ॥ २७ ॥
ढाल० ॥ कोमीसोनईंकासीदो ॥ म्हारावाहलाजीरे ॥ करनारोनहीकोय ॥
जईनेंकेज्यो ॥मा०॥एदेशी॥ परणवावरघोमेचढया ॥ वरराजाजीरे॥ नाचेप
गिं २ पात्र ॥ जोवाचालोवरराजाजीरे ॥ मंगलतूरवजावते ॥ वर ॥ लोकमि
ल्यातेअमात्र ॥ २८ ॥ जोवा० ॥ अंतेउरीरथमांरही ॥ वर ॥ गावेमंगलगी
त ॥ जोवा ॥ नयरीलोकआणंदिउ॥ व.॥ रायनेंहरषनमाय ॥२९॥ जोवा॥०
संवेगेसावीतमती ॥ वर ॥ वरमनअचरीजथाय ॥ जोवा० ॥ सवस्वरु
पचितचिंतवे ॥ वर ॥ लोककरेपरसंश ॥३०॥ जोवा० ॥ विवाहसवनेंआवी
आ ॥वर॥ उपनाउत्तमवंश॥जोवा॥ माहिरामांहिआविआ॥वर०॥दिठीकंन्या
दोय॥ ३१ ॥जोवा०॥गजदंतमयीजिमपुतली॥वर० ॥विभ्रमवतीतिहांजोय॥
॥जो०॥वरआसरणेंदेहमी॥वर०॥कुंकूंमविलेपनहोय॥३२॥जो० ॥कामलताव
लीओसती॥वर०॥इंद्रनिलमणीवाना॥जोवा०॥हरीचंदनविलेपीउ॥वर०॥राजेअ
तीअसमांन ॥ ३३ ॥ जो० ॥ कुमरदेषीमनचिंतवे ॥ वर० ॥ अहोसुंदरआ
कार ॥ जो० ॥ अहोलावण्यनिकलंकता ॥ वर० ॥ अहो २ विनयप्रकार॥
॥ ३४ ॥ जो० ॥ मुरतिआंतिघणीअछे॥ वर० ॥ जाणंहोस्येजोग्य ॥ जो०॥
करीआषीअगनीतणी॥वर०॥करेकंआरआरोग॥ ३५॥ जो० ॥ पाणिग्रहणइं
मनीपनो ॥ वर० ॥ फेराफरिआताम ॥ जो० ॥ उचितदानसवीदीधलां ॥

वर० ॥ किधांसघलांकांम ॥ ३६ ॥ जो० ॥ ईणिअवसररवीआथिम्यो॥ वर० ॥ उग्योनहंगणचंद ॥ जो० ॥ वाससूवनसजिउंतिहां ॥ वर० ॥ मणि दिपकनावृंद ॥ ३७ ॥ जो० ॥ कुसूमसज्यातिहांपाथरी ॥ वर० ॥ लटकेचं पकदाम ॥ जो० ॥ भमरावलीवलीरणझणे ॥वर०॥ पद्मवासेगंधवाम ॥३८॥ जो० ॥ दोयवधुबेठीजीहां ॥ वर० ॥ आव्यांतिहांकुमार ॥ जो० ॥ मित्रअ शोकादिकेंकरी ॥ वर० ॥ परवरीउपरीवार ॥ ३९ ॥ जो० ॥ उत्तीयइतेदोय वधु ॥ वर० ॥ कुमरसज्याइंनिष्पन्न ॥ जोवा० ॥ उचितथानिकबेठांसङ्क ॥ वर० ॥ मित्रनारीवङ्कपन्न ॥ ४० ॥ जो० ॥कुंदलताप्रमुखाजीके ॥ वर० ॥ सखीउबेठीपास ॥ जो० ॥ विभ्रमवतीनीकुंदलता ॥ वर० ॥ कामलतामानि नीषास ॥ ४१ ॥ जो० ॥ कुंदलतालावीदीइं ॥ वर० ॥ तंबोलकुसूमनीमाल॥ जो० ॥ विभ्रमवतीइंमोकली॥वर०॥ ल्योतूमेकूमररसाल ॥४२ ॥जो०॥निज करथीगुंथीअछइं ॥ वर० ॥ धरतिरागअत्यंत ॥ जो० ॥ मानिनीमाधवीकुसू मनी ॥ वर० ॥ मालामनमोहंत ॥ ४३ ॥ जो० ॥ कुमरनेंआपीइंमकहे ॥ वर० ॥ करोसफलअनुराग ॥ जो० ॥कुमरकहेकिमरागछे॥ वर० ॥ तवसा कहेलहीलाग ॥ ४४ ॥ जो० ॥ हरषविषादेबोलती ॥ वर० ॥ कुमरगंसीरसू णीवाणी ॥ जो० ॥ नामतुमारुंसांसल्यूं ॥ वर० ॥ तेदिनथीतूम्हकाण ॥४५॥ जो० ॥ थाइंदिन २ डबली ॥ वर० ॥ करेनीततूमचीवात ॥ जो० ॥ एहवी वातसूणीहवइं ॥ वर० ॥ चिंतवेकन्यातात ॥ ४६ ॥ जो० ॥ जुगतोरागए जाणीनें ॥ वर० ॥ मोकलीतूमनेंपाणि ॥ जो० ॥ सफलमनोरथनीपनो ॥ वर० ॥ आव्युंसघलुंठाणि ॥ ४७ ॥ जो० ॥ कुमरविचारेचित्तमां ॥ वर० ॥ छेमुक्तउपरिराग ॥ जो० ॥ रागीकहिइंतेकरे ॥ वर० ॥ कार्यअकार्यविसाग॥ ॥ ४८ ॥ जो० ॥ धर्मदेशनाकीजीइं ॥ वर० ॥ अवसरहिमणांएह॥ जोवा॥ इंमसमरादित्यचिंतवी ॥ वर० ॥ कहेजोप्रमपरिनेह ॥ ४९ ॥ जो० ॥ तो अहितेवरतावतां ॥ वर० ॥ किमलहिइंअनुराग॥जो० ॥मानिनीकहेईमकिम कंहो ॥ वर० ॥ कुमरकहेसूणोवाग ॥ ५० ॥ जो० ॥ सातमीनवमारवंम्मां॥

वर० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ जोवा० ॥ पद्मविजयसोहामणी ॥ वर० ॥ ढालअधीकउल्लास ॥ ५१ ॥ जोवा० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सूणोदृष्टांतसोहामणो ॥ कामरुदेशकहंत ॥ नामेंमदनपुरवरनयर ॥ प्रद्युम्ननृपपसणंत ॥ ५२ ॥ रतिराणीरतीरुपथी ॥ विषयनोसूखविलसंत ॥ नृपरअवानेंनीकल्यो ॥ रहवामीसूरमंत ॥ ५३ ॥ राणीतवगोषेंरही ॥ राजमारगनीरषंत ॥ विमलमतीसत्थवाहसूत ॥ शुसंकरनामसोहंत ॥ ५४ ॥ जौवनवयतसजाणीनें ॥ उपनोअतिअविवेक ॥ अवलोकेंआदरकरी ॥ असीलाषाअतीरेक ॥ ५५ ॥ तसदृष्टीथईतेहपणि ॥ गिरधरथयोगमार ॥ चित्तजाणएअतीचतूर ॥ राणिहृदयविचार ॥ ५६ ॥ एकदेशोंउत्तोरह्यो ॥ जाणीजालनीनाम ॥ दाशीनेंदेषावती ॥ आणितुंएहनेंआम ॥ ५७ ॥ कामीहृदयहोयअतीकठीन ॥ लेईआवितेल्हार ॥ पल्यंकेबेठेपछें ॥ वासगृहेतिणिवार॥ ॥ ५८ ॥ बिहुंदिशंतंबोलनुं ॥ अर्द्धमहुंईणेंएह ॥ सुणिउंशब्दईणिसमें ॥ कलयलवंदिकरेह ॥ ५९ ॥ ढाल ॥ आजगईतीहुंसमवसरणमां ॥ एदेशी ॥ राणीवीचारेएसूपतीआव्यो ॥ हवेनहीअन्यउपायरे ॥ घाल्योबाहिरजवानेंथानीक ॥ आव्योहवेनररायरे ॥ ६० ॥ शीलपालोसविसावधरीनें ॥ शिलेंश्यदगतीहोयरे ॥ शीलविराधननांफलएहवां ॥ इहसवमांपणिजोयरे॥६१॥शी०॥ रायकहेवारकनरतेमो ॥ शौचकरेवाजावुंरे ॥ शुसंकरसूणीचीत्तविचारे॥ मरणअवस्यईहांपावुंरे ॥ ६२ ॥ शी० ॥ मरणविकलहीपम्यो‌संमासे ॥ महाउरगंधअंधकारोरे ॥ विष्टाकूपकमीकूलेंव्यापीत ॥ पमीउतेहमांकिनारोरे ॥ ६३ ॥ शी० ॥ अशुचिसरीउकमीईषाधो ॥ दृष्टीप्रचाररोकाणोरे ॥ अंगशंकोच्युंवेदनपाम्यो ॥ आकुलहोयतिणठाणोरे ॥ ६४ ॥ शी० ॥ अंगरक्कनृपनेंतिहांजोयुं ॥ आव्योनृपतिणठायोरे ॥ शरीरस्थीतीकरीनेंफीरीआयो ॥ राणीस्यूंकालगमायोरे ॥ ६५ ॥ शी० ॥ सांझेरायससामांपोहतो ॥ राणीतवजोवरावेरे ॥ नविदीठेतवकहेईमरांणी ॥ कहोसाईउकिहांजावेरे ॥ ॥ ६६ ॥ शी० ॥ दाशीकहेएमरणनासयथी ॥ पमीउकूपसफारोरे ॥ चि

तातितथईतवराणी ॥ मृतजाण्योनीरधारोरे ॥ ६७ ॥ श्री० ॥ तेहशुसंकरङ
खथीपीड्यो ॥ सवितव्यतानेंजोगेरे ॥ आयुबलेंकोईकालगमावे ॥ अशुची
रसपानसोगेरे ॥ ६८ ॥ श्री० ॥ विष्टाकुपशोधननेंकाजें ॥ उघाड्योतेद्वार
रे ॥ अशुचिनिर्गममारगेंनीकल्यो ॥ रातिसमयतिणीवाररे ॥ ६९ ॥ श्री० ॥
देहछवीविणठीनेंनाठा ॥ नखनेंकेशवीरुपरे ॥ किमहीकछ्अंगपखालीनिजघ
रि ॥ पोहतोकष्टसरुपरे ॥ ७० ॥ श्री० ॥ बीहनोपरीजनसयथीकूणए ॥ ते
हकहेमतबीहोरे ॥ शुसंकरङंपितातवपुछे ॥ विमलमतीमतीलीहोरे ॥ ७१ ॥
श्री० ॥ स्यूंतेंकीधुंजिणेंइमङ्छ ॥ तवकहेपुत्रविचारोरे ॥ मरणलह्योमतजा
णोपीताजी ॥ तेहजङ्अवधारोरे ॥ ७२॥श्री०॥ पणिजेकरणीथीइमङ्छ॥तेसं
सलावुंअ्सागरे॥करीएकांतनेंसाघ्यूंसघलूं॥सांसलीतातविरागोरे॥७३॥श्री०॥
वातरहीतघरमांतसथापे ॥ सहस्रपाकादिकतेलेरे॥ परीमर्दनकरीनेंतसतातें॥
मुलस्वरुपकरीमेलेरे ॥ ७४ ॥ श्री०॥ एकदिनदेवतायतनेंजातां ॥ रतिराणीइं
दिठोरे ॥ पुरवनीपरिंजालणीमुंकी ॥ तेम्रावेकहीमीठोरे ॥ ७५ ॥ श्री० ॥ मो
हदोषेंकरीतेपणिआव्यो ॥ थयुंवलीपुरवरीतेंरे ॥ कुपथीनीकल्योवलीसङ्
ङ्छ ॥ केईककालव्यतीतेरे ॥ ७६ ॥ श्री० ॥ वलिइंणिरीतेंकस्युंफरीजीव्यो ॥
इमबङ्वारगयोआव्योरे ॥ एदृष्टांतकह्योहवेपुछुं ॥ कहोचित्तमांजोसाव्योरे॥
॥ ७७ ॥ श्री० ॥ रतीनेंरागहतोकेनांही ॥ मानिनीकहेपरमार्थेंरे ॥ रागनही
वलीबुद्धीरहीतसा ॥ कुमरकहेतसअर्थेंरे ॥ ७८ ॥ श्री ॥ रागनहीमुझउपरि
एहनो ॥ परमार्थेंबुद्धीहीनरे ॥ इर्ष्याकारणचपलस्वसावे ॥ सोगवांछेएदीनं
रे ॥ ७९ ॥ श्री० ॥ वस्तुतत्वनसमझेकांई ॥ डरलसनरअवताररे ॥ सवसमु
द्रमांपांमीनकरे ॥ धर्म्मतेमुंढगमाररे ॥ ८० ॥ श्री० ॥ संहरेत्रणिसूवननेंमृ
त्यू ॥ सहेजेक्रूरस्वसावरे ॥ नविचारेएहनेंवशआपण ॥ किमधरेविषयवी
सावरे ॥८१॥श्री०॥ अहितेवरतावेतेकारण॥ मुझउपरिनहिरागरे ॥ इंमसांस
लीवङ्दायबुझी ॥ लहेसंवेगविरागरे ॥ ८२ ॥ श्री० ॥ शुद्धसावनाइंकर्म
खप्यांवङ् ॥ पामीदेशचारीत्तरे ॥ अश्वाप्रतीश्रायेंकुमरनापदजुग ॥ प्रणमे

अतीसूविनीतरे ॥ ८३ ॥ श्री० ॥ विभ्रमवतीकहेमोहगयोभ्रम ॥ उपनुंस
म्यगनाणरे ॥ विषयरागटलीउंसवस्तयथी ॥ पीउतूम्हवचनप्रमाणरे ॥ ८४ ॥
श्री० ॥ कामलतापणिइंमहीजसाषे ॥ तवसमरादीत्यसासेरे ॥ सलेंतूमेंमानव
नोसवपांम्यां ॥ कुशलबुद्धीजिणेंपासेंरे ॥ ८५ ॥ श्री० ॥ तिणेंतूम्हविषय
त्यागघटेकरवो ॥ मोहजनीतमोहहेतूरे ॥ मोहस्वरुपमोहानुबंधी ॥ संक्लेश
तिमशमवेतूरे ॥ ८६ ॥ श्री० ॥ संक्लेशजनीतनेसंक्लेशहेतू ॥ तिमसंक्लेशअ
नुबंधेरे ॥ जावजीवउंमोमोहचेष्टा ॥ कुशलबुद्धीनेंसंधेरें ॥ ८७ ॥ श्री ०॥
इत्यादिकवयणांसूणीश्रवणें ॥ बोलेवधुटीदोयरे ॥ जावजीवपच्चख्यूंअमेंअ
ब्रम्ह ॥ हरष्योकुमरतेसोयरे ॥ ८८ ॥ श्री० ॥ नवमेखंमेढालअनोपम ॥
॥ आठमीअदसूतसाषीरे ॥ पद्मविजयकहेधन्यएदंपती ॥ जिणेंएहवीमतिरा
षीरे ॥ ८९ ॥ श्री० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ डहा ॥ हरष्योकुमरहैयाथकी ॥ कहेअहोहलूआंकर्म ॥ धन्यताउपसम
धीरता ॥ धारकअहोपतिधर्म ॥ ९० ॥ इहलोकनीइहानही ॥ अहोगंसिर
अपार ॥ इंमचिंतिआषेंइस्युं ॥ साधुकरयुंसुखकार ॥ ९१ ॥ मेंपणिजाव
जीवमुणो ॥ चोथुंव्रतकरयुंचित्त ॥ अहो २ शासनआदरयुं ॥ मुखथीकहे
सज्जमीत्त ॥ ९२ ॥ कुसूमवृष्टिदेवेंकरी ॥ उत्तमअध्यवशाय ॥ चिंतेकुमरवि
चारइंम ॥ शुसपरिणामसूहाय ॥ ९३ ॥ तदावरणषइंतेहनें ॥ अवधीज्ञानउ
त्पन्न ॥ त्रिहुंकालजाणेंतदा ॥ प्रगटसंवेगप्रपन्न ॥ ९४ ॥ व्यतिकरसूणिप्र
थवीपती॥प्रतीहारनेंपास॥सांसलीराणीपणिसवे॥वलतोकरेविषास॥९५॥ अण
घटतुंअवनीपती॥कहेकामएकीधा॥राणीकहेरोतीथकी॥लाहविषयनविलीधा॥
॥९६॥ढाल॥पूछेप्यारीनेंघन्नोप्रेमस्यूंहोनारी ॥ सूकूलीनी॥ एदेशी ॥ इंणसमे
आवीदेवांगनाहो ॥ सूणोसूपती॥हैइंविराजेहार ॥ सज्जनमोहेजिहोराजि ॥
मुगटकुंम्लकटकेंकरीहो ॥ सु० ॥ कटिमेखलाखलकार ॥९७॥ सज्ज॥ देवडु
ष्यथीसोहतीहो ॥ सु० ॥ मणिनेउररणकार ॥ स० ॥ बावनाचंदनलिपीउंहो
॥ सु० ॥ सूरतरुकुसूमनेधारि ॥ ९८ ॥ स० ॥ मणिदिवापरेंदिपतिहो॥ सु०॥

सोमवदनअत्यंत ॥ स० ॥ देषीवीस्मयपामीआहो ॥ सु० ॥ हरषविषादेनमं
त ॥ ए९ ॥ स० ॥ बोलेतामदेवांगनाहो ॥ सु० ॥ मकरोचीत्तवीषाद ॥स०॥
कुमरेंघणंजुगतूंकर्युंहो ॥ सु० ॥ टाल्योसवविषवाद ॥ २०० ॥ स० ॥ मो
कुमारगइंणिंसाधीउंहो ॥ सु० ॥ अमृतपत्युंतज्यूंकेर ॥ स० ॥ आपदाउरेंक
रीइंणेंहो ॥ सु० ॥ पुरुषातमइंणिपेर ॥ १ ॥ स० ॥ कूडताटालीउदारताहो
॥ सु० ॥ किधीअंगीकार ॥ स० ॥ तिणेंकुतारथएहछेहो ॥ सु० ॥ धन्यतूम
कुलअवतार ॥ २ ॥ स० ॥ राणितुम्हेंपणिछोमियोहो ॥ सु० ॥ नहिसो
चवायोग्यजेह ॥ स० ॥ शाश्वतसूखइंणिआदर्युंहो ॥ सु० ॥ धन्यतूफकु
खजिहांएह ॥ ३ ॥ स० ॥ बहुजननेंशिवसूखतणहो ॥ सु० ॥ कारणतूफ
सूतनेम ॥ स० ॥ तिणेंवेषासउरेंकरोहो ॥ सु० ॥ नरपतीकहेतवइम ॥ ४ ॥
स० ॥ कुंणतूमेछोतेकहोहो ॥ सु० ॥ देवीकहेसूणिवाणि ॥ स० ॥ खगग्रह
रणेंउलषीहो ॥ सु० ॥ सूदरीसणाअसीहांण ॥ ५ ॥ स० ॥ तुफसूतगुणअ
नुरागिणीहो ॥ सु० ॥ रङ्गतूफसवनमकार ॥ स० ॥ रायराणीसुणीहरषीआं
हो ॥ सु० ॥ धन्यगुणवंतकुमार ॥ ६ ॥ स० ॥ देवतापणिरागीहोइंहो ॥ सु०॥
देवताबोलेतांम ॥ स० ॥ कुमरप्रसावघणोअछेहो ॥ सु० ॥ चालोजईइंतेगं
म ॥ ७ ॥ स० ॥ धरमपिफनिहालिइंहो ॥ सु० ॥ कहेतेकरीइंकांम ॥ स० ॥
देवीप्रणमीनेंचालीआहो ॥ सु० ॥ कुमरसमीपेंजाम ॥ ८ ॥ स० ॥ अवधि
कुमरेंजांणिउहो ॥ सु० ॥ हरषेंउसाथाय ॥ स० ॥ प्रणम्यामावीत्रपाउलेंहो॥
सु० ॥ बेठाआसणठाय ॥ ए ॥ स० ॥ प्रणमीपुछेतातनेंहो ॥ सु० ॥ किमआ
व्यातूमेएथ ॥ स० ॥ अणघटतूंएकिधलूंहो ॥ सु० ॥ मुफनवीतेम्योतेथ ॥
॥१०॥ स० ॥ नृपकहेदेवीइंसाषीउंहो ॥ सु० ॥ तूमवृत्तांतअशेष ॥स० ॥ रा
णिकहेगुणवंततूंहो ॥ सु० ॥ किमदिजेंआदेश ॥११ ॥ स० ॥ कुमरकहेतुमे
गुरुजनाहो ॥ सु० ॥ तूमआणाकरूंजेह ॥ स० ॥ गुणवंतपणंमुफतोरहेहो
॥ सु० ॥ रायकहेसुणोएह ॥ १२ ॥ सु० ॥ डःकरकामतूम्हेंकर्युंहो ॥सु० ॥
समरादित्यकहेवाणि ॥ स० ॥ नहीडःकरइंहांसांसलोहो॥ सु० ॥ च्यारपुरुष

नुंकहांए ॥ १३ ॥ स० ॥ केईकंच्यारपुरुषहताहो ॥ सु० ॥ द्रव्यंइतकर्तिहां
दोय ॥ सं० ॥ दोयविषयनालोलपीहो ॥ सु० ॥ मारगपमीवंज्यासोय ॥
॥ १४ ॥ स० ॥ कोईकथांनिकपेषिउहो ॥ सु० ॥ मणिरत्नकनकनीरा
शि ॥स० ॥ नारीदोयरंतासमीहो ॥सु०॥ करतीअतीसूविलास॥ १५॥ स० ॥
जेपामवुंतेपामीआहो ॥ सु० ॥ सनमुखचाल्याताम ॥ स० ॥ वांणिथईईए
अवसरेंहो ॥ सु० ॥ मासाहसकरोआम ॥ १६ ॥ स० ॥ मस्तकउपरिपेष
ज्योहो ॥ सु० ॥ परवतंपमस्येएह ॥ स० ॥ उंचुंजोतांदेषीउहो ॥ सु० ॥ रौ
द्रदर्शनथीजेह ॥ १७ ॥ स० ॥ व्यापीरह्योआकाशनेंहो ॥ सु० ॥ वारीनवी
कीइंतेह ॥ स० ॥ तेपणिपमतोपेषीउहो ॥ सु० ॥ तांसउपायनरेह ॥ १८ ॥
स ०॥ इंणिसमेवांणीसूणीतिहांहो ॥ सु० ॥ जेइछेअडकाम ॥ स० ॥ मरण
लहेतेइंणिपरेंहो ॥ सू० ॥ वलीलहेडखगाम ॥ १९ ॥ सं० ॥ जेहनीरीहएदो
यथीहो ॥ सू० ॥ लावेअसारतातास ॥ स० ॥ तोक्रमेंरदूरेंषसेहो ॥ सू० ॥
कालेउपद्रवंनाश ॥ २० ॥ स० ॥ तवएकेकतेचिंतवेहो ॥ सू० ॥ जेथानार
तेथाय ॥ स० ॥ पणिएतोनवीछोमीइंहो ॥ सू० ॥ सिघ्रतेलेवाजाय॥२१॥स०॥
बिजापणिमनचिंतवेहो ॥ सु० ॥ अर्थविषयस्यूंनकाज ॥ स० ॥ जेहनाकटू
कविपाकछेहो ॥ सू० ॥ इंमकरीकरताताज ॥ २२ ॥ स० ॥ डःकरकारकेहा
कहोहो ॥ सू० ॥ तातविचारोचित्त ॥ स० ॥ रायकहेजेप्रवत्तिआहो ॥ सू०
लेवाविषयनेंवित्त ॥ २३ ॥ स० ॥ डःकरकारीतेघणाहो ॥ सू० ॥ नविचारे
जेविवाग ॥ स० ॥ बिजानुंडकरकिस्यूंहो॥सु०॥ जुक्तकरेजेताग॥२४॥सं०॥
नवमीनवमाखंममांहो ॥ सु० ॥ समरादित्यनेंरास ॥ सं० ॥ पद्मविजयसो
हामणीहो ॥ सु० ॥ ढालअथीकउल्लास ॥ २५ ॥ सऊ० ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ पर्वतपमतोपेषीउ ॥ तेआयुअसराल ॥ सूरअसूरांनहिआसरो ॥
सिषणंअतीलयाल ॥ २६ ॥ असमंजसकारकअती ॥ विषसमजासविपाक॥
विषयनोत्यागवषाणीउ ॥ अमृतसमआपाक॥ २७॥ केशरहीतकुंअरकहे ॥
सूखथीएसेवाय ॥ अर्थत्यागंपणिइंणिपरें ॥ स्यूंडःकरसमजाय ॥ २८ ॥ रा

यकहेरुकुंकह्युं ॥ मोहमांपणिमुंझाय ॥ कुमरपीतानेंतवकहे ॥ डरदंतएडख
दाय ॥ २९ ॥ मरणदेषेनिजमस्तकें ॥ व्यापेजराविशेश ॥ वीर्यगलेवारूपरें॥
दिइंवलीगुरूउपदेश ॥ ३० ॥ दोषनआणेंदृष्टिमां ॥ करेअकारयकांम॥ जि
नवरदेषाम्योजीके ॥नघरेधर्मनुंनांम ॥ ३१ ॥ इंमसांभलीअवनीपती ॥ सणें
धरीशुभसाव ॥ जेंमकह्युंतेतिमजछे ॥ देविपणिइंणिदाव ॥ ३२ ॥ ढाल ॥ मां
षीनागीतनी ॥ साहिबसांभलिवीनती ॥ एदेशी ॥ मायकहेवछसांभलो ॥ अ
मवरूपणिछेआय ॥ कुअरजी ॥ तूमउपदेशसुण्योवली ॥चितानहीतिणेंकांय॥
कु० ॥ ३३॥ मा० ॥ पणिउदवेगएउपजे ॥ वालायौवनवेस ॥ कुं० ॥ मनवं
छिततसनवीथयुं ॥ तिणेंउदवेगवीशेश ॥ कुं० ॥ ३४ ॥ मा० ॥ कुंअरकहे
नकरोतूम्हे.॥ मनउदवेगलिगार ॥ माताजी ॥ मनवांछीतएहनुंथयुं ॥ धन्यए
हनोअवतार ॥ मा०॥३५॥मा०॥ मोहविजएणिइंलह्युं ॥ सांभलीएहवीवात ॥
माताजी ॥ वछमुखसाहमुंदेषीउं ॥ तवबोलीसूणोमात ॥ मा० ३६ ॥ मा० ॥
तुम्हेस्नेहेंकरीइंमकहो ॥ पणिसरीउंअम्हकाज ॥ मा० ॥ आर्यपुत्रघरणीत
णो॥सब्दलह्योअमेआज ॥ मा० ॥ ३७ ॥ मा० ॥ तुम्हप्रसावथीनीपनुं ॥ अ
ममनवंछीतजेह ॥ मा० ॥ धर्मकह्योवीतरागनो ॥ उपदेस्योपीउतेह ॥ मा० ॥
॥ ३८ ॥ मा० ॥ तिणेंउदवेगनकीजीइं ॥ राणिवीचारेताम ॥ कु० ॥ अहोरु
पनेंउपसमघणो ॥ जाणेपरमार्थतेआम ॥ कु० ॥ ३९ ॥ मा० ॥ गुरूभक्ति
अहोकेहवी ॥ अहो २ वयणविन्यास ॥ कुं० ॥ अहोगंभीरताएहनी ॥ इंम
चिंतीकहेतास ॥ कुं० ॥ ४० ॥ मा० ॥ खग्गसेनपुत्रीतणुं ॥ उचिततेघटतूं
इंम ॥ कुं० ॥ इंणिपरिकरतांवातझी ॥ वातसूणोएकप्रेम ॥ कुं० ॥ ४१ ॥
मा० ॥ विप्रपुरंदरनांमथी ॥ रायसूवननेंपास ॥ कुं० ॥ कोलाहलतिहांबहुथ
यो ॥ जेहसूणीहोयत्राश ॥ कुं० ॥ ४२ ॥ मा० ॥ रायकहेनिजपुरूषनें ॥
जाउषबरकरोएह॥ कुं०॥ कुंअरकहेमतजायजो ॥जांणुंछुंछेजेह ॥ पीताजी
॥४३॥ कुंअरकहेतूमेंसांभलो॥एआंकणी॥एसंसारविलासछे॥रायकहेतेकेंम ॥
कु०॥ कुमरकहेएसहजो॥अरघमुउजवनेम॥पिताजी॥४४॥कु०॥ तिणेंसहुस

ऊनरोवतां ॥ नृपकहेदिगेआज ॥ कुं० ॥ कुंअरकहेकारणनही ॥ मरणथ
मिंनरराज ॥ पिता ॥ ४५ ॥ कुं० ॥ एहनेंरोगहतोनही ॥ नृपकहेकिममुउइं
म ॥ कुं० ॥ कुमरकहेअवाच्यछे ॥ निंदितछेवलीतेम ॥ पिता ॥ ४६ ॥ कु०॥
नृपकहेसंसारमां ॥ स्युंनहीनिंदितहोय ॥ कुं० ॥ पणिकौतिकमुफएअछे ॥
संसलावोतुम्हेओय ॥ कु० ॥ ४७ ॥ कुं० ॥ कोईविस्तारनहीलहे ॥ नहिदू
रजनकोएथ ॥ कुं० ॥ कुंअरकहेमतइमकहो ॥ सुणोजेनीपनुंतेथ ॥ पीता०॥
॥ ४८ ॥ कु० ॥ नर्मदानारीछेएहनें ॥ तिणेंदिधुंछेफेर ॥ पीता ॥ मोकलोवैद्य
उतावला ॥ आंणीमनमांमहेर ॥ पीता ॥ ४९ ॥ कु० ॥ उषधेजीवेतेजथा ॥
वलीएहनीजेपोलि ॥ पीता ॥ नैरुतकूंणेंकूतरो ॥ एपणिएहनेंतोल ॥ पिता ॥
॥ ५० ॥ कु० ॥ एहजफेरतेदिधलूं ॥ एहजविधीकरोतास ॥ पीता ॥ जिव
स्येतिणेंएविऊंजणां ॥ रायनेंथयोउल्लास ॥ पीता ॥ ५१ ॥ कुं० ॥ अहोज्ञान
जुउकुमरनुं ॥ इमकहीवैद्यनेंतेम्हि ॥ पीता० ॥ सीषवीनेंतीहांमुंकीआ ॥ नि
जनंरनेंतेकेम्हि ॥ पी० ॥ ५२ ॥ कुं० ॥ नृपपुछेहवेकुमरनें ॥ स्युंइणमारणहे
त ॥ पीता ॥ कुमरकहेअवीवेकछे ॥ तोपणिएसंकेत ॥ पीता ॥ ५३ ॥ कु० ॥
वाहलीपुरंदरनेघणी ॥ तोपणिनारीअज्ञान ॥ पी० ॥ अर्जूनदासजेनीजघरें॥
तेहंस्युंलागोतान ॥ पी० ॥ ५४ ॥ कुं० ॥ श्रवणपरंपरासांसल्यूं ॥ मान्यूं
नविप्रेंतोहिं ॥ पी० ॥ इमकेईकालवहीगयो॥मातकहेहवेमोहि॥पी०॥५५॥
कु० ॥ पुत्रनसुंदरवऊअछे ॥ उवेषेछेकेम ॥ पी० ॥ थायसंताननात्रावली ॥
सांसल्युंविप्रेंइम ॥ पी० ॥ ५६ ॥ कु० ॥ सांसलीवामवचितवे ॥ इमसाषेछे
मात ॥ पी० ॥ प्राणप्रियाएनारीछे ॥ किमहोस्येएवात ॥ पी० ॥ ५७ ॥ कु०॥
दत्रामीनवमाखंममां ॥ पद्मवीजयकहीढाल ॥ पी० ॥ समरादित्यनारासमां॥
आगलिवातरसाल ॥ पी० ॥ ५८ ॥ कु० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ उहा ॥ सासूवऊनेंसंपनही ॥एहवोपणिअवदात ॥ वलीविशेषथीगुणवती ॥
मत्सरनहीमुफमात ॥ ५९ ॥ एतलाकालगेंअही॥सेदनजाण्योसाय ॥ नारीप
णिछेनीरमली ॥ स्योकीजेंव्यवसाय ॥ ६० ॥ चंचलनारीतेचीत्तथी ॥ इमसा

षेअणगार ॥ तेपणिनवीयाइंवितथ ॥ विषमाकामवीकार ॥ ६१ ॥ परीक्षा
करुंतिणेंपाधरी ॥ इंमचिंतीएकांत ॥ साषेनर्मदासामिनी ॥ खमज्योमनथ
रीखांति ॥ ६२ ॥ महिपतीआणाइंमाहरे ॥ जवुंमाहेसरजाम ॥ शिघ्रआवी
स्यूंसूंदरी ॥ केईकदिनठेकांम ॥ ६३ ॥ रहेज्योरूमीरीतीस्यूं ॥ नर्मदाकहे
तवनारि ॥ आर्यपुत्रजुंआवस्यूं ॥ नहिरजुंजुंनिरधार ॥ ६४ ॥ ढाल ॥ अईमी
तमस्यूंएकवारसलूणीबोलोहो ॥ एदेशी ॥ तुमवीनजुंनवीरहीसकुंरे ॥ इमक
हीरूदनकरेय ॥ पुरंदरकहेसूंदरी ॥ स्नेहेंकायरतामधरेय ॥ ६५ ॥ चरीत्रन
हीरूमोहो ॥ अहोकोईनलहेएहनोपार ॥ चरी० ॥ माहरेतिहांकांयडुखनथी
रे ॥ तवकहेवचनप्रमांण ॥ पणिजोमोमाआवस्योतो ॥ माहराजास्येंप्राण ॥
॥ ६६ ॥ चरि० ॥ बिजेदिवसेनिकल्योरे ॥ बाहिरदिवसगमाय ॥ रजनीइंपे
ठेगेहमां ॥ करीमायारहोएकठाय ॥ ६७ ॥ चरी० ॥ मध्यरातिवासगेहमां
रे ॥ सूतांदिठांदोय ॥ सूरत्तप्रयासनाखेदथीरे ॥ निद्रामांआव्यांसोय ॥ ६८॥
चरी० ॥ कोपेंअतीघणंकलकल्योरे ॥ नाठोदूरिविवेक ॥ चिंतवेजलस्यूंपा
लवो ॥ नारिनेंतआपनीटेक ॥ ६९ ॥ च० ॥ पणिअर्जुनएडुष्टछेरे ॥ सोगवे
माहरीनारि ॥ मारूंएहनेंचिंतवी ॥ कस्योसूतानेंप्रहार ॥ ७० ॥ चरी० ॥ मा
रीतवासनागेहथीरे ॥ रहीउघरएकदेश ॥ जोउंनारीहवेस्यूंकरे ॥ तिहांरुधीर
फरसथयोलेश ॥ ७१ ॥ चरी० ॥ तेहथीजागीजोईउरे ॥ मरणलह्योतेजा
र ॥ चिंतवेहाहामरीगयो ॥ मुझजेहस्यूंअतिशयप्यार ॥ ७२॥ चरी० ॥ मंद
सागिणीजुंघणीरे ॥ किणेंमारयोमुझस्वामि ॥ मारिनमुझनेंपापिइं ॥ किमजी
वतीरजुंइंणठामि ॥ ७३ ॥ चरी० ॥ गईहवेरतीसूखनीकथारे ॥ इंमचिंतीषणें
षाझि ॥ घाल्योअर्जुननेंतिहां ॥ डुखधरतीअतीगाढ ॥ ७४ ॥ चरी० ॥ जोइ
नेंहवेनीकल्योरे ॥ पोहतोइछितठाण ॥ सापणितिणथानिककरे ॥ वेदिकात
सतनुंअहीनांण ॥ ७५ ॥ चरी० ॥ नारीनहीरूमोहो ॥ एआंकणी ॥ दिपक
रेनेंवलीदीइंरे ॥ पुजेप्रतीदीनतास ॥ आलिंगनवलीतीहांकरे ॥ इंमस्नेहेंअन्नां
णवीलास ॥ ७६ ॥ ना० ॥ आव्योपुरंदरअन्यदारे॥ देषाम्योनवीकार ॥ केह

कदिनइंणिपरेंजता ॥ देषेपुजानीतजार ॥ ७७ ॥ नारी० ॥ चिंतवेअहोएमुं
ढतारे ॥ अहोकेहवोछेराग ॥ अथवाएहवीसास्त्रमां ॥ साषीछेनारीअताग ॥
॥ ७८ ॥ नारी० ॥ पणिसूधाधारनारीकहीरे ॥ रूषीइंसास्त्रमझार ॥ तिणेंम
नमांनेंतेकरो ॥ मुझकाजनतासलगार ॥ ७९ ॥ नारी० ॥ इमचिंतवीपुरवप
रैंरे ॥ लोगवेतेहस्यूंलोग ॥ बारवरसइंमवहीगयां ॥ एतोमोहनीकर्मनाजोग
॥ ८० ॥ नारी० ॥ इमकरतांगतपांचमेंरें ॥ दिवसेंरांध्यूंअन्न ॥ ब्राह्मणनेंजी
माझवा ॥ पणिनारिनुंजारमांमन्न ॥ ८१ ॥ नारी० ॥ ब्राह्मणजिमवापुरवेरे ॥
तिहांकस्युंबलीनुंदांन ॥ तवपुरंदरदेषीकरी ॥ हसीनेंकहेइंणिपरेंवाणि ॥ ८२ ॥
नारी० ॥ हजीअएस्यूंकरोसूंदरीरे ॥ सांसलीकरेवीचार ॥ निश्चयमारथोमु
झपती ॥ तिणेंबोलेएइंणेंपरकार ॥ ८३ ॥ नारी० ॥ जोमारूंएहाथस्यूंरे ॥
तोलेवाइंवेर ॥ इमचिंतीनेंआपीउंरे ॥ लोजनमाहिंझेर ॥ ८४ ॥ नारी० ॥ ए
व्यतीकरसूणीपुछीउंरे ॥ सूपेंइमकुमार॥ स्वाननेंस्येकारणदीउंरे ॥झेरकहोतेंवी
चार॥८५॥ नारी०॥कुमरकहेएकुतरोरे॥आवीबेसेतेठाम॥निजप्रियउपन्नवजा
णीनेंरे ॥ एहनेंपणिदिउंताम ॥ ८६ ॥ नारी० ॥ सातवारअर्जुनसणीरे ॥ मा
रयोइंणिनारि ॥ तेसूणज्योहवेप्रथमथी ॥ क्रमीउपनोदेहमझारि ॥ ८७ ॥
नारी० ॥ तिहांथीगृहकोकिलथयोरे ॥ उंदरनेंवलीसेक॥ वलीअलसीउंउपनुं॥
तिमसरपपणेंअवीवेक ॥ ८८ ॥ नारी० ॥ सातमेंसवतेंकुतरोरे ॥ मारेसघले
नारि ॥ विषयथकीइमदूखलहे ॥ अहोधिग् २ ऐसंसार ॥ ८९ ॥ नारी० ॥
रागेंरागीनेंमारतीरे ॥ तेपणिनीजअन्नाण ॥ थानिकनवीमुंकेकिमें ॥ अहोमो
हशकतीअप्रमांण ॥ ९० ॥ नारी० ॥ स्वानतणोव्यतीकरसूणीरे ॥ सूपतोल
ह्योसंवेग ॥ अहोसंसारअसारता ॥ कर्मवीचीत्रपणंअंतीरेग॥ ९१ ॥ नारी०॥
नवमारवंडमांएकहीरे ॥ अगीआरमीएढाल ॥ पद्मविजयेंएहरासमां ॥ सू
णतांहोयमंगलमाल ॥ ९२ ॥ नारी० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ वैद्यआव्यांइंणिअवचारें ॥ जिवाडयोकहेजाम ॥ उद्योतथयोइंणि
अवसरिं ॥ देवडंदूसीनदेंतांम ॥ ९३ ॥ सांसलेगीतसोहामणां ॥ कहेक

होरायकुमार ॥ एहकिस्यूंअदसूतछे ॥ वलिकहेकुमरवीचार ॥ ए४ ॥ गुणधर्मसेठनोसूतगुणी ॥ जिनधर्मनामेंजाण ॥ आजजसूरमांअवतस्यो ॥ निश्चयअवधीनाण ॥ ए५ ॥ मीत्रनारीसमकाववा ॥ इहांतिआव्योएह ॥ प्रतिबोधीपाछांजतां ॥ रिद्धीदेषाभीरेह ॥ ए६ ॥ सूरपदपाम्योकिमसखर ॥ प्रतिबोध्याकेणीपेर ॥ कुमरकहेएकीमकहुं ॥ वाच्यनहीएघेर ॥ ए७ ॥ तुम्हआयहथीतातजी ॥ पसणंतात्राप्रकार ॥ जिनमतसावितजिनधरम ॥ वसेंनविषयविकार ॥ ए८ ॥ ढाल० ॥ जंबुसरतसूसामीनी ॥ एदेशी ॥ सावनासावेंसावस्यूं ॥ नगमेंमनमांसंभारेरे ॥ धनदत्तमीत्रएकतेहनें ॥ बंधुलानांमेंनीजनारीरे ॥ एए ॥ पणितेधनदत्तस्यूंरमें ॥ बहुकालगमायोइंमरे ॥ जिनधर्मतोइहलोकनी ॥ नविराषेअपेक्षाप्रेमरे ॥ ४००॥ विणसंसलावेकूढंबने ॥ सून्यघरमांकाउसग्गरातेंरे ॥ रहिआहवेजेबंधुला ॥ धनदत्तसंकेतकस्योवातेंरे ॥ १ ॥ तेसून्यघरमांआवीआं ॥ एकपल्यंकलेईतेदूठरे ॥ पाईईषीलालोहना ॥ ढाल्योपल्यंकपायेंपुठरे ॥ २ ॥ जिनधर्मनापगउपरें ॥ आव्योषीलोपगविंधाणोरे ॥ तेउपरिबिहुंजणचढ्या ॥ करेआलिंगनअन्नाणोरे ॥ ३ ॥ मैथुनसेवेंमोहस्यूं ॥ तससारेंसेघोअत्यंतरे ॥ षिलोपेंठेपृथिवीमां ॥ जिनधर्मनेंवेदनाअनंतरे ॥ ४ ॥ कुशलबुद्धीतीहांचिंतवे ॥ अहोवीषयमुंझावेजीवरे ॥ शीलजाइंदूरगतीपमे ॥ तिहांदूखसहेअतीवरे ॥ ५ ॥ धन्यमुनीसमसूखवरया ॥ दूरिछंम्यानारीनासंगरे ॥ हुंतोनतजुंएसंगनें ॥ घरमांरह्योरापुंरंगरे ॥ ६ ॥ मीत्रनेंनीजसार्यासणी ॥ नकरीसकुंसावउपगाररे ॥ तोबीजानीसीवारता ॥ आलसरीयाउंअन्नारोरे ॥ ७ ॥ अहो २ डुखकहेतूथयो ॥ अहोमुझसंगतीपणिएहरे ॥ क्लिष्टचेष्टाकरेएहवी ॥ इहलोकेंपणिडुखजेहरे ॥ ८ ॥ परसवजाइंडुरगती ॥ हुंस्यानोकल्याणमीत्रोरे ॥ कल्याणमीत्रमंगलकरे ॥ तेतोहुंथयोइंमअमीत्तोरे ॥ ए ॥ चारनहीमुझएहमां ॥ तिणेंसमरूंपंचनवकाररे ॥ इमकरीसमरेतेहनें ॥ वलीसंसारेंदवअणगाररे ॥ १०॥ पढमंहवईमंगलं ॥ कहेतांछुटातसप्राणरे ॥ ब्रह्मलोकमांउपनो ॥ प्रजुंजतो

अवधिनाणरे ॥ ११ ॥ देवकृत्यकिधावीनां ॥ आव्योकरूणामनआणीरे ॥
मित्रनारीप्रतीबोधवा ॥ करेइमवीचारसूजांणरे ॥ १२ ॥ रागअतीएहनेंअ
छइं ॥ तससत्यविणनहिप्रतीबोधरे ॥ इमकरीमायामुकतो ॥ वेदनाअतीसू
खविरोधरे ॥ १३ ॥ महेवाणीवीशूचिकाइं ॥ अशूचीचीकणंजंबालरे ॥
डरगंधअशुचिलकूकलणी ॥ पणिलागेअतीवीकरालरे ॥ १४ ॥ दोयपासां
सेदाईआं ॥ हाहामरणलऊंहूंइमरे ॥ वलगेघनदत्तनेंवली ॥ जंबालेषरमाइं
तेंमरे ॥ १५ ॥ पापपरेंलीपाईउ ॥ महाअरतीउपनीअंगेरे ॥ अहो२एस्यूंबनी
गयुं ॥ इंमचिंतवेमननेंसंगेरे ॥ १६ ॥ उसरवाकांयमांमीउं ॥ साचिंतवेनेह
स्युंएतोरे ॥ बोलेमरूंबऊवेदना ॥ अंगसागेंडखकसमेतोरे ॥ १७ ॥ तेकहेऊं
स्युंकरूंइंहां ॥ माह्‌रोनहीकांईचारोरे ॥ साकहेसरीरउलांसीइं ॥ उलांसेंतव
तिणीवारोरे ॥१८॥ कहेमुफहाथचालेनही ॥ कोईमुरतीवंतएपापरे॥ एसरीषुं
तोदीठुंनही ॥ अरतिमहेवाणेआपरे ॥ १९ ॥ साचिंतेमुफपापथी ॥ एउदइं
आव्यारोगरे ॥ देवसमोपतीवंचीउ ॥ कस्युंविरूद्धउत्सयलोगरे ॥ २० ॥ पा
मीसंवेगनेरोवती ॥ हाआर्यपुत्रइंमकहेतीरे ॥ घनदत्तपणिइंमचिंतवे ॥ अ
होडखसमुदायवहेतीरे ॥ २१ ॥ एसंसारअसारछे ॥ एहकायाअशूचीसंभा
रे ॥ प्रियमित्रवयणतेसांभल्यां ॥ सूखसोगव्यांतसउपगाररे ॥ २२ ॥ जे
हवीम्हेंचेष्टाकरी ॥ तेहनांफलऊएपाम्योरे ॥ रेमीत्रम्हेंमाठुंकरयुं ॥ इंमकहे
तांमोहकांईवाम्योरे ॥ २३ ॥ जांणीसमयप्रतीबोधनो ॥ थंबपुजणमिसक
रीआयोरे ॥ सूरनिजरूपप्रगटकरी ॥ पुजाकरेथंबनीरमायोरे ॥ २४ ॥ दरी
सणदिठुंदोयजणें ॥ वेदनाथईउपशांत्तरे ॥ देषीदेषीदोइंवंदीआ ॥ अहोसक्ति
रूपनेंकांतीरे ॥ २५ ॥ पुछेंस्वामीतूम्हेंकोणछो ॥ किमआव्याआणेंठामरे ॥ ते
कहेऊंसूरआवीउ ॥ जिनधर्म्मबिंबपुजाकामरे ॥ २६ ॥ तेकहेकिहांजीनध
र्म्मनी ॥ प्रतीमातवतिणेंदेषाडीरे ॥ देषीचीत्तमांचिंतवे ॥ एजीवरहीतमानुंग
ढीरे ॥ २७ ॥ क्रोसलहीकहेएकीस्यूं ॥ इहांस्योपरमार्थवषांणोरे ॥ सूरपरमा
र्थकहेतांथकां ॥ पायप्रणमेधरीबऊमांनोरे ॥२८॥ नवमेखंमेबारमी ॥ कही

पद्मविजयईमढालरे॥समरादित्यनारासमां ॥ सूणोआगलवातरसालरे ॥२ए॥
॥ डुहा ॥ पुछेसुरनेंईणिपरें ॥ जिनधर्मकिहांसूजांण ॥ देवकहेंथयोदेवता ॥
विध्योंकिलविआंण ॥ ३० ॥ दिगेतीमहीजदछथी ॥ कहेंअहोकीधअंक
ज ॥ मूर्गब्रिज्ञंजणपांमीआं ॥ सुरकरतोवलीसज्ज ॥ ३१ ॥ लघुतापाम्याला
जथी ॥ मरवानेंतजमाल ॥ देषीनीवारेंदेवता ॥ स्येंकरोमरणसंसालि ॥ ३२॥
तेकहेजाणोसवीतूम्हे ॥ अमस्यूंपुछोआम ॥ सुरकहेमरणथकिसरयूं ॥ करो
तसउपदेशकाम ॥ ३३ ॥ उपदेशयोग्यअमेनही ॥ तेकहेगयातेमीत्र ॥ सुर
कहेंयोग्यअछोसखर ॥ पश्चात्तापपवित्त ॥ ३४ ॥ पापकरेपणिपांपीआ ॥
पश्चात्तापनमाय ॥ क्लिष्टकर्म्मतिहजकह्या ॥ शास्त्रेंसज्ञसमझाय ॥ ३५ ॥
जिनधर्मगयानजांणज्यो ॥ तेहजज्ञंतूंमपास ॥ परिणतीकर्मनीपामीनें ॥ व
रतेमोहविलास ॥ ३६ ॥ धर्मसरणकरोधसमसी ॥ जिमनवीहोईंजंजाल ॥
तेकहेकरस्यूंतोहिपणिं ॥ करस्युंकालअकाल ॥ ३७ ॥ आजथीतूमवचनें
अम्हें ॥ जाण्यूंअकारयजाम ॥ किमजीवनधरीईकहो ॥ निर्जरलहीपरिणा
म ॥ ३८ ॥ जिनवरेंसाष्योजिणीपरें ॥ दिधोतिमउपदेश ॥ सर्वविरतिंकरी
सामठी ॥ अणसणकीधअसेश ॥ ३ए ॥ सवसरुपतिहांसाचतो ॥ संवेगेंकरी
शुद्द ॥ डुकृतनिंद्यादाषतां ॥ अतिशयतेअवबुध ॥ ४० ॥ अमरईहांथीउत
पत्यो ॥ करयूंजेधारयूंकाज ॥ सांसलीलह्योसंवेगनें ॥ रुमीपरेंमहाराज ॥
॥ ४१ ॥ ढाल ॥ सेठसेनापतीवार्द्धिको ॥ पुरोहीतनेंपरधांनवें ॥ केम्निमुंकें
कामिनी ॥ सहेसबत्रीसराजानबे ॥ प्राणजीवनघरेआउनां ॥ आउंनांबेदील
स्याउनांबे ॥ प्रा० ॥ एदेशी ॥ रायकहेवछसाचलूं ॥ सवचेष्टाअसरालबे ॥
जलकल्लोलपरेंदेषीई ॥ साचिएईद्रजालबे ॥ ४२ ॥ कुमरसंवेगेंपुरीउ ॥ पुरी
उबेडखचुरीउबे ॥ कु० ॥ एआंकणी ॥ कल्याणमीत्रतेदोहिला ॥ एहवा
नेंपणिकीधबे ॥ एहवागुणनीयोग्यता ॥ शिवसुखकरतलदिधबे ॥ ४३ ॥
॥ कु० ॥ सज्ञकहेसत्यकह्युंतूमें ॥ सज्ञईलह्यावेरागबे ॥ नृपकहेउपजस्येकि
हां ॥ कहोकुअरंवम्नसागबे ॥ ४४ ॥ कु० ॥ सौधरमेंसुरवरथस्ये ॥ नृपकहे

अणाचारबे ॥ कुमरकहेतोस्युंथयुं ॥ पश्चात्तापअपारबे ॥ ४५ ॥ कु० ॥
विरतीपरीणामएहनाथया ॥ तिणेंडरगतीनवीजायबे ॥ जोअप्रमादथीआच
रे ॥ तोशुलपरंपराथायबे ॥ ४६ ॥ कु० ॥ रायकहेएहवासणी ॥ किमएहोइ
जोगबे ॥ कुमरकहेविचित्रता ॥ कर्मपरीणामआलोगबे ॥ ४७ ॥ कु० ॥ एह
नीप्रवृत्तीअकुसलतणी ॥ नहीअतीसंकिलेससारबे ॥ एकप्रवृत्तिमात्रजहतां ॥
अनुबंधरहीतविचारबे ॥ ४८ ॥ कु० ॥ आगमरीतेंचालीआं ॥ लागोनहीअ
तीचारबे ॥ नृपकहेसाचुंतेवीना ॥ किमलवछेदनसारबे ॥ ४९ ॥ कु० ॥ कु
मरकहेधारयुंघरूं ॥ विनतीकरूंवलीएकबे ॥ एसंसारअनर्थमां ॥ आपदछे
अतीरेकबे ॥ ५० ॥ कु० ॥ मननरूचेरहांमाहरूं ॥ हरषइंआपोआणिबे ॥ गु
रूआणाइंप्रवृत्ततां ॥ कामचढेपरमाणबे ॥ ५१ ॥ कु० ॥ तिणेंआणामुफआ
पीइं ॥ इंमकहीपगीउपायबे ॥ रायकहेवछसांसलो ॥ आसघलोसमुदायबे ॥
॥ ५२ ॥ कु० ॥ सहूनाएहपरीणामछे ॥ तिणेंअम्हेंदिघीआणिबे ॥ अथवा
अमगुरूछोतूम्हे ॥ अदसूतनीरमलनाणबे ॥ ५३ ॥ कु० ॥ कामनपुछणनुरंथ्यूं ॥
अह्मतूम्हकीजेंउचीतबे ॥ किधप्रत्रादतेतातजी ॥ कुमरकहेसूवीदितबे ॥ ५४
॥ कु० ॥ तूम्हेपणिजुगतूंआदरयुं ॥ इंमकहेतांथयोसोरबे ॥ वाज्यांतूरप्रसाति
नां ॥ बंदीजनकरेसोरबे ॥ ५५ ॥ कु० ॥ तमगयुंनेरवीउगीउं ॥ वायाप्रसात
नावायबे ॥ विरहटल्योचक्रवाकनो ॥ मिलीआअमात्यसमवायबे ॥ ५६ ॥
॥ कु० ॥ कुमरचरीत्रसंसलावीउं ॥ नृपेंकस्रोनीजअस्तीप्रायबे ॥ तेपणिहर
ष्यांसांसली ॥ घटतूंकीधुंरायबे ॥ ५७ ॥ कु० ॥ कुमरचिंतामणसारिषा ॥ नृप
कहेएइंमबे ॥ विलंबनकीजेंएहमां ॥ उचितकरोधरीप्रेमबे ॥ ५८ ॥ कु० ॥
आणिप्रमाणकरीतीणें ॥ वरवरीआघोषायबे ॥ सहुदेहरेपूजारची ॥ दानमं
हादेवायबे ॥ ५९ ॥ कु० ॥ पुरजननेंसनमांनीउ ॥ बंदिवांनमुंकायबे ॥ रा
ज्यठवेसाणेज्यनें ॥ मुनीचंदनामसूहायबे ॥ ६० ॥ कुं० ॥ गुरूजननीपुजाक
री ॥ शुलदिनकरणमुहूत्तबे ॥ रायराणीमीत्रवंदस्युं ॥ नारीबिहुंसंजुत्तबे ॥
॥ ६१ ॥ कुं० ॥ सहपुरंदरस्यूंवली ॥ पुरीजननेंपरधांनबे ॥ बेठासीबीकाइं

सङ्ग ॥ वलीसामंतराजानवे ॥ ६२ ॥ कुं० ॥ मंगलतूरवजावते ॥ नाचंतेवरपा
त्रवे ॥ बंदिवीरूदबोलीजते ॥ लोकनेंहर्षअमात्रवे ॥ ६३ ॥ कु० ॥ अध्यव
शायवधतेथके ॥ विस्मयपामेंलोकवे ॥ पापरासीनेंषपावतो ॥ जोवेजनथो
केंथोकवे ॥ ६४ ॥ कु ॥ बङ्गआंमबरेंनीकल्यो ॥ नयरीवाहीरकुमारवे ॥ पुं
ष्पकरंमउद्यानमां ॥ आवेवङ्गपरीवारवे ॥ ६५ ॥ कु० ॥ नामप्रस्तासूरीत
दा ॥ पाउधारयातिऐंनारवे ॥ चौनाणीचारीत्रीआ ॥ वंदेतीहांअणगारवे ॥
॥ ६६ ॥ कु० ॥ सूरवरतसपुजाकरे ॥ विधीपुर्वकतसपासवे ॥ दिक्षाजिननी
आदरे ॥ पामीगुरूनोवासवे ॥ ६७ ॥ कु० ॥ इंद्रतीहांपुजाकरी ॥ तिममुनी
चंदराजानवे ॥ पुरमांसङ्गदेहरेकरे ॥ अठाईमहोछवतानवे ॥ ६८ ॥ कु० ॥
पमहअमारिवजावीआ ॥ हरष्यापुरीजनसाथवे ॥ समरादीत्यप्रमुखसङ्ग ॥
आणिपालेजगनाथवे ॥ ६९ ॥ कु० ॥ नवमेखंमेंतेरमी ॥ ढालअधीकउल्ला
सवे ॥ साषीपद्मविजइंरसी ॥ समरादित्यनेंरासवे ॥ ७० ॥ कु० ॥ ॥ध॥
॥दुहा ॥ लोकप्रसंशालखकरे ॥ सांसलीतेगीरीसेण॥ कलूषीतचितक्रोधेंथयो ॥
जाणेंइंणिपरेंजेण ॥ ७१ ॥ मुंढलोकमाठुंकरे ॥ मुरषनुंबङ्गमांन ॥ डरा
चारएदेषीनें ॥ अधीकोहोइंअसीगांन ॥ ७२ ॥ मारूंएहनेंमुलथी ॥ तोसू
खसाताथाय ॥ हाथेंमाहरेएहवइं ॥ निश्चयआवस्येन्याय ॥ ७३॥ ठांनांखो
लेवीद्दनें ॥ गिरीसेनतेहगमार ॥ मुनीवरसंजमम्हालता ॥ गुरूचरणेंगुणधार
॥ ७४ ॥ पुर्वोत्न्यासपणेकरी ॥ अलपकालेंअदसूत ॥ सणिआद्वादशांगीस
ला ॥ पुरवचौदप्रसूत ॥ ७५ ॥ क्रियाकलापसङ्गकर्या ॥ वाचकपदभगवंत ॥
विहारकरंतामुनीवरू ॥ ग्रामानुंग्रांमगमंत ॥ ७६ ॥ साधुनासमुदायथी ॥ क
रतासवीउपगार ॥ अयोध्यापुरीआवीआ ॥ श्रावकसाथेंसार ॥ ७७ ॥ ढाल॥
टेकरहीरेसहेरसरूअचिकेमेंदान ॥ एदेशी ॥ मुनीवरआयारेनयरीअयोध्या
मेंदान ॥ संघसङ्गलायारेनमवाचैत्यनीदान ॥ एआंकणी ॥ शक्रावतारचैत्य
मनोहार ॥ रीषभदेवप्रतीमाअवधारि ॥ दिठुंतेउद्यांनमकार ॥ नयरीसोहेरेइं
एदेहरेंनीरधार ॥ उज्वलदीपेरेशंषकुंदअनुहार ॥ गगनेंअमीआरेध्वजपटअ

तिहिंविस्तार ॥७८॥ मुनि० ॥ दिसोमानुंदेववीमान ॥ तोरणमणीमयथंभसूवा
न ॥ शालिभंजीकाकरतीतान ॥ रयणसमुहेरेंबांध्यूंकोहिमतास ॥ सोहेगंसा
रोरेरयणनादिवप्रकास ॥ सूरतरूफूलेरेपुज्याजिनवरषास ॥ ७ए ॥ मुनी ॥
सेवाकरवासूरवरआय ॥ तिमचारणजाणोरीषीराय ॥ नारीमधुरस्वरेंगीतगा
य ॥ कृष्णागरनारेधूपअतीशयथाय ॥ इशवीसव्यापेरेमुनीकरेस्तवनाजीन
राय ॥ सिद्धजनसुणतारेपरमारथनिरमाय ॥ ८० ॥ मुनी ॥ देषीमणीमयति
हांसोपान ॥ चढिनेवंदेजिनसगवांन ॥ लोकालोकजाणेजेहज्ञांन ॥ वंदिवेठा
रेसमरादीत्यएकदेश ॥ चारणमुनीरेविद्याधरसुवीसेष ॥ आवीनमीयारेमुनीव
रचरणअशेस ॥ ८१ ॥ मुनी ॥ इणअवशरिपरसन्नचंदराय ॥ स्वामीअयो
ध्यानोतेथाय ॥ समरादित्यआव्यामुनीराय ॥ जाणीराजारेलेईनीजपरीवार ॥
वंदवाआवेरेहैयमेंहरषअपार ॥ प्रसूजीपुजीरेआव्योजीहांअणगार ॥ ८२ ॥
॥ मुनी० ॥ प्रणमीबेठेमुनीवरपास ॥ पुछेप्रश्नधरीउल्लास ॥ नाभीनंदनइहांसू
णीइंवास ॥ धरमनाचक्रीरेप्रथमकह्यापंथेतेह ॥ तोस्यूंपहेलारेधरमहतोनही
एह ॥ जोहतोपहेलारेतोकीमप्रथमकहेह ॥ ८३ ॥ मुनी० ॥ मुनीकहेसरत
षेत्रमांजोय ॥ इणिअवसर्प्पिणीपहेलांहोय ॥ पणिधर्मनहोतोमतलहोकोय ॥
ठेअनादीरेतीर्थंकरसगवंत ॥ तेहनोसाष्योरेधर्म्मअनादिवहंत ॥ सूपतीसाषेरे
साषोकरूणारेवंत ॥ ८४ ॥ मुनी० ॥ सद्धषेत्रेंअवसर्प्पिणीइंम ॥ मुनीकहेए
हवुंकहिइंकेम ॥ सरतऐरवतेपंचेनेम ॥ महाविदेहेरेंठेअवस्थितकाल ॥ जि
नपतिनीत्येंरेषटजीवनाप्रतीपाल ॥ अंतरनांहीरेचक्रीवासुबलसालि ॥ ८५ ॥
॥ मुनी० ॥ सरतऐरवतेंअनीयतकाल ॥ बारआरेकालचक्रवीशाल ॥ चढतो
पमतोहोयनरपाल ॥ सागरवीसरेहोइंतासप्रमाण ॥ अवशर्प्पिणीरेठआरेकरी
जाण ॥ उत्सर्प्पिणीरेतेहजरीतीवषाण ॥ ८६ ॥ मुनी० ॥ अवसर्प्पिणीमांप
हेलोजेह ॥ च्यारकोमाकोमिसागरतेह ॥ सूसमसूसमानामेंएह ॥ सूसमबीजो
रेत्रणिकोमाकोमीमांन ॥ सूसमडसमारेबेकोमाकोमीमांन ॥ त्रिजाआरारेकेहूं
एअसीधांन ॥ ८७ ॥ मुनी०॥ उणांबेंतालीसहजार ॥ वरससागरकोमाकोमी

धार ॥ दुषमसूषमाइंणपरकार ॥ पांचमोआरोरेवरससहसएकवीस ॥ दुख
मानांमेंरेछठेपणएवरीस ॥ दुखमदुखमारेमहादुखववंतमनीस ॥ ८८ ॥ मुनी ॥
पहेलेआरेत्रणिपल्यआया॥त्रणिगाउउंचीतसकाय॥ कल्पवृक्षमनवंछीतदाय॥
दसछेजातिरेपहीलामत्तंगतडु ॥ मदिरासघलिरेतिणहीजठांमेंपसडु ॥ भृंगमा
दिसेरेसाजननीवीधीजडु ॥ ८९ ॥ मुनी० ॥ त्रुटितांगेंवाजीत्रअनेक ॥ दिप
शिषानांमेंवलीएक ॥ दिपपरेंदिपेंसूवीवेक ॥ जोईसनामेरेकरतातेहउद्योत ॥
चित्रांगवृक्षेंरेफूलमालसवीहोत ॥ चित्ररसेंजाणोरेसोजनवीधीसुखसोत ॥
॥ ९० ॥ मुनी० ॥ मणिअंगमांहोइंअलंकार ॥ सवनरूषमांगेहप्रकार ॥ अ
नीगणमांसडुवस्त्रवीचार ॥ संज्ञानांहीरेधर्माधर्मविशेष ॥ आरानीआदिरेजा
णोएहअशेष ॥ घटतूंजाइंरेतिहांथीसडुलवलेश ॥ ९१ ॥ मुनी० ॥ विजेआ
रेदोयपल्यआय ॥ दोयगाउनुंसरीरतेथाय ॥ लक्षणवंतानेंनीरमाय ॥ घटतां
आयुरेवलीप्रमाणशरीर ॥ त्रिजानीआदेरेसांसलितूंनरवीर ॥ एकपल्यआयु
रेएकगाउतनुंधीर ॥ ९२ ॥ मुनी० ॥ तेहनेंअंतेपेहेलोराय ॥ जगततणीथि
तीसडुबतलाय ॥ सुरअसुरांसडुपुजनीकथाय ॥ धरमनाचक्रीरेपहेलाश्री
हाजीणंद ॥ चिडुंविधेधर्मरेउपदेशेसुखकंद ॥ अनुंक्रमेंपांमेरेशिवसुखपरम
आणंद ॥ ९३ ॥ मुनी० ॥ नवमेखंमेंचौदमीढाल ॥ साषेउत्तमविजयनोबा
ल ॥ समरादित्यनोरासरशाल ॥ सुणतांहोवइंरेघरघरिमंगलमाल ॥ सांसलो
आगेरेसवीकायइंउजमाल ॥ जिमतूम्हेंपामोरेलीलालछीवीशाल॥९४॥मुनी०॥
॥ दुहा ॥ आरोचोथोआदिते ॥ पंचसेधनुंषप्रमांण॥ कायाआयुपुरवकह्युं॥
चुलसीलक्षपहीचाण ॥ ९५ ॥ वावरताअन्नवारिनें ॥ धर्म्माधर्मतेधारि ॥
तिर्थंकरचक्रीतथा ॥ बलवासूदेवतिवार ॥ ९६ ॥ पंचमआरोपामतां ॥ आ
युवरससतएक ॥ सातजहाथसरीरछइं ॥ वारूधर्मवीवेक ॥ ९७ ॥ तिरथअं
तिमजिनतणुं ॥ चालेरूमीचालि ॥ छठेआरेउटकीउं ॥ सरीरआयुसंसालि ॥
॥ ९८ ॥ वरससोलआयुवधूं ॥ उंचुंकरतनुंएक ॥ मांसाहारीअतीमलीन ॥
वलिनहीधर्मवीवेक ॥ ९९ ॥ ढाल ॥ सरोवरसूकाबेलाल ॥ हंसादुखधरे ॥

सरोवरउरेबेलाल ॥ जाईचित्तधरे ॥ एदेशी ॥ उलटिजाणोबेलाल ॥ आत्सर्पिण
णीवली ॥ कालचक्रजाणोबेलाल ॥ इंणिपरेदोयमली ॥ ५०० ॥ त्रुटक ॥ दो
यमीलीधारोमतवीचारो ॥ धरमनहतोपुरवे ॥ मोहटाव्योकरयोअनुग्रह ॥ सू
पइंणीपरेवीनवे ॥ १ ॥ इंणसमेंआयोबेलाल ॥ माहणएकसलो ॥ इं
द्रसर्मानामेंबेलाल ॥ मझ्झगुंणनीलो ॥ २ ॥ त्रु० ॥ गुणनीलोगरढेबुद्धी
वंतो ॥ वंदिपुछेइंणीपरें ॥ भगवांनतुमचाशास्त्रमाहिं ॥ कर्मभाष्यांजीनवरें ॥
॥ ३ ॥ तेकर्मबेलाल ॥ बांधेंकीमकहो ॥ गुरूकहेसूणज्योबेलाल ॥ सू
णीनेंसरदहो ॥ ४ ॥ त्रु० ॥ सरदहोनाणनीप्रत्यनीकता ॥ उलवेकरेअंतराय
ए ॥ आशातनाकरेज्ञानीउपरिं ॥ द्वेषकरतोधायए ॥ ५ ॥ भाषेअव
लूंबेलाल ॥ ज्ञानावरणनें ॥ बांधेंकर्मबेलाल ॥ नवीलहेकरणनें ॥ ६ ॥ त्रु० ॥
दरसनतणीप्रत्यनीकताइंम ॥ जावअवलूंभाषतो ॥ दर्शनावरणीकर्मबांधें ॥
चित्तथीरनविराषतो ॥ ७ ॥ करेअनुंकंपाबेलाल ॥ दुखनवीआपतो ॥ सोक
संतापबेलाल ॥ परनांकापतो ॥ ८ ॥ त्रु० ॥ कापतोपरनीवलीपीड़ा ॥ बांधे
शातासुखभणी ॥ विपरीतथीअशातबांधें ॥ वातभांभलोमोहणी ॥ ९ ॥
क्रोधनेंमांनबेलाल ॥ मायालोहनें ॥ मिथ्याचरणबेलाल ॥ तिव्रकरेमोहनें ॥
॥१०॥ त्रु० ॥ बांधेमोहनीकर्मइंणिपरे ॥ हवइंपंचिंदीवधकरे ॥ आरंभपरी
ग्रहमहामेलें ॥ मांशवलीजेवावरे ॥ ११ ॥ नारकआयुबेलाल ॥ बांधेतनरा ॥
मायाअलिकबेलाल ॥ वंचवातपरा ॥ १२ ॥ त्रु० ॥ तत्पराकूड़ामानकरवा ॥
कूड़ांतोलकरेघणां ॥ आयुतिरयंचकेरूंबांधें ॥ दुखतणीजीहांनहीमणां ॥
॥ १३ ॥ प्रकृतिविनीतबेलाल ॥ पश्चातापीउ ॥ मछरनकरेबेलाल ॥
मनुंजआउथापीउ ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ बालतपअकामनीर्जर ॥ सरागसंजमजा
णिइं ॥ देशवीरतीथकीबांधें ॥ देवआयुगणिइं ॥ १५ ॥ कायनेंभावबेलाल ॥
ऋजुताजेहनें ॥ अवीसंवादनबेलाल ॥ योगहोइंतेहनें ॥ १६ ॥ त्रु० ॥ तेहनें
बंधशुभनांमकेरो ॥ अशुभवीपरीतएहथी ॥ आठजातीनामदजेंनिच ॥ गोत्र
बांधेतेहथी ॥ १७ ॥ जातीकुलनेंबेलाल ॥ रूपनेंतपतणो ॥ श्रुतबल

लासबेलाल ॥ ऐश्वर्यमदघणो ॥ १८ ॥ त्रु० ॥ मदएहनोजोकरेनांही ॥ उंच गोत्रबांधेसही ॥ दानादिकअंतरायकरतो ॥ अंतरायबांधेवही ॥ १९ ॥ इणिपरेंबांधेबेलाल ॥ जिववीशेषथी ॥ आठप्रकारेंबेलाल ॥ कर्मअशेषथी ॥ ॥ २० ॥ त्रु० ॥ इमसुंणीकहेइंद्रसर्मा ॥ स्वामिजीसाचुंकह्युं ॥ हवेमो क्षनुंबीजसाषो ॥ तेहकिमजाइंलह्युं ॥ २१ ॥ पाठकबोलेबेलाल ॥ बि जकहीजीइं ॥ सूरमणीसरीषुंबेलाल ॥ सम्यक्तलहीजीइं ॥ २२ ॥ त्रु० ॥ लिं गतेहनुंसमसंवेगा ॥ दिकतेटालेकर्मनें ॥ हवेलहीइंतेहसूणज्यो ॥ सांभलेजीन धर्मनें ॥ २३ ॥ गुणिनीसंगतीबेलाल ॥ गुणपक्षपातीउ ॥ तथाभव्य ताबेलाल ॥ जोगेंअघातीउ ॥ २४ ॥ त्रु० ॥ अनूंकंपादीकभावनाकरे ॥ कर्म खयउपशमेंलहे ॥ इंद्रसर्माकहेसाचुं ॥ जेहपाठकजीकहे ॥ २५ ॥ पणिप्र भुभाषोबेलाल ॥ मोक्षमांसूखघणुं ॥ संजमदुखथीबेलाल ॥ किमलहेतेपणुं ॥ २६ ॥ त्रु०॥किमलहेतवगुरूकहेसांभलि ॥ जिमउषधथीनीरोगता ॥ अथ वापरमारथेंसंजम॥दुखनीनहीजोगता॥२७आयुभपरिणामबेलाल ॥ शुभलेस्या वली॥ ग्रासेंभाषेबेलाल॥संजमसूखकेवली॥२८ ॥त्रु०॥केवलीभाषेबारमासह॥ चरणक्रुउजेहनुं ॥ अनुंत्तरविमांनसूरजे ॥ सूषउलंघेतेहनुं॥२९॥यतः॥जेइमे अज्ञताएसमणानिग्रंथा ॥एएणंकस्सतेउलेसं॥विइवयंती॥मासपरियाएसमणे निग्रंथे ॥ वाणमंतराणंदेवाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ एवंडमासपरीआएसम णेनीग्रंथे ॥ असूरिंदवज्जिआणंभवणवासीणंतेउलेसंविईवयंती ॥ तिमासपरी आए ॥ समणेनिग्रंथे ॥ असूरकुमाराणंदेवाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ चउमास परीपरीआए ॥ समणेनिग्रंथे ॥ गहगणनरकत्तताराख्वाणं ॥ जोईसीयाणं ॥ तेउलेसंविईवयंनी ॥ पंचमासपरीआएसमणेनिग्रंथे ॥ चंदिमसूरीयाणं ॥ जोईसीदाणंजोईसरायाणं ॥ तेउलेसंविईवयंती ॥ छमासपरीयाएसमणे नीग्रंथे ॥ सोहम्मीसाणदेवाणं ॥ तेउलेसंवीईवयंती ॥ सत्तमासपरीआ एसमणेनीग्रंथेसणंकुमारमाहिंदाहिंदाणंदेवाणंतेउलेसंवीईवयई ॥ अठमास परीयाए ॥ समणेनीग्रंथे ॥ बंभलोगलंतगाणं ॥ तेउलेसंवीईवयई ॥ नव

मासपरीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ महासुक्कसहस्साराणंदेवाणं ॥ तेउलेसं॥दसमास
परीयाएसमणेनिग्रंथे ॥ आरणच्चुआणंदेवाणं॥ तेउलेसं॥एक्कारसमासपरीआ
एसमणेनिग्रंथेगेविज्जाणंदेवाणं ॥ तेउलेसं ॥ बारमासपरीआएसमणेनिग्रंथे॥
अणुत्तरोववाइणं ॥ देवाणंतेउलेसंवीईवयई ॥ तेणपरंसूक्केसूक्कासीजाईसवी
त्ता ॥ सिज्झईबुज्झईमुच्चईसवडुरकाणमंतंकरेई ॥ इतिभगवतीसूत्रे ॥ पूर्वढाल॥
तेहउपरिबेलाल ॥ शुक्कसुखसाषीउं॥ शुक्कासीजात्यबेलाल ॥ सुखईमदाषीउं
॥२०॥त्रु०॥ दाषीउंतिणेंमुनीराजसूषीआ॥परमार्थईमधारजे ॥ कहेईच्छारमा
तहत्तिस्वामी ॥ किधोअमउपगारजे ॥ ३१ ॥ ईणिअवसरबेलाल ॥ पुरवेंआ
वीउ॥ नामचित्रांगदबेलाल ॥ प्रणमेसावीउ॥३२॥त्रु०॥ सावीउकहेईमखंमन
वमें ॥ ढालपन्नरमीसली ॥ पद्मकहेएसांसलीनें ॥ बुद्धिकिजेंनीरमलि ॥३३॥
॥ डुहा ॥ कुणप्राणीथीतीकेतली ॥ बांधेकतीविधबंध ॥ पुछेप्रष्णईणीपरें ॥
सयलकहोसंबंध ॥ ३४ ॥ समरादित्यकहेसूणो ॥ आयुवीनाअवधारि ॥
सातकरमबांधेसदा ॥ आठबांधेजठआय ॥ ३५ ॥ बांधेंमोहआयुवीना ॥
सूक्ष्मजेसंपराय ॥ बंधछनोबाकीरह्यो ॥ एकबंधहवेआय ॥ ३६ ॥ शातावं
धउपशांतनें॥ मुनीवरजेषीणमोह ॥ सयोगीपणिशातनें॥ बांधेईमपभीबोह॥
॥ ३७ ॥ दाषीसमयथीतीजेहनी ॥ नहिकषायजसनाम ॥ शैलेसीगतसाधु
जी ॥ अबंधीअसीराम ॥ ३८ ॥ इत्यादिकबहुदाषीउ ॥ कर्मपयमीअधीका
र ॥ जाणोसूत्रथकीजीके ॥ वधतोथाईविस्तार ॥ ३ए ॥ चित्रांगदलहीचीत्र
नें ॥ मोहटल्योमहाराय ॥ अमनेंप्रसूअनुंग्रहकस्यो ॥ शिक्षाधरुंशिरठाय
॥ ४० ॥ कालवेलाथईअनुंक्रमें ॥ प्रणमीगुरुनापाय ॥ रायप्रमुखबहुरिद्धि
थी ॥ ठवापोहताठाय ॥ ४१ ॥ ढाल ॥प्रीतीनीवातछेन्यारीउंधवजी ॥ प्रीत०
एदेशी ॥ जीनसासनगतीन्यारी ॥ सवीकजनजिन० ॥ समरादित्यमुनीराज
उचीतनीज ॥ क्रियाकरेअतीचारी ॥ सवि० ॥ तेहजचैत्यमांबीजेदिवसें ॥
बेठाआसनधारी ॥ ४२ ॥ स०॥ अग्नीसूतीब्राह्मणतिहांआयो ॥ विधीस्यूंवं
दनकारी ॥ स० ॥ चैत्यवांदिपाठकजीप्रणम्या ॥ बेठोनीजडुखवारी ॥४३॥

स० ॥ विनयवीशेषथीकहेमुफसाषो ॥ देवविशेषनीरधारी ॥ स० ॥ वलीते
हनीसेवाविधीदाषो ॥ तसफलकहोसूखकारी ॥ ४४ ॥ स० ॥ गुरुकहेदेवसू
णोतूम्हेपहेलां ॥ सर्वज्ञपरमोपगारी ॥ स०॥ रागद्वेषवर्जितसूरपुजीत॥ कृतकृ
त्यअनीयतचारी ॥ ४५ ॥ स० ॥ जनमजरानहीमहिमाअचिंतित ॥ देशना
घनअनुंकारी ॥ सवी० ॥ जसवयणेंसवशायरउतरे ॥ शरधावंतनरनारी ॥
॥ ४६ ॥ सवी० ॥ तेहनीसेवानीवीधीसूणज्यो ॥ अध्यवशायशुसधरिइं ॥
सविकजनजिनसेवाइंमकरीइं ॥ एआंकणी ॥ यथासकतीनिस्पृहताचित्तें ॥
जिमआणास्यूंमरीइं ॥ ४७ ॥ सवि ॥ तपकरीइंवलीसाविइंसावन ॥ निरती
चारव्रतचरिइं ॥ सवि ॥ आणाखंमनकवर्जनकिजें ॥ तसफलकर्मविपरीइं ॥
॥ ४८ ॥ सवि ॥ देवमहर्द्धिकमहावीमानें ॥ अपूठरास्यूंपरवरीइं॥ सवि ॥ दि
व्यसोगसोगवीउत्तमकूल ॥ आविनेंअवतरीइं ॥ ४ए ॥ सवी ॥ रूपसुंदरवि
सीष्टसोगवलो ॥ अनुंक्रमेंधर्मआदरीइं ॥ सवि ॥ केवलज्ञांनलहीहवे
करमें ॥ शैलेसीइंचरीइं ॥ ५० ॥ सवी ॥ पणलघुअक्षरउच्चरणकाले ॥ शिव
सुंदरीवरवरीइं ॥ सवी ॥ सांसलिपाठकजीनांवयणां ॥ हर्षेंअग्नीसूतीसरीइं ॥
॥ ५१ ॥ सवि ॥ वलिपुछेतेमध्यस्थहोवइं ॥ जेहथयावितराग ॥ सविकजन
सांसलोतूम्हेमहासाग ॥ एआंकणी ॥ तेउपगारकरेनहीकोयनें ॥ किमसवी
जीवहीतलाग ॥ सवि ॥ ५२ ॥ गुरूकहेसुणोप्रसूदेशनादेवे ॥ तेहथीहोइंमोह
त्याग ॥ सवि ॥ एहथीउपगारकोईनमोहटो ॥ कोईजीवनोनहीजाग ॥ ५३॥
॥ स०॥ अग्निसूतीकहेकिमउपगारह ॥ उपदेशनीएकवाग ॥ सवि ॥ गुरुकहे
जोउपदेशकरेतो ॥ फललहेतेवमसाग ॥ ५४ ॥ सवि ॥ चिंतामणीमंत्रनेंवली
अगनी ॥ सेवनजोकरेराग ॥ सवि ॥ जतनाइंसेवेफलेतेहनें ॥ पणिनवीदीइंते
सराग ॥ ५५ ॥ सवि ॥ पणिनदिधुंइंमनवीकहेवाइं ॥ इंमसुणीलह्योवैराग ॥
॥ सवि ॥ कहेस्वामीमुफमोहगयोहवइं ॥ वाध्योअधीकसोसाग ॥ ५६ ॥
॥ सवि ॥ इणअवशरएकअसीनवश्रावक ॥ साथेंसखरपरीवार ॥ सविकज
नजिनशासनसोहकार ॥ एआंकणी ॥ धनरिद्धिनामकरेप्रसूपुजा ॥ द्रोपदी

परेंनीरधार ॥ ५७ ॥ सवि ॥ वेठेंवाचकजीनेंप्रणमी ॥ पुछेप्रष्णउदार ॥सवि॥
मुनित्रिविधत्रिवीधेंव्रतपचखे ॥ अनुंमतिपणिपरिहार ॥ ५८ ॥ सवी ॥ जब
श्रावकनेंकरावेयुलथी अणुंव्रतनोउच्चार ॥ सवि ॥ तबमुंनीनेंअनुंमतीकिम
नावे ॥ साषेतवअणगार ॥ ५९ ॥ सवि ॥ विधिदेतांअनुंमतीनवीआवे ॥ अ
विधीअनर्थसंभार ॥ सवि ॥ सेठकहेविधीकहोगुरूमुकनें ॥ जिमहोइंमुकउप
गार ॥ ६० ॥ सवि ॥ गुरूकहेसुणिसंवेगसारतुं ॥ स्वरूपकहेशंसार ॥ सवि ॥
डुस्कपरंपरकारणसवछे ॥ तेडःखटालणहार ॥ ६१ ॥ सवि ॥ अस्केपेंसी
वसुखवलीलहीइं ॥ संजमएहप्रमाण ॥ सविकजनजिनशासनमंमाण ॥
एआंकणी ॥ प्रथमथीसुलसावनथीकरीइं ॥ इंणिपरेंचरणवखाण ॥
॥ ६२ ॥ सवि ॥ असमरथजोकदितेहनोहोइं ॥ कर्मउदयपरीमांण ॥ सवि ॥
अणुंव्रतउच्चरवाउजमालह ॥ जाणिअवसरजाण ॥ ६३ ॥ सवी ॥ उच्चरावे
अणुंव्रततेजननें ॥ जोईप्रसस्तखेत्रगण ॥ सवी ॥ आगारादिकसुद्धधरावे ॥
आपमध्यस्थवीनाण ॥ ६४ ॥ सवी ॥ सुणीकहेसेठतोहिंकिमनावे ॥ अनुंम
तीकहोमहेरवाण ॥ सवि ॥ तवगाथापतीचोरदृष्टांतें ॥ गुरूकरेउत्तरदाण ॥
॥ ६५ ॥ सवी ॥ नवमेस्वंमसोलमीढालें ॥ नांणउत्तमजिमसाण ॥ सवी॥पद्म
विजयकहेसूणतांहोवे ॥ श्रोताघरिकल्यांण ॥ ६६ ॥ सवि ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ वसंतपुरवारूवसे ॥ जितसत्रुरायसूजांण ॥ धारणीशीलनीधारणी ॥
मनहरणीमहेंराण ॥ ६७॥ नाटीककलानीरषीरूपें ॥ वरदिधोसुवीशेष ॥
रांणीकहेरूमोपरें ॥ लषीआपोवरलेष ॥ ६८ ॥ करीइंमहोछवकौमुदी ॥ अं
तेउरइछाय ॥ आणादिइंअवनीपती ॥ अनुंक्रमेंसोदीनआय ॥ ६९ ॥ ईला
पतीउदघोषणा ॥ करेसूणयोसहुकोय ॥ नरजेरहस्येनयरमां ॥ जमघरि
जासेसोय ॥ ७० ॥ डुरलसआणादेषीनें ॥ पुरुषवर्गपुरबाहरि ॥ निरणय
करिनेंनीकल्यो ॥ इंणअवसरअवधारि ॥ ७१ ॥ ढाल० ॥ मीठांमिठुंबोली
नेस्युंरीझवोरे ॥ एदेशी ॥ सूणोसेठजीवातसोहामणीरे ॥ तेहनयरमांसेठशि
रोमणीरे ॥ सू० ॥ षटपुत्रतेहनेंलायकघणारे ॥ व्यवहारकरेसोहामणारे ॥

॥ ७२ ॥सू०॥ नविनीकलीआतेव्यमतारे ॥ दरवाजादिइंवलीश्रीअतारे ॥सू०॥
नृपसयथीतेगंनारस्सारे ॥ उठवकस्योरयणीइंजमस्सारे ॥ ७३ ॥ सू० ॥ विजे
दिननृपआणाकरेरे ॥जुउरस्योकोइछेगंनोघरेरे॥सू०॥जोइनेंतेपणिआवीकहेरे॥
सेठनाषटपुत्रघरमांरहेर ॥७४॥सू०॥ नृपकोपेंवधआणादिइंरे॥ नरआविइंम
वदिजीइंरे ॥ सू०॥ वधथानिकलेईगयाहवइंरे ॥ तसतातविहनोंनृपविनवेरे॥
॥ ७५ ॥ सू० ॥ अपराधखमोएस्वामीतुम्हेरे ॥ मुकोपुत्रनफीरीकरीइंअम्हे
रे ॥ सू० ॥ वलिदूजोपणिकरेइंणिपरेरे ॥ तिणेनृपनवीमुंकेकरगरेरे ॥ ७६ ॥
सू० ॥ सेठवार २ इंमसाषतारे ॥ वमोपुत्रमुंक्योबहुआषतारे ॥ सू० ॥ ब
हुमान्योसेठतेहनेंरे ॥ बिजानेंतोनरपतीहणेंरे ॥ ७७॥ सू० ॥ सेठनेंतोसुतमा
रयातणीरे ॥ अंतेपणिअनुंमतिनवीसुणीरे ॥ सू० ॥ दृष्टांतकस्योउपनयंसु
णोरे ॥ सूपतीसमस्रावकनेंमुणोरे ॥ ७८ ॥ सू० ॥ षटपुत्रसमाषटकायछे
रे ॥ सेठतूल्यमुनीवरथायछेरे ॥ सू० ॥ नृपविनतीसमसुनीदेशनारे ॥ नवि
मुनीपणंलिइंशुसवेशनारे ॥ ७९ ॥ सू० ॥ तवस्रावकव्रतउच्चरावतारे ॥ न
विअसंजमअनुंमतीसावतारे ॥ सू० ॥ कस्योअवधीदोषइंणिपरेरे ॥ तिणेंज्ञा
नपुर्वककिरीआकरेरे ॥ ८० ॥ सू० ॥ यतः ॥ पढमंनाणंतउदया ॥ एवंवि
ठईसवसंजए ॥ अन्नाणीकिंकाही ॥ किंवानाहीछेयपावगं ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥
धणऋधिसेठहरषीनेकहेरे ॥ उपदेशतुमसूणीचित्तगहगहेरे ॥ सू० ॥ एक
अशोकचंदनांमेंवलीरे ॥ पुरवेंआव्योनमेललीललीरे ॥ ८१ ॥ सू० ॥ पुछे
प्रश्नथोमेंपरमादथीरे ॥ दारूणविपाकविखादथीरे ॥ सू० ॥ स्वामीतेतिमकेंव
लिअन्यथारे ॥ सुणिइंछिइंलोकमांहियथारे ॥ ८२ ॥ सू० ॥ गुरुकहेजेआग
ममांकस्यारे ॥ तेतिमहिजाणोप्राणीलस्यारे ॥ सु० ॥ जेआगमबाह्यकहेघण
रे ॥ तेतोपादछिकप्राणीसुण्यारे ॥ ८३॥ सू० ॥ पणिजीनवरजुठबोलेनहिरे ॥
कहेअशोकचंदसूणज्योअहीरे ॥ सु० ॥ केईजीवघणीहिंसाकरेरे ॥ पापथा
निकसघलांआदरेरे ॥८४॥ सू० ॥ तेहनेंधनसंपदासुंदरुरे॥ वलीसोगआयुदी
रघथरूरे ॥सु०॥ नविअनुंबंधत्रुटेतेहनोरे ॥ सह्वचनतेमानेंजेहनोरे ॥८५॥

सू०॥ अपराधअलपएकप्राणीआरे॥ सङ्कविपरितवातडखषाणीआरे ॥सू०॥
गुरूकहेसूणिकर्मविचित्रतारे ॥ जसपापानुंबंधीकर्मजुक्ततारे ॥८६ ॥सू० ॥
डरगतिगामीक्षुद्रसत्वछेरे ॥ संसारमाहिंएकत्वछेरे॥ सू० ॥ अनरथसाजन
करीपापनेंरे॥ पापेंसरेपुरणआपनेंरे ॥ ८७ ॥ सू०॥ तिणेईष्टलासलही
जायछेरे॥ डरगतिमांडखवङ्जथायछेरे॥ सू० ॥ विपरीतनेंविपरीतजाणीईरे ॥
अशोकचंदभमनाणीईरे॥ ८८ ॥ सू० ॥ कहेअशोकचंदस्वामीषढूंरे ॥ तुम्हें
साष्यूंतेअंगीकरूंरे ॥ सू० ॥ अज्ञानगयुंप्रसूमाहरूंरे ॥ नहिअणजाण्युंकां
इताहरूंरे ॥ ८ए ॥ सू० ॥ ईणेअवसरिंपुरावेंआविउरे ॥ त्रिलोचनप्रणमें
साविउरे ॥ सू० ॥ करजोमीनेंप्रश्नपुछेहवेरे ॥ प्रसूसाषोमुऊसंशयजवेरे॥
॥ ए० ॥ सू० ॥ ढालसतरमीखंमनवमेकहीरे ॥ समरादित्यरासमांहिंलहिरे
॥ सू०॥ कहेपद्मविजयसूणज्योसवेरे॥ जेपुछेतसउत्तरहवेरे॥ ए१ ॥सू०॥
॥ डहा॥ असयदांनएकआषीउं ॥ उपष्टंसवलीअन्य ॥ एहमांकोंणकह्युं
अवल॥ पाठककहोकयपुन्य ॥ ए२ ॥ वाचकजीकहेपरवमु॥ प्रथमअस
यपरधांन॥ चोरदृष्टांतसूणोचतूर ॥ कहिंइंतेदेईकांन ॥ ए३ ॥ ढाल०॥
उंधवमाधवनेंकहेज्यो ॥ एदेशी ॥ ब्रह्मपुरनयरेंनरराय ॥ कूलध्वजनांमेवि
ख्याय॥कमलूआपटराणीयायके ॥ए४॥ सवितुम्हेअसयदांनदेज्यो ॥ महणो
महणोइंमकहेज्यो ॥ स० ॥ एआंकणी ॥ तारावलीप्रमुखाराणी ॥ बिजीपण
रूपनीखाणि ॥ किमेंज्यूंइंद्रइंद्राणीरे ॥ ए५ ॥ सवि ॥ सङ्कराणिस्यूंएकदिन्न॥
बेठोगोषेंधरीमन्न॥ सोगठपासेंरमेधन्नके ॥ ए६ ॥ सवी॥ चोरलाव्योतिहां
कोटवाल ॥ बांध्योगाढबंधनजाल॥ कसप्रमुखेंअतीडखकालरे॥ ए७॥सवि॥
विनतीकरेंनृपनेंइंम॥ परधनलिधुंइंणिनेम ॥ करीइंस्वामीकहोनेंम ॥ ए८ ॥
॥ सवि ॥ सूपतीकहेएहनेंमारो॥ चाल्योतलारतिणीवारो ॥ तसकररोयोडख
सारोरे ॥ एए ॥ सवि॥ प्रथमचोरीमाख्योजाउं॥ मननामनोरथनविपाउं॥
इंमजअधन्यजाइंआउरे॥ ६०० ॥ सवि ॥ सूणिकहेराणिउंसूणोराय॥ चोर
नामनोरथनविथाय॥ प्रणिजोकरोतुम्हेसूपसायरे ॥ १ ॥ सवि ॥ एकरा

णीकहेमुजआज ॥ आपोजिमपुरूंकाज ॥ ततषिणआपेमहाराजरे॥२॥सवि॥ सहस्रपाकथीमरदाव्यो ॥ सूगंधउष्णजलेन्हवराव्यो ॥ व्योमजुगलतसपहे राव्योके ॥ ३ ॥ सवि ॥ दससहसद्रव्यएहनेंलागो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेपा गो ॥ विजीइंतेम्योधरीरागोके ॥ ४ ॥ सवि ॥ कामितभोजनतिणेंदिधुं ॥ आ सवपानवलिसीधुं ॥ जक्षकर्द्दमलिपनकिधुंके ॥ ५ ॥ सवि ॥ आप्योवलीए कंदोरो ॥ किधोवलीतेहनेंनोहरो ॥ एतलोजद्रव्यमाहरेकोरोके ॥६॥ सवि ॥ लेखेविससहसगणीउ ॥ वलिविजीइंपणिइंमभणीउ ॥ आभूषणथीतनुंमणीउ के ॥ ७ ॥ सवि ॥ तंबोलआपेवलिच्यारो ॥ लाषद्रव्यइंणिउवारयो ॥ एटलूंमु जनेअवधारोके ॥ ८ ॥ सवि ॥ पटराणीनेंनृपभासे ॥ तुंकांईनविदिइंस्येआ से ॥ साकहेकांयनमुजपासेंके ॥ ९ ॥ सवि ॥ रायकहेतूंपटराणी ॥ जिवआ धीकतूंमुजजाणी ॥ ताहरेसीवातनीहाणिके ॥ १० ॥ सवि ॥ जेमांगेतेतूंजआ पुं ॥ ताहरूंवयणहृदयथापुं ॥ कहेतेहनांडखमांकापुंके ॥ ११ ॥ सवि ॥ सा कहेकिधोभूपसाय ॥ आपुंएहनेंमनभाय ॥ जिमभूषतिमकरोकहेरायके ॥ १२ ॥ स० ॥ साकहेचोरनेंभूणिभाई ॥ उग्यांअकारयफूलआई ॥ दि ठांकहोएचितलाईके ॥ १३ ॥ सवि ॥ पश्चातापथीकहेचोर ॥ नविकरूंएहवुं कोईठेर ॥ जिणथीडखहोयघोरके ॥ १४ ॥ सवि ॥ दिधुंअभयकहेदेवी ॥ नृपकहेकोनकरेएहवी ॥ चोरकहेतुंमाजेहवीके ॥ १५ ॥ स० ॥ राणीहर षीततषेव॥विजीतोहसतीहेव॥दानदिधुंबहुकरीसेवके॥१६॥सवि॥राणीकहेकि मकरोहासी॥पूछेचोरनेंसुविलासी॥कहेचोरनेकहोविमासी॥१७॥सवि॥चोर कहेम्हेंनवीजाण्यूं ॥ मरणभयथीसूखगण्यूं॥ स्वस्थथयोहवेपरमाणुंके ॥ ॥ १८ ॥ सवी ॥ सांभलीसहुराणीमानें ॥ एउपनयकह्योव्याख्यानें ॥ हरष्यो त्रिलोचनसुणीकानेंके ॥ १९ ॥ सवि ॥ स्वामीसत्यकह्युंएह ॥ एहमांकांय नसंदेह ॥ सहुइंगयानिज २ गेह ॥ २० ॥ सवी ॥ नवमेखंडेएढाल ॥ अ ढारमीकहिसूवीशाल ॥ उत्तमविजयतणोबालके ॥ २१ ॥सवि०॥ ॥४॥

॥ दुहा ॥ देवादेवींइंमदेशना ॥ देतातेहदयाल ॥ कालकेतोइकअतिक्रम्यो ॥

करूणावंतकृपाल ॥ २२ ॥ अवंतीदेशेआविआ ॥ रेफवाहपुरसार ॥ सिस संपदासुगुणस्यूं ॥ उद्यानेंअवधारि ॥ २३ ॥ एकांतेंजइआदस्यो ॥ अशोक वनेंअलीरांम ॥ काउसग्गतिहांसावनकरे ॥ एकजआतमरांम ॥२४॥ ढाल॥ टोडरमलजीत्योजी ॥ एदेशी॥ एकांतेंकाउसग्गरह्यारे ॥ तिहांआव्योचंडाल॥ मोहरायजीत्योजी ॥ जित्यो २ विर्यउल्लास ॥ मोह ॥ जीत्योजीत्योचरणवी लास ॥ मोह ॥ जीत्यो २ नाणप्रकास ॥ मोह ॥ एआंकणी ॥ गिरीसेनदुष्ट तेचितवेरे ॥ कोपेंथईविकराल ॥ २५॥मो०॥ मुझबङदिनरझलावीउरे ॥ आ जदिठोनयणेण ॥ मो० ॥ ईहांमारुंअवशरअछेरे ॥ जिममरेअतिदुखकेण ॥ ॥ २६ ॥ मो० ॥ लाव्योजुनांलुगडारे ॥ विटयूंरूषीनुंअंग ॥ मो० ॥अलसी तेलवलीरेभीउरे ॥ रौद्रध्यांनएकंग ॥ २७ ॥ मो० ॥ अगनीप्रजाल्योतिहां किणेंरे ॥ मुनीवरध्यांनमांलिन ॥ मो० ॥ जाण्यूंपणिनहीचित्तमांरे ॥ दाह्य योजवदीन ॥ २८ ॥ मो० ॥ ध्याननोसंक्रमथयोतदारे ॥ चिंतवेतवमुनीरा य ॥ मो० ॥ अहोएस्यूंअनरथतणोरे ॥ हेतूथयोंश्यणराय ॥ २९ ॥ मो० ॥ डुरगतीकारणतेहनेंरे ॥ अहोदारूणपरिणाम ॥ मो० ॥ अथवाएचिंताकिसी रे ॥ समतानुंइहांकांम ॥ ३० ॥ मो० ॥ सामायिकछेमाहरेरे ॥ वलगानीर मलध्यांन ॥ मो० ॥ महासामायिकउपनुंरे ॥ अपूरवकरणेंतांन ॥ ३१ ॥ ॥ मो० ॥ क्षपकश्रेणीतिहांउल्लशीरे ॥ वाध्योविर्यउल्लास ॥ मो० ॥ हणतो कर्मसत्रुप्रतिरे ॥ संसारीदूखनास ॥ ३२ ॥ मो० ॥ ध्यांनअनलेंमोहइंधणां रे ॥ बालिकिधांराष ॥ मो० ॥ विविधलब्धितिहांउपनीरे ॥ जोगमहिमएदा षि ॥ ३३ ॥ मो० ॥ निरमलथयोनीजआतमारे॥ घातिकरमषपाय ॥ मो०॥ केवलनांणतेपामीआरे ॥ समरादित्यरीषीराय ॥३४॥ मो० ॥ सह्लप्रयाससफ लोथयोरे ॥ कृतकृत्यथयाअणगार ॥ मो० ॥ उछवरंगवधांमणांरे॥ प्रगट्यां निजआगार ॥३५॥ मो०॥ मुनिवरनामहिमाथकीरे ॥तेहषेत्रआसन्न ॥मो०॥ वेलंधरकूंमारनुंरे ॥ चलितंतिहांआसन्न ॥ ३६ ॥ मो० ॥ अवधीनांणथी जोईनेंरे ॥ लेईकुसूमनीराशि ॥ मो० ॥ देवअनेकस्यूंपरिवर्योरे ॥ आवेतिहां

उल्लास ॥ ३७ ॥ मो० ॥ प्रणमीकुसूमवृष्टिकरेंरे ॥ उहलवेअगनिनेंतांम ॥ मो० ॥ काढिनांष्यांचुंथरारे ॥ करतोवलीपरणाम ॥ ३८ ॥ मो० ॥ खोसां णेगिरीसेनतदारे ॥ एस्योवातविचार ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापीआरे ॥ रेरे डुष्टआचार ॥ ३ए ॥ मो० ॥ रेपुरुषाधमनीचतूंरे ॥ तूंमहाशोचणजोग ॥ मो० ॥ मुखनविजोईइंताहरूंरे ॥ होवेपापसंयोग ॥ ४० ॥ मो० ॥ एहकां मतेंस्यूंकरचुंरे ॥ नहिआरयनुंकांम ॥ मो० ॥ इणअवसरतिहांआविउरे ॥ मुनीचंदरायउद्दाम ॥ ४१ ॥ मो० ॥ नर्मदाप्रमुखारांणिउरे ॥ साथेंमहासा मंत ॥ मो० ॥ सक्तिसावधरीवंदिआरे ॥ आणंदअंगअनंत ॥ ४२ ॥ मो० ॥ वेलंधरनेंपूछिउरे ॥ स्योएवातबनाव ॥ मो० ॥ वेलंधरकहेपापिनेंरे ॥ निज आतमडुखदाव ॥ ४३ ॥ मो० ॥ अमृतसूतसत्रुनहीरे ॥ मुनिनेंअगनीप्र योग ॥ मो० ॥ प्राणांतअध्यवशायथीरे ॥ नहीएहनेंदेवलोग ॥ ४४ ॥ मो० ॥ रायकहेमाटुंकरयुंरे ॥ कारणकहोइहांकांय ॥ मो० ॥ वाठल्यसकुजंतूतणारे ॥ मोदहेतूमुनीराय ॥ ४५ ॥ मो० ॥ पिशानकरेकोयनेंरे ॥ शीतलताजिमचं द ॥ मो० ॥ नविलहिइंकारणकीस्युंरे ॥ कहेवेलंधरइंद ॥ ४६ ॥ मो० ॥ नवमेखंमेएकहीरे ॥ उगणीसम वरढाल ॥ मो० ॥ विघनथयांसविवेगलारे ॥ पद्मनेंमंगलमाल ॥ ४७ ॥ मो० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

॥ डुहा ॥ जाणेंअशुभउदयजिके ॥ डुखहेतुडुखरूप ॥ सवअनंतकरवास णि ॥ कारणडुरगतीकूप ॥ ४८ ॥ नृपकहेजुठूंनहीजरा ॥ पणिपुठेमुनीपा य ॥ वेलंधरकहेवरकह्युं ॥ सूणज्योसकुसमवाय ॥ ४ए ॥ ढाल० ॥ रागरा मगिरी ॥ चोसठिमणनुंमोतिऊगमगेरे ॥ एदेशी ॥ सोहमइंद्रोआवेइणिसमें रे ॥ ऐरावणहाथीशीरबेठेतेहरे ॥ केवलज्ञाननामहिमाकारणेंरे ॥ देवसमु हेंपरवरीउवलिजेहरे ॥ ५० ॥ रीषीजीचरित्रेंसकुजनमोहिउरे ॥ एआंकणी ॥ किनरगायनेंनाचेअपछरारे ॥ हरषेंआविकिधोप्रथवीशोधरे ॥ गंधोदकसी चीकुसूमेंपुजतारे ॥ कनककमलठवेकरताविघननिरोधरे ॥ ५१ ॥ रीषी० ॥ देवतानेंदेवीआणंद्यांसकुरे ॥ बेठापदमेंसमरादित्यमुणिंदरे ॥ सोहमइंद्रोस्त

वनाईमकरेरे ॥ हेस्वामीतूम्हनाठेमोहनरिंदरे ॥ ५२ ॥ रीषी० ॥ जित्याक
र्मशत्रुकेवडरेंगयारे ॥ कृतारथज्ञआतूम्होसगवांनरे ॥ जोमीसवचखिशिव
पुरपांमोआरे ॥ उग्योरवीजलहलतोकेवलज्ञानरे ॥ ५३ ॥ रीषी० ॥ सांस
लीइंमस्तवनारायनेंदेवतारे ॥ तिमसामंतप्रमुखवंदेमुनीनापायरे ॥ अहो
२ मुनीवरनांकारयनीपनरि ॥ अपछरानाचेकिंनरसूरगुणगायरे ॥ ५४ ॥
रीषी० ॥ जनपदनालोकतेआव्यासांसलीरे ॥ हरषीतरांणावंदेमुनीमहाराज
रे ॥ गिरीसेनचिंतेमहानुंसावनारे ॥ अहोएहनीम्हेंकिधुंकामअकाजरे ॥
॥ ५५ ॥ रीषी० ॥ आरोप्युंबीजकुशलपक्नुंरें ॥ मोहटानीतंगतीनिष्फल
नविथायरे ॥ पछरमारंतांआपेंफलप्रतेरे ॥ अंबादिकजेउत्तमवृक्षकहाय
रे ॥ ५६ ॥ रीषी० ॥ चंदनकापतांआपेवासनारे ॥ मुनीअपकारेपाम्यो
गुणनीराशिरे ॥ गिरीशेनचाल्योहवेनीजघरसणीरे ॥ मुनीवरेंजाण्योदेशना
नोअवकाशरे ॥ ५७ ॥ रीषी० ॥ जिवनेंकर्मनोजोगअनादीछेरे ॥ कनको
पलदृष्टांतेंतासविकाररे ॥ उपज्येबहुजोनीपामेंकदर्थनारे ॥ वलिसंयोगवी
जोगतणोनहीपाररे ॥ ५८ ॥ रीषी० ॥ जरानेंमरणनीमोहटीआपदारे ॥ कू
पथ्यसेवेनलहेहितअहीतरे ॥ मूंढताछंमोतेकारणसणीरे ॥ तत्वविचारोकोजेंसज्ञ
जनमीत्तरे ॥ रीषी० ॥ ५९ ॥ पुजोदेवगुरुनेंदांनविधेंदिउरे ॥ पालोशीलकरोत
पजपअल्यासरे ॥ सावनासावोध्याउसूलध्याननेरे ॥ छंमोकदापहकर्ममें
लकरोनासरे ॥ ६० ॥ रीषी० ॥ कर्मअसावेंनिरमलआनमारे ॥ तेहथीकां
ईनवीपामेंविकाररे ॥ पामेंअव्याबाधसूखनिजषेत्रमांरे ॥ निर्णेउद्यमकिजे
निजतत्वविचाररे ॥ ६१ ॥ रीषी० ॥ देशनासूणिनेंगुणपाम्याघणारे ॥ वंदि
पोहताइंद्रतेनीजआवासरे ॥ मुनिचंदराजागुरूनेंविनवरे ॥ तूमउपसर्गक
रयोकहोसंबंधतासरे ॥ ६२ ॥ रीषी० ॥ हेतूतोदिसेस्वामीकोनहिरे ॥ मुनी
बोल्यामोहटोअकूशलअनुबंधरे ॥ गुणसेनअग्निसम्मोसवयकीरे ॥ मांमीनें
किधोसघलोसंबंधरे ॥ ६३ ॥ रीषी० ॥ सांसलिनेंराजासामंतदेविउरे ॥ तिमवेलंघ
रलह्यासंवेगरशालरे ॥ चिंतेसज्ञअहो २ दोषअन्नाणनोरे ॥ अज्ञानेंदारूण

डुस्कलहेविशालरे ॥ ६४ ॥ रीषी० ॥ वेलधरपुठेआगालएहनेरे ॥ स्योनिप
जस्येस्वामीजीपरिणामरे ॥ केवलीसासेजास्येनरगमांरे ॥ तीव्रवेदनासोग
वस्येतेगामरे ॥ ६५ ॥ रीषी० ॥ तिहाथीअनंतोसंसारएहनेरे ॥ नरमदाराणी
सांनेकहोप्रस्तनेहरे॥नरकतेकेहवीकेहविवेदनारे ॥ मुनिकहेसांसलिमांहिगोल
तेएहरे ॥ ६६ ॥ रीषी० ॥ बाहिरचउरंसाघोरअंधारमुंरे ॥ हेठलिखुरप्पआ
कारेंमहाडुरगंधरे ॥ मेदनआनेंकर्दमरूधीरनोरे ॥ अशुचिनेंकर्कशफरससं
बंधरे ॥६७॥रीषी० ॥वर्णवइत्यादिकबहुठेशास्त्रमांरे॥ तेतोकहेतांथाइंअतिवि
स्तारारे ॥ नारकीडुषीआवेदनाअतीसहेरे ॥ आंषिउघाडेनहीसूखतेनिवाररे ॥
॥ ६८ ॥ रीषी० ॥ निरंतरविहनारोगघणानुरे ॥ तातातरूआनुंवलोकरावे
पानरे ॥ लोहनीपंचालीउष्नबाथेंदिईरे ॥ केताकोजेंदूखनांइहांव्याख्यानरे ॥
रीषी० ॥ ६९ ॥ बिजेरेअंगेसाषीठेघणीरे ॥ सांसलिसघलंभूजेआपणेअं
गरे ॥ तिहांथीजाणज्योसांसलीबोलतीरे ॥ सूलसमंजरीराणीधरीमनरंगरे ॥
॥ ७० ॥ रीषी० ॥ केहवांविमांनदेवनांदेवतारे ॥ केहवाहोयतेसाषोपरम
दयालरे ॥ केवलीसाषेपद्मविजइंकहिरे ॥ नवमेखंमेंएहविसमीढालरे ॥
॥ ७१॥ रीषी० ॥ ॥ ९ ॥ ॥ ९ ॥
॥ डुहा ॥ मुनिकहेसांसलिधर्मिणी ॥ विचित्रसंठाणविमान ॥ रतनमयीअति
नीरमलां ॥ अमररचितअसमांन ॥ ७२ ॥ चंदनहाथाचरचिआ ॥ तोरणद्वा
रेंतउ ॥ चंदनघटथाप्याचतूर ॥ ज्वलेधुपघटीजउ ॥ ७३ ॥ फूलबिछायांफूट
रां ॥ माल्यबहुमहेकाय ॥ अदसूतदिसेअपछरा ॥ शब्दत्रुटितसूखदाय ॥
॥ ७४ ॥ ढाल ॥ वीरमाताप्रीतीकारणी ॥ एदेशी ॥ देवताअनोपमसूखधरा ॥
विचित्रचिह्नधरनारा॥रूपवंतानेमहर्द्धिका॥ मनेंकांमकरनारा॥ ७५॥ दे० ॥
महाबलीमहाप्रसावीकह्या ॥ गलेपहेरीआहार ॥ बाहिबाजुबंधबहिरषा ॥
कटकजमितमनोहार ॥ ७६ ॥ दे० ॥ कुंमलमुगटशिरसोहता ॥ मुंद्रानेंवलि
माला ॥ दिव्यवरवस्त्रपहिर्यांजिणें ॥ घणंरूदयविशाला ॥७७॥ दे० ॥ म
र्द्धनलेपनदिव्यते ॥ तनुंजष्टीअतिदिपे ॥ वरणगंधफरससंघयणते ॥ सहूतेज

नेंजीपे ॥ ७८ ॥ दे० ॥ दिव्यसंस्थानदिश २ प्रति ॥ निजकांतेंअजुआलें ॥ आंषमिचेनहितेकदा ॥ पूरवनोसवसंसाले ॥ ७९ ॥ दे० ॥ गीतवाजित्रनित २ होइं ॥ दिव्यलोगलोगवतां ॥ रंगमांकालकाढेसदा ॥ अपछरास्यूंजोगवतां ॥ ८० ॥ दे० ॥ धरणीथीच्यारआंगुलअदा ॥ अधरतेइंहांचाले ॥ कूसूममा लाकरमाइंनही ॥ तूछवांछितआले ॥ ८१ ॥ दे० ॥ आहारनहीकवलनोतस कदा ॥ नहांहाम्हनेचाम ॥ पंथमांवरणवबहुकरयो ॥ जोज्योतुम्हेतेहछाम ॥ ॥ ८२ ॥ दे० ॥ राणीसुलोचनातवकहे ॥ प्रभूसूरसूरवएह ॥ सिद्धनेंसोध्यसूरव एहथी ॥ किमछेअतिरेह ॥ ८३ ॥ दे० ॥ गुरुकहेधर्मशीलासुणो ॥ एहअंत रूमोटूं ॥ देवलोकांईसुरवीआनथी ॥ सूरवतेपणिखोटूं ॥ ८४ ॥ दे० ॥ जेह नेंअंतमरवुंपमे ॥ सूरवतेकिमकहिइं ॥ बहुकषायीपरवसपणुं ॥ आर्त्तध्यां ननीतलहिइं ॥ ८५ ॥ दे० ॥ विषयतृष्णाअतिआकरी ॥ महामोहअज्ञान ॥ गर्दसीकूतरीप्रमुखना ॥ आवेगर्सनेंछान ॥ ८६ ॥ दे० ॥ थाइएकेंद्रीवलीपाथ रो ॥ ईरषाघणीतास ॥ इंमडुखजेहथीपामीइं ॥ तेहनेंसुखकिमवास ॥ ८७ ॥ दे० ॥ यतः ॥ कहतंसन्नईसूरकं ॥ सुचिरणविजस्सडुरकमल्लि ॥ अईजंचमर णावसाणे ॥ भवसंआराणुबंधंच ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ एहनुंजेसुरकदाषीउं ॥ गांधर्वादिकगान ॥ तेहपरमार्थथीडुखलहो ॥ जेअथीरतामांन ॥ ८८ ॥ दे० ॥ यतः ॥ सव्वंविलवियंगीयं ॥ सव्वंनट्टंविमंवियं ॥ सव्वेआसरणासारा ॥ सव्वेका माडुहावहा ॥ १ ॥ पूर्वढाल ॥ खंमनवमेएकवीसमी ॥ एहवरणवीढाल ॥ श्रीसमरादित्यरासमां ॥ कहेपद्मरसाल ॥ ८९ ॥ दे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ॥डुहा॥परमारथथीपेषीइं॥सुंदरजाणोबीघ ॥ सुखपणिनेहनुंसहजनुं ॥ निजस आतमऋद्धि ॥ ९० ॥ तेसुखथाइतपथकी ॥ जिणमलक्षयजाय ॥ तपिइंत पतेकारणें ॥ आतमशुद्धउपाय ॥ ९१ ॥ ढाल ॥ तीरथपतीअरीहानमु ॥ एदे शी ॥ तपपदसेवइंभवीजनां ॥ द्वादशभेदसुचंगाजी ॥ अणसणनेंउणोदरी ॥ वृत्तिसंषेपमनरगोजी ॥ ९२ ॥ त्रु० ॥ मनरंगथीरसत्यागकरीइं ॥ कायकिले ससंलिनता ६ षटभेदतपनाबाह्यजाणो ॥ किजीइंविणुदिनता ॥ ९३ ॥

अशननोत्यागअणसणकह्युं ॥ तेहनादोयप्रकारोजी ॥अलपकालिकनेंयावत
कथा ॥ हवइंऊणोदरीधारजी ॥ ए४ ॥ त्रु० ॥ धारीइंत्रिणसेदतेहना ॥ पहेली
उपगरणांतणी ॥ बिजीअशननीद्रव्यथीए ॥ सावेंक्रोधादिकसणी ॥ ए५ ॥
द्रव्यक्षेत्रकालसावथी ॥ वृत्तिसंषेपचउसेयजी ॥ सेदअनेकरसत्यागना ॥ वि
गयप्रमुखजेअमेयजी॥ए६॥त्रु०॥अनेकवीरासनादिकथी॥ लोचादिककाय
क्लेशए ॥ संलिनताचउसेदसमझो ॥ सुणोतेहविसेसए ॥ ए७ ॥ ॥ इंद्रि
यनीसंलीनता ॥ तिमवलियोगनीजाणोजी ॥ एकांतथानिकसेववुं ॥ करवाय
लिनतावषाणोजी ॥ ए८ ॥ त्रु० ॥ हवइंकहुंअस्यंतरसेदषटतप ॥ प्रायछित
दसजातीए ॥ बिजोवीनयप्रकारसाध्यो ॥ सेदतेहनासातए ॥ एए ॥
ध्यानतेदोयनेंवरजवां ॥ आरतरौद्रनामेंजी ॥ धर्मशुक्लदोयआदरो ॥ वेयाव
च्चदशठामेंजी ॥ ७०० ॥ त्रु० ॥ सझायतेंमपांचेंप्रकारे ॥ काउसग्गहवेसा
षीइं ॥ द्रव्यसावडसेदद्रव्यथी ॥ च्यारसेदेंआषोइं ॥ १ ॥ तनुउपधीगणआ
हारनो ॥ काउसग्गद्रव्यथीजाणोजी ॥ कर्मकषायअंसारथी ॥ त्रिविधसावम
नआणोजी ॥ २ ॥ त्रु० ॥ आणोद्वादशसेदतपए ॥ कर्मतपावेतेतपकह्यो ॥
कर्मक्षयकारणेंकरीइं ॥ एहपरमारथलह्यो ॥ ३ ॥ इहसवपणिएहतपथ
की ॥ विघनतेनाठांजायजी ॥ लक्ष्मिथीरथईनेंरहे ॥ किरतीदशदिशथायजी
॥ ४ ॥ त्रु० ॥ थायकिरतीसहजगुणए ॥ पणिनतसअरथेंकरे ॥ चउनाणसं
जुततिर्थपतिपणि ॥ कर्म्मखपवाआदरे ॥ ५ ॥ कर्मनीकाचितनविहोइं ॥ त
सउपक्रमकह्योमंथेजी ॥ जायनिकाचीतपणिजिके ॥ साधंतांसीवपंथेजी ॥
॥ ६ ॥ त्रु० ॥ शिवपंथसाधेतेहजाणें ॥ मुझअणहारीधर्मए ॥ आहारकलंक
अनादीसवनुं॥जेहथीबहुकर्मए ॥ ७ ॥ दृढप्रहारीनेंसीमजी ॥श्रीमांनदेवसूरी
सोजी॥श्रीजगचंद्रसूरीवली॥ गजसुकमालमुनीसोजी॥८ ॥त्रु० ॥ ढंढणमुनी
तीमधनाऋषीजी ॥ कूरगडूतीमजाणीइं ॥ केईबाह्यअंतरदोयकरतां ॥ केईअ
स्यंतरगणए ॥ ए ॥ केवलबाह्यनफलकह्युं ॥ फलतेशमतासारोजि ॥ निरवां
छकताइंजेकरे ॥ तेपामेंसवपारोजी ॥ १० ॥ त्रु० ॥ बहुलब्धिपामेंअनुंक्रमेंइं

म ॥ क्षपकश्रेणीमांचढे ॥ बहुविर्यउल्लासेंकरीनें ॥ कर्मरीपुसाथेंवढे ॥११॥
घातीच्यारनोषयकरी ॥ पांमेकेवलज्ञानोजी ॥ विहरीनेंमहीमंमलें ॥ करे
उपगारजिमसानोजी ॥१२॥त्रु०॥ सानुंपरेंउपगारकरीनें ॥ आयुअंतआवेंज
दा ॥ योगरूंधीध्यांनतेहज ॥ शैलेसीआवेतदा ॥ १३ ॥ पांचलघुअ
क्षरसमो ॥ कालरहीकर्मच्यारजी ॥ वेदनीआयुनामगोत्रजे ॥ अंतसमयक्ष
यकारजी ॥ १४ ॥ त्रु० ॥ क्षयकरीसीद्धीवरयासमयें ॥ नवमेखंमेंढालए ॥
वाविसमीएपद्मविजयें ॥ सुणतांमंगलमालए ॥ १५ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सिद्धसरूपबहुशास्त्रमां ॥ वचनअगोचरवात॥तेहनोलवसाधुंतथा ॥
जेंहनुंसूखनीजजाति ॥ १६ ॥ ढाल ॥ चांदलिउनेंउग्योरेहरीणीआथमीरे ॥
एदेशी॥सवितूम्हेवंदोरेसीद्धस्वामीसणीरे॥गुणप्रगट्याएकत्रीश ॥ज्ञानावरणक्ष
येंपणगुणथयारे ॥ ज्ञानअनंतजगीश ॥ १७ ॥ सवि ॥ दरशनावरणक्षयेंगु
णनवथयारे ॥ वेदनीनाशथीदोय॥ षायकदरशनचारित्रगुणथयारे॥ मोहक्ष
येंदोयहोय ॥ १८ ॥ सवी ॥ आयुअसावेचउगुणनीपनारे ॥ नामनेंगोत्रनो
नाश ॥ दोदोगुणपणअंतरायक्षयकरीरे ॥ इंमइकत्रीसगुणराशि ॥१९॥स०॥
वरणगंधरसफरसअसावथीरे ॥ गुणपणदोयपणआठ ॥ पांचसंठाणगयाथी
पणवलीरे ॥ एपणिआवश्यकेंपाठ ॥ २० ॥ सवी ॥ वेदगयाथीत्रणिगुणपां
मीआरे ॥ वलिअशरीरअसंग ॥ अरूहथयाइंमएकत्रिशजाणीइंरे॥ ध्यांनक
रोरक्तरंग ॥ २१ ॥ सवि ॥ अथवासामान्येंगुणआठछेरे॥ केवलज्ञानअनंत ॥
केवलदर्शनअव्याबाधनेंरे ॥ क्षायिकसमकितवंत ॥ २२ ॥ सवी ॥ अक्षय
स्थितीनेंअरूपीजेथयारे॥ अगरूलघूअवगाह ॥विर्यअनंतुंविघ्नवीनाशथीरे॥
किजेंएहजनाह ॥ २३ ॥ स०॥त्रणिकालसूरसूखसेलूंकरीरे ॥ ठविइंनसपरदे
श ॥ इंमशाज्ञनसदेशेंठवीतेहनोरे ॥ कीजेंवर्गवीशेश ॥ २४ ॥ सवी ॥ इंणिप
रेंवर्गअनंतवेलाकरोरे ॥ करीइंसहुसमुदाय॥पणिअव्याबाधसूखअंशेनहीरे॥
जेहविजातीकहाय ॥ २५ ॥ सवि ॥ जिहांएकत्रीद्धतणीअवगाहनारे ॥
तिहांरहेसीद्धअनंत ॥ फरसीतवलीनीजदेशप्रदेशनेंरे ॥ असंखगुणासगवं

त ॥ २६ ॥ सवि ॥ पणिनविसीमहोइनेंपीमानहीरे ॥ एहअरूपस्व
साव ॥ अवीनासीशाश्वतसूखनोधणीरे ॥ नरमेंजेपरसाव ॥ २७ ॥ सवि ॥
अजरअमरअकलंकीजेथयारे ॥ सविगुणआवीरसाव ॥ नविनिजआत्म
देशेंपरमाणुठरे ॥ रमताजेहस्वसाव ॥ २८ ॥ स० ॥ अचलअखंडअलेसी
अरूजवलिरे ॥ जेहअजोगीअणाहार ॥ साध्यरूपसवीसवीजनवंदनेरे ॥ स
वशायरलह्यापार ॥ २९ ॥ सवी ॥ शोगवीयोगसंयोगतेवेगलारे ॥ अनंतचतू
ष्टयीधार ॥ आतमगुणनीपूरणतालह्यारे ॥ प्रणमोतुम्हेवारंवार ॥ ३० ॥ सवी ॥
थीरतापणिनिजगुंणमांहिथईरे ॥ तिणेंचारीत्रथीररूप ॥ अफूसमांणगतीलोका
ग्रेगयारे ॥ सादिअनंतसरूप ॥ ३१ ॥ सवि ॥ वाच्यनहींसंठाणतिणेंकरीरे ॥
कह्युंअनीछसंठाण ॥ सिद्धअनंतरप्रथमसमयकह्यारे ॥ परंपरपछेवषाणि ॥
॥ ३२ ॥ सवि ॥ चरमसवेंजेनीजअवगाहनारे ॥ तेहमांसुषिरीपुराय ॥ त्रि
जोसागघटामीघनकर्योरे ॥ प्रणमोतेहनापाय ॥ ३३ ॥ स० ॥ बंधनछेदादि
ककारणथकीरे ॥ जावुंशमयेंसातराज ॥ ज्योतीमांज्योतीमलीजसनीरमली
रोपाम्यानिजगुणराज ॥ ३४ ॥ स०॥ व्यवहारेंलोकाग्रेपदेरह्यारे॥निश्चयेंआ
तमखेत ॥ सूक्ष्मबादरत्रसथावरनहीरे ॥ कर्मतणाएसंकेत ॥३५॥ स० ॥ सी
द्धशिलाथीजोजनछेहमेरे ॥ काफीत्रणसेंतेत्रीस ॥ उतकृष्टीजघन्यअवगाह
नारे ॥ अंगुलजासबत्रीस ॥ ३६ ॥ स० ॥ गुणअनंतअनंतछेजेहनारे ॥ कि
मकहीसकीईरेतेह ॥ जाणेकेवलीपणिनकहीसकेरे ॥ सवमांसव्यपुरजेह ॥
॥ ३७ ॥ स० ॥ नवमेंखंडेत्रेवीसमीढालमारे ॥ समरादित्यनेंरास ॥ समरादि
त्यसरूपकहेसीद्धनुंरे ॥ पद्मकहेसूविलास ॥ ३८ ॥ स० ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ सवरदृष्टांतइहांसूंणो ॥ शुद्धकरीसरधांन ॥ नहिउपमत्रिणिभूवन
मां ॥ परगटकोपरधांन ॥ ३९ ॥ ढाल ॥ दिललगारेवादलवरणी ॥ एदेशी ॥
तुम्हेध्याउरेसाहिबध्यानमां ॥ एआंकणी ॥ जेहनागुणनसकेकहीवयणें ॥
ज्ञानिदेषेपणिग्यानमां ॥ ४० ॥ तुम्हे० ॥ क्षितीप्रतीष्टपुरजितशत्रुराजा ॥
जयसीरीराणीप्रधानमां ॥ तुम्हे० ॥ एकदिनआहेमेतपचाल्यो ॥ अश्वहरी

गयोरानमां ॥ ४१ ॥ तुम्हे० ॥ अंगखलायोविषमपरदेशें ॥ एकअबरति
णगणमां ॥ तूम्हे०॥ इंमचिंतेकोईमोहटोनरए ॥ ठखमांपमिउअचानमां॥
॥ ४२॥ तूम्हे० ॥ उचीतकरूंउपचारङंकांयक ॥ चोकमुंपहेतवपा
णिमां ॥ तूम्हे० ॥ जलउपकंठेअश्वनेंलाव्यो ॥ नृपउतरयोतवसांनमां ॥
तूम्हे० ॥ ४३ ॥ नृपन्हायोअश्वनेंन्हवराव्यो ॥ कदलीजंबिरदिइंखानमां ॥
तूम्हे० ॥ पायप्रणमीनेंआहारकराव्यो ॥ नृपचिंतेनीजमानमां ॥ ४४ ॥
तूम्हे० ॥ सक्तीवंतोनेंसङ्गनसुपुरिस ॥ वशकरयोमुझबङमानमां ॥ तुम्हे०॥
सांझसमेकरयोंकुसूमसाथरो ॥ सूतोसूपतेछाणमां ॥ ४५ ॥ तुम्हे० ॥ धनुं
षतिरलेईथयोअंगरक्षक ॥ तुरंगेंचढ्योसवारमां ॥ तूम्हे० ॥ खोलतांसेना
आवीमीलीतव ॥ रायचाव्योअशवारमां ॥ तुम्हे० ॥ ४६ ॥ साथेंसबरलेई
पुरआयो ॥ आदरमांनअपारमां ॥ तूम्हें० ॥ न्हावुंपहेरवुंउढवुंसोजन ॥ नि
जस्युंसवरश्रीकारमां ॥ ४७ ॥ तूम्हे० ॥ सामंतादिकपुछेकुणए ॥ नृपक
हेसिरिउपगारमां ॥ तुम्हे० ॥ सङप्रसंस्योनृपेतसदीधी ॥ राणीउसेवा
कारमां ॥ ४८ ॥तुम्हे० ॥ धूपघटिनेंमणीनीदीवीउ ॥ शय्याउसीसांसारमां ॥
तूम्हे० ॥ द्राक्षादिकआसवबङपाया ॥ नाटिकविविधप्रकारमां ॥ ४९ ॥
तुम्हे० ॥ पंचविषयसूखसोगवेइंमनित ॥ एकदिनचिंतीवीचारमां ॥ तूम्हे०॥
रायनेंकहेजास्युंनीजथांनिक ॥ नृपकहेसङपरीवारमां ॥ ५० ॥ तुम्हे० ॥
जाउवङअशवारपहोचावो ॥ सूखथीएहनीपालिमां ॥ तुम्हे० ॥ दिधोब
ङद्रव्यनेंबङमुलां ॥ वस्तरथरमाशालिमां ॥ ५१ ॥ तुम्हे० ॥ पहोतोअनुंक
रमेंनिजपालें ॥ मिलिउबालगोपालमां ॥ तुम्हे० ॥ सबरसङमिलीपुछेतेहनें ॥
किहांगयाताआजकालिमां ॥ ५२ ॥ तुम्हे० ॥किमरह्यास्युंषाधुंस्युंपाम्या॥
कझुंसघलूंसूरसालमां ॥ तूम्हे० ॥ तवपुछेतेनयरकेहवुं ॥ रायकेहवोसूपा
लमां ॥ ५३ ॥ तूम्हे० ॥ उपमाविणनसकेकहीरणमां ॥ तोपणिकहेनीज
चालिमां ॥ तुम्हे० ॥ दरिसमगेहसोजनवनफलसम॥ तिलमीजुवतीबालमां॥
॥ ५४ ॥ तुम्हे० ॥ गुंजाहारआसरणदेमाहे ॥ गेरूलेपनकणयरमालमां ॥

तुम्हे० ॥ नकहीशकेपणिजाणेंमनमां ॥ पुरगुंणअतिअविशालमां ॥ ५५ ॥
तुम्हे० ॥ तेसूखनरसूरमांहिनक्यांहि ॥ जेसूखसहजाणंदमां ॥ तुम्हे० ॥
सूणिवेलंधरनहीसीद्धदिरघ ॥ ह्रस्ववृत्तनहिदंदमां ॥ तुम्हे० ॥ ५६ ॥ अं
सचोरंसपरीमंमलनांहि ॥ नहीकृष्नादिवर्णवृंदमां ॥ तुम्हे० ॥ सुरत्तीउरत्ती
नतिक्तादिकरस ॥ फरसनवेदनाठंदमां ॥ ५७ ॥ तुम्हे० ॥ संज्ञाउपमानही
जेहप्रसूनी ॥ किमकरीकहींइंवाणिमां ॥ तुम्हे० ॥ ढालचोविसमीनवमेंखं
में ॥ केवलीकहेलहीनाणमां ॥ तुम्हे० ॥ ५८ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ दुहा ॥ नहीरुपीअरूपीनही ॥ गंधअगंधनगाय ॥ नहीरसअरसकदानही ॥
नहीफरसेंतरन्याय ॥ ५९ ॥ आचारसूत्रेंआषीउं ॥ अपयनेंपयनद्वि ॥ स
यलप्रपंचरहीतसदा ॥ अनंतज्योतितसऋद्वि ॥ ६० ॥ पाम्यापरमाणंदनें ॥
सांत्तलीतेहसनाथ ॥ सामंतराणीप्रमुखसवे ॥ सलोमुनीचंदसूनाथ ॥ ६१ ॥
करकजजोमीनेंकहे ॥ अम्हनेंकरयोउपगार ॥ देईधर्म्मनीदेशना ॥ स्वामी
जीअंगीकार ॥ ६२ ॥ चरीत्रतुम्हारूंचित्तधरी ॥ उपनोअम्हअसीलाष ॥
चारीत्ररसअम्हेचाषीइं ॥ सलिबोलेइंमसाष ॥ ६३ ॥ ढाल० ॥ तेतरीआरे
साईतेतरीआ ॥ एदेशी ॥ तुम्हेतरियारेसाईतुम्हेतरीआ ॥ इमसमरादित्यउचरी
आरे ॥ सावद्यकीतूम्हेचरणतेवरीआ ॥ सवअटवीउतरीआरे ॥ ६४ ॥तूम्हे ॥
जेकरवुंतेसघलूंकरीया ॥ हवेद्रव्यथीकरोकिरीयारे ॥ तेकहेप्रसूअम्हनेंउप
गरीआ ॥ आणिअम्हेशीरधरीआरे ॥ ६५ ॥ तुम्हे० ॥ वेलंधरइंमचित्तअ
नुंसरीआ ॥ अहोधन्यएहनापरीआरे ॥ उचितउछवबहूहरषेंसरीआ ॥ वेलं
धरठाकरीआरे ॥ ६६ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यशिष्यज्ञाननादरीया ॥ शील
देवजेठरीयारे ॥ तेहनाशीशपणेंआदरीआ ॥ संगसयलपरीहरीआरे ॥
॥ ६७ ॥ तु० ॥ कौतूकनेंअनुंकंपाइंपूछे ॥ वेलंधरसूरवरीआरे ॥ तेअधम्म
निजउपद्रवकारी ॥ गीरीसेननीकहोचरीआरे ॥ ६८ ॥ तूम्हे० ॥ सव्यतथाअ
सव्यअठइए ॥ बिजलसोकेनांहिरे ॥ लेहेस्येकेनहितेपणिसाषो ॥ केवलीकहे
सूणोआंहिरे ॥ ६९ ॥ तूम्हे० ॥ सव्यअछेपणिबिजनपांम्यो ॥ पणिलहेस्येतेसू

एज्योरे ॥ असंखपुद्गलपरावर्त्तअतितें ॥ सार्दूलसेननृपमुणज्योरे ॥ ७० ॥
तुम्हे० ॥ तेहनोअश्वप्रधांनएथास्ये ॥ तिहांसमकितएलास्येरे ॥ क्षयउपस
मसीथ्यात्वलहेस्ये ॥ पातिकदूरपलास्येरे ॥ ७१ ॥ तुम्हे०॥ चितवीउंमुफउप
रिउंणि ॥ अहोमहानुंसावएहरे ॥ गुणपक्षपातपरंपराबिजक ॥ समकीत
लहोएहरे ॥ ७२ ॥ तुम्हे० ॥ तेअश्वसमकीतपांमीअनुंक्रमें ॥ सवअसं
ख्यातासमस्येरे ॥ शंखनामेब्राह्मणसवलहेस्ये ॥ तिहांचारीत्रपरणमस्येरे ॥
॥ ७३ ॥ तुम्हे० ॥ क्षपकश्रेणीमांकेवललहीनें ॥ निजआतमऋधीवरस्येरे॥
निजगुणआकतीअनंतीपरगट ॥ सावेंएहजकरस्येरे ॥ ७४ ॥ तुम्हे० ॥ इं
मसांसलीवेलंधरहरष्या ॥ प्रणमीमुनीवरपायारे ॥ निजथानिकपोहतोह
वेकेवली ॥ विचरेजेनीरमायारे ॥ ७५ ॥ तुम्हे० ॥ हवेएकदिनगिरीसेनपक
ड्यो ॥ चोरीमांतवमार्योरे ॥ कुंसीपाकेंकरीकरमेंपचार्यो ॥ मुनिवरद्वेष
जेधार्योरे ॥ ७६ ॥ तुम्हे० ॥ सातमीनरगेंतेहदोषथी ॥ उपनोदूखअपारो
रे ॥ विचरंताश्रीसमरादित्यजी ॥ पहोतासीद्धगिरिगारोरे ॥ ७७॥ तुम्हे०॥ क
रमविषमस्थितीजाणीकिधो॥ केवलीनोसमुद्घातरे ॥ शैलेसीपमीवजीयामुनी
वर ॥ जेहअयोगीविख्यातरे ॥ ७८ ॥ तुम्हे० ॥ सत्रोपमाहितिहांकर्म्मखव
पावे ॥ वेदनीआयुगोत्रनामरे ॥ देहपंजरछंमीहवेमुलथी ॥ अफूसमाण
गतीनामरे ॥ ७९ ॥ तुम्हे० ॥ समयएकेंलोकाग्रेंपहोता ॥ परमब्रह्मालयजे
हरे॥ जनमजरामरणेंकरीवीरहित ॥ अचलअरूजथयातेहरे ॥८०॥ तुम्हे०॥
सुरवरमहोछवकरेशीवपदनो ॥ पूजेतेहशरीररे ॥ अंगप्रधानमहेंतेतनुंनां ॥
पामवासवजलतिररे ॥ तुम्हे० ॥ ८१ ॥ देवलोकमांजईसुरनें ॥ संसलावे
अवदातरे ॥ तेपणिसर्क्केंकरीप्रणम्या ॥ पुज्याहर्षसरातरे ॥ ८२ ॥ तुम्हे० ॥
निजआतमहेतेंनितपुजे ॥ सुरवरसमकितवंतारे ॥ समरादित्यगिरीसेनवखा
ण्या ॥ चमतकारचितदेतारे ॥ ८३ ॥ तुम्हे० ॥ समरादित्यगयाशिवपुर
मां ॥ बिजानेंसंसाररे ॥ तिणेंगुणीजनउपरिनवीमछर ॥ किजेंसूणिअधीका
रेरे ॥ ८४ ॥ तुम्हे० ॥ एकपर्षेवयरेंडखपांम्यो ॥ बिजुंपरखनीसीवातरे ॥

वलिअज्ञानकष्टडुखपांमें ॥ एदृष्टांतपणिख्यातरे ॥ ८५ ॥ तुम्हे० ॥ नवमे खंमेपचविसमीए ॥ पद्मवीजयकहिढालरे ॥ श्रीसमरादित्यकेवलिरासें ॥ सुं णतांमंगलमालरे ॥ ८६ ॥ तुम्हे० ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥
॥ डुहा ॥ संक्षेपेंएसवीकह्यो ॥ समरादित्यनोरास ॥ श्रवणेंपणिहोयसांसल्यां आणंदअगउल्लास ॥ ८७ ॥ ढाल ॥ गीरूआरेगुंणतुम्हतणा ॥ एदेशी ॥ समरादित्यगुणगाईआ ॥ आणीहर्षअपारोरे ॥ मुऊथीमंदबुद्धितणो ॥ कांयधारी चित्तउपगारोरे ॥ ८८ ॥ सम० ॥ शकतिनहीमुऊएहवी ॥ पणिश्रीहरीभद्र सूरीवयणेंरे ॥ चालेयष्टीआलंबनें ॥ जिमशकतीरहीतजुइनयणेंरे ॥ ८९ ॥ सम० ॥ हरषहतोबहुदिनतणो ॥ तेआजचढ्योसुप्रमाणोरे ॥ उद्धवरंगवधामणां ॥ कांयघरि २ कोफिकल्याणोरे ॥ ९० ॥ सम० ॥ पंमीत्तजनकिरपाकरी ॥ मुऊउपरिशुद्धकरेज्योरे ॥ अलपबुद्धिमुऊजाणिनें ॥ मतचितमांरीसधरेज्योरे ॥ ९१ ॥ सम० ॥ शकतीरहीतपणिमुऊसणी ॥ मुनीगुंणेंबोलाव्योप्राणेंरे ॥ अंबमंजरीशक्तेंलवे ॥ कांयमधुरकोकिलमधुटाणेंरे ॥ ९२ ॥ सम० ॥ सीतेंखलजननेंनमुं ॥ जेअछतांडुखएकाढेरे ॥ प्रितेंसज्जननेंनमुं ॥ जेमेंरू शिखरपरचाढेरे ॥ ९३ ॥ सम० ॥ अलपबुद्धीअणाभोगथी ॥ कांयबोल्यूंवचनविरूधरे ॥ मीछादूक्कडमुऊहज्यो ॥ जिणथीहुंथाउंशुद्धरे ॥ ९४ ॥ सम० ॥ सूरसवशहीतनवेसनें ॥ मुनीसव २ समताचढतीरे ॥ नवमेंसवपूरणथई ॥ कांयसमताजेहनीवढतीरे ॥ ९५ ॥ सम० ॥ पेहेलेखंमेपनरकही ॥ बिजेत्रेवीसढालरे ॥ त्रिजेचौदचोथेंकही ॥ ढालअगवीसविशालरे ॥ ९६ ॥ सम० ॥ ढालपांचमेंउठेकही ॥ सत्तीचोवीसनेंचोवीसरे ॥ शातमेत्रेवीसआठमे ॥ खंमेसाधीबाविशरे ॥ ९७ ॥ सम० ॥ नवमेखंमेएकही ॥ छवीसमीढालरशालरे ॥ सर्वमीलीनेंएकसो॥कहीनवाणूंवरढालरे ॥ ९८ ॥ सम० ॥ अढारउंगणच्यालमां ॥ कांयमांम्योरासएवरषेरे ॥ लिवमीचोमासूंरही ॥ कांयदिन २ चढते हरषेंरे ॥ ९९ ॥ सम० ॥ वोहराकसलाआदिदे ॥ सिलोटासहसमल्लनामेंरे ॥ तसआग्रहेप्रारंसीउ ॥ वलीनीजआतमहितकांमेंरे ॥१००॥ सम० ॥ तिणेंव

रसेंतिहांसंघमां ॥ तपकिधाघरि २ बाररे ॥ पंचोत्तेरमासखमणते ॥ थया
जिनबिंबमाननहाररे ॥ १ ॥ सम० ॥ लुंपकघरिपणिकीधलो ॥ पणितेअ
ज्ञानमांपेसेरे ॥ अग्निशर्मानीपरें ॥ आणावीएंतपकूंणकहेस्येरे ॥ २ ॥ सम० ॥
श्रीगुरूउत्तमवीजयनी ॥ किरपाइंकिधोरासरे ॥ पद्मवीजयकहेहोयजो ॥
कांयघरि २ लिलविलाशरे ॥ ३ ॥ सम० ॥ कलस ॥ तपगछनंदनसुरतरू
प्रगट्या ॥ एदेशी ॥ शासननायकशीववधुलायक ॥ वर्द्धमानजिनचंदाजी ॥
पंचमगणधरसोहमपटधर ॥ जंबुतासमुणिंदाजी ॥ ४ ॥ प्रभवापटधरपूर
वधारी ॥ शझंभवसूरिंदाजी ॥ मनकपीताजेपुत्रनेंअरथें ॥ दशवैकालिक
करंदाजी ॥ ५ ॥ जशोभद्रसुरीतसपटधर ॥ पूरवचौदसणिंदाजी ॥ संभूतिवी
जयनेंभद्रबाहुगुरू ॥ एकजपाटगणिंदाजी ॥ ६ ॥ थुलिभद्रजसातमापटधर ॥
पूरवचौदधरिंदाजी ॥ ब्रह्मचारीशिरचेहरसणीइं ॥ कोशाप्रतिबोधंदाजी ॥ ७ ॥
आर्यमहागीरीआर्यसूहस्ती ॥ दशपूरवधरइंदाजी ॥ अवंतीशुकमालबुझव्यो ॥
तिमसंप्रतीनरिंदाजी ॥ ८ ॥ आठपाटलगेंइणीपरेंपहेलुं ॥ निर्ग्रंथनांमकहंदा
जी ॥ सुस्थितसुप्रतीबधएहबिहुं ॥ पटधरएकसुखकंदाजी ॥ ९ ॥ कोडिवा
रसुरीमंत्रजप्योतिणें ॥ कोटिकगणथप्यंदाजी ॥ श्रीइंद्रदिन्नसुरीतसपटधर ॥
श्रीदिन्नसुरीहवंदाजी ॥ १० ॥ सिंहगिरीसुरीतसपटधर ॥ द्वादशमेगुणवंदाजी ॥
जेहनासीसवीनीतसीरोमणी ॥ सघलाजेगतवंदाजी ॥ ११ ॥ तसपट्टेश्रीवयरमु
नीसर ॥ जिनशासनशोहंदाजी ॥ चौदमेपाटवज्रसेनसुरी ॥ निस्संगज्युअर
विंदाजी ॥ १२ ॥ पन्नरमेपटश्रीचंद्रसुरी ॥ चंद्रगछथयानांमजी ॥ त्रिजुंएपर
सीधुंजगमां ॥ सामंतभद्रतसगामजी ॥ १३ ॥ वनवासीचोथुंथयुंअतीधा ॥ तसप
ट्टगुणमणीधामजी ॥ श्रीवृद्धदेवसुरीपरसीद्धा ॥ पटधरनसअतीरामजी ॥ १४ ॥
श्रीप्रद्योतनसूरीविराजे ॥ मानदेवसूरीछाजेजी ॥ तसपट्टमांनतूंगआचारय ॥
उद्योतकअतीभ्राजेजी ॥ १५ ॥ विरसुरीएकविसमेपट्टे ॥ जयदेवसुरीबावीस
जी ॥ देवाणंदवलीवीक्रमसुरी ॥ श्रीनरसिंहसुरीसजी ॥ १६ ॥ पट्टछवीसमेस
मुद्रसुरीवर ॥ मानदेवसुरीतासजी ॥ विबुधप्रभसुरीतसपाटें ॥ श्रीजयानंद

सुवासजी ॥ १७ ॥ त्रिशमेंपाटेंरवीप्रभसुरी ॥ श्रीजशोदेवसुरीजासजी ॥
प्रद्युम्नसुरीबत्रीसमेपाटे ॥ मांनदेवतसषासजी ॥ १८ ॥ विमलचंद्रनेंउद्यो
तनसुरी ॥ तेहपांत्रिसमेंगणोजी ॥ वमतलेश्राठसुरीपददिधां ॥ तिहांथीवम
गछजाणोजी ॥ १९ ॥ पांचमुंनांमएपाटछत्रीसमे ॥ सर्वदेवसुरीसोजी ॥ सां
त्रीसमेपाटेंदेवसुरी ॥ सर्वदेवश्रमत्रीसजी ॥ २० ॥ विऊंगुरूतांईहवेंएकपा
टें ॥ जसोसद्रश्रीनेमीचंदजी ॥ तेऊनीपाटेंमुनीचंदसुरी ॥ निरमलकीरती
चंदजी ॥ २१ ॥ अजीतदेवसुरीतसपटधारी ॥ विजयसिंहसुरीनमीइंजी ॥
सोमप्रभसुरीमणीरत्नसुरी ॥ नमतांपापनीगमीइंजी ॥ २२ ॥ एदोयपाटेंचौ
श्रालीसमे ॥ श्रीजगच्चंद्रसुरीदीवोजी ॥ करीकिरीयाउद्धारदिपाव्यो ॥ मारगते
चिरंजीवोजी ॥ २३ ॥ श्राघाटपुरेंजिणेंदिगपटजीत्या ॥ राणासत्ताहजुरजी ॥
हिरलानामदिधुंतिहांराणें ॥ तपकीधोजिणेंपुरजी ॥ २४ ॥ जावजी
वश्रांबिलतपकीधो ॥ बिरूदतपातिहांपायुंजी ॥ तपगछनामछ्टुंएहगुणथी ॥
नाहिकदामहेंश्रायुंजी ॥ २५ ॥ देवेंद्रसुरीपटोधरतेहना ॥ प्रकरणजिणेंबऊकि
धांजी ॥ धर्मगोषसुरीसरतेहना ॥ विद्यामंत्रप्रसीद्धजी ॥ २६ ॥ सोमप्रभसुरी
सम्रतालीसमें ॥ पाटेंश्रतीवयरागीजी ॥ सोमतीलकसुरीदेवसुंदरसुरी ॥ ज
सपंचशीष्यसोसागीजी ॥ २७ ॥ सोमसुंदरसुरीतेहनापटोधर ॥ मुनिसुंदरत
सपाटेंजी ॥ एकसोश्राठहाथनोकागल ॥ लिखीमोकल्योगुरूमाटेंजी ॥ २८ ॥
कालीसरस्वतीजेकहेवाता ॥ संतिकरंजिणेंकिधुंजी ॥ पाटवितेहनारत्नसेषर
सुरी ॥ बावनमेंपरसीधुंजी ॥ २९ ॥ लक्ष्मीसागरसुरीसुमतीसाधुसुरी ॥ हेमवि
मलपणपन्नजी ॥ श्राणंदवीमलसुरीछपन्नमें ॥ पाटेंतेहनीपन्नजी ॥ ३० ॥
बऊमारगलोपाणोजाणी ॥ क्रियाशिथलथयाप्राणीजी ॥ संवत्पनरब्यासीइं
कीधो ॥ क्रियाउद्धारमनश्राणीजी ॥ ३१ ॥ बऊश्रेष्टीसूतशातजिणेंदिष्या ॥
स्यांस्यांकीजेंवषाणजी ॥ तसपट्टेंविजयदानशूरीइं ॥ करीपरतिष्टाबऊगण
जी ॥ ३२ ॥ इंमसत्तावनपाटवषाण्या ॥ शेषपाटहवेकहीइंजी ॥ पद्मवीज
यंकहेपुरवसूरीना ॥ गुणगातांसुखलहीइंजी ॥ ३३ ॥ देशीहमचमीनी ॥ श्रठा

वनमेपाटेंहुआ ॥ विजयहीरसूरीराया ॥ मेघजीआचारयप्रतीबोधी ॥ लूंपक
मतछेम्पायारे ॥ ३४ ॥ हमचमी ॥ अठावीससंजतस्यूंदिक्षा ॥ लिधिजेगुरू
पासें ॥ पातसाहअकबरप्रतीबोध्यो ॥ जिवअमारिप्रकासेरे ॥ ३५ ॥ हम०॥
सीरोहीनफुलाईपाटण ॥ राजनगरखंत्राति ॥ जिणेंबहुबिंबप्रतिष्टाकीधी ॥ ठा
मि २ विष्यातरे ॥ ३६ ॥ हम० ॥ विजयसेनसूरीतसपाटें ॥ पातसाहनेंआ
गे ॥ षटदरीशणमांजयश्रीरीजेहनें ॥ वरीस्वयंवरारागेंरे ॥ ३७ ॥ हम० ॥ स
वाईगुरूविरूदलह्यातव ॥ गीतारथगुणरागी ॥ तसपाटिविजयदेवसूरीसर ॥
किरतीचिहुंदिशजागीरे ॥ ३८ ॥ हम० ॥ विजयप्रभसूरीतसपट्टें ॥ सोभागी
सीरदार ॥ विजयरत्नसूरीपाटेंतेहनें ॥ विजयषीमासुरीसाररे ॥ ३ए ॥ हम०॥
चोसठिमेंपाटेंवलीहुआ ॥ विजयदयासुरीराय ॥ विजयधर्म्मसुरीजसराज्यें॥
प्रारंभरासनोथायरे ॥ ४० ॥ हम० ॥ अढारएकतालेकातीवदिमां ॥ स्वर्गेते
हसिधाया ॥ तसपट्टेंश्रीजीनेंद्रसुरीश्वर ॥ पुण्येंपदवीपायारे ॥ ४१ ॥ हम० ॥
तसराज्येंएपुरणकीधो ॥ अढारबेंतालावरसें ॥ श्रीकल्याणपाससुपसायें ॥व
संतपंचमीदीवसेंरे ॥ ४२ ॥ हम० ॥ श्रीवीजयदेवसुरीसपट्टोधर ॥ श्रीवीज
यसिंहसुरीस ॥ संवतसोलएकासीआवर्षें ॥ सुरीपदेसुजगीसरे ॥हम०॥४३॥
राणोजगसिंहजिणेंप्रतीबोध्यो॥ जसकिरतीजगव्यापी॥ जेहनीपरषदमांबहु
गीतारथ ॥ किधाआदरआपीरे ॥ ४४ ॥ हम० ॥ वरसअठावीसआचारयप
द ॥ युवराज्येंजेपाली ॥ राजनगरमांस्वर्गपधारया ॥ डुखदोहगसविटालीरे॥
॥ ४५ ॥ हम० ॥ तेहनाशीष्यसमुहमांसोहे ॥ सत्यविजयपन्यास ॥ आ
चारयगुरूआणापामी ॥ करयोकीयाअभ्यासरे ॥ ४६ ॥ हम० ॥ कपूरवि
जयपंन्यासतेहना ॥ षिमाविजयतसजाणो ॥ नंदिषेणपरिदेशनाजेहनी ॥क
रेसविव्रतपचखाणोरे ॥ ४७ ॥ हम० ॥ संगीजंगीबहुप्रतीबोध्या ॥ सोभागी
सीरदार ॥ तसजीनवीजयपन्यासकहाया ॥ करतावहुउपगाररे ॥ ४८ ॥ ह
म०॥ गीतारथसज्ञानघणंसुंदर ॥ लक्षणलक्षीतदेह ॥ जेहनीमुंद्रादेषीपूरवामु
नीवरसांभरेंतेहरे ॥ ४ए ॥ हम० ॥ तासशीससमुदायमांजाणो ॥ उत्तमवी

जयपन्यास ॥ ग्यानीध्यानीनेंनहीमांनी ॥ दशदिशकिरतिजासरे ॥ ५० ॥
ह० ॥ पयमीपंचसंग्रहमुखग्रंथा ॥ जाणेंतसञ्रामनाय ॥ सद्कउपगारीमुक
मोहटा ॥ शांतदांतगुणरायरे ॥ ५१ ॥ हम० ॥ मुकशरीषापञ्ररनवपल्लव ॥
किधाञ्रतीहीतञ्राणी॥स्योस्योकऊंउपगारगुरूनो॥ वाणीजासप्रमाणीरे॥५२॥
हम० ॥ विसलनगरवीराजेरूमूं ॥ जिहांजिनचैत्यछेदोय ॥ जिहांञ्रतीसक्ती
वंतावडश्रावक ॥ प्रलूपूजाघणीहोयरे ॥ ५३ ॥ हम० ॥ तेगुरूउत्तमवीजय
पञाई ॥ पद्मवीजयलघुशीसे ॥ विशलनगरचोमासरहीनें ॥ साध्योविसवा
विसेंरे ॥५४॥ हम०॥ जिहांलगेंग्रहगणतारामेरू॥ चद्रसुरयपरकाश ॥ तिहां
लगेएहरासथीररहेज्यो॥जयजयकारवीलासरे॥५५॥हम०॥समरादित्यनोरास
एसणस्ये ॥ लिखस्येसागवीशाल ॥ तेहमहोदयपदवीलहेस्ये ॥ हास्येमंगल
मालरे ॥५६॥ हम०॥ इतिश्रीसंविज्ञपक्षीयपंमितप्रवरश्रीमउत्तमविजयगणि
शिष्यप० पद्मविजयविरचितेश्रीसमरादित्यचरीत्रेप्राकृतप्रबंधेसमरादित्यगि
रीसेनयोःनवमनरभवः समाप्तः तत्समाप्तौसमाप्तोयंनवमःखंडःतत्समाप्तौचस
माप्तं श्रीसमरादित्यचरीत्रं ॥ नवमखंडेसर्वगाथा ॥८५६॥ श्रीमुंबईबंदिरेश्री
शांतिनाथजीप्रशादात् ॥ सुखंभवतु ॥ कल्याणमस्तु॥ श्रीरस्तु॥ श्री ॥ ॥श्री॥

समाप्तः